एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC
LIMITED
(A Govt. Of India Enterprise)
CIN : L27320WB1964GOI026211
225C, A.J.C BOSE ROAD, KOLKATA - 700 020, INDIA
PHONE : 91-33-2290-0964, 2287-9627 / 7557 / 0568
FAX : 2287-8547/2290-7211/2281-3089, 2287-4915(ERO)
website : www.mstcindia.co.in • www.mstcecommerce.com

MSTC/CS/SE/41

31st August, 2019

1. The Dy.Manager (Listing)
BSE Limited
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street, Mumbai 400 023.
(Scrip Code: 542597)

2. The Manager, Listing Department
National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza, BandraKurla Complex
Bandra (E), Mumbai 400 051
(Scrip Code: MSTCLTD)

Dear Sirs,

Sub: Notice of 54th Annual General Meeting along with Annual Report

We would like to inform you that the 54th Annual General Meeting of the members of the MSTC Limited is scheduled to be held on Wednesday, September 25, 2019 at 11:00 A.M at Hall no. 6, (Auditorium at level1), Biswa Bangla Convention centre, Biswa Bangla Sarani, DG Block, New town, Action Area - 1, Kolkata - 7000156, West Bengal. A copy of AGM notice along with proxy form and attendance slip is enclosed herewith.

Further, pursuant to Regulation 34(1) of Securities Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, a Copy of 54th Annual Report of the Company for the financial year 2018-19 containing Financial Statements for the year ended March 31, 2019, Independent Auditor's Report thereon, Director's Report, Corporate Governance Report and Management and Discussion Analysis are enclosed for your reference and record. The same is also being emailed to NSE and BSE at annualreports@nse.co.in and corp.relations@bseindia.com respectively and uploaded on NEAPS and BSE Listing Centre.

The dispatch of the Annual Report for the year 2018-19 to the shareholders has commenced from 31st August, 2019. The Annual Report is also hosted on Company's website i.e.www.mstcindia.co.in.

Kindly take this on record.

Thanking you,

Yours faithfully,

For MSTC Limited

225सी, ए.जे.सी. बोस रोड 225C, A.J.C. BOSE ROAD एम एस टी सी लिमिटेड MSTC LTD. कोलकाता/KOLKATA-700 020

(Ajay Kumar Rai)
Company Secretary & Compliance Officer

e-assuring INDIA

India's No.1 E-Commerce Govt. Company

54वीं वार्षिक रिपोर्ट 54th Annual Report 2018-19

एम एस टी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन

Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

CIN : L27320WB1964GOI026211

श्री धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय केंद्रीय मंत्री - पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय

Shri Dharmendra Pradhan
Hon'ble Minister of Petroleum and Natural Gas and Minister of Steel

श्री विनय कुमार
सचिव (इस्पात)

Shri Binoy Kumar
Secretary (Steel)

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते
माननीय इस्पात राज्य मंत्री

Shri Faggan Singh Kulaste
Hon'ble Minister of State for Steel

न्यू टाउन, कोलकाता में एमएसटीसी का निर्माणाधीन निगमित कार्यालय
MSTC's proposed Corporate Office Building being constructed at New Town, Kolkata

विषय-सूची
Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors	2
प्रबंधन दल / Management Team	3
दृष्टि, ध्येय और लक्ष्य / Vision, Mission and Objectives	4
वर्तमान एमएसटीसी / MSTC at Present	5
अध्यक्षीय संबोधन / Chairman's Statement	6
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण / Management Discussion and Analysis	12
बोर्ड की रिपोर्ट / Board's Report	26
स्टैंडएलोन रिपोर्ट / Standalone Report	103
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	104
ख) सीएजी रिपोर्ट / CAG Report	121
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	122
घ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit & Loss	123
ङ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity	124
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow	125
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	126
समेकित रिपोर्ट / Consolidated Report	191
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	192
ख) सीएजी रिपोर्ट / CAG Report	207
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	208
घ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit & Loss	209
ङ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity	210
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow	211
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	212

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री बी. बी. सिंह
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Shri B. B. Singh
Chairman-cum-Managing Director

श्री ए. के. बासु
निदेशक (वित्त)
(30.11.2018 तक)

Shri A. K. Basu
Director (Finance)
(Upto - 30.11.2018)

श्रीमती भानु कुमार
निदेशक (वाणिज्यिक)

Ms. Bhanu Kumar
Director (Commercial)

श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल
सरकारी नामित निदेशक

Ms. Ruchika Chaudhry Govil
Govt. Nominee Director

डॉ. प्रमोदिता सतीश
सरकारी नामित निदेशक

Dr. Promodita Sathish
Govt. Nominee Director

श्री जी. आर. अलोरिया
स्वतंत्र निदेशक

Shri G. R. Aloria
Independent Director

डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन
स्वतंत्र निदेशक

Dr. T. V. Muralivallabhan
Independent Director

श्रीमती प्रभाती परिदा
स्वतंत्र निदेशक

Ms. Pravati Parida
Independent Director

डॉ. आर. एस. येली
स्वतंत्र निदेशक

Dr. R. S. Yeli
Independent Director

श्री सुब्रत सरकार
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ
(01.12.2018 से)

Shri Subrata Sarkar
Director (Finance) and CFO
(w.e.f. 01.12.2018)

श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी
स्वतंत्र निदेशक
(14.12.2018 से)

Ms. Aparna Chaturvedi
Independent Director
(w.e.f. 14.12.2018)

प्रबंधन दल / Management Team

श्री सुरेश माधवन
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri Suresh Madhavan
Chief Vigilance Officer

श्री आर. के. चौधुरी
मुख्य महाप्रबंधक (वि व ले)
Shri R. K. Chaudhuri
CGM (F&A)

श्री सी. आर. गिरि
महाप्रबंधक (सिस्टम्स)
Shri C. R. Giri
GM (Systems)

श्री एम. पी. श्रीवास्तव
महाप्रबंधक (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava
GM (CC)

श्रीमती वी. वसन्ती
महाप्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के तकनीकी सचिव)
अतिरिक्त प्रभार (का. व प्र.)
Smt. V. Vasanti
GM (TS to CMD)
Addl. Charge (P & A)

श्री अजय कुमार राय
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
Shri Ajay Kumar Rai
Company Secretary and Complaince Officer

कॉर्पोरेट पहचान संख्या :
Corporate Identification No. :
L27320WB1964GOI026211

लेखा परीक्षक
डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल

Auditors
D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स	Bankers
बैंक ऑफ बड़ौदा	Bank of Baroda
बैंक ऑफ इंडिया	Bank of India
एचडीएफसी बैंक	HDFC Bank
इंडियन बैंक	Indian Bank
इंडसइंड बैंक	IndusInd Bank
पंजाब नेशनल बैंक	Punjab National Bank
भारतीय स्टेट बैंक	State Bank of India
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	Union Bank of India
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	United Bank of India
येस बैंक	Yes Bank

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव
Secretarial Auditor
Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यलय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड,
कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290 0964, 2287 7557/0568/9627
फैक्स : (+91-33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

पंजीयक एवं अंतरण अभिकर्ता :
मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड
205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान
एक्सटेंशन, नई दिल्ली -110 055
दूरभाष सं. : +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200
ई-मेल : sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com

Registrar and Transfer Agent :
M/s Alankit Assignments Limited
205-208, Anarkali Complex, Jhandewalan
Extension, New Delhi -110 055
Tel: +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200
E-mail: sarunraj@alankit.com/
saching@alankit.com

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
Kolkata - 700 020
Phone : (+91-33) 2290 0964, 2287 7557/0568/9627
Fax : (+91-33) 2287 8547, 2240 4176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि, ध्येय और लक्ष्य

दृष्टि

क) विश्व बाजार में ई-कॉमर्स की शीर्ष कंपनी बनना।

ख) ट्रेडिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख विश्वसनीय और पारदर्शी कंपनी बनना।

ग) अनुपयोगी सामग्री को टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगी सामग्री में बदलना।

ध्येय

क) ई-कॉमर्स के व्यापक उपयोग से पारदर्शिता और बेहतर कीमत सुनिश्चित करना।

ख) परेशानी मुक्त और निष्पक्ष ई-कॉमर्स से ट्रेडिंग को शक्ति-सम्पन्न बनाना।

ग) टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया को बल देना।

घ) निरंतर नवोन्मेष के माध्यम से अपने सभी स्टेक होल्डरों को वांछित परिमाण देना।

ङ) निरंतर अपने कार्य-क्षेत्र में नए क्षेत्र की तलाश करना तथा अपनी सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार वृद्धि करना।

लक्ष्य

क) ई-कॉमर्स की विश्वसनीय सुगम सेवा से विश्व स्तर पर सीमा पार व्यवसाय को शक्ति-सम्पन्न बनाते हुए भारत की हिस्सेदारी में वृद्धि करना।

ख) अपने व्यवसायिक सहयोगियों को त्वरित और कुशल सेवाएं प्रदान करते हुए अपने व्यवसाय के प्रति ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना तथा ग्राहकों की संतुष्टि में महत्वपूर्ण-सकारात्मक योगदान करना।

ग) भारत और अन्य देशों के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों की लेनदेन एवं बेहतर कीमत पाने के लिए अपना सुरक्षित और पारदर्शी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना।

घ) सक्षम, समर्पित और उत्प्रेरित कार्यबल का विकास करना।

ङ) मेटल एवं ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग के क्षेत्र में तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भावी व्यवसाय-वृद्धि के लिए ऐसी कंपनियों से संयुक्त उद्यम की कंपनी बनाना, जो इन उपक्रमों में समन्वयक की भूमिका निभाए।

च) नियोजित पूंजी पर इष्टतम रिटर्न सुनिश्चित करने और नेट वर्थ पर 15% की वापसी हासिल करने के लिए उपरोक्त गतिविधियों को शुरू करना।

छ) रिसाइक्लिंग क्षमता निर्माण में निवेश कर और स्क्रैप के सुनियोजित निपटान के लिए अपना पारदर्शी प्लेटफॉर्म देते हुए देश में पुनर्नवीनीकरण मेटल और ई-वेस्ट वस्तुओं की मांग बनाना और उनकी आपूर्ति में वृद्धि करना।

Vision, Mission and Objectives

Vision

a) To be the global market leader in e-commerce domain.

b) To emerge as a dominant player in secured and transparent trading.

c) Creating value from waste resources through sustainable and eco-friendly recycling.

Mission

a) To ensure transparency and better price discovery through extensive use of e-commerce.

b) To ensure hassle-free and fair e-commerce enabled trading.

c) To promote sustainable and eco-friendly recycling.

d) To strive for continuous innovation to deliver desired value to our stakeholders.

e) To penetrate and expand the markets we handle and enhance the value of services we render on sustained basis.

Objectives

a) To increase India's share in global cross border trade by facilitating reliable e-commerce enabled trading.

b) To improve customer experience and make a significant positive impact on customers' satisfaction by providing prompt and efficient services to business associates, driving improved loyalty to its business.

c) To provide a secure and transparent e-commerce platform enabling better price discovery and meet the transctional requirements of Indian and cross border public and private sector enterprises.

d) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

e) To, enter into joint ventures with enterprises offering synergy in the area of metal and e-waste recycling, prospective business on e-commerce platform.

f) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

g) To build demand and increase supply of recycled metal and e-waste commodities in the country by investing in recycling capacity building and providing a transparent platform for organized disposal of scrap.

वर्तमान एमएसटीसी

9 सितंम्बर, 2018 को एमएसटीसी ने अपने अस्तित्व के 54 वर्षों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और विकास की लंबी यात्रा के 55 वें वर्ष के लिए अपने रास्ते पर प्रशस्त है। एक छोटी सी कैनलाइजड एजेंसी से, इसने अपने को ई-कॉमर्स की बी 2 बी सेक्टर की बड़ी कंपनी के रूप में तब्दील किया है और सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र ऐसी कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया है।

एमएसटीसी आज कच्चे माल के समर्थन और सीमलेस ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए स्टील और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, केंद्र सरकार/राज्य सरकार और निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए अभिनव दृष्टिकोण है। कोयला ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी एमएसटीसी की एक और उपलब्धि है और एमएसटीसी आज पहले की तुलना में काफी बड़ा हुआ है। भारत सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनाएं मसलन डीडीयूजीकेव्हाई, डीईईपी (दीप), यूडीएएन (उडान), डीएसएफ बिडिंग, खनिज ब्लॉक ऑक्शन आदि का एमएसटीसी द्वारा विकसित ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया गया। यह सबसे पसंदीदा सेवा प्रदाता और विभिन्न केंद्रीय पीएसयू, राज्य सरकारों और बड़ी निजी कंपनियों को एमएसटीसी को अपने मजबूत परिचय हेतु नामांकन आधार पर शामिल कर रही है।

एमएसटीसी आज श्रेणी-1 मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची 'बी' कंपनी है जो इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है। हाल ही में भारत सरकार नें आईपीओ के माध्यम अपने 25.10% शेयरों का विनियोजन किया है। कंपनी के शेयर बीएसई तथा एनएसई में सूचीबद्ध हैं।

1964 में एक छोटी सी ट्रेडिंग कंपनी के रूप में शामिल किया गया था, जिसमें ₹ 6 लाख रूपये की छोटी पूंजी थी। पिछले 54 वर्षों में यह एक बड़ी बहु-उत्पाद विविध कंपनी बन गई है। एमएसटीसी ने पांच बार बोनस शेयर जारी किए हैं और शेयरधारकों के मूल्य में काफी बढ़ोतरी हुई है और एक मूल शेयर अब बत्तीस शेयर है। इसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी खजाने को काफी लाभांश दिया है।

एमएसटीसी अपने सीएसआर पहल के तहत पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

एमएसटीसी कच्छे माल के संदर्भ में औद्योगिक उपयोग के लिए स्कैप के पुनर्चक्रण की सुविधा भी देता है और इससे इनपुट लागत में कमी, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और आखिरकार पर्यावरण को बचाता है इस प्रकार यह सरकार के 'स्वच्छ भारत' मिशन में काफी योगदान देता है।

एमएसटीसी ने संयुक्त रूप से एमएमपीआरएल के साथ पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) क्षेत्र में प्रवेश किया है। इस उद्देश्य हेतु ग्रेटर नोएडा में आधुनिक तकनीक सहित एक संग्रहण सह विघटन केन्द्र की स्थापना की गयी है। चैन्नई में द्वितीय केन्द्र हेतु कार्य प्रगति पर है। इस वित्तीय वर्ष में इस प्रकार के और दो संग्रहण तथा विघटन केन्द्र स्थापित किये जाने की योजना है। ये केन्द्र प्रमुख ऑटो श्रेडिंग संयंत्र हेतु आपूर्ति फीडस्टॉक के रूप में कार्य करेंगे।

एमएसटीसी आज अपने गौरवशाली अस्तित्व के 55 वें वर्ष में देश के लोगों, सरकार, हितधारकों के प्रति कंपनी में विश्वास रखने के लिए आभार व्यक्त करता है। हम अपनी व्यवसायिक गतिविधियों में नैतिक व्यवसायिक सिद्धांतों, वांछनीय शासन, प्रबंधन क्षमताओं, सामाजिक कारण, पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

MSTC at Present

MSTC has successfully completed 54 years of its existence on 9th September 2018 and is moving on its way to 55th year of a long journey of growth. From being a small canalized agency, it has transformed itself into e-commerce giant in B2B sector and has the distinction of being only such company in public sector.

MSTC today is rendering its services to steel and petrochemical sectors for raw material support and seamless e-commerce services with innovative approach to various PSUs, Central Government/State Government and private sector companies. Successful e-auction of coal blocks is yet another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday. Many Govt. of India's flagship schemes like DDUGKY, DEEP, UDAN, DSF bidding, Mineral Block Auction etc. have been successfully implemented through e-Commerce portal developed by MSTC. It is the most preferred service provider and various Central PSUs, State Governments and Big Private sector companies are engaging MSTC on nomination basis based on its strong credentials.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India. Recently the Govt. of India had disinvested its 25.10% of shares through IPO. Shares of the Company are listed with BSE and NSE.

Incorporated in 1964 as a small trading company with a meagre capitel of ₹6 lakhs, in last 54 years it has grown into a large multi-product diversified company. MSTC has issued bonus shares five times and the shareholders' value has substaintially being enhanced and one original share is now thirty-two shares. It has paid substantial dividends to the Government exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR initiatives.

MSTC also facilitates in recycling of scrap for industrial use in terms of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy & natural resources and ultimately protects the environment. Thus it contributes significantly to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC jointly with MMPRL forayed into recycling centre. A collection and dismantling centre with a state-of-the-art centre has been set up in Grater Noida. Work is underway for second center at Chennai. Two more such collection and dismantling centers are being set up this fiscal. These centers will act as a supply feedstock for the main Auto Shredding plant.

MSTC today on its 55th year of glorious existence expresses its gratitude to the people of the country, the Government, the stakeholders for reposing faith in the company. We reiterate our commitment to ethical business principles, desirable governance, management capabilities, social cause, transparency and fairness in all its business activities.

अध्यक्षीय संबोधन
Chairman's Statement

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे पुनः आप सभी के साथ वार्ता करने में अत्यंत खुशी हो रही है और आपने हाल के वर्षों में कंपनी के प्रति जिस आस्था और विश्वास का परिचय दिया है मैं उसके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। हमेशा की तरह, हम केवल अपने व्यवसाय के विस्तार को सुनिश्चित तथा विकास के अवसरों को आगे बढ़ाने के प्रति ही नहीं बल्कि सतत तरीके से अपने सभी स्टेकधारकों हेतु मूल्यों के सृजन के प्रति भी प्रतिबद्ध हैं।

चुनौतियों के बावजूद, आपकी कंपनी ने प्रचालनगत स्तर पर महत्वपूर्ण विकास अर्जन किया है। हालांकि कंपनी को चालू वित्त वर्ष के दौरान घाटा का सामना करना पड़ा है परन्तु यह सिर्फ पूर्व वर्षों से संबंधित कर्ज हेतु प्रावधान किये जाने के कारण है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान :

- कंपनी ने स्क्रैप की बिक्री में लगभग 21% बढ़ोत्तरी दर्ज किया है
- ई-सेल व्यवसाय में भी खासकर बढ़िया निष्पादन हुआ और लगभग 35% की वृद्धि दर्ज की गयी
- ई-प्रोक्योरमेंट ने लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की
- कंपनी ने शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किया
- इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से 29 मार्च, 2019 को कार्रवाई करते हुए भारत के राष्ट्रपति द्वारा बिक्री हेतु प्रस्ताव के जरिए कंपनी ने ₹10/- प्रति इक्विटी शेयर के दर से 1,76,70,400 का प्रारम्भिक सार्वजनिक ऑफरिंग (आईपीओ) किया है । सार्वजनिक होने के पश्चात हम स्टेकधारकों के प्रति बहुत जिम्मेवार हुए हैं और मुझे यह विश्वास है कि कंपनी अगामी दिनों में ऊँचाई के नये आयाम हासिल करेगी।

वित्त वर्ष 2018 - 19 में अपर्याप्त लाभ को ध्यान में रखते हुए कंपनी अधिनियम 2013 तथा उसके अधीन गठित नियमों के प्रावधानों के अनुसार सदस्यों को भुगतेय किसी लाभांश की अनुमति नहीं है।

एमएसटीसी के फायदे

एमएसटीसी, ई-कॉमर्स में सेवा प्रदाता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और यह इस क्षेत्र में अग्रणी है ब्रिक एंड मोर्टर पद्धति तथा/या किसी अन्य पद्धति के माध्यम से संचालित किसी व्यवसाय कार्यकलाप को

Dear Shareholders,

It is once again my proud privilege to communicate with you, I must sincerely acknowledge the trust and confidence you have reposed in the Company during the recent years. As always, we remain committed to pursuing growth opportunities and not only to ensuring expansion of our businesses but also creating value for all our stakeholders in a sustainable manner.

Inspite of the challenges, your Company has achieved significant growth at the operational level. Though the Company has suffered loss in the current financial year but that is only due to the provisions made for debts related to earlier years.

During the year under review;

- The Company has recorded increase of approx. 21% in sale of scrap
- E-sale business has also performed exceptionally well and has recorded an increase of around 35%
- E-procurement has recorded increase of approx. 38%
- The Company has issued bonus shares in the ratio of 1: 1 to the shareholders
- The Company has made Initial Public Offering (IPO) of 1,76,70,400 Equity Shares of ₹10/- each through an Offer for Sale by the President of India, acting through the Ministry of Steel, Government of India. 29th March, 2019. Upon becoming public we are now more responsible towards the stakeholders and I am confident that the Company will reach greatar heights in near future

In view of in adequate profits for FY 2018-19, no dividend is permitted to be paid to the Members as per the provision of the Companies Act, 2013, and the rules framed there under.

MSTC Advantage

MSTC plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. Our strength lies in our ability to convert any business activity conducted through brick and mortar method and/or in any other method to

ऑनलाईन कार्यकलाप में परिवर्तित करने की योग्यता में हमारी शक्ति निहित है। बहुत सी केन्द्रीय/राज्य सरकारों/सार्वजनिक उपक्रमों तथा निजी संस्थानों एवं अपने ग्राहकों को पारदर्शी, निष्पक्ष और निर्बाध ई-कॉमर्स सेवा प्रदान करने में हमें उत्कृष्टता प्राप्त है । एक सूचीबद्ध कंपनी के रूप में एमएसटीसी अब अखिल भारतीय स्तर पर प्राप्त अधिक मान्यता के साथ अपने सह प्रतियोगियों से बाजार व्यवस्था में संवर्धित फायदा के थोड़ा आगे अवश्य ही रहेगा। उचित मूल्यो पर गुणवत्ता तथा आला उत्पादों सहित बिचौलियों के विभिन्न स्तरों का खातमा करते हुए अंतिम उपभोक्ता तक सीधी पहुँच बनाने के साथ-साथ व्यक्तिगत कृषकों तक पहुँचने एवं उनके उत्पादन की अच्छी कीमत देने के लिए कंपनी दृढ़ प्रयास कर रही है। अतएव, एमएसटीसी निष्पक्ष और पारदर्शिता पद्धति अपनाते हुए कृषकों की आय दुगनी करने के भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप किसानों के आय के स्तर को बढ़ाने तथा उपभोक्तओं की मांग के बीच एक सामंजस्य बनाये रखने में शानदार कार्य कर रहा है।

एमएमआरपीएल के साथ श्रेडिंग संयंत्र हेतु संयुक्त उद्यम

जैसा आप सभी जानते हैं कि अपने प्रचालन के क्षेत्र को विस्तृत करने तथा भारत में इस्पात उद्योग को समर्थन देने के लिए हमारी कंपनी ने रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) क्षेत्र में हमारी जेमी एमएमआरपीएल के माध्यम से कारोबार की शुरुआत की। एमएमआरपीएल भारत में इएलवी तथा अन्य व्हाइट वस्तुओं जो इस्पात संयंत्रों हेतु एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है को श्रेडेड स्क्रैप में बदलते हुए रीसाइक्लिंग हेतु एक संगठित अत्याधुनिक अटोश्रेडिंग संयंत्र स्थापित किये जाने की ओर अग्रसर है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहित एक संग्रहण तथा विघटन केन्द्र उत्तर प्रदेश राज्य के ग्रेटर नोएडा में स्थापित किया गया है जो ऑटो श्रेडिंग संयंत्र की फीडर इकाई है। चैन्नई में द्वितीय केन्द्र हेतु कार्य प्रगति पर है। इस वित्तीय वर्ष में इस प्रकार के और दो संग्रहण तथा विघटन केन्द्र स्थापित किये जाने की योजना है। ये केन्द्र प्रमुख ऑटो श्रेडिंग संयंत्र हेतु फीडस्टॉक की आपूर्ति के लिए कार्य करेंगे।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

बन्धुओं, आपके निरंतर विश्वास, प्रोत्साहन तथा समर्थन ने ही हमें अपना कार्यनिष्पादन सुधारने के लिए प्रेरित करता रहा है। हम व्यापक रूप से समुदायों तथा सामाजिक जीविकोपार्जन को सुधारने के लिए अपनी प्रतिभागिता के प्रति वचनबद्ध हैं। हमने अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न तरह के समाजिक विकास परियोजनाओं को अंगीकार किया है। आपकी कंपनी ने स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता तथा प्राथमिक शिक्षा पर विशेष बल दिया है और हम भविष्य में भी सामाजिक उत्थान हेतु कार्यों को जारी रखेंगे। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान सीएसआर कार्यकलापों पर व्यय की गयी कुल राशि लगभग ₹ 20.00 मिलियन है।

प्रचालन उत्कृष्टता

जैसा आप जानते हैं कि आपकी कंपनी देश की एक प्रमुख स्टैंडएलोन ई-कॉमर्स कंपनी है। इसके कार्य क्षेत्र में सेलिंग एजेन्सी व्यवसाय, मुख्य उत्पादों और कच्ची सामग्रियों एवं अन्य वस्तुओं की ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट (खरीद) आदि शामिल है। अनुकूलित ई-कॉमर्स समाधान एमएसटीसी के प्रमुख व्यवसाय मॉडल के रूप में उभर कर सामने आए हैं। हमने कई यूनिक समाधान मसलन पेट्रोलियम इंडस्ट्री के लिए एग्जिम पोर्टल, एलपीजी डिलरशिप के चयन के लिए ऑनलाइन ड्रा-सिस्टम, ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल आदि विकसित की है।

online activity.It has the distinction of serving majority of Central/State Govt. Departments/PSUs and Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients. Being a listed Company now, MSTC will be getting an added advantage in the market by remaining a little ahead from its peer competitors along with more recognition throughout the country. The Company has been making concerted efforts to reach out the individual farmers and provide them a good price for their produce at the same time reaching out to the final consumers with quality and niche products at affordable price by eliminating the different layers of middlemen. Hence, MSTC is doing splendid work to balance out the consumer demands and increase the level of income of farmers in line with the Government of India's objective to double the level of income of farmers, in a fair and transparent way.

Joint Venture for Shredding Plant with MMRPL

As you are aware, to expand our basket of operation and to support the steel industry in India, our Company through our JV MMRPL, forayed into the recycling sector. MMRPL is poised to set up one of the organized state-of-the-art auto shredding plant in India for recycling ELVs and other white goods by converting these into shredded scrap which is a vital raw material for steel plants. A collection and dismantling center with state-of-the-art technology has been set up in Greater Noida, in the state of Uttar Pradesh, as a faeder unit for the auto shredding plant. Work is underway for second center at Chennai. Two more such collection and dismantling centers will be set up this fiscal year. These centers will act as a supply feedstock for the main Auto Shredding plant.

Corporate Social Responsibility (CSR)

Friends, your continued trust, encouragement and support drive us to improve our performance. We are committed to participate in improving the livelihood of communities and societies at large. We take up verious kinds of social development projects, mostly in rural areas. Your company has given special thrust in health care, cleanliness, and primary education and will continue to work for the upliftment of society at large in future. The total amount spent on CSR Activities for the FY 2018-19 is ₹ 20.00 Million.

Operational Excellence

As you know your Company is a major standalone e-Commerce Company in the country. The area includes selling agency business, e-sale of Prime Products and raw matarials and other commodities, e-procurement etc. Customized e-commerce solutions have emerged as major innovative business model of MSTC. Here we have developed many unique solutions like Exim Portal for Petroleum Industry, Online Draw System for selection of LPG dealership, e-RaKAM (e-Rashtriya Kisan Agri Mandi) Portal etc., to name a few.

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एमएसटीसी ने हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की ओर से कई भूखंडों का सफलतापूर्वक नीलामी की है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण भूखंडों हेतु पोर्टल का विकास किया गया है। विगत वर्ष के 28,650 के आँकड़ों की तुलना में एमएसटीसी ने इस पोर्टल के माध्यम से 34,640 अदद नीलामी/आयोजनों को अंजाम दिया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के निदेश पर देश भर में जैविक खेती उत्पादों की बिक्री के लिए 'जैविक खेती' पोर्टल लंच किया है। जैविक कृषक विक्रेता तथा विभिन्न तरह के प्रोसेसर, व्यापारी तथा यहाँ तक कि व्यक्तिगत उपभोक्ता बोलीदाता के रूप में इस पोर्टल का लाभ उठाते हैं।

आपकी कंपनी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में ई-शासन व्यवस्था तथा डीजिटल इण्डिया को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीति (यों) के अनुरूप ई-कॉमर्स सेक्टर में द्रुतगति से प्रगति कर रही है। पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने वाले डीजिटल इण्डिया जैसे भारत सरकार के विभिन्न प्रयासों के क्रियान्वयन में हम सबसे आगे खड़े हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र वन सम्पदा से सम्पन्न क्षेत्र है जिसमें देश के कुल वन क्षेत्र का 22.21 प्रतिशत समाहित है। कृषि अनुकूलित जलवायु ने विभिन्न प्रकार एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता के फल, सब्जी, लकड़ी, मसाले तथा अन्य उत्पादों से इस क्षेत्र को परिपूर्ण किया है। भारत सरकार की 'लुक ईस्ट' और 'ऐक्ट ईस्ट' की नीतियों के अनुपालन में एमएसटीसी ने किसानों को लाभ पहुँचाने के लिए विभिन्न पहल किया है जिससे आगामी दिनों में समग्र पूर्वोत्तर क्षेत्र को फायदा मिलेगा। एमएसटीसी तथा नाबार्ड, नेरामैक, सीआरडब्ल्यूसी, एफपीओ आदि जैसे अन्य हितधारक द्वारा कृषि-बागवानी पारिस्थिति की प्रणालियों के समग्र विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्य किया जा रहा है।

ई-नीलामी के माध्यम से प्रमुख एवं लघु दोनों खनिज ब्लॉक की बिक्री हेतु सरकार द्वारा की गयी हाल की पहल एमएसटीसी के लिए एक अवसर लेकर आया है और इसने अधिकांश राज्य सरकारों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है जिससे राज्यों के खजाने को साकारात्मक परिणाम दिये जा सकते हैं एवं एमएसटीसी के लिए राजस्व की प्राप्ति हो सकती है।

ई-प्रोक्योरमेंट (खरीद) एमएसटीसी के लिए व्यापक क्षमता सम्पन्न एक अन्य क्षेत्र है जिसके व्यवसाय को पकड़ने के लिए कंपनी तेजी से प्रयास कर रही है। व्यवसाय के ई-प्रोक्योरमेंट डोमेन में अपनी गहरी पहुँच बनाने के लिए एमएसटीसी ने मल्टी ब्राउजर सुविधा की शुरुआत की है।

आर्थिक तथा व्यवसायिक परिवेश

भारत वैश्विक मानचित्र पर भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से सातवां, जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा तथा क्रय शक्ति समता (पीपीपी) पर जीडीपी के मामले में आर्थिक दृष्टि से तीसरा बड़ा देश है। भारत विगत कुछ वर्षों से विश्व में अर्थव्यवस्था में तीव्र गति से विकास की ओर उभरने वाले देशों में से एक है तथा अनुमान लगाया जा रहा है कि 2023 तक यह विश्व के पांचवा सबसे बड़ा आर्थिक समृद्ध देश के रूप में खड़ा होगा। भारत जीडीपी के मामले में विगत दशक में 7.05% के औसतन जीडीपी विकास दर, जिसे भविष्य में बढ़ने की सम्भावना है, सहित विश्व के प्रथम 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

2016 में वैश्विक ई-कॉमर्स व्यवसाय मूल्य 27.7 ट्रिलियन यू.एस.डॉलर अनुमानित था। 2012-2016 की समयावधि के दौरान, वैश्विक ई-कॉमर्स ट्रेड के मूल्य में लगभग 9% सीएजीआर तक बढ़ोत्तरी हुई है।

During the year under review MSTC had auctioned successfully many plots on behalf of Hyderabad Metropolitan Development Authority. Portal for plots of Ghaziabad Development Authority has been developed. MSTC had made 34,640 no. of Auctions/ events through its portal as compared to previous year figure of 28,650.

During the year under review your Company has launched Jaivik Kheti portal for sale of organic farm produce throughout India at the behest of Ministry of Agriculture, GoI. Organic farmers serve as the sellers, and the bidders include a variety of processors, traders and even individual consumers.

Your Company is making rapid strides in the e-Commerce sector in line with the Government policy(ies) of promoting Digital India and e-governance in all sectors of the economy. We are in the forefront of the implementation of various initiatives of GoI such as Digital India to boast transparency and fairness.

North East Region is rich in forest wealth constituting 22.21 parcent of total forest area in the country. Agro Climatic condition favors growth of niche variety of fruits, vegetables, timber, spices and other products.In line with the "Look East" and "Act East" policies of the Government of India, MSTC has taken many steps with a view to benefit the farmers which will subsequently benefit the entire North East Region. MSTC and other stakeholders including NABARD, NERAMAC, CRWC, FPOs, etc. are working together for overall development of the Agri-horti Eco System in the North East Region.

The recent initiative of the Government for sale of mineral blocks, both major and minor, through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with most of the State Governments, which may yield positive results to the exchequer of the states and fetch revenue to MSTC.

E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business. MSTC has introduced multi browser facility to make much deeper dent in the e-procurement domain of business.

Economic and Business Environment

India is the seventh largest country by geographicel area, second largest country by population, and third largest economy in terms of GDP at Purchasing Power Parity (PPP). India has been one of the fastest growing emerging economies in the world over the last few years and is projected to be the fifth largest economy in the world by 2023. India is now among the top 10 economies of the world in terms of GDP, with an average GDP growth rate of 7.05% over the last decade, which is expected to increase in the future.

Global e-commerce trade value was estimated to be USD 27.7 Trillion in 2016. During the time period 2012-16, the value of e-commerce trade globally has increased by a CAGR of almost 9%.

भावी दृष्टिकोण

शिप - ब्रेकिंग

भारत में ई-कॉमर्स व्यवसाय तथा निमार्ण हेतु शिप-ब्रेकिंग उद्योग की बड़ी सम्भावना है। एमएसटीसी स्क्रैप बिक्री हेतु इस बड़े बाजार की ओर नज़र रखे हुए है तथा एकीकृत शिप ब्रेकिंग यार्ड की स्थापना के लिए अग्रसर है।

खनिज पदार्थ तथा खनिज ब्लॉक

एमएसटीसी अपने अति अनुकूलित ई-कॉमर्स पोर्टल के ज़रिए देश भर में कोयला ब्लॉकों तथा अन्य प्रमुख खनिज ब्लॉकों के आवंटन हेतु मनोनित अभिकरण है। देश के विभिन्न राज्यों में छोटे खनिज ब्लॉक्रो का आवंटन भी एमएसटीसी के ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है।

खदान डेवलपर-सह-प्रचालक का अधिकांश चयन भी एमएसटीसी के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त बार्बील क्षेत्र, जो उड़िसा, झारखण्ड तथा पश्चिम बंगाल के मुहाने पर है, में कुछ खदानों को छोड़कर कोयला सहित सभी प्रमुख खनिज पदार्थों की बिक्री एमएसटीसी के ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से हो रही है।

कृषि-बागवानी तथा वन उत्पादों

हालांकि एमएसटीसी ने भारत में वन एवं कृषि क्षेत्र में अपना प्रवेश मार्ग तैयार कर लिया है परन्तु देश में अवस्थित व्यापक बाजार में इसे सघन विपणन नीतियों तथा निर्बाध सेवा प्रदान करने के माध्यम से अग्रणी भूमिका निभानी होगी। आला बाजार जैसे जैविक उत्पाद एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्राकृतिक कृषि-बागवानी उत्पाद हेतु बाजार ही एमएसटीसी का लक्ष्य है।

ई-रिटेल सॉफ्टवेयर

एमएसटीसी ने तेल विपणन कंपनियों हेतु एक अतुलनीय एक्जिम पोर्टल का विकास कर अपने लिए बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है तथा इस प्रक्रिया में एमएसटीसी ने सरकारी तथा निजी संगठनों विशेष रूप से एमएसएमई के लिए ई-रिटेल सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान करने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता का विकास किया है। इस प्रक्रिया से भविष्य में एमएसटीसी हेतु बड़े अवसर और सम्भावना प्राप्त होने की आशा की जा सकती है।

गैर - कार्यनिष्पादित परिसम्पत्तियाँ (एनपीए)

एमएसटीसी सरकारी संस्थानों के साथ-साथ निजी कंपनियों हेतु एनपीए के रूप में चल एवं अचल परिसम्पत्तियों के लिए नियमित रूप से नीलामी संचालित कर रहा है। परन्तु हाल ही में एकल सेवा प्रदाता द्वारा एनपीए की बिक्री हेतु बैंको द्वारा किया गया समेकित पहल दांव पर है तथा एमएसटीसी निकट भविष्य में इस व्यवसाय को प्राप्त करने के लिए तैयार है।

निजी कंपनियों को लक्ष्य बनाना

एमएसटीसी निजी सेक्टर से अप्रयुक्त ई-कॉमर्स व्यवसाय को हासिल करने पर विशेष बल दे रहा है तथा इस प्रक्रिया में एमएसटीसी ने बड़े उद्योगों जैसे रिलायंस इंडस्ट्री, इंडस टावर, टाटा पावर, वेदांत आदि के साथ करार भी हस्ताक्षरित किया है।

Future Outlook

Ship-Breaking

The ship-breaking industry in India holds great potential for e-Commerce business and manufacturing. MSTC is eying on multi-sector to tap this huge market for scrap sales and going forward setting up of integrated ship breaking yards.

Minerals & Mineral Blocks

MSTC is a nominated agency for allocation of coal blocks and all major mineral blocks in the country through its very customized e-Commerce portal. The minor mineral blocks allocation are also happening through MSTC's e-Commerce portal in the various states in the country.

The selection of Mine Developer-cum-Operator are mostly done through e-Procurement portal of MSTC.

In addition, all the major minerals including coal is being sold through e-Auction portal of MSTC barring a couple of mines for mineral in Barbil area which is at the confluence of Orissa, Jharkhand & West Bengal.

Agri-Horti & Forest products

Although MSTC has made inroads into forest and Agri sector in India but has to play lead role for huge market in India through aggressive marketing strategy and rendering seamless services. The niche market, such as organic produces and natural grown Agri-horti produces of North-East are the target market for MSTC.

e-Retail Software

MSTC has carved niche for itself by developing an unique exim portal for oil marketing companies and in the process, MSTC has developed required expertise for providing e-Retail Software solutions to the Government and private organizations particularly the MSME. This sector holds a great opportunity and potential for MSTC in future.

Non-Performing Assets (NPAs)

MSTC has been conducting regular auction for moveable and immovable assets as NPAs for Government as well as private companies. But the recent move of banks for consolidation of the sale of NPAs by a single service provider is on the anvil and MSTC is poised for grabbing this business in immediate future.

Targeting private companies

MSTC is casting more focus on the untapped e-Commerce business from the private sector and in this stride MSTC has signed big ticket agreement with Reliance Industry, Indus Tower, Tata Power, Vedanta etc. to name a few.

अवसर

i) ई-कॉमर्स : एमएसटीसी देश की एक प्रमुख स्टैंडएलोन-ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में उभर कर सामने आया है। भारत सरकार की मार्गदर्शी परियोजनाओं समेत कई नए एवं विविध व्यवसाय क्षेत्रों में प्रवेश करते हुए एमएसटीसी ने इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपनी सम्भावनाओं को कई गुणा बढाया है।

ii) रिसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) क्षेत्र : एमएसटीसी पुनर्चक्रण नीति के निरूपण में कई बेहतरीन पहलों को नेतृत्व दे रहा है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र एवं ई-वेस्ट निपटान हेतु रिसाइक्लिंग संयंत्र की स्थापना में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका ने इसके लिए कई नये अवसर प्रदान किये हैं जिससे एमएसटीसी विकास के मसाल को थामे हुए हमेशा अग्रणी धावक रहेगा।

संकट

i) जीईएम पोर्टल - अवस्थिति में अवसर की कमी : क्रय के लिए जीईएम पोर्टल का प्रयोग करने के सरकारी निर्देश के साथ, वस्तुओं का ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय प्रभावित होगा। ई-प्रोक्योरमेंट की कार्य-परिधि में कमी आएगी, क्योंकि किसी भी निगम के व्यवसाय का एक बड़ा हिस्सा वस्तुओं के क्रय पर खर्च किया जाता है।

ii) ट्रेडिंग व्यवसाय : नीति के अंतर्गत, एमएसटीसी ने पारस्परिक ट्रेडिंग व्यवसाय में इसकी जोखिम अवस्थिति को देखते हुए सुरक्षित मार्ग अपनाया है। हालांकि, यह इसके पुनरूत्थान का प्रयास कर रही है, परन्तु आर्थिक वृद्धि की धीमी रफ्तार एवं एनपीए में जबरदस्त वृद्धि से ऋण प्रणाली को अस्थिर कर दिया है जिसके फलस्वरूप एक विकट परिस्थिति उत्पन्न हुई है।

निवेशक सेवाएं

कंपनी का शेयर दोनों डिपोजिटरी अर्थात् एनएसडीएल तथा सीडीएसएल, में अभौतिकीकृत हुए हैं। 14202 शेयरधारकों में से 94 शेयरधारक डिमैट मोड में शेयर धारण कर रहे हैं। मैं शेष शेयरधारकों से अनुरोध करना चाहूँगा कि वे अपने शेयर का अभौतिकीकरण करें जिससे कि 'अनक्लेमड बोनस सस्पेंश एकाउन्ट' में पड़े बोनस शेयर सम्बंधित शेयरधारकों के डिमैट खाता में स्थानांतरित किया जा सके। इसके अतिरिक्त इसमें शेयरधारकों को समय पर लाभांश प्राप्त करने में भी सहुलियत होगी।

निगमित अभिशासन

आपकी कंपनी निगमित अभिशासन प्रक्रियाओं के उच्चतम स्तर को प्राप् करने के लिए हमेशा प्रयासरत है। कंपनी सीपीएसई हेतु जन उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा गठित निगमित अभिशासन के सरकारी दिशा-निर्देशों तथा सेबी (सूचीबद्ध दायित्व तथा प्रकटीकरण आवश्यकता) विनियमन, 2015 का अक्षरशः तथा सही मायने में अनुपालन कर रहा है। आपकी कंपनी अपने शेयरधारकों के अधिकतम लाभ हेतु निरंतर कार्य कर रहा है तथा इस प्रकार इसने अपनी इन जिम्मेवारियों को पूरा करने के लिए अपने नैगम आचरण को सुगठित किया है। निदेशक मंडली अपनी जिम्मेवारियों का निर्वहन करने के लिए कंपनी की नीतियों से भलि-भाति परिचित है तथा सभी शेयरधारकों की समग्र मूल्यों का संवर्धन किया जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं की स्थापना की है। आपकी कंपनी बदलती परिस्थितियों को अंगीकार करने तथा उसके साथ तादात्म बनाये रखने एवं अपने नियंत्रणाधीन निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों/मानदण्डों का अनुपालन जारी रखने के लिए बेहतर प्रयास कर रही है।

Opportunities

i) E-Commerce: MSTC has emerged as a major standalone e-commerce service provider in the country. With its foray into new and diverse business verticals including the flagship projects of the Govt. of India, it has an immense potential to grow multifold in this arena.

ii) Recycling Sector: MSTC is spearheading the initiatives of framing a recycling policy, its pivotal role in setting up recycling plant in the automobile sector and e-waste throws open many opportunities for MSTC to be the front runner holding the torch for growth.

Threats

i) GeM portal - reducing opportunity in exposure: With the Govt.'s directive to use the GeM Portal for purchases, the business in e-procurement of goods will take a hit. The scope of work in e-procurement gets a bit downsized, as a major percentage of any Corporation's business is spent on procurement of goods.

ii) Trading business: As a policy matter, MSTC has decided to go safe in the traditional trading business due to the extent of risk involved. Though it is making efforts to resurrect the same, the slowness of the economic growth and the exponential increase in NPAs etc has destabilized the credit system and it poses a difficult scenario.

Investor Services

The Company's shares have been dematerialized in both the depositories, i.e., NSDL and CDSL. 94 Shareholders out of 14202 shareholders are holding shares in physical mode. I would like to request to the remaining shareholders to get their shares dematerialized so that the bonus shares lying in the "Unclaimed Bonus Suspense Account" can be transferred to the demat account of the respective shareholders. Further, this will also enable the shareholders to receive the dividend on time.

Corporate Governance

Your Company always strives to attain highest standards of Corporate Governance practices. The Company is complying with Government Guidelines on Corporate Governance framed by the Department of Public Enterprises (DPE) for CPSEs, and SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirement) Regulations, 2015 in letter and spirit. Your Company is continuously working for the optimum benefit of its stakeholders and has thus moulded its corporate conduct to fulfil these responsibilities. The Company has established systems & procedures to ensure that its Board of Directors is well informed about the policies of the Company to enable them to discharge their responsibilities and to enhance the overall value of all stakeholders. Your Company is making best efforts to adapt and comply with the changing statutes and continue to comply with the Corporate Governance guidelines/ norms to the extent within its control.

मानव संसाधन

आपकी कंपनी ने हमेशा से ही जन संसाधन को बहुत ही महत्वपूर्ण संसाधन माना है और कर्मचारियों के हित में विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करती रही है। औद्योगिक सम्पर्क हमेशा से ही सौहार्दपूर्ण एवं सहभागितामूलक रहा है। हमने भारत के बहुत से शहरों में अपना कार्यालय खोल रखा है जिससे कि हम सहजतापूर्वक अपने उपभोक्ताओं तक पहुँच सकें एवं अपने सिद्धांतों का सम्प्रेषण करते हुए अत्यधिक व्यवसाय का अर्जन कर सकें। इसलिए हमने अपने व्यवसाय को विस्तृत करने के लिए अधिकारियों तथा ग्राहकों की सभी प्रकार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सभी शाखाओं में गैर-कार्यपालकों की नियुक्ति की है।

प्रबंधन की ओर से मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूँ कि विवेकपूर्ण एवं अनुभवी बोर्ड सदस्यों, सुदक्ष एवं निष्ठावान कर्मचारियों और सुदृढ़ वित्तीय संस्थानों के साथ हम शेयरधारकों के हितों का ध्यान रखते हुए सर्वाधिक उपयुक्त तरीके से कंपनी के मामलों का बहुत उचित तरीके से प्रबंधन कर रहे हैं।

आभारोक्ति

मैं पूरी कृतज्ञता के साथ माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री, माननीय राज्य इस्पात मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफ. ए. (इस्पात) तथा इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रलाय, नागरिक एवं विमानन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा अन्य विभिन्न केन्द्रं सरकार के मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, विभिन्नं केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकरों के अन्य अधिकारियों, हमारे प्रिंसिपल और अन्य व्यक्तियों को वर्ष के दौरान उनके द्वारा किये गये बहुमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं विभिन्न स्तरों पर कर्मचारियों द्वारा सत्यनिष्ठा से किये गये उनके प्रयासों के लिए भी अपनी कृतज्ञता अभिव्यक्त करता हूँ जिसके कारण कंपनी उत्कृष्ट कार्य निष्पादित करने में सक्षम बन पायी। मैं शेयरधारकों, ग्राहकों तथा आपूर्तिकर्ताओं के वर्षों से हमारे प्रति उनके विश्वास और भरोसे के लिए कृतज्ञता व्यक्त करना चाहूँगा और उन्हें आश्वस्त करना चाहूँगा कि हम अपने शेयरधारकों के लिए बेहतर मूल्यों का सृजन निरंतर जारी रखेंगे।

सधन्यवाद
जय हिन्द!
स्थान : कोलकाता
दिनांक : 17 जुलाई, 2019

बी०बी० सिंह

बी.बी.सिंह
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

Human Resources

Your Company has always considered its human resource as the most important resource and has been conducting various employee benefit programs. The industrial relations have remained cordial and participative all along. We have opened offices in many cities in India so that we can reach out to our principals and customers easily and generate more business. Therefore we have recruited officers for expansion of business and non - executives all over the branches to cater the needs of all type of clients.

I can assure you, on behalf of the management that with prudent and experienced Board members, an efficient and loyal manpower and sound financial resources, we are managing the affairs in the most reasonable wey keeping in view the interest of the stakeholders.

Acknowledgement

I would like to place on record my gratitude to the Hon'ble Union Minister for Steel, Hon'ble State Minster for Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry, Coal Ministry, Mining Ministry, Civil & Aviation, Petroleum, Natural Gas Ministry and various other Central Government Ministries, all State Governments, various Central end State Public Sector Undertakings, private companies, the bankers, our principals and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year.

I also place on record the appreciation of the sincere efforts made by various employees at all level. I also express my gratitude to all stakeholders, customers end suppliers for the trust and confidence reposed by them on your Company, year after year, and assure you that we shall continue to create more value for our stakeholders.

Thanking you,
Jai Hindi
Place: Kolkata
Date : 17th July, 2019

B.B.Singh
Chairman-Cum-Managing Director

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

भारतीय अर्थव्यवस्था का अवलोकन

भौगोलिक क्षेत्रफल के हिसाब से भारत सातवां सबसे बड़ा देश है, जनसंख्या के हिसाब से दूसरा सबसे बड़ा देश है, और पीपीपी (क्रय शक्ति समता) में जीडीपी के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है और 2023 तक दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। भारत अब जीडीपी के मामले में दुनिया की शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, पिछले दशक में औसत जीडीपी विकास दर 7.05% थी जिसकी भविष्य में वृद्धि की उम्मीद है।

वास्तविक जीडीपी मूल्य (आईएनआर 000 बीएन) तथा वृद्धि % भारत वित्त वर्ष 12 से वित्त वर्ष 23ई

स्रोत : वर्ल्ड इकॉनमीक आउटलुक, अंतर्राष्ट्रीय मॉनेट्री फंड इस्टीमेट, अक्टूबर 2018

वित्त वर्ष 27 तक भारत का जीडीपी 6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने और डिजिटलीकरण, वैश्वीकरण, अनुकूल जनसांख्यिकी, और सुधारात्मक उपायों के आधार पर ऊपरी-मध्य आय की स्थिति प्राप्त करने की उम्मीद है। इसे प्राप्त करने के लिए भारत सरकार ने निम्नलिखित सहित अनेक कारगर कदम उठाए हैं जैसे :

- **मेड इन इण्डिया**
- **स्टार्ट अप इण्डिया**
- **नीति आयोग**
- **पे गॉव तथा जन-धन योजना**
- **ई-ताल, माई गॉव, ई-सम्पर्क**
- **भारत नेट**

जिससे भारत की रैंकिंग में सुधार हुई है। 2017 के विश्व बैंक की डूइंग बिजनेस रिपोर्ट की तुलना में 190 देशों में 77वें स्थान की जगह प्राप्त कर 2019 में 23वें स्थान की उछाल प्राप्त की है।

पिछले कुछ दशकों से सेवा क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। यद्यपि, भारत को एक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में उद्योग क्षेत्र का योगदान बढ़ाने के लिए भारत सरकार नें मेक इन इण्डिया, स्कील इण्डिया तथा स्टार्ट अब इण्डिया जैसे कई विविध पहलुओं की शुरूआत की है।

वैश्विक परिदृश्य

2016 में वैश्विक ई-कॉमर्स व्यापार मूल्य 27.7 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर आंका गया था। 2012-16 की समयावधि के दौरान, वैश्विक स्तर पर ई-कॉमर्स व्यापार के मूल्य में लगभग 9% की सीएजीआर की वृद्धि हुई है। बी 2 बी

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

Overview of Indian Economy

India is the seventh largest country by geographical area, second largest country by population, and third largest economy in terms of GDP at PPP (Purchasing Power Parity). India has been one of the fastest growing emerging economies in the world over the last few years and is projected to be the fifth largest economy in the world by 2023. India is now among the top 10 economies of the world in terms of GDP, with an average GDP growth rate of 7.05% over the last decade, which is expected to increase in the future.

Real GDP Value (INR 000'Bn) and Growth %, India FY12 to FY23E

Source : World Economic Outlook, International Monetary Fund Estimates, October 2018

India's GDP is expected to reach US$ 6 trillion by FY27 and achieve upper-middle income status on the back of digitisation, globalisation, favourable demographics, and reforms. To achieve this, the government has taken multiple long-term steps including:

- **Made in India**
- **Start up India**
- **NITI Aayog**
- **PayGov and Jan Dhan Yojna**
- **E-Taal, MyGov, E-Sampark**
- **BharathNet**

Which has helped India to improve its ranking in the World Bank's Doing Business Report by 23 spots over its 2017 ranking to be ranked 77 among 190 countries in 2019 edition of the report.

Structurally, Indian economy has been dominated by Service sector for the past few decades. However, Indian Government has taken multiple initiatives like 'Make In India', 'Skill India' and 'Startup India' to make India into a manufacturing hub and expand the contribution of Industrial sector in the Indian economy.

Global Scenario

Global e-commerce trade value was estimated to be USD 27.7 Trillion in 2016. During the time period 2012-16, the value of e-commerce trade globally has increased by a CAGR of almost 9%. B2B e-commerce accounted for nearly 86% of the total e-commerce trade. In terms of trade value, US is the larges

श्री बी बी सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, श्री राजनाथ सिंह, माननीय गृह मंत्री, भारत सरकार एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में श्री वेंकैया नायडू, माननीय उप राष्ट्रपति से "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" प्राप्त करते हुए

Shri B. B. Singh, CMD, MSTC, receiving "Rajbhasha Keerti Puraskar" from Shri Venkaiya Naidu, Hon'ble Vice President of India, in presence of Shri Rajnath Singh, Home Minister, Government of India and other honorable dignitaries.

मूल्य के मामले में, अमेरिका के बाद जापान और चीन सबसे बड़ा बी2बी बाजार है। हालाँकि, चीन वैश्विक बी 2 सी ई-कॉमर्स तालिका का नेतृत्व करता है। भारतीय ई-कॉमर्स उद्योग तेज गति से बढ़ रहा है और देश 2015 में दुनिया के शीर्ष 10 ई-कॉमर्स बाजारों की सूची में प्रवेश किया।

2016 में विश्व में (व्यापार मूल्य यूएसडी बिलियन में) सर्वोच्च 10 बी2बी ई-कॉमर्स बाजार

देश	बी2बी ई-कॉमर्स बिक्री	कुल ई-कॉमर्स का %
यूएसए	6,904	91%
जापान	2,675	95%
चीन	1,389	64%
दक्षिण कोरिया	1,133	95%
जर्मनी	926	92%
यूनाईटेड किंगडम	497	72%
फ्रांस	487	86%
कानाडा	402	90%
भारत	305	91%
इटली	271	93%

स्रोत : व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी)

बी2बी ई-कॉमर्स में प्रतिस्पर्धी परिदृश्य

वैश्विक खिलाड़ियों के प्रवेश और निजी इक्विटी द्वारा शुरू किए गए स्टार्ट-अप उद्यम की मेजबानी के कारण समग्र बी2बी ई-कॉमर्स उद्योग में प्रतिस्पर्धी तीव्रता बड़े तेज हो रही है। हालांकि, बड़े स्थापित खिलाड़ी उभरते स्टार्टअप्स पर स्पष्ट प्रभुत्व का आनंद लेते हैं। यह मुख्य रूप से व्यवसाय संचालन, समृद्ध अनुभव, प्रौद्योगिकी लाभ के पैमाने के कारण है जो व्यापार लेनदेन में पारदर्शिता, सेवा की गुणवत्ता और बड़ी मात्रा में डेटा को संभालने की क्षमता

B2B market followed by Japan and China. However, China leads the global B2C e-commerce table. Indian e-commerce industry has been growing at a fast pace, and the country entered the list of top 10 e-commerce markets in the world in 2015.

Top 10 B2B e-commerce Markets in the World (Traded Value in USD Billion) in 2016

Country	B2B e-commerce Sale	% of total e-commerce
USA	6,904	91%
Japan	2,675	95%
China	1,389	64%
South Korea	1,133	95%
Germany	926	92%
United Kingdom	497	72%
France	487	86%
Canada	402	90%
India	305	91%
Italy	271	93%

Source : United Nations Conference on Trade and Development (UNCTAD)

Competitive Scenario in B2B E-commerce

The competitive intensity in the overall B2B e-commerce industry is accelerating due to entry of large global players and a host of start-up ventures funded by private equity. However, large established players enjoy a clear dominance over the emerging startups. This is primarily due to scale of business operation, rich experience, technology benefit that ensure transparency in business transaction, service quality and ability to handle large volume of data. With respect to auctioning of natural resources such as coal, iron ore, sand, public enterprises continue to

सुनिश्चित करता है। प्राकृतिक संसाधनों जैसे कोयले, लौह-अयस्क, बालू की नीलामी के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र नामांकन के माध्यम से अपना दबदबा कायम रखता है, जो इस क्षेत्र के तीव्र प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है। वर्तमान में केवल कुछ ही सरकारी मंच हैं जो विभिन्न सरकारी संस्थाओं को ई-नीलामी सेवाएं प्रदान करते हैं जिनमें एमएसटीसी लिमिटेड शामिल हैं।

प्राकृतिक संसाधन की नीलामी के अलावा, एमएसटीसी लिमिटेड स्क्रैप बिक्री, खनिज, पुराने संयंत्र और मशीनरी, और गैर-कोयला खदान ब्लॉक, भूमि पार्सल, कृषि उत्पाद, चाय, गोरगों अखरोट, तेंदु पत्ते, लकड़ी और अन्य वन उत्पाद आदि के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विभिन्न ग्राहकों को ई-नीलामी की सेवाएं प्रदान करता रहा है। एमएसटीसी लिमिटेड और अन्य सरकारी एजेंसियां जैसे ई-नाम, जीईएम, सीपीपीपी सरकारी ई-नीलामी मंच बी2बी ई-कॉमर्स क्षेत्र में पैठ बना रही हैं।

कंपनी का व्यवसाय

एमएसटीसी के ई-कॉमर्स और ट्रेडिंग दो प्रमुख व्यवसाय क्षेत्र हैं। एमएसटीसी ई-कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इस क्षेत्र में एक मार्केट लीडर है। इसे केंद्रीय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/राज्य सरकारो विभाग और कुछ अग्रणी निजी संस्थान के ग्राहकों को पारदर्शी, निष्पक्ष और निर्बाध ई-कॉमर्स सेवाएं प्रदान करने में विशिष्टता प्राप्त है।

क. ई-कामर्स व्यवसाय

एमएसटीसी देश में प्रमुख स्टैंडअलोन ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता है। विभिन्न वस्तुओं जैसे चाय, साबूदाना, गोर्गन नट (मखाना), काली मिर्च, अनानास, कृषि उत्पादों में पहाड़ी-घास, तेंदू पत्ते, लकड़ी, वन उत्पादों में नमकीन बीज, मानव बाल, फ्लाई ऐश आदि उत्पादों को एमएसटीसी ई-कॉमर्स में शामिल किया। इसके अलावा एमएसटीसी ने भूमि, भवन, अपार्टमेंट, बैंकों के एनपीए तथा डीआरटी आदि की सम्पत्तियों की ई-नीलामी भी किया है।

यूपी में रेत खनन ब्लॉकों की ई-नीलामी और आईओसीएल के एक्जिम-उत्पाद हाल के दिनों में महत्वपूर्ण कार्यक्रम रहे हैं।

कोयला और खनिज ब्लॉकों (दोनों प्रमुख और मामूली) की नियमित नीलामी के लिए पोर्टल का विकास एमएसटीसी की ई-कॉमर्स सेवा में सरकार के विश्वास को प्रतिबिंबित कर रहा है।

सेलिंग एजेंसी व्यापार

लम्बे असरे से, एमएसटीसी स्क्रैप, अधिशेष भंडार, पुराने संयंत्र और मशीनरी, ई-कचरे, खतरनाक वस्तुओं, अप्रचलित वस्तुओं, आदि के निपटान के लिए बड़ी संख्या में सरकारी विभागों/सार्वजनिक उपक्रमों के विक्रय एजेंट के रूप में कार्य कर रहा है। एमएसटीसी की प्रक्रिया विक्रेताओं को ऐसी निपटान गतिविधियों से अपने वार्षिक राजस्व सृजन लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। एमएसटीसी नीलामी सूची तैयारी से लेकर सुपूर्दगी आदेश जारी करने तक की सेवाओं का पूरा पैकेज प्रदान करता है।

dominate through nominations which limits intense competition in this segment. At present there are only a handful of Government platforms that provide e-Auctioning services to various Government entities which include MSTC Ltd.

Besides natural resource auctioning, MSTC Ltd. has also been providing e-Auction services for scraps sale, minerals, old plant & machineries, coal and non-coal mine blocks, land parcels, agricultural produce, tea, gorgon nut, tendu leaves, timbers and other forest produce, etc to various clients in the public as well as private sector. MSTC Ltd. and other Government agencies such as eNAM, GeM, CPPP, Government e-Auction platform are driving Government penetration in B2B e-Commerce sector.

Company's Business

MSTC has two core business segments namely e-Commerce & Trading. MSTC plays a very important role as a service provider in e-Commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Departments and a few leading Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients.

A. e-Commerce Business

MSTC is a major standalone e-Commerce service provider in the country. MSTC has introduced e-Commerce in various commodities line such as tea, sago, gorgon nut (makhana), black-pepper, pineapple, hill-grass in agri-products, tendu leaves, timber, sal seed in forest products, human hair, fly-ash etc. Apart from this, MSTC has also undertaken the e-auction of land, buildings,apartment, banks' NPAs and also assets under DRT etc.

e-Auction of sand Mining blocks in UP and exim-product of IOCL have been the signature events in the recent past.

Development of portal for regular auction of coal and mineral blocks (both major & minor) have been the reflection of Government's faith in MSTC's e-Commerce services.

Selling Agency Business

For a long period of time now, MSTC is acting as the selling agent of a large number of Government departments/PSUs for disposal of scrap, surplus stores, old Plant & Machinery, e-Waste, hazardous Items, obsolete Items, etc. MSTC's processes enable the sellers to achieve their annual revenue generation target from such disposal activities. MSTC offers complete package of services from preparation of the auction catalogue to the issuance of delivery order.

ई-बिक्री

2004 में ई-नीलामी के माध्यम से कोयले की बिक्री से प्रारम्भ कर एमएसटीसी विभिन्न विक्रेताओं की वस्तुओं की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ई-नीलामी के विभिन्न मॉड्यूल विकसित करता रहता है। एमएसटीसी अन्य खनिजों जैसे मैंगनीज अयस्क, लौह अयस्क, लिग्नाइट, क्रोम अयस्क, बॉक्साइट आदि और अन्य विभिन्न उत्पादों, कच्चे पेट कोक, पेट कोक, मानव बाल, फ्लाई ऐश आदि की बिक्री कर रहा है। एमएसटीसी भारत के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी प्रमुख खनिज ब्लॉकों और छोटे खनिज ब्लॉकों के लिए एक नामित एजेंसी है।

ई-प्रोक्योरमेंट

ई-प्रोक्योरमेंट में, एमएसटीसी गुणवत्ता की आवश्यकताओं के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाण-पत्र द्वारा समर्थित ई-टेंडर और ई-रिवर्स ऑक्शन सेवाएं प्रदान करता है। हालांकि, एमएसटीसी ने वित्त वर्ष 2013-14 में एक मामूली शुरुआत की, लेकिन बाद के वर्ष में इसने महत्वपूर्ण वृद्धि की है और भविष्य में तेजी से विकास के लिए तैयार है। यह प्रणाली गुणवत्ता और सुरक्षा जांच के लिए एसटीक्यूसी द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का अनुपालन करती है। हाल ही में एमएसटीसी ने अपने ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल सेवाओं के ब्राउज़र को स्वतंत्र बना दिया है।

एमएसटीसी ने उपयोगकर्ता के अधिक अनुकूल बनाने के अधिक लिए मल्टी ब्राउजर सुविधा के रूप में ई-खरीद सेवाओं में एक अनूठी विशेषता जोड़ी है।

ई-समाधान

2018 - 19 के दौरान, एमएसटीसी ने भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के लिए कुछ महत्वपूर्ण ई-बिडिंग पैकेज बनाया हैं। डीईईपी पोर्टल मध्यम अवधि के पीपीए के लिए पूरी तरह से चालू हो गया और एक से अधिक मिलियन मेगावाट मूल्य के पीपीए इस पोर्टल के माध्यम से तय किए गए। पिछले वित्त वर्ष के दौरान एमएसटीसी ने अंतर-राज्य ट्रांसमिशन सेवा प्रदाता के चयन के लिए टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के लिए ई-बिडिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत की है।

जैविक किसानों के लिए बाजार में सीधे पहुंच प्रदान करने के लिए, कृषि मंत्रालय की ओर से एमएसटीसी ने पोर्टल विकसित किया है। यह पोर्टल ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग पर सामान्य जागरूकता और ज्ञान साझा करने, किसानों, खरीदारों और इनपुट आपूर्तिकर्ताओं के बीच नेटवर्क विकसित करने और ई-भुगतान और लॉजिस्टिक समर्थन के साथ ऑनलाइन व्यापार का लेन-देन करने के लिए एक एकल विंडो प्रदान करता है। 60000 से अधिक किसान, 2500 किसान समूह पहले ही पोर्टल के साथ पंजीकृत हो चुके हैं।

एमएसटीसी ने भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के लिए सामान-सूची प्रबंधन सॉफ्टवेयर विकसित और कार्यान्वित किया है। एप्लिकेशन को बीएसएनएल क्लाउड में होस्ट किया गया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा देश भर में खुदरा पेट्रोल पंपों की डीलरशिप वितरित करने के लिए ऑनलाइन ड्रा सिस्टम

अध्यक्ष सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, अन्य निदेशकगण एवं कर्मचारीगणों के साथ स्वच्छ भारत अभियान का पालन करते हुए

CMD, MSTC, with other directors and employees of MSTC, observing Swachh Bharat Abhiyan

E-Sales

Starting with sale of coal through e-Auction way back in 2004, MSTC has been developing different modules of e-Auction to cater to the various needs of different sellers of items. Besides coal, MSTC is selling other minerals like manganese ore, iron ore, lignite, chrome ore, bauxite etc. and various other products, raw pet coke, pet coke, human hair, fly ash atc. MSTC is a nominated agency for all major mineral blocks and minor mineral blocks in all the states/UT's of Government of India.

E-Procurement

In e-procurement, MSTC provides e-Tender and e-Reverse auction services backed by mandatory STQC certificate for quality requirements. Although, MSTC made a modest beginning in FY 2013-14 but it has made a significant growth in the subsequent year and is poised for exponential growth in future. The system complies with the guidelines framed by STQC for quality and security checks. Recently, MSTC has made its e-Procurement portal services browser independent.

MSTC has added an unique feature in the e-Procure services in the form of multi browser facility to make it more user friendly.

E-Solutions

During 2018-19, MSTC has delivered certain key e-Bidding packages for various ministries of Government of India. The DEEP portal became fully operational for medium term PPA and PPAs worth more than one Million MW was settled through this portal. During the last fiscal, MSTC introduced the e-Bidding platform for tariff based competitive bidding for selection of inter-state transmission service provider.

For providing direct access to the market for organic farmers, on behalf of Ministry of Agriculture, MSTC has developed tha portal. This portal provides a single window for creating general awareness & knowledge sharing on Organic Farming, developing network between the Farmers, Buyers & Input Suppliers and also transacting business online with e-payment & logistic support. More than 60000 farmers, 2500 farmer groups have already been registered with the portal.

MSTC has developed and implemented Inventory Management software for Zoological Survey of India. The application has been hosted in BSNL Cloud. The online Draw System software has been developed for distributing the dealership of Retail

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, अन्य निदेशकगण एवं वरिष्ठ प्रबंधन के साथ कंपनी की 53वीं वार्षिक साधारण सभा के दौरान

CMD, MSTC along with other directors and Senior Management during the 53rd Annual General Meeting of the Company

सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस प्रक्रिया के माध्यम से 10000 से अधिक खुदरा पंप पहले ही आवंटित किए जा चुके हैं। थोक ट्रांसपोर्टरों के चयन हेतु ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लिए ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम भी विकसित किया गया है।

क. पेट्रोलियम उद्योग के लिए एक्जिम पोर्टल

पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात और आयात के लिए ऑनलाइन बोली-प्रक्रिया प्लेटफॉर्म विकसित और आईओसीएल को सुपुर्द किया गया है। एक्जिम पोर्टल पूरी तरह से चालू है और आईओसीएल अपनी आयात और निर्यात गतिविधियों को ऑनलाइन मोड में बदलने के बाद लाभ प्राप्त कर रहा है। यह भारत और विदेशों में पेट्रोलियम क्षेत्र के सभी खिलाड़ियों के लिए नया मार्ग प्रशस्त करने वाला पोर्टल है।

ख. ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल

एमएसटीसी लिमिटेड ने कृषि उत्पादन में व्यापार के लिए एक राष्ट्रव्यापी इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल-ई-रकम शुरू किया है। ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जो मुख्य रूप से खाद्यान्नों, सब्जियों, फलों, मसालों और सभी कृषि से संबंधित वस्तुओं और उपभोक्ताओं के साथ सीधे जुड़े हुए किसानों से संबंधित है, एमएसटीसी ने प्लेटफ़ॉर्म को सफल बनाने के लिए अनानास, अदरक, मखाना में कई अन्य वस्तुओं के बीच ट्रेडिंग शुरू की है। विभिन्न कृषि उत्पाद जैसे अनानास, अदरक, दालें, लीची इत्यादि की नीलामी इस पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक की गई है। बिग बास्केट, स्पेंसर और मदर डेयरी जैसे बड़े खुदरा विक्रेताओं के लिए लगभग 60 मैट्रिक टन नासिक प्याज की ई-नीलामी की गई।

यह पोर्टल मध्यस्ता की प्रक्रिया का उन्मूलन करने और किसानों को उनकी उपज के लिए पारिश्रमिक मूल्य प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उपभोक्तओ को भी उचित मूल्य पर उपज मिलेगा।

ग. एलपीजी डीलरशीप के चयन हेतु ऑनलाइन ड्रा प्रणाली:

ऑनलाइन ड्रॉ सिस्टम किसी भी मानवीय हस्तक्षेप के बिना, योग्य और पारदर्शी तरीके से, योग्य आवेदकों को चयनित करने की प्रक्रिया है। वर्तमान प्रणाली में इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे जाते हैं और फिर इन उम्मीदवारों से योग्य उम्मीदवारों को ड्रॉ में भाग लेने की अनुमति दी जाती है। इस सॉफ्टवेयर का उपयोग ऑनलाइन ड्रॉ आयोजित करने और स्क्रीन पर विजेताओं के नाम प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। इस प्रणाली का उपयोग करना आसान और अधिक जटिल ड्रॉ के लिए उपयुक्त है। कुल योग्य आवेदकों में से प्रत्येक बार केवल एक योग्य उम्मीदवार का चयन करके ऑन-लाइन कम्प्यूटरीकृत + ड्रॉ लॉट (ऑनलाइन कम्प्यूटरीकृत ड्रा सिस्टम) के संचालन के लिए यादृच्छिक संख्या निर्मित एल्गोरिदम के साथ आवेदन विकसित किया जाता है। एक बटन के प्रेस में यादृच्छिक क्रम में उनके आवेदकों के विवरण के साथ उनके नाम के लिए शफ्लिंग होगा। स्क्रीन पर शफ्लिंग की प्रक्रिया का दृश्य प्रदर्शन के लिए है।

घ. एमएसटीसी ने कोयला खरीद के लिए एनटीपीएल को एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने वाली ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं का विकास किया है। इसके अलावा, एमएसटीसी ने आयातित थर्मल कोल के लिए ई-रिवर्स नीलामी पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया है जिससे कोयला आयात करने में पारदर्शिता, निर्बिघ्नता और किफायतीपन हुआ है। एनटीपीएल ने 2.4 मिलियन टन कोयले की खरीद के लिए प्रणाली का उपयोग किया है और अपनी सामग्री की लागत को कम करके अत्यधिक लाभान्वित हुआ। इस बात का हवाला देते हुए, अन्य ग्राहकों ने भी एमएसटीसी से इस प्रकार की सेवाओं के लिए मांग की है।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान ई-कॉमर्स व्यवसाय कंपनी के कुल कारोबार का लगभग 93 % (2017 - 18 में 89%) है और इसमें तेजी से वृद्धि करने की क्षमता है। इसने कुल परिचालन आय में 78% (2017-18 में 65%) का योगदान दिया।

petrol Pumps across the country by the Oil Marketing Companies. More than 10000 retail pumps have already been allotted through this process. For selection of bulk transporter online draw system has also been developed for Oil Marketing Companies.

a. EXIM Portal for Petroleum Industry

The online bidding platform for Export & Import of petroleum products has been developed & delivered to IOCL. The EXIM portal is fully operational and IOCL is reaping the benefits after transforming its Import & Export activities to online mode. This is a path breaking portal for all the players in petroleum sector in India and abroad.

b. e-RaKAM (e-Rashtriya Kishan Agri Mandi) Portal

MSTC Ltd. had launched a nationwide electronic portal- e-RaKAM for trading in the agriculture produces. The online trading platform which primarily deals in food grains, vegetables, fruits, spices and all agriculture related commodities and connect farmers directly with consumers. MSTC has launched forward trading in pineapple, ginger, makhana among a number of other such commodities to make the platform more successful. Various agricultural produces like pineapple, ginger, pulses, litchi, etc. have been auctioned successfully through this portal. Approximately 60 MT of Nashik onion was also e-Auctioned for big retailers like Big Basket, Spencers and Mother Dairy.

This portal will eliminate multi layers of middlemen and help farmers get remunerative prices for their produce besides promising rich produces at reasonable prices to consumers also.

c. Online Draw System for selection of LPG Dealership:

Online Draw System is the process to select the applicants out of the eligible applicants, in secured and transparent manner, without any human intervention. In the current system, online applications are requested from the interested candidates and then from these candidates, eligible candidates are allowed to take part in the draw. This software is used in events to conduct online draws and display the names of the winners on the screen. The system is easy to use and ready for more complex draws. The application is developed with random number generation algorithm for conducting on-line computerized draw of lots (Online Computerized Draw System) by selecting only one eligible candidate at each time out of the total eligible applicants. Shuffling will occur for the names of the applicants along with their details in random order at the press of a button. Visualization of the shuffling process for display on the screen is there.

d. MSTC has developed e-procurement services providing end-to-end solution to NTPL for their purchases of coal. In addition, MSTC has developed and implemented e-reverse auction portal for imported Thermal Coal which has made import of coal transparent, hassle free and economical. NTPL has utilized the system for procurement of 2.4 Million tons of coal and immensely benefited by reducing their cost of material. Taking a cue from this, other clients have also sought for the similar services of MSTC.

e-Commerce business constitutes about **93% (89% in 2017-18)** of the total volume of business of the Company during **FY 2018-19** and has the potential to grow exponentially. It contributed **78% (65% in 2017-18)** of the total operational income.

श्री बी बी सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड, श्री संजय पराशर, प्रबंध निदेशक, इंडियन ऑयल (मॉरिसस) लि. के साथ 20.08.2018 को पोर्ट लूईस, मॉरिसस में बैठक करते हुए

Shri B. B. Singh, CMD, MSTC Limited, meeting with Shri Sanjay Parashar, MD, Indian Oil (Mauritius) Ltd. at Port-Louis, Mauritius on 20-08-2018

श्री धर्मेंद्र प्रधान, माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री का स्वागत करते हुए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में

CMD, MSTC, welcoming Shri Dharmendra Pradhan, Hon'ble Union Minister of Steel in presence of other honorable dignitaries

ख. ट्रेडिंग व्यवसाय

ट्रेडिंग व्यवसाय में, जो वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान व्यापार की कुल मात्रा का 7% (2017-18 में 11%) हिस्सा था, एमएसटीसी ने खरीदारों की ओर से मध्यम प्रकार के इस्पात उत्पादकों और पेट्रोकेमिकल उद्योग हेत कच्चे माल की खरीद के लिए एक फेसिलिटेटर के रूप में कार्य करता तथा प्रतिशतता आधार पर मार्क-अप चार्ज करता है।

इस व्यवसाय ने कंपनी की कुल परिचालन आय में 22% (2017-18 में 35%) का योगदान दिया।

व्यापार डिवीजन आयात के साथ-साथ वास्तविक उपयोगकर्ताओं एवं व्यापारियों के लिए थोक औद्योगिक कच्चे माल के घरेलू सोर्सिंग से भी जुड़ा हुआ है। यह प्रभाग विभिन्न उद्योगों की ओर से औद्योगिक कच्चे माल जैसे हेवी मेल्टिंग स्क्रैप, लो ऐश मेटैलर्जिकल कोक, एचआर कोइल, नप्टा, क्रूड ऑयल, कोकिंग कोल, स्टीम कोल आदि की सोर्सिंग, खरीद और बिक्री का काम करता है।

एमएसटीसी ने एक अन्य योजना भी विकसित की है जिसके तहत ग्राहक से बैंक गारंटी (बीजी) द्वारा समर्थित खरीद की जाती है। जिन ग्राहकों ने बीजी सीमा को मंजूरी दे दी है, वे अपनी परियोजनाओं या व्यापार के लिए कच्चे माल/वस्तुओं की खरीद के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। इस मॉडल में, एसडी सुरक्षा जमा राशि एकत्र करने के बाद ग्राहक के साथ एमओए पर हस्ताक्षर किए जाते हैं। किसी भी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक में खोले गए 110% बीजी द्वारा समर्थित ग्राहकों की ओर से खरीद की जाती है। आयात या घरेलू खरीद के लिए सुविधा मोड में एलसी/आरटीजीएस के माध्यम से आपूर्तिकर्ता को भुगतान जारी किया जाता है। सामग्री को सीधे ग्राहक को भेज दिया जाता है जिससे भंडारण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और परिणाम स्वरूप गोदाम और संरक्षक शुल्क की बचत होती है।

ट्रेडिंग डिवीजन ने टॉप लाइन के साथ-साथ बॉटम लाइन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस प्रक्रिया से वर्ष के दौरान अर्जित सेवा प्रभार ₹ 859.22 मिलियन था।

थर्मल कोयले का आयात

भारत में विभिन्न बिजली उपयोगिता इकाईओं द्वारा आयातित थर्मल कोयले की मांग को पूरा करने के लिए यह व्यापार आरम्भ किया गया तथा एमएसटीसी ऐसे खरीदारों को डोर डिलीवरी के आधार पर आयातित थर्मल कोयले की आपूर्ति करता रहा है। एमएसटीसी अपने व्यापारिक सहयोगियों के माध्यम

B. Trading Business

In trading business, which constituted **7% (11% in 2017-18)** of the total volume of business during **FY 2018-19**, MSTC acts as a facilitator for procurement of raw material for secondary steel producers and petrochemical industry on behalf of buyers and charge mark-up on percentage basis.

This business contributed **22% (35% In 2017-18)** of the total operational income of the Company.

The trading division is engaged in Import as well as domestic sourcing of bulk industrial raw material for actual users as well as traders. This division looks after sourcing, purchase and sale of industrial raw materials like Heavy Melting Scrap, Low Ash Metallurgical Coke, HR Coil, Naptha, Crude Oil, Coking Coal, Steam Coal etc. on behalf of various industries.

MSTC has also developed another scheme under which procurement is done backed by Bank Guarantee (BG) from the Customers. Customers who have sanctioned BG limits can use the same to procure raw materials / commodities for their projects or for trading. In this model, MOA is signed with the Customer after collecting Security Deposit (SD). Procurement is done on behalf of the Customers backed by 110% BG opened on any Scheduled Commercial Bank. The payment is released to the Supplier by way of LC/RTGS in facilitator mode for Import or domestic procurement. The material is directly shipped to the customer thereby eliminating the need for storage which results in saving on account of warehousa and custodian charges.

Trading division has contributed significantly to the top line as well as the bottom line. The service charge earned from this segment was **₹ 859.22** Million during the year.

Import of Thermal Coal

This line of business was started in order to meet the demand for imported thermal coal by various power utilities in India. MSTC has been supplying imported thermal coal to such buyers

से बैक-टू-बैक आधार पर आयातित थर्मल कोयले की आपूर्ति के लिए खरीदारों द्वारा जारी किये गये निविदाओं में प्रतिभागिता करता है। एमएसटीसी द्वारा एक खुली निविदा के माध्यम से व्यवसायिक सहयोगियों को सूचीबद्ध किया जाता है। एमएसटीसी ने पिछले वर्ष ₹ 2,721.50 मिलियन के मूल्य की 0.561 मिलियन टन कोयले के विरूद्ध इस वर्ष ₹ 804.12 मिलियन के मूल्य तक 0.453 मिलियन मैट्रिक टन आयातित थर्मल कोयले की सफलतापूर्वक आपूर्ति की है।

बिजली क्षेत्र में तेजी के कारण आयातित थर्मल कोयले की मांग हाल के दिनों में बढ़ी है। इससे वर्ष के दौरान आयात किए गए कोयले की मात्रा में वृद्धि हुई है। इससे भविष्य में एमएसटीसी के लिए व्यापार के अवसरों में वृद्धि हो सकती है।

वित्त 2018-19 के दौरान ट्रेडिंग डिवीजन का कुल निष्पादन ₹ 76856.26 मिलियन है।

लाइन पाइपों की आपूर्ति

एमएसटीसी डंप साइट पर डिलीवरी के आधार पर गेल को लाइन पाइप की आपूर्ति कर रहा है। एमएसटीसी अपने व्यवसाय सहयोगी के माध्यम से बैक-टू-बैक आधार पर आपूर्ति के लिए गेल द्वारा जारी की गयी निविदाओं में भाग लेता है। एमएसटीसी द्वारा खुली निविदा के माध्यम से व्यवसायिक सहयोगियों को सूचीबद्ध किया जाता है। एमएसटीसी ने विगत वर्ष ₹ 766.20 मिलियन के मूल्य के विरूद्ध 31381.33 मीटर के इस वर्ष ₹ 6339.30 मिलियन के मूल्य तक गेल की विभिन्न परियोजनाओं के लिए 331425 मीटर लाइन पाइपों की सफलतापूर्वक आपूर्ति किया है।

ग. रीसाइक्लिंग :

एमएसटीसी ने ग्रेटर नोयडा में संग्रहण तथा विघटन केन्द (सीएण्डडी) को स्थापित करने के लिए महिन्द्रा इंटरट्रेड लि. के साथ पुनर्चक्रण व्यवसाय स्थापित किया है जिसमें समयातिरेक वाहनों को खरीदा जाता है, डी-प्रदूषित, विघटित करने और उनके धातुनिर्मित पुर्जों को बेल्स में पर्यावरणिक पद्धति से बदलने के लिए ग्रेटर नोएडा का यह संयंत्र एंड ऑफ लाइफ व्हीकल्स के पुर्नचक्रण के लिए देश की पहली अधिकृत रीसाइक्लिंग इकाई है। इस वित्त वर्ष के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में दो और ऐसे सी एंड डी केंद्र स्थापित किए जाने की योजना है। इए केंद्र मुख्य ऑटो श्रेडिंग संयंत्र हेतु आपूर्ति फीड स्टॉक के रूप में कार्य करेगी। इस वित्त वर्ष के दौरान गुजरात के तटीय क्षेत्र में श्रेडिंग प्लांट स्थापित करने की भी योजना है।

एमएसटीसी ग्रेटर नोएडा में संग्रह केंद्र में उत्पादित स्क्रैप और खतरनाक वस्तुओं के लिए नीलामी भी कर रहा है।

संवृद्धि और भावी विकास का विविधीकरण

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं के संगठन (सियाम) और इस तरह के अन्य निकायों के सहयोग से एमएसटीसी ने अन्य विकसित और विकासशील देश के अनुरूप एंड ऑफ लाईफ वाहनों के अनिवार्य स्क्रैपिंग को प्रोत्साहित करने के लिए एक कानून बनाने के लिए कदम उठाया है। निकट भविष्य में भारत सरकार द्वारा इस सम्बंध में नीति अपनाये जाने की सम्भावना है।

on door delivery basis. MSTC participates in the tenders floated by the buyers for supply of imported thermal coal through its business associates on back-to-back basis. The business associates are empanelled through an open tender by MSTC. MSTC has successfully supplied 0.453 Million MT of imported thermal coal valued at ₹ 804.12 Million this year against 0.561 Million MT valued at ₹ 2,721.50 Million in the previous year.

The demand for imported thermal coal has increased in recent times due to an uptick in the power sector. This has resulted in spike in the quantity of Coal imported during the year. This may result in increased business opportunities for MSTC in future.

The total performance of Trading Division during FY-2018-19 stands at ₹ 76856.26 Million.

Supply of Line Pipes

MSTC has been supplying Line pipes to GAIL on delivery to dump site basis. MSTC participates in the tenders floated by GAIL for supply of Line pipes through its business associate on back-to-back basis. The business associates are empanelled through an open tender by MSTC. MSTC has successfully supplied 331425 Mtrs of line pipes to various projects of GAIL valued at ₹ 6339.30 Million this year against 31381.33 Mtrs valued at ₹ 766.20 Million in the previous year.

C. Recycling :

MSTC has already forayed into recycling business by setting up Collection & Dismantling Centre (C&D) at Greater Noida in Joint Venture with Mahindra Intertrade Ltd. wherein the End of Life Vehicles (ELVs) are purchased for de-polluting, dismantling and converting the metallic parts into bales and in an environmental friendly manner. This plant at Greater Noida, is the nation's first authorized recycling unit for End of Life Vehicles. Two more such C&D centres are planned to be set up in various parts of the country during this fiscal. These centers will act as a supply feed stock for the main Auto Shredding Plant. The Shredding Plant is also planned to be set up at costal belt of Gujarat during this fiscal.

MSTC is also conducting auctions for scrap goods and Hazardous item generated in the collection centre at Greater Noida.

Diversification of Growth and future developments

MSTC in association with the Ministry of Road Transport and Highways, Ministry of Heavy Industries, Society of Indian Automobile Manufacturers (SIAM) and other such bodies has taken up for enactment of a Law for incentivizing compulsory scrapping of End of Life Vehicles as existing in other developed and developing countries. In the near future, Govt. of India is likely to come up with a policy in this regard.

श्री विष्णुदेव साय, माननीय पूर्व राज्य मंत्री (इस्पात) के साथ एमएसटीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री बी बी सिंह, इम्फाल, मणिपुर में "अनलॉकिंग वैल्यु थ्रू ई-कॉमर्स एंड सपोर्टिंग एग्री हॉर्टी सेक्टर थ्रू ई-रकम" की कार्यशाला में

Shri Vishnu Deo Sai, Hon'ble Former Minister of State (Steel) with Shri B. B. Singh, CMD, MSTC at workshop on "Unlocking Value through e-Commerce & Supporting Agri-Horti sector through e-RaKAM" at Imphal, Manipur.

भविष्य की संवृद्धि और विकास

एमएसटीसी ने एम3 एमएसटीसी मेटल मंडी के नाम से अपना ई-शॉपिंग पोर्टल विकसित किया है, जो धातु उत्पादों की बिक्री और खरीद के लिए बी2बी और बी2सी सुविधा प्रदान करने वाला एक वर्चुअल मार्केट प्लेस है।

"एम3" पोर्टल 24x7 आधार पर परेशानी मुक्त और पारदर्शी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में अपने दैनिक व्यवसाय को बेचने के लिए धातु उत्पादों और कच्चे माल के विक्रेताओं और खरीदारों को एक अनूठी सुविधा प्रदान करता है। एमएसटीसी द्वारा देश के विभिन्न हिस्सों में पोर्टल के व्यापक प्रचार देने के लिए एआईआईएफए एमआरएआई तथा बीएआई आदि जैसे संगठनों के सहयोग से कई रोड शो और क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित की गयी हैं।

"एम3" पोर्टल विक्रेताओं को एक व्यापक प्रदर्शन प्रदान करता है जिससे उन्हें अपने बाजार में जगह बढ़ाने में मदद मिलती है और खरीदारों को एक खुले, प्रतिस्पर्धी और पूरी तरह से पारदर्शी डिजिटल वातावरण में खरीदारी करने के लिए एक मंच मिलता है। एम3 पोर्टल विक्रेताओं और खरीदारों दोनों के लिए वन स्टॉप शॉप प्रदान करता है। पोर्टल पर विक्रेताओं और खरीदारों का पंजीकरण लगातार चल रहा है और इसे पहले आओ - पहले पाओ प्रोत्साहन के रूप में पूरी तरह से मुफ्त दिया जा रहा है।

कुछ स्टील निर्माताओं की आवश्यकता के अनुसार, निश्चित मूल्य बिक्री मॉडल के अलावा, संभावित खरीदारों से कोटेशन प्राप्त करने के लिए एक अतिरिक्त विशेषता जैसे इन्क्वायरी बेस्ड ऑर्डर जनरेटिंग सिस्टम को पोर्टल पर शामिल किया गया है।

पोर्टल पर लेनदेन पहले से ही होने लगे हैं और हाई कार्बन फेरो क्रोम, हाई कार्बन फेरो मैंगनीज, एमएस चैनल, एमएस बिलेट, आईएसएचबी, और फेरो सिलिकॉन जैसे उत्पाद पहले ही "एम3" पोर्टल के माध्यम से बेचे जा चुके हैं और वित्त वर्ष के दौरान पोर्टल के माध्यम से किये गये व्यवसाय का आँकड़ा ₹ 2020 मिलियन को पार कर चुका है। पोर्टल पर व्यावसायिक गतिविधि को और सुविधाजनक बनाने के लिए एम3 मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है।

भावी दृष्टिकोण

1. भारत में जहाज तोड़ने वाला उद्योग के लिए ई-कॉमर्स व्यवसाय और विनिर्माण की बहुत संभावनाएं विद्यमान हैं। एमएसटीसी मल्टी-सेक्टर पर नज़र रख रही है ताकि स्क्रैप की बिक्री के लिए इस विशाल बाजार का दोहन किया जा सके और एकीकृत शिप ब्रेकिंग यार्ड की स्थापना की जा सके।
2. एमएसटीसी अपने बहुत ही अनुकूलित ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से देश में कोयला ब्लॉक और सभी प्रमुख खनिज ब्लॉकों के आवंटन के लिए एक नामित एजेंसी है। देश के विभिन्न राज्यों में एमएसटीसी के ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से लघु खनिज ब्लॉकों का आवंटन भी हो रहा है।

   खदान डेवलपर-सह-संचालक का चयन ज्यादातर एमएसटीसी के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से किया जाता है।

   इसके अलावा, बारबील क्षेत्र में खनिज के लिए कुछ खदानों को छोड़कर, जो उड़ीसा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के मुहाने पर है, कोयला सहित सभी प्रमुख खनिजों को एमएसटीसी के ई-नीलामी पोर्टल के माध्यम से बेचा जा रहा है।
3. हालांकि, एमएसटीसी ने भारत में वन और कृषि क्षेत्र में अतिक्रमण किया है, लेकिन आक्रामक विपणन रणनीति और निर्बाध सेवाओं का प्रतिपादन करके भारत में विशाल बाजार के लिए उसे अभी मुख्य भूमिका निभानी है। नॉर्थ-ईस्ट के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स जैसे कि ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स और नेचुरल ग्रो एग्री-हॉर्टी प्रोडक्ट्स एमएसटीसी के लक्षित बाजार हैं।

Future Growth and Development

MSTC has developed its e-shopping portal namely "M3" MSTC Metal Mandi a virtual market place providing B2B & B2C facility for sale and purchase of Metal products.

"M3" portal provides an unique facility to Sellers and Buyers of metallic products and raw metarials to carry out their day to day business in a hassle free and transparent digital platform on 24×7 basis. Several Road shows and buyer-seller meets had been organized by MSTC in association with organizations like AIIFA, MRAI and BAI etc. In different parts of the country to give wide publicity to the portal.

The "M3" portal provides sellers a wider exposure thereby enabling them to enlarge their market place and the buyers get a platform to shop in an open, competitive and fully transparent digital environment to get the best price. The M3 portal provides a one stop shop for both sellers and buyers. Registration of Sellers and Buyers on the portal is continuously going on and the same is being offered totally free of cost as an early bird incentive.

In addition to the fixed price sale model, as per requirement of some steel makers, an additional feature namely: "Enquiry Based order generating system" has been incorporated on the portal to obtain quotations from prospective buyers.

Transactions have already started taking place on the portal and products like High Carbon Ferro Chrome, High Carbon Ferro Manganese, MS Channel, MS Billet, ISHB, and Ferro Silicon have already been sold through "M3" portal and the business transacted through the portal has crossed ₹ 2020 million mark during the financial year. M3 mobile App has been launched for further facilitating business activity on the portal.

Future Outlook

1. The ship-breaking industry in India holds great potential for e-Commerce business and manufacturing. MSTC is eying on multi-sector to tap this huge market for scrap sales and going forward setting up of integrated ship breaking yards.
2. MSTC is a nominated agency for allocation of coal blocks and all major mineral blocks in the country through its very customized e-Commerce portal. The minor mineral blocks allocation is also happening through MSTC's e-Commerce portal in various states of the country.

   The selection of Mine Devaloper-cum-Operator is mostly done through e-Procurement portal of MSTC.

   In addition, all the major minerals including coal is being sold through e-Auction portal of MSTC barring a couple of mines for mineral in Barbil area which is at the confluence of Orissa, Jharkhand & West Bengal.
3. Although, MSTC has made inroads into forest and Agri sector in India but has to play lead role for huge market in India through aggressive marketing strategy and rendering seamless services. The niche market, such as organic produces and natural grown Agri-horti produces of North-East are the target market for MSTC.

4. एमएसटीसी ने तेल विपणन कंपनियों के लिए एक अद्वितीय एक्जिम पोर्टल विकसित करके खुद के लिए जगह बनाई है और इस प्रक्रिया में एमएसटीसी ने सरकारी और निजी संगठनों विशेष रूप से एमएसएमई को ई-रिटेल सॉफ्टवेयर समाधान प्रदान करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता विकसित की है। इस क्षेत्र में एमएसटीसी के लिए एक महान अवसर और भावी संभावनाएं हैं।
5. एमएसटीसी सरकार और निजी कंपनियों के लिए एनपीए के रूप में चल और अचल संपत्तियों की नियमित नीलामी कर रहा है। परन्तु बैंकों द्वारा एकल सेवा प्रदाता द्वारा एनपीए की बिक्री को समेकित करने के लिए हाल में उठाये गये कदम निहाई पर है और एमएसटीसी इस व्यवसाय को निकट भविष्य में शुरू करने के लिए तैयार है।
6. एमएसटीसी निजी क्षेत्र से अप्रयुक्त ई-कॉमर्स व्यवसाय पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है और इस दिशा में एमएसटीसी रिलायंस इन्डस्ट्री, इन्डस पावर, टाटा पावर, वेदान्त जैसे बड़ी कंपनियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
7. उत्तर पूर्व क्षेत्र अदरक, अनानास, काली मिर्च, इलायची, आंवला, संतरा, कीवी, आर्किड, आदि जैसे कृषि और वन उपज में समृद्ध है लेकिन उत्पादकों के पास अपनी उपज और लॉजिस्टिक समर्थन के लिए कोई बाजार उपलब्ध नहीं है, जो उन्हें उनके न्यूनतम पारिश्रमिक तक भी पाने के लिए असहाय बना देता है।

   उत्तर पूर्वी क्षेत्र की विशाल क्षमता को ध्यान में रखते हुए एमएसटीसी ने सभी सक्षम साझेदारों जैसे उत्पादक कंपनियों/संगठन (एफपीसी, एफपीओ) को एक एग्रीगेटर, सेंट्रल रेल साइड वेयर हाउसिंग कारपोरेशन (सीआरडब्ल्यूसी) के रूप में लॉजिस्टिक सपोर्ट तथा एमएसटीसी को ई-निलामीकर्ता तथा मांग प्रबंधक के रूप में स्थापित करते हुए इको सिस्टम लाने पर जोर दिया है।

   यह इको सिस्टम न केवल उत्पादकों की वित्तीय स्थिति में सुधार करेगा बल्कि फसलों को भारी बर्बादी से भी बचाएगा और देश के बाकी हिस्सों में बेहतरीन उत्पाद भी उपलब्ध कराएगा। यह सहयोगात्मक प्रयास पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की नीति में परिकल्पित एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

4. MSTC has carved niche for itself by developing an unique exim portal for oil marketing companies and in the process MSTC has developed required expertise for providing e-Retail Software solutions to the Government and private organizations particularly the MSME. This sector holds a great opportunity and potential for MSTC in future.
5. MSTC has been conducting regular auction for moveable and immovable assets as NPAs for Government as well as private companies. But the recent move of banks for consolidation of the sale of NPAs by a single service provider is on the anvil and MSTC is poised for grabbing this business in immediate future.
6. MSTC is casting more focus on the untapped e-Commerce business from the private sector and in this stride MSTC has signed big ticket agreement with Reliance Industry, Indus Tower, Tata Power, Vedanta etc. to name a few.
7. North East Region is rich in agri and forest produce such as ginger, pineapple, black pepper, cardamom, amla, orange, kiwis, orchid, etc. But the growers do not have any market access for their produces and the logistic support, which renders them hapless for their minimal remuneration.

   Looking at the vast potential of North Eastern Region, MSTC has embarked upon developing eco system bringing all the enabling partners such as farmers producing companies/Organisation (FPC,FPO) as an aggregator, Central Railside Warehousing Corporation (CRWC), for logistic support, MSTC an e-auctioneer and demand manager.

   This eco system will not only improve the financial status of the growers but also prevent the crops from colossal wastage and make available niche products to the rest of the country. This collaborative effort may play an important role as envisaged in the Government policy for the development of the North East Region.

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी ने एनएमडीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के साथ मुलाकात की

CMD, MSTC meeting with CMD, NMDC

एमएसटीसी की ई-रकम पोर्टल के तहत ई-रिवर्स ऑक्शन द्वारा नासिक के प्याज के पहले खेप की बिक्री

First Consignment of Sale of Nashik Onion, sold by e-reverse Auction by MSTC under its e-RaKAM portal

8. एमएसटीसी भारत के लिए एक रीसाइक्लिंग नीति तैयार करने की पहल की शुरुआत कर रहा है, जो वर्तमान में एक असंगठित क्षेत्र को पर्यावरण के अनुकूल संगठित रीसाइक्लिंग क्षेत्र में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

9. इसके अलावा, ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग प्लांट को शामिल करने की संभावना पर विचार किया जा रहा है जो प्रस्तावित ऑटो श्रेडिंग प्लांट के साथ ई-वेस्ट में कीमती धातुओं की उपलब्धता को भी निकाल सकने में सक्षम हो सकता है।

10. एमएसटीसी अपने ई-कॉमर्स कारोबार को तेजी से बढ़ा रहा है ताकि खनन ब्लॉकों (कोयला और गैर-कोयला दोनों), खनिज, कृषि और वन उपज और ई-प्रोक्योरमेंट की ई-नीलामी पर ध्यान केंद्रित करके उपलब्ध संभावनाओं का फायदा उठाया जा सके। एमएसटीसी ने कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न राज्यों में हस्तशिल्प, परिधानों, पेंटिंग, आदि के लिए ई-शॉपिंग मॉल शुरू करने की योजना बनाई है।

एमएसटीसी के कुछ प्रमुख अवसर :

क. ई-नीलामी के माध्यम से खनिज ब्लॉकों की बिक्री के लिए सरकार की हाल की पहल ने भी एमएसटीसी के लिए अवसर प्रदान किया है और इसने अधिकांश राज्य सरकारों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो एमएसटीसी के राजस्व को सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं।

ख. एमएसटीसी 110% बैंक गारंटी आधारित प्रोक्योरमेंट बिज़नेस मॉडल को लागू करके घटते व्यापारिक कारोबार को फिर से जीवित करने के प्रयास कर रहा है। इसके अलावा, एमएसटीसी केवल सरकारी कंपनियों के लिए ई-कॉमर्स सक्षम व्यापार व्यवसाय को अपनाने के लिए तैयार हो रहा है जो मौजूदा व्यापार व्यवसाय मॉडल की तुलना में कम जोखिम वाला व्यवसाय होगा।

ग. एमएसटीसी अन्य राज्यों में उत्तर प्रदेश के मॉडल के अनुरूप बालू खनन ब्लॉक की ई-नीलामी एक्सप्लोरिंग कर रहा है।

घ. एमएसटीसी ने देश में विभिन्न गोदामों में पड़े खाद्यान्न सामग्री को ई-नीलामी के माध्यम से बेचने के लिए एनएएफईडी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है तथा उसकी खरीद ई-रिवर्स नीलामी के माध्यम से समझौते में शामिल है।

ङ. ई-प्रोक्योरमेंट एक और संभावित क्षेत्र है जिसमें एमएसटीसी व्यवसाय के अवसर को प्राप्त करने के लिए तेजी से प्रगति कर रहा है । एमएसटीसी ने व्यापार के ई-प्रोक्योरमेंट डोमेन में अधिक गहरी सेंध लगाने के लिए मल्टी ब्रोकर सुविधा की शुरुआत की है।

च. राजस्थान सरकार ने रॉयल्टी कलेक्शन कॉन्ट्रैक्ट, अतिरिक्त रॉयल्टी कलेक्शन कॉन्ट्रैक्ट (ईआरसीसी), प्रॉस्पेक्टिव लाइसेंस-कम-माइनिंग लीज (पीएल कम एमएल) और मामूली खनिजों के माइनर लीज के ई-ऑक्शन के लिए एमएसटीसी को नियुक्त किया है।

छ. भारत सरकार ने अपने ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से अभिनव योजनाओं के विभिन्न प्रमुखों के कार्यान्वयन के लिए एमएसटीसी को शामिल किया है। कुछ पहले ही क्रियान्वित किये जा चुके हैं तथा कुछ क्रियान्वयन की प्रक्रिया में हैं। इस तरह की एक योजना ई-कॉमर्स मार्ग के माध्यम से सीपीएसई का विनिवेश है और डीआईपीएएम द्वारा इसका संचालन किया जा रहा है।

ज. एमएसटीसी ने असंगठित क्षेत्र जैसे सीमेंट, स्टील, स्पंज आयरन, आदि के लिए कोयला लिंकेज की ई-नीलामी सफलतापूर्वक की है। कोयला मंत्रालय द्वारा शक्ति योजना के तहत कोयला लिंकेज की ई-नीलामी शुरू हुई है।

झ. आईओसीएल हेतु एक्जिम उत्पादों के लिए सफल पोर्टलों को सार्वजनिक और निजी दोनों अन्य ओएमसी तक बढ़ाया जा सकता है।

8. MSTC is spearheading the initiatives of framing a recycling policy for India which will pave the path of converting presently an unorganized sector into an environmentally sensitive organised recycling sector.

9. Besides, the possibility of inclusion of e-Waste recycling plant which can also extract & recover precious metals available in the e-Waste with the proposed Auto Shredding Plant, is also being considered.

10. MSTC is increasing its e-Commerce business exponentially to exploit the available potential with a focus on e-Auction of mining blocks (both coal & non-coal), minarals, agri & forest produce and e-procurement. MSTC has plans to launch e-Shopping malls for handicrafts, apparels, paintings, etc. in various States to promote Cottage Industries.

Some of the major opportunities MSTC is pursuing:

a. The recent initiative of the Government for sale of mineral blocks, both major and minor, through e-Auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with most of the State Governments which may yield positive results to the revenue of MSTC.

b. MSTC is making efforts to resurrect the dwindling trading business by ramping up the 110% Bank Guarantee based procurement business model. Besides this, MSTC is gearing up to take up e-Commerce enabled trading business for Government companies only which will be less risky business than the existing trading business model.

c. MSTC is exploring e-Auction of sand mining block in other states in line with Uttar Pradesh model.

d. MSTC has signed an agreement with NAFED to sell the food grains lying with various godowns in the country through e-Auction. Procurement of the same is also within the ambit of agreement through e-reverse auction.

e. E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business. MSTC has introduced multi broker facility to make much deeper dent in the e-Procurement domain of business.

f. Govt. of Rajasthan has appointed MSTC for e-Auction of Royalty Collection Contract, Excess Royalty Collection Contract (ERCC), Prospective License-cum-Mining Lease (PL cum ML) and Mining Lease for minor minerals.

g. Govt. of India has engaged MSTC for implementation of its various flagship of Innovative schemes through its e-Commerce portal. Some are already implemented and some are upcoming. One such scheme is disinvestment of CPSE through e-Commerce route and is being spearheaded by DIPAM.

h. MSTC has successfully conducted e-Auction of coal linkages for unregulated sectors such as cement, steel, sponge iron, etc. The e-Auction of coal linkage has commenced under Shakti scheme by Ministry of Coal.

i. The successful portals for EXIM products for IOCL may be extended to other OMC's, both public and private.

प्रचालनों तथा कार्यनिष्पादन के सम्बंध में वित्तीय मानदण्ड पर विचार - विमर्श

कार्यनिष्पादन

क) एजेंसी व्यवसाय

2017-18 में ₹ 3,63,901.50 मिलियन के विरुद्ध इस वर्ष एजेंसी व्यवसाय की कुल मात्र ₹4,54,326.70 मिलियन रही। वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 का ब्रेक-अप निम्नानुसार है :

व्यवसाय खंड	व्यवसाय की मात्रा (₹ मिलियन में)	
	2018-19	2017-18
स्क्रैप निपटान	51,555.70	40,668.30
ई-बिक्री	2,40,352.20	1,55,146.90
कोयला ई-निलामी	98,011.30	99,588.70
लौह अयस्क ई-निलामी	64,407.50	68,497.60
कुल (क) :	**4,54,326.70**	**3,63,901.50**

ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यवसाय खंड	व्यवसाय की मात्रा (₹ मिलियन में)	
	2018-19	2017-18
ई-प्रोक्योरमेंट	5,81,554.40	3,62,689.60
कुल (ख) :	**5,81,554.40**	**3,62,689.60**
कुल (क+ख) :	**10,35,881.10**	**7,26,591.10**

ग) व्यापार

ट्रैडिंग डीविजन का कार्यनिष्पादन 2017-18 में ₹ 93,518.10 मिलियन के विरुद्ध ₹ 76,856.26 मिलियन के कुल व्यवसाय को दर्शाता है। वर्ष 2017-18 की तुलना में वर्ष 2018-19 का ब्रेक-अप निम्नानुसार है:

व्यवसाय खंड	व्यवसाय की मात्रा (₹ मिलियन में)	
	2018-19	2017-18
आयातित सामग्री	21,800.77	22,530.00
घरेलू सामग्री	55,055.49	70,988.10
कुल (ग) :	**76,856.26**	**93,518.10**
सकल जोड़ (क+ख+ग) :	**11,12,737.36**	**8,20,109.20**

Discussion on Financial Parameters with respect to Operations and Performance

Performance

A) Agency Business

This year the total volume of Agency Business stands at **₹ 4,54,326.70 Million**, against **₹ 3,63,901.50 Million** in **2017-18.** Break-up for the year **2018-19** vis-à-vis 2017-18 is as follows :

Business Segment	Volume of Business (₹ in Million)	
	2018-19	2017-18
Scrap Disposal	51,555.70	40,668.30
e-Sale	2,40,352.20	1,55,146.90
Coal e-Auction	98,011.30	99,588.70
Iron ore e-Auction	64,407.50	68,497.60
Total (A) :	**4,54,326.70**	**3,63,901.50**

B) E- Procurement

Business Segment	Volume of Business (₹ In Million)	
	2018-19	2017-18
e-Procurement	5,81,554.40	3,62,689.60
Total (B) :	**5,81,554.40**	**3,62,689.60**
Total (A+B) :	**10,35,881.10**	**7,26,591.10**

C) Trading

The performance of the Trading Division shows a total volume of business of **₹ 76,856.26 Million**, against **₹ 93,518.10 Million In 2017-18.** Break-up for the year **2018-19** vis-à-vis **2017-18** is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in Million)	
	2018-19	2017-18
Imported materials	21,800.77	22,530.00
Indigenous materials	55,055.49	70,988.10
Total (C) :	**76,856.26**	**93,518.10**
Grand Total (A+B+C) :	**11,12,737.36**	**8,20,109.20**

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी माननीय पूर्व इस्पात मंत्री, श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ इंडियन स्टील एक्सपो के दौरान

CMD, MSTC with Shri Chaudhary Birendra Singh, Hon'ble Former Union Minister of Steel and other Honorable Dignitaries during Indian Steel Expo

मुख्य वित्तीय अनुपात:

मुख्य अनुपात	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2017-18	बदलाव % में	भिन्नता के कारण
देनदारी कारोबार (दिनों की संख्या)	0.95	1.92	-50.43	राजस्व में वृद्धि, ट्रेड प्राप्ययोग्य में कमी
सामान-सूची कारोबार (दिनों की संख्या)	0.00	0.02	-100.00	31.03.2018 तथा 31.03.2019 को कोई सामान-सूची नहीं
ब्याज आवरण अनुपात	-0.27	0.37	-172.31	₹ 5420.83 मिलियन रुपये के खराब और संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के प्रति बट्टा खाता तथा प्रावधान के कारण नकारात्मक पीबीटी
चालू अनुपात	0.93	1.05	-11.25	सामान्य व्यापार अन्तर
ऋण इक्विटी अनुपात		अप्रयोज्य		
प्रचालन लाभ मार्जिन (%)	-9.20	5.73	-260.41	₹ 5420.83 मिलियन के खराब और संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के प्रति बट्टा खाता तथा राजस्व में वृद्धि परन्तु प्रावधान के कारण नकारात्मक पीबीटी
निवल लाभ मार्जिन (%)	-11.09	3.94	-381.55	₹ 5420.83 मिलियन के खराब और संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के प्रति बट्टा खाता तथा परन्तु प्रावधान के कारण नकारात्मक पीबीटी राजस्व में वृद्धि परंतु
कुल मूल्य पर वापसी कारण	-155.93	13.62	-1245.13	₹ 5420.83 मिलियन के खराब और संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के प्रति बट्टा खाता तथा प्रावधान के कारण नकारात्मक पीएटी के धारित आय में कमी

Key Financial Ratios:

Key Ratios	FY 2018-19	FY 2017-18	Change in %	Reason for Difference
Debtors Turnover (No of Days)	0.95	1.92	-50.43	Increase in Revenue, Decrease in Trade Receivables
Inventory Turnover (No of Days)	0.00	0.02	-100.00	No Inventory as on 31.03.2018 & 31.03.2019
Interest Coverage Ratio	-0.27	0.37	-172.31	Negative PBT due to provision & write off against bad and doubtful trade receivables for ₹ 5420.83 Million.
Current Ratio	0.93	1.05	-11.25	Normal business variation.
Debt Equity Ratio		NOT APPLICABLE		
Operating Profit Margin (%)	-9.20	5.73	-260.41	Increase in Revenue but negative PBT due to provision & write off against bad & doubtful trade receivables for ₹ 5420.83 Million
Net profit Margin (%)	-11.09	3.94	-381.55	Increase in Revenue but negative PAT due to provision & write off against bad & doubtful trade receivables for ₹ 5420.83 Million
Return on net Worth	-155.93	13.62	-1245.13	Decrease in Ratained earnings because of negative PAT due to provision & write off against bad & doubtful trade receivables for ₹ 5420.83 Million

श्री बी बी सिंह, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड के लिस्टिंग समारोह का उद्घाटन करते हुए

Shri B. B. Singh, CMD, inaugurating the Listing Ceremony of MSTC Limited

एमएसटीसी लिमिटेड के आईपीओ से संबंधित रोड शो के दौरान इन्वेस्टर सम्मेलन

Investors Meet during Road Show regarding IPO of MSTC Limited

जोखिम और चिंता

एजेंसी व्यवसाय

सेलिंग एजेंसी के व्यवसाय में अंतर्निहित जोखिम है क्योंकि प्रिंसिपल किसी भी समय विक्रय कार्य को स्वयं करने का निर्णय ले सकता है। बहुत से प्रिंसिपल निविदाकरण की प्रक्रिया अपना रहे हैं तथा छोटे उद्यम अपने आधारभूत संरचना में कम निवेश तथा सीवीसी मार्गदर्शन एवं आईटी अधिनियम 2000 के प्रति अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन के बिना सेवा प्रभारों का न्यूनतम दर उद्धृत कर रहे हैं। हालांकि, अपनी गुणवत्ता और पारदर्शिता के कारण एमएसटीसी ने इस कारोबार में अधिकांश व्यवसाय को बरकरार रखा है।

पीएसयू होने के नाते, एमएसटीसी को सीवीसी द्वारा जारी किए गए सभी दिशानिर्देशों, आईटी अधिनियम 2000 और एसटीक्यूसी की अन्य लेखा परीक्षा आवश्यकताओं का पालन करना पड़ता है, जिसके लिए एमएसटीसी को प्रणाली आधारभूत संरचना के लिए बड़ी राशि का निवेश करना पड़ता है, जबकि निजी खिलाड़ी किसी भी दायित्व के तहत नहीं होते हैं। इसलिए, जब तक कि सरकारी विभाग और सार्वजनिक उपक्रम निविदा दस्तावेजों में सेवा प्रदाताओं द्वारा सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुरूप मानदंडों के अनुपालन पर बल नहीं देते तब तक एमएसटीसी के लिए आदेश प्राप्त करना कठिन हो जाएगा चूंकि थोड़े आंतसंरचना वाले निजी कंपनियाँ बड़ी बोली लगाने का जोखिम उठा सकती हैं।

व्यापारिक व्यवसाय (आयात और निर्यात)

यह खंड मुख्य रूप से आयात या घरेलू रूप से उद्योगों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति का काम करता है। सामग्रियों को एमएसटीसी के पास रखा जाता है और ग्राहकों को भुगतान के आधार पर वितरण दिया जाता है। बाजार में मुख्य रूप से अपने उत्पादन कार्यक्रम में परिवर्तन और अस्थिरता के कारण ग्राहकों द्वारा अनुसूची के अनुसार सामग्री नहीं उठाने का एक अंतर्निहित जोखिम इस व्यवसाय में शामिल है। हालांकि, ग्राहकों से मूल्य का 110% बैंक गारंटी प्राप्त किये जाने पर सामग्री की आपूर्ति का जोखिम काफी कम हो गया है।

एमएसटीसी निर्यात कंपनियों के साथ ई-कॉमर्स सक्षम व्यापार व्यवसाय की पहल कर रहा है, जिसमें मौजूदा व्यापार व्यवसाय मॉडल की तुलना में न्यूनतम जोखिम शामिल है ।

Risks and Concerns

Agency Business

The Selling Agency business has inherent risk since principal can any time decide to do the selling job themselves. Of late, principals are resorting to tendering and small players are quoting very less rate of service charge owing to their less investment in infrastructure and nil obligations towards CVC Guidelines and IT Act, 2000. However, because of quality and transparency, MSTC has retained most of the business in this segment.

Being a PSU, MSTC has to follow all the guidelines issued by CVC, IT Act 2000 and other audit requirements of STQC for which, MSTC has to invest huge amount towards Systam infrastructure, whereas, the private players are not under any such obligation. Therefore, unless Government Departments and PSUs insist upon fulfillment of criteria in line with CVC guidelines by the service providars in the tender documents, it would be increasingly difficult for MSTC to get orders, since private players, having scanty infrastructure, can afford to quote very low service charge.

Trading Business (Import & Export)

This segment mainly functions as sourcing of raw materials for industries either through import or domestically. The materials remain pledged to MSTC and delivery is given to the customers on payment basis. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market. However, the risk is substantially reduced for sourcing materials against receipt of Bank Guarantee for 110% of value from the customers.

MSTC is pursuing e-Commerce enabled trading business with export companies which have minimum risk involved as compared to existing trading business model.

जोखिम, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

एमएसटीसी में व्यवसाय के लिए वर्ष 2008-09 में जोखिम प्रबंधन नीति अपनायी गयी थी। यह नीति 05 अप्रैल 2018 को पुनरीक्षित की गयी। एमएसटीसी यह सुनिश्चित करता है कि आंतरिक नियंत्रण प्रणाली कंपनी की जोखिम सीमा के भीतर कार्य करे तथा इसे अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए इसमें अधिक सुरक्षा उपायों को शामिल किया जा सके।

व्यवसाय के अन्य पहलु अर्थात ई-कॉमर्स के लिए भी जोखिम प्रबंधन नीति 2015-16 में अपनायी गयी जिससे व्यवसाय को आवश्यक सुरक्षा प्रदान किया जा सके।

मेसर्स एस. गुहा एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को कंपनी के इस वर्ष की आंतरिक लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया था और उनके रिपोर्ट को नियमित अंतराल पर प्रबंधन को दी जाती थी और महत्वपूर्ण मुद्दों के सारांशित विवरण को लेखा परीक्षा समिति के समक्ष रखा जाता था। लेखा परीक्षा समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यों का विश्लेषण करती है और समिति की सिफारिशों को बोर्ड के पास रखा जाता है और जिन्हें बोर्ड के विचारों के अनुसार लागू किया जाता है। ऑडिट कमेटी जोखिम विश्लेषण और नियंत्रण के लिए विभिन्न वित्तीय वक्तव्यों पर भी विचार करती है।

ऊर्जा और संसाधनों का संरक्षण

एमएसटीसी मुख्य रूप से स्क्रैप सामग्री की खरीद, विशेष रूप से विभिन्न उपभोक्ताओं से लौह स्क्रैप और रीसाइक्लिंग के लिए उन स्क्रैप के व्यापार के क्षेत्र में काम करता है। इस प्रकार, एमएसटीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषकों में कमी, फेरस स्क्रैप को पुनः प्रयोज्य रूप में पुनर्चक्रण करके ऊर्जा के संरक्षण के लिए काम करता है। एमएसटीसी एक तरह से रीसाइक्लिंग कंपनी है जो अपने खरीदारों द्वारा प्रसंस्करण के बाद पुनः उपयोग के लिए सुविधाओं और नीलामियों के स्क्रैप को समेकित करती है।

एमएसटीसी द्वारा नियोजित ऑटो श्रेडिंग प्लांट भारत में अपनी तरह का पहला होगा जिससे आईएफ तथा ईएएफ पद्धति का व्यवहार करते हुए भारत में मध्यम इस्पात निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रक्रिया से बीएफ और कन्वर्टर्स आदि के उपयोग की प्राथमिक प्रक्रिया की तुलना में कम ऊर्जा की खपत तथा निम्न प्रदूषण होता है।

सावधानी कथन

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण के तहत विवरण कंपनी के अनुमानों और आकलनों पर आधारित हैं। वास्तविक परिणाम भौतिक रूप से ऐसे अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और प्रासंगिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आर्थिक स्थिति और उद्योग की मांग पर निर्भर करते हैं। राजकोषीय नियमों और अन्य आकस्मिक कारकों सहित सरकारी नियम भी अनुमानों और आकलनों को प्रभावित कर सकते हैं।

कार्यालय व अन्य क्षेत्रों में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए एमएसटीसी को प्राप्त प्रशंसा पत्र
Letter of Appreciation, awarded to MSTC, for implementation of Rajbhasha in official and other areas

Risks, Internal Control Systems and their adequacy

Risk Management Policy in MSTC for trading was introduced in the year 2008-09. The policy has been last revised on 5th April, 2018. MSTC makes it certain that the internal control system functions within the risk appetite of the Company and is being fine-tuned to include more safeguards for being more effective.

Risk Management Policy for another segment of business i.e. e-Commerce has also been introduced in 2015-16 to have necessary safeguards in this business too.

M/s. S Guha & Associates., Chartered Accountants was assigned with the Internal Audit function of the Company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee. The Audit Committee analyses the functions of the Internal control system and recommendations of the committee are put up to the Board and those are implemented as per the considerations of the Board. Audit Committee also considers various financial statements for risk analysis and control.

Conservation of Energy and Resources

MSTC works primarily in the field of procurement of scrap materials, especially ferrous scraps from different consumers and trading of those scraps for recycling. Thus, MSTC works for the conservation of the natural resources, reduction in pollutants, conservation of energy by recycling ferrous scraps into a re-useable form. MSTC is in a way recycling Company that consolidates facilities and auctions scrap of various types for reuse after processing by its buyers.

The Auto Shredding Plant set up by MSTC is first of its kind in India, promoting Secondary Steel making in India using IF and EAF routes. These processes consume less energy and pollute less than primary process of utilizing BFs and Convertors etc.

Cautionary Statement

Statements under "Management Discussion and Analysis" are on Company's projections and estimates. Actual results may materially differ from such projections and depend on economic condition and industry demand in the relevant domestic and international market. Government regulations including fiscal regulations and other incidental factors may also affect the projections and estimates.

संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के साथ अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, वाईब्रेन्ट गुजरात सम्मेलन में
CMD, MSTC Limited with Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India, at Vibrant Gujarat Summit

बोर्ड की रिपोर्ट

सेवा में,

शेयरधारकों

एमएसटीसी लिमिटेड

निदेशकों को **31 मार्च, 2019** को समाप्त वर्ष के लिए **ऑडिटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स, ऑडिटर की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक** की टिप्पणियों के साथ कंपनी के व्यवसाय और संचालन के बारे में **54 वीं वार्षिक रिपोर्ट** प्रस्तुत करने में काफी हर्ष हो रहा है।

कंपनी की वित्तीय विशिष्टताएं

विगत वर्ष **₹ 766.34 मिलियन** रुपये के लाभ के विरुद्ध **वित्त वर्ष 2018 19** में कर के पश्चात **₹ 3,244.65 मिलियन** की हानि हुई।

वित्तीय वर्ष **2018-19** और **2017-18** के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय परिणाम नीचे दिए गए हैं:

(₹ मिलियन में)

विवरण	2018-19	2017-18
व्यवसाय की मात्रा	11,12,737.36	8,20,109.20
कर पूर्व लाभ (हानि)	(2692.09)	1,115.97
कर	552.56	349.63
कर पश्चात् लाभ	(3244.65)	766.34
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	704	352
आरक्षित निधि	1376.83	5275.61
लाभांश (%)	-	74%
प्रति शेयर आय (₹) (अंकित मूल्य ₹10/-)	(46.09)	10.89
पीबीटी प्रति कर्मचारी	(7.56)	3.42

BOARD'S REPORT

To,

The Shareholders

MSTC Limited

The Directors are pleased to present the **54th Annual Report** on the business and operation of the Company together with the **Audited Financial Statements, Auditor's Report and comments of the Comptroller & Auditor General of India** for the year ended **31st March, 2019.**

Financial Highlights of the Company

The Loss after Tax stands at **₹ 3,244.65 Million** in **Financial Year 2018-19** as against Profit of **₹ 766.34 Million** last year.

The Standalone Financial Results of the Company for the financial year **2018-19** and **2017-18** are given below:

(₹ In Million)

Particulars	2018-19	2017-18
Volume of Business	11,12,737.36	8,20,109.20
Profit (Loss) before tax	(2692.09)	1,115.97
Tax	552.56	349.63
Profit after tax	(3244.65)	766.34
Paid up capital (Equity)	704	352
Reserves	1376.83	5275.61
Dividend (%)	-	74%
Earnings per share (₹) (Face value ₹10/-)	(46.09)	10.89
PBT per employee	(7.56)	3.42

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एमएसटीसी के निदेशकों और अन्य अधिकारियों के साथ 29 मार्च 2019 को एमएसटीसी लिमिटेड के आईपीओ लिस्टिंग समारोह के दौरान

CMD along with other Directors of MSTC and officials, during IPO Listing Ceremony of MSTC Limited, on 29th March, 2019

एमएसटीसी लिमिटेड के आईपीओ से संबंधित रोड शो के दौरान इन्वेस्टर सम्मेलन

Investors Meet during Road Show regarding IPO of MSTC Limited

एमएसटीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक द्वारा एमएसटीसी रिटायर्ड इम्पलॉइज एसोसिएशन के आयोजन में संबोधन

CMD, MSTC giving speech during an event of MSTC Retired Employees Association

एमएसटीसी-एनटीपीसी वार्षिक व्यापार सम्मेलन - 2018

MSTC - NTPC Annual Business Meet - 2018.

लाभांश

वर्ष 2018-19 हेतु अपर्याप्त लाभ को ध्यान में रखते हुए, कंपनी अधिनियम 2013 और उसके अन्तर्गत निर्धारित नियमों के प्रावधानों के अनुसार सदस्यों को कोई लाभांश प्रदान करने की अनुमति नहीं है।

आरक्षित निधि

सामान्य रिज़र्व **31 मार्च 2019** तक **₹1376.83 मिलियन** हुआ है। समीक्षा के तहत वर्ष दौरान आपकी कंपनी ने रिजर्व को कोई राशि हस्तांतरित नहीं की है।

शेयर पूंजी में बदलाव

31 मार्च, 2019 को आपकी कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी ₹1500.00 मिलियन है जो ₹ 10.00 प्रत्येक के 150.00 मिलियन इक्विटी शेयरों में विभाजित है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने दिसंबर, 2018 में धारित एक शेयर के अनुपात में 1:1 के अनुपात पर बोनस शेयर जारी किए हैं। फलस्वरूप, कंपनी की प्रदत पूंजी ₹ 352 मिलियन से बढ़कर ₹ 704 मिलियन हो गई, जो ₹ 10 प्रत्येक के 70.40 मिलियन इक्विटि शेयरों में विभाजित है। बोनस शेयर केवल डीमैट मोड में जारी किए गए थे। भौतिक मोड में शेयर रखने वाले उन शेयरधारकों के बोनस शेयरों को **"एमएसटीसी लिमिटेड अनक्लेम्ड सस्पेंस अकाउंट"** में रखा गया था। शेयरधारक द्वारा डीमैट मोड में अपनी होल्डिंग को परिवर्तित करने पर बोनस शेयर उनके संबंधित खातों में स्थानांतरित किए जा रहे हैं। 31 मार्च, 2019 की स्थिति के अनुसार 1917153 शेयर अनक्लेमड बोनस सस्पेंस खाते में अभी भी परिलक्षित हो रहे हैं। सभी शेयरधारकों को अनुरोध किया जाता है कि तत्काल आधार पर अपने शेयरों को डीमटेरियलाइज्ड रूप में परिवर्तित करें।

भारत सरकार द्वारा विनिवेश तथा स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध

भारत सरकार ने इस्पात मंत्रालय के माध्यम से ₹ 120 प्रति इक्विटि शेयर के मूल्य पर बिक्री हेतु प्रस्ताव द्वारा प्रारम्भिक सार्वजनिक प्रस्ताव के जरिये ₹10 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य पर 17,670,400 इक्विटी शेयरों का विनिवेश किया है। यह प्रस्ताव 13 मार्च, 2019 से 20 मार्च, 2019 तक खुला था। आपकी कंपनी को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और कंपनी के शेयरों को 29 मार्च, 2019 को बम्बे स्टॉक एक्सचेंज लि. (बीएसई लिमिटेड) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड दोनों में सूचीबद्ध किया गया।

विनिवेश के कारण, कंपनी के इक्विटी शेयर कैपिटल में भारत के राष्ट्रपति की हिस्सेदारी 89.85% से घटकर 64.75% हो गई है।

Dividend

In view of inadequate profits for FY 2018-19, no dividend is permitted to be paid to the members as per the provisions of the Companies Act, 2013 and the Rules framed thereunder.

Reserves

The General Reserves stand at ₹ **1376.83 Million** as on **31st March, 2019**. During the year under review your Company has not transferred any amount to the reserve.

Changes In Share Capital

The authorized share capital of your Company as on 31st March, 2019 stands at ₹ 1500.00 Million divided into 150.00 Million equity shares of ₹ 10.00 each. During the year under review your Company has issued bonus share in the ratio of 1:1 i.e. one bonus share for one share held, in December, 2018. Consequently, the paid up share capital of the Company has increased from ₹ 352 Million to ₹ 704 Million divided into 70.40 Million equity shares of ₹ 10 each. Bonus shares were issued in demat mode only. The bonus shares of those shareholders holding shares in physical mode were kept in **"MSTC Limited Unclaimed Suspense Account"**. Once the shareholders are able to convert their holding in demat mode, the bonus shares are being transferred to their respective accounts. As on 31st March, 2019, 1917153 no. of shares are still lying in unclaimed bonus suspense account. All the shareholders are being requested to convert their shares into dematerialized form immediately.

Disinvestment by the Govt. of India and Listing on Stock Exchanges

The Govt. of India acting through Ministry of Steel, has disinvested 17,670,400 equity shares of face value of ₹ 10 each through Initial Public Offer by way of an offer for Sale at a price of ₹ 120 per Equity share. The offer was open from 13th March, 2019 to 20th March, 2019. Your company has received good response and the shares of the Company were listed on both BSE Limited. and National Stock Exchange of India Ltd. (NSE Ltd.) on 29th March, 2019.

Due to disinvestment, the holding of the President of India in the equity share capital of the Company was reduced to 64.75% from 89.85%.

निदेशक जिम्मेवारी विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (5) के प्रावधानों के अनुसार, निदेशक मंडल ने बताया है कि:

क) वार्षिक लेखा तैयार करते वक्त प्रयोजनीय लेखा मानकों(आईएनडीएएस) का पुरी तरह से अनुपालन किया गया है एवं जहां इन मानकों से हटकर कारवाई की गई है वहां उसके साथ समुचित स्पष्टीकरण दिए गए है।

ख) निदेशकों द्वारा चयनित लेखांकन नीतियाँ तथा उन्हें लगातार लागू किया जाना एवं लिए गये निर्णय और अनुमान इतने उचित और विवेकपूर्ण हैं कि 31 मार्च, 2019 को कंपनी के मामलों की स्थिति तथा वित्त वर्ष 2018-19 हेतु कंपनी के लाभ/(हानि) के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत होते हैं।

ग) निदेशकों ने कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए उचित और पर्याप्त ध्यान रखा है।

घ) निदेशकों ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए जारी कारेबार के आधार पर वार्षिक लेखा तैयार किया है।

ङ) निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियों को तैयार किया था और ऐसे प्रणाली पर्याप्त और प्रभावी ढंग से संचालित थे।

च) निदेशकों ने कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को निर्धारित किया था और इस तरह के सिस्टम पर्याप्त और प्रभावी रूप से संचालित थे।

निदेशक और मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक

श्री बी.बी. सिंह, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक), श्री सुब्रत सरकार, निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक हैं। श्री बी.बी. सिंह फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) और महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड (एमएमआरपीएल) के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक) भी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के निदेशक के रूप में कार्य कर रही हैं। श्री सुब्रत सरकार महिंद्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड (एमएमआरपीएल) के निदेशक के रूप में भी काम कर रहे हैं।

Directors Responsibility Statement

Pursuant to the provisions of Section 134(5) of the Companies Act, 2013, the Board of Directors state that :

a) In the preparation of the Annual Accounts the applicable Indian Accounting Standards (INDAS) have been followed along with proper explanation relating to material departures.

b) The Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Company as at 31st March, 2019 and of the Profit/(Loss) of the Company for the financial year 2018-19.

c) The Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

d) The Directors have prepared the Annual Accounts for the year ended 31st March, 2019 on a going concern basis.

e) The Directors had devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

f) The Directors had laid down Internal financial controls of the Company and that such systems were adequate and operating effectively.

Directors & Key Managerial Personnel

Shri B.B. Singh, Chairman and Managing Director, Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial) and Shri Subrata Sarkar, Director (Finance) and Chief Financial Officer are whole time Directors of the Company. Shri B.B. Singh is also acting as Chairman of Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) and Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd. (MMRPL). Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial) is also acting as Director of Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL). Shri Subrata Sarkar is also acting as Director of Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd. (MMRPL).

एमएसटीसी के आईपीओ से संबंधित रोड शो के दौरान इन्वेस्टर सम्मेलन
Investors Meet during Road Show regarding IPO of MSTC Limited

माननीय पूर्व इस्पात मंत्री, श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह, एमएसटीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, और अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ, इंडियन स्टील एक्सपो के दौरान
CMD, MSTC with Shri Chaudhary Birendra Singh, Former Hon'ble Union Minister of Steel with other Honorable Dignitaries during Indian Steel Expo

एमएसटीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, निदेशकों एवं अन्य आधिकारिक ''स्वच्छ भारत अभियान'' पर शपथ लेते हुए

Pledge on "Swachh Bharat Abhiyaan" being taken by CMD, Directors and other officials of MSTC

भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए बेहला गर्ल्स स्कूल में एमएसटीसी की वरिष्ठ प्रबंधन टीम का दौरा

Senior Management team of MSTC visited Behala Girls School to promote awareness under Swachh Bharat Abhiyan of Government of India.

समीक्षाधीन वर्ष 2019-20 के दौरान श्री बी.बी. सिंह, रोटेशन द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे हैं और पात्रता के अनुसार पुनः नियुक्ति के लिए स्वयं को प्रस्तुत कर रहे हैं। कंपनी की वार्षिक आम बैठक में निदेशकों ने उनकी पुनर्नियुक्ति की अनुशंसा करते हैं।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान श्री ए.के. बसु, निदेशक (वित्त), सेवानिवृति की आयु को प्राप्त करने पर कंपनी के निदेशक पद से उनका दायित्व समाप्त हुआ। कंपनी के साथ अपने लंबे सहयोग के दौरान उसके द्वारा दिए गए मूल्यवान मार्गदर्शन और समर्थन के लिए बोर्ड ने अपना आभार व्यक्त किया।

श्री सुब्रत सरकार को 1 दिसम्बर, 2018 से प्रभावी पूर्णकालीक निदेशक (वित्त) और कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी को 14 दिसम्बर, 2018 से प्रभावी कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। उन्हें कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) में निदेशक के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

श्री अजय कुमार राय को 27 जुलाई, 2018 से प्रभावी कंपनी के कंपनी सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था।

कंपनी ने सभी स्वतंत्र निदेशकों से यह पुष्टि करते हुए आवश्यक घोषणा और प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, वे कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों, सेबी (सूचीबद्ध बाध्यताओं और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियमों, 2015 और उसके नियमों के तहत स्वतंत्र निदेशकों के लिए निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हैं।

वर्ष के दौरान स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक आयोजित की गई थी।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (पी) के प्रावधानों के अनुसार बोर्ड, इसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों के निष्पादन के औपचारिक मूल्यांकन के तरीके को दर्शाता एक बयान शामिल करने के लिए एक सूचीबद्ध संस्था से अपेक्षा होती है। हालांकि, उक्त प्रावधान सरकारी कंपनियों के लिए लागू नहीं हैं क्योंकि निदेशकों का निष्पादन मूल्यांकन प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा निर्धारित मूल्यांकन पद्धति के अनुसार किया जाता है।

अगामी एजीएम में नियुक्ति हेतु प्रस्तावित तथा पुनर्नियुक्त निदेशकों की एक संक्षिप्त प्रोफ़ाइल निगमित प्रशासन रिपोर्ट अनुभाग में प्रस्तुत है।

During the year 2019-20, Shri B.B. Singh, is retiring by rotation and being eligible offered himself for reappointment. The Directors recommend his reappointment in the ensuing Annual General Meeting of the Company.

During the year under review Shri A.K. Basu, Director (Finance) on attaining the age of superannuation ceased to be the Director of the Company. The Board places on its record the sincere gratitude for the valuable guidance and support rendered by him during his long association with the company.

Shri. Subrata Sarkar, was appointed as Whole Time Director (Finance) and Chief Financial Officer of the Company w.e.f 1st December, 2018.

Smt. Aparna Chaturvedi, was appointed as Independent Director of the Company w.e.f 14th December, 2018. She was also appointed as Director in Ferro Scrap Nigam Ltd (FSNL), a Wholly Owned Subsidiary of the Company.

Shri Ajay Kumar Rai was appointed as Company Secretary of the Company w.e.f 27th July, 2018.

The Company has received the necessary declaration and certificate from all the Independent Directors confirming that they meet the criteria prescribed for Independent Directors under the applicable provisions of the Companies Act, 2013, SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirement) Regulations, 2015 and rules made thereunder.

A separate meeting of Independent Directors was held during the year.

The provisions of Section 134(3)(p) of the Companies Act, 2013 require a listed entity to include a statement indicating the manner of formal evaluation of performance of the Board, its Committees and of individual Directors. However, the said provisions are not applicable for Government Companies as the performance evaluation of Directors is carried out by the Administrative Ministry as per laid down evaluation methodology.

A brief profile of the Directors proposed to be appointed and reappointed at the ensuing AGM is provided in the Corporate Governance Report section.

इस प्रतिवेदन की तिथि को कंपनी के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का विवरण निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	पदनाम
1.	श्री बी.बी.सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
2.	श्री ए.के.बासु (30.11.2018 तक)	निदेशक (वित्त)
3.	श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से प्रभावी)	निदेशक (वित्त) व सीएफओ
4.	श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)
5.	श्री अजय कुमार राय (27.07.2018 से प्रभावी)	कंपनी सचिव व अनुपालन अधिकारी
6.	श्री एस.के राय (27.07.2018 तक)	कंपनी सचिव

सरकारी कंपनियों हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(ई) के प्रावधानों में उल्लिखित निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक समेत उनकी योग्यता, साकारात्मक गुण, निदेशक की स्वतंत्रता तथा धारा 178 (3) में प्रावधानित अन्य मामलों के सम्बंध के प्रावधानों में छुट प्राप्त है।

संबंधित पार्टी लेनदेन

वित्तीय वर्ष के दौरान दर्ज किए गए सभी संबंधित पार्टी लेनदेन पर्याप्त रूप से व्यवसाय के सामान्य प्रक्रिया में शामिल थे। इसलिए, कंपनी अधिनियम, 2013 में संशोधन के अनुसार की धारा 188 के लागू को लागू नहीं किया गया है। सभी संबंधित पार्टी लेनदेन का विवरण वित्तीय विवरण में खातों को नोटों में प्रदान किया जाता है। इस प्रकार फॉर्म एओसी-2 में प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा निदेशकों और केएमपी या अन्य नामित व्यक्तियों के साथ कोई संबंधित पार्टी लेनदेन नहीं है, जिसमें कंपनी के हित के साथ संभावित संघर्ष हो सकता है। सभी संबंधित पार्टी लेनदेन अनुमोदन के लिए लेखा परीक्षा समिति के समक्ष रखे जाते हैं।

कंपनी की संबंधित पार्टी लेनदेन नीति है और इसे कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in. पर अपलोड किया गया है।

वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित पार्टी के लेन-देन का विवरण वित्तीय विवरण के नोट सं. 40 में प्रदान किया गया है।

ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, अवशोषण और विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय का संरक्षण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (एम) के साथ पठित कंपनी (लेखा) नियमों, 2014 के नियम 8 के प्रावधानों के अनुसार उर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण और विदेशी मुद्रा आय और व्यय से संबंधित विवरण इस प्रतिवेदन के **अनुलग्नक - I** में दर्शाये गये हैं।

कॉरपोरेट प्रशासन रिपोर्ट

कॉरपोरेट प्रशासन सह कॉरपोरेट प्रशासन पर अनुपालन प्रमाण पत्र रिपोर्ट पर अलग विवरण **अनुलग्नक II** के रूप में संलग्न है तथा इस रिपोर्ट का भाग है।

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट बोर्ड रिपोर्ट का भाग है।

वार्षिक रिटर्न का सारांश

अधिनियम की धारा 92(3) तथा कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम 2014 के नियम 12 (1) के अनुपालन में, वित्तीय वर्ष 2018-19 हेतु एमजीटी-9 प्रारूप में वार्षिक रिपोर्ट का सारांश में **अनुलग्नक-III** के रूप में इस रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया है।

The details of the Key Managerial Personnel of the Company as on the date of this report are as follows :

Sl. No.	KMP	Designation
1.	Shri B.B. Singh	Chairman and Managing Director
2.	Shri A.K. Basu (upto 30.11.2018)	Director (Finance)
3.	Shri Subrata Sarkar (w.e.f 01.12.2018)	Director (Finance) & CFO
4.	Smt. Bhanu Kumar	Director (Commercial)
5.	Shri Ajay Kumar Rai (w.e.f 27.07.2018)	Company Secretary & Compliance Officer
6.	Shri S.K. Ray (upto 27.07.2018)	Company Secretary

The provisions of Section 134(3)(e) of the Companies Act, 2013 regarding the policy on Directors appointment and remuneration including criteria for determining qualifications, positive attributes, independence of a Director and other matters provided in Sec.178(3) are exempted for Government Companies.

Related Party Transactions

All Related Party Transactions that were entered Into during the financial year were on arm's length basis and were in the ordinary course of business. Hence, the provision of section 188 of Companies Act, 2013 as amended are not attracted. Details of all related party transactions are provided in the financial statement in notes to accounts. Thus disclosures in Form AOC-2 are not required. Further there are no related party transactions with the directors and KMP or other designated persons, which may have a potential conflict with the interest of the Company. All Related Party Transactions are placed before the Audit Committee for approval.

The Company has a related party transaction policy and the same has been uploadad on the website of the Company at www.mstcindia.co.in.

The details of the related party transactions during the financial year are provided In note no. 40 of the financial statement.

Conservation of Energy, Technology, Absorption and Foreign Exchange Earning and Outgo

In accordance with the provisions of Section 134(3) (m) of the Companies Act, 2013 read with Rule 8 of the Companies (Accounts) Rules, 2014, the particulars relating to Conservation of Energy, Technology Absorption and Foreign Exchange Earnings and Outgo are given in **Annexure-I** to this Report

Corporate Governance Report

Separate details on Corporate Governance Report along with Compliance Certificate on Corporate Governance is attached herewith as **Annexure II** and form part of this Board's Report.

Management Discussion and Analysis Report

Management Discussion and Analysis Report forms part of the Board's Report.

Extract of Annual Return

In compliance of Section 92(3) of the Act and Rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules 2014, extract of Annual Return in format MGT-9 for the financial year 2018-19 has been enclosed with this report as **Annexure III.**

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

कंपनी सामाजिक उत्थान के लिए गंभीरता से प्रतिबद्ध है। कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप कंपनी ने एक सीएसआर समिति का गठन किया है जो सरकार के दिशानिर्देश और कंपनी की सीएसआर नीति अनुसार कार्य करती है। कंपनी की सीएसआर नीति बोर्ड द्वारा अनुमोदित की गयी है तथा कंपनी की वेबसाइट पर होस्ट की गयी है।

कंपनी ने कंपनी की सीएसआर नीति के अनुसार विभिन्न गतिविधियाँ की हैं। परियोजना कार्यक्रम/गतिविधियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII के अनुरूप लिया जाता है।

कंपनी (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी पॉलिसी) नियम, 2014 के नियम 8 के तहत आवश्यकतानुसार कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पर वार्षिक रिपोर्ट को **अनुलग्नक IV** के रूप में रखा गया है।

सचिवीय लेखा - परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014, के नियम 9 के अनुपालन में श्री सौम्य ज्योति सील, कंपनी सचिव को वर्ष 2018 - 19 के लिए सचिवीय लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। यथा निर्दिष्ट सचिवीय लेखा परीक्षक की रिपोर्ट इस रिपोर्ट के **अनुलग्नक V** के रूप में संलग्न है।

लेखा - परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने मेसर्स डी. के. छाजर एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट (एफआरएन:304138E), को वर्ष 2018-19 के लिए कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। लेखा - परीक्षकों की रिपोर्ट कंपनी के वार्षिक खातों से जुड़ी होती है। लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के उत्तर को बोर्ड की रिपोर्ट के **अनुलग्नक VI** में रखा गया है।

भारत के निबंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा टिप्पणियां

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) (बी) के संदर्भ में कंपनी के वार्षिक खातों पर सीएजी की टिप्पणियों को बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा माना जाएगा।

बोर्ड के बैठकों की संख्या

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान बोर्ड की दस बार बैठक हुई। वर्ष 2018-19 के दौरान आयोजित निदेशक मंडल की बैठकों की संख्या का विवरण कॉरपोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

Corporate Social Responsibility

The Company is seriously committed to social upliftment. In line with the Companies Act, 2013, Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 & DPE guidelines, the Company has constituted a CSR Committee which functions as per the Govt. guidelines and the Company's CSR policy. The CSR Policy of the Company has been approved by the Board and is hosted on the website of the Company.

The Company has undertaken various activities as per the CSR policy of the Company. The Projects/programmes/activities are taken up in line with Schedule VII of the Companies Act, 2013.

Annual Report on Corporate Social Responsibility as required under Rule 8 of Companies (Corporate Social Responsibility Policy) Rules, 2014 is placed as **Annexure IV.**

Secretarial Audit

In compliance with Section 204(1) of the Companies Act, 2013 and Rule 9 of the Companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014, Shri Saumayo Jyoti Seal, practicing Company Secretary has been appointed as the Secretarial Auditor for the year 2018-19. The Report of the Secretarial Auditor as prescribed is enclosed as **Annexure V** to this report.

Auditors

Pursuant to Section 139 of the Companies Act, 2013, the Comptroller and Auditor General of India, has appointed M/s. D. K. Chhajer & Co, Chartered Accountants (FRN:304138E), as Statutory Auditors of the Company for the year 2018-19. The report of the Auditors is attached to the Annual Accounts of the Company. Management replies on the comments/observations of the Auditors are placed at **Annexure VI** to the Board's Report.

Comments by the Comptroller and Auditor General of India (CAG)

The comments of the CAG on the Annual Accounts of the Company in terms of Section 143(6)(b) of the Companies Act, 2013, shall be deemed as part of the Board's Report.

Number of Meetings of the Board

The Board met ten times during the financial year 2018-19. The details of the number of the meetings of the Board of Directors held during the year 2018-19 form a part of the Corporate Governance Report.

वार्षिक खेल 2018 के दौरान कर्मचारियों के बीच पुरस्कार वितरण

Prize distribution among employees for sports event during Annual Sports, 2018

एमएसटीसी द्वारा अपनी सीएसआर पहल के तहत झारखंड के प्रथमिक विद्यालय कन्या, नवाडीह के स्कूल भवन का नवीनीकरण

Renovation of School Building of Prathamic Vidyalaya Kanya, Nawadih, Jharkhand, by MSTC under its CSR initiative.

निदेशकों की अयोग्यता

अधिनियम की धारा 164 (2) और कंपनी (निदेशक की नियुक्ति और योग्यता) नियम, 2014 के नियम 14 (1) के अनुपालन में सभी निदेशकों ने सूचित किया है कि वे निदेशक होने से किसी भी अयोग्यता से मुक्त हैं।

निदेशकों द्वारा हित की सूचना

अधिनियम की धारा 184 (1), कंपनी (बोर्ड की बैठके और उसके अधिकार) नियम, 2014 के नियम 9 (1) तथा सेबी के प्रयोज्य प्रावधानों को लागू करते हुए सभी निदेशकों के हित की सूचना दी है।

बोर्ड की समितियां

एमएसटीसी ने बोर्ड की पांच समितियों यथा लेखापरीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति, कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति, हितधारक के संबंध समिति और आईपीओ समिति का गठन किया है जिसका विवरण कॉरपोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में दिया गया है।

लेखा - परीक्षा समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत गठित नियमों सेबी (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 18 के अधीन गठित नियमों के साथ पठित के शर्तों की आवश्यकता अनुसार कंपनी की बोर्ड स्तरीय लेखा-परीक्षा समिति है, जिसके बारे में विस्तृत विवरण निगमित प्रशासन रिपोर्ट में दी गयी है। इसके अलावा, ऐसा कोई उदाहरण नहीं है कि निदेशक मंडल ने लेखापरीक्षा समिति की सिफारिश को स्वीकारा नहीं किया है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति

अधिनियम की धारा 135 (1) के साथ पठित कंपनी (सीएसआर नीति) नियम 2014 के नियम 5 के अनुपालन में कंपनी ने अध्यक्ष के रूप में डॉ टीवी मुरली वल्लभन, स्वतंत्र निदेशक, डॉ आर.एस. येली. स्वतंत्र निदेशक, श्री सुब्रत सरकार, निदेशक (वित) तथा डॉ प्रमोदिता सतीश, सरकार द्वारा नामित निदेशक को सदस्य के रूप में शामिल कर बोर्ड की सीएसआर समिति का पुनर्गठन किया है।

सहायक कंपनी तथा संयुक्त उद्यम

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड कंपनी की 100% सहायक कंपनी है। विगत दो वर्षों के प्रचालनगत परिणाम नीचे दर्शाये गये हैं :

वार्षिक सांस्कृतिक समारोह में एमएसटीसी के कर्मचारियों के "क्रिकेट मैच" विजेताओं को पुरस्कार वितरण के दौरान

MSTC's employees during prize distribution of the "Cricket Match Event", at the Annual Cultural Meet

Disqualification of Directors

Pursuant to Section 164(2) of the Act and Rule 14(1) of Companies (Appointment and Qualification of Directors) Rules, 2014, all the Directors have intimated that, they stand free from any disqualification from being a Director.

Notice of Interest by the Directors

Pursuant to Section 184(1) of the Act, Rule 9(1) of the Companies (Meetings of Board and its Powers) Rules, 2014 and applicable provisions of SEBI all the Directors have given Notice of Interest.

Committees of the Board

MSTC has constituted five committees of the Board viz., Audit Committee, Nomination and Remuneration Committee, Corporate Social Responsibility (CSR) Committee, Stakeholders Relationship Committee and IPO Committee, details of which are provided in the Corporate Governance Report.

Audit Committee

The Company has in place a Board Level Audit Committee, in terms of the requirements of the Companies Act, 2013 read with rules made thereunder and Regulation 18 of the SEBI (Listing Obligation & Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the details in respect of which are given at the Corporate Governance Report. Further, there has been no instance where the Board of Directors has not accepted the recommendation of Audit Committee.

Corporate Social Responsibility (CSR) Committee

In compliance of Section 135(1) of the Act, read with Rule 5 of the Companies (CSR Policy) Rules 2014, the Company had reconstituted the CSR Committee of the Board with Dr. T. V. Muralivallabhan, Independant Director as Chairman, Dr. R.S.Yeli, Independent Director, Shri Subrata Sarkar, Director (Finance) and Dr. Promodita Sathish, Govt. nominee Director as members.

Subsidiary Company and Joint Venture

Ferro Scrap Nigam Limited

Ferro Scrap Nigam Limited is the 100% Subsidiary of the Company. The Operational result of two years is given below :

कार्यालय में योग दिवस का पालन

Yoga Day observation at office

(₹ मिलियन में)

विवरण	2018-19	2017-18
कुल राजस्व	3784.13	3402.98
कर पूर्व लाभ/(हानि)	410.90	130.37
कर पश्चात लाभ/(हानि)	266.88	80.67

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 129 (3) के साथ पठित कंपनी (लेखा) नियम के नियम 5 अनुपालन में एओसी-1 प्रारूप में सहायक कंपनी से संबंधित विस्तृत जानकारी वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड

एमएसटीसी ने महिन्द्रा इंटरट्रेड लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम में प्रवेश किया तथा एक संयुक्त उद्यम कंपनी महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड का गठन किया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कंपनी ने इक्विटि के रूप में ₹ 80.00 मिलियन रुपये के पुन:निवेश किया। नोएडा में संग्रह और विघटन केंद्र ने वर्ष के दौरान काम करना शुरू कर दिया है। चेन्नई में दूसरे केंद्र के लिए काम चल रहा है। इस तरह के दो और संग्रह और विघटन केंद्र मुंबई और कोलकाता में स्थापित किए जा रहे हैं।

समेकित वित्तीय परिणाम

कंपनी अधिनियम, 2013 और भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक के प्रावधानों के अनुसार आपकी कंपनी ने इसकी सहायक और संयुक्त उद्यम को शामिल करते हुए एक सामूहिक रूप में समेकित वित्तीय विवरण तैयार किया है जो कंपनी की रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश इस प्रकार है:

(₹ मिलियन में)

विवरण	2018-19	2017-18
कर पूर्व लाभ (हानि)	(2374.47)	1171.50
कर	696.57	399.30
कर पश्चात् लाभ	(3071.04)	772.20
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	704.00	352.00
आरक्षित निधि	3175.69	6957.30
प्रति शेयर आय (₹) (अंकित मूल्य ₹10/-)	(43.62)	10.97
पीबीटी प्रति कर्मचारी	(6.67)	3.59

कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले वास्तविक परिवर्तन और प्रतिबद्धता, अगर कोई हैं

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के समापन और बोर्ड की रिपोर्ट की तारीख के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भी वास्तविक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं नहीं हुई हैं।

नियामक, न्यायालयों और अधिकरणों द्वारा पारित महत्वपूर्ण और भौतिक आदेश का विवरण

विनियामकों, न्यायालयों और ट्रिब्यूनल द्वारा कोई भी महत्वपूर्ण और भौतिक आदेश पारित नहीं किया गया है, जो कंपनी के चालु स्थिति तथा भविष्य के संचालन को प्रभावित करता हो।

ऋण, गारंटी या निवेश का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों और इसके तहत बनाए गए नियम के अधीन ऋण, गारंटी और निवेश का विवरण वित्तीय विवरणों में दिए गए हैं।

(₹ in Million)

Particulars	2018-19	2017-18
Total Revenue	3784.13	3402.98
Profit/(Loss) Before Tax	410.90	130.37
Profit/(Loss) After Tax	266.88	80.67

The detailed information relating to the subsidiary Company in form AOC-1 in compliance of Section 129(3) of the Companies Act, 2013 read with Rule 5 of Companies (Accounts) Rules forms part of Annual Report.

Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd

MSTC had entered into JV Agreement with Mahindra Intertrade Limited and formed a Joint Venture Company "Mahindra MSTC Recycling Pvt. Ltd.". During the year under review your company has further invested ₹ 80.00 Million as equity investment. The collection and dismantling center at Noida has started functioning during the year. Work is underway for second centre at Chennai. Two more such collection and dismantling centres are being set up this fiscal at Mumbai and Kolkata.

Consolidated Financial Results

In accordance with the provisions of the Companies Act, 2013 and the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India, your Company has prepared tha Consolidated Financial Statement for the group, including its subsidiary and joint venture and forms part of the report.

Tha Summary of Consolidated Financial Results is as follows:

(₹ in Million)

Particulars	2018-19	2017-18
Profit (Loss) before tax	(2374.47)	1171.50
Tax	696.57	399.30
Profit after tax	(3071.04)	772.20
Paid up capital (Equity)	704.00	352.00
Reserves	3175.69	6957.30
Earnings per share (₹) (Face value ₹ 10/-)	(43.62)	10.97
PBT Per Employee	(6.67)	3.59

Material Changes and Commitments, if any, affecting the Financial Position of the Company

There are no material changes and commitments affecting the financial position of the Company that have occurred between the close of the financial year ended 31st March 2019 and the date of Board's Report.

Details of Significant and material order passed by the Regulators, Courts and Tribunals

No significant and material order has been passed by the Regulators, Courts and Tribunal impacting the going concern status and the Company's operation in future.

Particulars of Loans, Guarantees or Investments

Details of loans, guarantees and investments covered under the provisions of Section 186 of the Companies Act, 2013 and Rules made thereunder are given in the notes to the financial statements.

सार्वजनिक जमा

आपकी कंपनी ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत किसी भी जमा को स्वीकार नहीं किया है।

डीपीई दिशानिर्देशों और नीतियों का अनुपालन

लोक उद्यम विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए दिशानिर्देशों और नीतियों का कंपनी द्वारा विधिवत अनुपालन किया जाता है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

आपका निगम इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) द्वारा जारी प्रयोज्य सचिवीय मानकों का अनुपालन करता है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

आपके निगम ने निर्धारित नीतियों के पालन में अपने व्यवसाय के कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण रखा है; अपनी संपत्तियों की सुरक्षा; धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पहचान; लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी निगम के संचालन के अनुरूप है।

मेसर्स एस गुहा एंड एसोसिएट्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट (एफआरएन : 322493ई) वर्ष के लिए कंपनी के आंतरिक लेखा परीक्षक थे और उनकी रिपोर्ट प्रबंधन को नियमित अंतराल पर दी जाती है और महत्वपूर्ण मुद्दों के सारांशित विवरण को लेखा परीक्षा समिति के समक्ष रखा जाता हैं।

सिस्टम

एमएसटीसी का आईटी संरचना दुनिया भर के 1,00,000 से अधिक ग्राहकों के लिए सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से ई-कॉमर्स सेवाओं को लेने के लिए देश में सबसे अधिक परिष्कृत और मजबूत है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग मजबूत आरआईएससी आधारित आईबीएम पावर सिरिज़ सर्वरों से जुड़ा हुआ है जिसमें मजबूत प्रसंस्करण शक्ति और दस हजार से अधिक समवर्ती हिट की सेवा प्रदान हो सकती है। सर्वर बिजली की बचत के लिए अत्यधिक ऊर्जा कुशल हैं और ये सर्वर हमारे हितधारकों जैसे प्रमुख प्रिंसिपलों, बोलीदाताओं और अन्य उपयोगकर्ताओं को निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए अतिरेक और उच्च उपलब्धता आपदा रिकवरी मोड के साथ काम करने में सक्षम है।

मुंबई डिजास्टर रिकवरी साइट को भी कोलकाता डाटा सेंटर की तरह स्थापित की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा मामलों से संबंधित है और विभिन्न ओईएम नेक्स्ट जनरेशन फ़ायरवॉल, इंट्रूशन प्रिवेंशन सिस्टम (आईपीएस), मैनेज्ड डिस्ट्रिब्यूटेड डेनियल ऑफ सर्विस (एमडीडीओएस), एसएसएल आदि को स्थापित करके अधिकतम सुरक्षा हासिल करने में इसने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

गैर-संपादन योग्य छेड़छाड़ करने वाले मीडिया पर ऑडिट ट्रेल्स को कैप्चर करने वाले 'वन्स राइट मीडिया' की बहुत जरूरी सुरक्षा विशेषताएं, एमएसटीसी की ई-कॉमर्स प्रणाली की पहचान रही है।

Public Deposits

Your company has not accepted any deposits under the Companies Act, 2013 during the financial year ended 31st March, 2019.

Compliance of DPE Guidelines and Policies

The guidelines and policies issued by the Department of Public Enterprise from time to time are duly complied with by the Company.

Compliance with Secretarial Standards

Your Company complies with the applicable Secretarial Standards issued by the Institute of Company Secretaries of India (ICSI).

Internal Financial Controls

Your Company has put in place adequate internal financial controls for ensuring the efficient conduct of its business in adherence with laid-down policies; the safeguarding of its assets; the prevention and detection of frauds and errors; the accuracy and completeness of the accounting records; and the timely preparation of reliable financial information, which is commensurate with the operations of the Company.

M/s. S. Guha & Associates., Chartered Accountants (FRN : 322493E) was the Internal Auditor of the Company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee.

Systems

MSTC's IT Infrastructure is by far the most sophisticated and robust in the country to take up e-Commerce services in a secure and transparent manner for more than 1,00,000 clients across the globe.

MSTC's IT Department is equipped with the powerful RISC based IBM Power Series Servers having robust processing power and can serve more than ten thousand of concurrent hits.The servers are highly energy efficient leading to saving of power and these servers are in operation with redundancy & high availability disaster recovery mode for providing uninterrupted services to our stake holders like Principals, Bidders & other users.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as In Kolkata Data Center.

MSTC is concarned with information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing different OEM Next Generation Firewall, Intrusion Prevention System (IPS), Managed Distributed Denial of Service (MDDOS), SSL etc.

The much needed security features 'Write Once Media' which captures the Audit trails on a non-editable tamparproof media, has been the hallmark of MSTC's e-Commerce system.

एसएसएल एन्क्रिप्शन

एसएसएल (सिक्योर सॉकेट्स लेयर) वेब सर्वर और क्लाइंट एंड ब्राउजर के बीच एन्क्रिप्टेड लिंक स्थापित करने के लिए मानक सुरक्षा तकनीक है। यह लिंक सुनिश्चित करता है कि वेब सर्वर और ब्राउज़र के बीच पारित सभी डेटा निजी और अभिन्न हैं। हमने अपने वेब सर्वर में टीएलएस 1.2 और उससे ऊपर के प्रवर्तन के साथ 256-बिट एसएसएल लागू किया।

सभी नेटवर्क उपकरण जैसे राउटर स्विच, सीआईएससीओ से आईपीवी 6 माइग्रेशन के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नवीनतम हस्ताक्षर के साथ अनधिकृत घुसपैठ को रोकने के लिए फायरवॉल, आईपीएस जैसे सुरक्षा उपकरण हैं।

आवधिक अनुप्रयोग सुरक्षा परीक्षण एसटीक्यूसी, भारत सरकार के एक विभाग द्वारा संचालित किया जाता है। एमएसटीसी आवधिक पैठ, भेद्यता और निष्पादन परीक्षण एसटीक्यूसी के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करता है। एमएसटीसी समर्पित 155.52 एमबीपीएस आईएलएल के माध्यम से अपना व्यवसाय करता है और इसमें एक अलग प्रदाता से लिया गया स्टैंडबाय आईएलएल कनेक्टिविटी और डेटा सिंक्रोनाइज़ेशन के लिए डीसी एण्ड डीआर के बीच पॉइंट-टू-पॉइंट (पी2पी) कनेक्टिविटी है।

एमएसटीसी ने एक इन-हाउस ब्राउजर स्वतंत्र ई-प्रोक्योरमेंट सॉल्यूशन विकसित किया है जिसमें ई-टेंडरिंग, ई-रिवर्स ऑक्शन, एल 1 मैच के साथ ई-रिवर्स नीलामी और कई अन्य मॉडल हैं। सामान्य वित्तीय नियम, सीवीसी दिशानिर्देश, आईटी अधिनियम 2000 और 2008 के उसके संशोधन का इस ई-प्रोक्योरमेंट एप्लिकेशन में पालन किया गया है और उक्त सेवा को एसटीक्यूसी द्वारा प्रमाणित किया गया है।

कोलकाता में एमएसटीसी का सर्वर वर्ष भर अनवरत कार्यशील रहता है। सिस्टम विभाग अच्छी तरह से योग्य पेशेवरों से सुसज्जित है जिनके कौशल को नवीनतम तकनीक पर प्रशिक्षण के साथ निरंतर उन्नत किया जाता है।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी से आईएसओ 27001:2013 प्रमाणित है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स डिवीजन भी आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रमाणित है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स को सीएमएमआई स्तर-3 डेव मंजूरी दी गई है।

2018-19 के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी का विकास

1) एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं पर एसटीक्यूसी प्रमाणन एसटीक्यूसी, कोलकाता द्वारा आयोजित ऑडिट को मंजूरी देने के बाद पूरा होने के कगार पर है, जिसमें कार्यात्मक परीक्षण, सीवीसी और आईटी अधिनियम अनुपालन लेखा - परीक्षा, वेब अनुप्रयोग सुरक्षा परीक्षण, निष्पादन परीक्षण, भेद्यता मूल्यांकन और प्रवेश परीक्षण जैसे सभी परीक्षण शामिल हैं।

2) पूर्व सीआईएससीओ फ़ायरवॉल एएसए 5520/5540 का दो अलग-अलग ओईएन चेकपॉइंट और सीआईएससीओ नेक्स्ट जनरेशन फ़ायरवॉल के प्रतिस्थापन द्वारा सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

3) आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणन भी मानकों के अनुसार बनाए रखा गया है और यह प्रमाण पत्र 30 मई, 2020 तक वैध है।

4) एमएसटीसी सिस्टम डिवीजन सीएमएमआई स्तर 3 पर मूल्यांकन किया गया है। इसकी मौजूदा वैधता 27 जून 2019 तक है, जिसके विस्तार के लिए नवीकरण प्रक्रिया जारी है।

SSL Encryption

SSL (Secure Sockets Layer) is the standard security technology for establishing an encrypted link between a web server and a client end browser. This link ensures that all data passed between the web server and browsers remain private and integral. We have implemented 256-bit SSL in our web server with enforcement of TLS 1.2 & above.

All network equipment like routers, switches are from CISCO and are totally ready for IPv6 migration. Security Appliances like Firewalls, IPS are in place to prevent unauthorized intrusion with latest signatures.

Periodical Application Security Testing is conducted by STQC, a Govt. of India Department. MSTC ensures security through periodical penetration, vulnerability & performance testing by STQC. MSTC conducts its business through a dedicated 155.52 MBPS ILL and also has a standby ILL connectivity taken from a different provider and with a point-to-point(P2P) connectivity between DC & DR for data synchronization.

MSTC has developed an in-house browser independent e-Procurement solution with e-tendering, e-reverse auction, e-Reverse auction with L1 matching and many other models. General Financial Rules, CVC guidelines, IT Act 2000 and its Amendment of 2008 have been adhered to in this e-Procurement application and the said service has been certified by STQC.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems department is well equipped with qualified professionals whose skills are continuously upgraded with training on latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2013 certified from STQC.

MSTC's e-Commerce division is also ISO 9001:2015 Quality certified.

MSTC's e-Commerce has been appraised to CMMI Level-3 Dev.

Developments of Information Technology during 2018-19:

1) STQC Certification on MSTC's e-Procurement services is under completion after clearing audit conducted by STQC Kolkata that included all the testing like Functional testing, CVC and IT Act compliance Audit, Web Application Security Testing, Performance Testing, Vulnerability Assessment & Penetration Testing.

2) Security enhanced by replacing earlier CISCO Firewall ASA 5520/ 5540 with two different OEN Checkpoint & CISCO Next Generation Firewall at two levels.

3) ISO 9001:2015 certification is also maintained as per standards and this certificate is valid up to 30th. May, 2020.

4) MSTC Systems division is CMMI Level 3 appraised. The same is under renewal process for extension of existing validity which is up to 27th June, 2019.

5) डेटा से संबंधित गतिविधियों के बेहतर प्रबंधन और निगरानी के लिए इंपर्वा राइट-वन्स प्रबंधन उपकरण को मॉडल एम100 से एम 120 में अपग्रेड किया गया था।

6) हमारा निगमित वेबसाइट www.mstcindia.co.in की सुरक्षा को 256 बिट सिक्योर सॉकेट लेयर के क्रियान्वयन करके बढ़ाया गया था और इस साइट को एसटीक्यूसी से जीआईजीडब्ल्यू के अनुसार अनुपालन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है।

7) डीएससी के साथ विधिवत हस्ताक्षरित एमएसटीसी सेवा शुल्क बिल को स्टेकहोल्डार को मेल द्वारा भेजा जा रहा है।

8) आईओसीएल आयातित के लिए अनुकूलित ई-कॉमर्स समाधान विकसित किया गया है और वैश्विक भागीदारी को बड़े पैमाने पर लाइव किया गया है।

9) वैश्विक पूर्व-बोली ईएमडी के कार्यान्वयन से ई-नीलामी प्रणाली में पारदर्शिता में वृद्धि हुई और बोलीदाताओं को बोली लगाने के लिए कोई वांछित लॉट या नीलामी चुनने के लिए और ऑनलाइन भुगतान द्वारा ईएमडी के टॉप अप की सुविधा होने या ऑनलाइन रिफंड आवेदन करने के बाद वापस लेने की सुविधा मिली है। इस प्रकार एमएसटीसी से संपर्क किए बिना, बोली लगाने वाले के पास अब स्वयं की अप्रयोज्य राशि को जमा करने, बोली लगाने और वापस लेने का अधिकार प्राप्त है।

10) पेट्रोल पंप डीलरशिप के आवंटन में विजेता के चयन के लिए आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी तेल विपणन कंपनियों के लिए एनआईसी सर्वर पर ऑनलाइन ड्रा प्रणाली देश में दूरस्थ और व्यापक रूप से आयोजित की गई थी।

11) इंटरनेट लीज्ड लाइन को 30 एमबीपीएस से एटीएम-1 तक यानी 155.52 एमबीपीएस में अपग्रेड किया गया जिससे शेयरधारकों को बेहतर और त्वरित प्रतिक्रिया मिल सके।

12) कर्नाटक वन विभाग के लिए अनुकूलित ई-नीलामी पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया है।

13) संपत्ति नीलामी के लिए अनुकूलित ई-नीलामी पोर्टल विकसित और कार्यान्वित किया गया है।

14) एनएमडीसी से रफ हीरे की नीलामी के लिए बोली लगाने का मंच विकसित किया गया है और सफलतापूर्वक नीलामी आयोजित की गई है।

15) वर्ष 2018-19 में एमएसटीसी ने हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की ओर से कई भूखंडों की सफलतापूर्वक नीलामी की थी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के लिए भूखंड पोर्टल विकसित किया गया है।

16) कर्नाटक वन विभाग से लकड़ी की ई-नीलामी बिक्री के लिए बिडिंग पोर्टल विकसित किया गया है।

17) एमएसटीसी ने विभिन्न बंदरगाहों से सर्विस एक्सपोर्ट्स ऑफ इंडिया स्कीम (एसईआईएस) ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप की सफलतापूर्वक नीलामी की है।

18) तेंदूपत्ता की नीलामी तेलंगाना में सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी। मध्यम अवधि पीपीए मॉड्यूल डीईईपी पोर्टल में विकसित और तैनात किया गया है।

5) Imperva Write-once management device was upgraded from Model M100 to M120 for better management & monitoring of activities related to data.

6) Security of our corporate website www.mstcindia.co.in was enhanced by Implementing 256 bit Secured Socket Layer and this site has received compliance certification as per GIGW from STQC.

7) MSTC Service charge Bill are being mailed to stakeholders by system duly signed with DSC.

8) Customized e-Commerce solution for IOCL Import has been developed and made live where global participation is seen in a big way.

9) Implementation of global pre-bid EMD resulting increase in transparency in the e-Auction system and giving the bidders to choose any desired lot or auction for bidding and also having the facility of top up of EMD by online payment or taking refund by putting online refund request. Thus without contacting anyone of MSTC, bidder now has the power of depositing, bidding & taking refund of the unsuccessful amount of its own.

10) Online Draw System at NIC Server for Oil Marketing Companies like IOCL, BPCL & HPCL for selection of winner in allocation of Petrol Pump Dealership was conducted far & wide in the country.

11) Internet Leased Line was upgraded from 30MBPS to STM-1 i.e. 155.52 MBPS to enable stakeholders for a better & fast response.

12) Customized e-Auction portal for Karnataka Forest Department has been developed & implemented.

13) Customized e-Auction portal for Property Auctions has been developed & Implemented.

14) Bidding platform for auctioning Rough diamond from NMDC has been developed and successfully conducted auctions.

15) In the year 2018-19, MSTC had auctioned successfully many plots on behalf of Hyderabad Metropolitan Development Authority. Portal for plots Ghaziabad Devalopment Authority has been devaloped.

16) Bidding portal has been developed for e-auction sale of Timber from Karnataka Forest Department.

17) MSTC has also successfully auctioned Service Exports from India Scheme (SEIS) duty credit SCRIP from various ports.

18) Tendu leaves auctions was conducted successfully in Telangana. Medium Term PPA Module developed and deployed in DEEP portal.

19) केरल राज्य विद्युत बोर्ड ने अपनी विशेष परियोजनाओं के लिए अनुकूलित ई-टेंडरिंग सेवाओं के लिए एमएसटीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

20) मल्टी ब्राउज़र फ़ीचर को एमएसटीसी के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल में लागू किया गया है।

21) 2018-19 में एमएसटीसी ने 28,650 के पिछले वर्ष के आंकड़े की तुलना में 34,640 नीलामी/आयोजनों को इसके पोर्टल के माध्यम से निष्पादित किया है।

22) वर्ष 2018-19 के दौरान ई-प्रोक्योरमेंट में 100.00 मिलियन रुपये से अधिक वार्षिक क्रय सहित प्रधान उपभोक्ताओं के साथ 10 अदद नए समझौतों पर हस्ताक्षर किया गया।

23) 2018-19 में एमएसटीसी ने 17.68 मिलियन रुपये के रिटेल सॉफ्टवेयर में राजस्व अर्जन किया है और ई-रकम पोर्टल से 2.41 मिलियन रुपये तक राजस्व का आय हुआ।

24) 2018-19 के दौरान एमएसटीसी ने 27 जून 2018 को उपयोगकर्ताओं के लिए विकसित एमएसटीसी मेटल मंडी (एम3) मोबाइल एप्लिकेशन का इस्पात मंत्री द्वारा शुभारंभ किया गया।

समझौता ज्ञापन

वर्ष 2018-19 के लिए प्रदर्शन मापदंडों और लक्ष्यों की स्थापना के लिए भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू), कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा सचिव (इस्पात मंत्रालय), भारत सरकार द्वारा 14 मई, 2018 को हस्ताक्षरित किया गया था। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी के लिए एमओयू लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण और कठिन बने हुए है। हालांकि, निगम पिछली सभी उपलब्धियों को अतिक्रमित करते हुए प्रदर्शन के मामले में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। वित्तीय वर्ष2018-19 के लिए प्रदर्शन रेटिंग मूल्यांकन के अधीन है।

मानव संसाधन विकास (मा.स.वि.)

एमएसटीसी लिमिटेड ने हमेशा अपने मानव संसाधन को सबसे महत्वपूर्ण संसाधन माना है। कंपनी से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों और व्यवसाय की मात्रा में वृद्धि के साथ, कार्यकारी कैडर और जूनियर कंप्यूटर सहायक दोनों पदों के प्रवेश स्तर पर भर्ती की गई है। वर्ष के दौरान सीधी भर्ती के माध्यम से कुल 55 कर्मचारी हमारी कंपनी में शामिल हुए हैं।

चूंकि हम जन उन्मुख कंपनी हैं, प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों का विकास मानव संसाधन गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। कंपनी में उच्च भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की योग्यता निर्माण पर जोर दिया गया है। कंपनी ने क्षमता वृद्धि और कौशल विकास के लिए विभिन्न विषयों में 42 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। प्रशिक्षण के लिए विषयों का चयन समग्र विकास को बढ़ावा देने और संगठन में कर्मचारियों के बीच समझ, सहयोग, टीमवर्क और नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

एमओयू लक्ष्य के अनुसार, एचआर नीतियों और संगठनात्मक प्रथाओं में प्रभावशीलता में सुधार की दिशा में जन क्षमता परिपक्वता मॉडल (पीसीएमएम) और एचआर ऑडिट के अनुरूप स्तर का आकलन किया गया।

वेतन के संशोधन के लिए राष्ट्रपति का निर्देश

वर्ष के दौरान, निगम को इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रपति के निर्देश बोर्ड के अधिकारियों और बोर्ड स्तर के नीचे अधिकारियों के देय वेतन और विभिन्न भत्ते के कार्यान्वयन के लिए प्राप्त हुए। आपके सुधार के कंपनी ने निर्देशों को अक्षरशः और सही अर्थों में लागू किया है।

19) Kerala State Electricity Board has signed an MOU with MSTC for customised e-Tendering services for their special projects.

20) The Multi Browser feature has been implemented in MSTC's e-Procurement portals.

21) In 2018-19, MSTC had made 34,640 no. of Auctions/events through its portal as compared to previous year's figure of 28,650.

22) 10 no's of new agreement signed with principals during the year 2018-19, in e-procurement with yearly procurement of more than ₹ 100.00 Million.

23) In 2018-19, MSTC has generated Revenue in Retail Software of ₹17.68 million and revenue from e-Rakam portal is amounting to ₹ 2.41 Million.

24) During 2018-19, MSTC has developed mobile application for MSTC Metal Mandi (M3) users and launched by the Minister of Steel on 27th June, 2018.

MOU Performance

The Memorandum of Understanding (MoU) with the Government of India setting performance parameters and targets for the year 2018-19 was signed by Chairman and Managing Director of the Company and Secretary (Ministry of Steel), Govt. of India, on 14th May, 2018. MoU targets for the Company continue to be more challenging and tougher over the years. However, your Company has been continuously striving to achieve new heights in terms of performance numbers surpassing all previous achievements. The performance rating for the financial year 2018-19 is under evaluation.

Human Resource Development (HRD)

MSTC Limited has always considered its human resource as the most important resource. With the increase in volume of business and employees retiring from the Company, recruitment has been undertaken at the entry level of both executive cadre and Junior Computer Assistant posts. Total 55 employees have joined your company through direct recruitment during the year.

Since we are a people oriented company, development of employees through training has been an important area of HR activities. Emphasis was laid on competency building of employees for higher roles in the Company. The Company has trained 42 executives in various topics for capability enhancement and skill development. The topics for training were chosen to promote overall development and to foster understanding, collaboration, teamwork and leadership qualities amongst the employees in the organization.

Besides assessment of level in line with People Capability Maturity Model (PCMM) and HR Audit was conducted towards improvement in effectiveness in HR Policies and organizational practices, as per MOU target.

Presidential Directive for Revision of Pay

During the year, the Company received Presidential Directives issued by the Ministry of Steel for implementation of revision of pay and various allowances payable to the Board level executives and below Board level Executives of the Company. Your Company has implemented the directives in true letter and spirit.

कमजोर वर्गों का कल्याण

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए आरक्षण, छूट, रियायत, आदि के संबंध में सरकार की नीतियों और प्रक्रियाओं से संबंधित समय-समय पर जारी किए गए राष्ट्रपति के आदेश का विधिवत् अनुपालन किया गया। कमजोर वर्गों के संबंध में भर्ती और पदोन्नति से संबंधित मामलों का विधिवत अनुपालन किया गया है। वर्ष के दौरान गठित सभी विभागीय पदोन्नति समितियों और चयन समितियों (भर्ती के मामले में) में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के प्रतिनिधि थे। वर्ष के दौरान भर्ती किए गए 55 व्यक्तियों में से क्रमशः 16, 9 और 2 व्यक्ति ओबीसी, एससी और एसटी श्रेणी तथा 2 व्यक्ति पीडब्ल्यूडी (विएच) संवर्ग के थे।

वर्ष के दौरान, कंपनी के 6 एससी, 1 एसटी और 17 ओबीसी कर्मचारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रायोजित किया गया था। इसके अलावा, एमएसटीसी अनुसूचित जाती/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी परिषद, जो मुख्य रूप से कंपनी के कर्मचारियों के आरक्षित वर्ग के हितों की रक्षा के लिए कार्य करता है, को हर संभव सहयोग और सहायता प्रदान की जाती है।

महिला सशक्तिकरण

एमएसटीसी सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं (विएप्स) के फोरम का एक कॉरपोरेट सदस्य है और विएप्स द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में महिला कर्मचारियों को नामित किया गया था। एमएसटीसी के सभी कार्यालयों में गठित आंतरिक शिकायत समितियां सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। समय-समय पर बैठकें और शिकायत निवारण, जागरूकता कार्यक्रम आदि का भी समितियों द्वारा विधिवत संचालन किया जाता है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की धारा 22 के अधीन प्रकटीकरण

एमएसटीसी में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण के लिए कार्यस्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार एक प्रणाली विद्यमान है। कंपनी के सभी महिला कर्मचारियों को आवश्यक सहायता प्रदान करने और शिकायतों से निपटने के लिए कंपनी के सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) की स्थापना की गई है। सभी कर्मचारी (स्थायी, आउटसोर्स, प्रशिक्षु आदि) इस नीति के तहत आते हैं। कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से कार्यशाला आयोजित की जाती है।

वर्ष के दौरान प्राप्त और निपटाए गये शिकायतों का सारांश निम्नलिखित है:

क) वित्तीय वर्ष 2018 - 19 के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या : एक

ख) वित्तीय वर्ष 2018 - 19 के दौरान निपटाये गये शिकायतों की संख्या : एक

ग) वित्तीय वर्ष 2018 - 19 के दौरान लम्बित शिकायतों की संख्या : शून्य

Welfare of weaker sections

The Presidential Directives issued from time to time with regard to reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government were duly observed. The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. All Departmental Promotion Committees and Selection Committees (in case of recruitment) constituted during the year had representatives of SC/ST community. Out of 55 no. of persons recruited during the year, 16, 9 and 2 persons belonged to OBC, SC and ST category respectively; of which 2 persons were PWD (VH).

During the year, 6 SC, 1 ST and 17 OBC employees of the Company, were sponsored for training programmes, Institutional training programmes. In addition, all possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

Empowerment of Women

MSTC is a Corporate Life Member of Forum of Women in Public Sector (WIPS) and women employees were nominated in the programs organized by WIPS. Internal Complaints Committees constituted in all the offices of MSTC have been functioning successfully. Periodical meetings and Complaint redressal, awareness programs, etc. are also duly conducted by the Committees.

Disclosure under section 22 of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013.

MSTC has in place a mechanism for prevention and redressal of sexual harassment of women employees at the workplace in accordance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. Internal Complaints Committees (ICCs) have been set up in all the offices of the Company for rendering necessary assistance to and dealing with complaints, if any, of all the women employees of the Company. All employees (parmanent, outsourced, trainees etc.) are covered under this policy. Workshop are held with an objective to create awareness among the employees

Following is the summary of complaints receipt and dealt with during the year :

(a) Number of Complaints filed during the financial year 2018-19 : One

(b) Numbar of complaints disposed off during the financial year 2018- 19 : One

(c) Number of Complaints pending as on end of the financial year 2018-19 : Nil

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी कंपनी के अन्य अधिकारियों के साथ ''रन फॉर यूनिटि'' आयोजन के दौरान

CMD, MSTC with other officials of the Company at "Run for Unity" event

31-03-2019 को एमएसटीसी जनशक्ति स्थिति

MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2019

	भुवनेश्वर BBR	बैंगलोर BLR	भोपाल BPL	चंडीगढ़ CDG	देहरादून DDN	पू.क्षे.का. ERO	गुवाहाटी GHY	प्र.का. HO	हैदराबाद HYD	जयपुर JPR	लखनऊ LKO	नागपुर NGP	उ.क्षे.का. NRO	पटना PTN	रांची RNC	रायपुर RPR	द.क्षे.का. SRO	त्रिवेंद्रम TVC	वड़ोदरा VAD	विशाखापट्टनम VZG	प.क्षे.का. WRO	31.03.2019 तक की कुल स्थिति Total as on 31.03.2019	31.03.2018 तक की कुल स्थिति Total as on 31.03.2018
कार्यपालक Executives	6	10	7	7	1	10	5	94	8	7	7	1	15	1	6	6	11	8	10	8	14	242	213
गैर-कार्यपालक Non-executives	0	7	2	0	0	9	0	36	3	1	2	0	13	0	1	1	6	3	7	10	13	114	113
कुल Total	6	17	9	7	1	19	5	130	11	8	9	1	28	1	7	7	17	11	17	18	27	356	326

31-03-2019को एससी/एसटी/ओबीसी/भिन्न क्षमता वाले /भूतपूर्व सेवाकर्मी की स्थिति

SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED/EX-SERVICEMEN STATUS AS ON 31-03-2019

ग्रुप Group	कुल कर्मचारी Total Employee	ओबीसी OBC	सामान्य GENERAL	एससी SC	एसटी ST	शारीरिक विकलांग PHYSICALLY HANDICAPPED
ग्रुप ए Group A	242(67.98%)	59(24.38%)	120(49.59%)	39(16.12%)	16(6.61%)	8(3.31%)
ग्रुप बी Group B	11(3.09%)	0(0.00%)	7(63.64%)	4(36.36%)	0(0.00%)	0(0.00%)
ग्रुप सी Group C	95(26.69%)	23(24.21%)	48(50.53%)	19(20.00%)	3(3.16%)	2(2.11%)
ग्रुप डी Group D	8(2.25%)	0(0.00%)	5(62.50%)	3(37.50%)	0(0.00%)	0(0.00%)
कुल कर्मचारी Total Employee	356	82(23.03%)	180(50.56%)	65(18.26%)	19(5.34%)	10(2.81%)

31-03-2019 को पुरुष/महिलाएं

MALE/FEMALE AS ON 31-03-2019

ग्रुप Groups	पुरुष Male	महिला Female	कुलTotal
गैर-कार्यपालक Non-Executive	97	17	114
कार्यपालक Executive	198	44	242
कुल Total	295	61	356

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018 के दौरान प्रतिज्ञा का पाठ करते हुए

CMD, MSTC reading out the pledge during the Vigilance Awareness Week, 2018

नराकास द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के लिए एमएसटीसी को तृतीय पुरस्कार प्रदान

3rd Prize achieved by MSTC on Implementation of Rajbhasha, awarded by TOLIC

शिकायत निवारण तंत्र

हमारी कंपनी में लोक शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित है। संगठन के क्षेत्रों और शाखाओं में कुल आठ (08) स्कंध हैं और मुख्यालय में एक नोडल ऑफिसर और एक लोक शिकायत अधिकारी हैं। कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर शिकायत दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा है। एमएसटीसी ने ऑनलाइन शिकायत प्राप्त करने और लोगों की शिकायतों के निपटान के लिए केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) को भी लागू किया है, ताकि शिकायतों को तुरंत हल किया जा सके और मामलों को हल करने के लिए कार्रवाई की जा सके। कुछ शिकायतें डाक से भी प्राप्त होती हैं। संगठन के बाहर और कर्मचारियों से प्राप्त शिकायतों के समाधान और निवारण के लिए कार्रवाई की जाती है।

कक्षों के अलावा, मुख्यालय में एक शिकायत समिति का भी गठन किया गया है। शिकायत समिति संबंधित विभाग/क्षेत्र/शाखा से प्राप्त शिकायतों और टिप्पणियों की जांच के बाद सिफारिशें करती है।

मामलों की समीक्षा के लिए शिकायत समिति समय-समय पर बैठक करती है। कंपनी की केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) और सार्वजनिक शिकायत स्थल की निगरानी प्रधान कार्यालय द्वारा नियमित रूप से की जाती है। लोक शिकायत निवारण पर रिपोर्ट प्रशासनिक मंत्रालय को भेजी जाती है।

01.04.2018 से 31.03.2019 के दौरान कुल 64 शिकायतें प्राप्त हुईं। इसमें से 60 शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है और 04 की प्रक्रिया चल रही है।

01.04.2018 से 31.03.2019 की अवधि के लिए लोक शिकायतों का विवरण

01.04.2018 को लम्बित शिकायतें	2018-19 में पंजीकृत शिकायतें	2018-19 में निस्तारित शिकायतें	31.03.2019 को लम्बित शिकायतें
2	64	60	6

सूचना अधिकार अधिनियम 2005

हमारा निगम डीओपीटी द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल के साथ संगठित किया गया है और पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सभी आवेदनों /अपीलों को पोर्टल के माध्यम से ही निपटाया गया है। हमारी कंपनी ने वेब पोर्टल https: // rtionline.gov.in के माध्यम से आरटीआई आवेदन

Grievance Redressal Mechanism

Your Company is Providing Public Grievance Redressal Cells. There are total eight (08) cells in regions and branches of the organization and there is a Nodal Officer and a Public Grievance officer in the Head Office. There is facility of online registration for lodging grievance on the Company's website www.mstcindia.co.in. MSTC has also implemented Centralized Public Grievance Redressal and Monitoring System (CPGRAMS) for online receipt and disposal of public grievances, so that grievance can be sorted out immediately and to take action to solve the cases. Some grievances are also received by post. Action is taken to address and redress grievances received from outside and from staff of the organization.

Apart from the cells, a Grievance Committee is also constituted at Head Office. The Grievance Committee makes recommendations after examination of the grievances and comments obtained from the concerned department/region/ branch.

The Grievance Committee meets at periodical intervals to review the cases. The Centralized Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAMS) and Public Grievance site of the Company are monitored regularly by the Head Office. Report on Public Grievance Redress is sent to the Administrative Ministry.

During 01.04.2018 to 31.03.2019, total 64 grievances were received. Out of this, 60 grievances have been disposed off and 4 are under process.

Statement of Public Grievances for the period of 01.04.2018 to 31.03.2019.

Grievances outstanding as on 01.04.2018	Grievances registered in 2018-19	Grievances redressed in 2018-19	Grievances outstanding as on 31.03.2019
2	64	60	6

Right to Information Act 2005

Your Company has aligned with the online RTI portal launched by DoPT and all the applications / appeals received through the portal have been disposed off through the portal only. Your company has provided online registration facility of RTI Application through web portal namely https:// rtionline.gov.in and nominated

की ऑनलाइन पंजीकरण सुविधा प्रदान की है और कंपनी के विभिन्न स्थानों पर प्राप्त आरटीआई अनुप्रयोगों को प्रभावी ढंग से संसाधित करने के लिए हर क्षेत्र/शाखा में कार्यालयी पीआईओ और एपीआईओ के साथ एक ट्रांसपेरेंसी ऑफिसर, एक प्रथम अपीलीय अधिकारी, एक सीपीआईओ और एक नोडल अधिकारी नामित किया है। ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों से प्राप्त आरटीआई आवेदन और अपील की प्रक्रिया आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन करते हुए की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान कुल 150 आरटीआई आवेदन/प्रथम अपील प्राप्त हुए। इसमें से 142 आरटीआई आवेदनों/अपीलों का निस्तारण कर दिया गया है और 8 प्रक्रियाधीन हैं।

राजभाषा

कंपनी की सभी इकाइयों में राजभाषा के प्रचार-प्रसार और प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और प्रगति की निरंतर समीक्षा और निगरानी की जा रही है।

प्रधान कार्यालय सहित सभी इकाइयों/प्रभागों में हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा/माह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं, सेमिनारों का आयोजन किया जाता है। सितंबर, 2018 के महीने में राजभाषा त्रिमास मनाया गया। मुख्यालय,क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों में हिंदी प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की गई थी । 47 कर्मचारियों को आंतरिक कक्षाओं, लिला ऐप आदि के माध्यम से आंतरिक प्रशिक्षण के माध्यम से भी हिंदी में प्रशिक्षित किया गया था। हमारी कंपनी के अधिकारी सक्रिय रूप से इस्पात मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी सलाहाकार समिति में भाग लेते हैं।

राजभाषा नीति का क्रियान्वयन को हमारी कंपनी में प्राथमिकता दी जाती है और हमारी कंपनी को समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं;

1. 14 सितम्बर, 2018 को राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए माननीय उप राष्ट्रपति महोदय से **'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार'**।

2. एमएसटीसी लिमिटेड में राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन के लिए **''इस्पात राजभाषा विशिष्ट सम्मान''**।

a Transparency Officer, a First Appellate Authority, a CPIO and a Nodal officer in Head office as well as every region/branch office has a PIO and an APIO for effectively processing the RTI applications received at various locations of the Company. RTI Applications and Appeals received from offline and online both are processed complying with the provisions of RTI Act.

During the financial year 2018-19, total 150 RTI Applications/First Appeals were received. Out of this, 142 RTI applications/appeals have been disposed off and 8 are under process.

Official Language

Continuous efforts are being made for propagation and effective implementation of Rajbhasha in all units of the Company and the progress is being reviewed and monitored continuously.

Hindi Diwas / Week / Fortnight / Month was celebrated in all the units / divisions including corporate office, during which various competitions, seminars were organized. Rajbhasha Trimas was celebrated in the month of September, 2018. Hindi competitions and workshops were organized in Head, Regional and branch offices. In order to promote Hindi Language incentive scheme was introduced. 47 employees were also trained in Hindi by way of internal training through Internal classes, LILA APP etc. Officers of your company actively participated in Hindi Salahakar Samiti organised by the Ministry of Steel.

Implementation of the Rajbhasha Policy is top driven in our company and our Company received following awards during the year under review ;

1. **'Raj Bhasha Kirti Puraskar'** from Hon'ble Vice President of India for the best implementation of Official Language Policy on September 14, 2018.

2. **"Ispat Rajbhasha Visistha Samman"** for better implementation of Official Language in MSTC Limited.

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एमएसटीसी को प्रथम ''राजभाषा कीर्ति पुरस्कार'' प्रदान

MSTC secured 1st Prize in "Rajbhasha Kaerti Puraskar", awarded by Rajbhasha Division, Home Ministry, Government of India

एमएसटीसी को ''राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन रत्न सम्मान'' प्राप्त

MSTC achieved "Rajbhasha Hindi Karyanayan Ratna Samman"

राजभाषा त्रिमास समारोह में पुरस्कार वितरण
Hindi Prize Distribution on Rajbhasha Trimas Event

श्री एम.वी.सुब्बा राव, सीएमडी, केआईओसीएल ने श्री बी.बी.सिंह, सीएमडी, एमएसटीसी के साथ एमएसटीसी के प्रधान कार्यालय में एमएसटीसी के ई-कॉमर्स की सेवाओं का विस्तार केआईओसीएल में करने पर चर्चा के लिए बैठक की
Shri M. V. Subba Rao, CMD, KIOCL meeting with Shri B.B.Singh, CMD, MSTC at MSTC Head Office, to discuss expansion of e-Commerce services of MSTC to KIOCL.

3. राजभाषा के कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों के लिये नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता से **''राजभाषा तृतीय पुरस्कार''**।

4. परिवर्तम जन कल्याण समिति, दिल्ली से **''राजभाषा हिन्दी कार्यान्वयन - हिन्दी रत्न सम्मान''**।

सतर्कता

मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) की अध्यक्षता में मुख्य रूप से प्रणाली में सुधार, निवारक और सक्रिय सतर्कता के माध्यम से संगठन में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एमएसटीसी की सतर्कता संरचना प्रतिबद्ध है।

सतर्कता विभाग संगठन और मुख्य सतर्कता आयुक्त के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता है। सतर्कता समारोह का उद्देश्य पूरे निगम में उच्चतम स्तर की अखंडता का रखरखाव सुनिश्चित करना है। सतर्कता समूह निवारक और सहभागी पहलू पर जोर देने के साथ निवारक, दंडात्मक और सहभागी कदम उठाता है।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार, एमएसटीसी लिमिटेड में अखिल भारतीय स्तर पर 29-10-2018 से प्रभावी 03-11-2018 तक भ्रष्टाचार मिटाओ- नया भारत बनाओ के उद्देश्य से सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2018 का अनुपालन किया गया। एमएसटीसी कर्मचारियों के अलावा, विक्रेताओं और जनता को भ्रष्टाचार के बारे में जागरूक करने, भ्रष्टाचार के खतरे के बारे में बताने, देश पर पड़ने वाले इसके बुरे प्रभावों पर जोर देने के उद्देश्य से आउटरीच कार्यक्रम चलाए गए ताकि उन्हें रोकने और भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। नैतिक मूल्यों, नैतिकता, सुशासन प्रथाओं आदि जैसे विषयों पर व्याख्यान, पैनल चर्चा, बहस, क्विज़, निबंध लेखन, नारे/आशुभाषण/कार्टून/पोस्टर प्रतियोगिताओं का स्कूलों/कॉलेजों में जागरूकता अभियान के आयोजन सहित ई-शपथ ग्रहण करने जैसे विभिन्न पहल किये गये। एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी सभी कार्यालयों में आयोजित किया गया था जो पीएसयू, सतर्कता, अनुशासन और एमएसटीसी की अपील नियमों और सामान्य अनियमितताओं में सतर्कता प्रशासन पर केंद्रित था।

3. **"Rajbhasha Third Award"** by the Town Official Language Implementation Committee, Kolkata for outstanding efforts in the field of implementation of Official Language

4. **"Official Language Hindi Implementation - Hindi Ratna Samman"** by Parivartan Jan Kalyan Samity-Delhi

Vigilance

The Vigilance setup of MSTC being headed by Chief Vigilance Officer (CVO) is committed to enhancing efficiency and transparency in the organization primarily through system improvements, preventive and proactive vigilance.

The Vigilance department acts as a link between the organisation and Chief Vigilance Commissioner. The objective of the vigilance function is to ensure maintenance of the highest level of integrity throughout the Company. The Vigilance group takes preventive, punitive and participative steps, with emphasis on the preventive and participative aspect.

As per the directives of Central Vigilance Commission, Vigilance Awareness Week-2018 was observed in MSTC Limited on pan-India basis w.e.f 29-10-2018 to 03-11-2018 promoting the theme of "Eradicate Corruption-Build a New India". Besides MSTC employees, outreach programmes were undertaken for vendors and public with a view to make them aware about corruption and to publicize the menace of corruption and to emphasize its ill effects on the well being of the country with an aim to encourage them to prevent and combat corruption. The initiatives included publicizing of the Integrity e-Pledge; and awareness Campaigns in schools / colleges; organizing lectures, panel discussions, debates, quizzes, essay writing, slogans/elocution/cartoon/poster competitions on topics such as moral values, ethics, good governance practices etc. An one day orientation program for employees of MSTC was also organized in all offices focusing on Vigilance Administration in PSUs, Conduct, Discipline & Appeal Rules of MSTC and Common Irregularities.

विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं के लाभ के लिए अपने सिस्टम और प्रक्रियाओं में और अधिक पारदर्शिता लाने के लिए, ई-टेंडरिंग, ई-भुगतान और प्राप्तियों की स्थिति की निगरानी की जाती है। इसके अतिरिक्त, आपके संसाधनों के प्रभावी उपयोग के लिए वर्ष के दौरान अपनी कंपनी में कई प्रणाली सुधार के साथ भ्रष्टाचार को रोकने में मदद मिलेगी और सर्वांगीण सुशासन सुनिश्चित हो सकेगा। विभाग द्वारा सुझाए गए कुछ सुधार इस प्रकार हैं -

i. लेखा पुस्तिका की समीक्षा।

ii. नियमित अंतराल पर जोखिम प्रबंधन नीति की समीक्षा।

iii. ग्राहक के परिसर में गिरवी रखी सामग्री के लिए स्वतंत्र तीसरे पक्ष द्वारा नियमित मात्रा और गुणवत्ता का आकलन।

iv. यादृच्छिक आधार पर ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत बैंक गारंटी का भौतिक सत्यापन।

v. बोली लगाने वालों के पंजीकरण, बिक्री एजेंसी समझौतों के नवीनीकरण, ई-नीलामी सूची, ईएमडी की प्राप्ति, पूर्व-बोली ईएमडी स्टीपुलेशन के रूप में विभिन्न पहलुओं अनुमोदन के अधीन विषय के तहत बोलियों की वैधता की निगरानी, स्वीकृति पत्र, वितरण आदेश, ऑपरेशन मॉड्यूल आदि बहुत सारे का वर्गीकरण में सुधार का सुझाव दिया गया है।

आभार ज्ञापन

निदेशक मंडल माननीय केंद्रीय इस्पात मंत्री, माननीय राज्य मंत्री इस्पात, सचिव (इस्पात), अपर सचिव और एफए (इस्पात), और इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस मंत्रालय और विभिन्न अन्य केंद्र सरकार के मंत्रालयों, सभी राज्य सरकारों, विभिन्न केंद्रीय और राज्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकरों, हमारे प्रधान प्रिंसिपलों और अन्य लोगों द्वारा वर्ष के दौरान कंपनी को अपने बहुमूल्य सहायता और मार्गदर्शन के लिए अपना आभार प्रकट करता है। निदेशक अपने सभी निवेशकों, शेयरधारकों, ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करता जिन्होंने वर्ष दर वर्ष हमारी कंपनी में अपना विश्वास और भरोसा जताया है।

निदेशक कर्मचारियों द्वारा किए गए ईमानदार प्रयासों की सराहना करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी का उत्कृष्ट प्रदर्शन हुआ है।

निदेशक मंडल की ओर से तथा के लिए

दिनांक :17.07.2019

बी० बी० सिंह

(बी.बी.सिंह)

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

To bring further transparency in its systems and processes for the benefit of vendors and suppliers, status of e-tendering, e-Payments & receipts is monitored. In addition to this, a number of system improvements were also implemented in your Company during the year for effective utilization of its resources, which in turn would help to prevent corruption and ensure all round good governance. Some of the improvements suggested by the department are as follows :

i. Review of Accounts Manual.

ii. Review of Risk Management Policy at intermittent intervals.

iii. Regular quantity and quality assessment by independent third party for pledged materials lying at customer's premises.

iv. Physical verification of Bank Guarantees submitted by the contractors at random basis.

v. Improvement suggested in the operation module in varied aspects such as registration of bidders, renewal of Selling Agency Agreements, e-Auction catalogue, receipt of EMD, pre-bid EMD stipulation, monitoring the validity of bids under Subject to Approval, unambiguous categorization of lots, Acceptance Letter, Delivery Order, etc.

Acknowledgement

The Board of Directors wish to place on record their gratitude to the Hon'ble Union Minister for Steel, Hon'ble State Minister for Steel, Secretary (Steel), Additional Secretery end FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry, Coal Ministry, Mining Ministry, Civil Aviation, Petroleum, Natural Gas Ministry and various other Central Government Ministries, all State Governments, various Central and State public sector undertakings, private companies, the bankers, our principals and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. The Directors express their gratitude to all investors, stakeholders, customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your Company year after year.

Your Directors also place on record the appreciation of the sincere efforts made by employees which has resulted in excellent performance of the Company.

For & on behalf of the Board of Directors

Date : 17.07.2019

(B.B. Singh)

Chairman-and Managing Director

अनुलग्नक : I

कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(3) के साथ पठित कंपनी अधिनियम (2013) की धारा 134 के अनुसार ऊर्जासंरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, विदेशी विनिमय आय और आउटगो का विवरण

क.ऊर्जा और प्रौद्योगिकी अवशोषण का संरक्षण

कंपनी ने अपने सर्वर को नवीनतम आईपीवी 6 में उन्नत किया है जो बहुत कम बिजली की खपत और ऊर्जा का संरक्षण करता है। एमएसटीसी आईटीउन्मुखी कंपनी होने के नाते तकनीकी उन्नयन के लिए सतत प्रयत्नशील है और कंपनी द्वारा इसे पूरी तरह से प्राप्त कर लिया गया है।

ख.विदेशी मुद्रा आय और आउटगो

वर्ष 2017-18 में ₹ 22,530.30 मिलियन रुपये के विरुद्ध वर्ष 2018-19 के दौरान कुल माल और अन्य आयात के लिए विदेशी मुद्रा विनियम व्यय ₹ 21,801.70 मिलियन हुआ। कंपनी ने वर्ष 2017-18 में ₹ 0.10 मिलियन विदेशी मुद्रा के अर्जन की तुलना में वर्ष 2018-19 के दौरान ₹ 0.42 मिलियन विदेशी मुद्रा अर्जित किए हैं।

अनुलग्नक : II

निगमित प्रशासन

निगमित प्रशासन का अर्थ है कि एक कंपनी किस तरह से अपने सभी हितधारकों को अपनी आय और संपत्ति में उचित हिस्सा सुनिश्चित करने की पद्धति को अपना कर कामयाब होती है। अच्छे नैगम प्रशासन में अपने व्यवसाय को कानूनी, नैतिक और पारदर्शी तरीके से चलाने के लिए एक कंपनी की प्रतिबद्धता शामिल है - यह एक ऐसा समर्पण है जो संगठन के शीर्षस्थ व्यक्ति से लेकर एक निम्न कर्मचारीतक में होनी चाहिए। अच्छा नैगम प्रशासन न केवल विश्वसनीयता और विश्वास हासिल करने के लिए, बल्कि विकास, जीविका और समेकन के लिए रणनीतिक प्रबंधन के हिस्से के रूप में भी आवश्यक है। नैगम प्रशासन शेयर बाजार में विश्वास बढ़ाने में मदद करता है और इस तरह आर्थिक माहौल में निवेश/निवेशकों के लिए एक आकर्षक वातावरण तैयार करता है।

एमएसटीसी की निगमित प्रशासन दर्शन

कंपनी के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु परिवेश प्रदान करने के लिए प्रभावशाली निगमित प्रशासन प्रक्रिया हमारी कंपनी की मूल प्रबंधन नीति रही है।

स्टेकधारकों द्वारा अपने प्रबंधन पर किये गये आत्मविश्वास को बनाए रखने के लिए प्रबंधन के सभी स्तरों पर पारदर्शिता और अखंडता के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं।

एमएसटीसी उच्च नैतिक मानकों का अनुपालन,व्यापार में मूल्यों के प्रतिबद्धता, पारदर्शिता बनाए रखने एवं वाणिज्यिक अनुबंधों में उचित प्रक्रियाओं का संचालन करते हुए सर्वोत्तम प्रशासन नियमों का पालन करता है।

निदेशक मंडल

संदर्भ की शर्तें

बोर्ड की संरचना सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की अनुसूची II भाग ए और धारा 149 की आवश्यकताओं को पूरा करती है।

Annexure: I

Particulars of conservation of energy, technology absorption, foreign exchange earnings and outgo as per Section 134 of the Companies Act, 2013, read with Rule 8(3) of the Companies (Accounts) Rules, 2014.

A. Conservation of Energy and Technology Absorption

The Company has upgraded its Server to the latest IPV6 which consumes much less electrical power and conserves energy. Being IT oriented Company technological upgradation is a continuous process in MSTC and has been fully achieved by your Company.

B. Foreign Exchange Earnings & Outgo

The total foreign exchange outgo during the year **2018-19** for import of goods and others was **₹ 21,801.70 Million** as against **₹ 22,530.30 Million** in the year **2017-18**. Your Company has earned **₹ 0.42 Million** in foreign exchange during the year **2018-19**. In the previous year i.e. **2017-18**, the foreign exchange earning was **₹ 0.10 Million**.

Annexure: II

Corporate Governance

Corporate governance implies the way in which a company is managed to ensure that all of its stakeholders get their fair share in its earnings and assets. Good corporate governance involves the commitment of a company to run its businesses in a legal, ethical and transparent manner - a dedication that must come from the very top and permeate throughout the organization. Good corporate governance is necessary, not only in order to gain credibility and trust, but also as a part of strategic management for growth, sustenance and consolidation. Corporate governance helps to enforce confidence in the stock market and thereby in the economic environment as a whole, creating an attractive environment for investment/investors.

Corporate Governance Philosophy of MSTC

Effective corporate governance practices to provide for an environment in achieving the objectives of the Company have been tha basic management philosophy of your Company.

All out efforts are made for transparency and integrity at all levels of management in order to retain confidence reposed in its management by the stakeholders.

MSTC aspires to follow high ethical standards, commitment to values while doing business, maintain transparency, conduct due diligence in commercial contracts and follows best governing practices.

Board of Directors

TERMS OF REFRENCE

The Composition of the Board satisfies the requirements of Regulation 17 of SEBI Listing Regulations read with Schedule II Part A and Section 149 of the Companies Act, 2013 ("the Act").

निदेशक मंडल की संरचना और श्रेणी

एमएसटीसी के बोर्ड में कार्यकारी (पूर्णकालिक निदेशक) और गैर कार्यकारी निदेशक (जिसमें स्वतंत्र निदेशक और सरकारी नामित निदेशक) शामिल हैं। स्वतंत्र निदेशक अर्थशास्त्र, प्रशासन आदि के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।

31 मार्च, 2019 तक, एमएसटीसी के बोर्ड में 10 निदेशक जिसमें 3 कार्यकारी निदेशक (पूर्णकालिक निदेशक) और 7 गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनमें से 5 स्वतंत्र निदेशक हैं और 2 सरकारी नामित निदेशक हैं। बोर्ड में 5 महिला निदेशकों को भी रखा गया है।

Composition & Category of Board of Directors

The Board of MSTC comprises of Executive (Whole Time Directors) and Non Executive Directors (Which includes Independent Directors and Government Nominee Directors). Independent Directors are eminent persons having vast experience in the field of economics, administration etc.

As on 31st March, 2019, the Board of MSTC comprises of 10 Directors which Includes 3 Executive Directors (Whole-Time Directors) and 7 Non - Executive Directors, out of which 5 are Independent Directors and 2 are Government Nominee Directors. The Board Comprises of 5 women directors.

निदेशक मंडल की संरचना इस प्रकार है :

निदेशक का नाम	संवर्ग	भारत में गठित अन्य कंपनियों में अध्यक्षता तथा समिति सदस्यता की संख्या			कम्पनी में धारित शेयरों की संख्या
		निदेशक के रूप में	सदस्य के रूप में**	अध्यक्ष के रूप में **	
श्री बी.बी.सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	2	-	-	160*
श्रीमती भानु कुमार	पूर्णकालिक निदेशक (वाणिज्यिक)	1	-	-	160*
श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से)	पूर्णकालिक निदेशक (वित्त)	1	-	-	160*
श्रीमती रूचिका चौधरी गोविल	सरकार नामित निदेशक (गैर कार्यकारी)	1	-	-	शून्य
डॉ प्रोमोदिता सतीश	सरकार नामित निदेशक (गैर कार्यकारी)	-	-	-	160*
श्री गंगाराम अलोरिया	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	-	-	-	शून्य
श्रीमती प्रभाती परिदा	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	-	-	-	शून्य
डॉ आर.एस.येली	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	-	-	-	शून्य
डॉ टी.वी. मुरालीबल्लभन	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	-	-	-	शून्य
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी (14.12.2018 से)	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	2	2	-	शून्य

टिप्पणियाँ :

* निदेशकों ने शेयरों को भारत के राष्ट्रपति के नामांकन पर धारण किया है ।

** लेखा-परीक्षा समिति तथा स्टेकधारकों की समिति में केवल सदस्यता और अध्यक्षता पर विचार किया गया।

The Composition of Board of Directors is as follows :

Name of Director	Category	No. of Directorships and Committee Positions in other Companies Incorporated in India			No. of Shares Held in the Company
		As a Director	As a Member**	As a Chairman**	
Shri B.B Singh	Chairman Cum Managing Director	2	-	-	160*
Smt. Bhanu Kumar	Whole Time Director (Commercial)	1	-	-	160*
Shri Subrata Sarkar (w.e.f. 01.12.2018)	Whole Time Director (Finance)	1	-	-	160*
Smt. Ruchika Chaudhry Govil	Government Nominee Director (Non Executive)	1	-	-	NIL
Dr. Promodita Sathish	Government Nominee Director (Non Executive)	-	-	-	160*
Shri Gangaram Aloria	Non Executive & Independent Director	-	-	-	NIL
Smt. Pravati Parida	Non Executive & Independent Director	-	-	-	NIL
Dr. R.S. Yeli	Non Executive & Independent Director	-	-	-	NIL
Dr. T.V.Murali Vallabhan	Non Executive & Independent Director	-	-	-	NIL
Smt. Aparna Chaturvedi (w.e.f. 14.12.2018)	Non Executive & Independent Director	2	2	-	NIL

Notes:

** Shares are held by directors as Nominee of the President of India.*

*** Only Membership and Chairmanship in the Audit Committee and Stakeholder's Relationship Committee was considered.*

एलओडीआर 2015 द्वारा निर्धारित निदेशक मंडल की मुख्य दक्षता/क्षमता की सूची इसके व्यापार एवं खंड के संदर्भ में आवश्यक प्रभावशाली कार्य वास्तविक उपलब्ध बोर्ड में निम्नलिखित है:-

(i) कार्यपालक नेतृत्व

(II) अभिशासन का अनुभव

(III) वित्तीय कुशाग्रता

(iv) खंडवृत-संबंधी/डोमेन की जानकारी

(v) विपणन ज्ञान

(vi) मानव संसाधन प्रबंधन

(vii) परियोजना निर्माण और प्रबंधन

(viii) रणनीति/जोखिम प्रबंधन

(ix) व्यवसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण

As stipulated by LODR, 2015 the list of core skils/competence of the Board of Directors as required in the context of its business and sector for it to function effectively are those acutally available with the board are as follows :

(I) Executive Leadership

(II) Governance Experience

(iii) Financial Acumen

(iv) Sectorial / Domain knowledge

(v) Marketing knowledge

(vi) Human Resource Management

(vii) Project Formulation and Management

(viii) Strategy / Risk Management

(ix) Occupational Health, Safety and Enviornment

बोर्ड बैठक

समीक्षाधीन वित्त वर्ष के दौरान, 5 अप्रैल, 2018, 27 जुलाई, 2018, 24 सितम्बर, 2018, 2 नवम्बर, 2018, 7 दिसम्बर, 2018, 11 जनवरी 2019, 30 जनवरी, 2019, 06 फरवरी 2019, 06 मार्च 2019 तथा 22 मार्च 2019 को बोर्ड की 10 बैठकें आयोजित की गयी थीं। दो बैठकों के बीच का अधिकतम अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं था।

सूचीबद्धता विनियम की अनुसूची V के तहत प्रयोजनीय सूचना का प्रकटीकरण हेतु वर्ष 2018-19 के दौरान निदेशकों द्वारा बोर्ड की बैठकों मे भाग लेने की संख्या, बोर्ड के गठन तथा अन्य संबंधित मामलों के सम्बंध में सूचना उनके द्वारा अंतिम वार्षिक आम बैठक में उपस्थिति तथा 31 मार्च, 2019 तक विभिन्न कंपनियों में अन्य निदेशक/समिति की सदस्यता नीचे सारणी में दर्शायी गयी:-

Board meetings

During the Financial Yaar under review, 10 Meetings of the Board were held on 5th April 2018, 27th July 2018, 24th September 2018, 2nd November, 2018, 7th December 2018, 11th January 2019, 30th January 2019, 6th February 2019, 6th March 2019 & 22nd March 2019. The maximum gap between two meetings did not exceed 120 days.

The information as required to be disclosed under Schedule V of the Listing Regulations, pertaining to Composition of Board and related matters including number of Board Meetings attended by Directors during the year 2018-19, attendance at the last Annual General Meeting by tham and the number of other Directorship/Committee Membership in various companies as of 31st March, 2019 are tabulated below :-

नाम व पदनाम	संवर्ग	अवधि के दौरान हुई बैठको की संख्या	निदेशकों द्वारा बैठकों में उपस्थिति	क्या पिछले एजीएम बैठक (26.09.2018) में उपस्थित थे	अन्य कम्पनियों में डाइरेक्टरशिपों की संख्या
श्री बी.बी.सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	10	10	हाँ	2
श्रीमती भानु कुमार	पूर्णकालिक निदेशक (वाणिज्यिक)	10	9	हाँ	1
श्री ए.के.बासु	पूर्णकालिक निदेशक (वित्त)	4	4	हाँ	0
श्री सुब्रत सरकार	पूर्णकालिक निदेशक (वित्त)	6	5	अप्रयोज्य	1
श्रीमती रूचिका चौधरी गोविल	सरकार नामित निदेशक (गैर कार्यकारी)	10	8	नहीं	1
डॉ प्रोमोदिता सतीश	सरकार नामित निदेशक (गैर कार्यकारी)	10	8	नहीं	0
श्री गंगाराम अलोरिया	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	10	10	हाँ	0
श्रीमती प्रभाती परिदा	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	10	5	नहीं	0
डॉ आर.एस.येनी	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	10	9	नहीं	0
डॉ टी.बी. मुरालीबल्लभन	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	10	10	नहीं	0
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी	गैर कार्यकारी व स्वतंत्र निदेशक	5	5	अप्रयोज्य	2

Names & Designation	Category	No of Meetings Held During Tenure	Attendance By Directors in Meetings	Whether attended last AGM held on 26.09.18	No of Directors hips in other Companies
Shri B.B Singh	Chairman Cum Managing Director	10	10	Yes	2
Smt. Bhanu Kumar	Whole Time Director (Commercial)	10	9	Yes	1
Shri A.K Basu	Whole Time Director (Finance)	4	4	Yes	0
Shri Subrata Sarkar	Whole Time Director (Finance)	6	5	NA	1
Smt. Ruchika Chaudhry Govil	Government Nominee Director (Non-Executive)	10	8	No	1
Dr. Promodita Sathish	Government Nominee Director (Non Executive)	10	8	No	0
Shri Gangaram Aloria	Non Executive & Independent Director	10	10	Yes	0
Smt. Pravati Parida	Non Executive & Independent Director	10	5	No	0
Dr. R.S. Yeli	Non Executive & Independent Director	10	9	No	0
Dr. T. V. Muralivallabhan	Non Executive & Independent Director	10	10	No	0
Smt. Aparna Chaturvedi	Non Executive & Independent Director	5	5	NA	2

टिप्पणी :

1. श्री ए.के.बासु 30 नवम्बर, 2018 से निदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए।
2. श्री सुब्रत सरकार को 1 दिसंबर, 2018 से पूर्णकालिक निदेशक (वित्त) और सीएफओ के रूप में नियुक्त किया गया था एवं श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी को स्वतंत्र निदेशक के रूप में 14.12.2018 को नियुक्त किया गया।
3. कोई भी निदेशक 10 से अधिक समितियों का सदस्य या 5 से अधिक समितियों का अध्यक्ष नहीं है, सभी कंपनियों जिसमें वह निदेशक है जो सेबी(एलओडीआर) विनियमन 26(1) (ए) व (बी) के अनुसार है।
4. निर्देशक एक-दूसरे से संबंधित नहीं हैं।
5. कंपनी पर लागू होने वाले सभी कानूनों की अनुपालन रिपोर्ट की समय-समय पर समीक्षा करने के लिए निदेशक मंडल को सक्षम बनाने वाली उचित प्रणाली कंपनी के पास विद्यमान है।
6. सेबी लिस्टिंग विनियमों की अनुसूची II भाग ए में उल्लिखित सूचना को बोर्ड के समक्ष विचार के लिए रखा गया है।
7. जोखिम मूल्यांकन करने और उसे कम करने के लिए निदेशक मंडल के सदस्यों को सूचित करने की प्रक्रिया भी कंपनी के पास उपलब्ध है।
8. श्री बी.बी. सिंह, श्री सुब्रत सरकार, श्रीमती भानु कुमार और डॉ प्रोमोदिता सतीश को छोड़कर, जो भारत के राष्ट्रपति के प्रतिनिधि हैं, इनके प्रत्येक के पास 160 शेयर हैं, कोई अन्य निदेशक कंपनी में शेयर धारक नहीं है।

Note :

1. Shri. A.K Basu ceased to be the director w.e.f 30th November, 2018.
2. Shri Subrata Sarkar was appointed as a Whole Time Director (Finance) and CFO from 1st December, 2018. Smt. Aparna Chaturvedi was appointed as an independent director w.e.f. 14.12.2018.
3. None of the directors is a member of more than10 Committees or Chairman of more than 5 Committees, across all companies in which he/she is a director as per regulation 26(1) (a) & (b) of SEBI (LODR) Regulations, 2015.
4. Directors are not per se related to each other.
5. The Company has proper systems to enable the Board of Directors to periodically review the compliance reports of all laws applicable to the Company.
6. Information as mentioned in Schedule II Part A of the SEBI Listing Regulations has been placed before the Board for its consideration.
7. The Company also, has in place, procedures to inform Members of the Board of Directors about the risk assessment and minimization.
8. Except Shri B.B Singh, Shri Subrata Sarkar, Smt. Bhanu Kumar and Dr. Promodita Sathish, who are holding 160 shares each as nominee of the President of India, no other director is holding shares in the Company.

9. आपकी कंपनी के कोई भी निदेशक अन्य सूचीबद्ध कंपनी में डाइरेक्टरशिप धारक नहीं है।

स्वतंत्र निदेशकों को उनकी भूमिकाओं, अधिकारों, जिम्मेदारियों, व्यवसाय मॉडल, उद्योग की प्रकृति जिसमें कंपनी संचालित होती है, आदि से परिचित कराने के लिए, कंपनी ने विभिन्न अनुपयोगी कार्यक्रम संचालित किए हैं।

फेमिलियाराइजेशन कार्यक्रम का विवरण कंपनी की वेबसाइट **www.mstcindia.co.in** पर दिया गया है।

नव नियुक्त निदेशकों की संक्षिप्त जानकारी

पूर्णकालिक निदेशक

श्री बम बहादुर सिंह

श्री बम बहादुर सिंह, उम्र उनसठ (59) वर्ष हमारी कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने रांची विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ साइंस (अभियांत्रिकी) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा ऊर्जा प्रबंधक के साथ-साथ ऊर्जा लेखा परीक्षक के रूप में भी प्रमाणिकता हासिल किया है। उनको व्यवसाय विकास, संचालन, वाणिज्यिक और प्रबंधन के क्षेत्र में सैंतीस (37) वर्षों का अनुभव प्राप्त है। इस कंपनी में पदभार ग्रहण करने के पहले वे श्रीराम बियरिंग लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड और भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड के साथ जुड़े रहे हैं। कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्ति से पहले उन्होंने 11 मई, 2010 से निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में कंपनी में सेवाएँ प्रदान की है।

श्री सुब्रत सरकार

वर्ष के दौरान, श्री सुब्रत सरकार, तत्कालीन उप महाप्रबंधक, कोलकाता मुख्य कार्यालय ऑफिस, एमएसटीसी को 01.12.2018 से प्रभावी कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया है। श्री सुब्रत सरकार, आयु उनचास (49) वर्ष, निदेशक (वित्त), सीएफओ हैं और कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक हैं। उन्होंने भागलपुर विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक (ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की है और भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान के एसोसिएट सदस्य भी हैं। उनको वित्त और लेखा में बीस (20) वर्षों का अनुभव प्राप्त है। कंपनी में पदभार ग्रहण करने के पूर्व वे सरकार मित्र और मित्र, चार्टर्ड एकाउंटेंटस के साथ एक सहभागी के रूप में जुड़े रहे। मई, 2001 से वे अपकी कंपनी से जुड़े हुए हैं।

स्वतंत्र निदेशक

वर्ष के दौरान, श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी, वित्तीय विशेषज्ञ को 14 दिसंबर 2018 को एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। अपर्णा चतुर्वेदी, आयु साठ (60) वर्ष कंपनी की एक गैर-आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक हैं। मे लखनऊ विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक और मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। उनको मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल में वरिष्ठ कार्यकारी पाठ्यक्रम के संबंध में विदेशी और राष्ट्रमंडल कार्यालय द्वारा एक ब्रिटिश शेवनिंग छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया था। उनको प्रोजेक्ट फाइनेंस, फंड्स मैनेजमेंट, कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी, रिजॉल्यूशन एंड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स, एसेट रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट इक्विटी इनवेस्टमेंट्स आदि के क्षेत्र में पैंतीस (35) से अधिक वर्षों की वित्तीय विशेषज्ञता प्राप्त है। कंपनी में शामिल होने से पहले वे 7 मार्च, 1989 से 31 अगस्त, 2016 तक यूटीआई म्यूचुअल फंड से जुड़ी रहीं।

9. None of the Directors of your Company are holding directorship in other listed Company.

In order to familiarize the Independent directors with their roles, rights, responsibilities, business model, nature of industry in which company operates, etc. the Company has conducted various familiarization programmes.

The details of the familiarization program is disclosed in the website of the company at **www.mstcindia.co.in**

Brief Information of the newly appointed Directors

Whole time Directors

Shri Bam Bahadur Singh

Shri Bam Bahadur Singh, aged fifty nine (59) years is the Chairman and Managing Director of your Company. He holds a degree of Bachelor of Science (Engineering) from Ranchi University and a degree of Master of Business Administration from Indira Gandhi National Open University. He has also been certified as an Energy Manager as well as Energy Auditor by the National Productivity Council. He has over thirty seven (37) years of experience in business development, operation, commercial and managment. Prior to joining your Company, he has been associated with Shriram Bearing Limited, Coal India Limited and Bharat Earth Movers Limited. Prior to his appointment as the Chairman and Managing Director of your Company he served as the Director (Commercial) of our Company with effect from May 11, 2010.

Shri Subrata Sarkar

During the year, Shri Subrata Sarkar, erstwhile Daputy General Manager, Kolkata Head Office, MSTC has been appointed as Director (Finance) of the Company w.e.f. 01.12.2018. Shri Subrata Sarkar, aged forty Nine (49) years is the Director (Finance), CFO and Whole Time Director of your Company. He holds a degree in Bachelor of Science (Honours) from Bhagalpur University and been an Associate Member of the Instituteof Chartered Accountants of India. He has over twenty (20) years of experience in finance and accounts. Prior to joining your Company, he was associated with Sarkar Mitra & Mitra, Chartered Accountants as a Partner. He has been associated with your Company since May, 2001.

Independent Directors

During the year, Smt. Aparna Chaturvedi, Financial Expert was appointed as an Independent Director on 14th December, 2018. Aparna Chaturvedi, aged sixty (60) years is a Non-Official (Independent) Director of your Company. She holds degree of Bachelors in Science and Master of Business Administration from Lucknow University. She was awarded a British Chevening Scholarship by Foreign and Commonwealth Office in relation to the senior executive course at Manchester Business School. She is a financial expart with over thirty five (35) years of experience in project finance, funds management, corporate insolvency, resolution & reconstruction of non-performing assets, asset reconstruction and private equity investments etc. Prior to joining your Company, she was associated with UTI Mutual Fund since March 7, 1989 till August 31, 2016.

बोर्ड की समितियाँ

बोर्ड समितियाँ कंपनी की प्रशासन संरचना में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और विशिष्ट क्षेत्रों/गतिविधियों जिसमें ध्यान देने की आवश्यकता होती है, से निपटने के लिए गठित की जाती हैं। बोर्ड समितियों का गठन बोर्ड की औपचारिक मंजूरी के तहत स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिकाएं निभाने जिसे बोर्ड के सदस्यों द्वारा एक अच्छी नैगम प्रशासनिक अभ्यास के रूप में माना जाए, के लिए किया जाता है। बोर्ड समितियों द्वारा अपनी जिम्मेदारियों के निष्पादन का पर्यवेक्षण करता है और उनकी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होता है। संबंधित समितियों के अध्यक्ष समिति की बैठक का सारांश बोर्ड को सूचित करते हैं। सभी समितियों की बैठक के कार्यवृत्त को समीक्षा के लिए बोर्ड के समक्ष रखा जाता है।

एमएसटीसी ने बोर्ड की पांच समितियों यथा, लेखा परीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति, नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति, स्टेकधारक सम्पर्क समिति और आईपीओ समिति का गठन किया है।

I) लेखा - परीक्षा समिति

संदर्भ की शर्तें

लेखा-परीक्षा समिति के संदर्भ की शर्तें सेबी (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियमन, 2015 के विनियमन 18 के साथ-साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के तहत लेखापरीक्षा समिति के लिए निर्दिष्ट मामलों को आवृत्त करती हैं। इसके अतिरिक्त, ऑडिट कमेटी की भूमिका और ऑडिट कमेटी द्वारा सूचना की समीक्षा सेबी (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की अनुसूची II के भाग सी के तहत निर्धारित है।

ऑडिट कमेटी लेखा - समिति से संबंधित नैगम प्रशासन पर डीपीई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन भी करती है।

ऑडिट कमेटी के संदर्भ की शर्तें कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (एलओडीआर) (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 में विनिर्दिष्ट सभी मामलों को शामिल करती हैं, जिसका अंतर्सम्बद्ध निम्नलिखित है;

1) अपने निरीक्षण कार्यों से संबंधित बोर्ड का निम्न में सहायता करना :
   - क) लेखा परीक्षित और अलेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों में निहित खुलासों की गुणवत्ता और अखंडता;
   - ख) कानूनी और नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन;
   - ग) बाहरी लेखा परीक्षकों की योग्यता, अनुभव, निष्पादन और स्वतंत्रता;
   - घ) समय-समय पर स्थापित आंतरिक नियंत्रणों की अखंडता; तथा
   - ङ) कंपनी के निवेश।
2) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 में निर्दिष्ट वस्तुओं के संबंध में या बोर्ड द्वारा उल्लिखित किसी भी मामले की जांच करने के उद्देश्य से कंपनी के रिकॉर्ड में शामिल जानकारी तथा आवश्यक होने पर बाह्य प्रोफेशनल से परामर्श लेने।
3) संदर्भ के अनुसार किसी भी गतिविधि को जांचना।
4) कर्मचारियों सहित किसी भी स्रोत से जानकारी लेने के लिए।
5) बाह्य कानूनी या आवश्यक होने पर अन्य पेशेवर से परामर्श करने।
6) प्रासंगिक विशेषज्ञता के साथ बाहरी लोगों की उपस्थिति को सुरक्षित करना, यदि आवश्यक समझा जाए।

Committees of the Board

The Board Committees play a crucial role in the Governance Structure of the Company and have been constituted to deal with specific areas/ activities which concern the company and need a closer review. The Board Committees are set up under the formal approval of the Board to carry clearly defined roles which are considered to be performed by the Members of the Board, as part of Good Corporate Governance practice. The Board supervises the execution of its responsibilities by the Committees and is responsible for their action. The Chairman of the respective Committees Inform the Board about the summary of the discussion held in the Committee Meetings. The Minutes of the Meeting of all the Committees are placed before the Board for review.

MSTC has constituted five committees of the Board viz, Audit Committee, Nomination and Remuneration Committee, Corporate Social Responsibility (CSR) Committee, Stakeholders Relationship Committee and IPO Committee.

I) Audit Committee

Terms of Reference

The Terms of Reference of the Audit Committee covers the matters specified for Audit Committee under Regulation 18 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulation, 2015 as well as In section 177 of the Companies Act, 2013. In Addition, the role of Audit Committee and review of Information by Audit Committee is as prescribed under part C of Schedule II of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

The Audit Committee also complies with the guidelines issued by DPE on Corporate Governance relating to Audit Committee.

The Terms of Reference of Audit Committee covers all matters specified in the Companies Act, 2013 and SEBI (LODR) Regulations, 2015 which inter-alia includes the following;

1) To assist the Board In its oversight functions relating to:
   - a) quality and integrity of disclosures contained in the audited and unaudited financial statements;
   - b) compliance with legal and regulatory requirements;
   - c) qualifications, experience, performance and independence of external auditors;
   - d) integrity of the internal controls established from time to time; and
   - e) Investments of the Company.
2) To investigate into any matter in relation to the items specified In Section 177 of the Companies Act, 2013 or referred to it by the Board and for this purpose, shall have full access to information contained in the records of the Company and seek external professional advice, if necessary.
3) To investigate any activity within its terms of reference.
4) To seek Information from any source Including employees.
5) To obtain outside legal or other professional advice, if necessary.
6) To secure attendance of outsiders with relevant expertise, if it is considered necessary.

7) मुखबिर का संरक्षण करना।

8) लेखापरीक्षा समिति की भूमिका में निम्नलिखित शामिल होंगे:

क) यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त और विश्वसनीय है कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया और उसकी वित्तीय जानकारी का खुलासा करना।

ख) अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले प्रबंधन के साथतिमाही/अर्धवार्षिक वित्तीय विवरणों की समीक्षा करना।

ग) अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले विशेष संदर्भ सहित प्रबंधन के साथ, वार्षिक वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षक रिपोर्ट की समीक्षा करना।

i) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 के खंड (3) (सी) के संदर्भ में बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल किए जाने के लिए निदेशकों के दायित्व विवरण में शामिल होने के लिए अपेक्षित मामले:

ii) लेखांकन नीतियों और प्रथाओं और उसके कारणों में परिवर्तन, यदि कोई हो;

iii) प्रबंधन द्वारा निर्णय के अनुसार अभ्यास के रूप में अनुमानों को शामिल करते हुए प्रमुख लेखा प्रविष्टियाँ;

iv) लेखापरीक्षा निष्कर्षों से उत्पन्न वित्तीय विवरणों में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन;

v) भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों का अनुपालन;

vi) वित्तीय विवरणों से संबंधित कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन;

vii) किसी भी संबंधित पार्टी लेनदेन का प्रकटीकरण; तथा

viii) ड्राफ्ट ऑडिट रिपोर्ट में योग्यता;

9) ऑडिट

क) अभ्यंतरीय लेखा - परीक्षा :

- प्रबंधन के साथ आंतरिक लेखा परीक्षकों (बाहरी फर्मों) का निष्पादन और आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की पर्याप्तता समीक्षा करना
- आंतरिक लेखा परीक्षा (अंतर्गृह) की पर्याप्तता, यदि कोई हो, लेखा परीक्षा विभाग की संरचना, स्टाफिंग और विभाग के आधिकारिक शीर्ष की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और ऐसे लेखापरीक्षा की नियमितता की समीक्षा करना
- किसी भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उसका अनुपालन
- लेखा परीक्षा तथा अन्य सेवाओं, यदि हो, हेतु आंतरिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति और शुल्क के निर्धारण के लिए बोर्ड को अनुशंसा करना

7) To protect whistle blowers.

8) The role of the Audit Committee shall include the following:

a) Overseeing the Company's financial reporting process and the disclosure of its financial information to ensure that the financial statements are correct, sufficient and credible.

b) Reviewing with the management, the quarterly / half yearly financial statements before submission to the Board for approval.

c) Reviewing with the management, annual financial statements and auditors report thereon before submission to the Board for approval, with particular reference to:

i) Matters required to be included in the Directors' Responsibility Statement to be included in the Board's report in terms of clause (3)(c) of Section 134 of the Companies Act,2013;

ii) Chenges, if any, in accounting policies and practices and reasons for the same;

iii) Major accounting entries involving estimates based on the exercise of judgment by management;

iv) Significant adjustments made in the financial statements arising out of audit findings;

v) Compliance with accounting standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India;

vi) Compliance with legal requirements relating to financial statements;

vii)Disclosure of any related party transaction; and

viii)Qualifications in the draft audit report.

9) Audit(s)

a) Internal Audit:

- Reviewing, with the management, performance of internal auditors (external firms) and adequacy of internal control systems
- Reviewing the adequacy of internal audit (in house) function, if any, including the structure of internal audit department, staffing and seniority of the official heading the department, reporting structure coverage and frequency of such audit
- Discussion with internal auditors on any significant findings and follow up thereon
- Recommending to the Board appointment and fixation of fees for Internal Auditors for Audit and other services if any

ख) सांविधिक लेखा परीक्षा और शाखा लेखा परीक्षा:

- चिंता जनक क्षेत्रों के मूल्यांकन हेतु लेखा - परीक्षा उपरांत विचार-विमर्श के साथ - साथ लेखा परीक्षा की प्रकृति तथा अवसर के बारे में लेखा परीक्षा शुरू होने के पूर्व सांविधिक लेखा परीक्षकों और शाखा लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा
- किसी भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर सांविधिक लेखा परीक्षकों और शाखा लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उसका अनुपालन
- बोर्ड को सांविधिक और शाखा लेखा परीक्षा शुल्क के निर्धारण की सिफारिश करना
- सांविधिक लेखा परीक्षकों को उनके द्वारा प्रदान की गई किसी भी अन्य सेवाओं (ऑडिट के अलावा) के भुगतान का अनुमोदन

ग) लागत लेखा परीक्षा और कर लेखा परीक्षा:

लागत लेखा परीक्षकों और कर लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पुन: नियुक्ति, यदि आवश्यक हो, प्रतिस्थापन और निष्कासन और लेखा परीक्षा शुल्क और नियुक्ति की अन्य शर्तों के लिए बोर्ड को अनुशंसित करना।

10) ऑडिटर्स की स्वतंत्रता और निष्पादन और ऑडिट प्रक्रिया की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी।

11) उसमें शामिल हर आरक्षण या योग्यता पर पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण के साथ लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा करें और बोर्ड को विचार के लिए रिपोर्ट की सिफारिश करना।

12) स्वतंत्र लेखा परीक्षक, आंतरिक लेखा परीक्षक एवं निदेशक मंडल के बीच संचार का एक खुला एवेन्यू प्रदान करें।

13) कवरेज की पूर्णता, निरर्थक प्रयासों में कमी और सभी लेखापरीक्षा संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के साथ ऑडिट प्रयासों के समन्वय की समीक्षा।

14) स्वतंत्र लेखा परीक्षकों और प्रबंधन के साथ निम्नलिखित पर विचार करें और समीक्षा करें:

   क) कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रणाली नियंत्रण और सुरक्षा सहित आंतरिक नियंत्रणों की पर्याप्तता, तथा

   ख) प्रबंधन के जवाबों के साथ स्वतंत्र ऑडिटर और आंतरिक लेखा परीक्षक के संबंधित निष्कर्ष और सिफारिशें।

15) प्रबंधन, आंतरिक लेखा परीक्षक और स्वतंत्र लेखा परीक्षक के साथ निम्नलिखित पर विचार करें और समीक्षा करें:

   क) पिछले ऑडिट सिफारिशों की स्थिति सहित वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण मंतव्य।

   ख) ऑडिट के काम के दौरान आने वाली कोई भी कठिनाई जिसमें गतिविधियों के दायरे पर कोई प्रतिबंध या आवश्यक जानकारी तक पहुंच शामिल है।

16) सरकारी लेखा-परीक्षा - सीएण्डएजी ऑडिट की लेखापरीक्षा टिप्पणियों पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना।

17) आंतरिक लेखा परीक्षकों/सांविधिक लेखा परीक्षकों/अन्य एजेंसियों द्वारा किसी आंतरिक जांच के मामलों की समीक्षा करना जहां संदिग्ध धोखाधड़ी या भौतिक प्रकृति के आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की विफलता पाये जाने की सम्भावना हो तथा उसे बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करना।

18) जमाकर्ताओं, डिबेंचर धारकों, शेयरधारकों (घोषित लाभांश के भुगतान न होने की स्थिति में) और लेनदारों को भुगतान में पर्याप्त चूक के कारणों पर गौर करना।

19) व्हिसल ब्लोअर तंत्र के कामकाज की समीक्षा करना।

b) Statutory Audit & Branch Audit:

- Discussion with Statutory Auditors & Branch Auditors before the audit commences, about the nature and scope of audit as well as post-audit discussion to ascertain any area of concern
- Discussion with Statutory Auditors & Branch Auditors on any significant findings and follow up thereon.
- Recommending to the Board the fixation of Statutory and Branch Audit Fees
- Approval of payment to statutory auditors for any other services (other than audit) rendered by them

c) Cost Audit & Tax Audit:

Recommending to the Board, the appointment, re-appointment and if required, replacement or removal of cost auditors and tax auditors and fixation of Audit fees and other terms of appointment.

10) Reviewing and monitoring the auditors' independence and performance and effectiveness of audit process.

11) Review the Cost Audit Report along with full information and explanation on every reservation or qualification contained therein and recommend the report to the Board for consideration

12) Provide an open avenue of communication between the independent auditor, internal auditor and the Board of Directors.

13) Review with the independent auditors the co-ordination of audit efforts to assure completeness of coverage, reduction of redundant efforts, and the effective use of all audit resources.

14) Consider and review the following with the independent auditors and management:

   a) The adequacy of internal controls including computerized information system controls and security, and

   b) Related findings and recommendations of the independent auditor and internal auditor, together with the management responses.

15) Consider and review the following with the management, internal auditor and the independent auditor:

   a) Significant findings during the year, including the status of previous audit recommendations.

   b) Any difficulties encountered during audit work including any restrictions on the scope of activities or access to required information.

16) Government audit- To review the follow up action on the audit observations of the C&AG audit.

17) Reviewing the findings of any internal investigations by the internal auditors/statutory auditors/other agencies into matters where there is suspected fraud or irregularity or a failure of internal control systems of a material nature and reporting the matter to the Board.

18) To look into the reasons for substantial defaults in the payment to the depositors, debenture holders, shareholders (in case of non-payment of declared dividends) and creditors.

19) To review the functioning of the Whistle Blower Mechanism.

20) संसद के सार्वजनिक उपक्रमों (सीओपीयू) पर समिति की सिफारिशों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना।

21) हमारी कंपनी में सभी संबंधित पार्टी लेनदेन की समीक्षा और पूर्व-अनुमोदन करना। इस प्रयोजन के लिए, ऑडिट समिति एक सदस्य को नामित कर सकती है जो संबंधित पार्टी लेनदेन के पूर्व अनुमोदन के लिए जिम्मेदार होगा।

22) कंपनी की वित्तीय नीतियों, वाणिज्यिक नीतियों और जोखिम प्रबंधन नीतियों की समीक्षा करना।

23) आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणाली का मूल्यांकन।

24) प्रस्ताव दस्तावेज़/प्रॉस्पेक्टस/नोटिस में बताए गए उद्देश्यों के अलावा किसी निर्गमन (सार्वजनिक निर्गमन, सही निर्गमन, अधिमान्य निर्गमन आदि) के माध्यम से उगाही गयी निधि का उपयोग तथा सार्वजनिक या सही निर्गमन की प्रक्रिया की उपयोगिता का प्रबोधन करने वाले अभिकरणों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर प्रबंधन के साथ समीक्षा करना तथा इस मामले में बोर्ड द्वारा उठाये जाने वाले कदमों की अनुशंसा करना।

25) अंतर-कॉर्पोरेट ऋण और निवेश की जांच।

26) आवश्यकतानुसार कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन।

27) संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेनदेन के अनुमोदन या बाद के संशोधन।

28) निम्नलिखित सुचनाओं की समीक्षा :

क) वित्तीय स्थिति और संचालन के परिणामों का प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण;

ख) प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन का विवरण (ऑडिट कमेटी द्वारा परिभाषित);

ग) सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जारी किए गए आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों के प्रबंधन पत्र/पत्र;

घ) आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों से संबंधित आंतरिक लेखा-परीक्षा रिपोर्ट;

ङ) आंतरिक लेखा परीक्षकों/मुख्य आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति, निष्कासन और पारिश्रमिक की शर्तें; तथा

च) मुख्य कार्यकारी/मुख्य वित्त अधिकारी द्वारा वित्तीय विवरणों का प्रमाणन/घोषणा

29) आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के बारे में लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों, के लिए कॉल करने के लिए, लेखा परीक्षकों के अवलोकनों सहित लेखा परीक्षा के अवसर तथा बोर्ड को प्रस्तुत किये जाने के पूर्व वित्तीय विवरण की समीक्षा तथा आंतरिक और सांविधिक लेखा परीक्षकों और प्रबंधन के साथ किसी भी संबंधित मुद्दे पर चर्चा।

30) मॉनिटरिंग एजेंसी की रिपोर्ट सहित विचलन के लिए त्रैमासिक विवरण की समीक्षा, यदि प्रयोज्य हो, स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत की जाए।

31) कम्पनी द्वारा सहायिकाओं की परिसम्पत्तियों के आकार का ₹ 100 करोड़ या 10%, विद्यमान ऋण/अग्रिम निवेश को शामिल करते हुए जो भी कम हो, के अतिरिक्त, जो 1 अप्रैल, 2019 को प्रभावी होगी या ऐसी कोई अन्य तिथि जो सेबी द्वारा निर्धारित की गयी हो, या जैसा मामला हो, अपनी सहायिकाओं द्वारा ऋण तथा/या अग्रिमों से/निवेश की उपयोगिता की समीक्षा।

32) कंपनी के निदेशक मंडल और/या निदेशक की अन्य समितियों द्वारा समिति के लिए विशेष रूप से निर्दिष्ट किए जा सकने वाले ऐसे अन्य कार्यों को करना।

20) To review the follow-up action taken on the recommendations of Committee On Public Undertakings (COPU) of tha Parliament.

21) Review and pre-approve all related party transactions in our Company. For this purpose, the Audit Committee may designate a member who shall be responsible for pre-approving related party transactions.

22) Review the Company's financial policies, commercial policies and risk management policies.

23) Evaluation of internal financial controls and risk management system.

24) Reviewing with the management, the statement of uses/application of funds raised through an issue (public issue, right issue, preferential issue etc.), the statement of funds utilized for purposes other than those stated in tha offer document/prospectus/notice, and the report submitted by the monitoring agency monitoring the utilization of proceeds of a public or right issue, and making appropriate recommendations to the Board to take up steps in this matter.

25) Scrutiny of inter-corporate loans and investments.

26) Valuation of undertakings or assets of the Company, wherever it is necessary.

27) Approval or any subsequent modification of transactions of the Company with related parties.

28) Review the following information:

a) The management discussion and analysis of financial condition and results of operations;

b) Statement of significant related party transactions (as defined by the Audit Committee), submitted by the management;

c) Management letter / letters of internal control weaknesses issued by the statutory auditors;

d) Internal audit reports relating to internal control weaknesses;

e) The appointment, removal and terms of remuneration of internal auditors/chief intarnal auditor; and

f) Certification / declaration of financial statements by the chief executive/chief finance officer.

29) To call for comments of the auditors about internal control systems, the scope of audit, including the observations of the auditors and review of financial statement before their submission to the Board and to discuss any related issua with the internal and statutory auditors and the managemant of the Company.

30) Review of the quarterly statement for daviation including report of monitoring agency, if applicable submitted to Stock Exchanges.

31) Review the utilization of loans and/ or advances from investment by the Company in its subsidiary exceeding ₹ 100 crore or 10% of the asset size of the subsidiary, whichaver is lower including existing loans / advances / investments which shall be effective from April 1, 2019 or such other date as may be prescribed by SEBI, as the case may be.

32) Carrying out such other functions as may be specifically referred to the Committee by the Company's Board of Directors and/or other Committees of Directors

लेखा परीक्षा समिति की बैठकों की संरचना और विवरण

फिलहाल लेखा परीक्षा समिति में 4 सदस्य शामिल हैं जिनमें से तीन स्वतंत्र निदेशक हैं और एक सरकार द्वारा नामित निदेशक है। समिति का अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक होता है।

निदेशक वित्त और निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं।

कंपनी सचिव, लेखा परीक्षा समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान समिति ने 26 जून, 2018, 26 जुलाई, 2018, 22 नवम्बर, 2018 तथा 11 जनवरी, 2019 बैठकें आयोजित की।

लेखा परीक्षा समिति की वर्तमान संरचना, बैठक और उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

सदस्य	संवर्ग	पद	अवधि के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	सदस्यों की उपस्थिति
श्री जी.आर. अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	4	4
डॉ टी.वी. मुरालीबल्लमन	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	4	4
श्रीमती प्रभाती परिदा (01.04.2019 तक)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	2	1
डॉ प्रोमोदिता सतीश निदेशक	सरकार नामित	सदस्य	4	4
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी (03.05.2019 से प्रभावी)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	-	-

II) नामांकन और पारिश्रमिक समिति

संदर्भ की शर्तें

एक सरकारी कंपनी होने के नाते भारत सरकार द्वारा निदेशकों की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक तय किया जाता है। इसके अलावा, बोर्ड के वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों सहित कंपनी के कर्मचारियों का पारिश्रमिक लागू डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार बोर्ड द्वारा तय किया जाता है। इसके अलावा, निदेशकों की नियुक्ति के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान, निदेशक (कों) के पारिश्रमिक से संबंधित नीति और एनआरसीसे संबंधित निष्पादन मूल्यांकन सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होंगे।

लिस्टिंग के नियमों के तहत आवश्यकताओं के संदर्भ में सेबी से ऐसी रियायत अनुमानित है। हालांकि, एनआरसी के लिए डीपीई दिशानिर्देशों के तहत प्रदान की गई सीमाओं के भीतर कंपनी के कर्मचारियों के बीच वार्षिक वितरण/परिवर्तनीय वेतन पूल और इसके वितरण के लिए नीति तय करना अनिवार्य है।

नामांकन और पारिश्रमिक समिति के लिए संदर्भ की शर्तें इस प्रकार हैं :

1. प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक निर्धारित सीमा के भीतर अधिकारियों (बोर्ड स्तर के अधिकारियों सहित) और गैर-संघीकृत पर्यवेक्षकों के लिए बोनस/वैरिएबल पे पूल निष्पादन संबंधित वेतन (पीआरपी) और इसके समग्र वितरण के लिए नीति तय करना।
2. मानव संसाधन मुद्दे से संबंधित सभी प्रस्तावों की जांच करना और अपनी अनुशंसाएं देना।
3. नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिशों को अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल के समक्ष रखा जाता है;

Composition & Details of Meetings of Audit Committee

The Audit Committee presently Comprises of 4 Members out of which three are Independent Directors and one is Government Nominee Director. The Chairman of the Committee is an Independent Director.

Director (Finance) and Director (Commercial) are the Permanent Invitees of the Audit Committee.

Company Secretary acts as the Secretary to the Audit Committee.

The Committee met 4 times during the financial year ended 31st March, 2019, on 26th June, 2018, 26th July, 2018, 22nd November, 2018 & 11th January, 2019.

The current composition of the Audit Committee and details of meeting & Attendance is as follows :

Members	Category	Position	No. of Meetings held during tenure	Attendance by Members
Shri G.R. Aloria	Independent Director	Chairman	4	4
Dr. T. V. Murali vallabhan	Independent Director	Member	4	4
Smt. Pravati Parida (Upto 01.04.2019)	Independent Director	Member	2	1
Dr. Promodita Sathish	Government Nominee Director	Member	4	4
Smt. Aparna Chaturvedi (w.e.f 03.05.2019)	Independent Director	Member	–	–

II) Nomination and Remuneration Committee

Terms of Reference

The Company, being a Government Company, the appointment, tenure and remuneration of directors are decided by the Government of India. Further, the remuneration of the employees of the Company including senior management personnel is decided by the Board in line with applicable DPE Guidelines. Further, provisions of the Companies Act, 2013 relating to criteria for appointment of Director(s), policy relating to the remuneration of Director(s) and performance evaluation pertaining to NRC shall not be applicable to Government Companies. Similar exemption is anticipated from SEBI in terms of requirements under Listing Regulations. However, it is mandatory for NRC to decide the annual Bonus/ variable pay pool and policy for its distribution among the employees of the Company within the limits as provided under DPE Guidelines.

Terms of reference for the Nomination and Remuneration Committee are as follows :

1. To decide the annual bonus / variable pay pool, Performance Related Pay (PRP) and policy for its distribution across the executives (including Board Level executives) and non-unionised supervisors within the prescribed limits for each financial year.
2. To examine all the proposals related to HR issue and give its recommendations.
3. The recommendations of the "Nomination & Remuneration Committee" are placed before the Board of Directors for approval;

4. सकारात्मक विशेषताओं एवं अहर्ता निर्धारण हेतु मानदंडों का गठन तथा निदेशक मंडल को सिफारिश करना, कंपनी के वरिष्ट कार्यपालको से संबंधित एक नीति;
5. निदेशक मंडल की विविधता पर एक नीति तैयार करना;
6. निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किये जाने वाले व्यक्तियों की पहचान करना तथा निदेशक मंडल को उनकी नियुक्ति और निष्कासन के लिए सिफारिश करना।
7. 1 अप्रैल, 2019 या सेबी द्वारा निर्धारित ऐसी किसी तिथि से प्रभावी, जैसा भी मामला हो, वरिष्ठ प्रबंधन को देय सभी पारिश्रमिक, जिस किसी भी रूप में हो, के लिए बोर्ड को अनुशंसा देना।

नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना और बैठकों का विवरण

समिति में 4 सदस्य शामिल हैं जिनमें से तीन स्वतंत्र निदेशक हैं और एक सरकार द्वारा नामित निदेशक है। समिति का अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक होता है।

कंपनी सचिव, नामांकन और पारिश्रमिक समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

वित्त वर्ष के दौरान समिति ने 22 नवम्बर, 2018, 7 दिसम्बर, 2018 तथा 06 मार्च, 2019 को तीन बैठकें आयोजित की।

नामांकन और पारिश्रमिक समिति की वर्तमान संरचना और बैठक तथा उपस्थिति का विवरण निम्नानुसार है :

सदस्य	संवर्ग	पद	अवधि के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	सदस्यों की उपस्थिति
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	3	3
डॉ प्रमोदिता सतीश	सरकार नामित निदेशक	सदस्य	3	3
डॉ टी.वी. मुरालीबल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	3	3
डॉ आर.एस.येली	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	1	1

पारिश्रमिक नीति

निदेशकों को पारिश्रमिक

एमएसटीसी लिमिटेड एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक की शर्तें भारत सरकार द्वारा अपने प्रशासनिक इस्पात मंत्रालय के माध्यम से निर्धारित की जाती है। अंशकालिक आधिकारिक निदेशक (सरकारी नामित निदेशक) कंपनी से कोई पारिश्रमिक नहीं लेते।

अंशकालिक गैर - आधिकारिक निदेशकों (स्वतंत्र निदेशकों) को बोर्ड की प्रति बैठक ₹ 15000/- बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है तथा कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत तय सीमा के भीतर बोर्ड तथा भारत सरकार द्वारा तय दिशानिर्देशों के अनुसार इस समिति की बैठकें अनुमोदित की जाती है।

4. Formulation of the criteria for determining qualifications, positive attributes and recommend to the Board of Directors, a policy relating to the remunaration of senior executives and other employees of the Company;
5. Devising a policy on diversity of Board of Directors;
6. Identifying persons who may be appointed in senior management in accordance with the criteria laid down, and recommend to the Board of Directors their appointment and removal.
7. Recommend to the Board, all remuneration, in whatever form, payable to senior management which shall be effective from April 1, 2019 or such other date as may be prescribed by SEBI, as the case may be.

Composition and Details of Meetings of Nomination & Remuneration Committee

The Committee Consists of Four Members out of which three members are Independent Directors and one is Government Nominee Director. The Chairman of the Committee is an Independent Director.

Company Secretary acts as the Secretary to the Nomination & Remuneration Committee.

The Committee met three times during the financial year 2018-19 on 22nd November, 2018, 7th December, 2018 & 6th March, 2019.

The current composition of the Nomination & Remuneration Committee and details of meeting & attendance is as follows :

Members	Category	Position	No. of Meetings held during tenure	Attendance by Members
Shri Gangaram Aloria	Independent Director	Chairman	3	3
Dr. Promodita Sathish	Government Nominee Director	Member	3	3
Dr. T.V.Murali Vallabhan	Independent Director	Member	3	3
Dr. R.S.Yeli	Independent Director	Member	1	1

Remuneration Policy

Remuneration to the Directors

MSTC Limited being a Government Company, the terms and conditions of the appointment and remuneration of functional directors are determined by government of India through its Administrative Ministry, Ministry of Steel. Part Time official Directors (Government Nominee Directors) do not draw any remuneration from the company.

The part-time non-Official Directors (Independent Directors) are paid a sitting fees of ₹ 15000/- per Meeting of the Board and its Committee meetings as approved by the Board within the ceiling fixed under the Companies Act, 2013 and as per the guidelines fixed by the Government of India.

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान कार्यात्मक निदेशकों को दिए गए पारिश्रमिक का विवरण निम्नानुसार है: (₹ मिलियन में)

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 17(1) व (2) के अधीन वेतन तथा अनुलाभ	नियोजन पश्चात् लाभ	अन्य दीर्घकालिक लाभ	कुल
1.	श्री बी.बी.सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	7.36	0.22	-	7.58
2.	श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से प्रभावी)	निदेशक (वित्त)	1.85	0.15	0.22	2.22
3.	श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)	5.88	0.11	0.09	6.08
4.	श्री ए.के.बासु (30.11.2018 तक)	निदेशक (वित्त)	5.17	-	-	5.17

The Details of the Remuneration paid to the Functional Directors during the financial year 2018-19 are as under: (₹ in Million)

Sl no.	Name	Designation	Salary and Perquisites as per Section 17(1) &(2) of the Income Tax Act, 1961	Post Employment Benefit	Other Long term Benefit	Total
1	Shri B.B.Singh	Chairman & Managing Director	7.36	0.22	-	7.58
2.	Shri Subrata Sarkar (w.e.f 01.12.2018)	Director (Finance)	1.85	0.15	0.22	2.22
3.	Smt. Bhanu Kumar	Director (Commercial)	5.88	0.11	0.09	6.08
4.	Shri A.K. Basu (Upto 30.11.2018)	Director (Finance)	5.17	-	-	5.17

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को दी जाने वाली सिटिंग फीस का विवरण इस प्रकार है:

क्रम संख्या.	नाम	(₹ मिलियन में)
1.	श्री जी.आर.अलोरिया	0.27
2.	डॉ टी.वी. मुरलीवल्लभन	0.34
3.	डॉ आर.एस. येली	0.21
4.	श्रीमती प्रमाती परिदा	0.09
5.	श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी	0.08

Details of sitting fees paid to Independent Directors during the financial year 2018-19 are as follows :

Sl No.	Name	(₹ in Million)
1.	Shri G.R.Aloria	0.27
2.	Dr. T. V. Muralivallabhan	0.34
3.	Dr. R.S. Yeli	0.21
4.	Smt. Pravati Parida	0.09
5.	Smt. Aparna Chaturvedi	0.08

iii) स्टेकधारक सम्पर्क समिति

7 दिसंबर, 2018 को हुई बोर्ड की बैठक में निदेशक मंडल ने शेयर हस्तांतरण समिति का नाम परिवर्तित कर 'स्टेकधारक सम्पर्क समिति' रखा है।

iii) Stakeholders Relationship Committee

The Board of Directors in their meeting held on 7th December, 2018 has renamed the Share Transfer Committee as the 'Stakeholders Relationship Committee'.

संदर्भ की शर्तें

संदर्भ की शर्तें इस प्रकार हैं:

(1) शेयरों के हस्तांतरण/प्रसारण, वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त न होना, घोषित लाभांश की प्राप्ति न होना, नए/डुप्लीकेट प्रमाणपत्र जारी करना, आम बैठकें आदि से संबंधित शिकायतों सहित सूचीबद्ध इकाई के सुरक्षा धारकों की शिकायतों का समाधान करना।

(2) शेयरधारकों द्वारा मतदान के अधिकार के प्रभावी कदम के लिए किए गए उपायों की समीक्षा।

(3) रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में सूचीबद्ध इकाई द्वारा अपनाए गए सेवा मानकों के पालन की समीक्षा।

(4) अदावित लाभांश की मात्रा को कम करने के लिए सूचीबद्ध इकाई द्वारा किये गये विभिन्न उपाय और पहल की समीक्षा तथा कंपनी के शेयरधारकों द्वारा लाभांश वारंट/वार्षिक रिपोर्ट/वैधानिक नोटिस की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करना।

स्टेकधारक सम्पर्क समिति की बैठकों तथा उपस्थिति एवं गठन का विवरण

मार्च, 2019 तक समिति में चार सदस्य शामिल हैं जिसमें से 2 सदस्य गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक और दो सदस्य पूर्णकालिक/कार्यकारी निदेशक हैं। समिति का अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक है।

कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान समिति ने 11 जून, 2018, 26 जुलाई, 2018, 31 अगस्त, 2018 और 28 सितंबर, 2018 को चार बार बैठकें आयोजित की है।

स्टेकधारक सम्पर्क समिति की बैठकों तथा उपस्थिति एवं वर्तमान गठन का विवरण निम्नानुसार है:

सदस्य	संवर्ग	पद	अवधि के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	सदस्यों की उपस्थिति
डॉ. टी.वी.मुरली बल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	4	4
श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)	सदस्य	4	4
श्री सुब्रत सरकार	निदेशक (वित्त)	सदस्य	-	-
श्रीमती प्रभाती परिदा (01.04.2019 तक)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	-	-
डॉ. आर. एस. येली (03.05.2019 से)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	-	-

iv) निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति

कंपनियों (सीएसआर नीति) नियम 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 135 (1) के अनुपालन में कंपनी ने बोर्ड की सीएसआर समिति का गठन किया।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में निर्दिष्ट अंतर्सम्बद्ध मामलों को आवृत्त करते हुए निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीति गठित करने के लिए निदेशक मंडल को अनुशंसा, सुझाव और निदेश प्रदान करेगी।

TERMS OF REFERENCE

The Terms of reference are as follows :

(1) Resolving the grievances of the security holders of the listed entity including complaints related to transfer/transmission of shares, non-receipt of annual report, non-receipt of declared dividends, issue of new/duplicate certificates, general meetings etc.

(2) Review of measures taken for effective exercise of voting rights by shareholders.

(3) Review of adherence to the service standards adopted by the listed entity in respect of various services being rendered by the Registrar & Share Transfer Agent.

(4) Review of the various measures and initiatives taken by the listed entity for reducing the quantum of unclaimed dividends and ensuring timely receipt of dividend warrants/annual reports/statutory notices by the shareholders of the Company.

Composition and Details about Meeting & Attendance of Stakeholders Relationship Committee

As on 31st March, 2019 the committee comprises of Four Members out of which 2 Members are Non-Executive Independent directors and two members are Functional Directors. The Chairman of the Committee is an Independent Director.

The Company Secretary acts as the Secretary to the Committee.

The Committee met Four times during the financial year 2018-19 on 11th June,2018, 26th July, 2018, 31st August, 2018 & 28th September, 2018.

The current composition and meetings and attendance of our Stakeholders Relationship Committee is as follows:

Members	Category	Position	No. of Meetings held During Tenure	Attendance by Members
Dr. T. V. Murali vallabhan	Independent Director	Chairman	4	4
Smt. Bhanu Kumar	Director (Commercial)	Member	4	4
Shri Subrata Sarkar	Director (Finance)	Member	-	-
Smt. Pravati Parida (Upto 01.04.2019)	Independent Director	Member	-	-
Dr. R.S. Yeli (w.e.f 03.05.2019)	Independent Director	Member	-	-

iv) Corporate Social Responsibility (CSR) Committee

In compliance of Section 135(1) read with Rule 5 of tha Companies (CSR Policy) Rules 2014, the Company had constituted the CSR Committee of the Board.

Corporate Social Responsibility Committee shall provide recommendations, suggestions, and inputs to the Board of Directors for formulation of a Corporate Social Responsibility policy of the Company covering, inter alia, the matters specified in Schedule VII of the Companies Act, 2013.

संदर्भ की शर्तें

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी समिति के संदर्भ की शर्तें इस प्रकार हैं:

क) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची - VII में विनिर्दिष्ट अपनी कंपनी द्वारा अपनाए जाने वाले कार्यकलापों सहित एक निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता नीति तैयार करना तथा बोर्ड को अनुशंसित करना।

ख) सीएसआर एक्टिविटीज पर होने वाले खर्च की राशि की अनुशंसा करना।

ग) समय-समय पर कंपनी की निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता नीति का निगरानी तथा प्रभावशाली कार्यान्वयन।

सीएसआर समिति की संरचना एवं बैठक और उपस्थिति का विवरण

वर्तमान में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति चार सदस्य शामिल हैं जिनमें से दो स्वतंत्र निदेशक, एक सरकार द्वारा नामित निदेशक और एक कार्यात्मक निदेशक है। समिति का अध्यक्ष एक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक है।

कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान26 जून, 2018, 26 जुलाई, 2018, 24 सितम्बर, 2018, 22 नवम्बर, 2018, 6 मार्च, 2019 तथा 22 मार्च, 2019 को नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व समिति की पांच बैठकें आयोजित हुईं।

बैठक और उपस्थिति की संरचना और विवरण इस प्रकार है:

सदस्य	संवर्ग	पद	अवधि के दौरान आयोजित बैठकों की संख्या	सदस्यों की उपस्थिति
डॉ टी.वी.मुरली वल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	6	6
डॉ प्रोमोदिता सतीश	सरकार नामित निदेशक	सदस्य	6	5
डॉ आर.एस.येली (27.07.2018 से प्रभावी)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	4	4
श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018) से प्रभावी)	निदेशक (वित्त)	सदस्य	2	2
श्री ए.के.बासु (30.11.2018 तक)	निदेशक (वित्त)	सदस्य	4	4

V) आईपीओ समिति

07 दिसंबर,2018 को आयोजित अपनी 284वीं बैठक में निदेशक मंडल ने श्री बी.बी. सिंह, सीएमडी, श्रीमती भानु कुमार, निदेशक (वाणिज्यिक), श्री सुब्रत सरकार, निदेशक (वित्त) तथा डॉ आर.एस.येली, स्वतंत्र निदेशक को शामिल करते हुए एक आईपीओ समिति का गठन किया।

वर्ष के दौरान एक आईपीओ समिति की बैठक 27 मार्च, 2019 को आयोजित की गई थी।

आईपीओ को सफलतापूर्वक हासिल करने के बाद समिति को भंग कर दिया गया था।

TERMS OF REFRENCE

The Terms of Reference of Corporate Social Responsibility Committee is as follows:

(a) Formulate and recommend to the Board, a Corporate Social Responsibility and Sustainability Policy which shall indicate the activities to be undertaken by your company as specified in Schedule - VII of the Companies Act, 2013.

(b) Recommend amount of Expenditure to be incurred on CSR Activities.

(c) Monitor the Corporate Social Responsibility and Sustainability Policy of the Company and its effective Implementation from time to time.

Composition and Details of Meeting & Attendance of CSR Committee

Presently Corporate Social Responsibility Committee comprises of four Members out of which two are independent directors, one is Government Nominee Director and one is Functional Director. The Chairman of the Committee is an Independent Director.

The Company Secretary acts as the Secretary to the Committee.

During the Financial Year 2018-19 six meetings of Corporate Social Responsibility Committee were held on 26th June, 2018, 26th July, 2018, 24th September, 2018, 22nd November, 2018, 6th March, 2019 & 22nd March, 2019.

The Composition and Details of Meating and attendance is es follows:

Members	Category	Position	No. of Meetings held During Tenure	Attendance by Members
Dr. T. V. Murali vallabhan	Independent Director	Chairman	6	6
Dr. Promodita Sathish	Government Nominee Director	Member	6	5
Dr. R.S Yeli (w.e.f 27.07.2018)	Independent Director	Member	4	4
Shri Subrata Sarkar (w.e.f 01.12.2018)	Director (Finance)	Member	2	2
Shri A.K Basu (upto 30.11.2018)	Director (Finance)	Member	4	4

V) IPO Committee

The Board of Directors in its 284th Meeting held on December 07, 2018 constituted IPO Committee comprising of Shri B.B Singh, CMD as Chairman, Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial), Shri. Subrata Sarkar, Director (Finance) and Dr. R.S Yeli, Independent Director, as members.

During the year, one IPO Committee meeting was held on March 27, 2019.

The Committee was subsequently dissolved after the IPO was achieved successfully.

सहायक कंपनियां

आज की तिथि में फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) कंपनी की एक सहायक कंपनी है। एफएसएनएल के निदेशक मंडल की बैठक के कार्यवृत्त को कंपनी के निदेशक मंडल की बैठकों से में प्रस्तुत किया जाता है।

आम निकाय बैठकें

(क) पिछले तीन वार्षिक आम बैठकों का विवरण इस प्रकार है:

बैठक संख्या	स्थल	तिथि एवं समय	पारित विशेष संकल्प
51वीं	225सी, एजेसी बोस रोड, कोलकाता में अवस्थित एमएसटीसी लिमीटेड का पंजीकृत कार्यालय	28सितम्बर, 2016 11:00 घंटे पर	हाँ
52वीं	225सी, एजेसी बोस रोड, कोलकाता में अवस्थित एमएसटीसी लिमीटेड का पंजीकृत कार्यालय	21सितम्बर, 2017 11:00 घंटे पर	नहीं
53वां	225सी, एजेसी बोस रोड, कोलकाता में अवस्थित एमएसटीसी लिमीटेड का पंजीकृत कार्यालय	26सितम्बर, 2018 11:00 घंटे पर	नहीं
ईजीएम	225सी, एजेसी बोस रोड, कोलकाता में अवस्थित एमएसटीसी लिमीटेड का पंजीकृत कार्यालय	26 दिसम्बर, 2018 11:00 घंटे पर	हाँ

(ख) असामान्य आम बैठक में शेयरधारकों ने निम्नलिखित मदों के लिए विशेष संकल्प पारित किया है:

(i) एसोसिएशन के लेखों के कैपिटल क्लॉज 2 (i) के बदलाव के परिणामस्वरूप अधिकृत पूंजी को ₹ 500 मिलियन से बदलकर ₹ 1500 मिलियन कर दिया गया है।

(ii) अटिर्कल ऑफ एसोसिएशन के नए सेट को अपनाने के लिए।

(ग) पोस्टल बैलेट के माध्यम से पिछले साल कोई विशेष संकल्प पारित नहीं किया गया तथा आगामी एजीएम में पोस्टल बैलट के माध्यम से कोई विशेष संकल्प प्रस्तावित नहीं किया गया है।

प्रकटीकरण

1. कंपनी के हितों के साथ बड़े पैमाने पर संभावित संघर्ष होने वाले भौतिक रूप से महत्वपूर्ण पार्टी संबंधी लेन-देन पर प्रकटीकरण :

बोर्ड ने पार्टी लेनदेन से सम्बंधित भौतिकता एवं संबंधित पार्टियो के साथ डिलिंग महत्वपूर्ण पर विषयों पर एक नीति का अनुमोदन किया है जिसे कम्पनी के वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर प्रदर्शित किया गया है।

2. सेबीलिस्टिंग विनियमनों के विनियमन 26 (5) के अनुरूप वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा प्रकटीकरण :

मार्च, 2019 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष हेतु कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक ने निदेशक मंडल को पुष्टि किया है कि उनके पास व्यक्तिगत हित से सम्बंधित कोई सामग्री, वित्तीय और वाणिज्यिक लेनदेन शामिल नहीं हैं जो बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के साथ प्रभावित होता हो।

3. कानून के अनुपालन पर प्रकटीकरण :

कंपनी ने पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजारों से संबंधित सभी मामलों पर स्टॉक एक्सचेंजों, सेबी और अन्य सांविधिनक प्राधिकरणों की अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी मामले पर सेबी, स्टॉक एक्सचेंज या किसी भी सांविधिनक प्राधिकरण द्वारा कोई दंड या सख्ती नहीं लगाई गई थी।

SUBSIDIARY COMPANIES

The Company has one subsidiary as on date, namely, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL). The Minutes of Meetings of the Board of Directors of FSNL is placed before the Meetings of the Board of Directors of the Company.

GENERAL BODY MEETINGS

(a)The details of last three Annual General Meetings are as follows:

Meeting No	Venue	Date & Time	Special Resolution Passed
51st	Registered office of MSTC Limited Located at 225C, AJC Bose Road, Kolkata - 700020	28th September, 2016 at 11:00 Hrs.	Yes
52nd	Registered office of MSTC Limited Located at 225C, AJC Bose Road Kolkata - 700020	21st September, 2017 at 11:00 Hrs.	No
53rd	Registered office of MSTC Limited Located at 225C, AJC Bose Road, Kolkata - 700020	26th September, 2018 at 11:00 Hrs	No
EGM	Registered office of MSTC Limited Located at 225C, AJC Bose Road, Kolkata - 700020	26th December, 2018 at 11:00 Hrs.	Yes

(b) The Shareholders in the Extraordinary General Meeting have passed special resolutions for the following items:

(i) To alter the capital clause 2(i) of the Articles of Association resulting in altering Authorized Capital from ₹ 500 Million to ₹1500 Million.

(ii) To adopt the new set of Article of Association.

(c) No special resolution was passed last year through postal ballot and no special resolution is proposed to be passed through Postal Ballot in the ensuing AGM.

Disclosures

1. Disclosures on materially significant related party transactions that may have potential conflict with the interest of the company at large :

The Board has approved a policy on materiality of related party transactions and on dealing with related parties and the same is posted on the company's website at www.mstcindia.co.in

2. Disclosure by senior management in accordance with Regulation 26(5) of the SEBI Listing Regulations :

For the Financial year ended 31st march, 2019 the senior Management Personnel of the Company has confirmed to the Board of Directors that they do not have any personal interest relating to material, financial and commercial transactions entered Into with the company that may have a potential conflict with the interests of the company at large.

3. Disclosures on Compliance of Law :

The Company has complied with the Mandatory requirements of the stock exchanges, SEBI and other statutory authorities on all matters related to capital markets during the last three years. No penalties or strictures were imposed by SEBI, stock exchanges, or any statutory authorities on any matter related to capital markets during the last three years.

4. सतर्कता तंत्र/व्हिसल ब्लोअर नीति:

अपने निदेशकों और कर्मचारियों के लिए कंपनी के काम करने की पद्धतियों और उसकी नीतियों में किसी प्रकार के उल्लंघन के बारे रिपोर्ट करने के लिए कंपनी की व्हिसल ब्लोअर नीति/सतर्कता तंत्र कंपनी के वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर पोस्ट किया गया है। सतर्कता तंत्र, निदेशकों या कर्मचारियों या किसी कर्मचारियों या किसी अन्य व्यक्ति के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपायों की व्यवस्था करता तथा लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष तक सम्पर्क स्थापित करता है। किसी भी कार्मिक को लेखा परीक्षा समिति तक सम्प्रेषण करने से इनकार नहीं किया गया है।

5. भीतरी ट्रेडिंग प्रथाओं की रोकथाम का कोड

इनसाइडर ट्रेडिंग के निषेध पर सेबी विनियमन के अनुपालन में, कंपनी को अपने निदेशकों के लिए एक व्यापक आचार संहिता और वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों के लिए आचार संहिता का एक व्यापक कोड रखना पड़ता है। कोड दिशानिर्देशों निर्धारित करता है, जो उन्हें पालन की जाने वाली प्रक्रियाओं पर सलाह देता है और कंपनी के शेयरों का निपटान करते समय प्रकट किया जाता है। अन्य मामलों के अलावा, कोड स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करता है, कंपनी के निदेशक और निर्दिष्ट कर्मचारी केवल ट्रेडिंग विंडो ओपन पीरियड के दौरान कंपनी के शेयरों का व्यापार कर सकते हैं। कोड के अनुसार परिणाम, लाभांश और अन्य सामग्री की घटनाओं की घोषणा के समय के दौरान ट्रेडिंग विंडो बंद रहता है जिसे कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर पोस्ट किया गया है।

6. अनिवार्य आवश्यकताओं और गैर अनिवार्य आवश्यकताओं के अनुपालन का विवरण

सभी अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया गया है और गैर अनिवार्य आवश्यकताओं को रिपोर्ट के अंत में निपटाया गया है।

7. 'सामग्री' सहायकों के निर्धारण के लिए नीति

कंपनी ने 'सामग्री' सहायकों के निर्धारण के लिए नीति अपनाई है और इसे कंपनी की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक www.mstcindia.co.in पर पोस्ट किया गया है:

8. कमोडिटी मूल्य जोखिम या विदेशी मुद्रा जोखिम और हेजिंग गतिविधियां

कंपनी पर लागु नहीं है ।

9. प्रबंध निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी से प्रमाणपत्र

31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए सेबी लिस्टिंग विनियमन के नियम 17 (8) के संदर्भ में श्री बम बहादुर सिंह, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक और श्री सुब्रत सरकार, मुख्य वित्तीय अधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र कंपनी के निदेशक मंडली के समक्ष रखा गया था।

10. आचार संहिता

कंपनी अधिनियम, 2013 में निर्धारित व्यावसायिक आचरण और आचार संहिता जो स्वतंत्र निदेशकों के कर्तव्यों में सम्मिलित है, को बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों को सेबी लिस्टिंग विनियमन के अनुसार लाने के लिए को बोर्ड द्वारा अपनाया गया है। कंपनी के बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए आचार संहिता कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर पोस्ट की गयी है। बोर्ड के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वार्षिक आधार पर संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। सेबी लिस्टिंग नियमों के संदर्भ में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित इस सम्बंध में की गयी घोषणा इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

4. Vigilance Mechanism/Whistle Blower Policy :

The Company has a Whistle Blower Policy/Vigil Mechanism which is hosted on the Website of the company at www.mstcindia.co.in for its directors and employees to report their concerns about the company's working or about any violation of its policies. The Vigil mechanism provides for adequate safeguards against victimization of Director(s) or Employee(s) or any other person who avail the mechanism and also provide direct access to the chairperson of the Audit Committee. No personnel have been denied any access to the Audit Committee.

5. Code of Prevention of Insider Trading Practices

In compliance with the SEBI Regulation on prohibition of Insider Trading, the Company has in place a comprehensive code of conduct for its Directors and Senior Management Officers. The code lays down guidelines, which advises them on procedures to be followed and disclosures to be made, while dealing with the shares of the company. The code clearly specifies, among other matters, that directors and specified employees of the company can trade in the shares of the company only during ' trading window open period'. The trading window is closed during the time of declarartion of results, dividend and other material events, as per the code and the same is posted on the website of the company at www.mstcindia.co.in.

6. Details of Compliance with mandatory requirements and adoption of non mandatory requirements

All mandatory requirements have been complied with and the non mandatory requirements are dealt with at the end of the Report.

7. Policy for determining 'material' subsidiaries

The Company has adopted Policy for determining 'material' subsidiaries and the same is posted on the Company's website at the following link www.mstcindia.co.in

8. Commodity price risk or foreign exchange risk and hedging activities

Not applicable to the Company.

9. Certificate from the Managing Director and the Chief Financial Officer

Certificate from Shri Bam Bahadur Singh, Chairman Cum Managing Director and Shri Subrata Sarkar, Chief Financial Officer, in terms of Regulation 17(8) of the SEBI Listing Regulations for the financial year ended 31st March, 2019 was placed before the Board of Directors of the Company.

10. Code of Conduct

A Code of Business Conduct and Ethics for Members of the Board and Senior Management Personnel which suitably incorporates the duties of Independent Directors as laid down in the Companies Act, 2013, has been adopted by the Board, to bring it in line with the SEBI Listing Regulations. The Code of Conduct for Board Members and Senior Management Personnel of the Company is posted on the Company's website at www.mstcindia.co.in. All Board Members and Senior Management Personnel have affirmed compliance with the Code on an annual basis. A declaration to this effect signed by the Chairman cum Managing Director in terms of SEBI Listing Regulations forms a part of this Report.

11. अधिनियम की धारा 149 (6) और सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 16 (1) (बी)के अधीन स्वतंत्र निदेशकों द्वारा घोषणा

कंपनी ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, अधिनियम की धारा 149 (6) और सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 16 (1) (बी)के अधीन स्वतंत्र निदेशकों यथा डॉ टी.वी.मुरलीवल्लभन, डॉ आर.एस.येली, श्री गंगाराम अलोरिया, श्रीमती प्रभाती परिदा तथा श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी से घोषणाएँ प्राप्त की।

12. सांविधिक लेखा परीक्षक और सभी नेटवर्क फर्म/नेटवर्क इकाई जिसका सांविधिक लेखा परीक्षक एक हिस्सा है को समेकित आधार पर कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा भुगतान की गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क :

कृपया मेसर्स डी.के. छाजर एण्ड कंपनी द्वारा लिए गए कुल भुगतान/उपगत शुल्क हेतु स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में लेखा परीक्षकों को भुगतान पर टिप्पणी 30 का संदर्भ ग्रहण करें। इसके अतिरिक्त, कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों ने कंपनी या उसकी सहायक कंपनियों को कोई सेवा प्रदान नहीं की है।

13. लाभांश वितरण नीति

कंपनी ने सेबीलिस्टिंग विनियमों के विनियमन 43ए के अनुसार एक लाभांश वितरण नीति का गठन किया है। नीति को बोर्ड की रिपोर्ट में विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया है और कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर निम्न लिंक के साथ पोस्ट किया गया है :

संचार के माध्यम

1. वित्तीय परिणाम

कंपनी के तिमाही परिणामों को वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार नियत समय के भीतर घोषित किया गया और स्टॉक एक्सचेंजों को भेज दिया गया। ये परिणाम अंग्रेजी, हिंदी बांग्ला के प्रमुख अखबारों में भी प्रकाशित किये गए हैं।

2. समाचार प्रकाशन

जब भी कंपनी कोई भी प्रेस विज्ञप्ति जारी करती है, तो उसे तुरंत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ-साथ कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया जाता है। कंपनी तिमाही परिणाम, आधिकारिक समाचार रिलीज़ और संस्थागत निवेशकों या विश्लेषकों के लिए प्रस्तुतिकरण सहित अपने प्रदर्शन के बारे में प्रमुख जानकारी अपनी वेबसाइट - www.mstcindia.co.in पर अपने शेयरधारकों तथा बड़े पैमाने पर जनता के लाभ के लिए नियमित रूप से प्रस्तुत करती है। साथ ही साथ स्टॉक एक्सचेंजों को भी सूचना दी जाती है।

स्वतंत्र निदेशकों की बैठकें

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VI और सेबी (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015, के विनियमन 25 (3) के अनुसार, कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक 29 मार्च, 2019 को हुई थी। स्वतंत्र निदेशकों ने प्रबंधन और बोर्ड और इसकी समितियों के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और समयबद्धता की समीक्षा की, जो प्रभावी ढंग से और यथोचित प्रदर्शन और उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए आवश्यक है।

कंपनी बोर्ड बैठक में किए गए आवधिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से व्यापार प्रदर्शन, लंबी अवधि की रणनीतियों और जोखिम में की जाने वाली पहल के माध्यम एक संरचित अभिविन्यास और परिचित कार्यक्रम का अनुपालन करती है।

11. Declaration by Independent Directors under Section 149(6) of the Act and Regulation 16(1)(b) of the SEBI Listing Regulations

During the financial year ended 31st March, 2019, the Company received declarations in terms of the provisions of Section 149(6) of the Act and Regulation 16(1)(b) of the SEBI Listing Regulations from the following Independent Directors namely, Dr. T. V. Muralivallabhan, Dr. R.S Yeli, Shri Gangaram Aloria, Smt. Pravati Parida, and Smt. Aparna Chaturvedi.

12. The Total fees for all services paid by the Company and its subsidiaries, on a consolidated basis, to the statutory Auditor and all entities in the network firm/network entity of which the Statutory Auditor is a part:

Please refer Note 30 on payments to Auditors in standalone financial statements for total payment/accrual of fees charged by M/s. D. K. Chhajer & Co. Other than that, Statutory Auditors of the Company have not provided any service to the company or its subsidiaries.

13. Dividend Distribution Policy

The Company has formulated a Dividend Distribution Policy in accordance with Regulation 43A of the SEBI Listing Regulations. The policy has been detailed in the Boards' Report and is posted on the Company's website at the following link www.mstcindia.co.in

MEANS OF COMMUNICATION

1. Financial Results

The quarterly results of the Company were announced within due time as per the statutory requirements and were sent to the Stock Exchanges. These results ware also published in the leading English, Hindi and Bengali newspapers,

2. News Releases

Whenever the Company issues any press release, it is immediately sent to the Stock Exchanges as well as posted on the Company's website. The Company also puts forth the key information about the Company and its performance, including quarterly results, official news releases and presentations made to institutional investors or analysts, on its website - www.mstcindia.co.in regularly for the benefit of its shareholders and the public at large. The intimations are also given to the Stock Exchanges simultaneously.

Meetings of Independent Directors

Pursuant to Schedule VI of the Companies Act, 2013 and as per Regulation 25(3) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, a separate meeting of the independent directors of the company was held on March 29, 2019. The Independent Directors reviewed the quality, quantity and timeliness of the flow of information between the Management and the Board and its Committees, which is necessary to effectively and reasonably perform and discharge their duties.

The Company follows a structured orientation and familiarization program through periodic representations made at the Board meeting on business performance, long term strategic initiatives and risk involved.

शेयरधारकों की सूचना

(क) वार्षिक सामान्य बैठक:

वर्ष 2018-19 हेतु वार्षिक सामान्य बैठक 25 सितम्बर, 2019 को 11.00 बजे पूर्वाह्न हॉल सं. 6, विश्व बंगला कॉनवेंशन सेंटर, डी.जी. ब्लॉक (न्यू टाउन), एक्शन एरिया-1, पश्चिम बंगाल- 700156 में आयोजित होगी।

(ख) वित्तीय वर्ष: प्रति वर्ष । अप्रैल से 31 मार्च तक।

वर्ष 2019-20 के लिए तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणाम को अनुमोदित करने के लिए वित्तीय कैलेंडर नीचे दिया गया है :

तिमाही समाप्त 30 जून, 2019 - 14.08.2019 को या उससे पूर्व

तिमाही समाप्त 30 सितम्बर, 2019 - 14.11.2019 को या उससे पूर्व

तिमाही समाप्त 31 दिसम्बर, 2019 - 14.02.2020 को या उससे पूर्व

तिमाही तथा वार्षिक समाप्ति 31 मार्च, 2020 - 30.05.2020 को या उससे पूर्व

(ग) बही बंद तिथि : 18 सितम्बर, 2019 - 25 सितम्बर, 2019

(घ) लाभांश इतिहास :

एमएसटीसी लगातार लाभांश का भुगतान करता रहा है। पिछले सात वर्षों में एमएसटीसी द्वारा दिए गए लाभांश का विवरण इस प्रकार है;

(₹ मिलियन)

वित्तीय वर्ष	लाभांश के प्रकार	%	31.03.2019 को अदावित लाभांश की राशि	लाभांश की कुल राशि
2017-18	अंतिम	74	8.17	260.48
2016-17	अंतरिम	95	1.26	167.20
2016-17	अंतिम	71	2.72	124.96
2015-16	अंतिम	102.50	1.45	90.20
2014-15	अंतिम	207	1.28	182.16
2012-13	अंतिम	300	1.47	264.00
2011-12	अंतिम	1077	1.49	236.94

निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरण:

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 के अनुसार ऐसे सभी लाभांश जो अभुगतेय लाभांश खाता में स्थांनतरण की तिथि से लगातार सात वर्षों से अभुगतेय/दावित नहीं किये गये हों को केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा एवं सरक्षण निधि (आईईपीएफ) के नाम पर हस्तांतरित किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए दावा नहीं किया गया लाभांश आईईपीएफ को हस्तांतरित कर दिया गया।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124 (6) के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसारऐसे सभी शेयर जिनके संबंध में लगातार सात वर्षों य उस से अधिक तक लाभांश का भुगतान या दावा नहीं किया गया को कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं सरक्षण निधि के नाम पर हस्तांतरित किया जाएगा।

आईईपीएफ नियमों के अनुपालन में, कंपनी ऐसे सभी अंशधारकों को लाभांश का दावा करने के अनुरोध सहित अनुस्मारक पत्र भेजती है, जिनका लाभांश 7 वर्षों की निरंतर अवधि तक अभुगतेय/अनक्लेम्ड पड़ा हुआ है, जिसके न होने पर शेयरों को देय तिथि पर आईईपीएफ प्राधिकरण में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

Shareholder's Information

(A) Annual General Meeting :

The Annual General Meeting for the Year 2018-19 will be held on 25th September, 2019 at 11.00 a.m. at Hall No. 6, Biswa Bangla Convention Centre, DG Block (New Town), Action Area - I, West Bengal - 700156.

(B) Financial Year : From 1st April to 31st March of every year.

The financial calendar to approve quarterly / annual financial result for the year 2019-20 is given below :

Quarter ending 30th June 2019- on or before 14.08.2019

Quarter ending 30th September 2019- on or before 14.11.2019

Quarter ending 31st December 2019- on or before 14.02.2020

Quarter and year ending 31st March 2020- on or before 30.05.2020

(C) Book Closure Date: 18th September, 2019 to 25th September, 2019

(D) Dividend History :

MSTC has been paying dividend consistently. The details of dividend paid by MSTC in the last seven years are as follows;

(₹ In Million)

Financial year	Type of Dividend	%	Amount of unclaimed dividend as on 31.03.2019	Total amount of Dividend
2017-18	Final	74	8.17	260.48
2016-17	Interim	95	1.26	167.20
2016-17	Final	71	2.72	124.96
2015-16	Final	102.50	1.45	90.20
2014-15	Final	207	1.28	182.16
2012-13	Final	300	1.47	264.00
2011-12	Final	1077	1.49	236.94

Transfer to Investor Education and Protection Fund

Section 124 of the Companies Act, 2013 provides that any dividend that has remained unpaid / unclaimed for a period of seven years from the date of transfer to unpaid dividend account shall be transferred to the Investor Education and Protection Fund (IEPF) established by Central Government.

Unclaimed dividend for the FY 2010-11 was transferred to the IEPF.

Section 124(6) of the Companies Act, 2013 read with rules made thereunder provide that all shares in respect of which dividend has not been paid or claimed for seven consecutive years or more shall be transferred by the Company in the name of Investor Education and Protection Fund.

In compliance of the IEPF Rules, the Company sends reminder letter to all such shareholders, whose dividend has remained unpaid /unclaimed for a consecutive period of 7 years with a request to claim the dividends, failing which the shares wouldbe transferred to the IEPF Authority on the due date.

तदनुसार, ऐसे सभी शेयर जिनके संबंध में वित्त वर्ष 2011-12 से 2017-18 के लिए लाभांश दावारहीत था, उन्हें आईईपीएफ प्राधिकरण के डीमैट खाते में स्थानांतरित कर दिया गया था। ऐसे शेयरों का विवरण कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर प्रदर्शित किया जाता है।

आईईपीएफ को हस्तांतरित किए गए लाभांश/शेयरों के संबंध में, शेयरधारक आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईईपीएफ प्राधिकरण से उसी का दावा कर सकते हैं। ये नियम आईईपीएफ की वेबसाइट (www.iepf.gov.in) और कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध हैं।

सेबी (सूचीकरण और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की अनुसूची V (एफ) यथा अपेक्षित डिमैट सस्पेंस खाता/अनक्लेम्ड सस्पेंस खाते के संबंध में प्रकटीकरण:

विवरण	शेयरधारकों की संख्या	इक्विटी शेयरों की संख्या
क) 1 अप्रैल, 2018 तक अनक्लेम्ड सस्पेंस अकाउंट में पड़े बकाया शेयर तथा शेयरधारकों की कुल संख्या	-	-
ख) वर्ष के दौरान अनक्लेम्ड सस्पेंस खाते से शेयरों के हस्तांतरण के लिए कंपनी से संपर्क करने वाले शेयरधारकों की संख्या	-	-
ग) वर्ष के दौरान अनक्लेम्ड सस्पेंस खाते से शेयर स्थानांतरित किए गए शेयरधारकों की संख्या	-	-
घ) कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के सामान्य परिपत्र संख्या 12/2017 दिनांक 16 अक्टूबर, 2017 के संदर्भ में उन शेयरधारकों की संख्या जिनके अनक्लेम्ड लाभांश आईईपीएफखाते में स्थानांतरित कर दिए गए थे	1	3200
ङ.) 31 मार्च, 2019 तक अनक्लेम्ड सस्पेंस अकाउंट में पड़े बकाया शेयर तथा शेयरधारकों की कुल संख्या टिप्पणी : एमएसटीसी ने वर्ष 2018-19 में बोनस शेयर जारी किया और डीमैट मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को 11/01/2019 को शेयर आवंटित किया। यद्यपि, भौतिक मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से संबंधित बोनस शेयर एमएसटीसी अनक्लेम्ड सस्पेंस अकाउंट में स्थानांतरित कर दिए गए थे। एमएसटीसी अनक्लेम्ड सस्पेंस अकाउंट में शेष दिखाया गया है।	148	1917153
च) यह इस बात की पुष्टि करता है कि इन शेयरों पर मतदान अधिकार रुका रहेंगे जब तक कि ऐसे शेयरों के असली मालिक का दावा न हो जाए।		

(ङ) स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्धता

कंपनी के इक्विटी शेयर निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

नाम व पता	स्टॉक कोड
बीएसई लिमिटेड पी.जे. टावर्स, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट मुम्बई - 400001	542597
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) एक्सचेंज प्लाजा , सी-1, जी ब्लॉक, बांद्रा - कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुम्बई - 400051	एमएसटीसीएलटीडी

Accordingly, all such shares in respect of which dividend had remained unclaimed for the FY 2011-12 to 2017-18 were transferred to the demat account of the IEPF authority. The details of such shares are hosted on the website of the company at www.mstcindia.co.in.

In respect of dividend/Shares which have been transferred to IEPF, shareholders can claim the same from IEPF authority by following the procedure prescribed under IEPF Authority (Accounting, Audit, Transfer and Refund) Rules, 2016. These Rules are available on the website of IEPF (www.iepf.gov.in) and Company's website www.mstcindia.co.in.

Disclosure with respect to demat suspense account / unclaimed suspense account as required under Schedule V (F) of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015:

Particulars	No. of Shareholders	No. of Equity Shares
a) Aggregate number of shareholders and the outstanding shares lying in the Unclaimed Suspense Account as on 1st April, 2018	-	-
b) Number of shareholders who approached the Company for transfer of shares from the Unclaimed Suspense Account during the year.	-	-
c) Number of shareholders to whom the shares were transferred from the Unclaimed Suspense Account during the year.	-	-
d) Number of shareholders whose unclaimed dividends were transferred to the IEPF account in terms of Ministry of Corporate Affairs General Circular No. 12/2017 dated 16th October, 2017.	1	3200
e) Aggregate number of shareholders and the outstanding Shares lying in the Unclaimed Suspense Account as on 31st March, 2019. Note: MSTC Limited issued Bonus Shares in the year 2018-19 and allotted the shares on 11/01/2019 to the shareholders who were holding shares in the demat mode. However, the bonus shares pertaining to the shareholders who were holding shares in physical mode were transferred to "MSTC Limited Unclaimed Suspense Account". Balance in "MSTC Limited Unclaimed Suspense Account" is shown.	148	1917153
f) It is hereby confirmed that the voting rights on these shares shall remain frozen till the rightful owner of such shares claims the shares.		

(E) Listing on Stock Exchanges

The Equity Shares of the Company are listed on the Following Stock Exchanges:

Name & Address	Stock Code
BSE Limited P.J. Towers, Dalal Street, Fort, Mumbai- 400001	542597
National Stock Exchange of India Limited (NSE) Exchange Plaza, C-1, G Block, Bandra - Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai - 400051	MSTCLTD

(च) शेयर जारी और स्थानांतरण अभिकरणों का रजिस्ट्रार :

अलंकित एशाइनमेंट्स लिमिटेड
205-208, अनारकली कॉम्पलेक्स, झंडेवालन एक्सटेंशन,
नई दिल्ली-110 055
दूरभाष : +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200
ई-मेल: sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com
निवेशक शिकायत ई-मेल: mstcigr@alankit.com
वेबसाइट: www.alankit.com
सम्पर्क अधिकारी : एस.अरुणराज/शचीन गुप्ता
सेबी पंजीकरण संख्या: INR000002532

(छ) शेयर हस्तांतरण प्रणाली

कंपनी के शेयरों का गैर भौतिक रूप में कारोबार किया जाता है। स्थानांतरण के लिए भेजे गए शेयरों को निर्धारित अवधि के भीतर पंजीकृत किया जाता है। आपत्ति के तहत शेयरों को उचित सुधार के लिए निर्धारित अवधि के भीतर लौटा दिया जाता है। समय-समय पर शेयरधारकों से प्राप्त डिमटेरियलाइजेशन/रीमेट्रलाइजेशन/ट्रांसफर/ट्रांसमिशन/स्प्लिटिंग/कंसॉलिडेशन/शेयर सर्टिफिकेट्स के रिसीव करने आदि से संबंधित अनुरोधों को मंजूरी देने के लिए कंपनी की स्टेकहोल्डर रिलेशनशिप समिति है।

(ज) शेयर और लिक्विडिटी का डिमटेरियलाइजेशन

31 मार्च 2019 तक, इक्विटी शेयरों का 98.15% एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ डिमटेरियलाइजेशन रूप में धारण किया जाता है। विवरण निम्नानुसार है:

फार्म	शेयरों की संख्या	प्रतिशत (%)
सीडीएसएल में डिमटेरियलाइज्ड रूप में धारित	30,75,565	4.37
एनएसडीएल में डिमटेरियलाइज्ड रूप में धारित	6,60,23,282	93.78
भौतिक रूप में धारित	13,01,153	1.85

(झ) सूची शुल्क

वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक सूची शुल्क, यथा प्रयोज्य, स्टॉक एक्सचेंजों को भुगतान कर दिया गया हैं।

(ञ) स्टॉक मार्केट की जानकारी

29 मार्च, 2019 को कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई के साथ सूचीबद्ध हैं।

(ट) स्टॉक मार्केट प्राईस डेटा

कंपनी के शेयर 29 मार्च, 2019 को सूचीबद्ध हुई। उस तिथि के अनुसार, बीएसई और एनएसई में उच्च एवं निम्न मूल्य निम्नानुसार है:

(F) Registrar to Issue and Share Transfer Agents:

Alankit Assignments Limited
205-208, Anarkali Complex, Jhandewalan
Extension, New Delhi -110 055
Tel : +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200
E-mail : sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com
Investor Grievance E-mail : mstcigr@alankit.com
Website : www.alankit.com
Contact Person : S. Arunraj/Sachin Gupta
SEBI Registration No. : INR000002532

(G) Share Transfer System

The Shares of the Company are traded in dematerialized form. Shares sent for transfer are registered within stipulated period. Shares under objection are returned within the stipulated period seeking suitable rectification. The Company has a Stakeholders Relationship Committee for approving requests related to Dematerialization /Rematerialization/ Transfer/ Transmission/ Splitting/Consolidation/ Reissue of Share Certificates etc. received from the shareholders from time to time.

(H) Dematerialization of Share and Liquidity

As on 31st March 2019, 98.15% of the Equity Shares are held in dematerialized form with NSDL and CDSL. The details are as under:

Form	No. of Shares	Percentage (%)
Held in Dematerialized form in CDSL	30,75,565	4.37
Held in Dematerialized form in NSDL	6,60,23,282	93.78
Held in Physical Form	13,01,153	1.85

(I) Listing Fees

Annual Listing fees for the year 2018-19, as applicable, have been paid to the Stock Exchanges.

(J) Stock Market Information

The shares of the Company are listed with BSE and NSE on 29th March, 2019.

(K) Stock Market Price Data

The shares of the Company are listed on 29th March, 2019. High and low price in BSE and NSE as on that date are as follows:

माह Month	बीएसई लिमिटेड BSE LIMITED			एनएसई लिमिटेड NSE LIMITED		
	उच्च (प्रति शेयर) High(Per Share)	निम्न (प्रति शेयर) Low (per Share)	मात्रा Volume	उच्च (प्रति शेयर) High(Per Share)	निम्न (प्रति शेयर) Low (per Share)	मात्रा Volume
मार्च March, 2019	116.55	110.05	74590	120	111	421066

(ठ) बकाया जीडीआर / एडीआर / वारंट या कोई परिवर्तनीय उपकरण, रूपांतरण की तारीख और इक्विटी पर संभावित प्रभाव

- शून्य

(ड) कंपनी का सीआईएन : L27320WB1964GOI026211

(ढ) डीमैट आईएसआईएन संख्या : INE255X01014

(L) Outstanding GDRs/ADRs/Warrants or any convertible instruments, conversion date and likely impact on equity

- NIL

(M) CIN of Company: L27320WB1964GOI026211

(N) Demat ISIN No: INE255X01014

(ण) संचार पता :

शेयरों के हस्तांतरण या प्रसारण के बारे में किसी भी सहायता, अनुरोध या निर्देश के लिए, शेयरों का डीमैटरियलाइजेशन, पते का परिवर्तन, वार्षिक रिपोर्ट की गैर-प्राप्ति, लाभांश वारंट और कंपनी से संबंधित किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, निवेशक कृपया निम्नलिखित पते पर लिख सकते हैं :

कंपनी सचिव व अनुपालन अधिकारी
एमएसटीसी लिमिटेड
225-सी, ए. जे. सी. बोस रोड,
कोलकाता - 700020, पश्चिम बंगाल, भारत
Tel: +91-33- 2281-3088
ई-मेल: cosec@mstcindia.co.in

(O) Address for Communication:

For any assistance, request or instruction regarding transfer or transmission of shares, dematerialization of shares, change of address, non-receipt of annual report, dividend warrant and any other query relating to the company, the investors may please write to the following address :

Company Secretary & Compliance Officer
MSTC Limited
225-C, A. J. C. Bose Road,
Kolkata - 700020, West Bengal, India
Tel: +91-33- 2281-3088
Email: cosec@mstcindia.co.in

(त) 31 मार्च, 2019 को आकार के आधार पर शेयर होल्डिंग का वितरण

(P) Distribution of Shareholding by Size as on 31st March, 2019

संवर्ग (शेयर) Category (Shares)		शेयरधारक Shareholders		शेयरों की संख्या Number of Shares	
से From	तक To	संख्या Number	%	संख्या Number	%
1	100	17388	95.25	1558101	2.21
101	500	364	1.99	102182	0.15
501	1000	119	0.65	96776	0.14
1001	5000	232	1.27	538915	0.77
5001	10000	44	0.24	338788	0.48
10001	20000	28	0.15	409397	0.58
20001	30000	14	0.08	333372	0.47
30001	40000	17	0.09	557356	0.79
40001	50000	9	0.05	398906	0.57
50001	100000	20	0.11	1398801	1.99
100001	500000	10	0.06	2253724	3.20
500001	ABOVE	11	0.06	62413682	88.66

(छ) कंपनी द्वारा प्राप्त सभी क्रेडिट रेटिंग की सूची:

(Q) List of All Credit Rating Obtained by the Company:

(i) केयर रेटिंगस लिमिटेड द्वारा क्रेडिट रेटिंग:

क्रम संख्या	विवरण	₹ मिलियन में	रेटिंग अभिकरण	रेटिंगस
1.	दीर्घकालिक सुविधाएँ	6200	केयर रेटिंगस लिमिटेड	केयर बीबीबी ; स्टैबल (ट्रिपल बी; आउटलूक : स्टैबल)
2.	अल्पकालिक सुविधाएँ	48800	केयर रेटिंगस लिमिटेड	केयर ए3+(एथ्री प्लस)
	Total	**55000**		

(I) Credit Rating by CARE Ratings Limited

Sr. No.	Particulars	₹ In Million	Rating Agency	Rating
1.	Long Term facilities	6200	CARE Ratings Limited	CARE BBB; Stable (triple B; Outlook : Stable)
2.	Short Term facilities	48800	CARE Ratings Limited	CARE A3+ (A Three Plus)
	Total	**55000**		

(II) एक्युट रेटिंगस एंड रिसार्च लिमिटेड द्वारा क्रेडिट रेटिंग :

क्रम संख्या	विवरण	₹ मिलियन में	रेटिंग अभिकरण	रेटिंग
1.	दीर्घकालिक सुविधाएँ	6200	एक्युट रेटिंगस एंड रिसार्च लिमिटेड	एक्युट A+
2.	अल्पकालिक सुविधाए	48800	एक्युट रेटिंगस एंड रिसार्च लिमिटेड	एक्युट A1+
	Total	**55000**		

(II) Credit Rating by Acuite Ratings & Research Limited:

Sr. No.	Particulars	₹ In Million	Rating Agency	Rating
1.	Long Term facilities	6200	Acuite Ratings & Research Limited	ACUITE A+
2.	Short Term facilities	48800	Acuite Ratings & Research Limited	ACUITE A1+
	Total	**55000**		

निदेशक मंडल की ओर से तथा के लिए

बी० बी० सिंह

(बी.बी.सिंह)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

For & on behalf of the Board of Directors

(B.B. Singh)

Chairman-cum-Managing Director

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) तथा मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) का प्रमाणीकरण

सेवा में,
निदेशक मंडल,
एमएसटीसी लिमिटेड

हम, अधोहस्ताक्षरी, एमएसटीसी लिमिटेड (कंपनी) में मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य वित्तीय अधिकारी के रूप में हमारी संबंधित क्षमताओं और अपनी जानकारी तथा विश्वास के साथ यह प्रमाणित करते हैं कि :

(क) हमने 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों और नकदी प्रवाह विवरण की समीक्षा अपनी जानकारी और विश्वास के साथ की है, हम कहना चाहते हैं कि :

(i) इन कथनों में कोई भौतिक रूप से असत्य कथन शामिल नहीं है या किसी भी भौतिक तथ्य को छिपाने या कोई भी बात गुमराह करने की कोशिश के लिए नहीं कही गयी है;

(ii) ये बयान कंपनी के मामलों के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण के साथ मौजूदा लेखांकन मानकों, लागू कानूनों और नियमों के अनुपालन में हैं।

(ख) हम आगे यह अभिव्यक्त करते हैं कि हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान कोई ऐसा लेन-देन नहीं किया गया है, जो धोखाधड़ी, अवैध या कंपनी के आचार संहिता का उल्लंघन करता हो।

(ग) हम एतद्द्वारा घोषणा करते हैं कि निदेशक मंडल और प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों ने कंपनी द्वारा अपनाए गए आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

(घ) हम कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रणों को स्थापित करने और उसे बनाए रखने तथा उसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए के लिए जिम्मेदार हैं तथा हमने लेखा परीक्षकों और लेखा परीक्षा समिति को, आंतरिक नियंत्रणों के अभिकल्पन या संचालन में कमियों, यदि कोई हो, का खुलासा किया है, तथा इन कमियों को सुधारने के लिए कदम उठाने या उठाये जाने का प्रस्ताव दिया है।

(ड.) हमने अपने सबसे बेहतरीन मूल्यांकन के आधार पर, जहां कहीं भी लागू हो, लेखा-परीक्षकों तथा लेखा-परीक्षा समिति को निम्नलिखित संकेत दिया है :

(i) वित्तीय रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्पपूर्ण बदलाव, यदि हो;

(ii) वर्ष के दौरान बनाई गई लेखांकन नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हो, तो वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में उसको प्रकट किया गया है; तथा

(iii) महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के उद्धरण जिनके बारे में हम जागरूक हो चुके हैं तथा प्रबंधन या कोई कर्मचारी जिसका वित्तीय रिपोर्टिंग पर कम्पनी के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका, यदि शामिल है।

सुब्रत सरकार
(सुब्रत सरकार)
मुख्य वित्तीय अधिकारी व निदेशक (वित्त)

बी० बी० सिंह
(बी.बी.सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

स्थान : कोलकाता
तिथि : 17.07.2019

CHIEF EXECUTIVE OFFICER (CEO) & CHIEF FINANCIAL OFFICER (CFO) CERTIFICATION

To,
The Board of Directors,
MSTC Limited

We, the undersigned, in our respective capacities as Chief Executive Officer and Chief Financial Officer of MSTC Limited ('the Company'), to the best of our knowledge and belief certify that:

(a) We have reviewed the financial statements and the Cash flow statement for the financial year ended 31st March, 2019 and to the best of our knowledge and belief, we state that:

(i) These statements do not contain any matarially untrue statement or omit any material fact or contein any statements that might be misleading;

(ii) These statements together present a true and fair view of the Company's affairs and are in compliance with the existing accounting standards, applicable laws and regulations.

(b) We further state that to the best of our knowledge and belief, there are no transactions entered into by the Company during the year, which are fraudulent, illegal or violative of the Company's Code of Conduct.

(c) We hereby declare that all the members of the Board of Directors and Management Committee have confirmed compliance with the Code of Conduct as adopted by the Company.

(d) We are responsible for establishing and maintaining internal controls and for evaluating the effectiveness of the same over the financial reporting of the Company and have disclosed to the Auditors and the Audit Committee, deficiencies in the design or operation of internal controls, if any, of which we are aware and the steps we have taken or propose to take to rectify these deficiencies.

(e) We have indicated, based on our most recent evaluation, wherever applicable, to the Auditors and Audit Committee:

(i) significant changes, if any, in the internal control over financial reporting during the year;

(ii) significant changes, if any, in the accounting policies made during the year and that the same has been disclosed in the notes to the financial statements; and

(iii) instances of significent fraud of which we have become aware and the involvement therein, if any, of the management or an employee having significant role in the Company's internal control system over financial reporting.

Subrata Sarkar

Place : Kolkata
Date : 17.07.2019

(Subrata Sarkar)
Chief Financial Officer & Director (Finance)

(B. B. Singh)
Chairman & Managing Director

सीएमडी का प्रमाणीकरण

मैं घोषणा करता हूं कि भारत सरकार, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी किए गए बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और आचार संहिता को कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अपनाया गया था तथा सभी बोर्ड सदस्यों एवं वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा चालू वर्ष हेतु आचार संहिता की पुष्टि की गयी है।

निदेशक मंडल की ओर से तथा के लिए

बी० बी० सिंह

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

CMD'S CERTIFICATION

I declare that the Model Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management issued by the Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises was adopted by the Board of Directors of the Company and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the current year.

For & on behalf of Board of Directors

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala, Chinsurha
Hooghly-712101, W.B.

निगमित प्रशासन अनुपालन प्रमाण-पत्र

नैगम पहचान संख्या : L27320WB1964GOI026211

प्राधिकृत पूँजी : रुपये 150,00,00,000/-

सेवा में,
सदस्यगण,
एमएसटीसी लिमिटेड,
225/सी, ए.जे.सी. बोस रोड,
कोलकाता - 700020

मैंने भारतीय प्रतिभूति बोर्ड विनियम (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनयमन, 2015 तथा उसके संशोधन (सेबी लिस्टिंग विनियमन) की अनुसूची v की कंडिका सी, डी एवं ई तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर विनियम 17 से 27, विनियमन 46 के उप-विनियमन (2) के खंड (बी) से (आई) तक में यथा निर्दिष्ट कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन को प्रमाणित करने के उद्देश्य से 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के सभी प्रासंगिक रिकॉर्डों की जांच की है। मैंने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो प्रमाणन के उद्देश्य के लिए मेरे ज्ञान और विश्वास के लिए उत्कृष्ट थे।

कॉर्पोरेट प्रशासन का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी के अंतर्गत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर सेबी लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देश 2010 में निगमित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाओं का डिज़ाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है।

मेरे द्वारा की गयी जांच कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और कार्यान्वयन प्रक्रिया तक सीमित थी। यह कंपनी के वित्तीय विवरण पर न तो कोई लेखा-परीक्षा है और न ही कोई विचार है।

मैंने कंपनी के कॉर्पोरेट प्रशासन की आवश्यकताओं के अनुपालन पर उचित आश्वासन प्रदान करने के उद्देश्य से कंपनी द्वारा बनाए गए खाते और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की पुस्तकों की जांच की है।

प्रस्तुत किये गये अभिलेखों और स्पष्टीकरण तथा निदेशकों और प्रबंधन द्वारा दिये गये उक्तियों पर मेरे द्वारा की गयी जाँच के आधार पर मैं प्रमाणित करता हूं कि कंपनी ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु भारतीय प्रतिभूति बोर्ड विनियम (सूची निर्धारण और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनयमन, 2015 तथा उसके संशोधन (सेबी लिस्टिंग विनियमन) की अनुसूची v की कंडिका सी, डी एवं ई तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर विनियम 17 से 27, विनियमन 46 के उप-विनियमन (2) के खंड (बी) से (आई) तक में यथा निर्दिष्ट कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुसार पर्याप्त रिकार्ड रखा है तथा उनका अनुपालन किया है।

मैं आगे कहना चाहता हूं कि इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के लिए एक आश्वासन है और न ही प्रबंधन द्वारा संचालित कंपनी के मामलों की दक्षता या प्रभावशीलता है।

SAUMAYO JYOTI SEAL
KOLKATA
COMPANY SECRETARY C.P.-11169

स्थान :कोलकाता
दिनांक : 27/05/2019

सौम्यो ज्योति सील
अभ्यासरत कंपनी सेक्रेटरी
सी.पी.संख्या : 11169

email : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala, Chinsurha
Hooghly-712101, W.B.

CORPORATE GOVERNANCE COMPLIANCE CERTIFICATE

CORPORATE IDENTIFICATION NUMBER: L27320WB1964GOI026211

Authorized Capital: Rs. 150,00,00,000/-

To,
The Members of
MSTC Ltd.
225/C, A J C Bose Road
Kolkata- 700020

I have examined all the relevant records of MSTC Ltd. for the year ended 31st March, 2019 for the purpose of certifying compliance of the conditions of Corporate Governance as stipulated in Department of Public Enterprises (DPE) Guideline 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises and Regulation 17 to 27, clause (b) to (i) of sub-regulation (2) of Regulation 46 and para C, D and E of Schedule V of the Securities Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 and the amendment thereof ("SEBI Listing Regulation"). I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purpose of certification.

The compliance of Corporate Governance is the responsibility of the management. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control procedures to ensure compliance with the conditions of the Corporate Governance stipulated in the SEBI Listing Regulations and the DPE Guideline 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises.

My examination was limited to examining the procedure and implementation process adopted by the Company for ensuring the compliance of conditions of Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statement of the Company.

I have examined the books of account and other relevant records and documents maintained by the Company for the purpose of providing reasonable assurance on the compliance with Corporate Governance requirements of the Company.

On the basis of my examination of the records produced and the explanations and information furnished and the representations made by the Directors and management, I certify that the Company has maintained proper records and complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in DPE Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises and Regulation 17 to 27, clause (b) to (i) of sub-regulation (2) of Regulation 46 and para C, D and E of Schedule V of the Securities Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 and the amendment thereof for the financial year ending 31st March, 2019.

I further state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Company nor of the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Company.

Place: Kolkata
Date: 27/05/2019

SAUMAYO JYOTI SEAL
KOLKATA
COMPANY SECRETARY C.P.-11169

SAUMAYO JYOTI SEAL
Practicing Company Secretary
C.P. No.: 11169

email : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala, Chinsurha
Hooghly-712101, W.B.

निर्देशकों के अयोग्यता या रोक विवरण पर प्रमाणिकता

(भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड [सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ] विनियम, 2015 की अनुसूची V के पैरा सी के बिंदु 10 का खंड (i) का अनुपालन के लिए)

सेवा में,
सदस्यगण,
एमएसटीसी लिमिटेड,
225/सी, ए.जे.सी. बोस रोड,
कोलकाता - 700020

हमने निम्नलिखित दस्तावेजों की जाँच की है :

i. कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 164 के अंतर्गत आवश्यकता के लिए गैर-अयोग्यता की घोषणा करना

ii. वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए कंपनी के निदेशक मंडल को एमएसटीसी लिमिटेड के निदेशकों द्वारा प्रस्तुत अधिनियम (यहाँ प्रासंगिक दस्तावेजों के रूप में संदर्भित) की धारा 184 के तहत अपेक्षित प्रत्याशा या हितों का प्रकटीकरण करना। मैंने गैर-अयोग्यता पर अप्रतिरोधता को शामिल करने पर विचार किया है।

यह निदेशकों की जिम्मेदारी है कि वे अधिनियम के प्रावधान के अनुसार पूर्ण और सटीक जानकारी के साथ प्रासंगिक दस्तावेज प्रस्तुत करें।

कंपनी द्वारा मुझे उपलब्ध कराए गए प्रासंगिक दस्तावेजों और मेरे द्वारा आवश्यक और पर्याप्त समझे गये अन्य सत्यापन के आधार पर, मेरी राय में और मेरी जानकारी और ज्ञान के अनुसार और कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, इसके अधिकारी और अधिकृत प्रतिनिधि, इस प्रमाणपत्र की तिथि को मैं प्रमाणित करता हूं कि कंपनी के निदेशक मंडल में से कोई भी निदेशक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड/कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय या इस तरह के किसी भी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य नहीं हुआ है।

स्थान :कोलकाता
दिनांक : 27/05/2019

SAUMAYO JYOTI SEAL
KOLKATA
COMPANY SECRETARY C.P.-11169

सौम्यो ज्योति सील
अभ्यासरत कंपनी सेक्रेटरी
सी.पी.संख्या : 11169

email : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala, Chinsurha
Hooghly-712101, W.B.

CERTIFICATE ON DEBARMENT OR DISQUALIFICATION OF DIRECTORS

(Pursuant to clause (i) of point 10 of Para C of Schedule V of Securities Exchange Board of India [Listing Obligation and Disclosure Requirements] Regulations, 2015)

To,
The Members of
MSTC Ltd.
225/C, A J C Bose Road
Kolkata- 700020

I have examined the following documents:

i. Declaration of non-disqualification as required under Section 164 of Companies Act, 2013 ('the Act');

ii. Disclosure of concern or interests as required under Section 184 of the Act; (hereinafter referred to as 'relevant documents') as submitted by the Directors of MSTC Limited, to the Board of Directors of the Company for the financial year 2019-20. I have considered non-disqualification to include non-debarment.

It is the responsibility of the Directors to submit relevant documents with complete and accurate information in accordance with the provision of the Act.

Based on my examination of relevant documents made available to me by the Company and such other verifications carried out by me as deemed necessary and adequate, in my opinion and to the best of my information and knowledge and according to the explanations provided by the Company, its officers and authorized representatives, I certify that as on date of this certificate, none of the Directors on the Board of the Company have been debarred or disqualified from being appointed or continuing as Directors of the Company by Securities and Exchange Board of India/ Ministry of Corporate Affairs or any such statutory authority.

Place: Kolkata
Date: 27/05/2019

SAUMAYO JYOTI SEAL
KOLKATA
COMPANY SECRETARY C.P.-11169

SAUMAYO JYOTI SEAL
Practicing Company Secretary
C.P. No.: 11169

email : seal.saumayo@gmail.com

प्रपत्र सं. एमजीटी-9 अनुलग्नक-III

वार्षिक रिटर्न का सारांश

31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92 (3) एवं कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 का नियम 12(1) के तहत]

I. पंजीयन एवं अन्य विवरण :

i)	सीआईएन :	L27320WB1964GOI026211
ii)	पंजीयन की तारीख :	09/09/1964
iii)	कंपनी का नाम :	एमएसटीसी लिमिटेड
iv)	कंपनी की श्रेणी/उप-श्रेणी:	शेयरों द्वारा कंपनी लिमिटेड/ सरकारी कंपनी
v)	पंजीकृत कार्यालय का पता एवं सम्पर्क विवरण :	225सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700020, पश्चिम बंगाल, दूरभाष सं. : +91-033-2281-3088 ई-मेल : cosec@mstcindia.co.in
vi)	क्या यह सूचीबद्ध कंपनी है हाँ/ नही :	हाँ
vii)	रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट, यदि कोई है, का नाम, पता एवं सम्पर्क विवरण :	मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड 205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली -110 055 दूरभाष सं. : +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200 ई-मेल : sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com

Form No. MGT-9 **Annexure III.**

EXTRACT OF ANNUAL RETURN

As on the financial year ended on 31st March, 2019

[Pursuant to section 92(3) of the Companies Act, 2013 and rule 12(1) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

I. REGISTRATION AND OTHER DETAILS

i)	CIN:	L27320WB1964GOI026211
ii)	Registration Date:	09/09/1964
iii)	Name of the Company:	MSTC Limited
iv)	Category / Sub-Category of the Company:	Company limited by shares/ Government Company
v)	Address of the registered office and contact details:	225C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700020, West Bengal Tel : +91-033-2281-3088 Email :cosec@mstcindia.co.in
vi)	Whether listed company Yes / No:	Yes
vii)	Name, Address and Contact details of Registrar and Transfer Agent, if any:	M/s Alankit Assignments Limited 205-208, Anarkali Complex, Jhandewalan Extension, New Delhi -110 055 Tel: +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200 E-mail: sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com

II. कंपनी की प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियाँ

सभी व्यापार गतिविधियों में कंपनी के कुल टर्नओवर के 10% या अधिक का अंशदान हैं

क्र.सं.	मुख्य उत्पादों/ सेवाओं का नाम	उत्पाद/ सेवाओं का एनआईसी कोड	कंपनी के कुल टर्नओवर का %
1	एजेंसी व्यापार	लागू नही	40.82
2	विपणन	लागू नही	59.18

III. होल्डिंग, सहायक एवं सहयोगी कंपिनयों का ब्यौरा

क्र.सं.	कंपनी का नाम एवं पता	सीआईएन/ जीएलएन	होल्डिंग/सहायक/ सहयोगी	धारित शेयरों का %	लागू धारा
1.	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	U27102CT1989GOI005468	सहायक	100	कंपनियों अधिनियम, 2013 के 2(87)
2.	महिंद्रा एमएसटीसी रीसाईक्लिंग प्राईवेट लिमिटेड	U37100MH2016PTC288535	संयुक्त उद्यम	50	कंपनियों अधिनियम, 2013 के 2(6)

IV. शेयर धारण करने की पद्धति (कुल इक्विटी के प्रतिशत के अनुसार इक्विटी शेयर पूंजी का ब्रेकअप)

i) श्रेणीवार शेयर होल्डिंग

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों का संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों का संख्या				वर्ष के दौरान परिवर्तन
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	
क. प्रोमोटर्स									
(1) भारतीय									
(क) व्यक्तिगत/एचयूएफ	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) केन्द्रीय सरकार	-	3,16,25,600	3,16,25,600	89.85	4,55,80,800	-	4,55,80,800	64.75	(25.10)
(ग) राज्य सरकारे	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(घ) निगम निकाय	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ङ) बैंक/वित्तीय संस्थान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(च) कोई अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग(क)(1):-	-	3,16,25,600	3,16,25,600	89.85	4,55,80,800	-	4,55,80,800	64.75	(25.10)
(2) विदेश									
(क) एनआरआई -व्यक्तिगत	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) अन्य - व्यक्तिगत	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ग) निकाय निगम	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(घ) बैंक/वित्तीय संस्थान	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ङ) कोई अन्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग (क)(2) :-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमोटर का कुल शेयरधारिता (क) = (क)(1)+(क)(2)	-	3,16,25,600	3,16,25,600	89.85	4,55,80,800	-	4,55,80,800	64.75	(25.10)

II. PRINCIPAL BUSINESS ACTIVITIES OF THE COMPANY

All the business activities contributing 10 % or more of the total turnover of the company shall be stated:

Sl. No.	Name and Description of main products / services	NIC Code of the Product/ service	% to total turnover of the company
1	Agency Business	NA	40.82
2	Marketing	NA	59.18

III. PARTICULARS OF HOLDING, SUBSIDIARY AND ASSOCIATE COMPANIES

Sl. No.	Name and Address of the Company	CIN/GLN	HOLDING/ SUBSIDIARY/ ASSOCIATE	% of shares held	Applicable Section
1.	Ferro Scrap Nigam Limited	U27102CT1989GOI005468	Subsidiary	100	2(87) of the Companies Act, 2013
2.	Mahindra MSTC Recycling Private Limited	U37100MH2016PTC288535	Joint Venture	50	2(6) of the Companies Act, 2013

IV. SHARE HOLDING PATTERN (Equity Share Capital Breakup as percentage of Total Equity)

i) Category-wise Share Holding

Category of Shareholders	Number of shares held at the beginning of the year				Number of shares held at the end of the year				Change During the year
	Demat	Physical	Total	% of total Shares	Demat	Physical	Total	% of total Shares	
A. Promoters									
(1) Indian									
(a) Individual/ HUF	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(b) Central Government	-	3,16,25,600	3,16,25,600	89.85	4,55,80,800	-	4,55,80,800	64.75	(25.10)
(c) State Government(s)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(d) Bodies Corporate	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(e) Banks/FI	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(f) Any Other	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Sub Total(A)(1)	-	3,16,25,600	3,16,25,600	89.85	4,55,80,800	-	4,55,80,800	64.75	(25.10)
(2) Foreign									
(a) NRIs-Individuals	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(b) Other - Individuals	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(c) Bodies Corporate	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(d) Banks/FI	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(e) Any Other	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Sub Total(A)(2)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Total Shareholding of Promoter (A)= (A)(1)+(A)(2)	-	3,16,25,600	3,16,25,600	89.85	4,55,80,800	-	4,55,80,800	64.75	(25.10)

शेयरधारकों की श्रेणी	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के अंत में धारित शेयरों की संख्या				वर्ष के दौरान परिवर्तन
	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	डीमेट	भौतिक	कुल	कुल शेयर का %	
ख. सार्वजनिक शेयरधारिता									
1. संस्थान									
(क) म्यूचुअल फंड्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) बैंक/वित्तीय संस्थान	-	-	-	-	1,03,11,370	-	1,03,11,370	14.65	14.65
(ग) केन्द्रीय सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(घ) राज्य सरकार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ङ) वेंचर कैपिटल फंड्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(च) इंश्योरेन्स कंपनियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(छ) एफआईआई	-	-	-	-	13,52,435	-	13,52,435	1.92	1.92
(ज) विदेशी वेंचर कैपिटल फंड्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(झ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उप-योग (ख)(1)	**-**	**-**	**-**	**-**	**1,16,63,805**	**-**	**1,16,63,805**	**16.57**	**16.57**
2. गैर संस्थान									
(क) निकाय निगम									
(i) भारतीय	39,217	10,22,775	10,61,992	3.02	35,12,332	6,83,475	41,95,807	5.96	2.94
(ii) समुद्रीयपार	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ख) व्यक्तिगण									
(i)व्यक्तिगत शेयरधारक ₹ 2 लाख तक नॉमिनल शेयर पूंजी भारित कर रहे है	2,26,500	3,80,952	6,07,452	1.73	24,27,668	1,86,678	26,14,346	3.71	1.98
(ii)व्यक्तिगत शेयरधारक ₹ 2 लाख से अधिक नॉमिनल शेयर पूंजी भारित कर रहे है	5,83,280	11,46,076	17,29,356	4.91	32,59,676	4,27,000	36,86,676	5.24	0.33
(ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)									
(i) योग्य विदेशी निवेशक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ii) ट्रस्ट और फाउंडेशन	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अनिवासी व्यक्ति	15,600	8,000	23,600	0.07	70,638	-	70,638	0.10	0.03
(iv) निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि	1,52,000	-	1,52,000	0.43	3,07,200	-	3,07,200	0.44	0.01
(v) एमएसटीसी लिमिटेड दावारहित सस्पेंश खाता	-	-	-	-	19,17,153	-	19,17,153	2.72	2.72
(vi) समाशोधन सदस्य	-	-	-	-	2,32,681	-	2,32,681	0.33	0.33
(vii) विदेशी नागरिकों	-	-	-	-	-	4,000	4,000	0.01	0.01
(viii) एचयूएफ	-	-	-	-	1,26,894	-	1,26,894	0.18	0.18
उप कुल (ख)(2)	**10,16,597**	**25,57,803**	**35,74,400**	**10.16**	**1,18,54,242**	**13,01,153**	**1,31,55,395**	**18.69**	**8.53**
कुल शेयरधारकों (ख)= (ख)(1)+(ख)(2)	**10,16,597**	**25,57,803**	**35,74,400**	**10.16**	**2,35,18,047**	**13,01,153**	**2,48,19,200**	**35.26**	**25.10**
ग. जीडीआर और एडीआर के लिए संरक्षक द्वारा धारित शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**10,16,597**	**3,41,83,403**	**3,52,00,000**	**100.0000**	**6,90,98,847**	**13,01,153**	**7,04,00,000**	**100**	**-**

Category of Shareholders	Number of shares held at the beginning of the year				Number of shares held at the end of the year				Change During the year
	Demat	Physical	Total	% of total Shares	Demat	Physical	Total	% of total Shares	
B. Public shareholding									
1. Institutions									
(a) Mutual Funds	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(b) Banks/FI	-	-	-	-	1,03,11,370	-	1,03,11,370	14.65	14.65
(c) Central Government	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(d) State Government(s)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(e) Venture Capital Funds	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(f) Insurance Companies	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(g) FIIs	-	-	-	-	13,52,435	-	13,52,435	1.92	1.92
(h) Foreign Venture Capital Funds	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(i) Other (specify)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Sub-Total (B)(1)	-	-	-	-	**1,16,63,805**	-	**1,16,63,805**	**16.57**	**16.57**
2. Non-Institutions									
(a) Bodies Corporate									
(i) Indian	39,217	10,22,775	10,61,992	3.02	35,12,332	6,83,475	41,95,807	5.96	2.94
(ii) Overseas	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(b) Individuals									
(i) Individual shareholders holding nominal share capital up to ₹ 2 lakh	2,26,500	3,80,952	6,07,452	1.73	24,27,668	1,86,678	26,14,346	3.71	1.98
(ii) Individual shareholders holding nominal share capital in excess of ₹ 2 lakh	5,83,280	11,46,076	17,29,356	4.91	32,59,676	4,27,000	36,86,676	5.24	0.33
(c) Others (specify)									
(i) Qualified Foreign Investor	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ii) Trust & Foundations	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) Non-Resident Individuals	15,600	8,000	23,600	0.07	70,638	-	70,638	0.10	0.03
(iv) Investor Education & Protection Fund	1,52,000	-	1,52,000	0.43	3,07,200	-	3,07,200	0.44	0.01
(v) MSTC Limited Unclaimed Suspense Account	-	-	-	-	19,17,153	-	19,17,153	2.72	2.72
(vi) Clearing Member	-	-	-	-	2,32,681	-	2,32,681	0.33	0.33
(vii) Foreign Nationals	-	-	-	-	-	4,000	4,000	0.01	0.01
(viii) HUF	-	-	-	-	1,26,894	-	1,26,894	0.18	0.18
Sub-Total (B)(2)	**10,16,597**	**25,57,803**	**35,74,400**	**10.16**	**1,18,54,242**	**13,01,153**	**1,31,55,395**	**18.69**	**8.53**
Total Public Shareholding (B)= (B)(1)+(B)(2)	**10,16,597**	**25,57,803**	**35,74,400**	**10.16**	**2,35,18,047**	**13,01,153**	**2,48,19,200**	**35.26**	**25.10**
C. Shares held by Custodians for GDRs & ADRs	-	-	-	-	-	-	-	-	-
GRAND TOTAL (A)+(B)+(C)	**10,16,597**	**3,41,83,403**	**3,52,00,000**	**100.0000**	**6,90,98,847**	**13,01,153**	**7,04,00,000**	**100**	-

(ii) प्रमोटर की कुल शेयरधारिता :

क्र.सं.	शेयरधारक का नाम	वर्ष के प्रारम्भ में शेयरधारिता			वर्ष के अंत में शेयरधारिता			
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में से गिरवी/ भारग्रस्त कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	कुल शेयरों में से गिरवी/ भारग्रस्त कुल शेयरों का %	वर्ष के दौरान शेयरों में परिवर्तन का %
1	भारत के राष्ट्रपति	3,16,25,600	89.85	-	4,55,80,800	64.75	-	(25.10)

(iii) प्रोमोटरों शेयरों में परिवर्तन (कृपया निर्दिष्ट करें, अगर कोई परिवर्तन नहीं है) :

क्र.सं.	विवरण	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या		वर्ष के दौरान लेनदेन			वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	दिनांक	वर्ष के दौरान वृद्धि / कमी	कारण	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	वर्ष के प्रारंभ में	31625600	89.85	-	-	-	31625600	89.85
2.	वर्ष के दौरान प्रमोटरों की हिस्सेदारी में वृद्धि	-	-	25/01/2019	31625600	शेयरों की बोनस जारी करना	63251200	89.85
3.	वर्ष के दौरान प्रमोटरों की हिस्सेदारी में कमी	-	-	27/03/2019	(17670400)	विनिवेश के कारण शेयरों की बिक्री	45580800	64.75
4.	वर्ष के अंत में	45580800	64.75	-	-	-	45580800	64.75

(iv) शीर्ष दस शेयरधारकों के शेयर धारण पैटर्न (जीडीआर और एडीआर के निदेशक, प्रमोटर और होल्डर्स के अलावा अन्य):

क्र.सं.	शीर्ष दस शेयरधारकों मे से प्रत्येक के लिए	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों का संख्या		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	**भारत का जीवन बीमा निगम**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	7026976	9.98	7026976	9.98
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	7026976	9.98
2.	**एमएसटीसी लिमिटेड दावारहित सस्पेन्स खाता**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	33698515	47.87	33698515	47.87
	वर्ष के दौरान बिक्री	(31781362)	45.15	1917153	2.72
	वर्ष के अंत में				
3.	**आनदं राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	1536195	2.18	1536195	2.18

(ii) Shareholding of Promoters :

Sl. No.	Shareholder's Name	Shareholding at the beginning of the year			Shareholding at the end of the year			
		No. of Shares	% of total Shares of the company	% of Shares Pledged / encumbered to total shares	No. of Shares	% of total Shares of the company	% of Shares Pledged / encumbered to total shares	% change in shareholding during the year
1	President of India	3,16,25,600	89.85	-	4,55,80,800	64.75	-	(25.10)

(iii) Change in Promoters' Shareholding (please specify, if there is no change) :

Sl. No.	Particulars	Shareholding at the Beginning of the year		Transactions during the year			Cumulative Shareholding during the year	
		No. of the Shares	% of the total shares of the Company	Date	Increase / Decrease during the year	Reason	No. of the Shares	% of the total shares of the Company
1.	At the Beginning of the year	31625600	89.85	-	-	-	31625600	89.85
2.	Increase in Promoters Shareholding during the year	-	-	25/01/2019	31625600	Issue of Bonus Shares	63251200	89.85
3.	Decrease in Promoters Shareholding during the year	-	-	27/03/2019	(17670400)	Sale of Shares due to Disinvestment	45580800	64.75
4.	At the end of the Year	45580800	64.75	-	-	-	45580800	64.75

(iv) Share holding Pattern of top ten Shareholders (other than Directors, Promoters and Holders of GDRs and ADRs):

Sl. No.	For each of the Top Ten Shareholders	Shareholding at the Beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
		No. of the Shares	% of the total shares of the Company	No. of the Shares	% of the total shares of the Company
1.	**LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	7026976	9.98	7026976	9.98
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	7026976	9.98
2.	**MSTC LIMITED UNCLAIMED SUSPENSE ACCOUNT**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	33698515	47.87	33698515	47.87
	Sold during the year	(31781362)	45.15	1917153	2.72
	At the End of the Year				
3.	**ANAND RATHI GLOBAL FINANCE LIMITED**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	1536195	2.18	1536195	2.18

क्र.सं.	शीर्ष दस शेयरधारकों में से प्रत्येक के लिए	वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों का संख्या		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
		शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	1536195	2.18
4.	**सुर्यवंशी क्रोमोट्रेड प्राईवेट लिमिटेड**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	1465809	2.08	1465809	2.08
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	1465809	2.08
5.	**जेनरल इंश्योरेन्स कॉरपोरेशन आफ इंडिया**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	1171103	1.66	1171103	1.66
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	1171103	1.66
6.	**बैंक ऑफ बड़ौदा**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	832814	1.18	832814	1.18
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	832814	1.18
7.	**लिमिटेड मॉर्गन स्टेनली फ्रांस एस.ए.**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	811677	1.15	811677	1.15
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	811677	1.15
8.	**दी न्यु इंडिया एश्योरेंश कंपनी लिमिटेड**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	780735	1.11	780735	1.11
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	780735	1.11
9.	**मधुलिका अगरवाल**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	750462	1.07	750462	1.07
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	750462	1.07
10.	**सोसाइटी जनरल**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान खरीदा	540758	0.76	540758	0.76
	वर्ष के दौरान बिक्री	-	-	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	540758	0.76

Sl. No.	For each of the Top Ten Shareholders	Shareholding at the Beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
		No. of the Shares	% of the total shares of the Company	No. of the Shares	% of the total shares of the Company
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	1536195	2.18
4.	**SURYAVANSHI COMMOTRADE PRIVATE LTD.**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	1465809	2.08	1465809	2.08
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	1465809	2.08
5.	**GENERAL INSURANCE CORPORATION OF INDIA**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	1171103	1.66	1171103	1.66
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	1171103	1.66
6.	**BANK OF BARODA**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	832814	1.18	832814	1.18
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	832814	1.18
7.	**LIMITED MORGAN STANLEY FRANCE S.A.**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	811677	1.15	811677	1.15
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	811677	1.15
8.	**THE NEW INDIA ASSURANCE COMPANY LIMITED**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	780735	1.11	780735	1.11
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	780735	1.11
9.	**MADHULIKA AGARWAL**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	750462	1.07	750462	1.07
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	750462	1.07
10.	**SOCIETE GENERALE**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Bought during the year	540758	0.76	540758	0.76
	Sold during the year	-	-	-	-
	At the End of the Year	-	-	540758	0.76

(v) निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक की शेयरधारिता :

क्र.सं.		वर्ष के प्रारम्भ में धारित शेयरों की संख्या		वर्ष के दौरान संचयी शेयरधारिता	
	निदेशकों और केएमपी के लिए	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %	शेयरों की संख्या	कंपनी के कुल शेयरों का %
1.	**बम बहादुर सिंह**				
	वर्ष के प्रारंभ में	80	नगण्य	80	नगण्य
	बोनस शेयरों का आवंटन @ 1:1 में 25/01/2019	80	नगण्य	160	नगण्य
	वर्ष के अंत में	-	-	160	नगण्य
2.	**भानु कुमार**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान आवंटन	160	नगण्य	160	नगण्य
	वर्ष के अंत में	-	-	160	नगण्य
3.	**सुब्रत सरकार**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान आवंटन	160	नगण्य	160	नगण्य
	वर्ष के अंत में	-	-	160	नगण्य
4.	**डॉ. प्रमोदिता सतीश**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान आवंटन	160	नगण्य	160	नगण्य
	वर्ष के अंत में	-	-	160	-
5.	**अजय कुमार राय**				
	वर्ष के प्रारंभ में	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान आवंटन	160	नगण्य	160	नगण्य
	वर्ष के अंत में	-	-	160	नगण्य
6.	**ए. के. बासु**				
	वर्ष के प्रारंभ में	80	नगण्य	80	नगण्य
	बोनस शेयरों का आवंटन @ 1:1 में 25/01/2019	80	नगण्य	160	नगण्य
	06/02/2019 को सुब्रत सरकार की शेयरों में स्थानान्तरण द्वारा गिरावट	(160)	नगण्य	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	-	नगण्य
7.	**सुब्रत कुमार राय**				
	वर्ष के प्रारंभ में	80	नगण्य	80	नगण्य
	बोनस शेयरों का आवंटन @ 1:1 में 25/01/2019	80	नगण्य	160	नगण्य
	06/02/2019 को अजय कुमार राय के शेयरों के स्थानान्तरण द्वारा गिरावट	(160)	नगण्य	-	-
	वर्ष के अंत में	-	-	-	नगण्य

(v) Shareholding of Directors and Key Managerial Personnel :

Sl. No.	For Directors and KMP	Shareholding at the Beginning of the year		Cumulative Shareholding during the year	
		No. of Shares	% of total shares of the Company	No. of Shares	% of total shares of the Company
1.	**Bam Bahadur Singh**				
	At the beginning of the year	80	Negligible	80	Negligible
	Allotment of Bonus Shares @1:1 on 25/01/2019	80	Negligible	160	Negligible
	At the End of the year	-	-	160	Negligible
2.	**Bhanu Kumar**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Allotment during the year	160	Negligible	160	Negligible
	At the End of the year	-	-	160	Negligible
3.	**Subrata Sarkar**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Allotment during the year	160	Negligible	160	Negligible
	At the End of the year	-	-	160	Negligible
4.	**Dr. Promodita Sathish**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Allotment during the year	160	Negligible	160	Negligible
	At the End of the year	-	-	160	-
5.	**Ajay Kumar Rai**				
	At the beginning of the year	-	-	-	-
	Allotment during the year	160	Negligible	160	Negligible
	At the End of the year	-	-	160	Negligible
6.	**A.K. Basu**				
	At the beginning of the year	80	Negligible	80	Negligible
	Allotment of Bonus Shares @1:1 on 25/01/2019	80	Negligible	160	Negligible
	Decrease of shares by transfer to Subrata Sarkar on 06/02/2019	(160)	Negligible	-	-
	At the End of the year	-	-	-	Negligible
7.	**Subrata Kumar Ray**				
	At the beginning of the year	80	Negligible	80	Negligible
	Allotment of Bonus Shares @1:1 on 25/01/2019	80	Negligible	160	Negligible
	Decrease of shares by transfer to Ajay Kumar Rai on 06/02/2019	(160)	Negligible	-	-
	At the End of the year	-	-	-	Negligible

V. ऋणग्रस्तता

कंपनी की ऋणग्रस्तता जिसमें बकाया / प्रोद्भूत प्राप्य ब्याज शामिल हो लेकिन जो भुगतान के लिए देय न हो

(₹ मिलियन में)

क्र.सं.	विवरण	जमा की छोड़कर सुरक्षित ऋण	असुरक्षित ऋण	जमा	कुल ऋणग्रस्तता
1	वित्तीय वर्ष की शुरुआत में ऋणग्रस्तता				
	i) मुख्य राशि	6,180.19	1,436.2	-	7,616.39
	ii) ब्याज बकाया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया	0.7		-	0.7
	iii) ब्याज प्रोदभूत किन्तु अप्राप्य	-	788.9	-	788.9
	कुल (i+ii+iii)	**6,180.89**	**2,225.1**	-	**8,405.99**
2	वित्तीय वर्ष के दौरान ऋणग्रस्तता में परिवर्तन				
	i) जोड़				
	ii) छूट	1,567.99	-	-	1,567.99
	शुद्ध परिवर्तन	1,567.99	-	-	1,567.99
3	वित्तीय वर्ष के अंत में ऋणग्रस्तता				
	i) मुख्य राशि	4,612.77	1,436.2	-	6,048.97
	ii) ब्याज बकाया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया	0.13	-	-	0.13
	iii) ब्याज प्रोदभुत किन्तु अप्राप्य ब्याज	-	788.9	-	788.9
	कुल (i+ii+iii)	**4,612.9**	**2,225.1**	-	**6,838**

VI. निदेशकों एवं प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

क. प्रबंध निदेशक, पूर्णकालीक निदेशकों और / या प्रबंधक :

(₹ मिलियन में)

क्र.सं.	पारिश्रमिक का विवरण	प्रबंध निदेशक/पूर्णकालीक निदेशक/ प्रबंधक के नाम				कुल राशि
		श्री बी. बी. सिंह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	श्री ए. के. बासु निदेशक (वित्त) 30/11/2018 तक	श्री सुब्रत सरकार निदेशक (वित्त) 01/12/2018 से	श्रीमती भानु कुमार निदेशक (वाणिज्यिक)	
1	सकल वेतन	7.36	5.17	1.85	5.88	20.26
2	विकल्प स्टॉक	-	-	-	-	-
3	उद्यम इक्विटी	-	-	-	-	-
4	आयोग	-	-	-	-	-
5	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें सीपीएफ हेतु कंपनी का सहयोग	0.22	-	0.37	0.20	0.79
	कुल (क)	7.58	5.17	2.22	6.08	21.05

V. INDEBTEDNESS

Indebtedness of the Company including interest outstanding/accrued but not due for payment

(₹ In Million)

Sl. No.	Particulars	Secured Loans excluding deposits	Unsecured Loans	Deposits	Total Indebtedness
1	**Indebtedness at the beginning of the financial year**				
	i) Principal Amount	6,180.19	1,436.2	-	7,616.39
	ii) Interest due but not paid	0.7		-	0.7
	iii) Interest accrued but not due	-	788.9	-	788.9
	Total (i+ii+iii)	**6,180.89**	**2,225.1**	**-**	**8,405.99**
2	**Change in Indebtedness during the financial year**				
	i) Addition				
	ii) Reduction	1,567.99	-	-	1,567.99
	Net Change	1,567.99	-	-	1,567.99
3	**Indebtedness at the end of the financial year**				
	i) Principal Amount	4,612.77	1,436.2	-	6,048.97
	ii) Interest due but not paid	0.13	-	-	0.13
	iii) Interest accrued but not due	-	788.9	-	788.9
	Total (i+ii+iii)	**4,612.9**	**2,225.1**	**-**	**6,838**

VI. REMUNERATION OF DIRECTORS AND KEY MANAGERIAL PERSONNEL

A. Remuneration to Managing Director, Whole-time Directors and/or Manager:

(₹ In Millions)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of MD/WTD/ Manager				Total Amount
		Shri B. B. Singh, Chairman cum Managing Director	Shri A. K. Basu Director (Finance) Upto 30/11/2018	Shri Subrata Sarkar, Director (Finance) WEF 01/12/2018	Smt. Bhanu Kumar, Director (Commercial)	
1	Gross salary	7.36	5.17	1.85	5.88	20.26
2	Stock Option	-	-	-	-	-
3	Sweat Equity	-	-	-	-	-
4	Commission	-	-	-	-	-
5	Others, please specify: Company's contribution to CPF	0.22	-	0.37	0.20	0.79
	Total (A)	7.58	5.17	2.22	6.08	21.05

ख. अन्य निदेशकों को पारिश्रमिक (₹ मिलियन में)

क्र.सं.	पारिश्रमिक का विवरण	निदेशक का नाम				
		श्री जी. आर. अलोरिया	डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन	श्री आर. एस. बेली	श्रीमती प्रभाती परिदा	श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी
1.	सतंत्र निदेशकों					
	• बोर्ड/समिति की बैठक में भाग लेने के लिए शुल्क	0.27	0.34	0.21	0.09	0.08
	• आयोग	-	-	-	-	-
	• अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-
	कुल(1)	0.27	0.34	0.21	0.09	0.08
2.	अन्य गैर कार्यपालक निदेशक					
	• बोर्ड/समिति की बैठक में भाग लेने के लिए शुल्क	-	-	-	-	-
	• आयोग	-	-	-	-	-
	• अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-
	कुल (2)	-	-	-	-	-
	कुल (ख)=(1+2)	0.27	0.34	0.21	0.09	0.08

ग. प्रबंध निदेशक/पूर्णकालीक निदेशक/प्रबंधक के अलावा प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक (₹ मिलियन में)

क्र.सं.	पारिश्रमिक का विवरण	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों				
		कंपनी सचिव		सीएफओ		कुल
		श्री एस. के. राय	श्री ए. के. राय	श्री ए. के. बासु	श्री सुब्रत सरकार	
1	सकल वेतन	0.48	2.01	5.17	1.85	9.51
2	विकल्प स्टॉक	-	-	-	-	-
3	स्वीट इक्विटी	-	-	-	-	-
4	कॉमिशन	-	-	-	-	-
5	अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें सीपीएफ हेतु कंपनी का सहयोग	-	0.09	-	0.37	0.46
	कुल	0.48	2.10	5.17	2.22	9.97

VII. जुर्माना/सजा/अपराध का प्रशमन : शून्य

प्रकार	कंपनी अधिनियम की धारा	संक्षिप्त विवरण	जुर्माना/सजा/कम्पाउण्डिंग शुल्क का विवरण	प्राधिकारी [आरडी /एनसीएलटी/ कोर्ट]	यदि कोई अपील किया गया (विवरण का उल्लेख करें)
क. कंपनी					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउण्डिंग					
ख. निदेशकों					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउण्डिंग					
ग. अन्य दोषी अधिकारी					
जुर्माना					
सजा					
कम्पाउण्डिंग					

शून्य

B. Remuneration to other directors (₹ In Million)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Name of Director				
		Shri G. R. Aloria	Dr. T. V. Muralivallabhan	Shri. R.S Yeli	Smt. Pravati Parida	Smt. Aparna Chaturvedi
1.	Independent Directors					
	● Fee for attending board / committee meetings	0.27	0.34	0.21	0.09	0.08
	● Commission	-	-	-	-	-
	● Others, please specify	-	-	-	-	-
	Total (1)	0.27	0.34	0.21	0.09	0.08
2.	Other Non-Executive Directors					
	● Fee for attending board / committee meetings	-	-	-	-	-
	● Commission	-	-	-	-	-
	● Others, please specify	-	-	-	-	-
	Total (2)	-	-	-	-	-
	Total (B)=(1+2)	0.27	0.34	0.21	0.09	0.08

C. REMUNERATION TO KEY MANAGERIAL PERSONNEL OTHER THAN MD/WTD/MANAGER (₹ In Million)

Sl. No.	Particulars of Remuneration	Key Managerial Personnel				
		Company Secretary		CFO		Total
		Shri S. K. Roy	Shri A. K. Rai	Shri A. K. Basu	Shri Subrata Sarkar	
1	Gross salary	0.48	2.01	5.17	1.85	9.51
2	Stock Option	-	-	-	-	-
3	Sweat Equity	-	-	-	-	-
4	Commission	-	-	-	-	-
5	Others, please specify: Company's Contribution to CPF	-	0.09	-	0.37	0.46
	Total	0.48	2.10	5.17	2.22	9.97

VII. PENALTIES / PUNISHMENT/ COMPOUNDING OF OFFENCES: NIL

Type	Section of the Companies Act	Brief Description	Details of Penalty/ Punishment/ Compounding fees imposed	Authority [RD / NCLT / COURT]	Appeal made, if any (give Details)
A. COMPANY					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
B. DIRECTORS					
Penalty					
Punishment					
Compounding					
C. OTHER OFFICERS IN DEFAULT					
Penalty					
Punishment					
Compounding					

NIL

अनुलग्नक - IV

सीएसआर कार्यकलापों का वार्षिक प्रतिवेदन

1. कंपनी की सीएसआर नीति की संक्षिप्त रूपरेखा :

क) कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप कंपनी ने एक सीएसआर और सतत विकास नीति तैयार की है, जिसे बोर्ड की विधिवत सीएसआर समिति द्वारा अनुशंसित तथा बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह नीति कंपनी की वेबसाइट www.mstcindia.co.in पर उपलब्ध है। इस नीति को 2018 में संशोधित किया गया जिसे बोर्ड ने 05.04.2018 को आयोजित अपनी 280वीं बैठक में विधिवत अनुमोदित किया है।

ख) इस नीति की दृष्टि पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों का दोहन और मानव स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार के लिए सतत विकास तथा वृद्धि के साथ जिम्मेदार व्यवसाय का सम्मिश्रण करना है।

ग) अध्यक्ष के रूप में एक स्वतंत्र निदेशक के साथ बोर्ड ने एक सीएसआर समिति का गठन करेगा। नोडल अधिकारी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों का क्रियान्वयन करेंगे। कंपनी सचिव समिति के सचिव होंगे।

घ) समिति बजट किये जाने वाले कार्यों और उनके कार्यान्वयन की पद्धति की सिफारिश करेगी। समिति तथा बोर्ड यह सुनिश्चित करेगा कि विगत 3 वर्षों का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) का कम से कम 2% चालू वर्ष का बजट हो।

ङ) सीएसआर गतिविधियों में ऐसी सभी गतिविधियां शामिल होंगी जो कंपनी की सीएसआर नीति में अनुबंध, कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII के अधीन प्रदान किये गये मदों तथा डीपीई दिशानिर्देशों के तहत शामिल की गई हों। इसके अतिरिक्त, समिति/बोर्ड द्वारा किसी सरकारी दिशानिर्देशों/निर्देशों पर विचार किया जाएगा।

च) एमएसटीसी परियोजना की अनुकुलता के आधार, यदि अपेक्षित हो, अन्य सार्वजनिक उपक्रमों, सरकारी अभिकरणों तथा गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोगितात्मक प्रोजेक्टस् को भी प्रोत्साहित करेगा।

2. सीएसआर समिति का गठन :

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के अनुसार एक बोर्ड स्तरीय सीएसआर समिति गठित की गयी।

1. डॉ. टी.वी.मुरलीवल्लभन, सीएसआर समिति के अध्यक्ष
2. डॉ. प्रमोदिता सतीश
3. श्री ए.के.बासु 30.11.2018 तक तथा
4. डॉ. आर.एस.येली, 27.07.2018 से सदस्य के रूप में
5. श्री सुब्रत सरकार, 07.12.2018 से श्री ए.के.बासु की सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप

यह समिति कंपनी की सीएसआर नीति के अनुसार कंपनी की सीएसआर गतिविधियों की देखरेख करेगी। कंपनी के नामित अधिकारी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों को लागू करेंगे।

3. **कंपनी की विगत तीन वित्तीय वर्षों (2015-16, 2016-17, 2017-18) का औसत कर पूर्व लाभ:**

   ₹ 99.95 करोड

4. **वित्त वर्ष 2018-19 हेतु प्रस्तावित सीएसआर व्यय बजट (उक्त राशि का दो प्रतिशत):**

   ₹ 200.00 लाख,

5. **वित्त वर्ष 2018 - 19 के दौरान सीएसआर का विस्तृत विवरण :**

   क) वित्त वर्ष हेतु व्यय की गयी कुल राशि: ₹ 200 लाख (बजट का 100%)

   ख) अव्यवहृत राशि, यदि हो: शून्य

   ग) वित्त वर्ष के दौरान व्यय की गयी राशि की पद्दति नीचे सारणी में दर्शायी गयी है :

Annexure - IV

ANNUAL REPORT ON CSR ACTIVITIES

1. **Brief outline of the Company's CSR Policy:**

   (A) Company has formulated a CSR and Sustainable Development Policy in line with the Companies Act, 2013 which has been recommended by duly constituted CSR Committee of the Board and approved by the Board. The policy is available at Company's website www.mstcindia.co.in. The policy has been revised in 2018 which has been duly approved by the Board in its 280th meeting held on 05.04.2018.

   (B) The vision of the Policy is blending responsible business with inclusive growth and Sustainable Development for protecting environment, conserving resources and improving human health and education.

   (C) Board shall constitute a CSR Committee with an Independent Director as Chairman. Nodal officers shall implement the decisions taken by the Committee. Company Secretary shall be secretary to the Committee.

   (D) The Committee shall recommend budget, the projects to be taken up, and the method of implementation. The Committee and the Board shall ensure that at least 2% of the average Profit Before Tax (PBT) of preceding 3 years is the budget for the current year.

   (E) Activities shall include all activities covered under Annexure to the CSR Policy of the Company which includes inter alia, items as provided under Schedule VII of the Companies Act, 2013 and DPE guidelines. Additionally, any Govt. guidelines/ instructions shall be considered by the Committee/Board.

   (F) MSTC shall also encourage collaborative projects with other PSUs, Govt. agencies, NGOs, if required, on the basis of merit of the project.

2. **Composition of the CSR Committee:**

   Pursuant to section 135 of the Companies Act, 2013 and Department of Public Enterprises (DPE) guidelines, a Board level CSR committee was constituted.

   1. Dr. T. V. Muralivallabhan, Chairman of CSR Committee
   2. Dr. Promodita Sathish,
   3. Shri A. K. Basu upto 30.11.2018 and
   4. Dr. R. S. Yeli from 27.07.2018 as members.
   5. Shri Subrata Sarkar, from 07.12.2018 subsequent to superannuation of Shri A. K. Basu.

   This committee oversees the CSR activities of the Company as per Company's CSR policy. Designated officers of the Company implement the decisions taken by the Committee.

3. **Average Profit Before Tax (PBT) of the Company for last three Financial Years (2015-16, 2016-17, 2017-18):**

   ₹ 99.95 Crore.

4. **Prescribed CSR expenditure budget for FY 2018-19 (two percent of the above amount):**

   ₹ 200.00 Lakh.

5. **Details of CSR expenditure during the Financial Year 2018-19 :**

   (a) Total amount spent for the financial year: ₹ 200 Lakh (100 % of budget)

   (b) Amount unspent, if any : Nil

   (c) Manner in which the amount spent during the financial year is detailed below:

1	2	3	4	5	6	7	8
क्रम संख्या	चिह्नित सीएसआर परियोजना एवं गतिविधि	परियोजना में शामिल क्षेत्र	परियोजना या कार्यक्रम 1.स्थानीय क्षेत्र या अन्य 2.राज्य तथा जिले का उल्लेख करें जिसमें परियोजना या कार्यक्रम किये गये हैं	राशि परिव्यय (बजट) परियोजना या कार्यक्रमवार (₹ लाख)	रिपोर्टिंग अवधि तक समेकित व्यय (₹ लाख)	परियोजना या कार्यक्रम पर व्यय की गयी राशि उप शीर्ष: (1) परियोजना या कार्यक्रम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) ओवरहेड	व्यय राशि: प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन अभिकरण द्वारा
1	प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण	कौशल विकास	उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल	8.71	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	होली मिशन फॉर चिल्ड्रेन्स वेलफेयर एण्ड रूरल डेवलपमेंट (एनजीओ)
2	शंकर मठ ओ मिशन के द्वितीय तल स्कूल भवन का निर्माण	शिक्षा	उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	शंकर मठ ओ मिशन स्कूल (एनजीओ)
3	मथुपुर माध्यमिक शिक्षा केन्द्र के स्कूल भवन का नवीकरण	शिक्षा	उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल	8.38	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य (एनजीओ)	मदर चाइल्ड सर्वाइवल डेवल्पमेंट रिसोलूशन
4	प्राथमिक विद्यालय का निर्माण	शिक्षा	पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	उत्तर सुतानचक कॉसमॉस क्लब (एनजीओ)
5	विवेकानंद शिशु निकेतन के शिक्षा केन्द्र का निर्माण	शिक्षा	दक्षिण दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	हलदिया समाज कल्याण परिषद (एनजीओ)
6	नव प्राथमिक विद्यालय का नवीकरण	शिक्षा	बोकारो, झारखंड	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	सहयोगिनी (एनजीओ)
7	मध्य विद्यालय, चिकसिया का नवीकरण	शिक्षा	बोकारो, झारखंड	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	दो कदम (एनजीओ)
8	राजकीय मध्य विद्यालय का नवीकरण	शिक्षा	बोकारो, झारखंड	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	महिला कल्याण समिति (एनजीओ)
9	प्राथमिक विद्यालय का नवीकरण	शिक्षा	बोकारो, झारखंड	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	आदर्श ग्राम विकास सेवा समिति (एनजीओ)
10	स्वचालित उपकरणों के साथ मौजूदा हेमाटोलॉजी प्रयोगशाला का उन्नयन	स्वास्थ्य	देवानगेरे, कर्नाटक	4.62	4.62	प्रत्यक्ष - 4.62 लाख ओवरहेड- शून्य	कर्नाटक हिमोफिलिया सोसाइटी देवानगेरे (एनजीओ)
11	मल्टीमीडिया इंटरएक्टिव लैंग्वेज लैब का विकास	शिक्षा	उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल	9.93	9.93	प्रत्यक्ष - 9.93 लाख ओवरहेड- शून्य	रामकृष्ण मिशन विवेकानंद सेंटनरी कॉलेज
12	आईटीआई कार्यशालाओं के बुनियादी ढांचे का विकास	शिक्षा	हावड़ा, पश्चिम बंगालन्न	32.00	32.00	प्रत्यक्ष - 32.00 लाख ओवरहेड- शून्य	रामकृष्ण मिशन शिल्पायन (एनजीओ)
13	उतकर्मिता मध्य विद्यालय के स्कूल भवन की मरम्मत तथा नवीकरण	शिक्षा	गिरीडीह, झारखंड	11.83	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	ग्राम कल्याण (एनजीओ)
14	नव प्राथमिक विद्यालय के स्कूल भवन की मरम्मत एवं नवीकरण	शिक्षा	रामगढ़, झारखंड	10.83	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	ऐन यूनिट ऑफ रिसर्च (एनजीओ)
15	लाइब्रेरी सह सेमिनार हॉल ऑफ पुअर चिल्ड्रेन एण्ड युथ	शिक्षा	पाला, केरल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड- शून्य	रामकृष्ण मठ (एनजीओ)
16	स्वतंत्रता सेनानियों की याद में समुदाय केन्द्र का निर्माण	स्वतंत्रता सेनानी का विकास	कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश	6.00	6.00	प्रत्यक्ष - 6.00 लाख ओवरहेड- शून्य	रूरल इंजिनियरिंग डिपार्टमेंट (आरआईएनएल द्वारा मॉनिटरड)

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	CSR project or activity identified	Sector in which the project is covered	Projects or programs 1.Local area or other 2.Specify the State & district where projects or programs were undertaken	Amount outlay (budget) project or program wise (₹ Lakh)	Cumulative expenditure up to the reporting period (₹ Lakh)	Amount spent on the projects or programs Sub heads: (1)Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads	Amount spent: Direct or through implementing agency
1	Construction of a Training Centre	Skill Development	North 24 Parganas, West Bengal	8.71	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Holy Mission For Children's Welfare & Rural Development (NGO)
2	Construction of two storied school building of Shankar Math O Mission	Education	North 24 Parganas, West Bengal	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Sankar Math-O-Mission School (NGO)
3	Renovation of school Building of Madhupur Madhyamik Siksha Kendra	Education	North 24 Parganas, West Bengal	8.38	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Mother Child Survival Development Revolution (NGO)
4	Construction of Primary School	Education	Purba Medinipur, West Bengal	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Uttar Sautanchak Cosmos Club (NGO)
5	Construction of Education Centre of Vivekananda Sishu Niketan	Education	Dakshin Dinajpur, West Bengal	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Haldia Samaj Kalyan Parsad (NGO)
6	Renovation of Nav Prathomic Vidyalaya	Education	Bokaro, Jharkhand	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Sahyogini (NGO)
7	Renovation of Madhya Vidyalaya, Chiksia	Education	Bokaro, Jharkhand	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Do Kadam (NGO)
8	Renovation of Rajokio Madhya Vidyalaya	Education	Bokaro, Jharkhand	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Mahila Kalyan Samiti (NGO)
9	Renovation of Prathomic Vidyalaya	Education	Bokaro, Jharkhand	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Adarsh Gram Vikas Sewa Samiti (NGO)
10	Upgradation of the existing Hematology Laboratory with Automated equipment	Health	Devanagere, Karnataka	4.62	4.62	Direct - 4.62 Lakh Overheads - Nil	Karnataka Hemophilia Society Devanagere (NGO)
11	Development of Multimedia Interactive Language Lab	Education	North 24 Parganas, West Bengal	9.93	9.93	Direct - 9.93 Lakh Overheads - Nil	Ramakrishna Mission Vivekananda Centenary College
12	Development of infrastructure of ITI Workshops	Education	Howrah, West Bengal	32.00	32.00	Direct - 32.00 Lakh Overheads - Nil	Ramakrishna Mission Shilpayatana (NGO)
13	Repair and renovation of school building of Utkramita Madhya Vidyalaya	Education	Giridih, Jharkhand	11.83	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Gram Kalyan (NGO)
14	Repair and renovation of school building of Nabo Prathamic Vidyalaya	Education	Ramgarh, Jharkhand	10.83	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	An Unit Of Research (NGO)
15	Library cum seminar Hall for poor children and youth	Education	Pala, Kerala	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Ramkrishna Math (NGO)
16	Construction of community centre on memory of the freedom fighters	Freedom Fighters' Development	Kaushambi, Uttar Pradesh	6.00	6.00	Direct - 6.00 Lakh Overheads - Nil	Rural Engineering Department (Monitored by RINL)

1	2	3	4	5	6	7	8
क्रम संख्या	चिह्नित सीएसआर परियोजना एवं गतिविधि	परियोजना में शामिल क्षेत्र	परियोजना या कार्यक्रम 1. स्थानीय क्षेत्र या अन्य 2. राज्य तथा जिले का उल्लेख करें जिसमें परियोजना या कार्यक्रम किये गये हैं	राशि परिव्यय (बजट) परियोजना या कार्यक्रमवार (₹ लाख)	रिपोर्टिंग अवधि तक समेकित व्यय (₹ लाख)	परियोजना या कार्यक्रम पर व्यय की गयी राशि उप शीर्ष: (1) परियोजना या कार्यक्रम पर प्रत्यक्ष व्यय (2) ओवरहेड	व्यय राशि: प्रत्यक्ष या कार्यान्वयन अभिकरण द्वारा
17	छगेन्द्रनाथ शिशु शिक्षा केन्द्र का पुनर्निर्माण	शिक्षा	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	9.88	9.89	प्रत्यक्ष - 9.89 लाख ओवरहेड - शून्य	सेवांजलि महिला समिति, जयनगर (एनजीओ)
18	चकुमार प्राथमिक विद्यालय का छत निर्माण तथा मरम्मत	शिक्षा	पश्चिम मेदिनिपुर, पश्चिम बंगाल	9.97	9.97	प्रत्यक्ष - 9.97 लाख ओवरहेड - शून्य	चकुमार एशोसिएसन फॉर सोसल सर्विस (एनजीओ)
19	परनावनंद विद्या मंदिर हेतु फर्नीचर एवं टीएलएल की खरीद	शिक्षा	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	1.90	1.90	प्रत्यक्ष - 1.90 लाख ओवरहेड - शून्य	भारत सेवाश्रम संघ (एनजीओ)
20	आदिवासी महिलाओं हेतु 100 सिलाई मशीन की खरीद	कौशल विकास	सम्बलपुर, उड़िसा	3.80	3.80	प्रत्यक्ष - 3.80 लाख ओवरहेड - शून्य	एशोसिएसन फॉर डेवल्पमेंट एण्ड रिसर्च इन सोसिओ इकनॉमिक एक्टिविटिज (एनजीओ)
21	आदिवासी किशोरियों हेतु आवास गृह का निर्माण	आवास गृह (आदिवासी महिला)	दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल	10.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड - शून्य	मथुरा निवेदिता महिला समिति मथुरापुर (एनजीओ)
22	बर्तनों का वितरण	बाढ़ सहायत	केरल	5.21	4.42	प्रत्यक्ष - 4.42 लाख ओवरहेड - शून्य	सेल
23	सरकारी मान्यता प्राप्त मिल्कीपलासी पाड़ा प्राथमिक विद्यालय की मरम्मत एवं नवीकरण	शिक्षा	मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल	9.44	9.44	प्रत्यक्ष - 9.44 लाख ओवरहेड - शून्य	हरीपुर डॉ अम्बेडकर जन सेवा मिशन (एनजीओ)
24	सराकारी मान्यता प्राप्त नगरी उच्च विद्यालय का शौचालय बलॉक	स्वास्थ्य एवं सफाई	बाँकुड़ा, पश्चिम बंगाल	5.00	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड - शून्य	बंकसीमुल ग्रामीण उन्नयन समिति (एनजीओ)
25	जिधरा एफ.पी. स्कूल में कक्षा एवं रसोईघर सह डाइनिंग कक्ष का निर्माण	शिक्षा	दक्षिण दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल	9.23	5.00	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड - शून्य	दक्षिण दिनाजपुर देशबंधु रूरल डेवल्पमेंट सोसाइटी (एनजीओ)
26	भारतीय खेल-कूद प्राधिकरण के क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना हेतु वित्तीय सहाय्य	खेल-कूद	नागपुर, महाराष्ट्र	25.00	-	प्रत्यक्ष - 5.00 लाख ओवरहेड - शून्य	मेयर, नागपुर नगर पालिका
27	स्वच्छ भारत कोष		-	33.03	33.03	प्रत्यक्ष - 33.03 लाख ओवरहेड - शून्य	-
		कुल		254.76	200.00		

एतद्द्वारा व्यक्त किया जाता है की सीएसआर नीति का कार्यान्वयन एवं निगरानी कंपनी के सीएसआर उद्देश्य एवं नीति के अनुपालन में है।

बी० बी० सिंह

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

(टी.वी.मुरलीवल्लवन)
अध्यक्ष, सीएसआर समिति

1	2	3	4	5	6	7	8
Sl. No.	CSR project or activity identified	Sector in which the project is covered	Projects or programs 1.Local area or other 2.Specify the State & district where projects or programs were undertaken	Amount outlay (budget) project or program wise (₹ Lakh)	Cumulative expenditure up to the reporting period (₹ Lakh)	Amount spent on the projects or programs Sub heads: (1)Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads	Amount spent: Direct or through implementing agency
17	Reconstruction of Khagendranath Sishu Siksha Kendra	Education	South 24 Parganas, West Bengal	9.88	9.89	Direct - 9.89 Lakh Overheads - Nil	Sebanjali Mohila Samiti, Joynagar (NGO)
18	Roof construction and repairing of Chakkumar Primary School	Education	West Midnapore, West Bengal	9.97	9.97	Direct - 9.97 Lakh Overheads - Nil	Chakkumar Association for Social Service (NGO)
19	Purchase of Furniture & TLM for Pranavananda Vidyamandir	Education	South 24 Parganas, West Bengal	1.90	1.90	Direct - 1.90 Lakh Overheads - Nil	Bharat Sevashram Sangha (NGO)
20	Purchase of 100 Sewing machines to tribal women	Skill Development	Sambalpur, Odisha	3.80	3.80	Direct - 3.80 Lakh Overheads - Nil	Association for Development And Research in Socio economic Activities (NGO)
21	Construction of shelter home for Tribal girls	Shelter Home (Tribal Women)	South 24 Parganas, West Bengal	10.00	5.00	Overheads - Nil Direct - 5.00 Lakh	Mathura Nivedita Mahila Samity Mathurapur (NGO)
22	Distribution of Utensils	Flood Relief	Kerala	5.21	4.42	Direct - 4.42 Lakh Overheads - Nil	SAIL
23	Repair and renovation of Govt. accredited Milki Palashi Para Prathamik Vidyalaya	Education	Murshidabad West Bengal	9.44	9.44	Direct - 9.44 Lakh Overheads - Nil	Haripur Dr. Ambedkar Janaseba Mission (NGO)
24	Toilet blocks at Govt. accredited Nagri High school	Health & Sanitation	Bankura, West Bengal	5.00	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Bankshimul Gramin Unnayan Samiti (NGO)
25	Construction of classroom and kitchen cum dining space at Jidhra F.P. School	Education	South Dinajpur, West Bengal	9.23	5.00	Direct - 5.00 Lakh Overheads - Nil	Dakshin Dinajpur Deshbandhu Rural Development Society (NGO)
26	Financial support for establishment of Regional Centre of Sports Authority of India (SAI)	Sports	Nagpur, Maharashtra	25.00	-	Direct - Nil Overheads - Nil	Mayor, Nagpur Municipal Corporation
27	Swachh Bharat Kosh		-	33.03	33.03	Direct - 33.03 Lakh Overheads - Nil	-
		TOTAL		254.76	200.00		

It is stated herewith that the implementation and monitoring of CSR Policy is in compliance with the CSR objectives and Policy of the Comapany

B.B. Singh
Chairman-cum-Managing Director

T.V. Murallvallabhan
Chairman, CSR Committee

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8100909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala, Chinsurha
Hooghly-712101, W.B.

अनुलग्नक - V

प्रपत्र सं. एमआर–3

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष हेतु

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) एवं कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक) नियम 2014 की नियम सं. 9 के अनुसरण में)

सेवा में,
सदस्यगण,
एमएसटीसी लिमिटेड

मैंने एमएसटीसी लिमिटेड (तत्पश्चात कंपनी के रूप में उल्लिखित) द्वारा किए गए अच्छे निगमित कार्यों के प्रयोज्य में वैधानिक प्रावधान और उनके अनुपालन की सचिवीय लेखा परीक्षा की है। सचिवीय लेखा परीक्षा निगमित संचालन/वैधानिक अनुपालन के मूल्यांकन हेतु उचित आधार प्रदान करती है जिसके अनुसार मैं अपने विचार व्यक्त कर रहा हूँ।

सचिवीय लेखा परीक्षा के दौरान एमएसटीसी लिमिटेड की पुस्तकों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तिका, प्रपत्रों एवं दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों जिन्हें कंपनी ने तैयार किया है, उनकी जाँच और कंपनी, इसके अधिकारियों, एजेंटों व अधिकृत प्रतिनिधियों से मिली जानकारियों एवं प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी व अपनी जाँच के आधार पर मैं यहाँ कंपनी के 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष की लेखा परीक्षा अवधि के बारे में अपनी राय व्यक्त कर रहा हूँ जो आमतौर पर यहाँ सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन में है एवं कंपनी के पास बोर्ड की प्रक्रिया और अनुपालन की पद्धति उचित सीमा एवं तरीके में हैं एवं यहाँ दी गई रिपोर्ट के अधीन हैं।

मैंने कंपनी की पुस्तकों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तिका, प्रपत्रों, दाखिल रिटर्न व अन्य अभिलेखों जिन्हें एमएसटीसी लिमिटेड ने 31 मार्च, 2019 को
समाप्त वित्त वर्ष के लिए तैयार किया है एवं मुझे उपलब्ध कराया है, उनकी इन लागू प्रावधानों के अनुसार जाँच की है:

i. कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') एवं उसमें तैयार नियम, जैसे लागू हों;

ii. प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') एवं उसके अंतर्गत तैयार नियम;

iii. निक्षेपागार अधिनियम, 1996 एवं नियमन तथा उसके अंतर्गत तैयार किए गए उप कानून;

लागू नहीं

iv. विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, समुद्रीपार प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधारी की सीमा के अंतर्गत बने नियम एवं विनियम;

v. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 (सेबी अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित निम्नलिखित नियमावली एवं दिशा-निर्देश:

क. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीबद्ध बाध्यताएँ एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015;

ख. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पूँजी निर्गम एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2018;

ग. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (पर्याप्त शेयरों का अधिग्रहण एवं अधीनीकरण) विनियम, 2011;

घ. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (भीतरी ट्रेडिंग पाबंदी) विनियम, 2015;

ङ. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (निक्षेपागार एवं भागीदारी) विनियम, 2018;

च. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (किसी मुद्दे पर रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रान्सफर एजेंट) विनियम, 1993;

vi. प्रबंधन द्वारा किए गए अभ्यावेदन के अनुसार कंपनी को प्रयोज्य अन्य कानून।

email : seal.saumayo@gmail.com

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
Phone : 9038065836
8160909418

City off :
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata
Regd. off :
324, Bunokalitala, Chinsurha
Hooghly-712101, W.B.

Annexure - V

FORM NO. MR-3

SECRETARIAL AUDIT REPORT

FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31ST MARCH, 2019

[Pursuant to Section 204 (1) of the companies act, 2013 and rule No.9 of the companies (Appointment and Remuneration of Managerial Personal) rules, 2014]

To,
The Members,
MSTC Limited

I have conducted the secretarial audit of the compliance of applicable statutory provisions and the adherence to good corporate practices by MSTC Limited (hereinafter called the company). Secretarial Audit was conducted in a manner that provides me a reasonable basis for evaluating the corporate conducts / statutory compliances and expressing my opinion thereon.

Based on my verification of the MSTC Limited's books, papers, minute books, forms, and returns filed and other records maintained by the company and also the information provided by the company, its officers, agents and authorized representatives during the conduct of secretarial audit and as per the explanations given to me and the representation made by the management, I hereby report that in my opinion, the company has, during the audit period covering the financial year ended on 31st March, 2019 generally complied with the statutory provisions listed hereunder and also that company has proper Board process and compliance mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made hereinafter :

I have examined books, papers, minute books, forms and returns filed and other records made available to me and maintained by MSTC Limited for the financial year ended on 31st March, 2019 according to the applicable provision of:

i. The Companies Act, 2013 ('the Act') and the rules made thereunder, as applicable;

ii. The Securities contract (regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made thereunder;

iii. The Depository Act, 1996 and the regulation and Bye-laws framed theraunder;

NOT APPLICABLE

iv. Foreign Exchange Management Act, 1999 and the rules and regulations made there under to the extent of Foreign Direct investment, Overseas direct Investment and External Commercial borrowing;

v. The following regulations and guidelines prescribed under the Securities and Exchange Board of India Act,1992 ('SEBI Act'):

   a. Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015;

   b. Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018;

   c. Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;

   d. Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015;

   e. Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 2018;

   f. Securities and Exchange Board of India (Registrar to an issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993;

vi. Other laws applicable to the company as par the representations made by the Management.

email : seal.saumayo@gmail.com

मैंने निम्न प्रयोज्य खंडों के अनुपालन की भी जाँच की है:

i. बोर्ड एवं साधारण सभाओं के संबंध में इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के सचिवीय मानकों का इंस्टीट्यूट के द्वारा अधिनियम के अधीन निर्दिष्ट किया जाना अभी बाकी है।

ii. कंपनी द्वारा बीएसई लिमिटेड व नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ सूचीबद्धता संबंधी अनुबंध किए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान एवं कंपनी ने मुझे दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरण तथा प्रबंधन द्वारा किए गए निरुपण के अनुसार आमतौर पर कंपनी ने अधिनियम के प्रावधान, नियमों, नियमनों, दिशा–निर्देशों आदि का पालन किया है जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। ***तथापि, कंपनी के रजिस्ट्रार के पास प्रपत्र दर्ज करने के संबंध में कुछ प्रपत्र निर्धारित तारीख के उपरांत दर्ज किए गए थे।***

इस अधिनियम के प्रावधान के अनुपालन में समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन किए गए थे। सभी निदेशकों को बोर्ड की बैठक निर्धारित करने के लिए अग्रिम में कम से कम सात दिन पहले पर्याप्त नोटिस दी गई थी। कार्यसूची और कार्यसूची पर विस्तृत नोट्स अग्रिम में भेजे गए थे और बैठक से पहले और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए कार्यसूची पर अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए प्रणाली मौजूद थे।

प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत अभिवेदन के अनुसार बोर्ड की बैठक में आम सहमति से निर्णय लिए गए।

मैं आगे प्रबंधन की तरफ से मुझे दिए गए स्पष्टीकरण एवं दिए गए प्रतिनिधित्व तथा उन पर मेरे विश्वास के अनुसार व्यक्त करता हूँ कि कंपनी के पास अपने आकार एवं परिचालन के अनुसार सभी लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशा–निर्देशों के अनुपालन की निगरानी एवं सुनिश्चितता हेतु उपयुक्त पद्धति व प्रक्रिया मौजूद है।

मैं आगे यह भी व्यक्त करता हूँ कि लेखा परीक्षा अवधि के दौरान:

क. कंपनी ने बिक्री हेतु प्रस्ताव के माध्यम से 17670400 इक्विटी शेयरों के लिए प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव किया है;

ख. कंपनी के इक्विटी शेयर नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं बीएसई लि. के साथ सूचीबद्ध हुए।

I have also examined compliance with the applicable clauses of the following:

I. Secretarial standers of the Institute of Company Secretaries of India with respect board and general meetings are yet to be specified under the Act by the Institute.

II. The Listing agreements entered into by company with BSE limited and National Stock Exchange of India limited.

During the period under review and as per the explanations and clarifications given to me and the representation made by management, the company has generally complied with the provision of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, etc. mentioned above. ***However, with respect to filing of forms to Registrar of Companies some forms were filed after the due dates.*** The changes in the composition of the Board of Directors that took place during the period under review were carried out in compliance with the provision of the Act. Adequate notice was given to all Directors at least seven days in advance to schedule the Board Meetings. Agenda and detailed notes on agenda were sent in advance, and a system exists for seeking and obtaining further information and clarifications on the agenda items before the meeting and for meaningful participation at the meeting.

Decisions at the board meeting, as represented by the management, were taken unanimously.

I further report as per the explanation given to me and the representation made by the management and relied upon by me there are adequate systems and processes in the company commensurate with the size and operations of the company to the monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

I further report that during the audit period:

a. The Company made an Initial Public Offering of 17670400 equity shares through an offer for sale;

b. The equity shares of the Company got listed with the National Stock Exchange of India Limited and BSE Ltd.

सीएस सौम्यो ज्योति सील
एफसीएस:9766
सी.पी. नं. 11169

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
FCS: 9766
C. P. No. 11169

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 27/05/2019

Place: Kolkata
Date: 27/05/2019

'अनुलग्नक क'

यह रिपोर्ट मेरे समदिनांकित पत्र, जो अनुलग्नक–क है और इस रिपोर्ट का अभिन्न भाग है, के साथ पढ़ा जाए।

सेवा में,
सदस्यगण,
एमएसटीसी लिमिटेड

मेरी समदिनांकित रिपोर्ट को इस पत्र के साथ पढ़ा जाए।

1. सचिवीय रिकॉर्ड रखने की ज़िम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है और मेरा काम इन सचिवीय रिकॉर्ड पर मेरी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।
2. सचिवीय रिकॉर्ड (अभिलेखों) के तथ्यों की सटीकता के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए मैंने उपयुक्त लेखा परीक्षा कार्य एवं प्रक्रिया का पालन किया है। परीक्षण आधार पर सत्यापन किया गया ताकि सुनिश्चित हो सके कि सचिवीय रिकॉर्ड में सही तथ्य परिलक्षित हुए हैं। मैंने जिस प्रक्रिया एवं पद्धति को अपनाया है, वो मेरे मत को व्यक्त करने के पर्याप्त आधार हैं।
3. मैंने कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड और खाता–बही की सत्यता एवं उपयुक्तता की जाँच नहीं की है।
4. जब भी आवश्यक हुआ, मैंने कानून, नियम, विनियम एवं घटनाक्रमों आदि के अनुपालन के बारे में प्रबंधन से स्पष्टीकरण प्राप्त किया है।
5. निगम के प्रावधान एवं अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के अनुपालन की ज़िम्मेदारी प्रबंधन की है। मेरी जाँच, परीक्षण के आधार पर प्रक्रिया की पड़ताल तक सीमित है।
6. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी के भविष्य की सम्भाव्यता और न ही कंपनी के मामलों में प्रबंधन के आचरण की दक्षता या प्रभाविकता का आश्वासन है।

'Annexure - A'

This report is to be read with my letter of even date which is annexure A and forms an integral part of this report.

To,
The Members,
MSTC Limited

My report of even date is to be read along with this letter.

1. Maintenance of secretarial records is the responsibility of the management and my job is to express an opinion on these secretarial records based on my audit.
2. I have followed the audit practices and process as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the Secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. I believe that the process and practices, I followed provide a reasonable basis for my opinion.
3. I have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of Accounts of the company.
4. Wherever required, I have obtained clarification from the management representative about the compliance of laws, rules, and regulations and happening of events etc.
5. The Compliance of tha provisions of corporate and other applicable laws, rules, regulation, standards is the responsibility of management. My examination was limited to the verification of procedure on test basis.
6. The secretarial audit report is neither an assuranca as to the future viability of the company nor of the efficacy or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the company.

सीएस सौम्यो ज्योति सील
एफसीएस:9766
सी.पी. नं. 11169

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 27/05/2019

Place: Kolkata
Date: 27/05/2019

CS SAUMAYO JYOTI SEAL
FCS: 9766
C. P. No. 11169

SAUMAYO JYOTI SEAL KOLKATA COMPANY SECRETARY C.P.-11169

'अनुलग्नक-VI क' 'Annexure - VI A'

31 मार्च, 2019 के समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु एमएसटीसी लि. के स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखापरीक्षकों की टिप्पणियों / अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Standalone Ind AS Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending on 31st March, 2019

क्र सं. Sl. No.	योग्यता प्राप्त मत /अवलोकन Qualified Opinion/ Observation	प्रबंधन के जवाब Management's Replies
	अन्य नियामक आवश्यकता (सीएआरओ) Other Regulatory Requirement (CARO)	
I (ग)	निम्नलिखित अचल परिसंपत्तियों के अधिकार पत्र कंपनी नाम में नहीं है।	सवाल की गई परिसंपत्तियों पर कंपनी के पास स्पष्ट अधिकार है। बहुत पुरानी प्रकृति का होने के कारण, लेखा परीक्षा के दौरान संबंधित कागजात दर्शाए नहीं जा सके थे। परिसंपत्तियों के लिए अधिकार पत्र (टाईटल डीड) पुनःप्राप्ति के प्रयास जारी है।
I (c)	The title deeds of the following immovable properties are not held in the name of the Company.	The Company holds clear title over the asset in question. Due to very old nature the relevant papers could not be shown during audit. Efforts are on to retrieve title deed of the property

मामलों की कुल संख्या Total No. of cases	1
क्या पट्टायुक्त/पूर्णस्वमित्व की है Whether leasehold/freehold	पूर्णस्वमित्व Freehold
सकल ब्लॉक (तुलनपत्र की तिथि को) Gross Block (as at Balance Sheet date)	₹ 0.74 मिलियन/ million
नेट ब्लॉक (तुलनपत्र की तिथि को) Net Block (as at Balance Sheet date)	₹ 0.45 मिलियन/ million

VIII	हमारी राय में एवं हमे दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने स्टैंडअलोन इंड एएस वित्तीय विवरण की टिप्पणीयों में टिप्पणी सं. 20(क) एवं 20(ख) में वर्णन के अनुसार ऋणों को छोड़कर बैंक बकायों के भुगतान में चूक नहीं की है एवं एतद्द्वारा वर्णित है।	दोनो ही मामले विचाराधीन है एवं खातों की टिप्पणियों की टिप्पणी सं. 21 में पर्याप्त रूप से प्रकट किए गए है।
VIII	In our opinion and according to the information and explanation given, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loans as mentioned in Note No.20(a) and 20(b) to the notes of the Standalone Ind AS financial statement and detailed here under :	Both the matters are subjudice in verious courts and have been adequately disclosed in Note No.21 of the Notes on Accounts.

बैंक का नाम Name of Bank	मूलधन Principal	ब्याज Interest
इंडियन ओवरसीज बैंक Indian Overseas Bank	₹13.8 मिलियन/ million	-
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक Standard Chartered Bank	₹ 1436.2 मिलियन/ million	₹ 788.9 मिलियन/ million

अन्य नियामक आवश्यकता पार्ट 3(एफ) (अनुलग्नक ग) / Other Regulatory Requirement Pt 3(f) (Annexure C)

पीटी (क)कंपनी के पास ग्राहक की स्वीकृति ऋण के मूल्यांकन एवं बिक्री के लिए ऋण सीमाओ की स्थापना हेतु कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है जो कंपनी में अंतिम संग्रह की यथा उपयुक्त सुनिश्चितता स्थापित किए बिना राजस्व की स्वीकृति का संभावी परिणाम दे सकता है। बकायों की वसुली के लिए ग्राहकों के साथ तदुपरांत गतिविधियों पर आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त है।

Pt (a) The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

प्रबंधन के जवाब / Management's Replies

पीटी (क) ट्रेडिंग व्यवसाय मॉडल बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था और जो पिछले दशकों से प्रचलन में हैं। अगर मॉडल में खामियां होती तो कंपनी को इस्पात उद्योग लिमिटेड, हल्दिया पेट्रो केमिकल्स और कई अन्य मामलो में पूरी तरह से बकाया राशि की वसूली नही होती। बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति की व्यवस्था है, जो अन्य बातों के साथ-साथ ग्राहक चयन, ऋण मूल्यांकन एवं ग्राहको के लिए ऋण सीमाएं स्थापित करने हेतु दिशानिर्देश प्रदान करती है एवं समय समय पर बोर्ड के अनुमोदन से इसकी समीक्षा एवं रूपांतरण भी की जाती है। इसके अलावा, एक मार्केटिंग मैनुअल भी है जो दैनंदिन परिचालनों के संचालन हेतु निर्दिष्ट नियमों एवं पद्धतियों की सूचना देता है एवं जिसमें विपणन प्रचालन से जुड़े अन्य पहलु है। साथ ही सामग्री के 110% मूल्य के लिए बैंक गारंटी स्वीकार करते हुए केवल नए ग्राहको के साथ ट्रेडिंग व्यवसाय शुरु करते हुए कंपनी ने डिफॉल्ट जोखिम को उल्लेखनीय रूप से रोधित किया है। साथ ही, कंपनी "कैश एवं कैरी" मॉडल के अंतर्गत ग्राहको के साथ धीरे धीरे व्यवसाय समाप्त कर रही है।

बकायो की यथा वसूली के लिए ग्राहको के साथ नियमित कार्यवाही हेतु एक तंत्र व्यवस्थित है। किसी भी चूक की घटना घटने पर अनुस्मारक भेजे जाते है एवं आगे का क्रय रोक दिया जाता है। फोन के माध्यम से अनुवर्ती कार्य किया जाता है एवं अवधि के अंतराल पर निदेशक/सीएमडी से मिलने के लिए पार्टी के प्रतिनिधियों को बुलाया जाता है। अन्य बातों के साथ-साथ महीना वार रिपोर्ट तैयार की जाती है जिसमे लेनदेन, वसूली, बकाया एवं उस पर समयवार विश्लेषण दर्शाया गया है। इस विषय में मासिक रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय के पास भेजी जाती है। इसमे बकाया प्राप्तियों से संबंधित वर्तमान स्थिति का विवरण भी है। बोर्ड के लेखा परीक्षा समिति द्वारा नियमित रूप से ट्रेडिंग व्यवसाय की समीक्षा की जाती है और सुझाव लागू किए जाते है।

Pt (a) The trading business model was approved by the Board and in vogue since previous decades. Had there been loopholes in the model,the company wouldn't have fully realized hefty dues in Ispat Industries Ltd,Haldia Petro Chemicals Ltd and in many other cases. There is Board approved Risk Management policy in place which inter alia provides guidelines for customer selection, credit evaluation and establishing credit limits for customers etc. and the same is also reviewed and modified from time to time with Board approval. Moreover, there is a Marketing Manual which describes the set of rules and procedures for handling day-to-day operations and which covers other relevant aspects of Marketing operations. Besides, Company has insulated default risk significantly by introducing trading business with new customers only by accepting Bank Guarantee for 110% of value of materials. Simultaneously, Company is gradually tapering down business with customers under the 'Cash and Carry' model.

There is a system of regular follow up with customers for timely realization of dues. Reminders are sent in case of occurrence of any default and further procurements are stopped. Rigorous follow up is also done over phone and representatives from the parties are called to meet directors/CMD at periodical intervals. Month wise reports are generated inter alia showing transactions, realizations, outstanding and age wise analysis thereof. Monthly reports are sent to the Ministry of Steel in this regard also detailing the current status related to outstanding receivables. The trading business is reviewed regularly by Audit committee of the Board and suggestions are implemented.

अन्य नियामक आवश्यकता पार्ट 3(एफ) (अनुलग्नक ग) / Other Regulatory Requirement Pt 3(f) (Annexure C)

पीटी (ख) कंपनी द्वारा अपने ग्राहको की ओर से क्रय की गई कच्ची सामग्रियों के बंधक रखे एवं कंपनी द्वारा नियुक्त अभिरक्षक के नियंत्रण में रखे स्टॉक के संबंध में कंपनी के पास कोई उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिसके फलस्वरूप गोदामों से सामग्री अनाधिकृत रूप से उठाई जाती है।

Pt (b) The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

प्रबंधन के जवाब / Management's Replies

पीटी (ख) कंपनी ने पूर्ववर्ती एजेंसी फेरो स्क्रैप निगम लि.(एफएसएनएल), सीपीएसई को बदलकर सेंट्रल रेल साइड वेयर हाऊसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, सीपीएसई को गिरवी स्टॉक रखने हेतु संरक्षक के रूप में चयनित किया है। इसके अलावा आवधिक अंतराल पर तीसरे पक्ष की जांच एजेंसी द्वारा स्टॉक के भौतिक सत्यापन हेतु एक प्रणाली है एवं इसे सुदृढ़ किया जा रहा है। तथापि, उक्त प्रमाणन के फलस्वरूप उत्पन्न कोई भी कमी, यदि है, को तुरंत यथा उपयुक्त वसूल करते हुए इसका समाधान किया जाता है, अन्यथा चूक किए ग्राहक के विरुद्ध तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाती है।

Pt (b) The Company had engaged Central Rail side Warehousing Corporation Ltd., a CPSE as a custodian for pledged stock by replacing the earlier agency Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL). Further, there is a system of physical verification of stock through third party inspection agency at periodic intervals and same is being strengthened. However, shortages, if any, arising out of the said verification are immediately addressed by recovering the same wherever feasible else police complaints are lodged immediately against the defaulting customer.

निदेशक मंडल की ओर से तथा के लिए

बी.बी. सिंह
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

For and on behalf of the Board of Directors

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

'अनुलग्नक–VI ख' Annexure-VI (B)

31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु एमएसटीसी लि. के समेकित इंड एएस वित्तीय विवरण पर सांविधिक लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब

Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors on the Consolidated Ind AS Financial Statement of MSTC Ltd. for the financial year ending on 31st March, 2019

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation

अन्य नियामक आवश्यकताएं पीटी(एफ) (अनुलग्नक बी)
Other Regulatory Requirement Pt 2(f) (Annexure B)

पीटी (क) होल्डिंग कंपनी के पास ग्राहक स्वीकृति, ऋण मूल्यांकन और बिक्री के लिए क्रेडिट सीमा स्थापित करने के लिए एक उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं थी, जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को अंतिम संग्रह की उचित निश्चितता स्थापित किए बिना राजस्व की स्वीकृत हो सकता है। बकाया की वसूली के लिए ग्राहकों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई पर आंतरिक नियंत्रण अपर्याप्त है।

Pt (a) The Holding Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

प्रबंधन के जवाब

पीटी (क) होल्डिंग कंपनी के मामले में, व्यापार व्यवसाय मॉडल को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था और पिछले दशकों से प्रचलन में था। अगर मॉडल में खामियां होतीं, तो कंपनी को इस्पात उद्योग लिमिटेड, हल्दिया पेट्रो केमिकल्स लिमिटेड और कई अन्य मामलों में पूरी तरह से बकाया राशि का वसूली नहीं होता।

बोर्ड की स्वीकृत जोखिम प्रबंधन नीति है, जिसमें अन्य बातों के साथ साथ ग्राहक चयन, ऋण मूल्यांकन और ग्राहकों के लिए क्रेडिट सीमा स्थापित करने आदि के लिए दिशा निर्देश प्रदान करती है और बोर्ड की मंजूरी के साथ समय-समय पर इसकी समीक्षा और संशोधन भी किया जाता है। इसके अलावा, एक मार्केटिंग मैनुअल है जो दिन-प्रतिदिन के संचालन से निपटने के लिए नियमों और प्रक्रियाओं का वर्णन करता है और जो विपणन कार्यों के अन्य प्रासंगिक पहलुओं को शामिल करता है। इसके अलावा, कंपनी ने सामग्रियों के मूल्य की 110% बैंक गारंटी को स्वीकार करके केवल नए ग्राहकों के साथ व्यापार व्यवसाय शुरू करने में डिफ़ॉल्ट जोखिम को काफी कम कर दिया है।
इसके साथ ही कंपनी धीरे-धीरे कैश एंड कैरी 'मॉडल के तहत ग्राहकों के साथ व्यापार को कम कर रही है।
बकाया की समय पर वसूली के लिए ग्राहकों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई की एक प्रणाली है। किसी भी डिफ़ॉल्ट की घटना के मामले में अनुस्मारक भेजे जाते हैं और आगे की खरीद बंद कर दी जाती है। फोन पर कठोर फॉलोअप भी किया जाता है और पार्टियों के प्रतिनिधियों को समय-समय पर निदेशकों / सीएमडी से मिलने के लिए बुलाया जाता है। महीने वार रिपोर्ट्स अन्य बातों के साथ साथ लेन-देन, वसूली, बकाया और वर्ष वार विश्लेषण को दर्शाते हुए बनायी जाती हैं। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय को मासिक रिपोर्ट भेजी जाती है, जिसमें बकाया प्राप्तियों से संबंधित वर्तमान स्थिति का विवरण भी होता है। बोर्ड के लेखा परीक्षा समिति द्वारा नियमित रूप से ट्रेडिंग व्यवसाय की समीक्षा की जाती है और सुझाव लागू किए जाते हैं।

Management's Replies

Pt (a) In case of the Holding Company, the trading business model was approved by Board and in vogue since previous decades. Had there been loopholes in the model,the company wouldn't have fully realized hefty dues in Ispat Industries Ltd,Haldia Petro Chemicals Ltd and in many other cases.

There is Board approved Risk Management policy in place which inter alia provides guidelines for customer selection, credit evaluation and establishing credit limits for customers etc. and the same is also reviewed and modified from time to time with Board approval. Moreover, there is a Marketing Manual which describes the set of rules and procedures for handling day-to-day operations and which covers other relevant aspects of Marketing operations. Besides, Company has insulated default risk significantly by introducing trading business with new customers only by accepting Bank Guarantee for 110% of value of materials. Simultaneously, Company is gradually taparing down business with customers under the 'Cash and Carry' model.

There is a system of regular follow up with customers for timely realization of dues. Reminders are sent in case of occurrence of any default and further procurements are stopped. Rigorous follow up is also done over phone and representatives from the parties are called to meet directors/CMD at periodical intervals. Month wise reports are generated inter alia showing transactions, realizations, outstanding and age wise analysis thereof. Monthly reports are sent to the Ministry of Steel in this regard also detailing the current status related to outstanding receivables. The trading business is reviewed regularly by Audit committee of the Board and suggestions are implemented.

क्रम सं. Sl. No.	योग्यताप्राप्त मत/अवलोकन Qualified Opinion/ Observation

अन्य नियामक आवश्यकताएं पीटी(एफ) (अनुलग्नक बी)
Other Regulatory Requirement Pt 2(f) (Annexure B)

पीटी (ख) होल्डिंग कंपनी के पास अपने ग्राहकों की ओर से कंपनी द्वारा खरीदे गए कच्चे माल के गिरवी रखे गए स्टॉक के संबंध में एक उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं थी और कंपनी द्वारा नियुक्त कस्टोडियन के नियंत्रण में रखा गया था जिसके परिणामस्वरूप गोदामों से सामग्री अनधिकृत रूप से उठा लिया गया था।

Pt (b) The Holding Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of its customers and kept under the control of the custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.

प्रबंधन के जवाब

पीटी (ख) होल्डिंग कंपनी ने पूर्व की एजेंसी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) की जगह गिरवी रखे गए स्टॉक के लिए सेंट्रल रेल साइड वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सीपीएसई की नियुक्ति की थी। इसके अलावा, आवधिक अंतराल पर तीसरे पक्ष के निरीक्षण एजेंसी के माध्यम से स्टॉक के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था है और उसी को मजबूत किया जा रहा है। हालांकि, उक्त सत्यापन से कमी, यदि कोई हो, तो तुरंत ही ठीक कर लिया जाता है, जहां भी संभव हो,चूक करने वाले ग्राहक के खिलाफ तुरंत पुलिस के पास शिकायत दर्ज की जाती है।

Management's Replies

Pt (b) The Holding Company had engaged Central Rail side Warehousing Corporation Ltd., a CPSE as a custodian for pledged stock by replacing the earlier agency Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL). Further, there is a system of physical verification of stock through third party inspection agency at periodic intervals and same is being strengthened. However, shortages, if any, arising out of the said verification are immediately addressed by recovering the same wherever feasible else police complaints are lodged immediately against the defaulting customer.

निदेशक मंडल की ओर से तथा के लिए

बी.बी. सिंह
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

For and on behalf of the Board of Directors

(B. B. Singh)
Chairman-cum-Managing Director

स्टैंडअलोन रिपोर्ट

STANDALONE REPORT

स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की लेखा-परीक्षा पर रिपोर्ट

हमने एमएसटीसी ('द कंपनी') के वित्तीय विवरण के रूप में सम्मिलित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी का लेखा-परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र, लाभ एवं हानि (अन्य व्यापक आय सहित) विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण, वर्ष हेतु नकदी प्रवाह विवरण, महत्वपूर्ण लेखागत नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं सहित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ शामिल हैं।

हमारे विचार तथा हमारी बेहतरीन जानकारी तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार ऊपर कथित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी यथा अपेक्षित तरीके से कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') द्वारा अपेक्षित सूचना तथा कंपनी ('भारतीय लेखागत मानक') नियम, 2015, यथा संशोधित ('आईएनडी एएस') के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निधारित भारतीय लेखागत मानक भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखागत सिद्धांतों सहित 31 मार्च, 2019 को कंपनी के मामलों की स्थिति समाप्त वर्ष की तिथि हेतु, हानि, कुल व्यापक हानि, इक्विटी में परिवर्तन तथा समाप्त वर्ष की तिथि हेतु इसके नकदी प्रवाह के अनुरूप सही और निष्पक्ष राय देता है।

मंतव्य का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अधीन विनिर्दिष्ट लेखा-परीक्षा के मानकों के अनुसार समेकित लेखा विवरणी की लेखा-परीक्षा की है। इन मानकों के अधीन हमारी जिम्मेवारियों का विस्तृत विवरण हमारे प्रतिवेदन के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी भाग की लेखा-परीक्षा हेतु लेखा परीक्षकों की जिम्मेवारी के तहत वर्णित है। भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के साथ अधिनियम के प्रावधानों तथा उसके अधीन गठित नियमों के अंतर्गत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी का लेखा-परीक्षा हमने कंपनी से स्वतंत्र रहकर उपयुक्त नैतिकता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया है तथा हमने इन आवश्यकताओं एवं आईसीएआई की आचार संहिता के अनुरूप अपने अन्य नैतिक जिम्मेवारियों का निर्वहन किया है। हमें विश्वास है समेकित वित्तीय विवरणी हमारे लेखा परीक्षा मंव्य प्रदान हेतु आधार के लिए हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

मामलों की प्रमुखता

हम स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की टिप्पणी में निम्न मामलों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं :-

i) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की टिप्पणियों की टिप्पणी संख्या 9.4 (सी) से संदर्भित है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि सामग्री के प्रक्रय तथा आपूर्ति हेतु ₹ 1096.47 मिलियन रुपये सहित प्राप्यमोन्य व्यवसाय मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड से बकाया है जो विगत तीन वर्षों से अधिक पुराना है। पार्टी मध्यस्थता एवार्ड हेतु भुगतान नहीं कर रही है तथा चालू वित्तीय वर्ष में ₹ 1148.43 मिलियन रुपये के आरंभिक प्राप्य बकाया के विरुद्ध केवल ₹ 496.98 मिलियन रुपये समायोजित किये गये हैं। वोल्यूमेट्रिक विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार चूंकि 31 मार्च, 2019 को गिरवी स्टॉक का उगाही योग्य निवल मूल्य ₹ 1102.82 मिलियन रुपये (विगत वर्ष ₹ 1418.52 मिलियन रुपये) तक नीचे आ गया है, चालू वर्ष में प्रबंधन द्वारा लेखा में स्टॉक मूल्य में रिक्तिकरण के मूल्य के समतुल्य ₹ 315.70 मिलियन रुपये का प्रावधान किया गया है।

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC Limited.

Report on the Audit of the Standalone Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying standalone financial statements of MSTC Limited ("the Company"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2019, the Statement of Profit and Loss (including Other Comprehensive Income), the Statement of Changes in Equity, the Statement of Cash Flows for the year then ended and notes to the financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the aforesaid standalone financial statements give the information required by the Companies Act, 2013 ("the Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Indian Accounting Standards prescribed under section 133 of the Act read with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended ("Ind AS"), and other accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Company as at 31st March, 2019, the loss, total comprehensive loss, changes in equity and its cash flows for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit of standalona financial statements in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified under section 143(10) of the Act. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of Standalone Financial Statements section of our report. We are independent of the Company in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the standalone financial statements under the provisions of the Act and the Rules made thereunder, and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Emphasis of Matter

We draw attention to the following matters in the Notes to the standalone financial statements:

i) Reference is invited to Note no. 9.4 (c) of notes to the Standalone financial statements wherein it is stated that Trade Receivables include ₹1096.47 Million due from M/S Jai Balaji Industries Ltd. for procurement and supply of materials which are more than three years old. The party is not making payment as per the Arbitration award and in the current year only ₹ 496.98 Million have been adjusted against outstanding opening receivable of ₹ 1148.43 Million. Since as per the Volumetric Analysis Report, the net realizable value of the pledged stock as on 31 March, 2019 has come down to ₹ 1102.82 Million (Previous year: ₹ 1418.52 Million), provision of ₹ 315.70 Million quivalent to the value of depletion in the stock value has been provided in the accounts by the Management in the current year.

ii) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी टिप्पणियों की टिप्पणी संख्या 43 से सम्बंधित प्राप्ययोग्य व्यवसाय तथा भुगतेय व्यवसाय के शेष की पुष्टि/मिलान तथा मिलान पर होने वाले अनुवर्ती प्रभाव से लम्बित मामले से संदर्भित है।

इस मामलों पर हमारे मंतव्य परिवर्तित नहीं है।

प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले

प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले वैसे मामले हैं जो चालू अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी के हमारे लेखा-परीक्षा में हमारे व्यवसायिक निर्णय के अति महत्वपूर्ण है। ये मामले सम्पूर्ण स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की हमारे लेखा-परीक्षा के संदर्भ में सम्बंधित हैं और हमारे मंतव्य निर्मित करते हैं तथा इन मामलों पर हम कोई पृथक मंतव्य नहीं रखते।

नीचे उल्लेखित मामलों का हमने निर्धारण किया है जो हमारे रिपोर्ट में सम्प्रेषित प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले हैं :

क्र.सं.	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले में लेखा-परीक्षकों की प्रतिक्रिया
1	**राजस्व मान्यता** कंपनी के अधीन कैश एण्ड कैरी पद्धति में सामग्री जिसे कंपनी आपूर्तिकारों से खरीदती है, की विशिष्टता सहित उपभोक्ता के साथ एक करार हस्ताक्षर शामिल है। संग्रहित सेवाकर वास्तविक प्रक्रयमूल्य का एक प्रतिशत होता है। खरीद की जाने वाली सामग्री के मुल्य का अधिनियम 20% प्रतिभूति जमा उपभोक्ता से संग्रहित की जाती है। इस प्रकार खरीदी गयी सामग्री तृतीय-पक्ष संरक्षक की संरक्षा कंपनी द्वारा गिरवी रख दी गई है। उपभोक्ता द्वारा अनुसूची के अनुसार सामग्री उत्तोलित नहीं किये जाने का जाखिम उनके उत्पाद अनुसूची में परिवर्तन तथा बाजार में अस्थिरता के कारण बना रहता है। कंपनी द्वारा राजस्व की मान्यता से संबंधित प्रकटीकरण संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की टिप्पणी 26 में प्रदान की गयी है।	**लेखा-परीक्षा प्रक्रिया** राजस्व मान्यता लागू प्रक्रिया के संबंध में नियंत्रण की प्रभावशीलता के विश्लेषण सहित उसके अनुपालन के साथ-साथ उसकी नीतियों और प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हमने ठेकागत अनुबंध और शर्तों सहित प्रबंधन के साथ महत्वपूर्ण ठेका पर विचार-विमर्श एवं विश्लेषण किया। • **कैश एण्ड कैरी मॉड्यूल** क) नियमित अंतराल पर बड़े आकार में विश्लेषण संचालित किया जाता है जो कंपनी को उपभोक्ता के कार्य स्थल पर रखे हुए गिरवी स्टॉक के निवल साध्य मूल्य उपलब्ध कराता है। ऐसे रिपोर्टों की हमारे द्वारा जाँच की गयी है और ऐसे सभी साध्य के लिए प्रावधान किये गये हैं जिनका स्टॉक एनआरवी उनके बकाया शेष से कम है। ख) इस मॉड्यूल के अंतर्गत जोखिम, कंपनी द्वारा एक अन्य योजना, जिसके अधीन सभी नये उपभोक्ताओं हेतु खरीद तभी की जाती है जब ऐसी खरीद 110% बैंक गारंटी द्वारा समर्थित होता है, लागू कर कम किया गया है।

ii) Reference is invited to Note no. 43 of notes to the Standalone financial Statements relating to pending confirmation/ reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and its consequential impact that may arise on reconciliation.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Key Audit Matters

Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the standalone financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the standalone financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

We have determined the matters described below to be the key audit matters to be communicated in our report:

Sl. No	Key Audit Matters	Auditor's Response to Key Audit Matters
1	**Revenue Recognition** The Cash & carry module under the Company's Trading segment involves entering into an agreement with the customer specifying the materials which the Company procures from the suppliers. The service charge collected is a percentage of the actual procurement value. Security deposit to a maximum of 20% of the material value procured is collected from the customer. The material thus procured is pledged back to the Company and is kept in the custody of a third-party custodian. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market. The disclosures related to recognition of revenue by the Company are provided in Note no. 26 to the accompanying standalone financial statements.	**Audit procedures** Understanding the policies and procedures applied to revenue recognition, as well as compliance therewith, including an analysis of the effectiveness of controls related to revenue recognition process employed. We analyzed and discussed with management the significant contracts including contractual terms and conditions. • **Cash & carry module** (a) Volumetric Analysis is conducted at regular intervals which provides the Company with Net Realizable Value (NRV) of the pledged stock lying at the customer's site. Such reports have been checked by us and provisions have been made for all receivables whose stock's NRV was less than their outstanding balances. (b) The risk under this module has been mitigated by the Company by introducing another scheme under which procurement for all new customers is done only when such procurement is backed by 110% Bank Guarantee.

क्र.सं.	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले में लेखा-परीक्षकों की प्रतिक्रिया
2	**व्यवसाय प्राप्य की वसूली** 31 मार्च, 2019 को व्यवसाय साध्य की राशि ₹ 26,835.12 मिलियन रुपये थी जिसमें से ₹ 10,342.54 मिलियन रुपये असुरक्षित तथा ₹ 9,635.07 मिलियन रुपये के लिए खराब तथा संदिग्ध, ऋण के प्रावधान कंपनी द्वारा बनाये गये थे। वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था पर बढ़ती हुई चुनौतियाँ तथा कार्यकारी परिवेश ने डिफॉल्ट की जोखिम बढ़ा दी है। विशेष रूप से, उपभोक्ताओं के दिवालियेपन के मामले में, करार की आवश्यकता के अनुरूप ठेकागत दायित्वों का उपभोक्ता द्वारा पूरा करने में विफल हो जाने के कारण कंपनी को वित्तीय हानि का सामना करना पड़ता है। प्रबंधन द्वारा वसूलीयोग्य राशि का आंकलन व्यक्तिगत देनदार के पुराने प्रोफाइल के साथ उनकी विशिष्ट वसूलीयोग्य मूल्यांकन तथा उपभोक्ता की ऋण पात्रता के आधार पर किया जाता है। कंपनी की व्यवसाय साध्य से सम्बंधित प्रकटीकरण संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की टिप्पणी में दर्शायी गयी है।	**लेखा-परीक्षा प्रक्रियाएं :** प्रबंधन से 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के दौरान सभी प्राप्ययोग्य शेष तथा लेन-देन का विवरण हासिल करना। हमने व्यवसाय साध्य की प्रकृति, स्थिरता और साध्य की वसूल की सम्भावना की समीक्षा की। चूंकि सभी व्यवसाय साध्य का शेष पुष्टिकरण उपलब्ध नहीं हो पाया, शेष की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए मूल लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं का अनुपालन किया गया है। हमने उपभोक्ताओं के क्रेडिट प्रोफाइल, उपभोक्ताओं के भुगतान पद्धति का इतिहास, उपलब्ध सामान्य सूचनाएं तथा उपभोक्ताओं के साथ हाल ही में किये गये पत्राचार के संदर्भ में प्रबंधन के मूल्यांकन करने के आधार पर एक नमूना के रूप में अचूकता साध्यों की वसूलियों का मूल्यांकन किया।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी से परे अन्य सूचना तथा इस पर लेखा-परीक्षाओं की रिपोर्ट

कंपनी की निदेशक मंडली अन्य सूचना तैयार करने के लिए जिम्मेवार है। अन्य सूचनाओं में प्रबंधन विचार-विमर्श तथा विश्लेषण, निदेशक का रिपोर्ट का संलग्नक सहित निदेशक रिपोर्ट, निगमित शासन तथा शेयरधारकों की सूचना शामिल है परन्तु उस पर स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी तथा हमारे लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है। इस लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट की तिथि केपश्चात् वार्षिक रिपोर्ट हमें उपलब्ध कराने की सम्भावना है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी पर हमारे मन्तव्य अन्य सूचनाओं को आवृत्त नहीं करते तथा हम उस पर किसी भी प्रकार से आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की हमारे लेखा-परीक्षा के संबंध में हमारी जिम्मेवारी है कि हम उपर्युक्त प्रतिचिह्नित अन्य सूचनाओं का उनकी उपलब्ध कराये जाने पर अध्ययन करें और इस प्रक्रिया में हम यह देखते हैं कि हमारे द्वारा की गयी लेखा-परीक्षा के दौरान प्राप्त जानकारी या स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी के साथ अन्य सूचना वास्तव में असंगत या अन्यथा वास्तव में गलत बयान साबित होता है।

S. No	Key Audit Matters	Auditor's Response to Key Audit Matters
2	**Recoverability of Trade Receivables** As at 31st March, 2019, Trade Receivables amounted to ₹ 26,835.12 Million out of which ₹10,342.54 Million was unsecured and provision of ₹ 9,635.07 Million for bad and doubtful debts has been made by the Company. The increasing challenges over the economy and operating environment during the year have increased the risks of default. In particular, in the event of insolvency of customers, the Company is exposed to potential risk of financial loss when the customers fail to meet their contractual obligations in accordance with the requirements of the agreements. The recoverable amount was estimated by management based on their specific recoverability assessment on individual debtor with reference to the aging profile and credit worthiness of the customer. The disclosures related to Trade Receivables of the Company are provided in Note 9 to the accompanying standalone financial statements.	**Audit procedures:** Obtaining details of all receivable balances and transactions during the year ended 31st March, 2019 from the management. We reviewed the nature of the trade receivables, the sustainability and the likelihood of recoverability of receivables. Since balance confirmations from all theTrade receivables are not available, substantive audit procedures have been followed to ensure accuracy of balances. We assessed the recoverability of the unsettled receivables on a sample basis through our evaluation of management's assessment with reference to the credit profile of the customers, historical payment pattern of customers, publicly available information and latest correspondence with customers.

Information Other than the Standalone Financial Statements and Auditor's Report Thereon

The Company's Board of Directors is responsible for the preparation of other information. The other information comprises the information included in the Management Discussion and Analysis, Director's Report including annexures to Director's Report, Corporate Governance and Shareholders' information, but does not include the standalone financial statements and our auditor's report thereon. The annual report is expected to be made available to us after the date of this auditor's report.

Our opinion on the standalone financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the standalone financial statements, our responsibility is to read the other information identified above when it becomes available and, in doing so, consider whether the other information is materially inconsistent with the standalone financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit, or otherwise appears to be materially misstated.

जब हम वार्षिक रिपोर्ट (प्रतिवेदन) का अध्ययन करते हैं और अगर यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उसमें गलत बयान है, शासन से जुड़े लोगों को मामले को सम्प्रेषित करना एवं प्रयोज्य नियमों एवं विनियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करना हमारी अपेक्षा है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी हेतु प्रबंधन तथा शासन प्रभार का उत्तरदायित्व

इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की तैयारी के संबंध में अधिनियम की धारा 134(5) में उल्लिखित मामलों के लिए कंपनी की निदेशक मंडली जिम्मेवार है जिससे कि वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य प्रदर्शन (अन्य व्यापक आय सहित), कंपनी (भारतीय लेखागत मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित, के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अधीन विनिर्दिष्ट आईएनडी एएस समेत, सामान्य रूप से भारत में स्वीकृत लेखागत नीतियों के अनुपालन में कंपनी की नकदी प्रवाह तथा इक्विटी में परिवर्तन की विवरणिका सही और निष्पक्ष आधार प्राप्त हो सके। इस उत्तरदायित्व में कंपनी की परिसम्पत्तियों के संरक्षण तथा अन्य विनियमिताओं और धोखाधड़ी का पता लगाने तथा रोकने के लिए, लेखागत नीतियों के रख-रखाव तथा उपयुक्त कार्यान्वयन का चयन तथा प्रयोग, उचित तथा विवेकपूर्ण निर्णय एवं आंकलन तथा पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को बनाये रखने एवं अभिकल्पन, क्रियान्वयन कि हम लेखागत रिकॉर्ड की सटीकता एवं पूर्णता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावशाली रूप से प्रचालन कर रहे हैं, जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की प्रस्तुति एवं तैयारी के लिए पर्याप्त है जिससे, धोखाधड़ी या त्रुटिवश, किसी भी प्रकार से गलत बयान से मुक्त हो तथा सही और निष्पक्ष विचार प्रस्तुत करने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप पर्याप्त लेखागत रिकार्डों का रख-रखाव शामिल है।

वित्तीय विवरणी तैयार करने में सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में कंपनी की योग्यता का मूल्यांकन करने, सुनाम प्रतिष्ठान से संबंधित मामलों को यथा प्रयोज्य, प्रकट करने तथा लेखा के लिए सुनाम प्रतिष्ठान आधार व्यवहार करने जब तक प्रबंधन कंपनी के परिसमापन या प्रचालन बंद करने या यथार्थरूप से इसके अलावा विकल्प न हो, का इरादा न करे, प्रबंधन उपयुक्त कार्यों के लिए जिम्मेवार है।

निदेशक मंडली, कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देख-रेख के लिए जिम्मेवार है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की लेखा-परीक्षा हेतु लेखा-परीक्षा का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी को समग्र रूप में, जालशाजी या त्रुटिवश, किसी प्रकार के गलत बयान से मुक्त होने के पक्ष में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने तथा लेखा-परीक्षक का रिपोर्ट निर्गत करना है जिसमें हमारे मन्तव्य शामिल हों। उपयुक्त आश्वासन एक उच्च स्तरीय आश्वासन है, परन्तु यह प्रमाण नहीं है कि स्टैंडअलोन लेखा के अनुपालन में संचालित लेखा-परीक्षा हमेशा ही उसमें विद्यमान गलत बयान को प्रतिचिह्नित करेगा। गलत बयान धोखाधड़ी या त्रुटिवश भी हो सकते हैं तथा वे, व्यक्तिगत या समग्र रूप में, गलत माने जाएँगे यदि वे उचित रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के आधार पर प्रयोक्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित करते हैं।

स्टैंडअलोन लेखा के अनुसार लेखा-परीक्षा के अंश के रूप में हम व्यवसायिक निर्णय लेते हैं तथा पूरी लेखा-परीक्षा के दौरान व्यवसायिक संदेहवाद बनाये रखते हैं।

When we read the annual report, if we conclude that there is a material misstatement therein, we are required to communicate the matter to those charged with governance and take necessary actions as per applicable laws and regulations.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for Standalone Financial Statements

The Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in section 134(5) of the Act with respect to the preparation of these standalone financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance (including other comprehensive income), statement of changes in equity and cash flows of the Company in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Ind AS specified under section 133 of the Act read with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate implementation and maintenance of accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the standalone financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

In preparing the financial statements, management is responsible for assessing the Company's ability to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Company or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The Board of Directors are responsible for overseeing the Company's financial reporting process.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Standalone Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the standalone financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error, and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these standalone financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgement and maintain professional skepticism throughout the audit.

हम :

- स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी में सामग्रीगत गलतबयानी के जोखिम को प्रतिचिह्नित तथा मूल्यांकित करते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटिवश, अभिकल्पन के माध्यम से हो तथा उन जोखिमों के प्रति उत्तर में लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं का निष्पादन और लेखा-परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे मन्तव्य के आधार को पर्याप्त एवं उपयुक्तता प्रदान करे। धोखाधड़ी से उत्पन्न सामग्रीगत गलत बयानी को पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटिवश हुई गलत बयानी से कहीं अधिक है चूँकि धोखाधड़ी से निष्कर्ष, जालसाजी, जानबूझ कर की गयी चूक, बहकाना या आंतरिक नियंत्रण का अतिक्रमण शामिल हो सकता है।
- लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं का गठन करने के लिए लेखा-परीक्षा हेतु उपयुक्त परिस्थितियों के अनुरूप आंतरिक नियंत्रण समान प्राप्त करते हैं। अधिनियम की धारा 143 (3)(i) के अधीन, सही तरीके से कंपनी की पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली तथा ऐसे नियंत्रणों की प्रचालनगत प्रभावशीलता पर अपना मन्तव्य व्यक्त करना भी हमारी जिम्मेवारी बनती है।
- व्यवहार में लाये गये लेखागत नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखागत आंकलनों की औचित्यता तथा प्रबंधन द्वारा किये गये सम्बंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन करते हैं।
- सुनाम प्रतिष्ठान के आधार पर प्रबंधन की लेखा के व्यवहार की उपयुक्तता तथा प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि घटनाओं तथा परिस्थितियों से सम्बंधित सामग्रीगत अनिश्चितता एवं सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में कंपनी की योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगाया जा सकता है। यदि यह निष्कर्ष निकालते हैं कि सामग्रीगत अनिश्चितता विद्यमान है, हम अपने लेखा-परीक्षकों के रिपोर्ट में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी में सम्बंधित प्रकटीकरण के प्रति ध्यानाकर्षित कर सकते हैं और यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्त होते हैं तो हम अपना मन्तव्य संशोधित कर सकते हैं। हमारा निष्कर्ष हमारे लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन से प्राप्त अध्यतन लेखा-परीक्षा साक्ष्य पर आधारित होते हैं। यद्यपि, भावी घटनाएँ या स्थिति कंपनी को सुनाम प्रतिष्ठान के रूप में जारी रहने पर रोक लगा सकती है।
- प्रकटीकरण समेत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति, संरचना तथा विषय-वस्तु तथा क्या स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी अंतर्निहित लेन-देन या घटनाओं की निष्पक्ष प्रस्तुति करता है या नहीं का मूल्यांकन करना।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी में भौतिकता गलत बयान का परिणाम है कि, व्यक्तिगत या एकत्रित, वित्तीय विवरणी के प्रयोक्तता की उचित जानकारी के आर्थिक निर्णयों को सम्भावित रूप से प्रभावित करता है। हम (i) हमारे लेखा-परीक्षा कार्य के अवसर की योजना बनाने तथा कार्य के परिणाम को मूल्यांकन करने तथा (ii) वित्तीय विवरणी में किसी प्रतिचिह्नित गलत बयान के प्रभाव का मूल्यांकन में परिणात्मक भौतिकता तथा गुणात्मक भौतिकता पर विचार करते हैं।

हम प्रशासन में शामिल लोगों से अन्य मामलों के साथ लेखा-परीक्षा के नियोजित अवसर तथा समय एवं महत्वपूर्ण लेखा-परीक्षा जाँच परिणाम सहित आंतरिक नियंत्रण में हमारे लेखा-परीक्षा के दौरान पायी गयी महत्वपूर्ण कमियों को सम्प्रेषित करते हैं।

हम भी अभिव्यक्त करते हैं कि हमने अपनी स्वच्छंदता के सम्बंध में उचित नैतिक आवश्कताओं का अनुपालन किया तथा सभी सम्बंधों एवं अन्य मामलों जो उचित रूप से हमारी स्वच्छंदता, जहाँ प्रयोज्य हो, से सम्बंधित सुरक्षा उपायों सहित प्रशासन में शामिल लोगों से सम्प्रेषित किया है।

We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the standalone financial statements, whether due to fraud or error, design and perform audit procedures responsive to those risks, and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3) (i) of the Act, we are also responsible for expressing our opinion on whether the company has adequate internal financial controls system in place and the operating effectiveness of such controls.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of accounting estimates and related disclosures made by management.
- Conclude on the appropriateness of management's use of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant doubt on the Company's ability to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the standalone financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Company to cease to continue as a going concern.
- Evaluate the overall presentation, structure and content of the standalone financial statements, including the disclosures, and whether the standalone financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.

Materiality is the magnitude of misstatements in the standalone financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitative materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

शासन में शामिल लोगों के साथ सम्प्रेषित मामलों में से हमने उन मामलों का निर्धारण किया जो चालू अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण में बहुत ही महत्वपूर्ण थे और इसलिए ये बहुत महत्वपूर्ण अंकेक्षण मामलों में हैं। हम अपने लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में मामलों का उल्लेख तब तक करते हैं जब तक कि नियम या विनियम मामले को जन प्रकटीकरण के लिए बंद नहीं करता या जब, किसी विशेष परिस्थिति में हम यह निर्णय लेते हैं कि हमारे रिपोर्ट में इसे सम्प्रेषित नहीं किया जाएगा क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम इस सम्प्रेषण के जन समर्थित लाभों की ओर निश्चित रूप से अपेक्षित होंगे।

अन्य विधिक तथा विनियमक आवश्यकताओं पर प्रतिवेदन

1. अधिनियम (यहाँ पर 'आदेश' के रूप में उल्लिखित) की धारा 143 की उप धारा (11) की शर्तों के अधीन भारत सरकार द्वारा निर्गत 'द कंपनीस (लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2016' द्वारा यथा अपेक्षित तथा कंपनी की बहियों और रिकार्डों की इस जाँच के आधार पर जैसा हमने उपयुक्त समझा तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, हम आदेश की कंडिका 3 व 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरणी 'अनुलग्नक-ए' में प्रस्तुत करते हैं।
2. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (5) के अनुसार जाँच की जाने वाली क्षेत्रों को दर्शाते हुए निदेश जारी किया है, जिसका अनुपालन 'अनुलग्नक-ख' में दिया गया है।
3. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा यथा अपेक्षित, हम प्रतिवेदित करते हैं कि :

(क) हमने हमारे लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यकतानुसार सभी सूचना एवं जानकारी मांगी और प्राप्त कर ली है जो हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सर्वोपरि है।

(ख) हमारे विचार में, उपयुक्त लेखा-बही जो नियम द्वारा अपेक्षित है कंपनी द्वारा रखे गये हैं, जैसा कि इन पुस्तकों की हमारे द्वारा जाँच से पता चलता है।

(ग) तुलन-पत्र, लाभ व हानि विवरणी (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन की विवरणी तथा नकद प्रवाह विवरणी जिसके द्वारा यह रिपोर्ट समर्थित है वे लेखा-बही के अनुसार है।

(घ) हमारे विचार में, ऊपरकथित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी कंपनी (लेखा) नियमों 2014 की नियम 7 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के अधीन विनिर्दिष्ट आईएनडी एएस के अनुकूल है।

(ङ) निगमित मामलो के मंत्रालय द्वारा निर्गत अधिसूचना संख्या जी.एस.आर 463(ई) दिनांक जून 05, 2015, निदेशको की योग्यता के सम्बंध में अधिनियम की धारा 164(2) इस कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है चूंकि यह सरकारी कम्पनी है।

(च) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की संचालनगत प्रभावशीलता के संबंध में 'अनुलग्नक-सी' में हमारे पृथक रिपोर्ट का संदर्भ ग्रहण करें।

(छ) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल, निगमित मामले के मंत्रालय द्वारा निर्गत अधिसूचना संख्या जी.एस.आर 463 (ई) दिनांक 05 जून, 2015, अधिनियम की धारा 197 (16) के तहत इस कम्पनी पर प्रबंधकीय पारिश्रमिक सम्बंधी मामले प्रयोज्य नहीं है, चूंकि यह एक सरकारी कंपनी है।

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the standalone financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when, in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. As required by 'the Companies (Auditor's Report) Order, 2016', issued by the Central Government of India in terms of sub-section (11) of section 143 of the Act (hereinafter referred to as the "Order"), and on the basis of such checks of the books and records of the Company as we considered appropriate and according to the information and explanations given to us, we give in the "Annexure A", a statement on the matters specified in paragraphs 3 and 4 of the Order.
2. The Comptroller and Auditor General of India has issued Directions indicating the areas to be examined in terms of sub section (5) of section 143 of the Act, compliance of which are set out in "Annexure B".
3. As required by Section 143 (3) of the Act, we report that:

(a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

(b) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books.

(c) The Balance Sheet, the Statement of Profit and Loss (including other comprehensive income), the Statement of Changes in Equity and the Statement of Cash Flows dealt with by this Report are in agreement with the books of account.

(d) In our opinion, the aforesaid standalone financial statements comply with the Ind AS specified under Section 133 of the Act, read with Rule 7 of the Companies (Accounts) Rules,2014.

(e) As per notification number G.S.R. 463(E) dated June 05, 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, section 164(2) of the Act regarding the disqualifications of Directors is not applicable to the Company, since it is a Government Company.

(f) With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate Report in "Annexure C".

(g) With respect to the other matters to be included in the Auditor's report, as per notification no. GSR 463 (E) dated 05 June, 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, Section 197(16) of the Act regarding the Managerial remuneration is not applicable to the Company, since it is a Government Company.

(ज) अन्य मामलों के साथ ही कंपनी (लेखा-परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014 (यथा संशोधित) के नियम 11 के अनुरूप लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल अन्य मामलों के संबंध में, हमारे विचार तथा हमारी सर्वोपरी जानकारी तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार इस रिपोर्ट में शामिल किये गये हैं।

i. कंपनी ने अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी-संदर्भ टिप्पणी 36 (क) में अपनी वित्तीय स्थिति पर लम्बित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटीकरण किया है।

ii. कंपनी के पास डेरिवेटिव अनुबंध सहित अन्य कोई दीर्घकालीक अनुबंध नहीं है जिसके कारण निकट भविष्य में कोई भौतिक हानि होने वाली हो।

iii. स्थानांनतरित राशि, जिसका स्थानांतरण अपेक्षित हो, निवेशक शिक्षा तथा कंपनी की संरक्षा निधि में कोई विलम्ब नहीं हुआ है।

कृते डी. के. छजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संगठन पंजीकरण संख्या-304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
सदस्या सं.- 057170

स्थान - कोलकाता
दिनांक - 29 मई, 2019

(h) With respect to the other matters to be included in the Auditor's Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014 (as amended), in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The Company has disclosed the impact of pending litigations on its financial position in its standalone financial statements - Refer Note 36(a) to the standalone financial statements;

ii. The Company did not have any long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses;

iii. There has been no delay in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

For D K Chhajer & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 304138E

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date: 29 May, 2019

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक - 'क'

(सम तिथि को हमारे रिपोर्ट के भाग 'अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' के अधीन कंडिका 1 से संदर्भित)

i. (क) कंपनी ने सामान्यतया समुचित रिकार्ड रखे हैं जिसमें इसकी स्थाई परिसंपत्तियों की स्थिति एवं मात्रात्मक विवरण सहित पूरे विवरण दर्शाए गए हैं।

(ख) कंपनी ने वर्ष क दौरान अपने स्थायी परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन किया है। हमें दी गयी जानकारी एवं स्पष्टीकरण के अनुसार ऐसे सत्यापन में कोई सामग्री भिन्नताएँ नहीं पायी गयी।

(ग) निम्न अचल सम्पत्तियों का टाईटिल दस्तावेज कंपनी के नाम में नहीं है।

मामले की कुल संख्या	1
क्या पट्टे पर दिया गया है/क्या पूर्ण स्वामित्व	पूर्ण स्वामित्व
सकल ब्लॉक (तुलन पत्र की तिथि के अनुसार)	₹ 0.74 मिलियन
निवल ब्लॉक (तुलन पत्र की तिथि के अनुसार)	₹ 0.45 मिलियन

ii. कंपनी वर्ष के अंत तक किसी समान-सूची का धारण नहीं करती। अतएव, आदेश के खण्ड 3 (ii) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते।

iii. कंपनी ने अधिनियम की धारा 189 के अधीन रखे गये रजिस्टर में आच्छादित कंपनियों, प्रतिष्ठानों या अन्य पार्टियों को किसी प्रकार के सुरक्षित या असुरक्षित ऋण का लेन-देन नहीं किया। इसलिए, आदेश के खंड 3(III) [(क), (ख) तथा (ग)] के प्रावधान लागू नहीं हैं।

iv. कंपनी ने किसी प्रकार का ऋण नहीं दिया था कोई गारंटी/प्रतिभूति प्रदान नहीं किया तथा अतएव अधिनियम की धारा 185 प्रयोज्य नहीं है। कंपनी द्वारा किया गया निवेश अधिनियम की धारा 186 के अनुरूप है।

v. कंपनी ने अधिनियम के धारा 73 से 76 तथा कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम 2014 (यथा संशोधित) के अर्थों में जनता से किसी प्रकार का जमा स्वीकार नहीं किया। इसलिए आदेश के खंड 3 (v) के प्रावधान कम्पनी पर लागू नहीं है।

vi. केन्द्रीय सरकार ने अधिनियम की धारा 148 की उप धारा (1) के अधीन लागत रिकार्ड के रख-रखाव को विनिर्दिष्ट नहीं किया है। इसलिए आदेश के खंड 3 (vi) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।

vii. (क) कंपनी सामान्य रूप से समुचित प्राधिकारियों के समक्ष भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य जीवन बीमा, आयकर, माल का सेवाकर, सेस तथा अन्य सांविधिक बकाये जमा कर रही है। हमें दी गयी जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार भुगतेय होने की तिथि से छह माह से अधिक अवधि हेतु 31 मार्च, 2019 को ऊपरकथित बकायों के मामले में कोई।

(ख) हमारी जानकारी तथा हमें दी गयी सूचना तथा हमारी द्वारा जाँच की गयी कंपनी के रिकार्ड के अनुसार विवादित होने के कारण 31 मार्च, 2019 तक जमा नहीं किये गये आयकर, बिक्री कर, वैल्यू एडेड कर, प्रवेश कर, सेवा कर आदि का विस्तृत विवरण निम्नानुसार है।

क्र. सं.	संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति	जिस अवधि में राशि वित्तीय वर्ष से संबंधित है	राशि ₹ मिलियन में	जिस फोरम में विवाद लंबित
1	उत्तर प्रदेश वैट अधिनियम 2008	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2001-02	0.19	उच्च न्यायालय, ईलाहाबाद
			2004-05	0.17	वाणिज्यिक कर न्यायधीश पीठ गाजियाबाद
2	पश्चिम बंगाल वैट अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009-10	42.63	अपीलीय पुनरीक्षण बोर्ड, कोलकाता
			2012-13	51.72	वरिष्ठ संयुक्त आयुक्त, वाणिज्यिक कर, कोलकाता
3	आन्ध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1998-99	2.25	बिक्री कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (स्टेट) विशाखापट्टनम
	आन्ध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005		1999-00	4.11	एडीसी-अपील, विजयवाड़ा

ANNEXURE A TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 1 under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date)

i. (a) The Company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets.

(b) The Company has physically verified its fixed assets during the year. According to the information and explanations given to us, no material discrepancies were noticed on such verification.

(c) The title deeds of the following immovable properties are not held in the name of the Company :

Total No. of Cases	1
Whether leasehold/freehold	Freehold
Gross Block (as at Balance Sheet date)	₹ 0.74 Million
Net Block (as at Balance Sheet date)	₹ 0.45 Million

ii. The Company does not hold any inventory as at the year end. Therefore, the provisions of Clause 3(ii) of the Order are not applicable to the Company.

iii. The Company has not granted any loan, secured or unsecured, to Companies, Limited Liability Partnerships, firms or other parties covered in the register maintained under Section 189 of the Act. Therefore, the provisions of Clause 3(iii) [(a), (b) and (c)] of the Order are not applicable to the Company.

iv. The Company has not granted any loan or provided any guarantee/ security and hence Section 185 of the Act is not applicable. The investment made by the Company is in compliance with section 186 of the Act.

v. The Company has not accepted any deposits from the public within the meaning of Sections 73 to 76 of the Act and the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 2014 (as amended). Therefore, the provision of clause 3(v) of the order is not applicable on the Company.

vi. The Central Government of India has not prescribed the maintenance of cost records under sub-section (1) of Section 148 of the Act. Therefore, the provision of clause 3(vi) of the order is not applicable on the Company.

vii. (a) The Company is generally regular in depositing the undisputed statutory dues including provident fund, employees' state insurance, income tax, goods and service tax, cess and any other statutory dues as applicable, with the appropriate authorities. According to the information and explanations given to us, no undisputed amounts payable in respect of the aforesaid dues were outstanding as at 31st March, 2019 for a period of more than six months from the date of becoming payable.

(b) According to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the particulars of dues of income-tax, sales-tax, value added tax, custom duty, service tax, etc. as at 31st March, 2019 which have not been deposited on account of a dispute, are as follows :

Sl. No	Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates (FY)	Amount (₹ In Million)	Forum where dispute is pending
1	UP VAT Act, 2008	Claim by Sales Tax Authority	2001-02	0.19	High Court, Allahabad
			2004-05	0.17	Commercial Tax Tribunal Bench, Ghaziabad.
2	WB VAT Act, 2003	Claim by Sales Tax Authority	2009-10	42.63	Appellate Revision Board, Kolkata
			2012-13	51.72	Senior Joint Commissioner, Commercial Tax, Kolkata
3	AP VAT Act, 2005	Claim by Sales Tax Authority	1998-99	2.25	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
	AP VAT Act, 2005		1999-00	4.11	ADC-Appeals Vijayawada.

क्र. सं.	संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति	जिस अवधि में राशि वित्तीय वर्ष से संबंधित है	राशि ₹ मिलियन में	जिस फोरम में विवाद लंबित
	आन्ध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005		2004-05	0.91	बिक्री कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (स्टेट) विशाखापट्टनम
	आन्ध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005		2005-06	0.37	बिक्री कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (स्टेट) विशाखापट्टनम
	आन्ध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005		2006-07	0.08	बिक्री कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (स्टेट) विशाखापट्टनम
	आन्ध्र प्रदेश वैट अधिनियम 2005		2008-13	7.93	हैदराबाद में उच्च न्यायालय का महकमा
4	जम्मू व कश्मीर बिक्री कर अधिनियम 1962	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2015-16	0.03	वाणिज्यिक कर सर्किल-एन, जम्मू
5	झारखण्ड वैट अधिनियम 2005	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2014-15	0.31	सहायक आयुक्त वाणिज्यिक कर, बोकारो झारखण्ड
6	सीएसटी (केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम)	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2009-10	24.90	बिक्री कर अपीलीय न्यायाधिकरण (स्टेपट), विशाखापट्टनम
	सीएसटी (केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम)		2015-16	1.43	अपीलीय उपायुक्त (अपील) विजयवाड़ा
7	ओडिशा बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1986-87	26.90	उच्च न्यायालय, ओडिशा
8	गुजरात वैट अधिनियम 2003	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	2002-03	5.22	पूर्व-लेखा परीक्षित विभाग, अहमदाबाद
	गुजरात वैट अधिनियम 2003		2003-04	36.95	पूर्व-लेखा परीक्षित विभाग, अहमदाबाद
	गुजरात वैट अधिनियम 2003		2004-05	21.80	डीसी के प्रति वैध्य एडेड टैक्स न्यायाधिकरण गुजरात में अपील दायर (अपील आदेश)
	कुल बिक्री शुल्क देय राशि			**227.90**	
9	सीमा अधिनियम 1962	बिक्री कर प्राधिकरण द्वारा दावा	1995-96	26.63	मद्रास उच्च न्यायालय
	सीमा अधिनियम 1962		2001-02	20.38	कोलकाता उच्च न्यायालय
	सीमा अधिनियम 1962		2012-13	63.57	सीईएसटीएटी बंगलोर या सीईएसटीएटी चेन्नई
	सीमा अधिनियम 1962		2013-14	8.35	सीईएसटीएटी बंगलोर या सीईएसटीएटी चेन्नई
	कुल सीमा शुल्क देय राशि			**118.93**	
10	वित्त अधिनियम, 1994 (सेवा शुल्क)	सेवा कर की मांग	2002-05	7.30	उच्च न्यायालय, दिल्ली
	वित्त अधिनियम, 1994 (सेवा शुल्क)		2005-07	149.01	सीईएसटीएटी कोलकाता
	वित्त अधिनियम, 1994 (सेवा शुल्क)		2003-05	2.20	कर सेवा के अपर आयुक्त, कोलकाता

Sl. No	Name of the Statute	Nature of Dues	Period to which the amount relates (FY)	Amount (₹ in Million)	Forum where dispute is pending
	AP VAT Act, 2005		2004-05	0.91	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
	AP VAT Act, 2005		2005-06	0.37	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
	AP VAT Act, 2005		2006-07	0.08	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
	AP VAT Act, 2005		2008-13	7.93	High Court of Judicature at Hyderabad
4	J&K Sales Tax Act, 1962	Claim by Sales Tax Authority	2015-16	0.03	Commercial Tax Circle-N, Jammu
5	Jharkhand VAT Act, 2005	Claim by Sales Tax Authority	2014-15	0.31	Asst. Commissioner Commercial Tax, Bokaro, Jharkhand
6	CST (CENTRAL) SALES TAX ACT)	Claim by Sales Tax Authority	2009-10	24.90	Sales Tax Appellate Tribunal (STAT), Visakhapatnam
	CST (CENTRAL) SALES TAX ACT)		2015-16	1.43	Appellate Deputy Commissioner (appeals) Vijayawada
7	Orissa Sales Tax Act	Claim by Sales Tax Authority	1986-87	26.90	High Court Orissa
8	Gujarat VAT Act, 2003	Claim by Sales Tax Authority	2002-03	5.22	Pre-Audit Deptt. Ahmedabad
	Gujarat VAT Act, 2003		2003-04	36.95	Pre-Audit Deptt. Ahmedabad
	Gujarat VAT Act, 2003		2004-05	21.80	Appeal filed in Gujarat Value Added Tax Tribunal against DC (Appeal Order)
	Total of Sales Tax Dues			**227.90**	
9	Customs Act,1962	Claim by Custom Department	1995-96	26.63	Madras High Court
	Customs Act, 1962		2001-02	20.38	High Court Calcutta
	Customs Act, 1962		2012-13	63.57	CESTAT Bangalore or CESTAT Chennai
	Customs Act, 1962		2013-14	8.35	CESTAT Bangalore or CESTAT Chennai
	Total of Custom Dues			**118.93**	
10	Finance Act, 1994 (Service Tax)	Service Tax Demand	2002-05	7.30	High Court, Delhi
	Finance Act, 1994 (Service Tax)		2005-07	149.01	CESTAT Kolkata
	Finance Act, 1994 (Service Tax)		2003-05	2.20	Addnl. Commissoner of Service Tax, Kolkata

	वित्त अधिनियम, 1994 (सेवा शुल्क)		2012-15	0.11	सीजीएसटी तथा सीएक्स (अपील-I) का आयुक्त, कोलकाता
	कुल सीमा शुल्क देय राशि			**158.62**	
11	आयकर अधिनियम 1961	आयकर की मांग	2004-05	0.11	सीआईटी अपील कोलकाता
	आयकर अधिनियम 1961		2008-09	6.76	एओ (डीसीआईटी) कोलकाता
	आयकर अधिनियम 1961		2011-12	2.13	आयुक्त अपील कोलकाता
	आयकर अधिनियम 1961		2012-13	27.57	आयुक्त अपील कोलकाता
	आयकर अधिनियम 1961		2013-14	10.00	आयुक्त अपील कोलकाता
	आयकर अधिनियम 1961		2014-15	17.68	आयुक्त अपील कोलकाता
	आयकर अधिनियम 1961		2015-16	176.13	आयुक्त अपील कोलकाता
कुल आयकर देय राशि				**240.38**	
कुल कर देय राशि				**745.83**	

viii. हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार कंपनी बैंकों के बकाए के पुनर्भुगतान में डिफॉल्टेड नहीं है जैसा स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी पर टिप्पणी के टिप्पणी सं. 21(क) एवं 21 (ख) में निर्दिष्ट है।

बैंक का नाम	मूल	ब्याज
इण्डियन ओवरसीज बैंक	₹ 13.80 मिलियन	-
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	₹ 1436.20 मिलियन	₹ 788.90 मिलियन

कंपनी के पास किसी वित्तीय संस्थान या सरकार से कोई ऋण नहीं है और न ही कोई डिवेंचर जारी किया है।

ix. कंपनी ने पब्लिक ऑफर या आगे किसी पब्लिक ऑफर (ऋण प्रपत्र सहित) या आवधिक ऋण के माध्यम से धन उगाही नहीं किया है एवं अतः आदेश का खंड 3 (ix) के अधीन रिपोर्टिंग प्रयोज्य नहीं है।

x. हमारे अधिकतम ज्ञान एवं हमें दी गई जानकारी तथा विश्लेषण तथा कंपनी की बही एवं रिकार्डों की जाँच एवं भारत में स्वीकृत सामान्य लेखा-परीक्षा पद्धतियों के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है और न ही इसके अफसरों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी में किसी धोखाधड़ी की सूचना या रिपोर्ट की गई है।

xi. निगमित मामले मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जी.एस.आर 463(ई) दिनांक 05 जून, 2015 के अधिनियम की धारा 197 के प्रावधान द्वारा अपेक्षित अनुमोदित अधिदेश के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक भुगतान कंपनी के लिए मान्य नहीं है।

xii. कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है एवं अतः आदेश के खंड 3 (xii) के अधीन रिपोर्टिंग प्रयोज्य नहीं है।

xiii. मेरे विचार में एवं हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार कंपनी ने सम्बद्ध पार्टियों के साथ सभी लेन देन अधिनियम की धारा 177 एवं 188, जहाँ लागू है, का अनुपालन किया एवं सम्बद्ध पार्टी के लेन देन के विवरण लागू लेखा मानकों द्वारा जैसा कि अपेक्षित है स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण में प्रकटीकृत किया गया है।

xiv. वर्ष के दौरान कंपनी ने कोई अधिमान्य आवंटन या शेयर का निजी पदस्थापन अथवा पूर्णतया या आंशिक कन्वर्टिबल डिवेंचर जारी नहीं किया है एवं अतः आदेश के खंड 3 (xiv) के अधीन सूचना कंपनी हेतु प्रायोज्य नहीं है।

xv. हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण तथा हमारे द्वारा जाँची गयी कंपनी के रिकार्ड के अनुसार अधिनियम की धारा 192 से संदर्भित कंपनी अपने निदेशकगण या अपने निदेशकगण से सम्बद्ध किसी व्यक्ति के साथ किसी गैर-नकदी लेने देन में शामिल नहीं हुई है तदनुसार आदेश की कडिका 3(xv) प्रयोज्य नहीं है।

xvi. कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के अधीन पंजीकृत होना अपेक्षित नहीं है।

कृते डी. के. छाजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 मई, 2019

	Finance Act 1994 (Service Tax)		2012-15	0.11	Commissioner of CGST & CX (Appeal-I), Kolkata
Total of Service Tax Dues				**158.62**	
11	Income Tax Act, 1961	Income Tax Demand	2004-05	0.11	CIT Appeals Kolkata
	Income Tax Act, 1961		2008-09	6.76	AO (DCIT) KOLKATA
	Income Tax Act, 1961		2011-12	2.13	Commissioner Appeals Kolkata
	Income Tax Act, 1961		2012-13	27.57	Commissioner Appeals Kolkata
	Income Tax Act, 1961		2013-14	10.00	Commissioner Appeals Kolkata
	Income Tax Act, 1961		2014-15	17.68	Commissioner Appeals Kolkata
	Income Tax Act, 1961		2015-16	176.13	Commissioner Appeals Kolkata
Total of Income Tax Dues				**240.38**	
TOTAL TAX DUES				**745.83**	

viii. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loans as mentioned in Note No. 21(a) and 21(b) of the notes to the Standalone financial statements and detailed here under :

Name of Bank	Principal	Interest
Indian Overseas Bank	₹ 13.80 Million	-
Standard Chartered Bank	₹ 1436.20 Million	₹ 788.90 Million

The Company did not have any loans or borrowings from financial institutions or government and has not issued any debentures.

ix. The Company has not raised any money by way of initial public offer/further public offer (including debt instruments)/term loans since offer for sale of equity shares to the public by an existing shareholder does not result in any money raised in a Company. Accordingly, the provisions of Clause 3(ix) of the Order are not applicable to the Company.

x. During the course of our examination of the books and records of the Company, carried out in accordance with the generally accepted auditing practices in India, and according to the information and explanations given to us, we report that no fraud on the Company or no fraud by the officers and employees of the Company has been noticed or reported during the year, nor have we been informed of any such case by the management.

xi. Section 197 of the Act regarding managerial remuneration is not applicable to the Company by virtue of Notification No. G.S.R. 463(E) dated June 05, 2015, issued by the Ministry of Corporate Affairs, Govt. of India.

xii. The Company is not a Nidhi company. Accordingly, paragraph 3(xii) of the Order is not applicable to the Company.

xiii. All the transactions with related parties are in compliance with section 177 and 188 of the Act and the details have been disclosed in the notes to the Standalone financial statements as required by the applicable accounting standards.

xiv. No money was raised through preferential allotment/private placements of shares or fully/partly convertible debentures during the year and hence, the provision of Clause 3(xiv) of the Order is not applicable to the Company.

xv. According to the information & explanation given to us and the records of the Company examined by us, the Company has not entered into any non-cash transactions with directors or persons connected with them as referred to in Section 192 of the Act. Accordingly, paragraph 3(xv) of the Order is not applicable

xvi. The Company is not required to be registered under section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934.

For D. K. Chhajer & Co.

Chartered Accountants

FRN 304138E

Niraj K Jhunjhunwala

Partner

Membership No. 057170

Place: Kolkata

Date: 29 May, 2019

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक - बी

(आज की तिथि को हमारे रिपोर्ट के भाग 'अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' के अधीन कंडिका 2 के संदर्भ में) कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उपधारा 5 के भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी निदेशों के अनुसार कंपनी के अभिलेखों के सत्यापन तथा हमें दी गयी जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हम रिपोर्ट करते हैं कि :

क्र. स	निदेश	लेखा-परीक्षक का जवाब
1	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम सभी लेखागत लेन-देन प्रक्रिया के लिए प्रणाली की समुचित व्यवस्था है? यदि हाँ तो, वित्तीय निहितार्थ सहित लेखा की प्रमाणिकता पर आईटी प्रणाली से परे लेखागत लेन-देन की प्रक्रिया के प्रभाव, यदि हो, का वर्णन किया जाए।	हाँ, कंपनी के पास सभी लेखागत लेन-देन के लिए आईटी सॉफ्टवेयर या प्रणाली की समुचित व्यवस्था है। आईटी प्रणाली के माध्यम सभी लेखागत लेन-देन प्रक्रिया के लिए कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली है।
2	क्या कंपनी द्वारा ऋण के भुगतान की असमर्थता के कारण देनदार द्वारा कंपनी को दिये गये ऋण में कोई पुनर्गठन या माफी के मामले/ऋण/घाटा/ब्याज आदि को बट्टे खाते में डाला गया। यदि हाँ तो वित्तीय प्रभाव का वर्णन किया जाए।	नहीं, कंपनी द्वारा ऋण के भुगतान की असमर्थता के कारण देनदार द्वारा कंपनी को दिये गये ऋण में कोई पुनर्गठन या माफी के मामले /ऋण/घाटा/ब्याज आदि को बट्टे खाते में नहीं डाला गया
3	क्या केन्द्रीय/राज्य अभिकरणों से विशिष्ट योजना हेतु प्राप्त/प्राप्ययोग्य किसी निधि के उपयोग हेतु व्यवहार उसके नियमों और शर्तों के अनुसार की गयी थी?	नहीं, केन्द्रीय/राज्य अभिकरणओं से विशिष्ट योजना हेतु ग्राह्य/प्राप्ययोग्य निधि का ऐसा कोई मामला नहीं है।

ANNEXURE B TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 2 under the heading "Report on other Legal and Regulatory Requirements" of our report of even date)

Directions issued by the Comptroller and Auditor General of India under sub section 5 of Section 143 of the Companies Act, 2013, based on the verification of records of the Company and according to information and explanations given to us, we report as under :

S. No	Direction	Auditor's Reply
1	Whether the Company has system in place to process all the accounting transactions through IT system? If yes, the implications of processing of accounting transactions outside IT system on the integrity of the accounts along with the financial implications, if any, may be stated.	Yes, the Company has IT software and systems in place to process all the accounting transactions. The Company has adequate internal control system to process all accounting transactions through IT system.
2	Whether there is any restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc. made by a lender to the Company due to the Company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated.	No, there is no such case of restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc. made by a lender to the Company due to the Company's inability to repay the loan.
3	Whether funds received/ receivable for specific schemes from central/state agencies were properly accounted for utilized as per its term and conditions? List the cases of deviation.	No, there is no such case of funds being received/ receivable for specific schemes from central/state agencies.

कृते डी.के. छाजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 मई, 2019

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN 304138E

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
Membership.No.: 057170

Place: Kolkata
Date: 29 May, 2019

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-सी

सम तिथि को हमारे रिपोर्ट के भाग 'अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्योकताओं पर रिपोर्ट' के अधीन कंडिका 3(एफ) के संदर्भ में।

कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के अधीन वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपार्ट

हमने एमएसटीसी लिमिटेड ('कंपनी') के समाप्त वर्ष हेतु कंपनी के वित्तीय विवरण के हमारे अंकेक्षण के अनुसार 31 मार्च, 2019 को स्टैंडअलोन वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखा परीक्षण किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु प्रबंधन की जिम्मेवारी

कंपनी का प्रबंधन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स आफ इंडिया (गाइडेंस नोट) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा-निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों पर विचार कर कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड के आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने एवं रख-रखाव करने हेतु जिम्मेवार है। इन जिम्मेवारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, कार्यान्वयन एवं रख-रखाव जो अपने व्यापार के आगामी व्यवस्थित एवं प्रभावी आवरण हेतु प्रभावी रूप से परिचालन सहित कंपनी की नीतियां, इसके संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण एवं धोखाधड़ी एवं त्रुटी पता लगाना, लेखा रिकार्डस की सटीकता एवं पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी समयबद्ध तैयार करना जैसा कि अधिनियम में शामिल है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेवारी

हमारी जिम्मेवारी हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार व्यक्त करना है। हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अधीन लेखा परीक्षण पर निर्धारित मानकों एवं दिशा निर्देश टिप्पणी, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण हेतु इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टड एकाउन्टेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी जहाँ तक लागू है, के अनुसार अपना लेखा परीक्षण संचालित किया है। उन मानकों एवं दिशा-निर्देश टिप्पणी की अपेक्षिता होती है कि हम नीतिगत अपेक्षिता एवं योजना का अनुपालन करें एवं वित्तीय रिपोर्ट जो स्थापित एवं नियंत्रण किये गये थे के ऊपर क्या पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण किया गया एवं ऐसे नियंत्रण सभी वस्तुनिष्ट पहलुओं में प्रभावी रूप से संचलित किये गये के बारे में उपयुक्त सुनिश्चितता प्राप्त कर लेखा परीक्षण करता है।

हमारे लेखा परीक्षण में वित्तीय रिपोर्ट एवं उनके प्रभावी रूप से परिचालन के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादित कार्यविधि शामिल है। हमारा वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण में शामिल है वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझदारी प्राप्त करना, जोखिम जो वर्तमान सामग्री कमजोरी का निर्धारण करना एवं जांच करना तथा आकलित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण प्रभावशाली डिजाइन एवं परिचालन का मूल्यांकन करना। चयनित कार्यविधि लेखा परीक्षण के निर्णय पर निर्भर करता है जिसमें शामिल है स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के सामग्रियों का गलत विवरण के जोखिम का आकलन, जो धोखाधड़ी या त्रुटी के कारण है।

ANNEXURE C TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 3(f) under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date)

Report on the Internal Financial Controls over Financial Reporting under Clause (i) of sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

We have audited the internal financial controls over financial reporting of MSTC LIMITED ("the Company") as at 31st March, 2019 in conjunction with our audit of the standalona financial statements of the Company for the year ended on that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The Company's management is responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India. These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Companies Act, 2013.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the Company's internal financial controls over financial reporting based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed under section 143(10) of the Act and the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting, to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both applicable to an audit of Internal Financial Controls and both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and Guidance Note require that we comply with the ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate Internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material aspects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk. The procedures selected depend on the auditors' judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the standalone financial statements, whether due to fraud or error.

हम यह विश्वास करते हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारे लेखा-परीक्षा आधार प्रदान करने हेतु हमने पर्याप्त तथा उपयुक्त मात्रा में अंकेक्षण प्राप्त किया है।

वित्तीय रिपोर्ट के पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्ट के पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वास्तविक वित्तीय रिपोर्ट के बारे में उचित सुनिश्चितता प्रदान करने के लिए परिकल्पित प्रक्रिया है एवं सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाह्य उद्देश्य हेतु वित्तीय विवरण तैयार करना है। कंपनी का वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु निम्नलिखित नीतियां एवं प्रक्रिया शामिल है:

(क) रिकार्ड के रख-रखाव के सम्बंध में जो उचित विवरण, सही एवं स्पष्ट लेनदेन एवं कंपनी की सम्पत्तियों की गैर स्थिति दर्शाता हो।

(ख) उचित सुनिश्चितता प्रदान करता हो जो लेन-देन सामान्यतया लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरण के तैयार करने की अनुमति हेतु रिकार्ड किये गये हैं एवं कंपनी की प्राप्ति एवं व्यय कंपनी के प्रबंधन एवं निदेशकगण के मात्र अधिकृत के अनुसार किये गये हैं, एवं

(ग) अनाधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या कंपनी की संपत्ति की गैरस्थिति को रोकना या समय पता लगाने के संबंध में उचित सुनिश्चितता प्रदान करता जिसका वित्तीय विवरण पर सामग्रिक प्रभाव पड़ सकता है।

वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएं

चूंकि वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमा में शामिल है नियंत्रण का दूरभिसंधि या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड, त्रूटी या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों का गलत विवरण एवं पता नहीं लग पाना। भविष्य के वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का किसी मूल्यांकन का प्रक्षेपण जोखिम का विषय है जो वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थिति में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के अंश में कमी हो सकती है।

योग्यतापूर्ण विचार

हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार एवं हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित 31 मार्च 2019 को निम्नलिखित भौतिकगत कमियां चिह्नित की गई है :

(क) कंपनी के पास ग्राहक स्वीकृति, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री हेतु स्थापित क्रेडिट सीमा के लिए उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिससे अंतिम संग्रह की उचित सुनिश्चितता को स्थापित किये बगैर कंपनी के राजस्व की पहचान में सभाव्य परिणाम हो सकता है। बकायों की वसूली हेतु उपभोक्ताओं के साथ फॉलो-अप पर आंतरिक नियंत्रण नहीं है।

(ख) कंपनी के पास ग्राहक की ओर से कंपनी द्वारा संग्रह किये गये कच्चे सामग्रियों के गिरवी स्टॉक के संबंध में इन्वेंटरी हेतु उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है तथा कंपनी द्वारा नियुक्त कस्टोडियन के नियंत्रण में गोदाम में अनाधिकृत रूप में रखा जाता है।

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Company's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A Company's internal financial controls over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A Company's internal financial controls over financial reporting includes those policies and procedures that:

(a) Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the Company;

(b) Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the Company; and

(c) Provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the company's assets that could have a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, material misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial control over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorata.

Qualified Opinion

According to the information and explanations given to us and based on our audit, the following material weaknesses have been identified as at 31st March, 2019:-

(a) The Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

(b) The Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of its customers and kept under the control of the Custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.

'भौतिकगत कमियाँ' वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में एक कमी या कमियों का संयोजन है, जिससे कंपनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरणों में सामग्रियों के गलत विवरण की समुचित संभावना है जिसे समय पर रोका या पता नहीं लगाया जा सकेगा।

हमारे विचार में नियंत्रण मानदंड के उद्देश्य की प्राप्ति पर उपरोक्त विवरणित सामग्री कमजोरी के संभावित प्रभाव को छोड़ कर कंपनी ने सभी सामग्री पक्षों, वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर पर्याप्त अंतरिम वित्तीय नियंत्रण प्रणाली रख-रखाव किया है एवं वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा-निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों पर विचार कर कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर आधारित 31 मार्च, 2019 को प्रभावशाली रूप से परिचालित किये गये थे।

कृते डी. के. छाजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
सदस्यता सं. 057170

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 मई, 2019

A 'material weakness' is a deficiency, or a combination of deficiencies, in internal financial control over financial reporting, such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of the Company's annual or interim financial statements will not be prevented or detected on a timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weaknesses described above on the achievements of the objectives of the control criteria, the Company has maintained, in all material aspects, adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31 March, 2019, based on the internal financial control over financial reporting criteria established by the Company considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN 304138E

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date: 29 May, 2019

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6) (ख) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अधीन निर्धारित वित्तीय रिपोर्ट के रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण को तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन निर्धारित लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा पर आधारित अधिनियम की धारा 143 के अधीन इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेवार हैं। यह उनकी संशोधित लेखापरीक्षा रिपोर्ट दिनांक 31 मई, 2019 के तहत किया हुआ बताया गया है जो 29 मई, 2019 के अपने पहले लेखा परीक्षा रिपोर्ट को स्थानांतरित कर सकता है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की और से, 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरण के अधिनियम की धारा 143(6) (क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा संचालित किया है। अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यरत कागजों की प्राप्ति के बगैर सम्पन्न किया गया है तथा सांविधिक लेखा परीक्षक एवं कंपनी कार्मिक तथा कतिपय लेखा रिकॉर्ड्स की चयनित परीक्षा की जांच के अनुसार प्राथमिक रूप से सीमित है।

विधिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में किए गए समीक्षा को ध्यान में रखते हुए, पूरक लेखा परीक्षा के दौरान उत्पन्न मेरे लेखा परीक्षा के अवलोकन का प्रभाव है, मुझे विधिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट के तहत उक्त अधिनियम के धारा 143(6)(ख) पर या पूरक कोइ अन्य टिप्पणी नहीं करनी है।

भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की ओर से तथा के लिए

(सुपर्णा देव)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के महा निदेशक और पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड - I
कोलकाता

स्थान : कोलकाता
तारीख : 09.08.2019

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2019

The preparation of financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2019 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory Auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 read of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Revised Audit Report dated 31st July, 2019 which supersedes their earlier Audit Report dated 29th May, 2019.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2019 under Section 143(6)(a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

In view of the revision made in the statutory auditor's report, to give effect to some of my audit observations raised during supplimentary audit, I have no further comments to offer upon or supplement to the statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the Comptroller & Auditor General of India

(Suparna Deb)
Director General of Commercial Audit & Ex-officio Member, Audit Board-I
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 09.08.2019

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

स्टैंडअलोन तुलन पत्र 31 मार्च 2019
Standalone Balance Sheet as at 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

विवरण Particulars	Notes	As at 31 March 2019	As at 31 March 2018
परिसंपत्तियां ASSETS			
1. गैर - मौजूदा परिसंपत्तियां (1) Non-current assets			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (a) Property, Plant and Equipment	2	51.56	30.96
(ख) प्रगति में पूंजीगत कार्य (b) Capital Work In Progress	2	204.62	64.80
(ग) अमूर्त संपत्तियां (c) Intangible assets	2	4.60	8.92
		260.90	104.68
(घ) वित्तीय संपत्तियां (d) Financial assets			
(i) निवेश (i) Investments			
(क) सहायक कम्पनी में (a) In Subsidiary	3	158.10	158.10
(ख) संयुक्त उपक्रम में (b) In Joint Venture	3	186.00	106.00
(ii) अन्य वित्तीय संपत्तियां (ii) Other financial assets	4	53.53	57.36
(ङ.) गैर-मौजूदा कर संपत्ति (e) Non-Current tax assets	5	449.76	393.83
(च) आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध) (f) Deferred tax assets (net)	6	2,532.50	2,749.60
(छ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां (g) Other non current assets	7	130.73	103.83
कुल गैर-मौजूदा परिसंपत्तियां Total non- current assets		**3,771.52**	**3,673.40**
2. मौजूदा परिसंपत्तियां (2) Current assets			
(क) वित्तीय संपत्तियां (a) Financial assets			
(i) व्यापार प्राप्य (i) Trade receivables	9	17,200.05	38,422.13
(ii) नकद और नकद समकक्ष (ii) Cash and cash equivalents	10	960.27	1,757.40
(iii) अन्य बैंक शेष (iii) Other Bank Balances	11	2,429.95	3,300.93
(iv) अन्य वित्तीय संपत्तियां (iv) Other financial assets	12	365.68	394.21
(ख) अन्य मौजूदा संपत्तियां (b) Other current assets	13	21.63	47.74
कुल मौजूदा संपत्ति Total current assets		**20,977.58**	**43,922.41**
कुल परिसंपत्तियां TOTAL ASSETS		**24,749.10**	**47,595.81**
इक्विटी एवं देयता EQUITY AND LIABILITIES			
(1) इक्विटी (1) Equity			
(क) इक्विटी शेयर पूंजी (a) Equity Share Capital	14	704.00	352.00
(ख) अन्य इक्विटी (b) Other equity	15	1,376.83	5,275.61
कुल इक्विटी Total equity		**2,080.83**	**5,627.61**
(2) गैर-मौजूदा देयता (2) Non-current liabilities			
(क) वित्तीय देयता (a) Financial liabilities			
(i) ऋण (i) Borrowings	20	9.35	-
(ii) व्यापार देनदारियां कुल बकाया देयताएं (ii) Trade payables Total Outstanding dues of			
(क) लघु तथा छोटे उद्योगों a) Micro & Small Enterprises	16	-	-
(ख) लेनदार तथा अन्य लघु तथा छोटे उद्योगों को छोड़कर b) Creditors other than Micro & Small Enterprises	16	2.64	2.64
(iii) अन्य वित्तीय देयता (iii) Other financial liabilities	17	7.46	9.41
(ख) प्रावधान (b) Provisions	18	118.31	166.40
(ग) अन्य गैर मौजूदा देयता (c) Other non-current liabilities	19	80.55	73.70
कुल गैर मौजूदा संपत्ति Total non- current liabilities		**218.30**	**252.15**
(3) मौजूदा देयता (3) Current liabilities			
(क) वित्तीय देयता (a) Financial liabilities			
(i) ऋण (i) Borrowings	21	6,039.62	7,616.39
(ii) व्यापार देनदारियां कुल बकाया देयताएं (ii) Trade payables Total Outstanding dues of			
(क) लघु तथा छोटे उद्योगों a) Micro & Small Enterprises	22	0.48	-
(ख) लेनदार तथा अन्य लघु तथा छोटे उद्योगों को छोड़कर b) Creditors other than Micro & Small Enterprises	22	9,047.77	25,523.62
(iii) अन्य वित्तीय देयता (iii) Other financial liabilities	23	7,165.68	8,417.45
(ख) प्रावधान (b) Provisions	24	9.65	-
(ग) अन्य मौजूदा देयता (c) Other current liabilities	25	186.77	158.59
कुल मौजूदा देयता Total current liabilities		**22,449.97**	**41,716.05**
कुल देयता Total liabilities		**22,668.27**	**41,968.20**
कुल इक्विटी एवं देयता TOTAL EQUITY AND LIABILITIES		**24,749.10**	**47,595.81**

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्सा मानी जाएंगी।
हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements.
In terms of our report of even date.

कृते डी. के. छाजर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138E

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants, FRN: 304138E

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

(Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M.No : 057170

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 मई, 2019

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
(DIN -08290021)

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, (वित्त एवं लेखा)

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER (FINANCE & ACCOUNTS)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का स्टैंडअलोन विवरण

Standalone Statement of Profit & Loss for the Year ended 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

	विवरण		Particulars	टिप्पणी Note	31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए For the Year ended 31st March 2019	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए For the Year ended 31st March 2018
I	परिचालन से राजस्व	I	Revenue from operations	26	29,270.04	19,462.70
II	अन्य आय	II	Other Income	27	415.28	5,132.32
III	कुल राजस्व (I + II)	III	Total Revenue (I + II)		29,685.32	24,595.02
IV	व्यय	IV	EXPENSES			
	(क) व्यापारगत माल की खरीददारी		(a) Purchases of Stock-in-Trade	28	25,426.34	14,789.63
	(ख) तैयार वस्तुओं के स्टॉक में बदलाव कार्य प्रगति और स्टॉक-इन-ट्रेड		(b) Changes in stock of finished goods, work-in-progress and stock-in-trade	8	-	707.40
	(ग) कर्मचारी हितलाभ पर व्यय		(c) Employee benefit expense	29	598.83	873.94
	(घ) वित्तीय व्यय		(d) Finance costs	30	569.37	672.89
	(ङ) मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय		(e) Depreciation and amortisation expense	2	12.46	14.54
	(च) अन्य व्यय		(f) Other expenses	31	5,770.41	6,420.65
	कुल व्यय		Total Expenses		32,377.41	23,479.05
V	कर से पूर्व लाभ (III- IV)	V	Profit before tax (III- IV)		(2,692.09)	1,115.97
VI	कर व्यय	VI	Tax Expense	37		
	(क) वर्तमान कर		(a) Current tax		338.75	-
	(ख) आस्थगित कर		(b) Deferred tax		213.81	349.63
	कुल कर व्यय		Total tax expense		552.56	349.63
VII	वर्ष के लिए लाभ (V- VI)	VII	Profit for the year (V- VI)		(3,244.09)	766.34
VIII	अन्य व्यापक आय	VIII	Other comprehensive Income			
	(क) वस्तु जो लाभ या हानि के लिए पुनवर्गीकरण परिभाषित लाभ योजना का पुन:मापन नही किया गया		(a) Items that will not be reclassified to profit or loss Remeasurement of Defined Benefit Plan	41	2.00	(11.93)
	(ख) उपरोक्त पर आय कर		(b) Income tax on above		(3.30)	(8.60)
					(1.30)	(20.53)
IX	वर्ष के लिए व्यापक आय (VII + VIII)	IX	Total comprehensive Income for the year (VII + VIII)		(3,245.95)	745.81
X	इक्विटी शेयर अर्जन (अंकित मूल्य ₹10 प्रत्येक) :	X	Earnings per equity share (face value ₹ 10 each):	38		
	(क) बेसिक (₹ में)		(a) Basic (in ₹)		(46.09)	10.89
	(ख) डायल्यूटेड (₹ में)		(b) Diluted (in ₹)		(46.09)	10.89

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements. In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते डी. के. छाजर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304138E

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

(Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M.No : 057170

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
(DIN -08290021)

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 मई, 2019

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, (वित्त एवं लेखा)

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER (FINANCE & ACCOUNTS)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का स्टैंडअलोन विवरण
Standalone Statement of Changes in Equity for the Year ended 31st March 2019

विवरण	Particulars	सं. Nos	अंकित मूल्य (₹) Face Value (₹)	(₹ मिलियन में) (₹ In Million)
क इक्विटी शेयर पूंजी	A. Equity Share Capital			
इक्विटी शेयर प्रत्येक जारी सबस्क्राइब्ड एंव पूर्णतया प्रदत्त	Equity shares of ₹10 each issued, subscribed and fully paid			
शेष राशि 31 मार्च, 2016 को	**Balance as at March 31, 2016**	**88,00,000**	**10**	**88.00**
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	88,00,000	10	88.00
शेष राशि 1 अप्रैल, 2017 को	**Balance as at April 01, 2017**	**1,76,00,000**	**10**	**176.00**
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	1,76,00,000	10	176.00
शेष राशि 31 मार्च, 2018 को	**Balance as at March 31, 2018**	**3,52,00,000**	**10**	**352.00**
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	3,52,00,000	10	352.00
शेष राशि 31 मार्च, 2019 को	**Balance as at March 31, 2019**	**7,04,00,000**	**10**	**704.00**

		सामान्य आरक्षण General Reserve	प्रतिधारित आय Retained Earnings	कुल Total
ख अन्य इक्विटी	**B. Other Equity**			
शेष राशि 31 मार्च, 2017 को	**Balance as at March 31, 2017**	**4,693.30**	**300.77**	**4,994.07**
वर्ष के लाभ	Profit for the year		766.34	766.34
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	Other Comprehensive Income for the year		(20.53)	(20.53)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से)	Transfer to General Reserve/(From)			
प्रतिधारित आय	Retained Earning	268.30	(268.30)	-
अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 16-17	Final Dividend FY 16-17		(249.92)	(249.92)
अंतिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर वित्तीय वर्ष 16-17	Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 16-17		(38.35)	(38.35)
बोनस शेयर जारी करना	Issue of Bonus Shares		(176.00)	(176.00)
शेष राशि 31 मार्च, 2018 को	**Balance as at March 31, 2018**	**4,961.60**	**314.01**	**5,275.61**
वर्ष के लाभ	Profit for the year		(3,244.65)	(3,244.65)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	Other Comprehensive Income for the year		(1.30)	(1.30)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से)	Transfer to General Reserve/(From)			
प्रतिधारित आय	Retained Earning		-	-
अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 17-18	Final Dividend FY 17-18		(260.48)	(260.48)
अंतिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर वित्तीय वर्ष 17-18	Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 17-18		(40.35)	(40.35)
बोनस शेयर जारी करना	Issue of Bonus Shares		(352.00)	(352.00)
शेष राशि 31 मार्च, 2019 को	**Balance as at March 31, 2019**	**4,961.60**	**(3,584.77)**	**1,376.83**

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते डी. के. छाजर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304138E

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

(Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M.No : 057170

दिनांक : 29 मई, 2019
स्थान : कोलकाता

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
(DIN -08290021)

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, (वित्त एवं लेखा)

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER (FINANCE & ACCOUNTS)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह का स्टैंडअलोन विवरण
Standalone Statement of Cash Flows for the Year ended 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

विवरण	Particulars	For the Year ended 31st March 2019	For the Year ended 31st March 2018
क परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह	A. CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES		
वर्ष के लिए कर से पूर्व लाभ	Profit Before Tax for the year	(2,892.09)	1,115.97
समायोजन :	Adjustments for :		
मूल्यह्रास/परिशोधन व्यय	Depreciation /Amortisation Expenses	12.46	14.54
लाभांश से आय	Dividend Income	(64.20)	(61.70)
ब्याज से आय	Interest Income	(346.06)	(189.11)
वित्तीय लागत	Finance Cost	569.37	672.89
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री से हानि	Loss on sale of Property Plant and Equipments	0.35	0.23
आवश्यक नहीं रह गए प्रावधान पुनरांकित किए गए	Provision no Longer Required Written Back	-	(4,595.19)
खराब ऋण बट्टे खाता में डाला गया	Bad Debt Witten Off	1,100.81	4,594.06
खराब एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान	Provision for Bad and Doubtful Advances	4,320.02	1,388.11
देयता पुनरांकित की गई	Liability written Back	-	(281.67)
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating profit before Working Capital changes**	2,900.67	2,658.13
परिचालन संपत्ति एवं दायित्व में परिवर्तन हेतु समायोजन	Adjustments for changes in Operating Assets & Liabilities		
परिचालन संपत्ति में (वृद्धि)/कमी हेतु समायोजन :	Adjustments for (increase) / decrease in Operating Assets:		
कार्यशील पूंजी में गति :	Movement in working capital:		
व्यापार एवं अन्य प्राप्ति में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/decrease in Trade and Other Receivables	15,824.13	(3,375.13)
अन्य परिसम्पत्ति में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/decrease in Other Assets	(0.79)	(28.14)
मालसूची में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/ decrease in Inventories	-	707.40
परिचालन दायित्व में वृद्धि/(कमी) हेतु समायोजन :	Adjustments for increase / (decrease) in Operating Liabilities :		
व्यापार भुगतान एवं अन्य वित्तीय दायित्व में वृद्धि/(कमी)	Increase/ (decrease) in Trade Payables & Others Financial Liabilities	(17,728.53)	983.18
अन्य दायित्व में वृद्धि/(कमी)	Increase/ (decrease) in Other Liabilities	35.03	77.28
प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)	Increase/ (decrease) in Provisions	(36.44)	28.37
परिचालन से नकद की सृष्टि	**Cash generated from Operations**	994.07	1,048.10
प्रत्यक्ष कर भुगतान (शुद्ध वापसी)	Direct Taxes Paid (Net of Refund)	(394.68)	(347.99)
परिचालन कार्यकलाप से शुद्ध नकद	**Net cash from Operating Activities**	599.39	701.11
ख निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह	B. CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES		
संपत्ति संयंत्र एवं उपकरणों पर प्राप्ति (शुद्ध)	Proceeds of Property Plant and Equipment (Net)	(169.03)	(69.56)
मियादी जमा में निवेश	Investment in Fixed Deposits	870.98	467.02
संयुक्त उद्यम में निवेश	Investment in Joint Venture	(80.00)	(75.00)
ब्याज प्राप्त	Interest received	355.52	182.82
लाभांश आय	Dividend Income	64.20	61.70
निवेश कार्यकलाप में शुद्ध नकद	**Net cash (used) in Investing Activities**	1,041.67	566.96
ग. वित्तीय कार्यकलाप से नकद प्रवाह	C. CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES		
अल्पमियादी उधारी पर प्राप्ति (चुकौती)	Proceeds/(Repayment) of Short Term Borrowings	(1,230.05)	(15.10)
ब्याज भुगतान	Interest Paid	(569.94)	(673.15)
लाभांश भुगतान	Dividend Paid	(260.48)	(249.92)
लाभांश पर कर	Tax on Dividends	(40.35)	(38.35)
वित्तीय कार्यकलाप में व्यवहृत शुद्ध नकद	**Net cash used in Financing Activities**	(2,100.82)	(976.52)
नकद एवं नकद समकक्ष (क + ख + ग) में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	**Net Increase/(decrease) in Cash & Cash equivalents(A+B+C)**	(459.76)	291.57
वर्ष के प्रारम्भ में नकद एवं नकद के समकक्ष	**Cash and Cash equivalents at the beginning of the Year**	(282.18)	(573.75)
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद के समकक्ष	**Cash and Cash equivalents at the end of the Year**	(741.94)	(282.18)

ध्यान दें :
(1) कोष्टक में शामिल अंक बहिर्प्रवाह दर्शाते हैं।
(2) नकद एवं नकद समतुल्य दर्शाते वाले विवरण

Note :
(1) Figures in brackets indicate outflows.
(2) **Statement Showing Cash and Cash Equivalents**

विवरण	Particulars		
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the end of the Year	960.27	1,757.40
घटाएं : वर्ष के अंत में ओवरड्राफ्ट बैलेंस	Less : Over Draft Balances at the end of the year	(1,702.21)	(2,039.58)
वर्ष के अंत में शुद्ध नकद एवं नकद समकक्ष	**Net Cash and Cash equivalents at the end of the Year**	(741.94)	(282.18)

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements In terms of our report of even date.

कृते डी. के. छाजर एण्ड कम्पनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304136E

कृते एमएसटीसी लिमिटेड **For MSTC Limited**

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

(Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M.No : 057170

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
(DIN -08290021)

दिनांक : 29 मई, 2019
स्थान : कोलकाता

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, (वित्त एवं लेखा)

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER (FINANCE & ACCOUNTS)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु पृथक वित्तीय विवरणियों पर टिप्पणी

1.क. सामान्य जानकारी

एमएसटीसी लिमिटेड, एक मिनीरत्न श्रेणी-1 कम्पनी, 9 सितम्बर, 1964 को कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत गठित हुई थी। यह 225, एजेसी बोस रोड, कोलकाता में पंजीकृत कार्यालय सहित भारत में अधिवासित है तथा शेयरों द्वारा सीमित (सीआईएन : L27320WB1964GOI026211) है। प्रारम्भिक पब्लिक ऑफर के अनुसार एमएसटीसी के शेयर 29 मार्च, 2019 से सूचीबद्ध हैं तथा बीएसई लिमिटेड तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया दोनों पर ट्रेडिंग किये जाते हैं। कम्पनी की व्यापारिक गतिविधियां ई-कॉमर्स और लौह और गैर-लौह स्क्रैप, अधिशेष भंडार, खनिज, कृषि और वन उत्पादन आदि का निपटान करती है, जो ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों के हैं। कंपनी की मुख्य गतिविधि संचालन दो प्रभागों में विभाजित की गई है, अर्थात ई-कॉमर्स और ट्रेडिंग। ई-कॉमर्स डिवीजन स्क्रैप, अधिशेष भंडार, ई-बिक्री, खनिज, कृषि और वन का निपटान करता है। प्रमुख प्रिंसिपलों की सूची में रक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारें और ई-प्रोक्योरमेंट, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम यथा इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लि., ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लि., भारत संचार निगम लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. आदि शामिल हैं। निपटान की पद्धति में ई-ऑक्शन, ई-टेंडर, ई-रिवर्स ऑक्शन आदि शामिल है। साथ ही एमएसटीसी कोल इंडिया लि. सिंगरेनी कोलफिल्ड्स लि. आदि से कोयला भी ऑक्शन करती है। इसके अलावा एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट समाधान भी प्रदान करता है। ट्रेडिंग डिवीजन आयात/निर्यात एवं मुख्यतया थोक औद्योगिक कच्ची सामग्रियों के घरेलू व्यापार का परिचालन करता है। यह भारतीय उद्योगों की आपूर्ति के लिए औद्योगिक कच्ची सामग्रियां यथा हेवी मेल्टिंग स्क्रैप, लो ऐश मेटालार्जिकल कोक, एचआर कायल, क्रूड ऑयल, नैप्था, कूकिंग कोल, स्टीम कोल आदि की सोर्सिंग, क्रय एवं बिक्री को देखता है।

1.ख. वर्तमान लेखागत घटनाक्रम

1.ख.1. आईएनडी: एएस 115 उपभोक्ता सहित ठेकेदारों से राजस्व 28 मार्च, 2018 को जारी किया गया तथा आईएनडी : एएस : 18 राजस्व को अतिक्रमित करता है एवं आईएनडी : एएस : 11 निर्माण ठेका तथा यह अपने उपभोक्ताओं के साथ ठेका से उत्पन्न सभी राजस्व पर सीमित अपेक्षाओं सहित लागू है, आईएनडी : एएस : 115 के अधीन राजस्व तभी प्रतिचिह्नित है जब एक उपभोक्ता माल तथा सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है। कम्पनी ने आईएनडी:एएस:115 ग्राहयता के अनुसार लेखागत नीतियों में परिवर्तन का आंकलन किया है तथा यह निष्कर्षित किया है कि कम्पनी की राजस्व मान्यता नीति पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

1.ख.2. मानक निर्धारित परन्तु अभी तक प्रभावशाली नहीं

विद्यमान आईएनडी: एएस मानकों के निम्निलिखित संशोधनों का कम्पनी की वित्तीय विवरणी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव अपेक्षित नहीं है।

क) परिशिष्ट सी से आईएनडी एएस 12, आयकर (आयकर ट्रिटमेंट्स पर अनिश्चितता)

ख) आईएनडी : एएस 12 आयकर में संशोधन

ग) आईएनडी : एएस 19 कर्मचारी लाभ में संशोधन

घ) आईएनडी : एएस 23 उधारी लागत में संशोधन

ङ) आईएनडी : एएस 28 निवेश सहयोगी तथा संयुक्त उद्यम में संशोधन

च) आईएनडी : एएस 103 व्यवसाय समायोजन में संशोधन

छ) आईएनडी : एएस 109 वित्तीय साधन में संशोधन

ज) आईएनडी : एएस 111 संयुक्त व्यवस्था में संशोधन

Notes to Separate financial statements for the year ended 31st March, 2019

1. A General Information

MSTC Limited (the "Company") is a Miniratna Category-I Company was incorporated under the Companies Act, 1956 on 9th September, 1964. It is domiciled in India, having registered office at 225C A.J.C. Bose Road Kolkata 700020 and limited by shares (CIN:L27320WB1964GOI026211). Pursuant to Initial Public Offer equity shares of MSTC Limited are listed and traded on both BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited w.e.f. March 29, 2019. The Company undertakes trading activities, e-Commerce and also disposal of ferrous and non-ferrous scrap, surplus stores, minerals, agri and forest produces etc. mostly from Public Sector Undertakings and Govt. Departments. The core activity of the Company has been divided into two Operational Divisions, i.e. e-Commerce and Trading. The e-Commerce division undertakes disposal of Scrap, surplus stores, e-Sales of minerals, agri and forest produces, and e-Procurement. The list of Principals includes Ministry of Defence, State Governments, PSUs like Indian Oil Corporation Ltd., Oil and Natural Gas Corporation Ltd, Bharat Sanchar Nigam Ltd, Hindustan Petroleum Corporation Ltd. etc. The mode of disposal includes e-Auction, e-Tender, e-Reverse auction etc. Besides, MSTC also e-Auctions coal from Coal India Ltd, Singareni Coalfields Ltd etc.Apart from these MSTC also provides e-Procurement solution. The trading division handles import/export and domestic trade of mainly bulk industrial raw material. It looks after sourcing, purchase and sales of industrial raw materials like Heavy Melting Scrap, Low Ash Metallurgical Coke, HR Coil, Crude Oil, Naptha, Coking Coal, Steam Coal etc. for supply to Indian industries. The end customers are Coal/Steel Industries, Oil sector, State owned Power Companies etc. .

1.B. Recent Accountings Developments

1.B.1 Ind AS-115 Revenue from contracts with customer was issued on 28th March 2018 and supersedes Ind AS-18 Revenue and Ind AS-11 Construction Contracts and it applies, with limited exception to all revenue arising from contracts with its customers. Under Ind AS-115 revenue is recognised when a customer obtains control of goods or services. The company has carried out assessment of change in accounting policy, following the adoption Ind AS-115 and concluded that thare is no significant impact on the Company's revenue recognition policy.

1.B.2 Standard Issued but not yet effective

The following amendments to the existing Ind AS standards are not expected to have a significant impact on the Company's financial statements:

(a) Appendix C to Ind AS-12, Income Taxes (Uncertainty over Income Taxes treatments)

(b) Amendments to Ind AS-12, Income Taxes.

(c) Amendments to Ind AS-19, Employee benefits

(d) Amendments to Ind AS-23, Borrowing costs.

(e) Amendments to Ind AS-28, Investments associates and Joint Ventures.

(f) Amendments to Ind AS-103, Business combinations.

(g) Amendments to Ind AS-109, Financial Instruments.

(h) Amendments to Ind AS-111, Joint Arrangements

1.ग. महत्वपूर्ण लेखागत नीतियां

1.ग.1 तैयारी का आधार

वित्तीय विवरणों को कुछ परिसंपत्ति और देनदारियों के अपवाद के साथ ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत तैयार किया गया है, जिन्हें आईएनडी एएस द्वारा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर मापा जाना अपेक्षित है। कम्पनी अधिनियम 2013 के उपयुक्त प्रावधानों के अधीन अधिसूचित नियमों सहित भारतीय लेखागत मानक (आईएनडी एएस) के अनुपालन में कम्पनी की वित्तीय विवरण तैयार की गयी है।

उचित मूल्य वह कीमत है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने के लिए प्राप्त की जाती है या मापन तिथि पर बाजार सहभागियों के बीच एक व्यवस्थित लेनदेन में देयता को हस्तांतरित करने के लिए भुगतान किया जाता है, भले ही उस कीमत को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है या किसी मूल्यांकन तकनीकी का अनुमान लगाया जा सकता है। किसी परिसंपत्ति या दायित्व के उचित मूल्य के आकलन में, कम्पनी आकलन या देनदारी की विशेषताओं को ध्यान में रखती है, अगर बाजार की प्रतिभागियों ने उन विशेषताओं को माप की तारीख में परिसंपत्ति या दायित्व के मूल्य निर्धारण में लिया गया है।

कार्यवाहक मुद्रा एवं प्रस्तुतीकरण मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपये (₹) में तैयार किए जाते हैं, जो कि कम्पनी के सभी प्रचालनों के लिए इसकी कार्यवाहक मुद्रा है। भारतीय रुपये (₹) में प्रस्तुत सभी वित्तीय सूचना निकटतम लाख में पूर्ण राशि में दी गई है, यदि अन्यथा उल्लेख नहीं है।

चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण

कंपनी चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर तुलन पत्र में परिसंपत्ति एवं देनदारी प्रस्तुत करती है। सभी परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को कम्पनी के आम प्रचालन चक्र एवं कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III और आईएनडी एएस-1, 'वित्तीय विवरणियों के प्रस्तुतीकरण' में निर्धारित अन्य मानदंड के अनुसार चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

प्रचालन चक्र कार्य-प्रक्रिया हेतु परिसंपत्तियों के अधिग्रहण एवं नकद और नकद समतुल्य में इनकी वसूली के बीच का समय है। कंपनी ने अपने प्रचालन चक्र के रूप में बारह माह चिह्नित किए हैं।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को गैर-चालू परिसंपत्तियों और देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

अनुमान एवं महत्वपूर्ण न्याय का उपयोग

आईएनडी एएस के अनुसार खातों की तैयारी के लिए प्रबंधन को परिसंपत्तियों और दायित्वों की रिपोर्ट की गई राशि, लेखा की तारीख को आकस्मिक संपत्तियों एवं दायित्वों का प्रकटीकरण एवं अवधि के दौरान आय एवं व्यय की रिपोर्ट राशि के प्रभाव का अनुमान एवं आकलन करना अपेक्षित है।

वास्तविक परिमाण उनके अनुमान से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान के लिए सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों को नीचे लेखांकन नीतियों में वर्णित किया गया है। महत्वपूर्ण लेखांकन फैसले और कम्पनी की लेखांकन नीतियों को लागू करने में अनिश्चितता या आकलन के महत्वपूर्ण स्त्रोत संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, वर्तमान परिसंपत्ति प्रावधान, आस्थगित कर, सेवानिवृत्ति लाभ के संबंध में उत्पन्न होते हैं। इनमें से प्रत्येक मद के लिए अंतर्निहित निर्णय और अनुमानों की विधियों सहित विस्तृत लेखा नीतियां नीचे चर्चा की गई हैं। इन सभी महत्वपूर्ण कारकों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखा अनुमानों के लिए संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है जिसमें अनुपात संशोधन किए गए हैं और किसी भी भविष्य की अवधि जो प्रभावित होती है।

1.C. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1.C.1 Basis of Preparation

The financial statements have been prepared under the historical cost convention with the exception of certain assets and liabilities that are required to be measured at fair value at the end of each reporting period by Ind ASs. The financial statements of the Company have been preapared to comply with the Indian Accounting Standards ('Ind ASs'), including the rules notified under the relevant provisions of the Companies Act, 2013.

Fair value is the price that would be received to sell an asset or paid to transfer a liability in an orderly transaction between market participants at the measurement date, regardless of whether that price is directly observable or estimated using another valuation technique. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Company takes into account the characteristics of the asset or liability if market participants would take those characteristics into account when pricing the asset or liability at the measurement date.

Functional Currency and Presentation Currency

The financial statements are prepared in Indian Rupees (₹) which is the Company's functional currency for all its operations. All financial information presented in Indian Rupees (₹) has been rounded to the nearest Million, unless otherwise stated.

Current and Non-Current Classification

The Company presents assets and liabilities in the balance sheet based on current/ non-current classification. All assets and liabilities have been classified as current or non-current as per the Company's normal operating cycle and other criteria set out in the schedule III to the Companies Act, 2013 and Ind AS 1 - 'Presentation of Financial Statements'.

The operating cycle is the tima between the acquisition of assets for processing and their realisation in cash and cash equivalents. The Company has identified twelve months as its operating cycla.

Deferred tax assets and liabilities are classified as non-current assets and liabilities.

Use of estimates and critical judgements

Tha preparation of accounts in accordance with Ind ASs requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities, disclosure of contingent assets and liabilities at the date of the accounts and reported amounts of income and expenses during the period.

Actual results could differ from those estimates. The most significant techniques for estimation are described in the accounting policies below. Critical accounting judgments and the key sources of estimation or uncertainty in applying the Company's accounting policies arise in relation to property, plant and equipment, current asset provisions, deferred tax, retirement benefits. The detailed accounting policies, including underlying judgments and methods of estimations for each of these items are discussed below. All of these key factors are reviewed on a continuous basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which estimates are revised and any future periods affected.

1. ग).2 विदेशी मुद्रा रूपांतरण

कम्पनी के वित्तीय विवरण को तैयार करते समय, कार्यात्मक मुद्रा को छोड़कर अन्य मुद्राओं में लेनदेन, लेनदेन की तिथि को प्रचलित मुद्रा दर पर दर्ज की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रचलित दरों पर पुनः रूपांतरित किया जाता है। विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित, उचित मूल्य पर गैर-मौद्रिक मद इस तिथि पर प्रचलित दरों पर पुनः रूपांतरित होते हैं जिस पर उचित मूल्य का निर्धारण किया गया था। कोई भी गैर-मौद्रिक मद जो किसी विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत की शर्तों में पाये जाते हैं, का रूपांतरण नहीं किया जाता है।

मौद्रिक मदों के निपटारे पर एवं मौद्रिक मदों के पुनः रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित किए गए हैं। उचित मूल्य पर लिए गए गैर-मौद्रिक मदों के पुनः रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित है, जिसमें गैर-मौद्रिक मदों के पुनः रूपांतरण पर उत्पन्न अंतर शामिल नहीं है जिसके लिए लाभ और हानि को अन्य व्यापक आय में प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया जाता है।

जहाँ कहीं भी, ग्राहकों को उनके साथ अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा की अस्थिरता वहन करनी पड़ती है, कंपनी की बहियों में विदेशी मुद्रा लाभ/हानि की स्वीकृति नहीं दी गई है।

1.1. ग.3 (क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के मद एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है यदि यह संभव है, कि मद के साथ जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कम्पनी के पास आएंगे और इसकी लागत को विश्वास से मापा जा सकता है। यह मान्यता सिद्धांत संपत्ति, संयंत्र, और उपकरणों के मद को प्राप्त करने के लिए शुरू में किए गए खर्चों के लिए लागू किया जाता है और बाद में खर्च किए गए खर्चों को भी शामिल करने, किसी अंश को बदलने या सेवा देने के लिए किया जाता है। नियमित सर्विसिंग सहित सभी अन्य मरम्मत और रखरखाव लागत, लाभ और हानि के विवरण में स्वीकृति है। जब कोई प्रतिस्थापन होता है, तो प्रतिस्थापित भाग की वहन राशि को मान्यता नहीं दी जाती है। संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण संचित ह्रास एवं न्यूनता हानि को घटाकर लागत पर व्यक्त किये जाते हैं। लागत में प्रत्यक्ष लागत एवं व्यय शामिल हैं जो संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए कार्यकारी स्थिति एवं स्थान पर लाने के लिए खर्च किए जाते हैं।

किसी परिसंपत्ति के निपटान पर होने वाले लाभ या हानि को बिक्री आय और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त है। संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण में शामिल हैं - खुले संयंत्र और औजार जो कि उनके अपेक्षित उपयोगी जीवन और अनुमानित स्क्रैप मूल्य और साथ ही स्पेयर से संबंधित बट्टे राशि को निकालकर दिए गए हैं, जिसके विरूद्ध जहाँ भी आवश्यकता है क्षति प्रावधान दिए गए हैं, ताकि धीमी गति वाले एवं अप्रचलित मदों को उपलब्ध किया जा सके।

भूमि की एक अनिश्चित आर्थिक काल है। कम्पनी इसे वर्षों के पट्टा के रूप में उपयोग कर सकती है। अग्रिम के रूप में भुगतेय पट्टा का परिशोधन पट्टा अवधि तक किया जा सकता है।

1. ग.3 (ख) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का मूल्यह्रास

मूल्यह्रास को सीधी रेखा के आधार पर बट्टा खाता के रूप में संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य पर प्रावधान किया जाता है। यह प्रभार संपत्ति की तारीख से प्रारम्भ किये जाते हैं, जब से इच्छित उपयोग के लिए उपलब्ध होती है तथा उनके अनुमानित उपयोगी आर्थिक जीवन पर लिया जाता है। सम्पत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन एवं अवशिष्ट मूल्य की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है एवं जब आवश्यकता होती है, संशोधन किया जाता है। उन सम्पत्तियों के संबंध में आगे कोई प्रभार नहीं दिया जाता है जो पूर्णतया अवलेखित हो चुकी है, परन्तु अभी भी उपयोग में है।

1.C.2. Foreign Currency Translation

In preparing the financial statements of the Company, transactions in currencies other than the functional currency are recorded at the rates of exchange prevailing on the date of the transaction. At the end of each reporting period, monetary items denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing at the end of the reporting period. Non-monetary items carried at fair value that are denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing on the date when the fair value was determined. Non-monetary items that are measured in terms of historical cost in a foreign currency are not translated.

Exchange differences arising on the settlement of monetary items, and on retranslation of monetary items are included in the Statement of Profit and Loss for the period. Exchange differences arising on retranslation on non-monetary items carried at fair value are included in statement of profit and loss for the period except for differences arising on the retranslation of non-monetary items in respect of which gains and losses are recognised directly in other comprehensive income.

Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognised in the books of the Company.

1.1.C.3 (a) Property, Plant and Equipment

An item of property, plant and equipment is recognised as an asset if it is probable that future economic benefits associated with the item will flow to the company and its cost can be measured reliably. This recognition principle is applied to the costs incurred initially to acquire an item of property, plant and equipment and also to costs incurred subsequently to add to, replace part of, or service it. All other repair and maintenance costs, including regular servicing, are recognised in the Statement of Profit and Loss as incurred. When a replacement occurs, the carrying amount of the replaced part is derecognised.

Property, plant and equipment are stated at cost, less accumulated depreciation and impairment losses. Cost includes all direct costs and expenditures incurred to bring the asset to its working condition and location for its intended use.

The gain or loss arising on disposal of an asset is determined as the difference between the sale proceeds and the carrying amount of the asset, and is recognised in the Statement of Profit and Loss.

Included in property, plant and equipment are loose plant and tools which are stated at cost less amounts written off related to their expected useful lives and estimated scrap value and also spares, against which impairment provisions are made where necessary to cover slow moving and obsolete items.

Land has an indefinite ecomomic life. The Company can enjoy the part of the life restricted to years of lease.The lease rent paid in advance is being amortised over the period of lease.

1.C.3 (b) Depreciation of property, plant and equipment

Depreciation is provided so as to write off, on a straight-line basis, the cost of property, plant and equipment to their residual value. These charges are commenced from the date the assets are available for their intended use and are spread over their estimated useful lives. The estimated useful lives of assets and residual values are reviewed regularly and, when necessary, revised. No further charge is provided in respect of assets that are fully written down but are still in use.

निर्माणाधीन परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास संपत्ति के अभीष्ट उपयोग के लिए प्रस्तुत होने पर शुरू होता है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत को उनके उपयोगी जीवनकाल पर आवंटित करने हेतु उनके अवशिष्ट मूल्यों को छोड़कर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

प्रमुख श्रेणी की संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का अपेक्षित उपयोगी जीवन :

परिसंपत्तियों का प्रकार	*अनुमानित उपयोगी जीवन (वर्ष)*
कार्यालय उपकरण	5
वाहन	8
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	10
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स	10
बिल्डिंग	60
एयर कंडशिनर्स	10
कम्प्यूटर्स	3
सर्वर्स	6

निर्माण के दौरान संपत्ति को प्रगति में पूंजीगत कार्य के तहत शामिल किया जाता है और किसी भी मान्यता प्राप्त हानि से कम लागत पर किया जाता है। इस तरह के पूंजीगत प्रगति पर कार्य पूरा होने पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की उपयुक्त श्रेणी में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

1.ग. 3 (ग) अमूर्त परिसंपत्तियां

सीमित उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्तियां जो अलग-अलग अधिगृहित की गई हैं, उन्हें संचित परिशोधन एवं संचित न्यूनतम हानि को घटाकर लागत पर लिया जाता है। परिशोधन को अपने अनुमानित उपयोगी जीवन पर एक सीधी रेखा के आधार पर मान्यता प्राप्त है। अनुमानित उपयोगी जीवन और परिशोधन विधि को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है, जिसमें किसी भावी आधार पर, अनुमान में किसी परिवर्तन के प्रभाव को लिया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति निपटान पर गैर-स्वीकृति दी जाती है, या जब उपयोग या निपटान पर कोई भावी आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं रहता है। इसके अलावा, प्रबंधन अनुमान लगाती है कि अमूर्त परिसंपत्ति का उसके उपयोगी जीवनकाल के अंत में शून्य वहन लागत है अर्थात् शून्य अवशिष्ट मूल्य है।

सॉफ्टवेयर : अलग से लिये गये साफ्टवेयर के रूप में पंजीकृत है इन्हें लाइसेंस की अवधि तक परिशोधित किया जाता है। नियमित लाइसेंस के मामले में लागत 5 वर्षों की अवधि तक परिशोधित किया जाता है।

1.ग. 4 गैर-वित्तीय संपत्तियों की क्षीणता

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कम्पनी सुनिश्चित करने के लिए संपत्तियों, संयंत्र एवं उपकरणों की तथा अमूर्त संपत्तियों की वहन कीमत की समीक्षा करती है, क्योंकि उन संपत्तियों की वहन कीमत निरंतर उपयोग के जरिए वसूलीयोग्य नहीं हो सकती है, का कोई संकेत तो नहीं है। यदि ऐसा कोई संकेत मिलता है, तो सम्पत्ति की वसूलीयोग्य कीमत की क्षीणता हानि (यदि कोई है) के निर्धारण हेतु समीक्षा की जाती है। जहाँ सम्पत्ति से नगद प्रभाव की सृष्टि नहीं होती है जो अन्य सम्पत्ति से स्वतंत्र है, कंम्पनी नगद सृष्टिकारी इकाई जिससे सम्पत्ति का संबंध है, की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। अनिर्दिष्ट उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्ति की क्षीणता वार्षिक रूप से जांच की जाती है एवं जहां उसका कोई संकेत मिलता है, संपत्ति क्षीणता को प्राप्त कर सकती है।

Depreciation on assets under construction commences only when the assets are ready for their intended use.

Depreciation is provided to allocate the costs of property, plant and equipment, net of their residual values, over their useful life as specified in Schedule II of the Companies Act, 2013. The estimated useful lives for the main categories of property, plant and equipment are :

Type of Asset	*Estimated Useful life (Years)*
Office Equipment	5
Vehicles	8
Furnitures and Fixtures	10
Partition and Cubicles	10
Building	60
Air Conditioners	10
Computers	3
Servers	6

Assets in the course of construction are included under capital work in progress and are carried at cost, less any recognized impairment loss. Such capital work-in-progress, on completion, is transferred to the appropriate category of property, plant and equipment.

1.C.3 (c) Intangible Assets

Intangible assets with finite useful lives that are acquired separately are carried at cost less accumulated amortization and accumulated impairment losses. Amortization is recognised on a straight-line basis over their estimated useful lives. The estimated useful life and amortization method are reviewed at the end of each reporting period, with the effect of any changes in estimate being accounted for on a prospective basis.

An intangible asset is de-recognised on disposal, or when no future economic benefits are expected from use or disposal. Further, the management estimates that the intangible assets are having zero carrying cost at the end of its useful life i.e. zero residual value.

Software: Softwares acquired seperately are capitalised as software.These are amortized over a period of their licanse. In case of perpetual licences the cost is amortized over a period of five years.

1.C.4 Impairment of non-financial assets

At the end of each reporting period, the Company reviews the carrying amounts of its property, plant and equipment and intangible assets to determine whether there is any indication that the carrying amount of those assets may not be recoverable through continuing use. If any such indication exists, the recoverable amount of the asset is reviewed in order to determine the extent of impairment loss (if any). Where the asset does not generate cash flows that are independent from other assets, the Company estimates the recoverable amount of the cash generating unit to which the asset belongs. Intangible assets with an indefinite useful life are tested for impairment annually and whenever there is an indication, the asset may be impaired.

वसूलीयोग्य राशि बिक्री मूल्य को घटाकर प्राप्त उचित मूल्य एवं उपयोग मूल्य में से अधिक वाली राशि होती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने के लिए अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य से पूर्व कर छूट दर का उपयोग करते हुए छूट दी जाती है, जो राशि के समय आधारित मान के चालू बाजार आकलन एवं संपत्ति के विशिष्ट जोखिमों को प्रतिबिंबित करती है जिसके लिए भावी नकद प्रवाह के अनुमान का समायोजन नहीं किया गया है। क्षीणता हानि को लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है जब संपत्ति की वहन कीमत वसूली योग्य राशि से अधिक हो।

जब कोई क्षीणता हानि तत्पश्चात व्युत्क्रमित होती है, तो परिसंपत्ति की वहन राशि (या नकद सृजन इकाई) अपनी वसूली योग्य राशि के संशोधित अनुमान में बढ़ती है, पर इतना कि वर्धित वहन राशि उस राशि से अधिक न हो, जो निर्धारित किया गया होता, अगर पूर्व के वर्षों में क्षीणता हानि परिसंपत्ति (या नकद सृजन इकाई) के लिए स्वीकृति नहीं दी गई होती। क्षीणता हानि की विपरीत स्थिति को तुरंत लाभ या हानि में स्वीकृति दी जाती है।

1.ग.5 सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश

सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश लागत पर किया जाता है। जहां नुकसान का संकेत दिखता है, निवेश की धारित राशि का आकलन किया जाता है एवं तुरंत उसे वसूलीयोग्य राशि में लिख लिया जाता है। सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश के निपटान पर शुद्ध निपटान प्रक्रिया एवं धारित राशि के बीच का अंतर लाभ एवं हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

1.ग.6 वित्तीय लेखपत्र

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को तब मान्यता दी जाती है जब कम्पनी वित्तीय लेखपत्र के संविदागत प्रावधानों के लिए एक पार्टी बन जाती है। वित्तीय संपत्तियां एवं दायित्व प्रारम्भ में उचित मूल्य में मापे जाते हैं। लेनदेन की लागतें जो वित्तीय संपत्तियों और वित्तीय देयताओं (वित्तीय संपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के अलावा) के अधिग्रहण या निर्गम के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोपित है, उन्हें वित्तीय संपत्तियों या वित्तीय दायित्वों के प्रारम्भिक मान्यता पर मापे गए निष्पक्ष मूल्य से जोड़ा या घटाया जाता है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के अधिग्रहण पर सीधे आरोप्य लेनदेन लागत को लाभ और हानि के विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है।

क) वित्तीय परिसंपत्तियां

I. परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

वित्तीय परिसंपत्तियों को तदुपरांत परिशोधित लागत पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियां एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों के नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलतः बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

प्रारंभिक माप के पश्चात, ऐसी वित्तीय संपत्तियाँ तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि के प्रयोग द्वारा परिशोधित लागत पर मापी जाती है।

प्रभावी ब्याज दर विधि वित्तीय साधन की परिशोधित लागत के निर्धारित एवं संबंधित अवधि पर ब्याज आय या व्यय के आवंटन की विधि है। प्रभावी ब्याज वह दर है जो वित्तीय साधन के अपेक्षित जीवन या जहाँ उपयुक्त हो, कम अवधि के माध्यम से ठीक उतनी ही भावी नकद प्राप्ति या भुगतान की छूट देती है।

Recoverable amount is the higher of fair value less costs to sell and value in use. In assessing value in use, the estimated future cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and the risks specific to the asset for which the estimates of future cash flows have not been adjusted. An impairment loss is recognised in the Statement of Profit and Loss as and when the carrying amount of an asset exceeds its recoverable amount.

Where an impairment loss subsequently reverses, the carrying amount of the asset (or cash generating unit) is increased to the revised estimate of its recoverable amount, but so that the increased carrying amount does not exceed the carrying amount that would have been determined had no impairment loss been recognised for the asset (or cash generating unit) in prior years. A reversal of an impairment loss is recognised in profit and loss immediately.

1.C.5 Investment in Subsidiaries and Joint venture

Investment in subsidiaries and Joint venture are carried at cost. Where an indication of impairment exists, the carrying amount of the investment is assessed and written down immediately to its recoverable amount. On disposal of investments in subsidiaries and joint venture, the difference between net disposal proceeds and carrying amounts are recognised in Statement of Profit and Loss.

1.C.6 Financial Instruments

Financial assets and financial liabilities are recognised when the Company becomes a party to the contractual provisions of the instrument. Financial assets and liabilities are initially measured at fair value. Transaction costs that are directly attributable to the acquisition or issue of financial assets and financial liabilities (other than financial assets and financial liabilities at fair value through profit and loss) are added to or deducted from the fair value measured on initial recognition of financial asset or financial liability. The transaction costs directly attributable to the acquisition of financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss are immediately recognised in the Statement of Profit and Loss.

a) Financial assets

I. Financial assets at amortised cost

Financial assets are subsequently measured at amortised cost if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows and the contractual terms of the financial asset give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

After initial measurement, such financial assets are subsequently measured at amortised cost using the effective interest rate (EIR) method.

The Effective Interest Rate method is a method of calculating the amortised cost of a financial instrument and of allocating interest income or expense over the relevant period. The effective interest rate is the rate that exactly discounts future cash receipts or payments through the expected life of the financial instrument, or where appropriate, a shorter period.

II. अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने या इन वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों को नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलतः बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

इन मानदंडों को पूरा करने वाली वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्रारंभ में उचित मूल्य और साथ में लेनदेन लागत पर मापी जाती है। ये तदुपरांत अन्य व्यापक आय में स्वीकृत पुनःमापन पर उत्पन्न किसी लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर मापी जाती हैं। तथापि, ब्याज आय, हानियाँ एवं उत्क्रमण तथा विदेशी मुद्रा लाभ एवं हानि की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में दी जाती है।

III. लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत या उचित मूल्य में नहीं मापी गई परिसंपत्ति लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ली जाती है।

वित्तीय परिसंपत्ति की क्षीणता

अपेक्षित क्रेडिट हानियों के लिए हानि भत्ते को अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत एवं उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए स्वीकृति दी जाती है।

जीवनभर के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्तो को तब स्वीकृति दी जाती है जब वित्तीय साधनों पर क्रेडिट जोखिम में प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय साधन जिनके क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से नहीं बढ़े हैं, तो बारह महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को स्वीकृति दी जाती है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का गैर-मान्यताकरण

कम्पनी किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तब स्वीकृति नहीं देती है, जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के अनुबंधित अधिकार खत्म हो जाते हैं या वित्तीय संपत्ति और साथ ही परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिम और पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से किसी दूसरी संस्था को स्थानांतरित करती है। यदि कंपनी पर्याप्त रूप से स्वामित्व के सभी जोखिम एवं पुरस्कार को न तो स्थानांतरित करती है और न ही बरकरार रखती है एवं हस्तांतरित परिसंपत्ति का नियंत्रण जारी रखती है, तब कम्पनी परिसंपत्तियों में बरकरार रखे अपने हित एवं उस राशि के लिए किसी संबंधित देनदारी जिसका भुगतान करना पड़ सकता है, को स्वीकृति देती है। यदि कम्पनी किसी हस्तांतरित वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों एवं पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से बरकरार रखती है, तो कम्पनी वित्तीय परिसंपत्ति की स्वीकृति जारी रखती है एवं प्राप्त कार्यवाहियों के सहवर्तित उधारी को भी स्वीकृति देती है।

ख) वित्तीय देनदारियाँ एवं इक्विटी लेखपत्र

वर्गीकरण

कम्पनी द्वारा जारी वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी साधनों को निष्पादित अनुबंधित व्यवस्थाओं के सार एवं किसी वित्तीय देनदारी एवं इक्विटी लेखनपत्र की परिभाषाओं के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है।

इक्विटी लेखपत्र

इक्विटी लेखनपत्र एक संविदा है जो सभी देनदारियों को घटाने के बाद कम्पनी की परिसम्पत्तियों में अवशिष्ट ब्याज का साक्ष्य प्रस्तुत करती है। इक्विटी लेखनपत्र को प्रत्यक्ष जारी मूल्य को छोड़कर प्राप्त अर्जनों पर दर्ज किया जाता है।

II. Financial assets measured at fair value through Other comprehensive income

Financial assets are measured at fair value through other comprehensive income if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows or to sell these financial assets and the contractual terms of the financial asset give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

Financial assets meeting these criteria are measured initially at fair value plus transaction costs. They are subsequently measured at fair value with any gains or losses arising on remeasurement recognised in other comprehensive income. However, the interest income, losses and reversals, and foreign exchange gains and losses are recognised in the Statement of Profit and Loss.

III. Financial assets measured at fair value through profit and loss

Financial asset not measured at amortised cost or at fair value through other comprehensive income is carried at fair value through profit and loss.

Impairment of financial assets

Loss allowance for expected credit losses is recognised for financial assets measured at amortised cost and fair value through other comprehensive income.

Loss allowance equal to the lifetime expected credit losses is recognised if the credit risk on the financial instruments has significantly increased since initial recognition. For financial instruments whose credit risk has not significantly increased since initial recognition, loss allowance equal to twelve months expected credit losses is recognised.

Derecognition of financial assets

The Company derecognizes a financial asset only when the contractual rights to the cash flows from the asset expire, or it transfers the financial asset and substantially all risks and rewards of ownership of the asset to another entity. If the Company neither transfers nor retains substantially all the risks and rewards of ownership and continues to control the transferred asset, the Company recognizes its retained interest in the assets and an associated liability for amounts it may have to pay. If the Company retains substantially all the risks and rewards of ownership of a transferred financial asset, the Company continues to recognize the financial asset and also recognizes a collateralised borrowing of the proceeds received.

b) Financial liabilities and equity instruments

Classification

Financial liabilities and equity instruments issued by the Company are classified according to the substance of the contractual arrangements entered into and the definitions of a financial liability and an equity instrument.

Equity instruments

An equity instrument is any contract that evidences a residual interest in the assets of the Company after deducting all of its liabilities. Transaction costs of an equity transaction are being accounted as a deduction from equity.

वित्तीय देनदारियाँ

कम्पनी की वित्तीय देनदारियों में व्यापार एवं अन्य देय तथा उधारी और साथ ही बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल हैं जिन्हें प्रारंभ में कुल लेनदेन मूल्य, उचित मूल्य पर मापा जाता है एवं तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर विधि का प्रयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

वित्तीय देनदारियों की गैर-मान्यता

कंपनी वित्तीय देनदारियों को केवल तब गैर-मान्यता देती है, जब कंपनी के दायित्व पूरे हो जाते हैं, रद्द हो जाते हैं या वे समाप्त हो जाते हैं।

वित्तीय साधनों की भरपाई

वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ उस समय क्षतिपूरित हो उठती है एवं शुद्ध राशि तुलनपत्र में रिपोर्ट की जाती है, जब स्वीकृत राशियों की क्षतिपूर्ति के लिए कानूनी तौर पर लागू योग्य कोई अधिकार है एवं शुद्ध आधार पर निपटाने या परिसंपत्ति को प्राप्त करने एवं देनदारी निपटाने की कोई इच्छा है। कानूनी तौर पर लागू योग्य अधिकार भावी गतिविधियों पर आकस्मिक नहीं होना चाहिए एवं व्यवसाय के सामान्य प्रचालन और प्रतिपक्ष की चूक, दिवालियापन, दिवाला की स्थिति में निश्चित रूप से लागू योग्य हो।

1.ग.7 नकद एवं नकद समतुल्य

नकद प्रवाह के विवरण में प्रस्तुत करने के प्रयोजन से नकद और नकद समतुल्य हाथ में नकद, तीन महीने की मूल या उससे कम परिपक्वता वाले उच्च रूप से तरल निवेश जो ज्ञात नकद राशि में तुरंत परिवर्तन योग्य है, बैंक में नकद एवं बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल है और जो मूल्य में गैर-उल्लेखनीय परिवर्तन जोखिम के अधीन है। बैंक ओवरड्राफ्ट को तुलनपत्र में चालू देनदारियों में उधारी के अंदर दिखाया गया है।

1.ग.8 सामान सूची

मार्गस्थ सामग्री समेत व्यापारिक स्टॉक लागत पर या अनुमानित शुद्ध वसूलीयोग्य लागत, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित होती है।

1.ग.9 राजस्व की मान्यता

जब ग्राहक को माल और सेवाओं के हस्तांतरण के प्रति कार्यप्रदर्शन दायित्व पूरा हो जाता है तब राजस्व की पहचान की जाती है।

बिक्री

i) उच्च समुद्री बिक्री (हाई सी सेल्स) की बुकिंग हाई सी सेल पत्र जारी करने की तिथि के आधार पर की जाती है। मूल्य के संबंध में, बिक्री यदि बुक की गई हो, तो अनुबंधित फारवर्ड मुद्रों दरों पर या फिर प्रावधानित रूप से वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट मुद्रा दरों के आधार पर की जाती है, जहाँ फारवर्ड कवर नहीं लिया गया था, जिसमें सी एवं एफ/सीआईएफ मूल्य, मियादी ब्याज, तदुपरांत वित्तीय वर्ष में भुगतान की नियत तिथि को अंतिम समायोजन शामिल है।

ii) स्वदेशी सामग्रियों के मामले में, परिवहन दस्तावेजों की तिथि के आधार पर एवं मूल्य के संबंध में चालान के मूल्य के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। दरवाजे पर डिलीवरी के आधार पर की गई बिक्री के मामले में बिक्री बिल की तिथि पर बुक की जाती है।

iii) निर्यात के मामले में, शिपमेंट की तारीख के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। मूल्य के संबंध में, बिक्री अनुबंधित फॉरवर्ड विनिमय दरों पर बुक किए जाने पर या सीमा शुल्क अनुमति दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख को एफईडीएआई दर पर बुक की जाती है जिसके बाद निर्यात की प्राप्ति की वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन किया जाता है।

Financial Liabilities

The Company's financial liabilities include Trade and other payables and borrowings including bank overdrafts are initially meesured at fair value, net of transaction costs, and are subsequently measured at amortised cost, using the effective interest rate method.

Derecognition of financial liabilities

The Company derecognizes financial liabilities when, and only when, the Company's obligations are discharged, cancelled or they expire.

Offsetting financial instruments

Financial assets and liabilities are offset and the net amount reported in the Balance Sheet when there is a legally enforceable right to offset the recognised amounts and there is an intention to settle on a net basis or realize the asset and settle the liability simultaneously. The legally enforceable right must not be contingent on future events and must be enforceable in the normal course of business and in the event of default, insolvency or bankruptcy of the counterparty.

1.C.7 Cash and Cash Equivalents

For the purpose of presentation in the statement of cash flows, cash and cash equivalent includes cash on hand, highly liquid investments with original maturities of three months or less that are readily convertible to known amounts of cash, cash at bank, and bank overdraft and which are subject to an insignificant risk of changes in value. Bank overdrafts are shown within borrowings in current liabilities in the Balance Sheet.

1.C.8 Inventories

Stock in trade including material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less.

1.C.9 Revenue Recognition

Revenue is recognized when the performance obligation towards transfer of goods and services to a customer is satisfied.

Sales

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usuance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value, based on the value of invoices. In case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realisation of export proceeds.

सेवा प्रभार

सरलीकरण (फेसिलिटेटर) पद्धति के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन हेतु एवं नीलामी, निविदाओं या किसी अन्य साधन द्वारा प्रिन्सिपल की ओर से विक्रय/क्रय के संचालन हेतु पारिश्रमिक को सेवा प्रभार के रूप में हिसाब लिया जाता है।

(क) निम्नलिखित पर सेवा प्रभार को अनुबंधित दरों पर आय के रूप में लिया जाता है :

I. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से बिक्री आदेश/सुपुर्दगी आदेश के जारी करने पर निविदा/ऑक्शन बिक्री।

II. ई-बिक्री को संतोषजनक पूरा करने पर।

(i) व (ii) के संबंध में, सेवा प्रभार प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक सुपुर्दगी के आधार पर समायोजन के साथ, यदि कोई है, ऑक्शन की बोली मूल्य पर लिया जाता है, यदि सेवा प्रभार प्रतिशत आधार पर भुगतानयोग्य है।

iii. गतिविधि के आधार पर, सेवा ठेका के मामले में गतिविधि के घटने पर।

iv. ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा प्रभार तब बुक किया जाता है, जहाँ सेवा प्रभार गतिविधि की समाप्ति पर प्रिंसिपल से संग्रह योग्य है।

(ख) बोलीदाताओं से एकत्रित ई-प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गतिविधि के सफलतापूर्वक संचालित होने पर हिसाब में लिया जाता है।

(ग) सुगमकर्ता के रूप में क्रय के संबंध में प्रोद्भूत सेवा प्रभार बिल ऑफ लैडिंग/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद जैसे भी मामले हो, की तारीख के आधार पर संविदागत दर पर खाते में लिया जाता है। आयातित सामग्रियों हेतु, वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को प्रचलित फॉरवर्ड कवर रेट पर या एफईडीएआई स्पॉट दर पर मूल्य सुनिश्चित किया जाता है। वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन किया जाता है। स्वदेशी सामग्रियों में मूल्य ठेकागत दर में वास्तविक भुगतान के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है।

ई-ऑक्शन पंजीकरण

विक्रेताओं से संग्रहित ई-ऑक्शन पंजीयन शुल्क चालू वर्ष के आय के रूप में विचार किया जाता है, यदि पंजीयन की वैधता एक वर्ष तक है। जीवन भर के पंजीयन के मामले में संग्रहित राशि पांच वर्षों में समान रूप से वितरित की जाती है।

अन्य आय

निम्नलिखित मदों को छोड़ कर उपचय आधार पर राजस्व स्वीकार किया जाता है जो वास्तविक वसूली पर लेखाकृत किया जाता है, चूंकि ऐसी सामग्रियों की वसूली क्षमता लेखा मानकों के प्रावधानों के अनुसार अनिश्चित है :

i) निष्पादित/विवादास्पद बकाये एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, हेतु विचाराधीन निर्णय।

ii) अतिदेय वसूलीयोग्य पर ब्याज जहां वसूली क्षमता अनिश्चित है।

iii) आपूर्तिकर्ताओं या ठेकेदारों पर निर्णित हर्जाना।

iv) आयकर/बिक्री कर/वैट की पुनः प्राप्ति एवं इस पर ब्याज।

v) लाभांश आय की स्वीकृति दी जाती है जब भुगतान प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होता है।

Service Charges

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on :

I. Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

II. On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals, in case service charges are payable on percentage basis.

III. On occurrence of event, in case of service contract on event basis.

IV. In case of e-Procurement Service charges are booked, where service charges are collectable from the Principal, on completion of event.

(b) e-Procurement transaction fees collected from bidders are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

e-Auction Registration

e-Auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

Other Income

Revenue is recognised on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realisibility of such items is uncertain in accordance with the provisions of the accounting standards :

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realisability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT and interest thereon.

v) Dividend income is recognised when right to receive payment is established.

क्रय

(i) आयातित सामग्रियां बिल की प्राप्ति की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखाकृत की जाती है। मूल्य के संबंध में, खरीद की वास्तविक प्रेषण के आधार पर बुक किया जाता है और जहां अनुबंधित फारवर्ड विनिमय दरों के आधार पर, यदि बुक किया जाता है या एफईडीएआई स्थल विनिमय दरें अंतिम तथि पर प्रचारित हैं, तो इस तरह प्रेषण वर्ष के करीब बकाया है, वित्तीय वर्ष के मामले में पहले आच्छादित नहीं किया गया था, खरीद मूल्य में सामग्री मुल्य भाड़ा, बीमा आदि शामिल है, अनुवर्ती वित्तीय वर्ष वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन द्वारा अनुसरित होता है।

(ii) स्वदेशी सामग्रियों के मामले में, चालान के मूल्य के आधार पर परिवहन दस्तावेजों के आधार पर और मूल्य के आधार पर खरीद की जाती है।

1.सी.10 ऋण लागत

अर्हक संपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए सीधे उधार लेने की लागत, ऐसी परिसंपत्तियां हैं जो आवश्यक रूप से अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने के लिए पर्याप्त समय लेती हैं, उन परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ दी जाती हैं, जब तक कि संपत्ति के रूप में अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं।

विशिष्ट आय के अस्थायी निवेश पर अर्जित अन्य आय अर्हकारी संपत्तियों पर उनके व्यय को लंबित कर देती है और पूंजीकरण के लिए योग्य उधार की लागत से कटौती की जाती है।

अन्य सभी उधार लेने की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि में मान्यता दी जाती है जिसमें वे खर्च किए जाते हैं।

1.ग.11 कर्मचारी लाभ

(क) लघु अवधि लाभ

अल्पावधि कर्मचारियों के लाभों का लेखा-जोखा उस अवधि में उनकी अघोषित राशि के लिए किया जाता है जिसमें कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा को उस अवधि के दौरान लाभ और हानि विवरणी में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रदान करता है।

(ख) अवकाश नकदीकरण

अर्जित छुट्टी और रूपान्तरित छुट्टी के लिए देनदारियों को पूरी तरह से 12 महीने के भीतर समाप्त हो जाने की उम्मीद नहीं है, जिस अवधि में कर्मचारियों से संबंधित सेवा प्रदान की गई थी। अतः उन्हें अनुमानित भविष्य के भुगतानों के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है, जो अनुमानित अवधि के लिए मूल्यांकन के आधार पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करते हुए किया जाएगा।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार उपज का उपयोग करके लाभ में छूट दिये गये हैं, जो संबंधित दायित्वों की शर्तों के अनुमान के अनुसार है। अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन के परिणामस्वरूप रिमेजरमेंट लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त है। यह सुविधा भारतीय जीवन बीमा के माध्यम से वित्तपोषित है।

(ग) रोजगार के उपरान्त दायित्व :

परिभाषित योगदान योजना - (I) भविष्य निधि

भविष्य निधि को आयकर अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त ट्रस्ट द्वारा प्रशासित किया जाता है और इस निधि में योगदान राजस्व के लिए लगाया जाता है। पेंशनरों के लाभ कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के माध्यम से सुरक्षित है।

Purchases

(I) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover is not taken, as the case may be. Purchase value includes material value freight, insurance etc. and usuance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

(ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

1.C.10 Borrowing Cost

Borrowing costs directly attributable to the acquisition, construction or production of qualifying assets, which are assets that necessarily take a substantial period of time to get ready for their intended use or sale, are added to the cost of those assets, until such time as the assets are substentially ready for their intended use or sale.

Other income earned on the temporary investment of specific borrowings pending their expenditure on qualifying essets is deducted from the borrowing costs eligible for capitalisation.

All other borrowing costs are recognised in profit and loss in the period in which they are incurred.

1.C.11 Employee Benefits

(a) Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for et their undiscounted amount in the eccounting period in which the services are rendered by the employees are recognised as an expense in the Statement of Profit and Loss during the period in which the employee renders the related service.

(b) Leave encashment

The liabilities for earned leave and commuted leave are not expected to be settled wholly within 12 month after the end of the period in which the employees render related service. They are therefore measured as the present value of expected future payments to be made inrespect of services provided by employees up to the end of the reporting period based on actuarial valuation using the projected unit credit method.

The benefits are discounted using the market yield at the end of the reporting period that have terms of approximating to the terms of related obligations. Remeasurement as a result of experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in profit and loss.The facility is funded through LIC of India.

(c) Post-employment obligation

Defined Contribution Plan - (I) Provident Fund

Provident Fund is administered by a Trust recognised by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioner's Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

परिभाषित योगदान योजना - (ii) पेंशन

कम्पनी के पास एक स्वतंत्र ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित पेंशन योजना है और इस निधि में किया गया योगदान राजस्व के रूप में प्रभारित है। यह निधि भारतीय जीवन बीमा द्वारा नियोजित की जाती है। अंशदान की राशि इस्पात मंत्रालय द्वारा डीपीई मार्गनिर्देशों के अनुसार संचालित होती है।

परिभाषित लाभ योजना

(क) सेवा ग्रैच्युटी

परिभाषिक ग्रेच्युटी योजना के संबंध में तुलन पत्र में दी जाने वाली देनदारी या परिसंपत्ति योजना की संपत्ति के उचित मूल्य से कम रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान लाभ है। परिभाषित लाभ दायित्वों को प्रति वर्ष अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करके एक्चुअरीज द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित दायित्वों के वर्तमान मूल्य, सरकारी नियमों पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार की मांग के संदर्भ द्वारा अनुमानित भविष्य के नगदी बर्हिप्रवाह को छोड़ कर निर्धारित किया जाता है, जो संबंधित दायित्वों की शर्तों के अनुमान के अनुसार है।

शुद्ध ब्याज लागत की परिभाषित लाभ दायित्व और योजना संपत्तियों का उचित मूल्य के शुद्ध शेष के लिए छूट की दर को लागू करने हेतु गणना की जाती है। लाभ हानि के विवरण में कर्मचारी लागत व्यय में यह लागत शामिल है।

अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से होने वाले पुनर्निर्धारित लाभ व हानि उन समायावधि में माने जाते हैं, जिनमें वे अन्य व्यापक आय में सीधे किये जाते हैं। इक्विटी में बदलाव और बैलेंस शीट में बची हुई आय में इन्हें रखा गया है।

संशोधित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में संशोधन और कटौती से उत्पन्न होने वाले परिवर्तन, पिछली सेवा लागत के रूप में तुरंत लाभ या हानि में पहचाने जाते हैं। ग्रेच्युटी दायित्व को लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ ग्रुप ग्रैच्युटी लाइफ आश्वासन योजना के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है और इस प्रयोजन के लिए कम्पनी द्वारा बनाई गई एक अलग अदम्य ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जाता है।

(ख) सेवानिवृत्त उपरान्त चिकित्सा लाभ

कम्पनी अपने अवकाशप्राप्त कर्मचारियों को सेवानिवृत के उपरान्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। इन लाभों का अधिकार आमतौर पर सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में शेष कर्मचारी और न्यूनतम सेवा अवधि की समाप्ति पर सशर्त है। परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए इस्तेमाल की गई उसी लेखा पद्धति का उपयोग कर इन लाभों की अपेक्षित लागत रोजगार की अवधि में अर्जित की गई है। अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुनर्निर्धारित लाभ व हानि, वे उत्पन्न होने वाली अवधि अन्य व्यापक आय में जमा किये जाते हैं। इस उद्देश्य के लिए बनाई गई एक अलग न्यास के माध्यम से निधि को प्रशासित किया जाता है।

1.ग.12 कराधान

वर्ष हेतु कर व्यय में शामिल है चालू एवं विलम्बित कर।

(i) चालू कर

वर्तमान में भुगतानयोग्य कर वर्ष के करयोग्य लाभ पर आधारित है। करयोग्य लाभ शुद्ध लाभ से अलग है जैसा कि लाभ और हानि विवरण में दिया गया है क्योंकि इसमें आय या व्यय के सामग्रियों को छोड़ दिया जाता है जो अन्य वर्षों में करयोग्य या घटावयोग्य है एवं आगे उनके सामग्रियों को छोड़ा जाता

Defined Contribution Plan - (II) Pension

Pension plan is administered through an independent trust and contribution to this Fund is charged to revenue.The fund is being managed through of Life Insurance Corporation of India The contribution amount is governed by of Ministry of Steel directives in terms of DPE guidelines in this.

Defined Benefit Plan

(a) Service Gratuity

The liabilities or assets recognised in the Balance Sheet in respect of defined gratuity plan is the present value of the defined benefits obligation at the end of the reporting period less the fair value of plan assets. The defined benefits obligations are calculated annually by actuaries using projected unit credit method. The present value of defined benefits obligations is determined by discounting the estimated future cash outflows by reference to market yields at the end of the reporting period on Government bonds that are terms approximating to the terms of the related obligations.

The net interest cost is calculated by applying the discounted rate to the net balance of defined benefit obligation and the fair value of plan assets. This cost is included in employee benefit expense in the statement of profit and loss.

Remeasurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in the period in which they occur, directly in other comprehensive income. They are included in retained earnings in the statement of changes in equity.

Changes in the present value of defined benefit obligation resulting from amendments and curtailments are recognised immediately in profit or loss as past service cost. The Gratuity obligation is funded through Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose.

(b) Post Retirement medical benefit

The Company provides post retirement healthcare benefits to their retirees. The entitlement to these benefits is usually conditional on the employee remaining in service up to the retirement age and the completion of minimum service period. The expected cost of these benefits is accrued over the period of employment using the same accounting methodology as used for defined benefit plans. Re-measurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are charged or credited in other comprehensive income in the period in which they arise. The fund is administered through a seperate trust created for this purpose.

1.C.12 Taxation

Tax expense for the year comprises current and deferred tax.

(i) Current tax

The tax currently payable is based on taxable profit for the year. Taxable profit differs from profit before tax for the year as reported in the Statement of Profit and Loss because it excludes items of income or expense that are taxable or deductible in other

है जो कभी करयोग्य या घटावयोग्य नहीं है। वर्तमान कर के लिए कम्पनी का दायित्व व्यवहृत कर दरों या कर कानूनों का गणना करना हो जो देश में अधिनियमति या वास्तविक अधिनियमत किया जाता है जहाँ कम्पनी रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति तक संचालित है।

(ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर देयताएं करयोग्य अस्थायी अंतर के संबंध में भविष्य में भुगतान योग्य आयकर राशि हैं। आस्थगित कर संपत्तियां कटौतीयोग्य अस्थायी अंतर के संबंध में भविष्य में वसुली योग्य आयकर राशि है, उपयोगहीन कर हानियों को अग्रेनीत एवं उपयोगहीन कर क्रेडिट को अग्रेनीत है। आस्थगित कर संपत्ति उस हद तक मान्यता प्राप्त होता है की भविष्य में करयोग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके लिए आस्थगित कर संपत्ति उपयोग किया जा सके।

न्यूतम वैकल्पिक कर साख आस्थगति कर के रूप में तभी जाना जाता है जब पर्याप्त साक्ष्य होता है कि कम्पनी विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आयकर का भुगतान करेगी। ऐसी परिस्थितियों के प्रत्येक तुलन-पत्र की तिथि को समीक्षा की जाती है तथा मैट साख परिसम्पत्तियों की धारण राशि का उल्लेख इस कदर किया जाता है कि पर्याप्त साक्ष्य की आवश्यकता के बिना विनिर्दिष्ट अवधि के दौरान कम्पनी सामान्य आय कर का भुगतान करेगी।

आस्थगित कर सम्पत्ति की मूल राशि का प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है एवं इस हद तक कम हो जाती है कि अब यह संभव नहीं होता है कि पर्याप्त करयोग्य लाभ संपत्ति के आस्थगित कर संपत्ति के सभी या अंश उपलब्ध होगा।

आस्थगित कर संपत्ति या देनदारी को उस सीमा तक ऑफसेट किया जाता है, जो वे उसी कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए करों से संबंधित होते हैं और मौजूदा कर संपत्तियां सेट करने के लिए कानूनी तौर पर लागू होने योग्य अधिकार है और उस क्षेत्राधिकार में वर्तमान कर दायित्व है।

मौजूदा एवं आस्थगित कर को लाभ हानि के विवरण में व्यय या आय के रूप में माना जाता है, सिवाय इसके कि जब वे अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी में जमा या डेबिट की गई सामग्रियों से संबंधित होते हैं, तो सीधे मामले में कर को अन्य व्यापक आय या इक्विटी में सीधे माना जाता है।

1.ग.13 प्रावधान, फुटकर देयताएं तथा फुटकर परिसम्पत्तियां

प्रावधानों को तुलनपत्र में मान्यता दी जाती है जब एक पिछली घटना के परिणामस्वरूप कम्पनी की वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होती है, जिसके परिणामस्वरूप अपेक्षित संसाधनों का बर्हिप्रवाह करने से आर्थिक लाभ मिलते है जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है। प्रत्येक प्रावधान तुलन पत्र की तारीख में मौजूदा दायित्व को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक व्यय का सबसे अच्छे अनुमान पर आधारित है। जब उपयुक्त प्रावधान छूट आधार पर मापा जाता है।

रचनात्मक जिम्मेदारी ऐसा दायित्व है जो एक इकाई के कार्यों से प्राप्त होता है, जिसमें पिछले अभ्यास, प्रकाशित नीतियां या एक पर्याप्त विशिष्ट चालू बयान की एक स्थापित पद्धति है, इंटीटी ने अन्य पार्टियों को संकेत दिया है कि वह कुछ जिम्मेदारियों को स्वीकार करेगा, परिणामस्वारूप इंटीटी उन पार्टियों पर वैध उम्मीद करेंगी, जो उनके जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे।

टिप्पणी के माध्यम से आकस्मिक देयता प्रकट की जाती है जिसका प्रत्येक तुलनपत्र की तारीख में समीक्षा की जाती है और प्रबंधन के वर्तमान अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

years and it further excludes items that are never taxable or deductible. The Company's liability for current tax is calculated using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted in the country where the Company operates by the end of the reporting period.

(ii) Deferred tax

Deferred tax liabilities are the amount of income taxes payable in future periods in respect of taxable temporary differences. Deferred tax assets are the amount of income tax recovereble in in future in respect of deductible temporary differences, carry forward of unused tax losses and carry forward of unused tax credits. Deferred tax assets are recognised to the extent that it is probable that future taxable profits will be available against which the deferred tax assets can be utilised.

Minimum Alternate Tax credit is recognised as deferred tax asset only when and to the extent there is convincing evidence that the Company will pay normal income tax during the specified period. Such asset is reviewed at each Balance Sheet date and the carrying amount of the MAT credit asset is written down to the extent there is no longer a convincing evidence to the effect that the Company will pay normal income tax during the specified period.

The carrying amount of deferred tax assets is reviewed at the end of each reporting period and reduced to the extent that it is no longer probable that sufficient taxable profits will be available to allow all or part of the deferred tax asset to be utilised.

Deferred tax assets and liabilities are offset to the extent that they relate to taxes levied by the same tax authority and there are legally enforceable rights to set off current tax assets and current tax liabilities within that jurisdiction.

Current and deferred tax are recognised as an expense or income in the Statement of Profit and Loss, except when they relate to items credited or debited either in other comprehensive income or directly in equity, in which case the tax is also recognised in other comprehensive income or directly in equity.

1.C.13 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

Provisions are recognised in the Balance Sheet when the Company has a present obligation (legal or constructive) as a result of a past event, which is expected to result in an outflow of resources embodying economic benefits which can be reliably estimated. Each provision is based on the best estimate of the expenditure required to settle the present obligation at the Balance Sheet date. When appropriate, provisions are measured on a discounted basis.

Constructive obligation is an obligation that derives from an entity's actions whereby an established pattern of past practice, published policies or a sufficiently specific current statement, the entity has indicated to other parties that it will accept certain responsibilities; and as a result, the entity has created a valid expectation on the part of those other parties that it will discharge those responsibilities.

Contingent liabilities are disclosed by way of notes. These are reviewed at each Balance Sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

आकस्मिक संपत्ति को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन जब आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित है तो वित्तीय विवरणों में खुलासा किया जाता है।

1.ग.14 सेगमेंट रिपोर्टिंग

आईएनडी एएस108 सार्वजनिक व्यापार उद्यमों संचालित क्षेत्रों और संबंधित प्रकटीकरण के बारे में जानकारी की रिपोर्ट के तरीके के लिए मानकों को स्थापित करता है। कम्पनी व्यापारिक गतिविधियों का काम करती है और ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। प्रबंधन दृष्टिकोण पर आधारित जैसा की आईएनडी एएस 108 में परिभाषित है, मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के कम्पनीके कार्यकलाप का मूल्यांकन करती है और संचालित सेगमेंट्स द्वारा इंगित विभिन्न कार्यकलापों के विश्लेषण पर संसाधनों को आवंटित करता है। कम्पनी के ऊपर दिए गए नियमों के अनुसार दो प्राथमिक रिपोर्ट करने योग्य व्यापार सिगमेंट के संबंध में राजस्व और पहचाने जाने योग्य संचालन व्ययों को उन वस्तुओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है जो कि उन सेगमेंट के लिए व्यक्तिगत रूप से पहचाने जाते हैं। राजस्व व व्यय की वस्तुओं का आरक्षण, जिसे विशिष्ट खंडों के तहत विशेष रूप से आवंटित नहीं किया जा सकता है, उन्हें पृथक रूप से अलग-अलग घोषित किया जाता है।

1.ग. 15 महत्वपूर्ण लेखा अनुमान, धारणा और निर्णय

आईएनडी एएस के अनुरूप वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी के लिए प्रबंधन को वित्तीय विवरणी की तिथि का निर्णय लेने, लेखांकन नीतियों के आवेदन और संपत्ति, देनदारियों, आय, व्यय और आकस्मिक संपत्ति और देनदारियों की तारीखों के प्रकटीकरण की मात्रा को प्रभावित करने की आवश्यकता होती है। वित्तीय वक्तव्यों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान संचालन के परिणाम समाप्त होते हैं। हालांकि ये अनुमान प्रबंधन के वर्तमान घटनाओं और कार्यों के सर्वोत्तम ज्ञान पर आधारित हैं, लेकिन वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है, जिसमें भविष्य में किसी भी प्रभावित अवधि में अनुमानों को संशोधित किया जाता है।

अगले वित्त वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि के लिए सामग्री समायोजन के एक महत्वपूर्ण जोखिम अनुमान और धारणाएं के बारे में निम्नलिखित कंडिकाओं में चर्चा की गयी है-

(i) उपयोगी आर्थिक जीवन और अन्य परिसंपत्तियों की हानि

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) और अमूर्त संपत्ति का अनुमानित उपयोगी जीवनकाल कई कारकों पर आधारित है, जिसमें अप्रचलन के प्रभाव, परिसंपत्ति का उपयोग और अन्य आर्थिक कारक (जैसे ज्ञात तकनीकी विकास) शामिल हैं।

कम्पनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि के अंत तक पीपीई और अमूर्त के व्यवहारिता तथा किसी बदलाव के कारण मूल्यह्रास को प्रभावित करने की समीक्षा करती है।

कम्पनी संभावित हानि के लिए अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की समीक्षा भी करती है यदि ऐसी परिस्थितियां जो इंगित करती हैं कि परिसंपत्तियों का वहन मूल्य पुनर्प्राप्त करने योग्य नहीं हो सकता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर होने वाली हानि के लिए आकलन के दौरान मुनाफे में उल्लेखनीय कमी लाने वाले कारक जैसे कम्पनी की व्यावसायिक योजनाएं और विनियामक वातावरण में परिवर्तन को ध्यान में रखा जाता है।

Contingent assets are not recognised but disclosed in the financial statements when an inflow of economic benefits is probable.

1.C.14 Segment Reporting

Ind AS 108 establishes standards for the way that public business enterprises report information about operating segments and related disclosures. The Company undertakes trading activities, and also acts as e-Commerce service provider. Based on the 'management approach' as defined in Ind AS 108, the Chief Operating Decision Maker (CODM) evaluates Company's performance and allocates resources on an analysis of various performance indicators by operating segments. In terms of above the Company has identified Marketing and e-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. Revenue and identifiable operating expenses in relation to segments are categorised based on items that are individually identifiable to that segment. Rest of the items of revenue and expenses, which cannot be specifically allocated under specific segments are separately disclosed as unallocated.

1.C.15 Critical Accounting Estimates, Assumptions and Judgments

The praparation of the financial statements in conformity with Ind AS requires management to make judgements, estimates and assumptions that affect the application of accounting policies and the reported amounts of assets, liabilities, income, expenses, and disclosures of contingent assets and liabilities at the date of the financial statements and the results of operations during the reporting period end. Although these estimates are based upon management's best knowledge of current events and actions, actual results could differ from these estimates.

Estimates and underlying assumptions are reviewed on an ongoing basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which the estimates are revised and in any future periods affected.

The astimates and assumptions that have a significant risk of causing a material adjustment to the carrying amounts of assets and liabilities within the next financial year are discussed in the paragraphs that follow.

(i) Useful economic lives and impairment of other assets

The estimated useful life of property, plant and equipment (PPE) and intangible asset is based on a number of factors including the effects of obsolescence, usage of the asset and other economic factors (such as known technological advances).

The Company reviews the useful life of PPE and Intangibles at the end of each reporting date and any changes could affect the depreciation rates prospectively.

The Company also reviews its property, plant and equipment for possible impairment if there are events or changes in circumstances that indicate that the carrying value of the assets may not be recoverable. In assessing the property, plant and equipment for impairment, factors leading to significant reduction in profits, such as the Company's business plans and changes in regulatory environment are taken into consideration.

(ii) आकस्मिकताएँ और प्रतिबद्धताएँ

व्यवसाय के सामान्य प्रक्रिया में कम्पनी के खिलाफ मुकदमेबाजी, कराधान और अन्य दावों से आकस्मिक देनदारियां उत्पन्न हो सकती हैं। जहां धन के बर्हिप्रवाह को संभावित माना जाता है और विवाद के परिणाम का एक विश्वसनीय अनुमान प्रत्येक विवाद की विशिष्ट परिस्थितियों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर बनाया जा सकता है और प्रासंगिक बाहरी सलाह प्रबंधन दायित्व के सर्वोत्तम अनुमान के लिए प्रदान करता है। इस तरह की देनदारियों का खुलासा टिप्पणियों में किया गया है लेकिन वित्तीय वक्तव्यों के लिए प्रदान नहीं किया गया है।

यद्यपि कानूनी कार्यवाही के अंतिम परिणाम के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है, कम्पनी को उम्मीद नहीं है कि वे कम्पनी की वित्तीय स्थिति या लाभप्रदता पर भौतिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव डालेंगे।

(iii) बीमांकिक मूल्यांकन

कर्मचारियों को परिभाषित लाभ दायित्व के प्रति कम्पनी के दायित्व का निर्धारण स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है, जिसमें लाभ और हानि के विवरण और अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त राशियों का निर्धारण भी शामिल है। इस तरह का मूल्यांकन मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और रोजगार बाजार में आपूर्ति और मांग कारकों जैसे अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखने के बाद निर्धारित मान्यताओं पर निर्भर करता है।

(iv) उचित मूल्य माप और मूल्यांकन प्रक्रिया

कम्पनी की कुछ संपत्ति और देनदारियों को वित्तीय रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए उचित मूल्य पर मापा जाता है। किसी परिसंपत्ति या देयता के उचित मूल्य का अनुमान लगाने में, कम्पनी बाजार-अवलोकन डेटा का उपयोग उस सीमा तक करती है, जब तक यह उपलब्ध हो। जहां लेवल 1 इनपुट उपलब्ध नहीं है और जहां वैल्यूएशन करना आवश्यक है कम्पनी थर्ड पार्टी वैल्यूएटर्स लगाती है। विभिन्न संपत्तियों और देनदारियों के उचित मूल्य का निर्धारण करने में उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन तकनीकों और इनपुट के बारे में जानकारी वित्तीय विवरणों की टिप्पणी में बताई गई है।

(v) अग्रेषित कर हानियों के लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मान्यता तथा अव्यवहृत कर क्रेडिट

कम्पनी की भविष्य की कर योग्य आय की संभाव्यता के आधार पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों की पहचान की जा सकती है। यह आकलन पर आधारित है, जिसके विरुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्तियों का उपयोग किया जा सकता है, इसके अलावा किसी महत्वपूर्ण कानूनी आर्थिक सीमा के प्रभाव का आकलन करना आवश्यक है।

(ii) Contingencies and commitments

In the normal course of business, contingent liabilities may arise from litigation, taxation and other claims against the Company. Where an outflow of funds is believed to be probable and a reliable estimate of the outcome of the dispute can be made based on management's assessment of specific circumstances of each dispute and relevant external advice, management provides for its best estimate of the liability. Such liabilities are disclosed in the notes but are not provided for in the financial statements.

Although there can be no assurance regarding the final outcome of the legal proceedings, the Company does not expect them to have a materially adverse impact on the Company's financial position or profitability.

(iii) Actuarial Valuation

The determination of Company's liability towards defined benefit obligation to employees is made through independent actuarial valuation including determination of amounts to be recognised in the Statement of Profit and Loss and in other comprehensive income. Such valuation depend on assumptions determined after taking into account inflation, seniority, promotion and other relevant factors such as supply and demand factors in the employment market.

(iv) Fair Value measurements and valuation processes

Some of the Company's assets and liabilities are measured at fair value for financial reporting purposes. In estimating tha fair value of an asset or a liability, the Company uses market-observable data to tha extent it is available. Where Level 1 inputs are not available, the Company engages third party valuars, where required, to perform tha valuation. Information about the valuation techniques and inputs used in determining the fair value of various assets and liabilities are disclosed in the notes to the financial statements.

(v) Recognition of deferred tax assets for carried forward tax losses and unused tax credit

The extent to which deferred tax assets can be recognisad is based on an assessment of the probability of the Company's future taxable income against which the deferred tax assets can be utilised. In addition significant judgement is required in assessing the impact of any legal or economic limits.

2. संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	पूर्वस्वामित्व के भवन	कार्यालय उपकरण	कार्यालय के एयर कंडीशनर	फर्नीचर एवं फिक्सचर	कार्यालय के पार्टिशन्स एवं क्यूबिकल्स	ईडीपी उपकरण	वाहन	कुल मूत परिसंपत्तियाँ
31 मार्च 2017 को सकल ब्लॉक	10.50	1.86	4.08	12.89	11.36	20.71	2.09	63.49
संयोजन	-	-	0.49	0.53	-	4.02	-	5.04
निपटान	-	-	-	-	1.97	0.50	-	2.47
31 मार्च, 2018 को सकल ब्लॉक	10.50	1.86	4.57	13.42	9.39	24.23	2.09	66.06
संयोजन	0.77	2.52	0.19	0.47	-	24.49	-	28.44
निपटान	-	0.35	0.52	0.29	-	10.06	-	11.22
31 मार्च, 2019 को सकल ब्लॉक	11.27	4.03	4.24	13.60	9.39	38.66	2.09	83.28
31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास	0.53	0.65	2.04	7.79	6.79	9.67	0.32	27.79
वर्ष मे प्रभार	0.26	0.30	0.48	1.24	0.40	6.32	0.24	9.24
निपटान	-	0.02	-	0.01	1.45	0.45	-	1.93
31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास	0.79	0.93	2.52	9.02	5.74	15.54	0.56	35.10
वर्ष मे प्रभार	0.27	0.53	0.45	0.78	0.33	4.40	0.25	7.01
निपटान	-	0.35	0.48	0.29	-	9.39	-	10.51
31 मार्च 2019 को मूल्यह्रास	1.06	1.11	2.49	9.51	6.07	10.55	0.81	31.60
31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य	9.97	1.21	2.04	5.10	4.57	11.04	1.77	35.70
31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य	9.71	0.93	2.05	4.40	3.65	8.69	1.53	30.96
31 मार्च 2019 को निवल बही मूल्य	10.21	2.92	1.75	4.09	3.32	28.11	1.28	51.68

विवरण	पुंजीगत कार्य प्रगति में	कुल पुंजीगत कार्य प्रगति में	सॉफ्टवेयर लाइसेंस	ट्रेड मार्क	कुल मूत परिसंपत्तियाँ
31 मार्च 2017 को सफल ब्लॉक	-	-	14.30	-	14.30
संयोजन	64.80	64.80	-	-	-
निपटान	-	-	0.08	-	0.08
31 मार्च 2018 को सफल ब्लॉक	64.80	64.80	14.22	-	14.22
संयोजन	139.82	139.82	1.09	0.04	1.13
निपटान	-	-	-	-	-
31 मार्च 2019 को सफल ब्लॉक	204.62	204.62	15.31	0.04	15.35
31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास	-	-	-	-	-
वर्ष मे प्रभार	-	-	5.30	-	5.30
निपटान	-	-	-	-	-
31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास	-	-	5.30	-	5.30
वर्ष मे प्रभार	-	-	5.44	0.01	5.45
निपटान	-	-	-	-	-
31 मार्च 2019 को मूल्यह्रास	-	-	10.74	0.01	10.75
31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य	-	-	14.30	-	14.30
31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य	64.80	64.80	8.92	-	8.92
31 मार्च 2019 को निवल बही मूल्य	204.62	204.62	4.57	0.03	4.60

सभी पूर्वस्वामित्व के भवन डिआरटी मुम्बई के आदेश से प्रभावित है

2. Property, Plant and Equipment

(Amount in ₹ Million)

Particulars	Freehold Buildings	Office Equipment	Office Air Conditioner	Furniture and fixtures	Office Partition & Cubicles	EDP Equipments	Vehicles	Total Tangible Assets
Gross Block as at March 31, 2017	10.50	1.86	4.08	12.89	11.36	20.71	2.09	63.49
Additions	-	-	0.49	0.53	-	4.02	-	5.04
Disposals	-	-	-	-	1.97	0.50	-	2.47
Gross Block as at March 31, 2018	10.50	1.86	4.57	13.42	9.39	24.23	2.09	66.06
Additions	0.77	2.52	0.19	0.47	-	24.49	-	28.44
Disposals	-	0.35	0.52	0.29	-	10.06	-	11.22
Gross Block as at March 31, 2019	11.27	4.03	4.24	13.60	9.39	38.66	2.09	83.28
Depreciation as at March 31, 2017	0.53	0.65	2.04	7.79	6.79	9.67	0.32	27.79
Charge for the year	0.26	0.30	0.48	1.24	0.40	6.32	0.24	9.24
Disposals	-	0.02	-	0.01	1.45	0.45	-	1.93
Depreciation as at March 31, 2018	0.79	0.93	2.52	9.02	5.74	15.54	0.56	35.10
Charge for the year	0.27	0.53	0.45	0.78	0.33	4.40	0.25	7.01
Disposals	-	0.35	0.48	0.29	-	9.39	-	10.51
Depreciation as at March 31, 2019	1.06	1.11	2.49	9.51	6.07	10.55	0.81	31.60
Net book value as at March 31, 2017	9.97	1.21	2.04	5.10	4.57	11.04	1.77	35.70
Net book value as at March 31, 2018	9.71	0.93	2.05	4.40	3.65	8.69	1.53	30.96
Net book value as at March 31, 2019	10.21	2.92	1.75	4.09	3.32	28.11	1.28	51.88

Particulars	Capital Work in Progress	Total Capital Work in Progress	Software Licence	Trade Mark	Total Intangible Assests
Gross Block as at March 31, 2017	-	-	14.30	-	14.30
Additions	64.80	64.80	-	-	-
Disposals	-	-	0.08	-	0.08
Gross Block as at March 31, 2018	64.80	64.80	14.22	-	14.22
Additions	139.82	139.82	1.09	0.04	1.13
Disposals	-	-	-	-	-
Gross Block as at March 31, 2019	204.62	204.62	15.31	0.04	15.35
Depreciation as at March 31, 2017	-	-	-	-	-
Charge for the year	-	-	5.30	-	5.30
Disposals	-	-	-	-	-
Depreciation as at March 31, 2018	-	-	5.30	-	5.30
Charge for the year	-	-	5.44	0.01	5.45
Disposals	-	-	-	-	-
Depreciation as at March 31, 2019	-	-	10.74	0.01	10.75
Net book value as at March 31, 2017	-	-	14.30	-	14.30
Net book value as at March 31, 2018	64.80	64.80	8.92	-	8.92
Net book value as at March 31, 2019	204.62	204.62	4.57	0.03	4.60

All Freehold buildings are under attachment by the order of DRT , Mumbai.

3. लागत पर लिए गए अनुदधृत इक्विटी शेयर, पूर्ण प्रदत्त में निवेश

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	शेयरों की संख्या		राशि ₹ मिलियन में	
	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
क) पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी में निवेश फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10/- प्रत्येक)	3,20,00,000	3,20,00,000	158.10	158.10
ख) 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी में निवेश महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड (अंकित मूल्य ₹ 10/- प्रत्येक)	1,86,00,000	1,06,00,000	186.00	106.00

टिप्पणियां :

1) वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान, एमएसटीसी लिमिटेड ने महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड में इक्विटी अंशदान बाबद ₹ 80.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 75.00 मिलियन) का निवेश किया है।

4) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सुरक्षित जमा	8.24	8.63
ख) कर्मचारियों को ऋण	45.11	48.01
ग) कर्मचारियों के ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	0.15	0.27
घ) अनुसूचित बैंकों के जमा खातों में शेष 12 माह से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ मियादी जमा	0.03	0.45
	कुल	53.53

57.36

5. गैर-चालु कर परिसंपत्तियां

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
करों का अग्रिम भुगतान	6,164.63	6,069.90
घटाएं: कराधान के लिए प्रावधान	5,714.87	5,676.07
कुल	449.76	393.83

3. Investment in Unquoted Equity Shares, fully paid up-carried at cost

(Amount in ₹ Million)

Particulars	No. of Shares		Amount in ₹ Million	
	31st March 2019	31st March 2018	31st March 2019	31st March 2018
(a) **Investment of Wholly Owned Subsidiary Company**				
Ferro Scrap Nigam Limited (Face Value ₹10/- each)	3,20,00,000	3,20,00,000	158.10	158.10
(b) **Investment in 50 : 50 Joint Venture Company**				
Mahindra MSTC Recycling Private Limited (Face Value ₹10/- each)	1,86,00,000	1,06,00,000	186.00	106.00

Notes :

1. During FY 2018-19 MSTC Limited have invested ₹ 80.00 Million (Previous Year ₹ 75.00 Million) towards equity contribution in Mahindra MSTC Recycling Private Limited.

4 . Other Financial Assets (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Security deposits	8.24	8.63
(b) Loans to employees	45.11	48.01
(c) Interest accrued on loans to employees	0.15	0.27
(d) Balance with scheduled banks in deposit accounts		
Term Deposits with original maturity of more than 12 months	0.03	0.45
Total	**53.53**	**57.36**

5 . Non-Current Tax Assets

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Advance payment of Taxes	6,164.63	6,069.90
Less: Provision for Taxation	5,714.87	5,676.07
Total	**449.76**	**393.83**

6. आस्थगित कर परिसंपत्तियां (निबल)

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) लाभ या हानि के माध्यम से		
आस्थगित कर (देनदारियां) परिसंपत्तियां		
आस्थगित कर देनदारियां का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव		
ईएफबीएस योजना	(0.69)	(0.90)
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव	**(0.69)**	**(0.90)**
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों के बही मूल्य एवं कर शेष के बीच अंतर पर	1.22	0.70
संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए भत्ते	1857.31	1857.31
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 40(क)(i), 43(ख) के अंतर्गत अस्वीकृति	137.92	164.43
अनावशोषित व्यवसाय हानि	179.12	704.96
एमएटी क्रेडिट अधिकार पत्र	337.82	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले वस्तुओं का कर प्रभाव	**2,513.39**	**2,727.40**
आस्थगित कर (देनदारियों)/ परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**2,512.70**	**2,726.50**
ख) अन्य व्यापक आय के माध्यम से		
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव		
परिभाषिक लाभ योजना का पुनःमापन	19.80	23.10
आस्थगित कर (देनदारियों)/परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**19.80**	**23.10**
आस्थगित कर (देनदारियों)/परिसंपत्तियों (शुद्ध)	**2,532.50**	**2,749.60**

7. अन्य परिसंपत्तियां (गैर-चालु)

विवरण असुरक्षित, अच्छा माना गया	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम बिक्री कर	29.56	29.56
ख) भवन निर्माण के लिए अग्रिम	27.88	1.47
ग) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान लागत*	71.57	72.32
घ) अन्य अग्रिम		
(i) पूर्व प्रदत्त व्यय	1.25	0.40
(ii) अन्य	0.47	0.08
कुल	**130.73**	**103.83**

*डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ से पट्टेयुक्त भूमि के अधिग्रहण बाबत किया गया भुगतान

8. मालसूची

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
आरम्भिक स्टॉक	-	707.40
बन्दी स्टॉक	-	-
कुल	**-**	**707.40**

6 . Deferred Tax Assests (Net)

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Through Profit or Loss		
Deferred tax (liabilities) / assets :		
Tax effect of items constituting deferred tax liabilities		
EFBS Scheme	(0.69)	(0.90)
Tax effect of items constituting deferred tax liabilities	**(0.69)**	**(0.90)**
Tax effect of items constituting deferred tax assets		
On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment & Intangible assets	1.22	0.70
Allowances for doubtful debts / advances	1857.31	1857.31
Disallowances under Section 40(a)(i), 43B of the Income Tax Act, 1961	137.92	164.43
Unabsorbed Business loss	179.12	704.96
MAT credit Entitlement	337.82	-
Tax effect of items constituting deferred tax assets	**2,513.39**	**2,727.40**
Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**2,512.70**	**2,726.50**
(b) Through Other Comprehensive Income		
Tax effect of items constituting deferred tax assets		
Remeasurement of Defined Benefit Plan	19.80	23.10
Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**19.80**	**23.10**
Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**2,532.50**	**2,749.60**

7 . Other Assets (Non Current)

Particulars (Unsecured, considered good)	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Advance with public bodies Sales Tax	29.56	29.56
(b) Advance for Building Construction	27.88	1.47
(c) Prepaid Lease Payments Cost*	71.57	72.32
(d) Other Advances		
(i) Prepaid expenses	1.25	0.40
(ii) Others	0.47	0.08
Total	**130.73**	**103.83**

* Amount paid towards acquisition of Leasehold Land from WBHIDCO.

8 . Inventories

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Opening Stock	-	707.40
Closing Stock	-	-
Total	**-**	**707.40**

9. व्यापार प्राप्य (चालु)

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
व्यापार प्राप्य		
क) सुरक्षित अच्छा माना गया	16,492.58	34,974.33
ख) असुरक्षित, अच्छा माना गया	707.47	3,447.80
ग) क्रेडिट बिगड़ा हुआ	9,635.07	5,315.00
घटाएं: संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के लिए भत्ते	9,635.07	5,315.00
कुल	17,200.05	38,422.13

9.1 व्यापार प्राप्य

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से अधिक समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	3,572.73	8,590.02
असुरक्षित, अच्छा माना गया	261.71	3,076.14
क्रेडिट बिगड़ा हुआ	9,635.07	5,315.00
घटाएं: संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के लिए भत्ते	9,635.07	5,315.00
कुल	3,834.44	11,666.17
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से कम समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	12,919.85	26,383.85
असुरक्षित, अच्छा माना गया	445.76	372.12
	13,365.61	26,755.97
कुल	17,200.05	38,422.13

9.2 व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 के दौरान सोने के गहने के निर्यात पर ₹ 1478.20 मिलियन की राशि शामिल है। उक्त प्राप्य को एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अंतर्गत स्टेंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा क्रय किया गया था। उक्त अनुबंध के अनुसार, एससीबी विदेशी खरीदारों पर एमएसटीसी द्वारा जारी बिलों का क्रय करेंगे एवं 95% राशि एमएसटीसी के भुगतान करेंगे और विदेशी खरीदार बिल की संबंधित नियत तिथियों को बिल के एक्ज में एससीबी को सीधे भुगतान करेंगे। उक्त निर्यात लेनदेन का आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एससीबी द्वारा बीमा भी किया गया था। विदेशी खरीदारों से कार्यवाहियों की गैर-प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी से राशि का दावा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार किया। इसके बाद एससीबी ने प्राप्य को ऋण में परिवर्तित किया एवं डेब्ट् रिकवरी ट्रिब्युनल, मुंबई में एक मामला दर्ज किया। एससीबी के उक्त दावे के विरुद्ध डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरणों मे एमएसटीसी मामले को चुनौती दे रही है। एससीबी ने वसूली नहीं हुए बकाये की उक्त राशि के लिए बीमा कंपनी के विरुद्ध एक मुकदमा भी दायर किया है, जिसे निपटाया जाना अभी शेष है। मामलों के लम्बित निपटान को देखते हुए एसएमटीसी उक्त प्राप्य (निर्यात बिल) के क्रय के विरुद्ध एससीबी द्वारा एमएसटीसी को दी गई राशि के लिए बिना समायोजित किए प्राप्य के रूप में राशि को दर्शित कर रही है, जो कि टिप्पणी सं. 21 के माध्यम से उधार (चालु) के रूप में पृथक रूप मे बहियों में दर्शित है।

9.3 व्यापार प्राप्य के कंपनी के पास ग्राहकों द्वारा बंधक रखे स्टॉक द्वारा या बैंक गैरंटी द्वारा या देनदारी द्वारा आमतौर पर सुरक्षित रखा जाता है, जहाँ सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं से एक के बाद एक व्यवस्था रहती है। अनुरुपी प्राप्यों के बही मूल्य की तुलना में ऐसे बंधक रखे स्टॉक की वसुली योग्य मूल्य में कोई महत्वपूर्ण क्षीणता रहने पर, अंतर आई राशि को 'असुरक्षित' के अंतर्गत दर्शाया गया है।

9.4 (क): व्यापार प्राप्य में ₹.1036.70 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹ 1036.70 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स टॉपवर्थ स्टील्स एण्ड पावर प्रा. लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अतिदेय है। एमएसटीसी द्वारा दर्ज समापन याचिका में माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा अस्थायी लिक्विडेटर नियुक्त किया गया है। मामला अस्थायी आधिकारिक लिक्विडेटर के पास लम्बित है जिसने कंपनी का नियंत्रण ले रखा था। संपूर्ण बकाया राशि की वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान ₹ 7451.00 मिलियन की राशि अशोध्य एवं संदिग्ध के रूप में पहले से ही बहियों में दिखाया गया है। वर्ष के दौरान, अंतिम स्टॉक के सत्यापन में गिरवी रखे स्टॉक के मूल्य में कमी अवलोकित हुई है। इसलिए एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार स्टॉक के मूल्य में आई ह्रास राशि के समकक्ष ₹.171.77 मिलियन की राशि खाता बहियों में प्रदान की गई है।

9 . Trade Receivables (Current)

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Trade receivables		
(a) Secured Considered good	16,492.58	34,974.33
(b) Unsecured, Considered good	707.47	3,447.80
(c) Credit Impaired	9,635.07	5,315.00
Less: Allowance for Doubtful trade receivables	9,635.07	5,315.00
Total	**17,200.05**	**38,422.13**

Notes :

9.1 Trade Receivables

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Trade Receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
Secured, Considered good	3,572.73	8,590.02
Unsecured, Considered good	261.71	3,076.14
Credit Impaired	9,635.07	5,315.00
Less: Allowance for doubtful trade receivables	9,635.07	5,315.00
Total	**3,834.44**	**11,666.17**
Trade Receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
Secured, Considered good	12,919.85	26,383.85
Unsecured, Considered good	445.76	372.12
	13,365.61	26,755.97
Total	**17,200.05**	**38,422.13**

9.2: Trade Receivables include an amount of ₹ 1476.20 Million on account of export of gold jewellery during 2008-09. The said receivables were purchased by Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement . As per the said agreement, SCB would purchase the bills raised by MSTC on foreign buyers and pay 95% of the amount to MSTC and foreign buyers would be paying against the bills directly to SCB on respective due dates of the bills. The said export transactions were also insured by SCB with ICICI Lombard General Insurance Company. On non receipt of proceeds from the foreign buyers, SCB claimed the amount from the insurance company. The Insurance company repudiated the claim of SCB. Thereafter SCB converted the receivables into debt and filed a case in Debt Recovery Tribunal, Mumbai. MSTC has been contesting the case in DRT and other forums against the said claim of SCB. SCB has also filed a suit against the insurance company for the said amount of unrealized dues which is yet to be disposed off. Pending disposal of the cases, MSTC has been showing the amount as receivables without adjusting the same against the amount paid by SCB to MSTC against purchase of the said receivables (export bills) which is being shown in books separately as Borrowing (Current) vide Note No. 21.

9.3: Trade receivables are generally secured either by way of stocks pledged by the customers with the Company or Bank Guarantees or by liability where there is back to back arrangement with the associate suppliers. In case there is a significant depletion in reelizable value of such pledged stock against the book value of the corresponding receivables, the differential amount has been shown under 'Unsecured'.

9.4(a): Trade Receivable includes ₹ 1036.70 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1036.70 Million) due from M/s Topworth Steels & Power Pvt. Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. Provisional Liquidator has been appointed by the Hon'ble Bombay High Court in the winding up petition filed by MSTC. The matter is pending with the Provisional Official Liquidator who had taken over the control of the Company. In view of the uncertainties involved in realization of entire outstanding, an amount of ₹ 7451.00 Million was already been provided in the books during the financial year 2017-18 as bad and doubtful. During the year end stock verification, depletion in the value of pledged stock has been observed. Therefore further a sum of ₹ 171.77 Million, equivalent to the value of depleted stock, has been provided in the books of account as per prudent accounting practice.

9.4(ख): ₹ 1100.81 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹ 1770.00 मिलियन) मेसर्स आधुनिक मेटलिक्स लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। कंपनी एनसीएलटी को संदर्भित की गई थी एवं रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति की गई थी। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास अपना दावा दर्ज किया है। जून 2018 से प्लांट के प्रचालन को नकद की कमी के कारण बंद कर दिया गया था एवं एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में व्यवसायिक कार्य रूका हुआ है। इसके फलस्वरूप, एमएसटीसी से भी क्रय रोक दिया गया था। एमएसटीसी ने सीआईआरपी लागत के रूप में अपने दावे पर विचार करने की मांग की, जो अन्य परिचालनीय लेनदारों की तुलना में प्राथमिक रूप से निपटाए जाएंगे। तथापि, एमएसटीसी को देय शून्य मूल्य के लिए रिजॉल्यूशन प्लान प्रदान किया गया। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्लान के विरुद्ध एनसीएलटी के समक्ष एक अपील दर्ज की है एवं सीआईआरपी लागत के रूप में अपनी बकाया राशि के प्रबंधन की मांग की। हालांकि एनसीएलटी द्वारा अपील को अस्वीकार कर दिया एवं रिजॉल्यूशन प्लान को अनुमोदित किया गया। एनसीएलटी के आदेश को एमएसटीसी लि. द्वारा एनसीएलएटी में चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी द्वारा एमएसटीसी की अपील को नामंजूर कर दिया गया। इसके बाद एमएसटीसी द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई। परंतु सर्वोच्च अदालत ने हमारे मामले को बरखास्त कर दिया। उपरोक्त से यह प्रतीत होता है कि संपूर्ण बकाया राशि गैर-वसूली योग्य है। अतएव, पूरी बकाया राशि को खाता बहियों में बट्टे खाते में डाला गया है।

9.4 (ग): व्यापार प्राप्य में ₹ 1096.47 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹1148.43 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अदेय है। अर्बिटेशन निर्णय कंपनी के पक्ष में है। अर्बिटेशन निर्णय के अनुसार, एमएसटीसी पार्टी के लिए केवल अग्रिम भुगतान के आधार पर कच्चे सामानों को प्राप्त करेगी। वर्तमान वर्ष के दौरान अर्थात 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक, जेबीआईएल ने ₹ 496.98 मिलियन का भुगतान किया है। इस भुगतान में से, 10% की राशि पुराने प्राप्य के लिए समायोजित की गई एवं शेष 90% के लिए एमएसटीसी द्वारा नई खरीद की गई है। तथापि, पार्टी को 90% के कुल क्रय में से 45% तक पुरानी सामग्री एवं 45% गई सामग्री लेने की अनुमति दी गई है, इस प्रकार पुरानी सामग्रियों को बदला गया है। वर्ष के अंत में किए गए अनुमापी आकलन के अनुसार, 31.03.2018 की तुलना में 31.03.2019 के स्टॉक के मूल्य में ₹315.70 मिलियन का ह्रास हुआ है। पूर्ववर्ती तथ्यों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतते हुए, स्टॉक मूल्य में आई ह्रास राशि के समतुल्य ₹315.70 मिलियन राशि को एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार खातों में दर्शाया गया है।

9.5: व्यापार प्राप्य में ₹ 9074.44 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 29397.90 मिलियन) शामिल है जो सुगमकर्ता (फेसिलिटेटर) माध्यम (कुल प्रावधान) में किए गए व्यवसाय से संबंधित है।

9.6: व्यापार प्राप्य में शामिल है (कुल प्रावधान) ₹613.09 मिलियन (पिछले वर्ष ₹461.75 मिलियन) जो ई-कॉमर्स व्यवसाय (कुल प्रावधान) से संबंधित है।

10. नकद एवं नकद समतुल्य

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) हाथ में नकद	-	0.05
ख) बैंक में शेष:		
चालु खाता में अनुसुचित बैंको के पास शेष	960.27	1,757.35
कुल	960.27	1,757.40

11. नकद एवं नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
बैंक के पास निर्दिष्ट शेष:		
(i) दावारहित लाभांश खाता में	10.48	9.93
(ii) 3 महीने के अधिक मगर 12 महीने से कम से मूल परिपक्वता के साथ जमा	2,419.47	3,291.00
कुल	2,429.95	3,300.93

11.1 उपर्युक्त जमा राशियों में ओवरड्राफ्ट सुविधा के लिए बैंक के पास गिरवी रखी गई ₹2288.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹3182.60 मिलियन) शामिल है। गारंटी के लिए मार्जिन ₹105.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 95.50 मिलियन)।

9.4(b): ₹ 1100.81 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1770.00 Million) was due from M/s Adhunik Metaliks Ltd. for procuring and supply of materials. The company was referred to NCLT and Resolution Professional was appointed. MSTC has filed its claim with Resolution Professional. The plant operation was stopped from June 2018 due to liquidity crunch and running of business as a going concern came to a standstill. Consequently procurement from MSTC was also stopped. MSTC demanded to consider its claim as a part of CIRP cost, which is to be settled in priority to the other operational creditors. However Resolution Plan provided for NIL value payable to MSTC. MSTC filed an appeal before NCLT against the Resolution Plan and demanded for treatment of its dues as CIRP cost. However NCLT rejected the appeal and approved the Resolution Plan. The order of NCLT was challenged in NCLAT by MSTC Ltd. MSTC's appeal was rejected by NCLAT. An appeal was then subsequently filed before Supreme Court of India against the said order by MSTC. However the apex court dismissed our case.. From the foregoing it appears that the entire dues are uncollectible Hence the entire dues has been written off in the books of account.

9.4(c): Trade Receivable includes ₹ 1096.47 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1148.43 Million) due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. The arbitration award is in the favour of the Company. As per the Arbitration award, MSTC will procure raw materials for the party against advance payment only. During tha current year i.e. from 1st April 2018 to 31st March 2019, JBIL has paid ₹ 496.98 Million. Out of the payment, 10 % has been adjusted against old receivables and for balance 90% fresh procurement has been made by MSTC. However, the party is allowed to lift, out of total procurement of 90%, old materials to the tune of 45% and new materials to the tune of 45%, thereby replacing the old materials. As per volumetric assessment carried out during year end, value of stock as on 31.03.2019 is depleted for an amount of ₹ 315.70 Million as compared to 31.03.2018. In view of the foregoing as a matter of abundant precaution, an amount of ₹ 315.70 Million equivalent to the value of depletion in the stock value has been provided in the accounts as per prudent accounting practice.

9.5: Trade Receivables include ₹ 9,074.44 Million (Previous Year ₹ 29,397.90 Million), against business done in facilitator mode (net of provision).

9.6: Trade Receivables include (net of provision) ₹ 613.09 Million (Previous Year ₹ 461.75 Million), against e-Commerce business (net of provision) .

10 . Cash and Cash Equivalents

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
a) Cash in hand	-	0.05
(b) Balances with banks		
Balance with scheduled banks		
In Current Account	960.27	1,757.35
Total	**960.27**	**1,757.40**

11 . Bank balances other than cash & cash equivalents

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Earmarked Balances with banks		
(i) In Unclaimed dividend account	10.48	9.93
(ii) Deposits with original maturity of more than 3 months but less than 12 months	2,419.47	3,291.00
Total	**2,429.95**	**3,300.93**

11.1 The above deposits include ₹ 2288.93 Million (Previous Year ₹ 3,182.60 Million) pledged with banks against over draft facility.Margin against guarantee ₹105.93 Million (Previous Year ₹ 95.50 Million).

12 अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (चालु)

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सुरक्षित जमा	354.38	352.53
ख) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(i) कर्मचारियों को ऋण	5.57	6.20
(ii) कर्मचारियों से वसुली योग्य अग्रिम	2.07	1.71
(iii) तीसरे पक्ष से प्राप्य	-	5.38
(iv) अन्य अग्रिम	3.21	18.45
ग) निम्नोक्त पर प्रोद्भूत ब्याज		
(i) मियादी जमा	0.39	9.85
(ii) कर्मचारियों को ऋण	0.06	0.09
	365.68	**394.21**

13. अन्य परिसंपत्तियाँ (चालु)

विवरण (असुरक्षित, अच्छा माना गया)	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
जीएसटी, सेवा कर एवं बिक्री कर	9.79	37.23
ख) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान	0.75	0.75
ग) अन्य अग्रिम		
(i) कर्मचारियों को ऋण	9.71	5.99
(ii) पूर्व प्रदत्त व्यय	1.32	0.52
(iii) अन्य	0.06	3.25
कुल	**21.63**	**47.74**

14. शेयर पूंजी

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
अधिकृत:		
₹ 10 प्रत्येक के 15,00,00,000 सामान्य शेयर	1,500.00	500.00
कुल	**1,500.00**	**500.00**
निर्गत, अभिदत्त एवं पूर्ण प्रदत्त:		
₹ 10 प्रत्येक के 7,04,00,000 सामान्य शेयर	704.00	352.00
कुल	**704.00**	**352.00**

12 . Other Financial Assets (Current)

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Security deposits	354.38	352.53
(b) Other loans and advances		
(i) Loans to employees	5.57	6.20
(ii) Recoverable Advances to employees	2.07	1.71
(iii) Receivable from third party	-	5.38
(iv) Other Advances	3.21	18.45
(c) Interest accrued on		
(i) Term deposits	0.39	9.85
(ii) Loans to employees	0.06	0.09
	365.68	**394.21**

13 . Other Assets (Current)

Particulars (Unsecured, considered good)	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Advance with public bodies		
GST, Service Tax & Sales Tax	9.79	37.23
(b) Prepaid Lease Payments	0.75	0.75
(c) Other Advances		
(i) Advances to employees	9.71	5.99
(ii) Prepaid expenses	1.32	0.52
(iii) Others	0.06	3.25
Total	**21.63**	**47.74**

14 . Share Capital

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Authorised :		
15,00,00,000 Ordinary Shares of ₹10 each	1,500.00	500.00
Total	**1,500.00**	**500.00**
Issued, Subscribed and fully paid up :		
704,00,000 Ordinary Shares of ₹10 each	704.00	352.00
Total	**704.00**	**352.00**

14 (क) (i) बकाये शेयरों के पुनर्मिलन का विवरण

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार			31 मार्च, 2018 के अनुसार		
	संख्या	अंकित मूल्य (₹)	मूल्य (₹ मिलियन)	संख्या	अंकित मूल्य (₹)	मूल्य (₹ मिलियन)
प्रारंभिक शेष	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
जोड़े:						
बोनस शेयर जारी करना	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
अंतिम शेष	**7,04,00,000**	**10**	**704.00**	**3,52,00,000**	**10**	**352.00**

14.(क) (ii) इक्विटी शेयरों से जुड़े अधिकार, प्राथमिकताएं एवं प्रतिबंध

कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के सामान्य शेयर ("इक्विटी शेयर") है जिनका सममूल्य ₹ 10 प्रत्येक है। सामान्य शेयरों के प्रत्येक धारक ("इक्विटी शेयरधारक") एक वोट प्रति शेयर का अधिकारी है एवं लाभांश पाने एवं अधिशेष में भाग लेने के अधिकारी है, यदि समापन की स्थिति उत्पन्न होती है।

14. (क)(iii) वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 1:1 के अनुपात में 88,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

14. (क)(iv) वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान 1:1 के अनुपात में 1,76,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए है।

14. (क)(v) वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 1:1 के अनुपात में 3,52,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए है।

14. (क)(vi) कंपनी का 5% से अधिक शेयरधारिता रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

शेयरधारक का नाम	31 मार्च, 2019 के अनुसार		31 मार्च, 2018 के अनुसार	
	धारित शेयरों की सं.	शेयराधारिता का %	धारित शेयरों की सं.	शेयराधारिता का %
भारत के राष्ट्रपति	4,55,80,800	64.75	3,16,25,600	89.85
भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी)	70,26,976	9.98	-	-

भारत सरकार ने मार्च 2019 के दौरान आईपीओ के माध्यम से एमएसटीसी लि. में अपने 25.10% शेयर को विनिवेशित कर लिया है। एमएसटीसी लिमिटेड के इक्विटी शेयर 29 मार्च, 2019 से बीएसई लिमिटेड एवं नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड दोनों पर सूचीबद्ध एवं व्यापारित हैं। आईपीओ के उपरांत शेयरधारिता के स्वरूप में परिवर्तन निम्नानुसार है:

शेयरधारक	प्री आईपीओ %	पोस्ट आईपीओ %
भारत सरकार	89.85	64.75
अन्य	10.15	35.25
कुल	**100.00**	**100.00**

15. अन्य इक्विटी

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(1) सामान्य आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	4,961.60	4,693.30
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	-	268.30
अंतिम शेष	**4,961.60**	**4,961.60**

14(a)(I) Statement of Reconciliation of Shares Outstanding

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019			As at 31st March 2018		
	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Million)	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Million)
Opening Balance	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
Add :						
Issue of Bonus Shares	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
Closing Balance	**7,04,00,000**	**10**	**704.00**	**3,52,00,000**	**10**	**352.00**

14(a)(ii) Rights, preferences and restrictions attached to equity shares.

The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

14(a)(iii) : 88,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2016-17 in the ratio of 1:1

14(a)(iv) : 1,76,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2017-18 in the ratio of 1:1

14(a)(v) : 3,52,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2018-19 in the ratio of 1:1

14(a)(vi) : Details of shareholders holding more than 5% of the company.

Name of the Shareholder	As at 31st March 2019		As at 31st March 2018	
	No. of shares held	% of holding	No. of shares held	% of holding
President of India	4,55,80,800	64.75	3,16,25,600	89.85
Life Insurance Corporation of India (LIC)	70,26,976	9.98	-	-

The Government of India has divested its 25.10 % stake in MSTC Ltd through IPO during March 2019. Equity shares of MSTC Limited are listed and traded on both BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited w.e.f. March 29, 2019. Change in shareholding pattern post IPO is as following:

Shareholders	Pre IPO%	Post IPO%
Government of India	89.85	64.75
Others	10.15	35.25
Total	**100.00**	**100.00**

15 . Other Equity

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(1) General Reserve		
Opening balance	4,961.60	4,693.30
Add: Transfer from Retained Earnings	-	268.30
Closing Balance	**4,961.60**	**4,961.60**

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
2) प्रतिधारित आय		
प्रारंभिक शेष	314.01	300.77
जोड़ें : वर्ष के लिए लाभ	(3,244.65)	766.34
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	(1.30)	(20.53)
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 17-18	(260.48)	-
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 16-17	-	(249.92)
घटाएं : लभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 17-18 (अंतिम लाभांश पर)	(40.35)	-
घटाएं : लभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 16-17 (अंतिम लाभांश पर)	-	(38.35)
घटाएं : बोनस शेयर जारी किया जाना	(352.00)	(176.00)
घटाएं : सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	-	(268.30)
अंतिम शेष	(3,584.77)	314.01
कुल अन्य इक्विटी (1+2)	1,376.83	5,275.61

16. व्यापार देय (गैर चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
आपूर्तियों एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
- सुक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	-	-
- अन्य	2.64	2.64
कुल	2.64	2.64

31 मार्च, 2019 के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का कोई भी ब्याज बकाया नहीं है। 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का कोई भी राशि बकाया नहीं था।

17. अन्य वित्तीय देनदारियाँ (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
ईएफबीएस योजना के अधीन देनदारी	7.45	9.41
कुल	7.45	9.41

18. प्रावधान (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा योजना के लिए प्रावधान	53.84	63.60
ख) अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	41.30	34.20
ग) उपदान के लिए प्रावधान	23.17	68.60
कुल	118.31	166.40

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(2) Retained Earnings		
Opening balance	314.01	300.77
Add: Profit for the year	(3,244.65)	786.34
Other Comprehensive Income for the year	(1.30)	(20.53)
Less: Final Dividend: FY 17-18	(260.48)	-
Less: Final Dividend: FY 16-17	-	(249.92)
Less: Dividend Distribution Tax: FY 17-18 (on final dividend)	(40.35)	-
Less: Dividend Distribution Tax: FY 16-17 (on final dividend)	-	(38.35)
Less: Issue of Bonus Shares	(352.00)	(176.00)
Less: Transfer to General Reserve	-	(268.30)
Closing Balance	(3,584.77)	314.01
Total Other Equity (1+2)	**1,376.83**	**5,275.61**

16 . Trade payables (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	-	-
- Others	2.64	2.64
Total	**2.64**	**2.64**

As at March 31, 2019 there is no interest outstanding to Micro, Small and Medium Enterprises. As at March 31, 2018 there were no outstanding dues to Micro, Small and Medium Enterprises.

17 . Other financial liabilities (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Liability under EFBS Scheme	7.45	9.41
Total	**7.45**	**9.41**

18 . Provision (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Provision for Post Retirement Medical Scheme	53.84	63.60
(b) Provision for Leave Encashment	41.30	34.20
(c) Provision for Gratuity	23.17	68.60
Total	**118.31**	**166.40**

19. अन्य देनदारियाँ (गैर-चालु)

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) ग्राहकों से अग्रिम	64.56	57.71
(ख) अन्य	15.99	15.99
कुल	80.55	73.70

20. उधार (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
सुरक्षित उधार		
एसबीआइ बैंकों से बिल्डिंग लोन	9.35	-
कुल	9.35	-

यह राशि न्यूटाउन, राजारहाट, कोलकाता में कार्यालय भवन के निर्माण के लिए भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त ऋण को दर्शाती है। ₹ 300.00 मिलियन की कुल अनुमोदित राशि में से, ₹ 60.76 मिलियन की राशि दिनांक 29.09.2018 को वितरित की गई जिसकी चुकौती 30 जून 2019 से शुरू करते हुए ₹12.50 मिलियन की तिमाही किस्तों में की जाएगी। प्रस्तावित कार्यालय भवन को गिरवी रखते हुए यह राशि प्राप्त की गई है। यह ऋण 8.75% प्रति वर्ष के ब्याज पर 24 तिमाही ईएमआई के माध्यम से चुकाई जाएगी जिसकी शुरुआत 30 जून 2019 से है एवं अंतिम किस्त देने की नियत तारीख 31 मार्च 2025 है। ब्याज की गणना रोजाना शेष राशि की विधि पर की जाएगी एवं वितरण की तारीख से मासिक अवशेष के आधार पर भुगतेय है। मियादी ऋण किस्तों के पूर्व-भुगतान के मामले में प्रयोज्य अनुसार पूर्व-भुगतान शुल्क देय होगा।

21. उधार (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सुरक्षित उधार		
क) मांग पर देय योग्य बैंकों से		
(i) कार्यशील पुंजी मांग ऋण #	2,851.21	4,140.62
(ii) एफडीआर पर ग्रहणाधिकार (लियन) के विरुद्ध ओवरड्राफ्ट*	1,702.21	2,039.58
ख) एसबीआइ बैंकों से बिल्डिंग लोन (उल्लेख नोट नं 20)	50.00	-
कुल सुरक्षित उधार	**4,603.42**	**6,180.19**
ख) असुरक्षित उधार		
क) मांग पर देय योग्य बैंकों से		
	1,436.20	1,436.20
कुल असुरक्षित उधार	**1,436.20**	**1,436.20**
कुल (क+ख)	**6,039.62**	**7,616.39**

(क) इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) से ₹ 13.80 मिलियन का ऋण: (19.09.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि बैंक द्वारा अपने दावे की प्रतिरक्षा में भुगतान किए गए कानूनी शुल्क को प्रस्तुत करता है जिस पर कंपनी ने बैंक पर एक विरोध दायर किया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध ₹ 365.60 मिलियन के लिए कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया है। (जिसमें एलसी मूल्य के ऋण बाबत ₹ 279.80 मिलियन एवं कानूनी व्यय बाबत ऋण के रूप में ₹ 85.80 मिलियन शामिल है)

(ख) उपरोक्त राशि प्राप्य क्रय अनुबंध के तहत 2008-09 के दौरान सोने के गहनों के लिए निर्यात बिलों के क्रय बाबत स्टैंटर्ड चार्टड बैंक (एससीबी) द्वारा एमएसटीसी को भुगतान पर ₹ 1,436.20 मिलियन को प्रस्तुत करता है। उक्त अनुबंध के अंतर्गत, एससीबी निर्यात बिलों के मूल्य का 95% भुगतान एमएसटीसी को करेगी एवं विदेशी खरीदार बिल का भुगतान बिल की संबंधित नियत तिथियों के सीधे एससीबी को करेंगे। ये लेनदेन आईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंशयोरेंस कंपनी के साथ एक बीमा नीति के माध्यम से एससीबी द्वारा सुरक्षित रखे गए थे। विदेशी खरीदार से कार्यवाहियों की गैर-प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी के पास दावा जमा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार दिया। इसके पश्चात, एससीबी ने प्राप्य को ऋण में रुपांतरित किया एवं एमएसटीसी से राशि के लिए दावा किया और वर्ष 2012 में डीआरटी, मुंबई में एक मामला दायर किया। तदुपरांत एससीबी ने बीमा कंपनी के विरुद्ध बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक मुकदमा भी दायर किया है जिसका निपटारा होना अभी शेष है। एमएसटीसी डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकारणों में एससीबी के दावे को चुनौती दे रही है। मामले के लम्बित निपटान को देखते हुए एमएसटीसी ने बेहतर प्रस्तुतीकरण हेतु टिप्पणी सं 9.2 के अंतर्गत उधार एवं प्राप्य के रूप में एक साथ राशि को दर्शाया है।

इंड एएस 37 के अनुसार उपरोक्त दावा राशि पर एससीबी द्वारा दावा किए गए ब्याज कि लिए, आकस्मिक देनदारियों के रूप में उपरोक्त प्रकटन किए गए हैं।

चालु परिसंपत्तियों के विरुद्ध सुरक्षित

*वित्त वर्ष 2018-19 के लिए एफडीआर पर लियन द्वारा प्रतिभूत राशि ₹ 2,288.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3,182.80 मिलियन) है।

19 . Other liabilities (Non Current)

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Advance from customers	64.56	57.71
(b) Others	15.99	15.99
Total	80.55	73.70

20 - Borrowings (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Secured Borrowings		
House Building Loan from SBI	9.35	-
Total	9.35	-

The amount represents the loan obtained from State Bank of India for the construction of Office Building at Newtown, Rajarhat kolkata. Out of the total sanctioned amount of ₹ 300.00 Million, ₹ 60.76 Million has been disbursed on 29th September, 2018 which shall be repaid in Quarterly Installments of ₹ 12.50 Million commencing from 30th June, 2019. The amount is secured by way of mortgage of the proposed office building. The loan is repayable is 24 Quarterly EMI bearing Interest @ 8.75% p.a., commencing from 30th June, 2019 and last installment falling due on 31st March, 2025. Interest is computed on daily balance method and is payable on monthly rest basis from the date of disbursement. Prepayment charges as applicable shall be payable in case of prepayment of Term loan installments.

21 - Borrowings (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
A. Secured Borrowings		
(a) Repayable on Demand		
From Banks		
(i) Working Capital Demand Loans#	2,851.21	4,140.62
(ii) Overdraft against lien on FDR*	1,702.21	2,039.58
(b) House Building Loan from Bank (Refer Note No. 20)	50.00	-
Total Secured Borrowings	**4,603.42**	**6,180.19**
B. Unsecured Borrowings		
Repayable on Demand		
From Banks	1,436.20	1,436.20
Total Unsecured Borrowings	**1,436.20**	**1,436.20**
Total (A+B)	**6,039.62**	**7,616.39**

(a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹13.80 Million : (lying since 19.09.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 365.60 Million (which includes ₹ 279.80 Million towards debit of LC value & ₹ 85.80 Million as debit towards legal expenses).

(b) The above amount represents ₹ 1,436.20 Million on account of payment by Standard Chartered Bank (SCB) to MSTC towards purchase of exports bills for gold jewllery during 2008-09, under a Receivable Purchase Agreement. Under the said agreement SCB would be paying 95% of the value of export bills to MSTC and foreign buyers would be paying for the bill directly to SCB on respective due dates of the bills. The same transactions were covered by SCB through an insurance policy with ICICI Lombard General Insurance Company. On non receipt of proceeds from foreign buyers, SCB submitted claims with the insurance company.The insurance company repudiated the claim of SCB. Thereafter, SCB converted the receivables into loan, claimed the amount from MSTC and filed a case in DRT, Mumbai in 2012. Subsequently SCB also filed a suit in Bombay High Court against the insurance company which is yet to be disposed off. MSTC has been contesting the claim of SCB in DRT and other forums. Pending disposal of the cases, MSTC has shown the amount simultaneously as Borrowing and Receivables under Note No 9.2 for better presentation.

Appropriate disclosure has been made as contingent liabilities for the interest claimed by SCB on the above mentioned amount of claim as per Ind AS-37.

Secured against Current Assets.

* Secured by lien on FDR for F.Y. 2018-19 is ₹ 2,288.93 Million (Previous Year ₹ 3,182.80 Million).

22. व्यापार देय (चालु)

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) आपूर्ति एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
-सुक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	0.48	-
-अन्य #	8,956.14	25,097.52
-मजदूरी एवं वेतन प्रोद्भूत*	91.63	426.10
कुल व्यापार देय	**9,048.25**	**25,523.62**

*इसमें कर्मचारियों के पेंशन लाभ के लिए वित्त वर्ष 2018-19 में ₹25.36 मिलियन (पिछले वर्ष ₹158.20 मिलियन) एवं दिनांक 01.01.2017 से नियत कर्मचारियों के मजदूरी संशोधन के लिए वित्त वर्ष 2018-19 में ₹47.27 मिलियन (पिछले वर्ष रु.107.70 मिलियन) का प्रावधान शामिल है।

#व्यापार देय में साख पत्र के आधार पर ₹996.79 मिलियन (पिछले वर्ष ₹19921.20 मिलियन) की राशि शामिल है ।

31 मार्च, 2019 के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का कोई भी ब्याज बकाया नहीं है। 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का कोई भी राशि बकाया नहीं था।

23. अन्य वित्तीय देनदारियाँ (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) ब्याज देय		
(i) उधार पर ब्याज प्रोदभूत एवं देय	0.13	0.70
(ii) उधार पर ब्याज प्रोदभूत मगर देय नहीं	788.90	788.90
(ख) दावारहित लाभांश	10.48	9.93
(ग) अन्य देनदारियों के लिए लेनदार		
(i) सुरक्षित जमा राशि/ईएमडी	3,554.07	3,748.57
(ii) ग्राहकों से प्राप्त राशि	2,788.70	3,846.28
(iii) ईएफबीएस के अंतर्गत जमा	12.76	13.22
(iv) ईएफबीएस जमा योजनाओं के अंतर्गत देय	2.67	3.11
(v) अन्य	7.97	6.74
कुल	**7,165.68**	**8,417.45**

24. प्रावधान (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना के लिए प्रावधान	9.65	-
कुल	**9.65**	-

22 .Trade payables (Current)

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	0.48	-
- Others #	8,956.14	25,097.52
- Accrued wages and salaries*	91.63	426.10
Total trade payables	**9,048.25**	**25,523.62**

* Includes ₹ 25.36 Million in FY 2018-19 (Previous Year ₹158.20 Million) towards provision for pension benefit of employees, and ₹ 47.27 Million in FY 2018-19 (Previous Year ₹ 107.70 Million) towards wage revision of the employees due from 01.01.2017.

Trade Payable includes ₹ 996.79 Million (Previous Year ₹ 19921.20 Million) backed by Letter of credit.

As at March 31, 2019 there is no interest outstanding to Micro, Small and Medium Enterprises. As at March 31, 2018 there were no outstanding dues to Micro, Small and Medium Enterprises.

23 . Other Financial Liabilities (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Interest payable		
(i) Interest accrued and due on borrowings	0.13	0.70
(ii) Interest accrued but not due on borrowings	788.90	788.90
(b) Unclaimed dividends	10.48	9.93
(c) Creditors for other liabilities		
(i) Security deposits/EMD	3,554.07	3,748.57
(ii) Deposits received from customers	2,768.70	3,846.28
(iii) Deposit under EFBS	12.76	13.22
(iv) Payable under EFBS Deposit schemes	2.67	3.11
(v) Others	7.97	6.74
Total	**7,165.68**	**8,417.45**

24. Provision (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Provision for Post Retirement Medical Scheme	9.65	-
Total	**9.65**	**-**

25. अन्य देनदारियाँ (चालु)

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) वैधानिक देय		
(i) सेवा कर एवं जीएसटी देय	97.31	77.00
(ii) स्रोत पर कर कटौती एवं एकत्रित	51.88	49.84
(ख) ग्राहको से अग्रिम	37.58	31.75
कुल	186.77	158.59

26. प्रचालनों से राजस्व

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) वस्तुओं की बिक्री	25,683.00	15,652.39
(ख) सेवा प्रभार	2,645.19	2,756.28
(ग) अन्य प्रचलन राजस्व	941.85	1,054.03
कुल	29,270.04	19,462.70

(क) वर्ष के दौरान, ई-नीलामी पंजीकरण बाबत ₹ 55.54 मिलियन की राशि (पिछले वर्ष ₹ 60.80 मिलियन) एकत्रित की गई। वर्तमान वर्ष के कुल संग्रह में से ₹ 44.42 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 48.70 मिलियन) देनदारियों में रखी गई है जो तदुपरांत चार वर्षों में वितरित की जाएगी क्योंकी संबंधित पंजीकरण जीवन भर के लिए वैध है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार, संचित अवितरित शेष ₹ 102.14 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 89.50 मिलियन)है। शेष राशि जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष तक के लिए वैध है, की वर्तमान वर्ष के दौरान आय के रूप में हिसाब में लिया गया हैं।

(ख) चालु वर्ष में अन्य प्रचालन राजस्व में ग्राहको से व्याज बाबत ₹ 851.17 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 967.30 मिलियन) है।

(ग) चालु वर्ष में सेवा प्रभार व्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती ₹ 175.11 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 180.60 मिलियन) है।

27. अन्य आय

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) ब्याज आय		
(1) एफडीआर पर व्याज	346.06	189.11
(2) कर्मचारी अग्रिम पर ब्याज	3.34	3.90
(ख) लाभांश आय		
सहायिकाओं में किए निवेशों से	64.20	61.70
(ग) देनदारी बट्टा पुनरांकित की गई	-	281.67
(घ) प्रावधान जो आवश्यक नहीं रहा, पुनरांकित किया गया	-	4,595.19
(ङ) विविध आय	1.68	0.75
कुल	415.28	5,132.32

बैंक जमा पर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती ₹ 34.57 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 18.90 मिलियन) है।

25 . Other Liabilities (Current)

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Statutory Dues		
(i) Service Tax & GST payable	97.31	77.00
(ii) Tax deducted and collected at source	51.88	49.84
(b) Advance from customers	37.58	31.75
Total	**186.77**	**158.59**

26 . Revenue from operations

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Sale of Goods	25,683.00	15,652.39
(b) Service Charges	2,645.19	2,756.28
(c) Other Operating Revenues	941.85	1,054.03
Total	**29,270.04**	**19,462.70**

(a) During the year, an amount of ₹ 55.54 Million (Previous Year ₹ 60.80 Million) was collected towards e-Auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 44.42 Million (Previous Year ₹ 48.70 Million) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since related registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2019 is ₹ 102.14 Million (Previous Year ₹ 89.50 Million). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current period.

(b) Other Operating Revenues also include Interest from customers ₹ 851.17 Million in current year (Previous Year ₹ 967.30 Million).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest Income amounts to ₹ 175.11 Million in current year (Previous Year ₹ 180.60 Million) .

27 . Other Income

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Interest income		
(1) Interest on FDR	346.06	189.11
(2) Interest on Employee Advances	3.34	3.90
(b) Dividend Income		
From investment in subsidiaries	64.20	61.70
(c) Liability written back	-	281.67
(d) Provision no longer required written back	-	4,595.19
(e) Miscellaneous income	1.68	0.75
Total	**415.28**	**5,132.32**

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 34.57 Million (Previous Year ₹ 18.90 Million).

28. स्टॉक - इन - ट्रेड का क्रय

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
स्टॉक - इन - ट्रेड का क्रय	25,426.34	14,789.63
कुल	25,426.34	14,789.63

29 . कर्मचारी लाभ व्यय

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) वेतन एवं मजदूरी	510.27	710.16
(ख) भविष्य एवं अन्य निधियों का अंशदान	48.95	116.97
(ग) कर्मचारी कल्याण व्यय	39.61	46.81
कुल	598.83	873.94

(I) कोलकाता के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में, इस्पात मंत्रालय के आदेशानुसार, कार्यपालक कर्मचारियों का वेतन संशोधन दिनांक 01.04.1999 से प्रभावी हुआ था। इसका प्रभाव ₹ 157.40 मिलियन है जो उपर्युक्त में शामिल है।

(II) दिनांक 29 मार्च 2018 की राजपत्र अधिसूचना एस.ओ 1420(ई) मिलियन के अनुसार उपदान की उच्चतम सीमा को ₹ 1.00 मिलियन से बढ़ाकर ₹ 2.00 मिलियन किया गया है। इस परिवर्तन के बाबत ₹ 70.20 मिलियन की राशि को विगत सेवा के रूप में स्वीकृति दी गई है।

30 . वित्त लागत

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
ब्याज व्यय		
(i) बैंकों से अल्पकालिक उधारों पर ब्याज	112.63	192.56
(ii) ग्राहकों को भुगतान किया गया ब्याज	456.03	480.33
(iii) ईएफबीएस जमा राशियों के खाते पर ब्याज	0.71	-
कुल	569.37	672.89

28 . Purchases of Stock-In-Trade

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Purchases of Stock-In-Trade	25,426.34	14,789.63
Total	**25,426.34**	**14,789.63**

29 . Employee Benefit Expense

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Salaries and Wages	510.27	710.16
(b) Contribution to Provident and other funds	48.95	116.97
(c) Staff welfare expenses	39.61	46.81
Total	**598.83**	**873.94**

(I) In pursuant to Ministry of Steel's Order, complying the directive of Honble High Court of Kolkata, pay correction of Executive employees was effected w.e.f. 01.04.1999. The impact of this is ₹ 157.40 Million which is included in the figure of F.Y 2017-18.

(II) As per Gazette Notification S.O 1420(E) dated March 29, 2018 the ceiling of Gratuity has been enhanced from ₹ 1.00 Million to ₹ 2.00 Million. ₹ 70.20 Million towards the impact of this charge has been recognised as Past Service Cost in F.Y 2017-18.

30 . Finance costs

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Interest expense		
(i) Interest on Short term borrowings from Banks	112.63	192.56
(ii) Interest Paid to Customers	456.03	480.33
(iii) Interest on account of EFBS Deposits	0.71	-
Total	**569.37**	**672.89**

31 . अन्य व्यय
31 . Other expenses

(राशि ₹ मिलियन में/Amount in ₹ Million)

विवरण	Particulars	31 मार्च, 2019 के अनुसार As at 31st March 2019	31 मार्च, 2018 के अनुसार As at 31st March 2018
(क) मरम्मत एवं रखरखाव	(a) Repairs and Maintainance	26.80	25.76
(ख) ईडीपी व्यय	(b) EDP Expenses	12.87	14.99
(ग) बीमा शुल्क	(c) Insurance charges	3.42	0.19
(घ) किराया	(d) Rent	35.88	36.56
(ङ) दर एवं कर	(e) Rates and taxes	7.57	19.84
(च) बैंक शुल्क	(f) Bank Charges	72.27	179.87
(छ) यात्रा व्यय	(g) Travelling Expenses	34.71	34.79
(ज) विदेशी यात्रा वव्य	(h) Foreign Travelling Expenses	3.78	0.78
(झ) गाड़ी भाड़ा शुल्क	(i) Car Hire Charges	12.41	12.26
(ञ) बैठक एवं सम्मेलन	(j) Meeting and Conference	12.52	10.98
(ट) प्रशिक्षण	(k) Training	2.38	4.80
(ठ) निर्देशकों का बैठक शुल्क	(l) Directors' Sitting Fees	0.99	0.27
(ड) सांविधिक लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक	(m) Statutory Auditor's Remuneration		
(I) लेखा परीक्षा शुल्क	(I) Audit Fees	0.88	0.55
(II) कर लेखा परीक्षा शुल्क	(II) Tax Audit Fees	0.10	0.10
(iii) फुटकर व्यय	(iii) Out-of-Pocket Expenses	0.37	0.60
(ढ) स्टॉक यार्ड व्यय	(n) Stock Yard Expenses	14.51	5.75
(ण) टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	(o) Telex, Postage and Telegram	5.20	4.78
(त) बिजली	(p) Electricity	11.42	11.94
(थ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	(q) Printing and Stationery	3.78	3.30
(द) मनोरंजन	(r) Entertainment	2.70	2.20
(ध) टेलीफोन शुल्क	(s) Telephone Charges	3.24	3.84
(न) विज्ञापन	(t) Advertisement	23.28	8.92
(प) कानूनी व्यय	(u) Legal Expenses	9.41	13.84
(फ) परामर्श शुल्क	(v) Consultancy Charges	8.40	8.70
(ब) आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	(w) Internal Audit fees	0.20	0.17
(भ) फुटकर व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	(x) Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	0.48	0.41
(म) कर्मचारी नियुक्ति व्यय	(y) Staff Recruitment Expenses	3.78	2.80
(य) समाचारपत्र, पुस्तक एवं पत्रिकाएं	(z) Newspaper, Books and Periodicals	0.25	0.53
(कक) नियमित समजिक दायित्व (टिप्पणी सं 42 देखें)	(aa)Corporate Social Responsibility (Refer Note No- 42)	20.00	21.54
(कख) नीलामी निविदा व्यय	(ab)Auction Tender Expenses	3.38	5.28
(कग) खराब ऋण बट्टे में डाला गया	(ac)Bad Debts Written off	1,100.81	4,594.06
(कघ) खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ते	(ad)Allowance for Bad and Doubtful Advances	4,320.02	1,388.11
(कङ) विविध व्यय	(ae)Miscellaneous Expenses	9.87	1.39
(कच) प्लॉट किराया	(af) Plot Rent	0.75	0.75
कुल	Total	5,770.41	6,420.65

***नोट**

क) ₹1100.81 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹1770.00 मिलियन) मेसर्स आधुनिक मेटलिक्स लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। कंपनी एनसीएलटी को संदर्भित की गई थी एवं रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति की गई थी। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास अपना दावा दर्ज किया है। जून 2018 से प्लांट के प्रचालन को नकद की कमी के कारण बंद कर दिया गया था एवं एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में व्यावसायिक कार्य रुका हुआ है। इसके फलस्वरूप, एमएसटीसी से भी क्रय रोक दिया गया था। एमएसटीसी ने सीआईआरपी लागत के रूप में अपने दावे पर विचार करने की मांग की, जो अन्य परिचालनीय लेनदारों की तुलना में प्राथमिक रूप से निपटाए जाएंगे। तथापि, एमएसटीसी को देय शून्य मूल्य के लिए रिजॉल्यूशन प्लान प्रदान किया गया। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्लान के विरुद्ध एनसीएलटी के समक्ष एक अपील दर्ज की है एवं सीआईआरपी लागत के रूप में अपनी बकाया राशि के प्रबंधन की मांग की। हालांकि एनसीएलटी द्वारा अपील को अस्वीकार कर दिया एवं रिजॉल्यूशन प्लान को अनुमोदित किया गया। एनसीएलटी के आदेश को एमएसटीसी लि. द्वारा एनसीएलएटी में चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी द्वारा एमएसटीसी की अपील को नामंजूर कर दिया गया। इसके बाद एमएसटीसी द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई। परंतु सर्वोच्च अदालत ने हमारे मामले को बरखास्त कर दिया। उपरोक्त से यह प्रतीत होता है कि संपूर्ण बकाया राशि गैर-वसूली योग्य है। अतएव, पूरी बकाया राशि को खाता बहियों में बट्टे खाते में डाला गया है।

(ख) व्यापार प्राप्य में मेसर्स कॉन्कास्ट स्टील एण्ड पावर लि. की राशि शामिल है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार बही में ग्राहक की शेष राशि ₹ 2208.41 मिलियन है जो ₹ 4.00 मिलियन की ईएमडी अवशिष्ट राशि को छोड़कर है। इसमें से वित्त वर्ष 2017-18 में ₹ 300.00 मिलियन का प्रावधान पहले ही खातों में कर दिया गया है।

मेसर्स कॉन्कास्ट स्टील एण्ड पावर लि. की अवस्थिति को कंपनी के विरुद्ध एक लेनदार द्वारा आईबी कोड के अधीन दर्ज याचिका पर एनसीएलटी, कोलकाता को संदर्भित किया गया। एमएसटीसी ने ब्याज सहित ₹ 3025.85 मिलियन का दावा दर्ज किया है। एमएसटीसी ने एनसीएलटी द्वारा नियुक्त किए गए रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष अपना दावा दर्ज किया है। दिनांक 26.09.2018 के आदेशानुसार, एनसीएलटी ने कुछ दिशानिर्देशों के अधीन कंपनी के लिक्विडेशन (ऋणशोधन) का निर्देश दिया। एनसीएलटी द्वारा रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) को लिक्विडेटर के रूप में नियुक्त किया गया है जिन्हें इस ऋणशोधन प्रक्रिया में कंपनी के विरुद्ध लेनदारों से उनके दावे को आमंत्रित करने का निर्देश दिया गया है। एमएसटीसी ने ₹ 3258.70 मिलियन के अपने दावे के प्रमाण को पहले ही दिनांक 26.10.2018 को दर्ज कर दिया था।

बांकुड़ा प्लांट के संबंध में सामग्री की भारी कमी पायी गई थी, स्टॉकयार्ड में अभी भी पड़ी हुई सामग्री की उपयोगिता एवं प्राप्यता अनिश्चित है एवं इसका मूल्य भी नगण्य है। प्लांट भी बहुत कम क्षमता के साथ परिचालित है। कंपनी का झारसुगुडा प्लांट बंद हो चुका है एवं अभिरक्षक और एमएसटीसी दोनों के लिए यह प्रवेश प्रतिबंधित है। चूंकि कंपनी के लिए लिक्विडेशन (ऋणशोधन) का प्रस्ताव दिया जा रहा है, इसलिए विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार ईएमडी छोड़कर ₹1908.41 मिलियन की संपूर्ण बकाया राशि के लिए प्रावधान खाता बहियों में किया गया है।

(ग) व्यापार प्राप्य में एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. की राशि शामिल है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार ग्राहक की बही में शेष राशि ₹1889.22 मिलियन है जो ₹ 1.00 मिलियन की ईएमडी अवशिष्ट राशि को छोड़कर है। इसमें से वित्त वर्ष 2017-18 में ₹150.00 मिलियन का प्रावधान पहले ही खातों में कर दिया गया है।

रिजॉल्यूशन एप्लिकेंट द्वारा जमा किया गया रिजॉल्यूशन प्लान लेनदार समिति द्वारा अभी अनुमोदित किया जाना बाकी है। कुछ परिचालनीय लेनदारों ने प्रस्तावित रिजॉल्यूशन प्लान के लिए अपील करने को तरजीह दिया था। हाल में निष्पादित अनुमापी आकलन के अनुसार सभी सामग्रियों यथा आयरन ओर, पिग आयरन एवं स्पंज आयरन इत्यादि की भारी कमी पायी गई थी। इसके अलावा, लम्बे समय तक रखे रहने के कारण स्टॉकयार्ड में अभी भी पड़ी हुई सामग्री की उपयोगिता एवं प्राप्यता अनिश्चित है।

अतएव उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार ईएमडी छोड़कर ₹1739.22 मिलियन की संपूर्ण बकाया राशि के लिए प्रावधान खाता बहियों में किया गया है।

(घ) व्यापार प्राप्य में ग्लोबल कोक लि. की राशि शामिल है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार ग्राहक की बही में शेष राशि ₹282.80 मिलियन है जो ₹1.00 मिलियन की ईएमडी अवशिष्ट राशि को छोड़कर है। इसमें से ₹103.00 मिलियन का प्रावधान खाता बहियों में पहले से ही दर्ज है। पार्टी को एनसीएलटी के पास संदर्भित किया गया है एवं एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) के समक्ष अपना दावा दर्ज किया है। हालांकि कंपनी का सिंधुदुर्ग प्लांट सक्रिय अवस्था में है, जामनगर प्लांट अभी भी बंद है। हमारी गिरवी रखी सामग्री जामनगर प्लांट में पड़ी हुई है एवं इसके बंद रहने के कारण खपत भी मुमकिन नहीं है। हमने लेनदार समिति (सीओसी) की सलाह के साथ रिस्क सेल क्लॉज के अधीन गिरवी रखी सामग्री को बेचने की अनुमति देने के लिए आरपी को अनुरोध किया है। परंतु आरपी से जवाब आया कि सीओसी के अनुसार, गिरवी रखी गई सामग्री ऋणग्रस्त संपत्ति है, अतएव, आईबीसी के नियमों के अनुसार ऐसी संपत्तियों की बिक्री सीओसी के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

इसलिए वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए, विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार ईएमडी छोड़कर ₹179.80 मिलियन की संपूर्ण बकाया राशि के लिए प्रावधान खाता बहियों में किया गया है।

(ङ) व्यापार प्राप्य में ₹ 1096.40 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹1148.40 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अदेय है। अर्बिटेशन निर्णय कंपनी के पक्ष में है। अर्बिटेशन निर्णय के अनुसार, एमएसटीसी पार्टी के लिए केवल अग्रिम भुगतान के आधार पर कच्चे सामानों को प्राप्त करेगी। वर्तमान वर्ष के दौरान अर्थात 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक, जेबीआईएल ने ₹496.90 मिलियन का भुगतान किया है। इस भुगतान में से, 10% की राशि पुराने प्राप्य के लिए समायोजित की गई एवं शेष 90% के लिए एमएसटीसी द्वारा नई खरीद की गई है। तथापि, पार्टी को 90% के कुल क्रय में से 45% तक पुरानी सामग्री एवं 45% नई सामग्री लेने की अनुमति दी गई है, इस प्रकार पुरानी सामग्रियों को बदला गया है। वर्ष के अंत में किए गए अनुमापी आकलन के अनुसार, 31.03.2018 की तुलना में 31.03.2019 के स्टॉक के मूल्य में ₹ 315.70 मिलियन का ह्रास हुआ है। पूर्ववर्ती तथ्यों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतते हुए, स्टॉक मूल्य में आई ह्रास राशि के समतुल्य ₹315.70 मिलियन राशि को एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार खातों में दर्शाया गया है।

(च) व्यापार प्राप्य में ₹1036.70 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹1036.70 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स टॉपवर्थ स्टील्स एण्ड पावर प्रा. लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अदेय है। एमएसटीसी द्वारा दर्ज समापन याचिका में माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा अस्थायी लिक्विडेटर नियुक्त किया गया है। मामला अस्थायी आधिकारिक लिक्विडेटर के पास लम्बित है जिसने कंपनी का नियंत्रण ले रखा था। संपूर्ण बकाया राशि की वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान ₹7451.00 मिलियन की राशि अशोध्य एवं संदिग्ध के रूप में पहले से ही बहियों में दिखाया गया है। वर्ष के दौरान, अंतिम स्टॉक के सत्यापन में गिरवी रखे स्टॉक के मूल्य में कमी अवलोकित हुई है। इसलिए एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार स्टॉक के मूल्य में आई ह्रास राशि के समकक्ष ₹ 171.77 मिलियन की राशि खाता बहियों में प्रदान की गई है।

*** Notes**

(a) ₹ 1100.81 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1770.00 Million) was due from M/s Adhunik Metaliks Ltd. for procuring and supply of materials. The company was referred to NCLT and Resolution Professional was appointed. MSTC has filed its claim with Resolution Professional. The plant operation was stopped from June 2018 due to liquidity crunch and running of business as a going concern came to a standstill. Consequently procurement from MSTC was also stopped. MSTC demanded to consider its claim as a part of CIRP cost, which is to be settled in priority to the other operational creditors. However Resolution Plan provided for NIL value payable to MSTC . MSTC filed an appeal before NCLT against the Resolution Plan and demanded for treatment of its dues as CIRP cost. However NCLT rejected the appeal and approved the Resolution Plan. The order of NCLT was challenged in NCLAT by MSTC Ltd . MSTC's appeal was rejected by NCLAT. An appeal was then subsequently filed before Supreme Court of India against the said order by MSTC. However the apex court dismissed our case. From the foregoing it appears that the entire dues are uncollectible Hence the entire dues has been written off in the books of account.

(b) Trade Receivables included, M/s Concast Steel and Power Ltd The book balance of the customer as on 31.03.2019 stood at ₹ 2208.41 Million, net of EMD balance of ₹ 4.00 Million. Out of which a token provision of ₹ 300.00 Million has already been made in accounts in the F.Y. 2017-18.

M/s Concast Steel & Power Ltd. stands referred to NCLT, Kolkata on a petition filed under the IB Code by a creditor against the Company. MSTC has filed its claim of ₹ 3025.85 Million including interest. MSTC filed its Claim before the Resolution Professional appointed by NCLT. By Order dated 26.9.2018, the NCLT directed for the liquidation of the Company subject to certain directions. The RP has been appointed as the Liquidator by the NCLT who has been directed to invite claims from the creditors against the Company in the liquidation process. MSTC had already filed its Proof of Claim amounting to ₹ 3258.70 Million on 26.10.2018.

Huge shortage of material was found in respect to Bankura Plant, the usability and realizability of the material which is still lying in stockyard is uncertain and value of which is also meagre. The plant is also running at a very low capacity. Jharsugudha plant of the company is shut down and entry is also restricted both for custodian and MSTC. Since the company is being recommended for liquidation, as per prudent accounting practice provision for the entire outstanding net of EMD, ₹ 1908.41 Millions has been made in the books of accounts.

(c) Trade Receivables included, SPS Steel Rolling Mills Ltd. The book balance of the customer as on 31.03.2019 stood at ₹ 1889.22 Million, net of EMD balance of ₹ 1.00 Million. Out of which a token provision of ₹ 150.00 Million has already been made in accounts in F.Y. 2017-18.

The resolution plan submitted by the Resolution Applicant is yet to be approved by the Committee of Creditors. Some operational creditors had preferred appeal for the proposed resolution plan. As per recently concluded volumetric assessment shortage was found for all material viz. Iron Ore, Pig Iron & Sponge Iron etc. Besides the usability and realizability of the material which is still lying in stockyard is uncertain due to long holding time.

Thue, in view of the foregoing, as per prudent accounting practice provision for the entire outstanding net of EMD for ₹ 1739.22 Million has been made in the books of accounts.

(d) Trade Receivables included Global Coke Ltd.The book balance of the customer as on 31.03.2019 is ₹ 282.80 Million, net of EMD balance of ₹ 1.00 Million. Out of which a token provision of ₹ 103.00 Million is already existing in books of accounts .

The party has been referred to NCLT and MSTC has filed its claim before Resolution Professional (RP). Although the Sindhudurg Plant of the Company is operational, the Jamnagar Plant is still closed .Our Pledged material is lying in Jamnagar Plant and due to its closure the consumption is not possible. We have requested the RP to allow us to sale the pledged materials under Risk Sale Clause with the consent of Committee of Creditors (COC). However the RP replied that as per COC, the pledged materials are an encumbered asset, thus as per IBC code sale of such asset is falling beyond the power of COC.

Thus in view of the uncertainties involved for realisation, as per prudent accounting practice provision for the entire outstanding net of EMD for ₹ 179.80 Million has been made in the books of accounts.

(e) Trade Receivable includes ₹ 1096.40 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1148.40 Million) due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. The arbitration award is in the favour of the Company. As per the Arbitration award, MSTC will procure raw materials for the party against advance payment only. During the current year i.e. from 1st April 2018 to 31st March 2019, JBIL has paid ₹ 496.90 Million. Out of the payment, 10 % has been adjusted against old receivables and for balance 90% fresh procurement has been made by MSTC. However, the party is allowed to lift, out of total procurement of 90%, old materials to the tune of 45% and new materials to the tune of 45%, thereby replacing the old materials. As per volumetric assessment carried out during year end, value of stock as on 31.03.2019 is depleted for an amount of ₹ 315.70 Million as compared to 31.03.2018. In view of the foregoing as a matter of abundant precaution, an amount of ₹ 315.70 Million equivalent to the value of depletion in the stock value has been provided in the accounts as per prudent accounting practice.

(f) Trade Receivable includes ₹ 1036.70 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1036.70 Million) due from M/s Topworth Steels & Power Pvt. Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. Provisional Liquidator has been appointed by the Hon'ble Bombay High Court in the winding up petition filed by MSTC. The matter is pending with the Provisional Official Liquidator who had taken over the control of the Company. In view of the uncertainties involved in realization of entire outstanding, an amount of ₹ 7451.00 Million was already been provided in the books during the financial year 2017-18 as bad and doubtful. During the year end stock verification, depletion in the value of pledged stock has been observed. Therefore further a sum of ₹ 171.77 Million, equivalent to the value of depleted stock, has been provided in the books of account as per prudent accounting practice.

टिप्पणी 32 : 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्रारंभिक स्टॉक, क्रय, बिक्रय एंव अंतिम स्टॉक का विवरण

(मात्रा '000 एमटी) (₹ मिलियन में)

सामग्री का विवरण	वित्तीय वर्ष	प्रारंभिक स्टॉक		क्रय		बिक्रय		अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कोक / कोल	2018-19	-	-	1,328.47	19,126.43	1,328.47	19,343.70	-	-
	2017-18	104.00	707.40	2,533.35	13,730.65	2,637.35	14,584.71	-	-
पाइपस एवं ट्यूबस	2018-19	-	-	331.42	6,299.91	331.42	6,339.30	-	-
	2017-18	-	-	31.38	757.40	31.38	762.21	-	-
लौह अयस्क	2018-19	-	-	-	-	-	-	-	-
	2017-18	-	-	63.34	302.65	63.34	307.19	-	-
	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,790.71	-	15,654.11	-	-
जोड़:	2018-19	अंतिम बिल समायोजन	-	-	-	-	-	-	-
	2017-18	-	-	-	(1.07)	-	(1.72)	-	-
समापन	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,789.64	-	15,652.39	-	-

टिप्पणी 33 : टिप्पणी सं. 32 के अलावा, कंपनी ने सुगमकर्ता (फेसिलिटेटर) के रूप में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सामग्री का भी क्रय किया है :

सामग्री के विवरण	वित्तीय वर्ष	मात्रा	खरीद मुल्य	अर्जित सेवा प्रभार
एच आर क्वॉयल	2018-19	-	-	-
	2017-18	10.00	476.60	4.50
कोक / कोल	2018-19	1,314.85	11,929.31	158.99
	2017-18	1,650.00	13,222.30	184.70
बिलेट्स	2018-19	-	-	-
	2017-18	25.00	779.70	7.70
नेप्था	2018-19	-	-	-
	2017-18	109.00	3,397.20	37.80
लौह अयस्क / पेलेट	2018-19	8,071.48	24,958.36	291.05
	2017-18	12,222.00	31,702.90	384.80
मैंगनीज अयस्क	2018-19	-	-	-
	2017-18	55.00	663.30	6.60
टीआरआई	2018-19	-	-	-
	2017-18	318.00	1,253.10	16.80
विविध सामग्रियां	2018-19	901.95	1,712.02	17.60
	2017-18	1,625.00	2,154.30	29.50
टीएमटी बार	2018-19	257.69	5,845.65	63.03
	2017-18	290.00	12,725.80	119.40
क्रोम ओर	2018-19	88.43	789.24	7.92
	2017-18	23.00	255.00	2.50
चैनल	2018-19	56.83	2,067.87	16.66
	2017-18	-	-	-
विद्युत उपकरण/परियोजना सामग्री	2018-19	161.71	3,268.25	47.31
	2017-18	-	16,254.70	147.50
कुल	**2018-19**	**10,852.94**	**50,570.70**	**602.56**
	2017-18	**16,327.00**	**82,884.90**	**941.80**

Note 32 : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March 2019

(Qty '000 MT) (Amount ₹ in Million)

Description of material	FY	Opening Stock		Purchases		Sales		Closing stock	
		Qty.	Value	Qty.	Value	Qty.	Value	Qty.	Value
Coke / Coal	2018-19	-	-	1,328.47	19,126.43	1,328.47	19,343.70	-	-
	2017-18	104.00	707.40	2,533.35	13,730.65	2,637.35	14,584.71	-	-
Pipes & Tubes	2018-19	-	-	331.42	6,299.91	331.42	6,339.30	-	-
	2017-18	-	-	31.38	757.40	31.38	762.21	-	-
Iron Ore	2018-19	-	-	-	-	-	-	-	-
	2017-18	-	-	63.34	302.65	63.34	307.19	-	-
	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,790.71	-	15,654.11	-	-
Add :	2018-19	Final Bill Adjustment		-	-	-	-	-	-
	2017-18	-	-	-	(1.07)	-	(1.72)	-	-
Closing	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,789.64	-	15,652.39	-	-

Note 33 : In addition to Note no. 32, the Company have also purchased material as facilitator as per details below:

Description of material	FY	Qty.	Purchases Value	Service Charges Earned
H R Coil	2018-19	-	-	-
	2017-18	10.00	476.60	4.50
Coke / Coal	2018-19	1,314.85	11,929.31	158.99
	2017-18	1,650.00	13,222.30	184.70
Billets	2018-19	-	-	-
	2017-18	25.00	779.70	7.70
Naptha	2018-19	-	-	-
	2017-18	109.00	3,397.20	37.80
Iron Ore / Pellete	2018-19	8,071.48	24,958.36	291.05
	2017-18	12,222.00	31,702.90	384.80
Manganese Ore	2018-19	-	-	-
	2017-18	55.00	663.30	6.60
DRI	2018-19	-	-	-
	2017-18	318.00	1,253.10	16.80
Misc Items	2018-19	901.95	1,712.02	17.60
	2017-18	1,625.00	2,154.30	29.50
TMT Bar	2018-19	257.69	5,845.65	63.03
	2017-18	290.00	12,725.60	119.40
Chrome Ore	2018-19	88.43	789.24	7.92
	2017-18	23.00	255.00	2.50
Channel	2018-19	56.83	2,067.87	16.66
	2017-18	-	-	-
Electrical Equipment/Project Materials	2018-19	161.71	3,268.25	47.31
	2017-18	-	16,254.70	147.50
Total	**2018-19**	**10,852.94**	**50,570.70**	**602.56**
	2017-18	**16,327.00**	**82,684.90**	**941.80**

टिप्पणी 34 : इंड एएस 108 के अनुसार सेगमेंटल रिपोर्टिंग :

(राशि ₹ मिलियन में)

इंड एएस 108 के अनुसार, कंपनी ने विपणन एवं ई-कॉमर्स को अपने दो प्राथमिक रिपोर्ट योग्य व्यवसाय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है।

विवरण	वित्तीय वर्ष	विपणन	ई-कॉमर्स	अन्य (अनावंटित)	कुल
कुल राजस्व	2018-19	27,482.79	2,133.32	69.21	29,685.32
	2017-18	22,627.52	1,900.60	66.90	24,595.02
कुल व्यय	2018-19	31,488.95	16.24	872.22	32,377.41
	2017-18	22,331.95	25.60	1,121.50	23,479.05
परिणाम (लाभ/हानि(-) कर पर्व)	2018-19	(4,006.16)	2,117.08	(803.01)	(2,692.09)
	2017-18	295.57	1,875.00	(1,054.60)	1,115.97
कर व्यय	2018-19				552.56
	2017-18				349.63
अवधि के लिए लाभ/हानि (-)	2018-19				(3,244.65)
	2017-18				766.34

कंपनी के व्यवसाय में प्रयुक्त परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को किसी भी रिपोर्ट योग्य सेगमेंट या खंड में चिह्नित नहीं किया गया हैं, क्योंकि ये खंडों के मध्य अंतर-परिवर्तन के रूप में प्रयोग किए गए हैं। इसलिए प्रबंधन को विश्वास है कि परिसंपत्तियों एवं देनदारियों से संबंधित खंड का प्रकटन व्यवहारयोग्य नहीं है।

प्रमुख ग्राहकों बारे में सूचना

ईकाई के राजस्व 10% या अधिक की राशि वाले एकल बाह्य ग्राहक के साथ लेनदेन से प्राप्त राजस्व नीचे दिए गए है।

प्रमुख ग्राहक (10% से अधिक राजस्व रखने वाले ग्राहक)	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
कुल राजस्व	25683.00	14890.10
ग्राहकों की सं.	3	3
कुल राजस्व का %	88.00	77.00
उत्पाद खंड	विपणन	विपणन

35 : (क) (विदेशी मुद्रा में व्यय):

विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
समानों का आयात	21800.77	22530.00
यात्रा खर्च एवं अन्य	0.94	0.30
कुल	21801.71	22530.30

35 : (ख) (विदेशी मुद्रा में आय) :

विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
ई-नालीमी पंजीयन शुल्क	0.42	0.10
कुल	0.42	0.10

36. आकस्मिक देनदारियाँ एवं प्रतिबद्धताएँ

(क) आकस्मिक देनदारियाँ :

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
बिक्री कर एवं सेवा शुल्क	346.83	416.40
मुद्रा मामले	1468.91	1452.20
अर्बिटेशन	3.02	3.00
आय कर	240.38	70.60
सेवा कर	158.62	158.50
बकाया बैंक गारंटी	135.83	136.16
कुल	2353.59	2236.86

Note 34 : Segmental Reporting as per Ind AS-108:

(Amount in ₹ Million)

In terms of Ind AS -108 the Company has identified Marketing and e-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments.

Particulars	FY	Marketing	e-Commerce	Others (unallocated)	Total
Total Revenue	2018-19	27,482.79	2,133.32	69.21	29,685.32
	2017-18	22,627.52	1,900.60	66.90	24,595.02
Total expenses	2018-19	31,488.95	16.24	872.22	32,377.41
	2017-18	22,331.95	25.60	1,121.50	23,479.05
Result (Profit/Loss (-) before Tax)	2018-19	(4,006.16)	2,117.08	(803.01)	(2,692.09)
	2017-18	295.57	1,875.00	(1,054.60)	1,115.97
Tax expenses	2018-19				552.56
	2017-18				349.63
Profit/ Loss (-) for the period	2018-19				(3,244.65)
	2017-18				766.34

Assets and liabilities used in the Company's business are not identified to any of the reportable segments,as these are used interchangably between the segments. Hence the Management believes, that it is currently not practicable to provide segment disclosure related to assets and liabilities.

Information about major customers

The revenues from tranactions with a single external customer amounting to 10% or more of the entity's revenues are given below:-

Major Customer (Customer having more than 10% revenue)	31st March 2019	31st March 2018
Total Revenue	25683.00	14890.10
No. of Customers	3	3
% of Total Revenue	88.00	77.00
Product Segment	Marketing	Marketing

35 : (a) Expenditure Incurred in Foreign Currency :

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
Import of Goods	21800.77	22530.00
Travelling Expenses & other	0.94	0.30
Total	**21801.71**	**22530.30**

35 : (b) Earnings In Foreign Currency :

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
E auction Registration fees	0.42	0.10
Total	**0.42**	**0.10**

36. Contingent Liabilities and Commitments

(a) Contingent Liabilities

Particulars	As At 31st March 2019	As At 31st March 2018
Sales Tax & Customs	346.83	416.40
Money Suits	1468.91	1452.20
Arbitration	3.02	3.00
Income Tax	240.38	70.60
Service Tax	158.62	158.50
Outstanding Bank Guarantees	135.83	136.16
Total	**2353.59**	**2236.86**

(ख) प्रतिबद्धताएँ

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
न्यू टाउन कोलकाता में नये कार्यलय भवन का निर्माण	101.47	265.10
कुल	**101.47**	**265.10**

37 : कर व्यय

(I) लाभ या हानि में आय कर की मान्यता

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(1) चालु कर		
-वर्ष के लिए	337.82	-
-पूर्व के वर्षों के लिए	0.93	-
	338.75	-
(2) अस्थागित कर	213.81	349.63
चालु वर्ष में कुल आयकर व्यय में मान्यता	**552.56**	**349.63**

(II) समय के लिए आय कर व्यय को लाभ (हानि) के लेखाकरण में निम्नानुसार सामंजस्य किया या सकता है :

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(1) अवधि के लिए कर पूर्व लाभ	(2,692.09)	1,115.97
(2) आय कर व्यय की गणना 34.944 % पर (2017-18: 34.608 %)	-	386.23
(3) व्यय का प्रभाव जो कर योग्य लाभ के निर्धारण में घटाने योग्य नहीं है	149.97	(720.20)
(4) आय का प्रभाव यो कर से मुक्त है	-	(21.40)
(5) पिछले वर्ष के लिए कर	0.93	-
(6) अगेनीत व्यवसाय हानि	179.12	705.00
(7) एमएटी क्रेडिट के लिए परिवर्तन	222.54	-
चालु वर्ष में मान्य कुल आय कर व्यय	**552.56**	**349.63**

उपर्युक्त के पुनर्मिलान में वर्ष 2018-19 एवं 2017-18 के लिए प्रयुक्त कर दर भारतीय कर कानून के अंतर्गत कर योग्य लाभों पर भारत में कॉर्पोरेट संस्थाओं द्वारा देय क्रमशः 34.944% (30% साथ में सरचार्ज 12% की दर से एवं एडुकेशन सेस 4% की दर से) एवं 34.608% (30% साथ में सरचार्ज 12% की दर से एवं एडुकेशन सेस 3% की दर से) कॉरपोरेट कर दर है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के आस्थगित कर की गणना के लिए, आयकर दर है 34.944% (30% साथ में सरचार्ज 12% की दर से एवं एडुकेशन सेस 4% की दर से)।

व्यवसायिक हानि एवं अवमूल्यन् के रूप में कुल ₹512.60 मिलियन आगे लायी गई राशि है। तथापि, कंपनी के पास ₹337.82 मिलियन की एमएटी देयता है जिसके लिए कंपनी के पास अगले आकलन् वर्षों में उन वर्षों के लिए आय पर देय कर के लिए क्रेडिट करने का अधिकार है। कंपनी को प्रतीत होता है कि इसे आने वाले वर्षों में पर्याप्त लाभ होगा जिससे वह न केवल आगे लायी गई हानि को निपटा पाएगी, बल्कि इसके पास कर योग्य लाभ भी रहेगा। इसी अनुसार, व्यवसायिक हानि, अवमूल्यन एवं एमएटी क्रेडिट अधिकार को आगे ले जाने हेतु आस्थगित कर संपत्तियों को मान्यता दी गई है। तथापि, एक सतर्क दृष्टिकोण अपनाते हुए ₹4320.02 मिलियन के संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान पर आस्थगित कर संपत्ति का सृजन नहीं किया गया है।

प्रकटीकरण में संदर्भ के आई एन डी ए एस -8

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार
पिछले बताई गई कंपनी के मालिकों को लिए कुल व्यापक आय	745.81
पूर्व अवधि मदों के लिए समायोजन	
एमटी क्रेडिट कर व्यय के लिए विपरित	(222.54)
एमटी क्रेडिट अस्थागित परिसम्पत्ति के लिए विपरित	222.54
कपनी के मालिकों के लिए कुल व्यापक आय की सूचना दी	**745.81**
अस्थागित कर परिसम्पत्ति	2,972.14
एमटी क्रेडिट उत्क्रमण के लिए समायोजन	(222.54)
नेट	**2,749.60**
गैर-चालु कर परिसपंत्तिया	171.29
एमटी क्रेडिट उत्क्रमण के लिए समायोजन	222.54
नेट	**393.83**

नोटः वित्तीय वर्ष 2017-18, आकलन वर्ष 2018-19 के लिए एमएटी की गणना में एक त्रुटि हुई थी। उस वर्ष के लिए एमएटी प्रयोज्य नहीं था। इसी अनुसार, इंड एएस-8 के प्रावधान के अनुसरण में उसी अवधि के दौरान इसका संशोधन किया गया है। इस समायोजन के कारण अवधि के लिए कुल व्यापक आय में कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

(Amount in ₹ Million)

(b) Commitments

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Construction of New Office Building at New town Kolkata	101.47	265.10
Total	**101.47**	**265.10**

37 : Tax Expenses

(I) Income Tax Recognised in Profit or Loss

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(1) Current tax		
- For the period	337.82	-
- For earlier years	0.93	-
	338.75	-
(2) Deferred tax	213.81	349.63
Total income tax expense recognised in the current year	**552.56**	**349.63**

(II) The income tax expense for the period can be reconciled to the accounting profit (loss) as follows:

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(1) Profit before tax for the period	(2,692.09)	1,115.97
(2) Income tax expense calculated at 34.944 % (2017-18: 34.608 %)	-	386.23
(3) Effect of expenses that are not deductible in determining taxable profit	149.97	(720.20)
(4) Effect of Income that is exempt from tax	-	(21.40)
(5) Tax for earlier years	0.93	-
(6) Carry Forward of Business Loss	179.12	705.00
(7) Reversal of MAT credit	222.54	-
Total income tax expense recognised in the current year	**552.56**	**349.63**

The tax rate used for the year 2018-19 and 2017-18 in the reconciliations above is the corporate tax rate of 34.944% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 4 %) and 34.608% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 3 %) respectively payable by corporate entities in India on taxable profits under the Indian tax law.

For Deferred Tax calculation of financial year 2018-19, income tax rate of 34.944% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 4 %).

There is carry forward of business loss and depreciation agregating to ₹ 512.60 Million . However the company has a MAT liability of ₹ 337.82 Million for which company is entitled to credit in next asseessment years against tax payable on income for those years.The Company feels that it will earn sufficient profit in coming years,not only to offset the carry forward loss but also will have taxable profit. Accordingly deferred tax assets has been recognised for carry forward of business loss,depreciation and MAT credit entitlement.However no Deffered tax asset has been created on the provision for Doubtfull Debts of ₹ 4320.02 Million as a conservative approach.

Disclosure in terms of Ind AS-8

Particulars	As at 31st March 2018
Total Comprehensive Income attributable to owners of the company reported earlier	745.81
Adjustments for Prior period items :	
MAT credit reversed in Tax Expenses	(222.54)
MAT credit reversed in Deffered Tax Assets	222.54
Total Comprehensive Income attributable to owners of the company reported	**745.81**
Deferred Tax Assets	2,972.14
Adjustment for MAT credit reversal	(222.54)
Net	**2,749.60**
Non Current Tax Assets	171.29
Adjustment for MAT credit reversal	222.54
Net	**393.83**

Note: There was an error in the calculation of MAT for F.Y 2017-18, A.Y 2018-19 . The MAT was not applicable for that year. Accordingly the same has been rectified during the same period interms of provision of Ind AS-8. There is no effect in total comprehensive income for the period due to this adjustment.

(III) अस्थागित कर में बदलाव

(राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	शुल्क/(क्रेडिट) साल के लिए	31 मार्च, 2019 के अनुसार
लाभ या हानि माध्यम से			
अस्थागित देनदारियाँ			
कर्मचारी के परिवारों की लाभ योजना	0.90	(0.21)	0.69
कुल	**0.90**	**(0.21)**	**0.69**
अस्थागित कर परिसंपत्तियाँ			
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियाँ	0.70	0.52	1.22
अन्य व्यय के बाबत प्रावधान	164.43	(26.51)	137.92
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए भत्ते*	1,857.31	-	1,857.31
अनावशोषित व्यवसाय हानि	704.96	(525.84)	179.12
एमएटी क्रेडिट के लिए हकदारी	-	337.82	337.82
शुद्ध अस्थागित कर (देनदारियां)/ परिसंपत्तियां	**2,727.40**	**(214.02)**	**2,513.39**
कुल अस्थागित कर (देनदारियां)/ परिसंपत्तियां	**2,726.50**	**(213.81)**	**2,512.70**
अन्य व्यापक आय के माध्यम से			
अस्थागित कर परिसंपत्तियाँ			
परिभाषिक लाभ योजना का पुनःमापन	23.10	(3.30)	19.80
सकल आस्थगित कर (देनदारियां)/ परिसंपत्तियां	**2,749.60**	**(217.11)**	**2,532.50**

नोट: * आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए वर्तमान वर्ष के भत्ते के संबंध में वर्तमान वर्ष के लिए कोई आस्थगित कर संपत्ति की सृष्टि नहीं की गई है, जो इस विवेकपूर्ण सिद्धांत पर विचारित है कि ऐसी संभावना नहीं है कि इसके लिए भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसकी वसूली की जा सकती है।

38 प्रति शेयर आय

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
वर्ष के लाभ	(3,244.65)	766.34
शेयरधारकों को आरोप्य लाभ	(3,244.65)	766.34
मूल ईपीएस के लिए शेयरों की भारित औसत सं.	7,04,00,000	7,04,00,000
सामान्य शेयरों के आय मूल्य (₹)	10.00	10.00
प्रति शेयर के मूल/मिश्रित आय (₹ प्रति शेयर)	(46.09)	10.89

39. वित्तीय लेखपत्र पर प्रकटन

यह प्रभाग कंपनी के वित्तीय साधनों के महत्व का अवलोकन प्रस्तुत करता है एवं वित्तीय साधनों से संलग्न तुलनपत्र के सामानों पर अतिरिक्त सूचना प्रदान करता है।

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के साथ परिसंपत्तियों के मान्यता के लिए मानदंड, वित्तीय संपत्ति, वित्तीय देयता एवं इक्विटी साधन की प्रत्येक श्रेणी के संबंध में मापन के आधार एवं आय और व्यय को जिस आधार पर मान्यता दी गई है, का विवरण स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों में किये गए हैं।

(III) Movement in Deferred Tax

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2018	Charge /(credit) for the year	As at 31st March 2019
Through Profit or Loss			
Deferred Tax Liabilities			
Employee Family Benefit Scheme	0.90	(0.21)	0.69
Total	**0.90**	**(0.21)**	**0.69**
Deferred Tax Assets			
Property, Plant & Equipment and Intangible Assets	0.70	0.52	1.22
Provison against other expenses	164.43	(26.51)	137.92
Allowance for Doubtful Debts & Advances *	1,857.31	-	1,857.31
Unabsorbed business loss	704.96	(525.84)	179.12
MAT Credit Entitlement	-	337.82	337.82
Net Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**2,727.40**	**(214.02)**	**2,513.39**
Total Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**2,726.50**	**(213.81)**	**2,512.70**
Through Other Comprehensive Income			
Deferred Tax Assets			
Remeasurement of Defined Benefit Plan	23.10	(3.30)	19.80
Gross Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**2,749.60**	**(217.11)**	**2,532.50**

Note:- * No deferred tax asset is created for the current year in respect of current year's allowance for doubtful debts and advances under Income Tax Act, 1961 considering the principle of prudence as it is not considered probable that there will be future taxable profit available against which the same can be realised.

38 Earnings Per Share

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Profit for the year	(3,244.65)	766.34
Profit attributable to Shareholders	(3,244.65)	766.34
Weighted average No. of Shares for Basic EPS	7,04,00,000	7,04,00,000
Nominal value of Ordinary Shares (₹)	10.00	10.00
Basic/Diluted Earnings per Share (₹ Per Share)	(46.09)	10.89

39. Disclosures on financial instruments

This section gives an overview of the significance of financial instruments for the Company and provides additional information on balance sheet items that contain financial instruments.

The details of significant accounting policies, including the criteria for recognition, the basis of measurement and the basis on which income and expenses are recognized, in respect of each class of financial asset, financial liability and equity instrument are disclosed in notes to the standalone financial statements.

(1) वित्तीय लेखपत्र की श्रेणियां

निम्नलिखित तालिका वर्ष के अंत में प्रत्येक श्रेणी की वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को अग्रेनीत राशि एवं उचित मुल्य का प्रतिनिधित्व करती है। उचित मुल्य अग्रेनीत मूल्य के समकक्ष है।

वित्तीय परिसंपत्तियाँ	31 मार्च, 2019 के अनुसार ₹ मिलियन में	31 मार्च, 2018 के अनुसार ₹ मिलियन में	मापा गया
व्यापार प्राप्य	17200.05	38,422.13	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	419.21	451.57	परिशोधित लागत
नकद एवं नकद समकक्ष	960.27	1,757.40	परिशोधित लागत
अन्य बैंक शेष	2,429.95	3,300.93	परिशोधित लागत
निवेश	344.10	264.10	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**21,353.59**	**44,196.14**	
वित्तीय देनदारियाँ			
उधार	6,048.97	7,616.39	परिशोधित लागत
व्यापार देय	9,050.41	25,526.26	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	7,173.13	8,426.86	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय देनदारियाँ	**22,272.51**	**41,569.51**	

(2) पूंजी प्रबंधन

कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूंजी का प्रबंधन करती है कि कंपनी ऋण और इक्विटी शेष के अनुकूलन के माध्यम से शेयरधारकों के रिटर्न को अधिकतम करते हुए कंपनी जारी रहती है। कपंनी किसी भी बाहरी रूप से नियोजित पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है।

(3) वित्तीय जोखिम प्रबंधन के उद्देश्य

कंपनी के कॉर्पोरेट ट्रेजरी कार्य व्यापार के लिए सेवाएं प्रदान करता हैं, घरेलू और अतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों तक पहुंच का समन्वय, कंपनी के संचालन से जुड़े वित्तीय जोखिमों का प्रबंधन और निगरानी करता है। इन जोखिमों में बाजार जोखिम (जैसे-मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और अन्य मूल्य जोखिम) क्रेडिट जोखिम और तरलता जोखिम शामिल है। नीतियों और उपस्थिति सीमाओं के अनुपालन की निरंतर आधार पर आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा समीक्षा की जाती है। कंपनी अव्यवहार्य के प्रयोजनों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधानों में शामिल नहीं होती है और न ही व्यापार करती है।

(क) बाजार जोखिम

कंपनी की गतिविधियां, मुख्य रूप में विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में होने वाले परिवर्तनों के वित्तीय जोखिमों को प्रदर्शित करती है। मामले के आधार पर, विनिमय दर जोखिम का बचाव करने के लिए कपंनी फॉरवर्ड मुद्रा अनुबंधों को अपनाती है।

(i) ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

वर्तमान में कपंनी ने अपने अधिकतम ऋण को एमसीएलआर के आधार पर परिवर्तित किया है, इसलिए दर अनुबंध अवधि के लिए आम तौर पर एक वर्ष के लिए स्थिर है। ओवरड्राफ्ट सुविधा पर और ब्याज सावधि जमा के ब्याज के साथ जुड़ा हुआ है, जो आम तौर पर एक वर्ष के लिए निर्दिष्ट है।

(ii) विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

कंपनी का विदेशी मुद्रा एक्सपोजर आयात देयताओं के कारण होता है। लेनदेन ग्राहकों के साथ एक के बाद एक के आधार पर है। लाभ और हानि अगर हो तो ग्राहक को उपलब्ध कराया जाता है। ग्राहकों के साथ चर्चा कर विदेशी मुद्राएं ऐक्सपोजर को बचाने के लिए कभी-कभी फॉरवार्ड कवर लिया जाता है। जहां भी विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव हो, ग्राहकों द्वारा उनके साथ समझौता के अनुसार वहन किया जाता है, विदेशी मुद्रा लाभ/हानि को बहियों में मान्यता प्राप्त नहीं है।

(ख) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम उस जोखिम को दर्शाता है कि एक काउंटरपार्टी अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों पर चूक जाएगी जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को नुकसान होता है। कंपनी ने जहां उपयुक्त हो, चुक से वित्तीय नुकसान के जोखिम को कम करने के एक साधन के रूप में केवल ऋणयोग्य काउंटर पार्टी के साथ काम करने की नीति अपनाई है, कपंनी केवल ऐसी संस्थाओं से लेनदेन करती है, जो उपलब्ध एजेंसियों द्वारा रेट किए गए है और अगर उपलब्ध नहीं है तो कपंनी अपने प्रमुख ग्राहकों को रेट करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वित्तीय जानकारी और अपने पिछले रिकॉर्ड का उपयोग करती है। कंपनी के जोखिम ओर उसके प्रतिपक्षों की क्रेडिट रेटिंग पर नजर रखी जाती है और निष्कर्ष निकाले गए लेनदेन का एकत्रित मूल्य अनुमोदित काउंटारपार्टी में प्रसारित किया जाता है। क्रेडिट एक्सपोजर को काउंटरपार्टी की सीमाओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो वरिष्ट प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा की जाती है और उन्हें अनुमोदित किया जाता है।

(1) Categories of Financial Instruments

The following table presents carrying amount and fair value of each category of financial assets and liabilities as at the year end. The Fair Value is equivalent to the Carrying value.

Financial Assets	As at 31st March 2019 ₹ in Million	As At 31st March 2018 ₹ in Million	Measured at
Trade Receivables	17200.05	38,422.13	Amortised cost
Other Financial Assets	419.21	451.57	Amortised cost
Cash and Cash Equivalents	960.27	1,757.40	Amortised cost
Other Bank Balances	2,429.95	3,300.93	Amortised cost
Investments	344.10	264.10	Amortised cost
Total Financial Assets	**21,353.59**	**44,196.14**	
Financial Liabilities			
Borrowings	6,048.97	7,616.39	Amortised cost
Trade Payables	9,050.41	25,526.26	Amortised cost
Other Financial Liabilities	7,173.13	8,426.86	Amortised cost
Total Financial Liabilities	**22,272.51**	**41,569.51**	

(2) Capital Management

The Company manages its capital to ensure that the Company is able to continue as going concern while maximising the return to shareholders through the optimisation of the debt and equity balance.The Company is not subject to any externally imposed capital requirements.

(3) Financial Risk Management Objectives

The Company's Corporate Treasury function provides services to the business, co-ordinates access to domestic and International financial markets , monitors and manages the fianancial risks relating to the operations of the company . These risks include market risk (like- currency risk, interest rate risk and other price risk), credit risk and liquidity risk. Compliance with policies and exposure limits is reviewed by the internal auditors on a continuous basis. The Company does not enter into or trade of financial instruments, including derivative financial instruments, for speculative purposes.

(a) Market Risk

The Company's activities exposes it ,primarily to the financial risks of changes in foreign currency exchange rates . On a case to case basis, the Company enters into Forward foreign exchange contracts to hedge the exchange rate risk.

(I) Interest Rate Risk Management

At present company has converted maximum of its loan to MCLR based, hence the rate is firm for a contract period usually for a year. Further Interest on Overdraft facility is linked with interest of Fixed deposits, which are usually firm for one year.

(II) Foreign Currency Risk Management

The foreign currency exposure of the Company is due to import liabilities. Transactions are on back to back basis with customers . The gain and loss if any is passed on to the customers. Some times forward cover is taken to hedge the related foreign currency exposure in terms of discussion with the customers.Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Company.

(b) Credit Risk Management

Credit risk refers to the risk that a counterparty will default on its contractual obligations resulting in fianacial loss to the Company. The Company has adopted a policy of only dealing with creditworthy counterparties, where appropriate, as a means of mitigating the risk of financial loss from defaults. The Company only transact with entities that are rated by agencies where available and if not available, the company uses other publicly available financial information and its own past records to rate its major customers. The Company's exposure and the credit ratings of its counterparties are monitored and the aggregated value of transactions concluded is spread amongst approved counterparties. Credit exposure is controlled by counterparty limits that are reviewed and approved by the Senior Management Committee.

(ग) तरलता जोखिम प्रबंधन

कंपनी लगातार भविष्य की और वास्तविक नकदी प्रवाह की निगरानी करके और वित्तीय परिसंपत्तियों और दायित्वों की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके पर्याप्त भंडार, बैंकिंग सुविधाएं और आरक्षित उधार सुविधा बनाए रखते हुए तरलता जोखिम का प्रबंध करती है।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च 2019, के अनुसार अनुमनित ब्याज भुगतान सहित वित्तीय देनदारियों की संविदागत छूट रहित नकद दायित्व के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

तरलता जोखिम प्रबंधन	31 मार्च, 2019 के अनुसार				
	आगे लायी गई राशि (₹ मिलियन में)	ठेकागत नगद प्रवाह (₹ मिलियन में)	1 वर्ष से कम (₹ मिलियन में)	1-5 वर्ष के बीच (₹ मिलियन में)	5 वर्ष से अधिक (₹ मिलियन में)
उधार	6,048.97	6,050.38	6,039.62	10.76	-
व्यापर देय	9,050.41	9,050.41	9,047.77	2.64	-
अन्य वित्तीय देयताएं	7,173.13	7,173.13	7,162.93	7.90	2.30
कुल	**22,272.51**	**22,273.92**	**22,250.32**	**21.30**	**2.30**

वित्तीय देयताएं	31 मार्च, 2018 के अनुसार				
	आगे लायी गई राशि (₹ मिलियन में)	ठेकागत नगद प्रवाह (₹ मिलियन में)	1 वर्ष से कम (₹ मिलियन में)	1-5 वर्ष के बीच (₹ मिलियन में)	5 वर्ष से अधिक (₹ मिलियन में)
उधार	7,616.39	7,616.39	7,616.39	-	-
व्यापार देय	25,526.26	25,526.26	25,523.62	2.64	-
अन्य वित्तीय देयताएं	8,426.86	8,429.56	8,417.56	8.30	3.70
कुल	**41,569.51**	**41,572.21**	**41,557.57**	**10.94**	**3.70**

(घ) उचित मूल्य माप

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी की वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं में से कोई भी उचित मूल्य पर मापा नहीं जाता है।

40. संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण

(i) संबंधित पक्षों का नाम और संबंध का विवरण

1) सहायक कंपनी

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

2) संयुक्त उद्यम

महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड

3) मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक

श्री बम बहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से)	निदेशक (वित्त)
श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)
श्री ए.के बासु (30.11.2018 तक)	निदेशक (वित्त)
श्री ए.के राय (27.07.2018 से)	कंपनी सचिव
श्री एस.के.राय (27.07.2018 तक)	कंपनी सचिव
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक
डॉ. रुद्रमौनी शिवयोगेप्पा येली	स्वतंत्र निदेशक
श्रीमती प्रभाती परिदा	स्वतंत्र निदेशक
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी	स्वतंत्र निदेशक
श्री टी.वी. मुरलीवल्लभन	स्वतंत्र निदेशक

(c) Liquidity Risk Management

The Company manages liquidity risk by maintaining adequate reserves, banking facilities and reserve borrowing facilities, by continuously monitoring forecast and actual cash flows, and by matching the maturity profiles of financial assets and liabilities.

The table below provides details regarding the contractual undiscounted cash obligations of financial liabilities including estimated interest payments for the period 31st March, 2019.

Financial Liabilities	As at 31st March 2019				
	Carrying Amount ₹ In Million	Contractual Cash flows ₹ In Million	less than 1 year ₹ In Million	between 1 - 5 years ₹ In Million	More than 5 years ₹ In Million
Borrowings	6,048.97	6,050.38	6,039.62	10.76	-
Trade payables	9,050.41	9,050.41	9,047.77	2.64	-
Other financial liabilities	7,173.13	7,173.13	7,162.93	7.90	2.30
Total	**22,272.51**	**22,273.92**	**22,250.32**	**21.30**	**2.30**

Financial Liabilities	As at 31st March 2018				
	Carrying Amount ₹ In Million	Contractual Cash flows ₹ In Million	less than 1 year ₹ In Million	between 1 - 5 years ₹ In Million	More than 5 years ₹ In Million
Borrowings	7,616.39	7,616.39	7,616.39	-	-
Trade payables	25,526.26	25,526.26	25,523.62	2.64	-
Other financial liabilities	8,426.86	8,429.56	8,417.56	8.30	3.70
Total	**41,569.51**	**41,572.21**	**41,557.57**	**10.94**	**3.70**

(d) Fair Value Measurement

None of the Company's financial assets and financial liabilities are measured at fair value at the end of the reporting period.

40. Related Party Disclosure

(I) Name of the related parties and description of relationship:

1) Subsidiary Company

Ferro Scrap Nigam Limited

2) Joint Venture

Mahindra MSTC Recycling Private Limited

3) Key Managerial Personnel

Sri Bam Bahadur Singh	Chairman cum Managing Director
Sri Subrata Sarkar (From 01.12.2018)	Director (Finance)
Smt Bhanu Kumar	Director (Commercial)
Sri A.K Basu (upto 30.11.2018)	Director (Finance)
Sri A.K.Rai (From 27.07.2018)	Company Secretary
Sri S.K Ray (upto 27.07.2018)	Company Secretary
Sri Gangaram Aloria	Independent Director
Dr. Rudramauni Shivayogeppa Yeli	Independent Director
Smt. Pravati Parida	Independent Director
Smt. Aparna Chaturvedi	Independant Director
Sri T. V. Muralivallabhan	Independent Director

(II) संबंधित पार्टी के साथ लेनदेन

(क) प्रमुख संबंधित कार्मिक को पारिश्रमिक

विवरण		पारिश्रमिक (₹ मिलियन में)			
	संबंधित पार्टी का स्वरूप/संबंध	अल्पकालीक लाभ	नियुक्ति उपरान्त लाभ	अन्य दीर्घावधि लाभ	कुल
31 मार्च, 2019 के वर्षांत हेतु					
श्री बम बहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	7.36	0.22	-	7.58
श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से)	निदेशक (वित्त)	1.85	0.15	0.22	2.22
श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)	5.88	0.11	0.09	6.08
श्री ए.के बासु (01.04.2018 से 30.11.2018 तक)	निदेशक(वित्त)	5.17	-	-	5.17
श्री ए.के राय (27.07.2018 से)	कंपनी सचिव	2.01	0.09	-	2.10
श्री एस.के.राय (27.07.2018 तक)	कंपनी सचिव	0.48	-	-	0.48
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	0.27*	-	-	0.27
डा रुद्रमौनी शिवयोगेप्पा येली	स्वतंत्र निदेशक	0.21*	-	-	0.21
श्रीमती प्रभाती परिदा	स्वतंत्र निदेशक	0.09*	-	-	0.09
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी	स्वतंत्र निदेशक	0.08*	-	-	0.08
श्री टी.वी. मुरलीवल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	0.34*	-	-	0.34
31 मार्च, 2018 के पिछले वर्षांत हेतु					
श्री बम बहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	4.22	0.95	0.92	6.10
श्री ए.के बासु	निदेशक (वित्त)	4.03	0.96	0.38	5.37
श्रीमती भानु कुमार (12.10.2017 से 31.03.2018 तक)	निदेशक (वाणिज्यिक)	1.19	0.90	0.70	2.79
श्री एस.के.राय	कंपनी सचिव	3.00	0.09	-	3.09
श्री गंगाराम आलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	0.10*	-	-	0.10
श्री टी.वी. मुरलीवल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	0.17*	-	-	0.17

टिप्पणी : * यह निदेशक के बैठक शुल्क का सूचक है:

(i) चुंकि कपंनी द्वारा निदेशकों को सीमित दूरी के लिए निजी इस्तेमाल हेतु कार की सुविधा दी जाती है इसलिए ऐसी सुविधा को लाभ/परिलाभ विवेचित नहीं किया गया है।

(ii) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान आधार पर निष्पादन संबंधी भुगतान शामिल है।

(ख) एफएसएनएल के साथ लेनदेन (100% सहायिका)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
मालगोदाम प्रबंधन के लिए संरक्षक सेवा का भुगतान	1.98	23.00
ई-नीलामी सेवा प्रदान करने के लिए प्राप्त राशि	0.06	0.10

(II) Transaction with Related Parties

(a) Compensastion to Key Managerial Personnel

Particulars	Nature of related party / relationship	Remuneration (₹ In Million) Short Term Benefit	Post Employment Benefits	Other Long Term Benefits	Total
For the year ended March 31st,2019					
Sri Bam Bahadur Singh	Chairman cum Managing Director	7.36	0.22	-	7.58
Sri Subrata Sarkar (From 01.12.2018)	Director (Finance)	1.85	0.15	0.22	2.22
Smt Bhanu Kumar	Director (Commercial)	5.88	0.11	0.09	6.08
Sri A.K Basu (From 01.04.2018 To 30.11.2018)	Director (Finance)	5.17	-	-	5.17
Sri A.K.Rai (From 27.07.2018)	Company Secretary	2.01	0.09	-	2.10
Sri S.K Ray (upto 27.07.2018)	Company Secretary	0.48	-	-	0.48
Sri Gangaram Aloria	Independent Director	0.27*	-	-	0.27
Dr. Rudramauni Shivayogeppa Yeli	Independent Director	0.21*	-	-	0.21
Smt. Pravati Parida	Independent Director	0.09*	-	-	0.09
Smt. Aparna Chaturvedi	Independent Director	0.08*	-	-	0.08
Sri T. V. Muralivallabhan	Independent Director	0.34*	-	-	0.34
For the Previous Year ended March 31st,2018					
Sri Bam Bahadur Singh	Chairman cum Meneging Director	4.22	0.95	0.92	6.10
Sri A.K Basu	Director (Finance)	4.03	0.96	0.38	5.37
Smt Bhanu Kumar (From -12.10.2017 to 31.03.2018)	Director (Commercial)	1.19	0.90	0.70	2.79
Sri S.K Ray	Company Secretary	3.00	0.09	-	3.09
Sri Gangaram Aloria	Independent Director	0.10*	-	-	0.10
Sri T. V. Muralivallabhan	Independent Director	0.17*	-	-	0.17

Note :* It indicate Director's Sitting Fees.

(i) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the compeny to the Directors, such facility has not been considered as benefit/perquisite.

(ii) The above Includes Performance related pay on actual payment basis.

(b) Transaction with FSNL Limited (100% Subsidiary)

(₹ In Million)

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
Payment of Custodien Service for the Warehouse Menagement	1.98	23.00
Amount Received for providing e-Auction Service	0.06	0.10

(ग) महिंद्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ लेनदेन (50:50 संयुक्त उद्यम) (₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
संयुक्त उद्यम में निवेश	80.00	75.00
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए प्राप्त राशि	0.73	0.80
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए देय राशि	0.22	-
ई-नीलामी सेवा प्रदान करने के क्रम में प्राप्त राशि	0.13	-
निदेशक की नियुक्ति के जमा राशि का भुगतान	-	0.10
निदेशक की नियुक्ति के लिए जमा राशि वापस ली गई	-	0.10

41. कर्मचारी लाभ

परिभाषित अंशदान योजनाएँ

1. भविष्य निधि

मूल वेतन एवं महंगाई भत्ते का 12% कंपनी के द्वारा भविष्य निधि ट्रस्ट में अंशदान किया गया।

2. पेंशन

इस्पात मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसरण में परिभाषित अंशदान योजना के अंतर्गत एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए पेंशन स्कीम तैयार की गई है। कंपनी एक ट्रस्ट के माध्यम से एलआईसी को वार्षिक अंशदान करती है। एमएसटीसी (नियोक्ता) के अंशदान के माध्यम से एलआईसी द्वारा कर्मचारियों के खाते में सृजित संग्रह से कर्मचारियों को पेंशन प्रदान किया जाएगा।

परिभाषिक लाभ योजनाएँ

1. उपदान : (ग्रैच्युटी)

ग्रैच्युटी 15 दिनों के भुगतान की दर से पृथक रूप से पात्र कर्मचारियों के लिए प्रत्येक पूर्ण वर्ष की सेवा के लिए देय है, जो न्युनतम 5 वर्ष तक सतत सेवा प्रदान करते है। गैर कार्यपालकों के मामले में 30 वर्ष से अधिक के प्रत्येक पूर्ण लेखा वर्ष के लिए कर्मचारी द्वारा एक महीने की अंतिम आहरित वेतन की दर पर ग्रैच्युटी की गणना की जाती है। कर्मचारी को देय अधिकतम ग्रैच्युटी ₹ 2 मिलियन है। गैर कार्यपालक जो 01.07.2014 को या उससे पहले सेवा से जुड़े है, ग्रैच्युटी सीमा से कम है।

ग्रैच्युटी को भारत के एलआईसी के साथ वित्त घोषित किया जाता है। कंपनी भारत में एलआईसी द्वारा की गई मांग के आधार पर हर साल प्रीमियम के रूप में योगदान करती है।

2. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभः

यह एक चिकित्सा लाभ है जो सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके पति/पत्नी को उपलब्ध है। बीमा कंपनी के स्वीकृत मेडिक्लेम इंश्योरेंस के माध्यम से सदस्यों को संरक्षित किया जाएगा। मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी के अंतर्गत किसी भी अस्पताल में सेवानिवृत्त कर्मचारी को यह उपलब्ध है। इसके अलावा, गृह उपचार में खर्च किए गए व्यय की भी क्षतिपूर्ति निर्धारित उच्चतम सीमा के अनुसार की जाती है। इस उद्देश्य के लिए गठित एक पृथक ट्रस्ट के जरिए लाभ प्रदान के लिए निधि प्रबंध किया जाता है। इसके लिए कंपनी राशि (कॉर्प्स) प्रदान करती है। कोई कमी होने पर, इसकी पूर्ति कंपनी द्वारा की जाती है।

निवेश जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना छूट दर के इस्तेमाल से की जाती है, जिसका निर्धारण सरकारी बॉण्ड (ऋणपत्रों) पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार परिणामों के संदर्भ से किया जाता है। अन्य परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए, छूट दर का निर्धारण उच्च गुणवत्ता के कॉर्पोरेट बॉण्ड, जब ऐसे बॉण्ड के लिए डीप मार्केट रहता है, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार परिणामों के संदर्भ से किया जाता है। यदि योजना संपत्ति पर वापसी इस दर से कम है, तो इससे प्लान डेफिसिट (योजना में कमी) उत्पन्न होगी। वर्तमान में, भारत में योजना के लिए सरकारी प्रतिभूतियों एवं अन्य ऋण प्रपत्रों में अपेक्षाकृत निवेशों का संतुलित मिश्रण है। इसके अलावा, वैदेशिक योजना का इक्विटी प्रतिभूतियों, ऋण प्रपत्रों एवं भूसंपदा में अपेक्षाकृत संतुलित निवेश है। योजना देयताओं की दीर्घमियादी प्रकृति के कारण वैदेशिक फंड बोर्ड यह उपयुक्त मानता है कि योजना संपत्तियों का एक यथा संगत हिस्सा इक्विटी प्रतिभूतियों एवं भूसंपदाओं (रियल एस्टेट) में निवेश किया जाना चाहिए ताकि फंड द्वारा उत्पन्न रिटर्न को प्रभावी बनाया जा सके।
ब्याज जोखिम	बॉण्ड (ऋणपत्र) ब्याज दर में कमी से योजना देयता में वृद्धि आएगी, हालांकि योजना के ऋण निवेशों पर रिटर्न बढ़ने से इसे आंशिक रूप से समायोजित किया जा सकता है।
दीर्घायु जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के मौजूदा मूल्य का निर्धारण, सेवा के दौरान एवं पश्चात योजना भागीदारों की मृत्यु दर के श्रेष्ठ आकलन के संदर्भ में किया जाता है। योजना भागीदारों के अपेक्षित जीवन काल में बढ़ोतरी से योजना की देयता बढ़ेगी।
वेतन जोखिम	परिभाषित लाभ योजना देयता के मौजूदा मूल्य का निर्धारण, योजना भागीदारों के भावी वेतन के संदर्भ में किया जाता है। ऐसे में योजना भागीदारों के वेतन में वृद्धि से योजना की देयता बढ़ेगी।

(क) कंपनी ने परिभाषिक योगदान योजनाओं के तहत वर्ष के लिए ₹ 61.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 51.37 मिलियन) व्यय के लिए लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी है।

लाभ (योगदान)	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
भविष्य निधि	36.62	28.00
पेंशन	25.31	23.37
कुल	61.93	51.37

(c) Transaction with Mahindra MSTC Recycling Private Limited (50:50 Joint Venture)

(₹ in Million)

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
Investment in Joint Venture	80.00	75.00
Amount received towards reimbursement of expenditure	0.73	0.80
Amount paid towards reimbursement of expenditure	0.22	-
Amount Received for providing E-Auction Service	0.13	-
Deposit for Appointment of Director paid	-	0.10
Deposit for Appointment of Director received back	-	0.10

41. Employee Benefits

Defined Contribution Plans

1. Providend Fund

12% of Basic pay and dearness allowance contributed to the providend fund trust by the company.

2. Pension

In terms of Ministry of Steel Directives Pension scheme for the employees of MSTC has been formulated , under Defined Contribution Plan. The company contributes annually to LIC of India through a trust. LIC will provide the pension to the employees from the corpus created on account of employees, by way of contribution from MSTC (The Employer).

Defined Benefits Plans

1. Gratuity :

The Gratuity is payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continious service for a minimum period of 5 years.The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years in case of non executives only. The maximum amount of Gratuity payable to employee is ₹ 2 Million.In case of non executive join on or before 01.07.2014, the gratuity is celing less.

The Gratuity is funded with LIC of India.The Company contributes in the fund every year as premium on the basis of demand raised by LIC of India.

2. Post Retirement Medical Benefit :

The Post Retirement Medical Benefit is a medical benefit to the superannuated employees and their spouse. The members will be covered through Mediclaim Insurance of the Insurance Company. This is available to superannuated employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy.In addition to this expenses incurred in domicilliary treatment is also reimbursed as per prescribed ceiling.The benefits are funded through a separate trust formed for this purpose.The Company provides the corpus for this. Deficit, if any, is being compensated by the company.

Investment Risk The present value of the defined benefit plan liability is calculated using a discount rate which is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on government bonds. For other defined benefit plans, the discount rate is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on high quality corporate bonds when there is a deep market for such bonds; if the return on plan asset is below this rate, it will create a plan deficit. Currently, for the plan in India, it has a relatively balanced mix of investments in government securities, and other debt instruments. Further, the overseas plan has a relatively balanced investment in equity securities, debt instruments and real estates. Due to the long-term nature of the plan liabilities, the board of the overseas Fund considers it appropriate that a reasonable portion of the plan assets should be invested in equity securities and in real estate to leverage the return generated by the fund.

Interest Risk A decrease in the bond interest rate will increase the plan liability; however, this will be partially offset by an increase in the return on the plan's debt investments.

Longevity Risk The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the best estimate of the mortality of plan participants both during and after their employment. An increase in the life expectancy of the plan participants will increase the plan's liability.

Salary Risk The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the future salaries of plan participants. As such, an increase in the salary of the plan participants will increase the plan's liability.

(a) The company has recognised an amount of ₹ 61.93 Million (Previous Year ₹ 51.37 Million) in Statement of Profit and Loss for the current year as expenses under defined contribution plans.

Benefit (Contribution to)	31st March 2019 (₹ in Million)	31st March 2018 (₹ in Million)
Provident Fund	36.62	28.00
Pension	25.31	23.37
Total	**61.93**	**51.37**

(ख) कंपनी सेवानिवृत्ति उपरांत परिभाषित लाभ योजनाओं को निम्नानुसार संचालन करती है:

वित्त प्रोषित

i. उपादन (ग्रैच्युटी)

ii. सेवा निवृत्ति उपरांत चिकत्सा लाभ योजना

(ग) उपादन (ग्रैच्युटी) योजना का विवरण निम्नानुसार

विवरण	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन मे)	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन मे)
1. धारणाएँ :		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.25%	7.40%
ख. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न की अनुमानित दर (प्रति वर्ष)	7.25%	7.40%
ग. वेतन में वृद्धि की दर (प्रति वर्ष)	8.00%	8.00%

2. ग्रैच्युटी के अंतर्गत परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में स्वीकृत राशि निम्नानुसार हैं :

	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन मे)	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन मे)
क. वर्तमान सेवा लागत	8.64	74.35
ख. सेवा लागत	8.64	74.35
ग. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	2.66	(0.49)
घ. लाभ व हानि में स्वीकृति लागत	**11.30**	**73.86**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति पर पुनर्मापन		
क. डीबीओ के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	6.42	8.14
ख. डीबीओ धारण परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	1.73	(5.58)
ग. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	8.15	2.55
घ. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/कम की तुलना मे	(0.71)	-
ङ. ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ)/हानि	7.44	2.55
च. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	**7.44**	**2.55**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय इंड एएस 19 के अंतर्गत बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर वित्तीय वर्ष 30.09.2018 से प्रभावी लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' वाले मदों में सम्मिलित है।

4. शुद्ध परिभाषित लाभ देनदारी का पुनर्मापन अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।

5. **परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है :**

	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन मे)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन मे)
क. वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	189.68	117.05
ख. वर्तमान सेवा लागत	8.64	4.15
ग. डीबीओ कर व्यय लागत	12.86	7.66
घ. पिछली सेवा लागत-योजना संशोधन	-	70.20
ङ. अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	1.07	-
च. वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उन्नत बीमांकिक लाभ एवं हानि	1.73	(5.58)
छ. अनुभव समयोजना से उन्नत बीमांकिक (लाभ) एवं हानि	6.42	8.14
ज. योजना परिसंपत्ति से लाभ का भुगतान	(31.65)	(11.93)
झ. अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	**188.74**	**189.68**

(b) The company operates post retirement defined benefit plans as follows :

Funded

i. Gratuity

ii. Post Retirement Medical Benefit Scheme

(c) Details of the Gratuity Plan are as follows :

Description	For the year ended 31st March 2019	For the year ended 31st March 2018
1. Assumptions		
a. Discount rate (per annum)	7.25%	7.40%
b. Estimated rate of return on plan assets (per annum)	7.25%	7.40%
c. Rate of escalation in salary (per annum)	8.00%	8.00%

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Gratuity are as follows :

	For the year ended 31st March 2019 ₹ In Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ In Million
a. Current service cost	8.64	74.35
b. Service Cost	8.64	74.35
c. Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	2.66	(0.49)
d. Cost recognized in P&L	**11.30**	**73.86**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset :		
a. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	6.42	8.14
b. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	1.73	(5.58)
c. Actuarial (gain)/loss arising during period	8.15	2.55
d. Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(0.71)	-
e. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	7.44	2.55
f. (Income)/Cost recognized in OCI	**7.44**	**2.55**

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss w.e.f 30.09.2018 on the basis of actuarial valuation under Ind AS -19.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows :

	31st March 2019 ₹ In Million	31st March 2018 ₹ In Million
a. Obligation as at the beginning of the year	189.68	117.05
b. Current Service Cost	8.64	4.15
c. Interest Cost on DBO	12.86	7.66
d. Past Service Cost- Plan Ammendment	-	70.20
e. Acquisitions (credit) / cost	1.07	-
f. Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	1.73	(5.58)
g. Actuarial (gains) and losses arising from experience adjustments	6.42	8.14
h. Benefits paid from plan asset	(31.65)	(11.93)
I. Closing defined benefit Obligation	**188.74**	**189.68**

6. योजना परिसंपत्तिओं के उचित मूल्य बदलाव निम्नानुसार है

	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. पूर्वावधि की समाप्ति पर परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	121.02	123.56
ख. योजना परिसंपत्तिओं पर ब्याज आय	10.20	8.16
ग. नियोक्ता अंशदान	65.28	1.24
घ. छुट दर से अधिक (कम) पर योजना परिसंपत्तिओं पर रिटर्न	0.71	-
ङ. लाभ का भुगतान	(31.65)	(11.93)
च. चालु आवधि के अंत में परिसंपत्तिओं का उचित मूल्य	**165.56**	**121.02**

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेत महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएं छुट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छुट दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(10.92)	(10.16)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	177.82	179.52
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	12.48	11.55
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	201.22	201.23

वेतन वृद्धि दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	6.32	4.94
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	195.06	194.62
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(6.27)	(5.48)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	182.47	184.20

7. प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषिक लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक-दुसरे से अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएं सह-संबंधित हो सकती है।

(घ) सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना का विवरण :

विवरण	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
1. धारणाएँ :		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.25%	7.40%
ख. चिकित्सा स्फीति (प्रति वर्ष)	5.00%	5.00%

6. Movements in the fair value of the plan assets are as follows :

		31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
a.	Fair value of the assets at end of prior period	121.02	123.56
b.	Interest Income on plan assets	10.20	8.16
c.	Employer Contributions	65.28	1.24
d.	Return on plan assets greater/(lesser) than discount rate	0.71	-
e.	Benefits paid	(31.65)	(11.93)
f.	**Fair Value of assets at the end of current period**	**165.56**	**121.02**

6. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

Effect of a 1% change in discount rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) Aggregate current service and interest cost	(10.92)	(10.16)
(ii) Closing balance of obligation	177.82	179.52
Decrease		
(i) Aggregate current service and interest cost	12.48	11.55
(ii) Closing balance of obligation	201.22	201.23

Effect of a 1% change in salary escalation rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) Aggregate current service and interest cost	6.32	4.94
(ii) Closing balance of obligation	195.06	194.62
Decrease		
(i) Aggregate current service and interest cost	(6.27)	(5.48)
(ii) Closing balance of obligation	182.47	184.20

7. The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.

(d) Details of the Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows :

Description		For the year ended 31st March 2019	For the year ended 31st March 2018
1.	**Assumptions**		
a.	Discount rate (per annum)	7.25%	7.40%
b.	Medical Inflation (per annum)	5.00%	5.00%

2. सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना के अधीन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और वृद्धि के स्टैंडअलोन विवरण में स्वीकृत राशियाँ निम्नानुसार हैं :

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्तमान सेवा लागत	4.65	4.72
ख. सेवा लागत	-	-
ग. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	4.71	5.06
घ. लाभ व हानि में स्वीकृत लागत	**9.36**	**9.78**
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति पर पुनर्मापन :		
ङ. डीबीओ के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(10.74)	25.94
च. डीबीओ धारण परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	3.04	(10.83)
छ. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	(7.70)	15.11
ज. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/कम की तुलना मे	(1.75)	(5.72)
झ. ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (आय)/लागत	(9.45)	9.39
ञ.. शुद्ध परिसंपत्तियों पर सीमा के लिए समायोजन		
ट. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	**(9.45)**	**9.39**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय लाभ एवं हानि के स्टैंडअलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' अनुरूपी मदों में सम्मिलित है।
4. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता का पुनर्मापन अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।
5. परिभाषित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है :

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	172.45	151.43
ख. वर्तमान सेवा लागत	4.65	4.72
ग. ब्याज लागत	12.38	10.14
घ. वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उन्नत बीमांकिक लाभ एवं हानि	(10.74)	(10.81)
ङ. अनुभव समयोजना से उन्नत बीमांकिक (लाभ) एवं हानि	3.04	25.94
च. कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष रूप में प्रदत्त लाभ	(10.38)	(8.96)
छ. अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	**171.39**	**172.45**

6. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य बदलाव निम्नानुसार है

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. पूर्वावधि की समाप्ति पर परिसंपत्ति का उचित मूल्य	108.86	49.15
ख. योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	7.67	5.08
ग. नियोक्ता अंशदान	-	57.88
घ. छुट दर से अधिक (कम) पर योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न	1.75	5.72
ङ. लाभ का भुगतान	(10.38)	(8.96)
च. चालु आवधि के अंत में परिसंपत्तिओं का उचित मूल्य	**107.90**	**108.86**

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows :

	Description	For the year ended 31st March 2019 ₹ In Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ In Million
a.	Current service cost	4.65	4.72
b.	Service Cost	-	-
c.	Net Interest on net defined benefit liability / (asset)	4.71	5.06
d.	**Cost recognized in P&L**	**9.36**	**9.78**
	Remeasurement on the net defined benefit liability/asset :		
e.	Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	(10.74)	25.94
f.	Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	3.04	(10.83)
g.	Actuarial (gain)/loss arising during period	(7.70)	15.11
h.	Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(1.75)	(5.72)
i.	Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	(9.45)	9.39
j.	Adjustments for limit on net assets		
k.	**(Income)/Cost recognized in OCI**	**(9.45)**	**9.39**

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss.
4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.
5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows :

	Description	For the year ended 31st March 2019 ₹ In Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ In Million
a.	Obligation as at the beginning of the year	172.45	151.43
b.	Current Service Cost	4.65	4.72
c.	Interest Cost	12.38	10.14
d.	Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	(10.74)	(10.81)
e.	Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	3.04	25.94
f.	Benefits paid directly by the Company	(10.38)	(8.96)
g.	**Closing defined benefit Obligation**	**171.39**	**172.45**

6. Movements in the fair value of the plan assets are as follows :

	Description	For the year ended 31st March 2019 ₹ In Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ In Million
a.	Fair value of the assets at end of prior period	108.86	49.15
b.	Interest Income on plan assets	7.67	5.08
c.	Employer Contributions	-	57.88
d.	Return on plan assets greatsr/(lesser) than discount rats	1.75	5.72
e.	Benefits paid	(10.38)	(8.96)
f.	**Fair Value of assets at the end of current period**	**107.90**	**108.86**

7. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएं छुट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छुट दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(18.63)	(18.58)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	152.76	153.86
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	23.00	22.84
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	194.39	195.29

चिकित्सा स्फीति दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	15.61	15.58
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	187.00	188.03
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(12.57)	(12.64)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	158.82	159.81

42. निगमित सामाजिक दायित्व गतिविधियों पर किए गए व्यय

क. वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा व्यय किए जाने के लिए आवश्यक सकल राशि ₹ 20.00 मिलियन

ख. कंपनी अधिनियम 135 की धारा 2013 के अनुसार कंपनी ने सीएसआर व्यय पर ₹ 20.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 21.52 मिलियन) खर्च किया है।

(₹ मिलियन मे)

विवरण	31 मार्च 2019	31 मार्च 2018
(1) परिसंपत्तियों का निर्माण/नवीकरण	15.19	11.67
(2) शौचालय ब्लॉकों का निर्माण	0.50	-
(3) ट्युब वेल	-	6.89
(4) अन्य	4.31	2.96
	20.00	**21.54**

उपर्युक्त आंकड़े टिप्पणी सं 31 में पृथक रूप से प्रकट किए गए है।

43. व्यापार प्राप्तियों, व्यापार देय एवं अग्रिमों की शेष राशि में पुष्टि/पुनर्मिलान एवं परिणामी समायोजन यदि कोई है, के अधीन शेष राशि शामिल है। पुनर्मिलान निरंतर आधार पर किया गया है। प्रावधान जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, किए गये है।

44. कंपनी की मौजुदा संपत्तियां कन्सोटियम बैंक के पास कंपनी को क्रेडिट स्वीकृति के विरुद्ध कार्यरत हैं।

45. अनुरूपी पिछले वर्ष आँकड़ों को तुलना योग्य बनाने के लिए जहाँ भी आवश्यक हुए है, पुनर्व्यवस्थित/पुनवर्गीकृत किए गए है।

हमारी सम दिनांक रिपोर्ट के अनुसार
कृते डी. के. छाबर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई
नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

कृते एमएसटीसी लिमिटेड

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध
निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
(वित्त एवं लेखा)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

दिनांक : 29 मई, 2019
स्थान : कोलकाता

7. **Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.**

Effect of a 1% change in discount rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) Aggregate current service and interest cost	(18.63)	(18.58)
(ii) Closing balance of obligation	152.76	153.86
Decrease		
(i) Aggregate current service and interest cost	23.00	22.84
(ii) Closing balance of obligation	194.39	195.29

Effect of a 1% change in medical inflation rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) Aggregate current service and interest cost	15.61	15.58
(ii) Closing balance of obligation	187.00	188.03
Decrease		
(i) Aggregate current service and interest cost	(12.57)	(12.64)
(ii) Closing balance of obligation	158.82	159.81

42 . Expenditure Incurred on Corporate Social Responsibility Activities

(a) Gross amount required to be spent by the company during the year - ₹ 20.00 Million

(b) In accordance to section 135 of Companies Act, 2013, the company has incurred ₹ 20.00 Million (Previous Year ₹ 21.52 Million), as CSR expenditure

(₹ in Million)

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
(1) Construction/ Rennovation of assets	15.19	11.67
(2) Construction of Toilets Blocks	0.50	-
(3) Tube Wells	-	6.89
(4) Other	4.31	2.98
	20.00	**21.54**

Above figures are disclosed separately in note no. 31.

43. Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances includes balances subject to confirmation/reconcilliation and consequential adjustment, if any. Reconcilliations are carried out on on-going basis. Provisions,wherever considered necessary, have been made.

44. The current assets of the company are under charge with consortium bank against sanction of credit facilities to the comany

45. The figures for the corresponding previous years have been regrouped/reclassified wherever necessary to make them comparable.

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

(Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M.No : 057170

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

For MSTC LIMITED

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-
MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
(DIN-08290021)

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

समेकित रिपोर्ट
CONSOLIDATED REPORT

स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति

समेकित वित्तीय विवरणी की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

मंतव्य

हमने एमएसटीसी लिमिटेड (इसके बाद "होल्डिंग कंपनी" के रूप में संदर्भित), इसकी सहायक कंपनी (होल्डिंग कंपनी और इसकी सहायक कंपनी को एक साथ "समूह") और संयुक्त उद्यम के रूप में संदर्भित वित्तीय विवरणों के साथ समेकित वित्तीय विवरणी का लेखा-परीक्षा किया है जिसमें 31 मार्च, 2019 का तुलन पत्र, लाभ एवं हानि (अन्य व्यापक आय सहित) विवरण, इक्विटी परिवर्तन विवरण, समाप्त। वर्ष हेतु नकदी प्रवाह विवरण, महत्वपूर्ण लेखागत नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं सहित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ शामिल हैं ।

हमारे विचार तथा हमारी बेहतरीन जानकारी तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार एवं नीचे दिए गए अन्य मामलों में संदर्भित सहायक और संयुक्त उद्यम के अलग-अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों के आधार पर ऊपर कथित समेकित वित्तीय विवरणी यथा अपेक्षित तरीके से कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') द्वारा अपेक्षित सूचना तथा कंपनी ('भारतीय लेखागत मानक') नियम, 2015, यथा संशोधित ('आईएनडी एएस') के साथ पठित तथा भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखागत सिद्धांतों सहित 31 मार्च, 2019 को कंपनी के मामलों की स्थिति, हानि, कुल व्यापक हानि, इक्विटी में परिवर्तन तथा समाप्त वर्ष की तिथि हेतु इसके नकदी प्रवाह के अनुरूप सही और निष्पक्ष राय देता है ।

मंतव्य का आधार

हमने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(10) के अधीन विनिर्दिष्ट लेखा-परीक्षाके मानकों के अनुसार समेकित लेखा विवरणी की लेखा-परीक्षा की है । इन मानकों के अधीन हमारी जिम्मेवारियों का विस्तृत विवरण हमारे प्रतिवेदन के समेकित वित्तीय विवरणी भाग की लेखा-परीक्षा हेतु लेखा परीक्षकों की जिम्मेवारी के तहत वार्णित है । भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता के साथ अधिनियम के प्रावधानों तथा उसके अधीन गठित नियमों के अंतर्गत समेकित वित्तीय विवरणी का लेखा-परीक्षा हमने कंपनी से स्वतंत्र रहकर उपयुक्त नैतिकता की आवश्येकता को ध्याव में रखते हुए किया है तथा हमने इन आवश्यकताओं एवं आईसीएआई की आचार संहिता के अनुरूप अपने अन्य नैतिक जिम्मेवारियों का निर्वहन किया है । हमें विश्वास है कि समेकित वित्तीय विवरणी पर हमारे लेखा-परीक्षा मंतव्यों हेतु आधार प्रदान करने के लिए हमारे द्वारा प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं ।

मामलों की प्रमुखता

हम समेकित वित्तीय विवरणी की टिप्पणी में निम्न मामलों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हैं :

I) समेकित वित्तीय विवरणी की टिप्पणियों की टिप्पणी संख्या 9.4 (सी) से संदर्भित है जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि सामग्री के प्रक्रय तथा आपूर्ति हेतु ₹1096.47 मिलियन रुपये सहित प्राप्ययोग्य व्यवसाय मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड से बकाया है जो विगत तीन वर्षों से अधिक पुराना है। पार्टी मध्यस्था हेतु भुगतान नहीं कर रही है तथा

INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC Limited

Report on the Audit of the Consolidated Financial Statements

Opinion

We have audited the accompanying consolidated financial statements of MSTC Limited (hereinafter referred to as "the Holding Company"), its subsidiary (the Holding Company and its subsidiary together referred to as "the Group") and joint venture comprising the Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2019, the Consolidated Statement of Profit and Loss (including Other Comprehensive Income), the Consolidated Statement of changes in Equity, the Consolidated Statement of Cash Flows for the year then ended and notes to the consolidated financial statements, including a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us and based on the consideration of reports of other auditors on separate financial statements of the subsidiary and joint venture referred to in the Other Matters section below, the aforesaid Consolidated Financial Statements give the information required by the Companies Act, 2013 ("the Act") in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the Indian Accounting Standards prescribed under section 133 of the Act read with the Companies (Indian Accounting Standards) Rules, 2015, as amended ("Ind AS"), and other accounting principles generally accepted in India, of the state of affairs of the Group and its joint venture as at 31st March, 2019, their consolidated loss, consolidated total comprehensive loss, consolidated changes in equity and its consolidated cash flows for the year ended on that date.

Basis for Opinion

We conducted our audit of the consolidated financial statements in accordance with the Standards on Auditing (SAs) specified under section 143(10) of the Companies Act, 2013. Our responsibilities under those Standards are further described in the Auditor's Responsibilities for the Audit of the Consolidated Financial Statements section of our report. We are independent of the Group and its joint venture in accordance with the Code of Ethics issued by the Institute of Chartered Accountants of India ("ICAI") together with the ethical requirements that are relevant to our audit of the consolidated financial statements under the provisions of the Companies Act, 2013 and the Rules there under and we have fulfilled our other ethical responsibilities in accordance with these requirements and the ICAI's Code of Ethics. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion on the consolidated financial statements.

Emphasis of Matter

We draw attention to the following matters in the Notes to the consolidated financial statements :

I) Reference is invited to Note no. 9.4 (c) of notes to the consolidated financial statements wherein it is stated that Trade Receivables of the Holding Company include ₹1096.47 Million due from M/S Jai Balaji Industries Ltd for procurement and supply of materials which are more

चालू वित्तय वर्ष में 1148.43 मिलियन रुपये के ओपनिंग रिसिवेबल्स बकाया के प्रति केवल 496.98 मिलियन रुपये समायोजित किये गये हैं। वोल्यूमेट्रिक विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार चूँकि 31 मार्च, 2019 को गिरवी स्टॉकक का उगाही योग्य निवल मूल्य 1102.82 मिलियन रुपये (विगत वर्ष 1418.52 मिलियन रुपये) तक नीचे आ गया है, चालू वर्ष में प्रबंधन द्वारा लेखा में स्टॉपक मूल्यि में रिक्तिकरण के मूल्यट के समतुल्य् 315.70 मिलियन रुपये का प्रावधान किया गया है।

ii) होल्डिंग कंपनी के व्यापार प्राप्य एवं व्यापार देय की शेष राशियों के लंबित पुष्टीकरण/पुनर्मिलन इसके प्रवाह से संबंधित समेकीत वीत्तीय विवरण की टिप्पणीय की टिप्पणी संख्या 44 का संदर्भ आकर्षित किया जाता हैं जो पुनर्मिलन पर उतपन्न हो सकते हैं।

इस मामलों पर हमारे मंतव्य परिवर्तित नहीं है ।

प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले

प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले वैसे मामले हैं जो चालू अवधि के समेकित वित्तीय विवरणी के हमारे लेखा-परीक्षा में हमारे व्यवसायिक निर्णय के अति महत्वपूर्ण है। ये मामले सम्पूर्ण समेकित वित्तीय विवरणी की हमारे लेखा-परीक्षा के संदर्भ में सम्बोधित हैं और हमारे मंतव्य गठित करते हैं तथा इन मामलों पर हम कोई पृथक मंतव्य नहीं रखते ।

क्र. सं.	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले	प्रमुख लेखा-परीक्षा मामले में लेखा-परीक्षकों की प्रतिक्रिया
1.	राजस्व मान्यता होल्डिंग कंपनी के अधीन कैश एण्ड कैरी पद्धति में सामग्री जिसे कंपनी आपूर्तिकारों से खरीदती है, की विशिष्टता सहित उपभोक्ता के साथ एक करार हस्ताक्षर शामिल है। संग्रहित सेवाकर वास्तविक क्रयमूल्य का एक प्रतिशत होता है । प्रतिभूति जमा खरीदी गई सामग्री मूल्य के 20% तक सर्वाच्च है, जो खरीदारों से संग्रह किया जाता है। खरीदी गई सामग्री होल्डिंग कंपनी के पास गिरवी रखी जाती हैं। इस सामान को थंड पार्टि के कॉस्टडि में राखा जाता है। हउत्पादन अनुसूची में परिवर्तन तथा बाजार की अस्थिरता के कारण उपभोक्ता द्वारा नियत अनुसूची के अनुसार सामग्री नहीं हटाए जाने का जोखिम बना रहता है।	लेखा-परीक्षा प्रक्रिया • राजस्व मान्यता लागू प्रक्रिया के संबंध में नियंत्रण की प्रभावशीलता केविश्लेषण सहित उसके अनुपालन के साथ-साथ राजस्व मान्यता में लागू नीतियों और प्रक्रियाओं को समझते हुए हमने प्रबंधन के साथ ठेकागत अनुबंध और शर्तों सहित महत्वरपूर्ण ठेका पर विचार-विमर्श एवं विश्लेपषण किया । • कैश एण्ड कैरी मॉड्यूल (क) नियमित अंतराल पर बड़े आकार में विश्लेषण संचालित किया जाता है जो कंपनी को उपभोक्ता के कार्य स्थल पर रखे हुए गिरबी स्टॉक के निवल उसुलीयोग्य मूल्य उपलब्ध कराता है । ऐसे रिपोर्टों की हमारे द्वारा जाँच की गयी है और ऐसे सभी प्राप्य के लिए प्रावधान किये गये हैं जिनका स्टॉक एनआरवी उनके बकाया शेष से कम है ।

than three years old. The party is not making payment as per the Arbitration award and in the current year only ₹496.98 Million have been adjusted against outstanding opening receivable of ₹ 1148.43 Million. Since as per the Volumetric Analysis Report, the net realizable value of the pledged stock as on 31st March, 2019 has come down to ₹ 1102.82 Million (Previous year: ₹ 1418.52 Million), provision of ₹ 315.70 Million equivalent to the value of depletion in the stock value has been provided in the accounts by the Management in the current year.

ii) Reference is invited to Note no. 44 of notes to the consolidated financial Statements relating to pending confirmation/reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables of the Holding Company and its consequential impact that may arise on reconciliation.

Our opinion is not modified in respect of these matters.

Key Audit Matters

Key audit matters are those matters that, in our professional judgment, were of most significance in our audit of the consolidated financial statements of the current period. These matters were addressed in the context of our audit of the consolidated financial statements as a whole, and in forming our opinion thereon, and we do not provide a separate opinion on these matters.

S. No.	Key Audit Matters	Auditor's Response to Key Audit Matters
1.	Revenue Recognition The Cash & carry module under the Holding Company's Trading segment involves entering into an agreement with the customer specifying the materials which the Holding Company procures from suppliers. The service charge collected is a percentage of the actual procurement value. Security deposit to a maximum of 20 % of the material value procured is collected from the customer. The material thus procured is pledged back to the Holding Company and is kept in the custody of a third-party custodian. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market.	Audit procedures: • Understanding the policies and procedures applied to revenue recognition, as well as compliance therewith, including an analysis of the effectiveness of controls related to revenue recognition process employed. We analyzed and discussed with management the significant contracts including contractual terms and conditions. • Cash & carry module (a) Volumetric Analysis is conducted at regular intervals which provide the Holding Company with Net Realizable Value (NRV) of the pledged stock lying at the customer's site. Such reports have been checked by us and provisions have been made for all receivables whose stock's NRV was less than their outstanding balances.

	कंपनी द्वारा राजस्व की मान्यता से संबंधित प्रकटीकरण संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणी की टिप्पणी 26 में प्रदान की गयी है।	(ख) इस मॉड्यूल के अंतर्गत जोखिम, कंपनी द्वारा एक अन्य योजना लागू कर कम किया गया है जिसके अधीन सभी नये उपभोक्ताओं हेतु खरीद तभी की जाती हैं जब ऐसी खरीद 110% बैंक गारंटी द्वारा समर्थित होता है।
2.	**व्यवसाय प्राप्य की वसूली** 31 मार्च, 2019 को व्यवसाय प्राप्य की राशि ₹ 26,835.12 मिलियन रुपये थी जीसमें से ₹ 10,342.54 मिलियन रुपये असुरक्षित तथा ₹ 9635.07 मिलियन रुपये के लिए खराब तथा संदिग्ध ऋण के प्रावधान कंपनी द्वारा बनाये गये थे। वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था पर बढ़ती हुई चुनौतियाँ तथा कार्यकारी परिवेश ने डिफलॉट की जोखिम बढ़ा दी है। विशेष रूप से, उपभोक्ताओं के दिवालियेपन के मामले में, करार की आवश्यकता के अनुरूप ठेकागत दायित्वों का उपभोक्ता द्वारा पूरा करने में विफल हो जाने के कारण कंपनी को वित्तीय हानि का सामना करना पड़ता है। प्रबंधन द्वारा वसूलीयोग्य राशि का आंकलन व्यक्तिगत देनदार के पुराने प्रोफाइल के साथ उनकी विशिष्ट वसूलीयोग्य मूल्यांकन तथा उपभोक्ता की ऋण पात्रता के आधार पर किया जाता है। कंपनी की व्यवसाय प्राप्य से सम्बंधित प्रकटीकरण संलग्न समेकित वित्तीय विवरणी की टिप्पणी 9 में दर्शायी गयी है।	**लेखा-परीक्षा प्रक्रियाएं :** • प्रबंधन से 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के दौरान सभी प्राप्योग्य शेष तथा लेन-देन का विवरण हासिल करना। हमने व्यवसाय प्राप्य की प्रकृति, स्थिरता और प्राप्य की वसूली की सम्भावना की समीक्षा की। • चूँकि सभी व्यवसाय प्राप्य का शेष पुष्टिकरण उपलब्ध नहीं हो पाया, शेष की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए मूल लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं का अनुपालन किया गया है। हमने उपभोक्ताओं के क्रेडिट प्रोफाइल, उपभोक्ताओं के भुगतान पद्धति का इतिहास, उपलब्ध सामान्य सूचनाएं तथा उपभोक्ताओं के साथ हाल ही में किये गये पत्राचार के संदर्भ में प्रबंधन के मूल्यांकन करने के आधार पर एक नमूना के रूप में अनसेटेल्ड प्राप्यों की वसूलियों का मूल्यांकन किया।
3.	सहायक कंपनियों के मामले में, सहायक द्वारा अपनाई गई नॉन-मूविंग इन्वेंट्रीज की मूल्यांकन विधि वर्ष 2001-2002 से आगे तक की लागत से हर साल दस प्रतिशत तक कम है। समेकित वित्तीय विवरणों के लिए नोट 1.सी.8 का संदर्भ ग्रहण करें।	सहायक कंपनी के लेखा परीक्षक ने पाया कि सहायक कंपनी द्वारा अपनाये गये अचल समानसूची का मूल्यांकन पद्धति समानसूची के मूल्यांकन पर आईएनडी एएस-2 के अनुसार नहीं है।

	The disclosures related to recognition of revenue by the Holding Company are provided in Note 26 to the accompanying standalone financial statements.	(b) The risk under this module has been mitigated by the Holding Company by introducing another scheme under which procurement for all new customers is done only when such procurement is backed by 110% Bank Guarantee.
2.	**Recoverability of Trade Receivables** As at 31st March, 2019, the Holding Company's Trade Receivables amounted to ₹ 26,835.12 Million out of which ₹10,342.54 Million was unsecured and provision of ₹ 9635.07 Million for bad and doubtful debts has been made by the Holding Company. The increasing challenges over the economy and operating environment during the year have increased the risks of default. In particular, in the event of insolvency of customers, the Holding Company is exposed to potential risk of financial loss when the customers fail to meet their contractual obligations in accordance with the requirements of the agreements. The recoverable amount was estimated by management based on their specific recoverability assessment on individual debtor with reference to the aging profile and credit worthiness of the customer. The disclosures related to Trade Receivables of the Holding Company are provided in Note 9 to the accompanying consolidated financial statements.	**Audit procedures :** • Obtaining details of all receivable balances and transactions during the year ended 31st March, 2019 from the management. We reviewed the nature of the trade receivables, the sustainability and the likelihood of recoverability of receivables. • Since balance confirmations from all the Trade receivables are not available, substantive audit procedures have been followed to ensure accuracy of balances. We assessed the recoverability of the unsettled receivables on a sample basis through our evaluation of management's assessment with reference to the credit profile of the customers, historical payment pattern of customers, publicly available information and latest correspondence with customers.
3.	In case of the subsidiary, the valuation method of non-moving inventories adopted by the subsidiary is at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001 -2002 onwards. Refer Note 1.C.8 to the consolidated financial Statements	The subsidiary's auditor noticed that the valuation method of non-moving inventories adopted by the subsidiary is not in accordance to Ind AS-2 on valuation of Inventories.

4.	सहायक कंपनी के मामले में, चालू लेखांकन अवधि के दौरान 1.2 से 5 सीयूएम एक्सवेटर्स में मूल्यह्रास के तरीके में परिवर्तन होता है, हॉट स्लैग और सामान्य गतिविधि में काम करने वाले एक्सवेटर्स का द्विभाजन होता है। समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणी 2 का संदर्भ ग्रहण करें।	सहायक कंपनी लेखा परीक्षक ने बताया कि चालू लेखा अवधि के लिए समान मूल्यह्रास का उसके परिणाम प्रभाव ₹ 8.83 मिलियन रुपये तक है तथा लाभ में उतना तक कमी हुई ।
5.	ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व (नए राजस्व लेखा मानक) आईएनडी एएस 115 के रूप में स्वीकार करने को ध्यान में रखते हुए मान्यता, माप, प्रस्तुति और राजस्व और अन्य संबंधित शेष के प्रकटीकरण की सटीकता। सहायक कंपनी के मामले में, नए राजस्व लेखांकन मानक के अनुप्रयोग में विशिष्ट निष्पादन दायित्वों की पहचान से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय, प्रतिचिह्नित प्रदर्शन दायित्वों के लेनदेन मूल्य का निर्धारण, किसी अवधि में मान्यता प्राप्त राजस्व के लिए उपयोग किए जाने वाले आधार की उपयुक्तता शामिल है। इसके अतिरिक्त,नए राजस्व लेखांकन मानक में प्रकटीकरण शामिल हैं जिसमें असमान राजस्व और अवधियों के संबंध में जानकारी का एकत्रीकरण शामिल है, जिस पर शेष निष्पादन दायित्वों को बैलेंस शीट की तारीख के बाद संतुष्ट किया जाएगा। समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणी 1.सी.9 का संदर्भ ग्रहण करें।	सहायक कंपनी के लेखा परीक्षक ने नए राजस्व लेखांकन मानक को अपनाने के प्रभाव की पहचान करने के लिए सहायक कंपनी की प्रक्रिया का आकलन किया. उनके लेखा परीक्षा के दृष्टिकोण में डिजाईन का परीक्षण और आंतरिक नियंत्रण का प्रचालन प्रभावशीलता और निम्न प्रकार के परीक्षण शामिल है : 1. नए राजस्व लेखा मानक के कार्यान्वयन से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन का मूल्यांकन किया। 2. परिगणना और नए अनुबंधों का चयनित नमूना, आंतरिक नियंत्रण के संचालन प्रभावशीलता का परीक्षण, अलग-अलग निष्पादन दायित्वों की पहचान और लेनदेन मूल्य का निर्धारण। जांच और अबज्केशन से संबंधित प्रक्रियाओं का एक संयोजन, इन नियंत्रणों के संचालन के संबंध में साक्ष्यों का निरीक्षण एवं पुन:निष्पादन। 3. नए राजस्व लेखा मानक के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड करने और प्रकट करने में ठेका तथा सम्बद्ध सूचना में व्यवहृत संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली के उपयोग और परिवर्तन प्रबंधन नियंत्रण का परीक्षण। 4. जारी अनुबंधों का चयनित नमूना और निम्नलिखित प्रक्रियाओं का निष्पादन : • इन अनुबंधों में अलग-अलग

4.	In case of the subsidiary, there is Change in method of depreciation in Excavators 1.2 to 5 Cum during current accounting period, there is bifurcation of Excavators operating in Hot Slag & Normal Activity. Refer Note 2 to the consolidated financial Statements.	The subsidiary's auditor reported that the impact of the same depreciation for the current accounting period is up by ₹ 8.83 Million and resultant decrease by the same in profit.
5.	The accuracy of recognition, measurement, presentation and disclosures of revenues and other related balances in view of adoption of Ind AS 115 "Revenue from Contracts with Customers" (new revenue accounting standard). In case of the subsidiary, the application of the new revenue accounting standard involves certain key judgments relating to identification of distinct performance obligations, determination of transaction price of the identified performance obligations, the appropriateness of the basis used to measure revenue recognized over a period. Additionally, new revenue accounting standard contains disclosures which involves collation of information in respect of disaggregated revenue and periods over which the remaining performance obligations will be satisfied subsequent to the balance sheet date. Refer Note 1.C.9 to the consolidated financial statements	The subsidiary's auditor assessed the subsidiary's process to identify the impact of adoption of the new revenue accounting standard. Their Audit approach consisted testing of the design and operating effectiveness of the Internal controls and substantive testing as follows: 1. Evaluated the design of internal controls relating to implementation of the new revenue accounting standard. 2. Selected sample of counting and new contracts, and tested the operating effectiveness of the internal control, relating to identification of the distinct performance obligations and determination of transaction price. They carried out a combination of procedures involving enquiry and observations, reperformance and inspection of evidence in respect of operation of these controls. 3. Tested the relevant information technology system's access and change management controls relating to contracts and related information used in recording and disclosing revenue in accordance with the new revenue accounting standard. 4. Selected sample of continuing contracts and performed the following procedures : • Read, analyzed and identified the distinct

		निष्पादन दायित्वों का अध्ययन, विश्लेषण और पहचान किया गया। • सहायक कंपनी द्वारा पहचाने और रिकॉर्ड किए गए इन निष्पादन दायित्व का तुलना। • ग्राहकों की स्वीकृति, बाद के चालान और संग्रह और विवादों की ऐतिहासिक प्रवृत्ति शामिल करते हुए समय और सामग्री अनुबंधों के लिए दर्ज राजस्व के संबंध में नमूने अनुमोदित समय पत्रक के संयोजन का उपयोग करके परीक्षण किए गए थे। • निर्धारित मूल्य अनुबंधों से संबंधित नमूनों के संबंध में, रिकॉर्ड किए गए राजस्व की गणना के लिए उपयोग किए जाने वाले निष्पादन दायित्व की संतुष्टि की प्रगति को समय रिकॉर्डिंग और बजट प्रणालियों से वास्तविक और अनुमानित प्रयासों के साथ सत्यापित किया गया था । उन्होंने इन प्रणालियों से संबंधित पहुंच और परिवर्तन प्रबंधन नियंत्रण का भी परीक्षण किया। • प्रकार और सेवा प्रदान के आधार पर अलग किए गए राजस्व के नमूने का परीक्षण अंतर्निहित अनुबंधों में निर्दिष्ट प्रदर्शन ओब्लीगेशन के साथ किया गया था • प्रकार और सेवा प्रदान द्वारा प्रकट राजस्व की तर्कशीलता के लिए विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं का निष्पादन किया • उन्होंने अवधि से संबंधित प्रकटीकरण तैयार करने के लिए उपयोग की जाने वाली बजट प्रणाली से उत्पन्न रिपोर्ट की सूचना और तर्क के टकराव की समीक्षा की, जिस पर शेष निष्पादन दायित्वों को बैलेंस शीट की तारीख के बाद संतुष्ट किया जाएगा।			performance obligations in these contracts. • Compared these performance obligations with that identified and recorded by the subsidiary. • Samples in respect of revenue recorded for time and material contracts were tested using a combination of approved time sheets including customer acceptances, subsequent invoicing and historic trend of collections and disputes. • In respect of samples relating to fixed price contracts, progress towards satisfaction of performance obligation used to compute recorded revenue was verified with actual and estimated efforts from the time recording and budgeting systems. They also tested the access and change management controls relating to these systems. • Sample of revenues disaggregated by type and service offerings was tested with the performance obligations specified in the underlying contracts. • Performed analytical procedures for reasonableness of revenues disclosed by type and service offerings. • They reviewed the collation of information and logic of the report generated from the budgeting system used to prepare the disclosure relating to the periods over which the remaining performance obligations will be satisfied subsequent to the balance sheet date.

समेकित वित्तीय विवरणी तथा लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट इस पर मंतव्य को छोड़ कर सूचना रिपोर्ट

होल्डिंग कंपनी की निदेशक मंडली अन्य सूचना तैयार करने के लिए जिम्मेवार है। अन्य सूचनाओं में प्रबंधन विचार-विमर्श तथा विश्लेषण, निदेशक की रिपोर्ट का संलग्नक सहित निदेशक रिपोर्ट, नैगम शासन तथा शेयरधारक की सूचना शामिल है परन्तु उस पर समेकित वित्तीय विवरणी तथा हमारे लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट शामिल नहीं है। इस लेखा-परीक्षा की रिपोर्ट की तिथि के पश्चात् वार्षिक रिपोर्ट हमें उपलब्ध कराने की सम्भावना है।

समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय अन्य जानकारी को शामिल नहीं करती है और हम उस पर किसी भी तरह का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संबंध में हमारी जिम्मेदारी, अन्य जानकारी प्राप्त करने, अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित सहायक और संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरण की इन संस्थानों से सम्बद्धता की तुलना करने और ऐसा करने में अन्य लेखा परीक्षकों के काम पर निर्भरता रखने और समेकित वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारियों की भौतिक असंगतता पर विचार करने या ऑडिट के दौरान प्राप्त हमारा जानकारी या अन्यथा भौतिक रूप से असंगत प्रतीत होने से है। अन्य जानकारी जहां तक उनका सम्बंध सहायक और संयुक्त उद्यम से है, उनके लेखा परीक्षकों द्वारा ऑडिट किए गए वित्तीय विवरणों से पता लगाया जाता है।

जब हम वार्षिक रिपोर्ट (प्रतिवेदन) का अध्ययन करते हैं और अगर यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उसमें गलत बयान है, शासन से जुड़े लोगों को मामले की सम्प्रेषित करना एवं प्रयोज्य नियमों एवं विनियमों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करना हमारी अपेक्षा है।

समेकित वित्तीय विवरणी हेतु प्रबंधन तथा शासन प्रभार का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) की धारा 134 (5) में वर्णित मामलों , इन समेकित वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में जो समेकित वित्तीय स्थिति का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं, समेकित वित्तीय प्रदर्शन (अन्य व्यापक आय सहित), अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखा मानक सहित आमतौर पर भारत में स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार अपने संयुक्त उद्यम के साथ समूह की इक्विटी में परिवर्तन और समेकित नकदी प्रवाह के समेकित विवरण के लिए जिम्मेदार है । संबंधित कंपनियों के निदेशक मंडल अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, जो ग्रुप और इसके संयुक्त उद्यम में शामिल हैं, समूह और उसके संयुक्त उद्यम की संपत्ति की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने, लेखांकन नीतियों के उचित कार्यान्वयन और रखरखाव का चयन और आवेदन, उचित और विवेकपूर्ण निर्णय और अनुमान लगाने तथा पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, पर्याप्त लेखा अभिलेखों के रखरखाव के लिए जिम्मेदार हैं जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण तथा भौतिक गलतबयानी से मुक्त, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटिवश हो, समेकित वित्तीय विवरण की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक है और जिसका उपयोग धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा पूर्वोक्त के रूप में समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य से किया गया है ।

Information Other than the Consolidated Financial Statements and Auditor's Report Thereon Opinion

The Holding Company's Board of Directors is responsible for the preparation of the other information. The other information comprises the information included in the Management Discussion and Analysis, Board's Report including Annexure to Board's Report, Corporate Governance and Shareholder's Information, but does not include the consolidated financial statements and our auditor's report thereon. The annual report is expected to be made available to us after the date of this auditor's report.

Our opinion on the consolidated financial statements does not cover the other information and we do not express any form of assurance conclusion thereon.

In connection with our audit of the consolidated financial statements, our responsibility is to read the other information, compare with the financial statement of the subsidiary and joint venture audited by the other auditors, to the extent it relates to these entities, and, in doing so, place reliance on the work of the other auditors and consider whether the other information is materially inconsistent with the consolidated financial statements or our knowledge obtained during the course of our audit or otherwise appears to be materially misstated. Other information so far as it relates to the subsidiary and joint venture, is traced from their financial statements audited by the other auditors.

When we read the annual report, if we conclude that there is a material misstatement therein, we are required to communicate the matter to those charged with governance and take necessary actions as per applicable laws and regulations.

Responsibilities of Management and Those Charged with Governance for Consolidated Financial Statements

The Holding Company's Board of Directors is responsible for the matters stated in section 134(5) of the Companies Act, 2013 ("the Act") with respect to the preparation of these consolidated financial statements that give a true and fair view of the consolidated financial position, consolidated financial performance (including other comprehensive income), consolidated statement of changes in equity and consolidated cash flows of the Group including its joint venture in accordance with the accounting principles generally accepted in India, including the Accounting Standards specified under section 133 of the Act. The respective Board of Directors of the Companies included in the Group and of its joint venture are responsible for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Group and its joint venture and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate implementation and maintenance of accounting policies; making judgments and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the consolidated financial statement that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error, which have been used for the purpose of preparation of the consolidated financial statements by the Directors of the Holding Company, as aforesaid.

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह में शामिल कंपनियों और इसके संयुक्त उद्यम के संबंधित निदेशक मंडल ग्रुप और इसके संयुक्त उद्यम को चालू संस्था के रूप में आकलन करने हेतु जिम्मेवार हैं जैसे कि चालू संस्था में लागू संबंधित विषय और लेखांकन आधार का उपयोग कर प्रकटीकरण करना है, जब तक प्रबंधन या तो अपने संयुक्त उद्यम सहित समूह को समाप्त करने का इरादा नहीं रखता है या संचालन को रोकने के लिए, या इसका कोई वास्तविक विकल्प नहीं है ऐसा करना ही है।

समूह और उसके संयुक्त उद्यम में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल समूह और उसके संयुक्त उद्यम की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए भी जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरणी की लेखा-परीक्षा हेतु लेखा-परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य समेकित वित्तीय विवरणी को समग्र रूप में, जालसाजी या त्रुटिवश, किसी प्रकार के गलत बयान से मुक्त होनो के पक्ष में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करने तथा लेखा-परीक्षक का रिपोर्ट निर्गत करना है जिसमें हमारे मन्तव्य शामिल हों। उपयुक्त आश्वासन एक उच्च स्तरीय आश्वासन है, परन्तु यह प्रमाण नहीं है कि समेकित लेखा के अनुपालन में संचालित लेखा-परीक्षा हमेशा ही उसमें विद्यान गलत बयान को प्रतिचिह्नित करोगा। गलत बयान धाखाधड़ी या त्रुटिवश भी हो सकते हैं तथा वे, व्यक्तिगत या समग्र रूप में, गलत माने जाएँगे यदि वे उचित रूप में, गलत माने जाएँगे यदि वे उचित रूप से समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर प्रयोक्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित करते हैं।

एस ए के अनुसार लेखा-परीक्षा के अंश के रूप में पूरी लेखा-परीक्षा के दौरान हम व्यवसायिक निर्णय लेते हैं तथा व्यवसायिक संदेहवाद बनाये रखते हैं। हमः

- समेकित वित्तीय विवरणी में सामग्रीगत गलतबयानी के जोखिम को प्रतिचिह्नित तथा मूल्यांकित करते हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटिवश, उन जोखिमों के प्रति उत्तर में लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं का निष्पादन तथा डिजाईन और लेखा-परीक्षासाक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारे मन्तव्य के आधार को पर्याप्त एवं उपयुक्तता प्रदान करे। धोखाधड़ी से उत्पन्न सामग्रीगतगलतबयानी को पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटिवशहुई गलतबयानी से कहीं अधिक है चूँकि धोखाधड़ी से निष्कर्ष, जालसाजी, जानबूझकर की गयी चूक, कॉलुशन या आंतरिक नियंत्रण का अतिक्रमण शामिल हो सकता है।
- लेखा-परीक्षा प्रक्रियाओं का गठन करने के लिए लेखा-परीक्षा हेतु उपयुक्त परिस्थितियों के अनुरूप आंतरिक नियंत्रण का समझ प्राप्त करते हैं। अधिनियम की धारा143 (3)(I) के अधीन, सही तरीके से कंपनी की पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली तथा ऐसे नियंत्रणों की प्रचालनगत प्रभावशीलता पर अपना मन्तव्य व्यक्त करना भी हमारी जिम्मेवारी बनती है।
- व्यवहार में लाये गये लेखागत नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखागत आंकलनों की औचित्यता तथा प्रबंधन द्वारा किये गये सम्बंधित प्रकटीकरण का मूल्यांकन करते हैं।
- चालु प्रतिष्ठान के आधार पर प्रबंधन की लेखा के व्यवहार की उपयुक्ता तथा प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना कि घटनाओं तथा परिस्थितियों से सम्बंधित सामग्रीगत अनिश्चितता एवं चालु

In preparing the consolidated financial statements, the respective Board of Directors of the companies included in the Group and of its joint venture are responsible for assessing the ability of the Group and its joint venture to continue as a going concern, disclosing, as applicable, matters related to going concern and using the going concern basis of accounting unless management either intends to liquidate the Group including its joint venture or to cease operations, or has no realistic alternative but to do so.

The respective Board of Directors of the companies included in the Group and of its joint venture are also responsible for overseeing the financial reporting process of the Group and of its joint venture.

Auditor's Responsibilities for the Audit of the Consolidated Financial Statements

Our objectives are to obtain reasonable assurance about whether the consolidated financial statements as a whole are free from material misstatement, whether due to fraud or error and to issue an auditor's report that includes our opinion. Reasonable assurance is a high level of assurance, but is not a guarantee that an audit conducted in accordance with SAs will always detect a material misstatement when it exists. Misstatements can arise from fraud or error and are considered material if, individually or in the aggregate, they could reasonably be expected to influence the economic decisions of users taken on the basis of these consolidated financial statements.

As part of an audit in accordance with SAs, we exercise professional judgment and maintain professional skepticism throughout the audit. We also:

- Identify and assess the risks of material misstatement of the consolidated financial statements, whether due to fraud or error design and perform audit procedures responsive to those risks and obtain audit evidence that is sufficient and appropriate to provide a basis for our opinion. The risk of not detecting a material misstatement resulting from fraud is higher than for one resulting from error, as fraud may involve collusion, forgery, intentional omissions, misrepresentations, or the override of internal control.
- Obtain an understanding of internal control relevant to the audit in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. Under section 143(3) (i) of the Act, we are also responsible for expressing our opinion on whether the company has adequate internal financial controls system in place and the operating effectiveness of such controls.
- Evaluate the appropriateness of accounting policies used and the reasonablaness of accounting estimates and related disclosures made by managament.
- Conclude on the appropriateness of management's usa of the going concern basis of accounting and, based on the audit evidence obtained, whether a material uncertainty exists related to events or conditions that may cast significant

प्रतिष्ठान के रूप में कंपनी की योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगाया जा सकता है। यदि यह निष्कर्ष निकालते हैं कि सामग्रीगत अनिश्चितता विद्यमान है, हम अपने लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट में समेकितवित्तीय विवरणी में सम्बंधित प्रकटीकरण के प्रति ध्यानाकर्षित कर सकते हैं और यदि ऐसे प्रकटीकरण अपर्याप्तहोते हैं, हम अपनाए मन्तव्य संशोधित करने में। हमारा निष्कर्ष हमारे लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन की तिथी तक प्राप्त लेखा-परीक्षा साक्ष्य पर आधारित होते हैं। यद्यपि, भावी घटनाएँ या स्थिति कंपनी को प्रतिष्ठान के रूप में जारी रहने पर रोक लगा सकती है।

- प्रकटीकरण समेत समेकित वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति, संरचना तथा विषय-वस्तु तथा क्या समेकित वित्तीय विवरणी अंतर्निहित लेन-देन या घटनाओं की निष्पक्ष प्रस्तुति करता है यो स्पष्ट प्रस्तुती देता है, मूल्यांकन करना।
- समेकित वित्तीय निष्पादन पर एक राय व्यक्त करने के लिए समूह और उसके संयुक्त उद्यम के भीतर संस्थाओं या व्यावसायिक गतिविधियों की वित्तीय जानकारी के बारे में पर्याप्त उपयुक्त ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें। हम ऐसी संस्थाओं के वित्तीय विवरणों के ऑडिट की दिशा, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार हैं, जिनमें से समेकित विवरण में हम स्वतंत्र ऑडिटर हैं। समेकित वित्तीय विवरण में शामिल अन्य संस्थाओं के लिए, जिन्हें अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा ऑडिट किया गया है, ऐसे अन्य लेखा परीक्षक उनके द्वारा किए गए ऑडिट की दिशा, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए जिम्मेदार रहते हैं। हम अपनी ऑडिट राय के लिए पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरणी में भौतिकता गलत बयान का मात्रा है कि, व्यक्तिगत या एकत्रित, वित्तीय विवरणी के प्रयोक्ता की उचित जानकारी के आर्थिक निर्णयों को सम्भावित रूप से प्रभावित करता है। हम (i) हमारे लेखा-परीक्षा कार्य के अवसर की योजना बनाने तथा कार्य के परिणाम को मूल्यांकन करने तथा (ii) वित्तीय विवरणी में किसी प्रतिचिह्नित गलत बयान के प्रभाव का मूल्यांकन में परिणात्मक भौतिकत तथा गुणात्मरक भौतिकता पर विचार करते हैं।

हम होल्डिंग कंपनी के शासन के साथ जुड़े लोगों के साथ संवाद करते हैं और ऐसी अन्य इकाइयां जो समेकित वित्तीय विवरणी में शामिल हैं, जिनके बारे में हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं, अन्य मामलों के साथ, ऑडिट की योजनाबद्ध गुंजाइश और समय और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्ष, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियां जिन्हें हम ऑडिट के दौरान पहचानते हैं।

हम भी अभिव्यक्त करते हैं कि हमने अपनी स्वतंत्रता के सम्बंध में उचित नैतिक आवश्कताओं का अनुपालन किया तथा सभी सम्बंधों एवं अन्य मामलों जो उचित रूप से हमारी स्वतंत्रता, जहाँ प्रयोज्य हो, से सम्बंधित सुरक्षा उपायों सहित प्रशासन में शामिल लोगों से सम्प्रेषित किया है।

शासन में शामिल लोगों के साथ सम्प्रेषित मामलों में से हमने उन मामलों का निर्धारण किया जो चालू अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा में बहुत ही महत्वपूर्ण थे इसलिए लेखा परीक्षा मामलों में बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम अपने लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में मामलों का उल्लेख तब तक करते हैं जब तक कि नियम या विनियम मामले को जन प्रकटीकरण के लिए बंद नहीं

doubt on the abilityof the Group and its joint venture to continue as a going concern. If we conclude that a material uncertainty exists, we are required to draw attention in our auditor's report to the related disclosures in the consolidated financial statements or, if such disclosures are inadequate, to modify our opinion. Our conclusions are based on the audit evidence obtained up to the date of our auditor's report. However, future events or conditions may cause the Group and its joint venture to cease to continue as a going concern.

- Evaluate the overall presentation, structure and content of the consolidated financial statements, including the disclosures, and whether the consolidated financial statements represent the underlying transactions and events in a manner that achieves fair presentation.
- Obtain sufficient appropriate audit evidence regarding the financial information of the entities or business activities within the Group and its joint venture to express an opinion on the consolidated financial statements. We are responsible for the direction, supervision and performance of the audit of the financial statements of such entities included in the consolidated financial statements of which we are the independent auditors. For the other entities included in the consolidated financial statements, which have been audited by other auditors, such other auditors remain responsible for the direction, supervision and performance of the audits carried out by them. We remain solely responsible for our audit opinion.

Materiality is the magnitude of misstatements in the consolidated financial statements that, individually or in aggregate, makes it probable that the economic decisions of a reasonably knowledgeable user of the financial statements may be influenced. We consider quantitativa materiality and qualitative factors in (i) planning the scope of our audit work and in evaluating the results of our work; and (ii) to evaluate the effect of any identified misstatements in the financial statements.

We communicate with those charged with governance of the Holding Company and such other entities included in the consolidated financial statements of which we are the independent auditors regarding, among other matters, the planned scope and timing of the audit and significant audit findings, including any significant deficiencies in internal control that we identify during our audit.

We also provide those charged with governance with a statement that we have complied with relevant ethical requirements regarding independence, and to communicate with them all relationships and other matters that may reasonably be thought to bear on our independence, and where applicable, related safeguards.

From the matters communicated with those charged with governance, we determine those matters that were of most significance in the audit of the consolidated financial statements of the current period and are therefore the key audit matters. We describe these matters in our auditor's report unless law or regulation precludes public disclosure about the matter or when,

करता या जब, किसी विशेष परिस्थिति में हम यह निर्णय लेते हैं कि हमारे रिपोर्ट में इसे सम्प्रेषित नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम इस सम्प्रेषण के जनसमर्थित लाभों की ओर निश्चित रूप से अपेक्षित होंगे।

अन्य मामलों

हमने 01 सहायक कंपनी के वित्तीय विवरणों का लेखा-जोखा नहीं किया है, जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2019 तक ₹ 3733.19 मिलियन रुपये की कुल संपत्ति को दर्शाता है, कुल राजस्व 3784.13 मिलियन रुपये, ₹266.88 मिलियन के कर के बाद कुल शुद्ध लाभ, ₹ 223.75 मिलियन की कुल व्यापक आय तथाउस वर्ष के लिए उस तारीख को समाप्त ₹51.47 मिलियन रुपये का नकद बहिर्वाह (शुद्ध) समेकित वित्तीय विवरणी में माना गया है । समेकित वित्तीय विवरणों में समूह का हिस्सा का शोयर ₹ 29.07 मिलियन रुपये के शुद्ध नुकसान का भी शामिल है और 1 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 29.19 मिलियन रुपये का कुल व्यापक नुकसान, जैसा कि 01 संयुक्त उद्यम के समेकित वित्तीय विवरणों का हमारे द्वारा ऑडिट नहीं किया गया है। इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया है, जिनकी रिपोर्ट होल्डिंग कंपनी के प्रबंधन और समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय से सुसज्जित है, अब तक यह सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम के संबंध में शामिल राशियों और खुलासों से संबंधित है, और अधिनियम की धारा 143 की उप-धाराओं (3) और (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक यह उपर्युक्त सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम से संबंधित है पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय और नीचे अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, उपरोक्त मामलों के संबंध में संशोधित नहीं किया गया है, और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोट और प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों की रिपोर्ट पर हमारी निर्भरता है।

अन्य विधिक तथा विनियमक आवश्यकताओं पर प्रतिवेदन

1. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने अधिनियम की धारा 143 की उप धारा (5) के संदर्भ में क्षेत्रों की जाँच करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका अनुपालन "अनुलग्नक ए". में निर्धारित किया गया है।

2. अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा यथा अपेक्षित, हम प्रतिवेदित करते हैं कि :

   (क) हमने हमारे लेखा-परीक्षा के उद्देश्य से आवश्यकतानुसार सभी सूचना एवं जानकारी मांगी और प्राप्त कर ली है जो हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सर्वोपरि है।

   (ख) हमारे विचार में, उपयुक्त लेखा-बही जो विधि द्वारा अपेक्षित है उपर्युक्त समेकित विवरण तैयार करने हेतु, कपंनी द्वारा रखे गये हैं, जैसा कि इन पुस्तकों की हमारे द्वारा जाँच तथा अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से पता चलता है।

   (ग) समेकित तुलन-पत्र, समेकित लाभ व हानि विवरणी (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन की समेकित विवरणी तथा नकद प्रवाह का समेकित विवरणी जिसके द्वारा यह रिपोर्ट समर्थित है, वे लेखा-बही के अनुसार जो समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य राखरखाव किया जाता है।

   (घ) हमारे विचार में, ऊपरकथित समेकित वित्तीय विवरणी अधिनियम की धारा 133 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट रेखा मानकों का अनुपालन करता है।

in extremely rare circumstances, we determine that a matter should not be communicated in our report because the adverse consequences of doing so would reasonably be expected to outweigh the public interest benefits of such communication.

Other Matters

We did not audit the financial statements of 01 subsidiary whose financial statements reflect total assets of ₹ 3733.19 Million as at 31st March, 2019, total revenues of ₹ 3784.13 Million, total net profit after tax of ₹ 266.88 Million, total comprehensive income of ₹ 223.75 Million and cash outflows (net) of ₹ 51.47 Million for the year ended on that date as considered in the consolidated financial statements. The consolidated financial statements also include the Group's share of net loss of ₹ 29.07 Million and total comprehensive loss of ₹ 29.19 Million for the year ended 31st March, 2019, as considered in the consolidated financial statements, in respect of 01 joint venture, whose financial statements have not been audited by us. These financial statements have been audited by other auditors whose reports have been furnished to us by the Holding Company's Management and our opinion on the consolidated financial statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of the subsidiary and joint venture, and our report in terms of sub-sections (3) and (11) of Section 143 of the Act, in so far as it relates to the aforesaid subsidiary and joint venture is based solely on the reports of the other auditors.

Our opinion on the consolidated financial statements and our report on Other Legal and Regulatory Requirements below, is not modified in respect of the above matters with respect to our reliance on the work done and the reports of the other auditors and the financial statements certified by the Management.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

1. The Comptroller and Auditor General of India has issued Directions indicating the areas to be examined in terms of sub section (5) of section 143 of the Act, compliance of which are set out in "Annexure A".

2. As required by Section 143(3) of the Act, we report that:

   (a) We have sought and obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit of the aforesaid consolidated financialstatemants.

   (b) In our opinion, proper books of account as required by law relating to preparation of the aforesaid consolidated financial statements have been kept so far as it appears from our examination of those books and the reports of the other auditors.

   (c) The Consolidated Balance Sheet, the Consolidated Statement of Profit and Loss (including Other Comprehensive Income), Consolidatad Statement of Changes in Equity and the ConsolidatedCash Flow Statement dealt with by this Raport are in agreement with the relevant books of accountmaintained for the purpose of preparation of the consolidated financial statements.

   (d) In our opinion, the aforesaid consolidatedfinancial stetements comply with the Accounting Standards specified under Section 133 of the Act.

(ङ) निगम मामले के मंत्रालय द्वारा निर्गत अधिसूचना संख्या जी.एस.आर 463(ई) दिनांक जून 05, 2015, निदेशको की योग्यता के सम्बंध में अधिनियम की धारा 164(2) सरकारी कंपनी पर प्रयोज्य नहीं है।

(च) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की संचालनगत प्रभावशिलता के सम्बंध में 'अनुलग्नक-जी' में हमारे पृथक रिपोर्ट का संदर्भ ग्रहण करें ।

(छ) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल, नैगम मामले मंत्रालय द्वारा निर्गत अधिसूचना संख्या 463 (ई) दिनांक 05 जून, 2015, अधिनियम की धारा 197 (16) के तहत इस कंपनी पर प्रबंधकीय पारिश्रमिक सम्बंधी मामले प्रयोज्य नहीं है, चूंकि यह एक सरकारी कंपनी है। इसकी संहायक कंपनी एवं संयुक्त उद्यम के सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों के आधार पर, वर्ष के दौरान संबंधित कंपनियों द्वारा उनके निदोशकों को अधिनियम की धारा 197 के प्रावधानों के अनुसार पारिश्रमिक भुगतान किया गया।

(ज) अन्य मामलों के साथ ही कंपनी (लेखा-परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुरूप लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल अन्य मामलों के सम्बंध में, हमारे विचार तथा हमारी सर्वोपरी जानकारी तथा हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार इस रिपोर्ट में शामिल किये गये हैं।

i. ग्रुप तथा संयुक्त उद्यम के समेकित वित्तीय विवरणी- संदर्भ टिप्पणी 37 (क) में अपनी वित्तीय स्थिति पर लम्बित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटीकरण किया गया है।

ii. कंपनी के पास डेरिवेटिव अनुबंध सहित अन्य कोई दीर्घकालीक अनुबंध नहीं है जिसके कारण निकट भविष्य में कोई भौतिक हानि होने वाली हो। सहायक कंपनी ने लागू कानून या लेखा मानकों के तहत जरूरत के अनुसार, डेरिवेटिव संविदाओं सहित दीर्घ मेयादी संविदाओं पर भौतिक निकट हानि अगर कोई है, के लिए प्रावधान किया है।

iii. स्थानांनतरित राशि, जिसका समुह द्वारा स्थानांतरण अपेक्षित हो, निवेशक शिक्षा तथा कंपनी की संरक्षा निधि में कोई विलम्ब नहीं हुआ है। संयुक्त उद्यम के संबंध में , कंपनी द्वारा इंवेस्टर एडूकेशन एंड प्रोटेक्शन फंड में कोई राशि अंतरण करने की जरूरत नहीं थी।

कृते डी. के. छाजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संगठन पंजीकरण संख्या-304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
सदस्य सं.-057170

स्थान - कोलकाता
दिनांक - 29 मई, 2019

(e) As per notification number G.S.R. 463(E) dated June 05, 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, section 164(2) of the Act regarding the disqualifications of Directors is not applicable on Government Companies.

(f) With respect to the adequacy of the internal financial controls over financial reporting of the Company and the operating effectiveness of such controls, refer to our separate Report in "Annexure B".

(g) With respect to the other matters to be included in the Auditor's report, as per notification no. GSR 463 (E) dated 05 June, 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, Section 197(16) of the Act regarding the Managerial remuneration is not applicable to the Holding company, since it is a Government Company. On tha basis of the reports of the statutory auditors of its subsidiary and joint venture, the remuneration paid by the respective companies to their directors during the year is in accordance with the provisions of Section 197 of the Act.

(h) With respect to the other matters to be included in the Auditors Report in accordance with Rule 11 of the Companies (Audit and Auditors) Rules, 2014, in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The consolidated financial statements disclose the impact of pending litigations on the consolidated financial position of the Group and joint venture- Refer Note 37 (a) to the consolidated financial statements.

ii. The Holding Company and its joint venture did not have any long-term contracts including derivative contracts for which there were any material foreseeable losses. The subsidiary has made provision, as required under the applicable law or accounting standards, for material foreseeable losses; if any, on long-term contracts including derivative contracts.

iii. There has been no delay in transferring amounts, required to be transferred, to the Investor Education and Protection Fund by the Group. In respect of tha joint venture, no amounts were required to be transferred to the Investor Education and Protection Fund by the Company.

For D K Chhajer & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 304138E

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place : Kolkata
Date: 29 May, 2019

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-ए

आज की तिथि को हमारे रिपोर्ट के भाग 'अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' के अधीन कंडिका 1 के संदर्भ में ।

कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उपधारा 5 के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी निदेशों के अनुसार कंपनी के अभिलेखों के सत्यापन तथा हमें दी गयी जानकारी तथा स्पष्टीकरण के अनुसार हम रिपोर्ट करते हैं कि -

क्र.संख्या	निदेशक	लेखा-परीक्षक का जवाब
1.	क्या कंपनी के पास आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखागत लेन-देन प्रक्रिया के लिए प्रणाली की समुचित व्यवस्था है? यदि हाँ तो, वित्तीय निहितार्थ सहित लेखा की प्रमाणिकता पर आईटी प्रणाली से परे लेखागत लेन-देन की प्रक्रिया के प्रभाव, यदि हो, का वर्णन किया जाए ।	**होल्डिंग कंपनी के मामले में :** हाँ, कंपनी के पास सभी लेखागत लेन-देन के लिए आईटी सॉफ्टवेयर या प्रणाली की समुचित व्यवस्था है। आईटी प्रणाली के माध्यम सभी लेखागत लेन-देन प्रक्रिया के लिए कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली है । **सब्सिडियरी के मामले में, सब्सिडियरी ऑडिटर ने बताया कि :** कंपनी एकीकृत लेखांकन पैकेज यानी फास्ट पैकेज के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन की प्रक्रिया करती है। कंपनी के पास (1) पेरोल और (2) इन्वेंटरी के लिए 2 आईटी पैकेज भी हैं जो संयुक्त उद्यम के माध्यम से लेखांकन पैकेज में एकीकृत हैं। पेरोल और इन्वेंट्री के संबंध में पूरा वित्तीय डेटा लेखांकन पैकेज यानी फास्ट पैकेज में शामिल किया गया है।
2.	क्या कंपनी द्वारा ऋण के भुगतान की असमर्थता के कारण देनदार द्वारा कंपनी को दिये गये ऋण में कोई पुनर्गठन या माफी के मामले/ऋण/घाटा/ब्याज आदि को बट्टे खाते में डाला गया। यदि हां तो वित्तीय प्रभाव का वर्णन किया जाए ।	**होल्डिंग कंपनी के मामले में:** नहीं, कंपनी द्वारा ऋण के भुगतान की असमर्थता के कारण देनदार द्वारा कंपनी को दिये गये ऋण में कोई पुनर्गठन या माफी के मामले/ऋण/घाटा/ब्याज आदि को बट्टे खाते में नहीं डाला गया **सब्सिडियरी के मामले में, सब्सिडियरी ऑडिटर ने बताया कि :** कंपनी ने वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है। इसलिए कंपनी के ऋण की अदायगी में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी के लिए मौजूदा ऋण या छूट / ऋणों / ब्याज आदि के मामलों का पुनर्गठन नहीं किया जाता है।
3.	क्या केन्द्रीय / राज्य अभिकरणों से विशिष्ट योजना हेतु प्राप्त / प्राप्युयाग्य किसी निधि के उपयोग हेतु उसके नियमों और शर्तों के अनुसार सही हिसाब लगाया गया था?	**होल्डिंग कंपनी के मामले में :** नहीं, केन्द्रीय / राज्य अभिकरणओं से विशिष्ट योजना हेतु प्राप्ययोग्य/ प्राप्त है रही निधि का ऐसा कोई मामला नहीं है । **सब्सिडियरी के मामले में, सब्सिडियरी ऑडिटर ने बताया कि :** वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान कंपनी को केंद्रीय / राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए कोई फंड नहीं मिला है।

कृते डी. के. छाजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
संगठन पंजीकरण संख्या-304138इ

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
सदस्य सं.-057170

स्थाय - कोलकाता
दिनांक - 29 मई, 2019

ANNEXURE A TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 1 under the heading "Report on other Legal and Regulatory requirements" of our report of even date)

Directions issued by the Comptroller and Auditor General of India under sub section 5 of Section 143 of the Companies Act, 2013, based on the verification of records of the Company and according to information and explanations given to us, we report as under :

Sl. No.	Director	Auditor's Reply
1.	Whether the company has system in place to process all the accounting transactions through IT system? If yes, the implications of processing of accounting transactions outside IT system on the integrity of the accounts along with the financial implications, if any, may be stated.	**In case of Holding Company :** Yes, the Company has IT software and systems in place to process all the accounting transactions. The Company has adequate internal control system to process all accounting transactions through IT system. **In case of the Subsidiary,the Subsidiary's Auditor reported that :** The Company processes all accounting transactions through Integrated Accounting package i.e. FAST Package. The Company has also 2 nos IT package for (1) Payroll & (2) Inventory which are integrated in Accounting Package through J/Vs. Complete financial data with respect to Payroll & Inventory are incorporated in Accounting Package i.e. FAST Package.
2.	Whether there is any restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan? If yes, the financial impact may be stated.	**In case of Holding Company :** No there is no such case of restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan. **In case of the Subsidiary, the Subsidiary's Auditor reported that :** The Company has not taken any loan during the F.Y. 2018-19. Hence there is no restructuring of an existing loan or cases of waiver/write off of debts/loans/interest etc. made by a lender to the company due to the company's inability to repay the loan.
3.	Whether funds received/receivable for specific schemes from central/state agencies were properly accounted for utilized as per its term and conditions? List the cases of deviation.	**In case of Holding Company :** No there is no such case of funds being received/receivable for specific schemes from central/state agencies. **In case of the Subsidiary, the Subsidiary's Auditor reported that :** During the F.Y. 2018-19 the Company has not received any fund for specific schemes from central/state agencies.

For D K Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN. 304138E

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place : Kolkata
Date: 29 May, 2019

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक-बी

(31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण पर एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्य के प्रति सम दिनांकित हमारी रिपोर्ट की 'अन्य कानुनी एवं नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट' के अधीन अनुच्छेद 2(एफ) के संदर्भ में)

कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के अधीन वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण की ऑडिट के साथ, हमने एमएसटीसी लिमिटेड ("होल्डिंग कंपनी") और उसकी सहायक कंपनी (होल्डिंग कंपनी और उसके सहायक कंपनी सामुहिक रूप से "ग्रुप" के रूप में संदर्भित है) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का ऑडिट किया है, जो कि इस तारीख को भारत में शामिल एक कंपनी है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु प्रबंधन की जिम्मेवारी

कंपनी का प्रबंधन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स आफ इंडिया (गाइडेंस नोट) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा-निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रणके आवश्यक अवयवों पर विचार कर कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड के आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने एवं रख-रखाव करने हेतु समुह एवं संयुक्त उद्यम के संबंधित निदेशक मंडली जिम्मेवार है। इन जिम्मेवारियों में सामिल है पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की डिजाइन, कार्यान्वयन एवं रख-रखाव जो अपने व्यापार के आगामी व्यवस्थित एवं प्रभावी आवरण हेतु प्रभावी रूप से परिचालन सहित कंपनी की नीतियां, इसके संपत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण एवं धोखाधड़ी एवं त्रुटी पता लगाना, लेखा रिकार्डस की सटीकता एवं पूर्णता तथा विश्वसनीय वित्तीय जानकारी समयबद्ध तैयार करना जैसा कि अधिनियम में अपेक्षित है शामिल है।

लेखा परीक्षक की जिम्मेवारी

हमारी जिम्मेवारी हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित ग्रुप तथा संयुक्त उद्यम की वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर विचार व्यक्त करना है। हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के अधीन लेखा परीक्षण पर निर्धारित मानकों एवं दिशा निर्देश टिप्पणी, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण हेतु इंस्टिच्यूट ऑफ चार्टड एकाउन्टेंट ऑफ इंडिया द्वारा जारी जहाँ तक लागू है, के अनुसार अपना लेखा परीक्षण संचालित किया है। उन मानकों एवं दिशा-निर्देश टिप्पणी की अपेक्षिता होती है कि हम नीतिगत अपेक्षिता एवं योजना का अनुपालन करें एवं वित्तीय रिपोर्ट जो स्थापित एवं नियंत्रण किये गये थे के ऊपर क्या पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण किया गया एवं ऐसे नियंत्रण सभी वस्तुनिष्ट पहलुओं में प्रभावी रूप से संचलित किये गये के बारे में उपयुक्त सुनिश्चितता प्राप्त कर लेखा परीक्षण करता है।

हमारे लेखा परीक्षण में वित्तीय रिपोर्टएवं उनके प्रभावी रूप से परिचालन के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षण साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादित कार्यविधि शामिल है। हमारा वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण में शामिल है वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझदारी प्राप्त करना, जोखिम जो वर्तमान सामग्री कमजोरी का निर्धारण करना एवं जांच करना तथा आकलित जोखिम पर आधारित आंतरिक नियंत्रण प्रभावशाली डिजाइन एवं परिचालन

ANNEXURE B TO THE INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

(Referred to in paragraph 2 (f) under "Report on Other Legal and Regulatory Requirements" section of our report of even date to the members of MSTC Limited on the Consolidated Financial Statements for the year ended 31 March 2019).

Report on the Internal Financial Controls over Financial Reporting under Clause (i) of sub-section 3 of Section 143 of the Companies Act, 2013 ("the Act")

In conjunction with our audit of the Consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2019, we have audited the internal financial controls over financial reporting of MSTC LIMITED ("the Holding Company") and its subsidiary company (the Holding Company and its subsidiary together referred to as "the Group") and joint venture, which is a Company incorporated in India as of that date.

Management's Responsibility for Internal Financial Controls

The respective Board of Directors of the Group and the joint venture incorporated in India are responsible for establishing and maintaining internal financial controls based on the internal control over financial reporting criteria established by the respective Companies considering the essential components of internal control stated in the Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India ("ICAI"). These responsibilities include the design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls that were operating effectively for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Company's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information, as required under the Companies Act, 2013.

Auditors' Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the internal financial controls over financial reporting of the Group and the joint venture, based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed under section 143(10) of the Act and Guidance Note on Audit of Internal Financial Controls Over Financial Reporting (the "Guidance Note"), to the extent applicable to an audit of internal financial controls, both issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards and Guidance Note require that we comply with the ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether adequate internal financial controls over financial reporting was established and maintained and if such controls operated effectively in all material aspects.

Our audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the adequacy of the internal financial controls system over financial reporting and their operating effectiveness. Our audit of internal financial controls over financial reporting included obtaining an understanding of internal financial controls over financial reporting, assessing the risk that a material weakness exists, and testing and evaluating the design and operating effectiveness of internal control based on the assessed risk.

का मूल्यांकन करना। चयनित कार्यविधि लेखा परीक्षण के निर्णय पर निर्भर करता है जिसमें शामिल है समेकित वित्तीय विवरण के सामग्रियों का गलत विवरण के जोखिम का आकलन, जो धोखाधड़ी या त्रुटी के कारण है।

हम यह विश्वास करते हैं कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर समुह की आतंरिक वित्तीय प्रणाली के बारे में हमारी लेखा परीक्षा की राय के लिए एक आधार प्रदान करने हेतु हमें जो लेखा परीक्षा साक्ष प्राप्त हुए एवं नीचे वर्णित अनुच्छेद अन्य विषय वस्तुओं से संदर्भित अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा उनकी रिपोर्ट के अनुसार जो साक्ष प्राप्त होते हैं व पर्याप्त एवं उपयोक्त हैं।

वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का तात्पर्य

वित्तीय रिपोर्टि पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक कार्य पद्धति है। जो समान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्त के अनुसार वाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार करने एवं वित्तीय रिपार्टिंग की विश्वासनीयता के विषय में सुसंगत आश्वासन प्रदान करने के लिए निरुपित है। कंपनी की रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण हेतु निम्नलिखित नीतियां एवं प्रक्रिया शामिल है :

क. रिकार्ड के रख-रखाव के सम्बंध में जो कंपनी की परिसंपत्ति के लेनदेन एवं स्थिति को सुसंगत विस्तार में सटिक रूप से एवं सही रूप से प्रदर्शित करती है।

ख. यथा संगत आश्वासन प्रदान करती हैं की लेनदेन को रिकॉर्ड किया गया है जैसा की सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने की अनुमति के लिए अपेक्षित है एवं कंपनी की प्राप्तिया एवं व्यय केवल कपंनी के प्रबंधन और निदेशको के प्राधिकरणों के अनुसार किए जा रहे हैं, और

ग. कंपनी परिसंपत्तिओं के अनाधिकृत अधिग्रहण, प्रयोग व स्थिति जिनका वित्तीय विवरणों पर भौतिक प्रभाव पर सकता था, के निवारण यथा समय पता लगाने के विषय में सुसंगत आश्वासन प्रदान करना.

वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएं

चूँकि वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमा में शामिल है नियंत्रण का दूरभिसंधि या अनुचित प्रबंधन ओवरराइड, त्रूटी या धोखाधड़ी के कारण सामग्रियों का गलत विवरण एवं पता नहीं लग पाना। भविष्य के वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का किसी मूल्यांकन का प्रक्षेपण जोखिम का विषय है जो वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थिति में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के अंश में कमी हो सकती है।

योग्यतापूर्ण विचार

हमें दी गई जानकारी एवं विश्लेषण के अनुसार एवं हमारे लेखा परीक्षण पर आधारित 31 मार्च 2019 को निम्नलिखित भौतिकगत कमियां प्रतिचिह्नित की गई है :

क) कंपनी के पास ग्राहक स्वीकृति, क्रेडिट मूल्यांकन एवं बिक्री हेतु स्थापित क्रेडिट सीमा के लिए उपयुक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली नहीं है, जिससे अंतिम संग्रह की उचित सुनिश्चितता को स्थापित किये बगैर कंपनी के राजस्व की पहचान में समाव्य परिणाम हो सकता है। बकायों की वसूली हेतु उपभोक्तांओं के साथ फॉलो-अप पर आंतरिक नियंत्रण पर्याप्त नहीं है।

The procedures selected depend on the auditors' judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of theConsolidatedfinancial statements, whether due to fraud or error.

We believe that the audit evidence we have obtained and the audit evidence obtained by other auditors in terms of their reports referred to in the Other Matter paragraph below, is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion on the Group's internal financial controls system over financial reporting.

Meaning of Internal Financial Controls over Financial Reporting

A Company's internal financial controls over financial reporting is a process designed to provide reasonable assurance regarding the reliability of financial reporting and the preparation of financial statements for external purposes in accordance with generally accepted accounting principles. A Company's internal financial controls over financial reporting includes those policies and procedures that;

1. Pertain to the maintenance of records that, in reasonable detail, accurately and fairly reflect the transactions and dispositions of the assets of the Company;
2. Provide reasonable assurance that transactions are recorded as necessary to permit preparation of financial statements in accordance with generally accepted accounting principles, and that receipts and expenditures of the Company are being made only in accordance with authorizations of management and directors of the Company; and
3. Provide reasonable assurance regarding prevention or timely detection of unauthorized acquisition, use, or disposition of the Company's assets that could heve a material effect on the financial statements.

Inherent Limitations of Internal Financial Controls over Financial Reporting

Because of the inherent limitations of internal financial controls over financial reporting, including the possibility of collusion or improper management override of controls, meterial misstatements due to error or fraud may occur and not be detected. Also, projections of any evaluation of the internal financial controls over financial reporting to future periods are subject to the risk that the internal financial controls over financial reporting may become inadequate because of changes in conditions, or that the degree of compliance with the policies or procedures may deteriorate.

Qualified Opinion

According to the information & explanations given to us and based on our audit, the following material weaknesses havebeen identified as at 31st March, 2019 :-

a) The Holding Company did not have an appropriate internal control system for customer acceptance, credit evaluation and establishing credit limits for sales, which could potentially result in the Company recognizing revenue without establishing reasonable certainty of ultimate collection. The internal control over follow up with the customers for recovery of dues is inadequate.

ख) होल्जिंग कंपनी के पास अपनी ग्राहक की ओर से कंपनी द्वारा खरीदी गई कच्ची सामग्री के बंधक रखे स्टॉक एवं कंपनी द्वारा नियुक्त किए गए अभिरक्षक के नियंत्रण के अधीन रखे स्टॉक के विषय में कोई उपयुक्त आंतरिक नियत्रंण प्रणाली नहीं है, जिससे गुदामों से सामग्रियां अनाधिकृत रूप से ले जाती हैं।

'भौतिकगत कमियाँ' वित्तीय रिपोर्ट पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में एक कमी या कमियों का संयोजन है, जिससे कंपनी के वार्षिक या अंतरिम वित्तीय विवरणों में भौतिक के गलत विवरण की समुचित संभावना है जिसे समय पर रोका नहीं जा सकता या पता नहीं लगाया जा सकेगा।

हमारे विचार में नियंत्रण मानदंड के उद्देश्य की प्राप्ति पर उपरोक्त विवरणि भौतिक कमजोरी के संभावित प्रभाव को छोड़ कर ग्रुप और संयुक्त उद्यम ने सभी भौतिक पहलुओ, वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर पर्याप्त अंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली रख-रखाव किया है एवं वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंस द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्ट के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण पर दिशा-निर्देश टिप्पणी में दिये गये आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक अवयवों पर विचार कर कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्ट मानदंड के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर आधारित 31 मार्च, 2019 को प्रभावशाली रूप से परिचालित किये गये थे।

अन्य मामलों

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता एवं प्रचालन प्रभावकारिता पर अधिनियम की धारा 143 (3) (I) के तहत हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट जहां तक एक सहायक कंपनी एवं एक संयुक्त उद्यम, जो कि भारत में निगमित कंपनी है, के संबंध में है। भारत में निगमित कंपनी के लेखा परीक्षक की अनुरूपी रिपोर्ट पर आधारित है।

कृते डी.के. छाजर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
एफआरएन.सं. 304138ई

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 29 मई, 2019

b) The Holding Company did not have an appropriate internal control system with regard to pledged stock of raw materials procured by the Company on behalf of itscustomers and kept under the control of the custodian appointed by the Company resulting in unauthorized liftment of the materials from the godowns.

A 'material weekness' is e deficiency, or a combination of deficiencies, in internal financial control over financial reporting, such that there is a reasonable possibility that a material misstatement of the Company's annual or interim financial statementa will not be prevented or detected on a timely basis.

In our opinion, except for the possible effects of the material weaknesses described above on the achievements of the objectives of the control criteria, the Group and its joint venture, which are Companies incorporated in India, have maintained in all material aspects, adequate internal financial controls system over financial reporting and such internal financial controls over financial reporting were operating effectively as at 31 March, 2019, based on the internal financial control over financial reporting criteria astablished by the respective Companies considering the essential components of internal control stated in the Guidance Nota on Audit of Intarnal Financial Controls Over Financial Reporting issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

Other Matters

Our aforesaid report under Section 143(3) (i) of the Act on the adequacy and operating effectiveness of the internal financial controls over financial reporting in so far as it relates to its ona subsidiary company and one joint venture, which are companies incorporated in India, is based on tha corresponding reports of the auditors of such Companies incorporated in India.

For D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accounts
FRN 304138E

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
Membership No. 057170

Place: Kolkata
Date: 29 May, 2019

एमएसटीसी लिमिटेड के 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6) (ख) के अंतर्गत नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट वित्तीय रिपोर्ट के अधीन प्रदान रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड का समेकित वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। अधिनियम की धारा 139(5) के साथ पठित धारा 129(4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक अधिनियम की धारा 143(10) के अधीन विनिर्धारित लेखांकन मानदण्डों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम की धारा 143 के साथ पठित धारा 129(4) के अंतर्गत इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रकट करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनकी लेखा परीक्षा रिपोर्ट दिनांक 29 मई, 2019 के अनुसार उनके द्वारा किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महा लेखापरीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों की अधिनियम की धारा 143(6) के साथ पठित धारा 129 (4) (क) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा का संचालन किया है। हमने उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखा परीक्षा की है। इसके अलावा, अधिनियम की धारा 139(5) और 143(6) (क), महिंद्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड पर निजी क्षेत्र की संस्था होने के कारण वैधानिक लेखापरीक्षक की नियुक्ति के लिए और इस कंपनी के अनुपूरक लेखापरीक्षा संचालन के लिए लागू नहीं है। तदनुसार नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक ने वैधानिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति नहीं की है और न ही इस कंपनी की पूरक लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यकारी कागजात को देखे बगैर यह अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है और मुख्यतः सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चुनिंदा परीक्षा तक सीमित है।

मेरी अनुपूरक लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया है, जिससे कि अधिनियम की धारा 143 (6) (ख) के अधीन सांविधिक लेखा परीक्षक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF MSTC LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2019

The preparation of consolidated financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2019 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) read with section 129(4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 29th May, 2019.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the consolidated financial statements MSTC Limited for the year ended 31st March, 2019 under section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act. We conducted a supplementary audit of the financial statements of MSTC Limited and its subsidiary company Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended on that date. **Further, section 139(5) and 143(6)(a) of the Act are not applicable to Mahindra MSTC Recycling Private Limited being private entity for appointment of their Statutory Auditor and for conduct of supplementary audit. Accordingly, Comptroller & Auditor General of India has neither appointed the Statutory Auditors nor conducted the supplementary audit of this company.** This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

भारत के नियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक की ओर से तथा के लिए

(सुपर्णा देव)
वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के महा निदेशक और पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा बोर्ड-I
कोलकाता

स्थान : कोलकाता
तारीख : 09.08.2019

For and on behalf of the Comptroller & Auditor General of India

(Suparna Deb)
Director General of Commercial Audit & Ex-officio Member, Audit Board-I
Kolkata

Place : Kolkata
Date : 09.08.2019

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

समेकित तुलन पत्र 31 मार्च 2019 को Consolidated Balance Sheet as on 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

विवरण Particulars	टिप्पणीयां Notes	31 मार्च 2019 As at 31st March 2019	31 मार्च 2018 As at 31st March 2018
ASSETS			
(1) Non-current assets			
(a) Property, Plant and Equipment	2	750.58	677.10
(b) Capital Work in Progress	2	231.81	104.40
(c) Intangible assets	2	11.53	13.30
		993.92	794.80
(d) Financial assets			
(i) Investments In Joint Venture	3	138.81	88.00
(ii) Trade receivables	16	-	4.40
(iii) Other financial assets	4	272.42	555.60
(e) Non-Current tax assets	5	582.42	571.54
(f) Deferred tax assets (net)	7	2,615.31	2,815.78
(g) Other non-current assets	6	130.82	104.00
Total non- current assets		4,733.70	4,934.10
(2) Current assets			
(a) Inventories	8	60.35	41.60
(b) Financial assets			
(i) Trade receivables	9	18,697.26	39,815.32
(ii) Cash and cash equivalents	10	962.21	1,758.60
(iii) Other Bank Balances	11	3,204.72	3,789.40
(iv) Other financial assets	12	483.03	517.75
(c) Other current assets	13	105.04	143.60
		23,512.61	46,066.27
Assets classified as held for sale	27	30.76	25.90
Total current assets		23,543.37	46,092.17
TOTAL ASSETS		28,277.07	51,026.27
EQUITY AND LIABILITIES			
(1) Equity			
(a) Equity share capital	14	704.00	352.00
(b) Other equity	15	3,175.69	6,957.30
Total equity		3,879.69	7,309.30
(2) Non-current liabilities			
(a) Financial liabilities			
(i) Borrowings	21	9.35	-
(ii) Trade payables			
Total Outstanding dues of			
a) Micro & Small Enterprises	17	-	-
b) Creditors other than Micro & Small Enterprises	17	2.64	2.64
(iii) Other financial liabilities	18	7.45	9.40
(b) Provisions	19	706.23	893.34
(c) Other non-current liabilities	20	80.55	73.69
Total non- current liabilities		806.22	979.07
(3) Current liabilities			
(a) Financial liabilities			
(i) Borrowings	22	6,137.15	7,661.80
(ii) Trade payables			
Total Outstanding dues of			
a) Micro & Small Enterprises	23	0.48	-
b) Creditors other than Micro & Small Enterprises	23	9,522.99	26,038.20
(iii) Other financial liabilities	24	7,329.62	8,556.90
(b) Provisions	25	314.46	212.70
(c) Other current liabilities	26	284.48	265.80
		23,589.18	42,735.40
		23,589.18	42,735.40
Liabilities classified as held for sale	27	1.98	2.50
Total current liabilities		23,591.16	42,737.90
Total liabilities		24,397.38	43,716.97
TOTAL EQUITY AND LIABILITIES		28,277.07	51,026.27

परिसंपत्तियां

1. **गैर - मौजूदा परिसंपत्तियां**
   - (क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण
   - (ख) प्रगति में पूंजीगत कार्य
   - (ग) अमूर्त संपत्तियां
   - (घ) वित्तीय संपत्तियां
     - (i) संयुक्त उपक्रम में निवेश
     - (ii) व्यापार प्राप्य
     - (iii) अन्य वित्तीय संपत्तियां
   - (ङ.) गैर-मौजूदा कर संपत्ति
   - (च) आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)
   - (छ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां
   - **कुल गैर-मौजूदा परिसंपत्तियां**
2. **मौजूदा परिसंपत्तियां**
   - (क) इनवेंटरी
   - (ख) वित्तीय संपत्तियां
     - (i) व्यापार प्राप्य
     - (ii) नकद और नकद समकक्ष
     - (iii) अन्य बैंक शेष
     - (iv) अन्य वित्तीय संपत्तियां
   - (ग) अन्य मौजूदा संपत्तियां

बिक्री के लिए रखी गई संपत्तियां

कुल मौजूदा संपत्ति

कुल परिसंपत्तियां

इक्विटी एवं देयता

(1) **इक्विटी**
- (क) इक्विटी शेयर पूंजी
- (ख) अन्य इक्विटी
- **कुल इक्विटी**

(2) **गैर-मौजूदा देयता**
- (क) वित्तीय देयता
  - (i) व्यापार देय
  - (ii) कुल बकाया
    - (क) लघु तथा छोटे उद्योगों
    - (ख) लेनदार लघु तथा छोटे उद्योगों को छोड़कर
  - (iii) अन्य वित्तीय देयता
- (ख) प्रावधान
- (ग) अन्य गैर मौजूदा देयता
- **कुल गैर मौजूदा देयता**

(3) **मौजूदा देयता**
- (क) वित्तीय देयता
  - (i) ऋण
  - (ii) व्यापार देय कुल बकाया
    - (क) लघु तथा छोटे उद्योगों
    - (ख) लेनदार लघु तथा छोटे उद्योगों को छोड़कर
  - (iii) अन्य वित्तीय देयता
- (ख) प्रावधान
- (ग) अन्य मौजूदा देयता

बिक्री के लिए रखी गई देयता

कुल मौजूदा देयता

कुल देयता

कुल इक्विटी एवं देयता

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी
The accompanying notes forms an integral part of the financial statements In terms of our report of even date.

कृते डी.के. झवर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल, एफआरएन : 304138E

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants, FRN: 304138E

कृते एमएसटीसी लि. **For MSTC Limited**

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
M.No : 057170

दिनांक : 29/05/2019
स्थान : कोलकाता

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक, वित्त एवं लेखा

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER FINANCE & ACCOUNTS

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
DIN- 08290021)

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का समेकित विवरण
Consolidated Statement of Profit & Loss for the year ended 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

	विवरण		Particulars	टिप्पणीयां Notes	31 मार्च 2019 For the Year ended 31st March 2019	31 मार्च 2018 For the Year ended 31st March 2018
I	परिचालन से राजस्व	I	Revenue from operations	29	32,919.97	22,654.00
II	अन्य आय	II	Other Income	30	483.25	5,277.50
III	**कुल राजस्व (I + II)**	III	**Total Revenue (I + II)**		**33,403.22**	**27,931.50**
IV	**व्यय**	IV	**EXPENSES**			
	(क) व्यापारगत माल/परिचालन उपभोग्य सामग्री और पूर्जों की खरीददारी		(a) Purchases of Stock-in-Trade/Operational Consumables & Spares	31	25,914.28	15,192.80
	(ख) तैयार वस्तुओं के स्टॉक कार्य प्रगति स्टॉक-इन-ट्रेड में बदलाव और		(b) Changes in stock of finished goods, work-in-progress and stock-in-trade	28	-	707.40
	(ग) कर्मचारी हितलाभ पर व्यय		(c) Employee benefit expense	32	1,690.13	2,114.90
	(घ) वित्तीय लागत		(d) Finance costs	33	578.05	673.60
	(ङ) मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय		(e) Depreciation and amortisation expense	2	146.86	123.90
	(च) अन्य व्यय		(f) Other expenses	34	7,419.30	7,934.30
V	**कुल व्यय**	V	**Total Expenses**		**35,748.62**	**26,746.90**
VI	**संयुक्त उद्यमों के लाभ/हानि के अंश एवं कर पूर्व लाभ (III - V)**	VI	**Profit before share of profit/(loss) of Joint Ventures and tax (III - V)**		**(2,345.40)**	**1,184.60**
VII	**संयुक्त उद्यमों के लाभ/हानि के अंश**	VII	**Share of profit/(loss) of Joint Ventures**		**(29.07)**	**(13.10)**
VIII	कर पूर्व लाभ (VI+VII)	VIII	**Profit before tax (VI + VII)**		**(2,374.47)**	**1,171.50**
XI	कर व्यय	IX	Tax Expense			
	(क) वर्तमान कर		(a) Current tax	38	499.34	53.26
	(ख) आस्थगित कर		(b) Deferred tax		197.23	346.04
	कुल कर व्यय		**Total tax expense**		**696.57**	**399.30**
X	वर्ष के लिए लाभ (VIII)	X	**Profit for the period (VIII - IX)**		**(3,071.04)**	**772.20**
XI	**अन्य व्यापक आय**	XI	**Other comprehensive income**			
	क (i) वस्तु जो लाभ या हानि में पुनवर्गीकरण नही किया जाएगा		A (I) Items that will not be reclassified to profit or loss	42	(64.30)	(30.80)
	(ii) उपरोक्त पर आय कर		(II) Income tax on above		19.87	(2.10)
	ख) संयुक्त उद्यमों के अन्य व्यापक आय के अंश		B Share of Other Comprehensive Income of Joint Venture		(0.12)	(0.20)
					(44.55)	(33.10)
XII	**अवधि के लिए कुल व्यापक आय (X + XI)**	XII	**Total comprehensive income for the period (X + XI)**		**(3,115.59)**	**739.10**
X	प्रति इक्विटी शेयर अर्जन (अंकित मूल्य ₹10 प्रत्येक) :	XIII	**Earnings per equity share (face value of ₹ 10 each):**	39		
	(क) बेसिक (₹ में)		(1) Basic (in ₹)		(43.62)	10.97
	(ख) डायल्यूटेड (₹ में)		(2) Diluted (in ₹)		(43.62)	10.97

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements. In terms of our report of even date.

कृते एमएसटीसी लि. For MSTC Limited

कृते डी.के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138ई

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304138E

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
M.No : 057170

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
DIN- 08290021)

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
वित्त एवं लेखा

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

दिनांक : 29/05/2019
स्थान : कोलकाता

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण
Consolidated Statement of Changes in Equity for the year ended 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

क. इक्विटी शेयर पूंजी

विवरण	A. Equity Share Capital Particulars	न. Nos	अंकित मूल्य (₹) Face Value (₹)	राशि (₹) Amount (₹)
शेष राशि 31 मार्च, 2017 को	**Balance as at March 31, 2017**	1,76,00,000	10	176.00
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	1,76,00,000	10	176.00
शेष राशि 1 मार्च, 2018 को	**Balance as at March 31, 2018**	3,52,00,000	10	352.00
बोनस शेयर 1:1 के अनुपात में जारी	Bonus Shares issued in the ratio1:1	3,52,00,000	10	352.00
शेष राशि 31 मार्च, 2019 को	**Balance as at March 31, 2019**	7,04,00,000	10	704.00

ख अन्य इक्विटी

विवरण	B. Other Equity Particulars	पूंजी आरक्षण Capital Reserve	सामान्य आरक्षण General Reserve	प्रतिधारित आय Retained Earnings	कुल Total
शेष राशि 31 मार्च, 2017 को	**Balance as at March 31, 2017**	341.60	6,052.60	300.80	6,695.00
वर्ष के लाभ	Profit for the year	-	-	772.20	772.20
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	Other Comprehensive Income for the year	-	-	(33.10)	(33.10)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से) प्रतिधारित आय	Transfer to General Reserve/(From) Retained Earning	-	429.90	(429.90)	-
घटाएं : अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 16-17	Less: Final Dividend FY 16-17	-	-	(249.90)	(249.90)
घटाएं : अंतिम लाभांश पर लाभांश विवरण कर वित्तीय वर्ष 16-17 एवं वित्तीय वर्ष 17-18 के लिए अंतरिम लाभांश	Less: Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 16-17 & Interim Dividend FY 17-18	-	-	(50.90)	(50.90)
घटाएं : बोनस शेयर जारी करना	Less: Issue of Bonus Shares	-	-	(176.00)	(176.00)
शेष राशि 31 मार्च, 2018 को	**Balance as at March 31, 2018**	341.60	6,482.50	133.20	6,957.30
वर्ष के लाभ	Profit for the year	-	-	(3,071.04)	(3,071.04)
वर्ष हेतु अन्य व्यापक आय	Other Comprehensive Income for the year	-	-	(44.55)	(44.55)
सामान्य आरक्षित में अंतरण/(से) प्रतिधारित आय	Transfer to General Reserve/(From) Retained Earning	-	-	-	-
बोनस शेयर जारी करना	Issue of Bonus Shares	-	-	(352.00)	(352.00)
अंतिम लाभांश वित्तीय वर्ष 17-18	Final Dividend FY 17-18	-	-	(260.48)	(260.48)
अंतिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर वित्तीय वर्ष 17-18	Dividend Distribution Tax on Final Dividend FY 17-18	-	-	(53.54)	(53.54)
शेष राशि 31 मार्च, 2019 को	**Balance as at March 31, 2019**	341.60	6,482.50	(3,648.41)	3,175.69

कृते एमएसटीसी लि. For MSTC Limited

कृते डी.के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138ई

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304138E

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
M.No : 057170

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
DIN- 08290021)

दिनांक : 29/05/2019
स्थान : कोलकाता

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
वित्त एवं लेखा

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह का समेकित विवरण
Consolidated Statement of Cash Flows for the year ended 31st March 2019

(₹ मिलियन में Amount in ₹ Million)

विवरण	Particulars	31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए For the Year ended 31st March 2019	31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए For the Year ended 31st March 2018
क परिचालन कार्यकलापों से नकद प्रवाह	**A. CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES**		
वर्ष के लिए लाभ	Profit for the year	(2,374.47)	1,171.50
समायोजन :	Adjustments for:		
गैर-मौजूदा संपत्तियों का मूल्यह्रास/परिशोध	Depreciation / Amortisation of non-current assets	148.66	123.90
संपत्ति संयंत्र एवं उपकरण के निपटान पर हानि/(लाभ)	Loss/(Gain) on disposal of Property Plant and Equipment	(0.08)	(0.50)
वित्तीय लागत	Finance Cost	578.05	673.60
लाभ एवं हानि में स्वीकृत ब्याज आय	Interest Income recognised in profit & loss	(424.50)	(267.30)
आवश्यक नहीं रह गए प्रावधान पुनरांकित किए गए	Provision no Longer Required Written Back	(29.58)	(4,718.20)
खराब ऋण बट्टे खाता में डाला गया	Bad Debt Witten Off	1,100.81	4,594.10
खराब एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान	Provision for Bad and Doubtful Advances/Debts	4,320.02	1,388.10
देयता पुनरांकित की गई	Liability written Back		(281.70)
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ	**Operating profit before Working Capital changes**	3,317.12	2,683.50
परिचालन संपत्ति एवं दायित्व में परिवर्तन हेतु समायोजन	Adjustments for changes in Operating Assets & Liabilities		
परिचालन संपत्ति में (वृद्धि)/कमी हेतु समायोजन :	Adjustments for (Increase) / decrease in Operating Assets:		
कार्यशील पूंजी में गति :	Movement in working capital:		
व्यापार एवं अन्य प्राप्ति में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/decrease in Trade and Other Receivables	16,034.03	(3,841.63)
अन्य परिसम्पत्ति में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/decrease in Other Assets	6.88	(36.00)
मालसूची में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/ decrease in Inventories	(18.75)	702.30
परिचालन दायित्व में वृद्धि/(कमी) हेतु समायोजन :	Adjustments for increase / (decrease) in Operating Liabilities:		
व्यापार भुगतान एवं अन्य वित्तीय दायित्व में वृद्धि/(कमी)	Increase/ (decrease) in Trade Payables & Others Financial Liabilities	(17,743.39)	895.90
अन्य दायित्व में वृद्धि/(कमी)	Increase/ (decrease) in Other Liabilities	25.02	120.09
प्रावधानों में वृद्धि/(कमी)	Increase/ (decrease) in Provisions	(149.77)	(45.66)
परिचालन से नकद की वृद्धि	**Cash generated from Operations**	1,471.14	678.50
प्रत्यक्ष कर भुगतान (शुद्ध वापसी)	Direct Taxes Paid (Net of Refund)	(487.02)	(466.60)
परिचालन कार्यकलाप से शुद्ध नकद	**Net cash from Operating Activities**	984.11	211.90
ख निवेश कार्यकलापों से नकद प्रवाह	**B. CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES**		
संपत्ति संयंत्र एवं उपकरण के लिए भुगतान	Payment for Property, Plant & Equipment	(392.23)	(262.90)
संपत्ति संयंत्र एवं उपकरण के निपटान से प्राप्ति	Proceeds from disposal of Property Plant & Equipment	46.33	24.80
मियादी जमा में निवेश	Investment in Fixed Deposits	584.68	932.30
संयुक्त उद्यम में निवेश	Investment in Joint Venture	(50.81)	(61.70)
प्राप्त ब्याज	Interest received	439.47	208.20
निवेश गतिविधियों में शुद्ध नकद (प्रयुक्त)	**Net cash (used) in Investing Activities**	627.44	840.70
ग. वित्तीय कार्यकलापों से नकद प्रवाह	**C. CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES**		
अल्प मियादी उधारी पर प्राप्ति	Proceeds from Short term borrowings	(1,275.44)	30.30
ब्याज भुगतान	Interest Paid	(578.82)	(673.90)
लाभांश भुगतान	Dividend Paid	(260.48)	(249.90)
लाभांश पर कर	Tax on Dividends Paid	(53.54)	(50.90)
वित्तीय कार्यकलाप में व्यवहृत शुद्ध नकद	**Net cash used in Financing Activities**	(2,168.08)	(944.40)
नकद एवं नकद समकक्ष (क + ख + ग) में शुद्ध वृद्धि/(कमी)	Net increase/(decrease) in Cash & Cash equivalents(A+B+C)	(556.53)	108.20
वर्ष के प्रारम्भ में नकद एवं नकद के समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the beginning of the Year	(281.00)	(389.20)
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद के समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the end of the Year	(837.53)	(281.00)

टिप्पणी:
(1) कोष्ठक में शामिल अंक बहिर्प्रवाह दर्शाते हैं।

Notes :
1. Figures in brackets indicate outflows.

(2) नकद एवं नकद समतुल्य दर्शाने वाले विवरण

Statement Showing Cash and Cash Equivalents

विवरण	Particulars	For the Year ended 31st March 2019	For the Year ended 31st March 2018
वर्ष के अंत में नकद एवं नकद समकक्ष	Cash and Cash equivalents at the end of the Year	962.21	1,758.60
घटाएं : वर्ष के अंत में ओवरड्राफ्ट बैलेंस	Less : Overdraft Balances at the end of the year	1,799.74	2,039.60
वर्ष के अंत में शुद्ध नकद एवं नकद समकक्ष	**Net Cash and Cash equivalents at the end of the Year**	(837.53)	(281.00)

संलग्न टिप्पणियाँ हमारी समदिनांकित रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय विवरण के अभिन्न हिस्से मानी जाएंगी

The accompanying notes forms an integral part of the financial statements. In terms of our report of even date.

कृते डी.के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल,
एफआरएन : 304138E
नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170
दिनांक : 29/05/2019
स्थान : कोलकाता

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304138E
Niraj K Jhunjhunwala
Partner
M.No : 057170
Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

कृते एमएसटीसी लि. For MSTC Limited

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)
(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)
(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
DIN- 08290021)

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
वित्त एवं लेखा
(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव
(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष हेतु समेकित वित्तीय विवरणियों पर टिप्पणी

1.क. सामान्य जानकारी

एमएसटीसी लिमिटेड, एक मिनीरत्न श्रेणी-I कम्पनी, 9 सितम्बर, 1964 को कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत गठित हुई थी। यह 225, एजेसी बोस रोड, कोलकाता में पंजीकृत कार्यालय सहित भारत में अधिवासित है तथा शेयरों द्वारा सिमित (सीआईएन : L27320WB1964GOI026211) है। प्रारम्भिक पब्लिक ऑफर के अनुसार एमएसटीसी के शेयर 29 मार्च, 2019 से सूचीबद्ध हैं तथा बीएसई लिमिटेड तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया दोनों पर ट्रेडिंग किये जाते हैं। कम्पनी की व्यापारिक गतिविधियां ई-कॉमर्स और लौह और गैर-लौह स्क्रैप, अधिशेष भंडार, खनिज, कृषि और वन उत्पादन आदि का निपटान करती है, जो ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों के हैं। कंपनी की मुख्य गतिविधि संचालन दो प्रभागों में विभाजित की गई है, अर्थात ई-कॉमर्स और ट्रेडिंग। ई-कॉमर्स डिवीजन में स्क्रैप, अधिशेष भंडार, ई-बिक्री खनिज, कृषि और वन का निपटान और ई-प्रोक्योरमेंट करता है। प्रमुख उपभोक्ताओं की सूची में रक्षा मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम यथा इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लि., ऑयल एवं नेचुरल गैस कार्पोरेशन लि. भारत संचार निगम लिमिटेड, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. आदि शामिल हैं। निपटान की पद्धति में ई-ऑक्शन, ई-टेंडर, ई-रिवर्स ऑक्शन आदि शामिल है। साथ ही एमएसटीसी कोल इंडिया लि. सिंगरेनी कोलफिल्ड्स लि. आदि से कोयला भी ऑक्शन करती है। इसके अलावा एमएसटीसी ई-प्रोक्योरमेंट समाधान भी प्रदान करता है। ट्रेडिंग डिवीजन आयात/निर्यात एवं मुख्यतया थोक औद्योगिक कच्ची सामग्रियों का घरेलू व्यापार का परिचालन करता है। यह भारतीय उद्योगों की आपूर्ति के लिए औद्योगिक कच्ची सामग्रियां यथा हेवी मेल्टिंग स्क्रैप, लो ऐश मेटालार्जिकल कोक, एचआर क्वायल, क्रूड ऑयल, नैप्था, कूकिंग कोल, स्टील कोल आदि की सोर्सिंग, क्रय एवं बिक्री को देखता है। कोयला/इस्पात उद्योग, तेल क्षेत्र, राज्य स्वमित्ववाली बिजली कंपनियां अंतिम उपभोक्ता हैं।

इसके पास पूर्ण स्वामित्व की एक सहायक कंपनी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल) सीआइएन: U27102CT1989GOI005468 है जो 28 मार्च, 1979 को निगमित हुई थी। एफएसएनएल इस्पात संयंत्रों में लोहा एवं इस्पात बनाए जाने के दौरान उत्पन्न स्लैग एवं परित्यक्त से स्क्रैप को पुनः प्राप्त करने एवं प्रसंस्करण का कार्य करती है। ये ग्राहक की आवश्यकता के अनुसार ब्लास्ट फर्नेस का उत्खनन एवं ढुलाई, स्लैग यार्ड में स्टील मेल्टिंग शॉप स्लैग एवं लौह एवं इस्पात अवशेष, मिल के परित्यक्त का प्रक्रियाकरण एवं स्क्रैप के रखरखाव के लिए ग्राहक अनुकूल विशिष्ट सेवाएँ प्रदान करती है। एफएसएनएल सिन्टर संयंत्र, ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप एवं रेल बैलस्ट में प्रयोग किए जाने हेतु स्लैब की परत चढ़ाने, एलसी स्लैग को कुचलने एवं निरीक्षण की सेवा भी प्रदान करती है। यह स्लज कम्पार्टमेंट (पंक कक्ष) एवं राख के तालाबों से पंक एवं राख के जमाव को भी हटाती है। ये ओपन हार्थ मक डम्पै में एसिड स्लज के संचालन एवं निष्प्रभावन का भी कार्य भार संभालते हैं। एफएसएनएल निम्न सेवाएँ भी प्रदान करती है-(क) एमएसटीसी लिमिटेड के ग्राहकों को गोदाम प्रबंधन के लिए अभिरक्षण सेवा एवं (ख) संयंत्र एवं मशीनरी/स्क्रैप, चल एवं अचल सामग्री/संपत्तियों के लिए मूल्यांकन सेवाएँ।

1.ख. वर्तमान लेखागत घटनाक्रम

1.ख.1. आईएनडी : एएस 115 उपभोक्ता/सहित ठेकेदारों से राजस्व 28 मार्च, 2018 को जारी किया गया तथा आईएनडी : एएस : 18 राजस्व को अतिक्रमित करता है एवं आईएनडी : एएस : 11 निर्माण ठेका तथा यह अपने उपभोक्ताओं के साथ ठेका से उत्पन्न सभी राजस्व पर सीमित अपेक्षाओं सहित लागू है, आईएनडी : एएस : 115 के अधीन राजस्व तभी प्रतिचिह्नित है जब एक उपभोक्ता माल तथा सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त करता है। कम्पनी ने आईएनडी:एएस:115 अभिग्रहण के अनुसार लेखागत नीतियों में परिवर्तन का आंकलन किया है तथा यह निष्कर्षित किया है कि कम्पनी की राजस्व मान्यता नीति पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है।

Notes to Consolidated financial statements for the year ended 31st March, 2019

1.A General Information

MSTC Limited (the "Company") is a Miniratna Category-I Company was incorporated under the Companies Act, 1956 on 9th September, 1964. It is domiciled in India, having registered office at 225 C A.J.C. Bose Road Kolkata 700020 and limited by shares (CIN : L27320WB1964GOI026211). Pursuant to Initial Public Offer equity shares of MSTC Limited are listed and traded on both BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited w.e.f. March 29, 2019. The Company undertakes trading activities, e-commerce and also disposal of ferrous and non-ferrous scrap, surplus stores, minerals, agri and forest produces etc. mostly from Public Sector Undertakings and Govt. Departments. The core activity of the Company has been divided into two Operational Divisions, i.e. e-Commerce and Trading. The e-Commerce division undertakes disposal of Scrap, surplus stores, e-sales of minerals, agri and forest produces, and e procurement. The list of Principals includes Ministry of Defence, State Governments, PSUs like Indian Oil Corporation Ltd., Oil and Natural Gas Corporation Ltd, Bharat Sanchar Nigam Ltd, Hindustan Petroleum Corporation Ltd. etc. The mode of disposal includes e-Auction, e-Tender, e-Reverse auction etc. Besides, MSTC also e-auctions coal from Coal India Ltd, Singareni Coalfields Ltd etc.Apart from these MSTC also providas e-procurement solution. The trading division handles import/export and domestic trade of mainly bulk Industrial raw material. It looks after sourcing, purchase and sales of Industrial raw materials like Heavy Melting Scrap, Low Ash Metallurgical Coke, HR Coil, Crude Oil, Naptha, Coking Coal, Steam Coal etc. for supply to Indian industries. The end customers are Coal/Steel Industries, Oil sector, State owned Power Companies etc.

It is having wholly owned subsidiary company, Ferro Scrap Nigam Limited (FSNL) with CIN: U27102CT1989GOI005468, which was incorporated on 28th March, 1979. FSNL undertakes the job of recovery and processing of scrap from slag and refuse generated during Iron and steel making at Steel Plants. They offers specialised services for Dig and Haul of Blast Furnaces and Steel Melting Shop Slag at slag yards, processing of iron and steel skulls, Mill rejects and Maintenance scrap as per customer's requirement. FSNL also offers scarfing of slabs, crushing and screening of LC slag to be used in sinter plant, blast furnace, steel melting shop and rail ballast. It removes sludge and ash deposit from sludge compartments and ash ponds. They also handle and neutralise Acid Sludge in open Hearth Muck Dump. FSNL is also providing (a) Custodian service for warehouse management to the clients of MSTC Limited and (b) Valuation services for plant and machinery/scrap, movable and immovable material/properties.

1.B RECENT ACCOUNTING DEVELOPEMENTS

1.B.1 Ind AS-115 Revenue from contracts with customer was issued on 28th March, 2018 and supersedes Ind AS-18 Revenue and Ind AS-11 Construction Contracts and it applies, with limited exception to all revenue arising from contracts with its customers. Under Ind AS-115 revenue is recognised when a customer obtains control of goods or services. The company has carried out assessment of change in accounting policy, following the adoption Ind AS-115 and concluded that there is no significant impact on the Company's revenue recognition policy.

1.ख.2. मानक निर्धारित परन्तु अभी तक प्रभावशाली नहीं

विद्यमन आईएनडी : एएस मानकों के निम्नलिखित संशोधनों का कम्पनी की वित्तीय विवरणी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव अपेक्षित नहीं है।

क) परिशिष्ट सी से आईएनडी एएस 12, आयकर (आयकर ट्रिटमेंट्स पर अनिश्चितता)

ख) आईएनडी : एएस 12 आयकर में संशोधन

ग) आईएनडी : एएस 19 कर्मचारी लाभ में संशोधन

घ) आईएनडी : एएस 23 उधारी लागत में संशोधन

ङ) आईएनडी : एएस 28 निवेश सहयोगी तथा संयुक्त उद्यम में संशोधन

च) आईएनडी : एएस 103 व्यवसाय मेल में संशोधन

छ) आईएनडी : एएस 109 वित्तीय साधन में संशोधन

ज) आईएनडी : एएस 111 संयुक्त करार में संशोधन

1.ग. महत्वपूर्ण लेखागत नीतियां

1.ग.1 (क) तैयारी का आधार

वित्तीय विवरणों को कुछ परिसंपत्तियों और देनदारियों के अपवाद के साथ ऐतिहासिक लागत परम्परा के तहत तैयार किया गया है, जिन्हें इंड-एएस द्वारा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उचित मूल्यों पर मापा जाना अपेक्षित है। कम्पनी अधिनियम 2013 के उपयुक्त प्रावधानों के अधीन अधिसूचित नियमों सहित भारतीय लेखागत मानक (ईड एएस) के अनुपालन में ग्रुप की वित्तीय विवरण तैयार की गयी है।

उचित मूल्य वह कीमत है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने के लिए प्राप्त की जाती है या मापन तिथि पर बाजार सहभागियों के बीच एक व्यवस्थित लेनदेन में देयता को हस्तांतरित करने के लिए भुगतान किया जाता है, भले ही उस कीमत को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है या किसी मूल्यांकन तकनीकी का अनुमान लगाया जा सकता है। किसी परिसंपत्ति या दायित्व के उचित मूल्य के आकलन में, ग्रुप आकलन या देनदारी की विशेषताओं को ध्यान में रखती है, अगर बाजार की प्रतिभागियों ने उन विशेषताओं को माप की तारीख में परिसंपत्ति या दायित्व के मूल्य निर्धारण में लिया गया है।

कार्यवाहक मुद्रा एवं प्रस्तुतीकरण मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रूपये (₹) में तैयार किए जाते हैं, जो कि ग्रुप के सभी प्रचालनों के लिए इसकी कार्यवाहक मुद्रा है। भारतीय रुपये (₹) में प्रस्तुत सभी वित्तीय सूचना निकटतम मिलियन में पूर्ण राशि में दी गई है, यदि अन्यथा उल्लेख नहीं है।

चालू एवं गैर-चालू वर्गीकरण

ग्रुप चालू/गैर-चालू वर्गीकरण के आधार पर तुलन पत्र में परिसंपत्ति एवं देनदारी प्रस्तुत करती है। सभी परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को ग्रुप के आम प्रचालन चक्र एवं कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III और इंड एएस-1, 'वित्तीय विवरणियों के प्रस्तुतीकरण' में निर्धारित अन्य मानदंड के अनुसार चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

प्रचालन चक्र कार्य-प्रक्रिया हेतु परिसंपत्तियों के अधिग्रहण एवं नकद और नकद समतुल्य में इनकी वसूली के बीच का समय है। ग्रुप ने अपने प्रचालन चक्र के रूप में बारह महीने चिह्नित किए हैं।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों एवं देनदारियों को गैर-चालू परिसंपत्तियों और देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

1.B.2 Standard Issued but not yet effective

The following amendments to the existing Ind AS standards are not expected to have a significant impact on the Company's financial statements:

(a) Appendix C to Ind AS-12, Income Taxes (Uncertainty over Income Taxes treatments)

(b) Amendments to Ind AS-12, Income Taxes.

(c) Amendments to Ind AS-19, Employee benefits

(d) Amendments to Ind AS-23, Borrowing costs.

(e) Amendments to Ind AS-28, Investments in associates and Joint Ventures.

(f) Amendments to Ind AS-103, Business combinations.

(g) Amendments to Ind AS-109, Financial instruments.

(h) Amendments to Ind AS-111, Joint Arrangements.

1.C Significant Accounting Policies

1.C.1 (a) Basis of preparation

The financial statements have been prepared under the historical cost convention with the exception of certain assets and liabilities that are required to be measured at fair value at the end of each reporting period by Ind ASs. The financial statements of the Group have been prepared to comply with the Indian Accounting Standards ('Ind ASs'), including the rules notified under the relevant provisions of the Companies Act 2013.

Fair value is the price that would be received to sell an asset or paid to transfer a liability in an orderly transaction between market participants at the measurement date, regardless of whether that price is directly observable or estimated using another valuation technique. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Group takes into account the characteristics of the asset or liability if market participants would take those characteristics into account when pricing the asset or liability at the measurement date.

Functional Currency and Presentation Currency

The financial statements are prepared in Indian Rupees (₹) which is the Group's functional currency for all its operations. All financial information presented in Indian Rupees (₹) has been rounded to the nearest lakhs, unless otherwise stated.

Current and Non-Current Classification

The Group presents assets and liabilities in the balance sheet based on current/ non-current classification. All assets and liabilities have been classified as current or non-current as per the Group's normal operating cycle and other criteria set out in the schedule III to the Companies Act, 2013 and Ind AS 1 - 'Presentation of Financial Statements'.

The operating cycle is the time between the acquisition of assets for processing and their realisation in cash and cash equivalents. The Group has identified twelve months as its operating cycle.

Deferred tax assets and liabilities are classified as non-current assets and liabilities.

अनुमान एवं महत्वपूर्ण न्याय का उपयोग

इंड एएस के अनुसार खातों की तैयारी के लिए प्रबंधन को परिसंपत्तियों और दायित्वो की रिपोर्ट की गई राशि, लेखा की तारीख को आकस्मिक संपत्तियों एवं दायित्वों का प्रकटीकरण एवं अवधि के दौरान आय एवं व्यय की रिपोर्ट राशि के प्रभाव का अनुमान एवं आकलन करना अपेक्षित है।

वास्तविक परिमाण उनके अनुमान से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान के लिए सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों को नीचे लेखांकन नीतियों में वर्णित किया गया है। महत्वपूर्ण लेखांकन फैसले और ग्रुप की लेखांकन नीतियों को लागू करने में अनिश्चितता या आकलन के महत्वपूर्ण स्रोत संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, वर्तमान परिसंपत्ति प्रावधान, आस्थगित कर, सेवानिवृत्ति लाभ के संबंध में उत्पन्न होते हैं। इनमें से प्रत्येक मद के लिए अंतर्निहित निर्णय और अनुमानों की विधियों सहित विस्तृत लेखा नीतियां नीचे चर्चा की गई हैं। इन सभी महत्वपूर्ण कारकों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखा अनुमानों के लिए संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है जिसमें अनुमान संशोधन किए गए हैं और किसी भी भविष्य की अवधि जो प्रभावित होती है।

1.ग.1 (ख) समेकन के सिद्धांत

समेकित वित्तीय विवरण एमएसटीसी लि. ('कंपनी') और इसकी सहायक कंपनी फेरो स्क्रैप निगम लि. एवं संयुक्त उद्यम महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्रा. लि. से संबंधित है। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए है :

क. कंपनी और इसकी सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण इंट्रा-ग्रुप शेष राशि एवं इंट्रा-ग्रुप लेनदेन को संपूर्ण रूप से हटाने के बाद परिसंपत्तियों, देयताओं, इक्विटी, आय, व्यय एवं नकदी प्रवाह जैसे मदों को जोड़ते हुए रेखा दर रेखा आधार पर संयोजित किया गया है।

ख. इंट्रा-ग्रुप लेनदेनों से उत्पन्न लाभ या हानि जो परिसंपत्तियों जैसे कि मालसूची एवं संपत्ति, संयंत्र व उपकरण में स्वीकृति हैं, को पूर्णतया हटा लिया गया है।

ग. प्रत्येक सहायक कंपनी की इक्विटी के मूल कंपनी के अंश एवं प्रत्येक सहायक कंपनी में मूल कंपनी के निवेश की वहन राशि को ऑफसेट (समाप्त) करना।

घ. सहायक कंपनी में निवेश के निपटान से प्राप्त आमदनी और निपटान की तिथि को इसकी परिसंपत्तियों में देनदारियों को हटाने के बाद वहन राशि के बीच अंतर को सहायक कम्पनी में निवेश के निपटान पर लाभ या हानि होने के कारण समेकित लाभ और हानि के विवरण में स्वीकृति दी गई है।

ङ. वर्ष के लिए समेकित सहायक कम्पनियों के लाभ/हानि के गैर-नियंत्रणकारी ब्याज अंश की पहचान की जाती है एवं कंपनी के शेयरधारकों से संबंधित शुद्ध आय पर निर्धारण हेतु समूह की आय के विरूद्ध समायोजन किया जाता है।

च. समेकित सहायक कम्पनी की शुद्ध परिसंपत्तियों के गैर-नियंत्रणकारी ब्याज अंश की पहचान की जाती है एवं कंपनी के शेयरधारकों को देयताओं एवं इक्विटी से पृथक समेकित तुलनपत्र में प्रस्तुत किया जाता है।

छ. संयुक्त उद्यम में निवेश को इंड एएस-28 के अनुसार सहयोगी एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश के इक्विटी विधि के अंतर्गत खाते में लिया गया है।

इक्विटी विधि

इक्विटी विधि के अंतर्गत, निवेश को प्रारंभ में लागत पर मान्यता दी जाती है एवं इसके बाद लाभ या हानि में निवेशी के अधिग्रहण उपरांत लाभ या हानि के समूह के अंश एवं निवेशी की अन्य व्यापक आय के समूह के अंश

Use of estimates and critical judgements

The preparation of accounts in accordance with Ind ASs requires management to make estimates and assumptions that affect the reported amounts of assets and liabilities, disclosure of contingent assets and liabilities at the date of the accounts and reported amounts of income and expenses during the period.

Actual results could differ from those estimates. The most significant techniques for estimation are described in the accounting policies below. Critical accounting judgments and the key sources of estimation or uncertainty in applying the Group's accounting policies arise in relation to property, plant and equipment, current asset provisions, deferred tax, retirement benefits. The detailed accounting policies, including underlying judgments and methods of estimations for each of these items are discussed below. All of these key factors are reviewed on a continuous basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which estimates are revised and any future periods affected.

1.C.1(b) Principles of consolidation

The consolidated financial statements relate to MSTC Ltd ('the Company') and its subsidiary company Ferro Scrap Nigam Ltd.and Joint Venture Mahindra MSTC Recycling Pvt Ltd. The consolidated financial statements have been prepared on the following basis:

A. The financial statements of the Company and its subsidiary has been combined on a line by line basis by adding together like items of assets, liabilities, equity, incomes, expenses and cash flows, after fully eliminating intra-group balances and intra-group transactions.

B. Profits or losses resulting from intra-group transactiona that are recognised in assets, such as inventory and property, plant and equipment, are eliminated in full.

C. Offset (eliminate) the carrying amount of the parent's investment in each subsidiary and the parent's portion of equity of each subsidiary.

D. The difference between the proceeds from disposal of investment in subsidiary and the carrying amount of its assets less liabilities as on the date of disposal is recognised in the Consolidated Statement of Profit and Loss being the profit or loss on disposal of investment in subsidiary.

E. Non Controlling Interest's share of profit / loss of consolidated subsidiaries for the year is identified and adjusted against the income of the group in order to arrive at the net income attributable to shareholders of the Company.

F. Non Controlling Interest's share of net assets of consolidated subsidiary is identified and presented in the Consolidated Balance Sheet separate from liabilities and the equity of the Company's shareholders.

G. Investment in Joint Venture has been accounted under the equity method as per Ind AS 28 - Investments in Associates and Joint Ventures.

Equity method

Under the equity method, the investments are initially recognised at cost and adjusted thereafter to recognise the Group's share of the post-acquisition profits or losses of the investee in profit or loss, and the Group's share of other comprehensive income

की मान्यता हेतु समायोजित होती है। संयुक्त उद्यम से लाभांश निवेश की वहन राशि में घटाव के रूप में स्वीकृति दी जाती है।

जब इक्विटी - परिकलित निवेश में समूह के हानि का अंश संस्था में उसके हित के समान या अधिक होता है, जिसमें कोई अन्य असुरक्षित दीर्घमियादी प्राप्य शामिल है, ग्रुप आगे की हानियों में मान्यता नहीं देती हैं, सिवाय इसके कि इसने दूसरी संस्था की ओर से कोई देयता व्यय किया है या भुगतान किया है।

ग्रुप और इसके संयुक्त उद्यम के बीच लेनदेनों पर वसूल नहीं हुए लाभ इन संस्थाओं में ग्रुप के हित की सीमा तक हटा दिए जाते हैं। वसूल नहीं हुई हानि को भी हटा दिया जाता है, सिवाय इसके कि लेनदेन स्थानांतरित परिसंपत्ति की क्षीणता का साक्ष्य प्रदान करता है। इक्विटी परिकलित निवेशों की लेखांकन नीतियों को समूह द्वारा अपनाई गई नीतियों के साथ अनुरूपता सुनिश्चित करने हेतु जहाँ भी आवश्यक हो, बदलाव किए गए हैं।

इक्विटी परिकलित निवेश की वहन राशि की जाँच नीति के अनुसार क्षीणता के लिए की गई है।

1. ग.2 विदेशी मुद्रा रूपांतरण

ग्रुप के वित्तीय विवरण को तैयार करते समय, कार्यात्मक मुद्रा को छोड़कर अन्य मुद्राओं में लेनदेन, लेनदेन की तिथि को प्रचलित मुद्रा दर पर दर्ज की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित मौद्रिक मदों को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रचलित दरों पर पुनः रूपांतरित किया जाता है। उचित मूल्य पर गैर-मौद्रिक मद इस तिथि पर प्रचलित दरों पर पुनः रूपांतरित होते हैं जिस पर उचित मूल्य का निर्धारण किया गया था। कोई भी गैर-मौद्रिक मद जो किसी विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत की शर्तों में पाये जाते हैं, का रूपांतरण नहीं किया जाता है।

मौद्रिक मदों के निपटारे पर एवं मौद्रिक मदों के पुनः रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित किए गए हैं। उचित मूल्य पर लिए गए गैर-मौद्रिक मदों के पुनः रूपांतरण पर उत्पन्न मुद्रा अंतर अवधि के लिए लाभ एवं हानि के विवरण में सम्मिलित है, जिसमें गैर-मौद्रिक मदों के पुनः रूपांतरण पर उत्पन्न अंतर शामिल नहीं है जिसके लिए लाभ और हानि को अन्य व्यापक आय में प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार किया जाता है।

जहाँ कहीं भी, ग्राहकों को उनके साथ अनुबंध के अनुसार विदेशी मुद्रा की अस्थिरता वहन करनी पड़ती है, ग्रुप की बहियों में विदेशी मुद्रा लाभ/हानि की स्वीकृति नहीं दी गई है।

1. ग.3 (क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के मद एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता प्राप्त है यदि यह संभव है, कि मद के साथ जुड़े भविष्य के आर्थिक लाभ कंपनी के पास आएंगे और इसकी लागत को विश्वास से मापा जा सकता है। यह मान्यता सिद्धांत संपत्ति, संयंत्र, और उपकरणों के मद को प्राप्त करने के लिए शुरू में किए गए खर्चों के लिए लागू किया जाता है और बाद में खर्च किए गए खर्चों को भी शामिल करने, किसी अंश को बदलने या सेवा देने के लिए किया जाता है। नियमित सर्विसिंग सहित सभी अन्य मरम्मत और रखरखाव लागत, लाभ और हानि के विवरण में स्वीकृति है। जब कोई प्रतिस्थापन होता है, तो प्रतिस्थापित भाग की वहन राशि को मान्यता नहीं दी जाती है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण संचित ह्रास एवं न्यूनता हानि को घटाकर लागत पर व्यक्त किये जाते हैं। लागत में प्रत्यक्ष लागत एवं व्यय शामिल हैं जो संपत्ति को उसके इच्छित उपयोग के लिए कार्यकारी स्थिति एवं स्थान पर लाने के लिए खर्च किए जाते हैं।

किसी परिसंपत्ति के निपटान पर होने वाले लाभ या हानि को बिक्री आय और परिसंपत्ति की वहन राशि के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया

of the investee. Dividends from joint venture are recognised as a reduction in the carrying amount of the investment.

When the Group's share of losses in an equity-accounted investment equals or exceeds its interest in the entity, including any other unsecured long-term receivables, the Group does not recognise further losses, unless it has incurred obligations or made payments on behalf of the other entity.

Unrealised gains on transactions between the Company and its joint venture are eliminated to the extent of the Group's interest in these entities. Unrealised losses are also eliminated unless the transaction provides evidence of an impairment of the asset transferred. Accounting policies of equity accounted investees have been changed where necessary to ensure consistency with the policies adopted by the Group.

The carrying amount of equity accounted investments is tested for impairment in accordance with the policy.

1.C.2 Foreign currency translation

In preparing the financial statements of the Group, transactions in currencies other than the functional currency are recorded at the rates of exchange prevailing on the date of the transaction. At the end of each reporting period, monetary items denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing at the end of the reporting period. Non-monetary items carried at fair value that are denominated in foreign currencies are retranslated at the rates prevailing on the date when the fair value was determined. Non-monetary items that are measured in terms of historical cost in a foreign currency are not translated.

Exchange differences arising on the settlement of monetary items, and on retranslation of monetary items are included in the Statement of Profit and Loss for the period. Exchange differences arising on retranslation on non-monetary items carried at fair value are included in statement of profit and loss for the period except for differences arising on the retranslation of non-monetary items in respect of which gains and losses are recognised directly in other comprehensive income.

Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/loss are not recognised in the books of the Group.

1.C.3 (a) Property, plant and equipment

An item of property, plant and equipment is recognised as an asset if it is probable that future economic benefits associated with the item will flow to the Group and its cost can be measured reliably. This recognition principle is applied to the costs incurred initially to acquire an item of property, plant and equipment and also to costs incurred subsequently to add to, replace part of, or service it. All other repair and maintenance costs, including regular servicing, are recognised in the Statement of Profit and Loss as incurred. When a replacement occurs, the carrying amount of the replaced part is derecognised.

Property, plant and equipment are stated at cost, less accumulated depreciation and impairment losses. Cost includes all direct costs and expenditures incurred to bring the asset to its working condition and location for its intended use.

The gain or loss arising on disposal of an asset is determined as the difference between the sale proceeds and the carrying

जाता है और लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण में शामिल हैं - खुले संयंत्र और औजार जो कि उनके अपेक्षित उपयोगी जीवन और अनुमानित स्क्रैप मूल्य और साथ ही स्पेयर से संबंधित बट्टे राशि को निकालकर दिए गए हैं, जिसके विरूद्ध जहाँ भी आवश्यकता है क्षति प्रावधान दिए गए हैं, ताकि धीमी गति वाले एवं अप्रचलित मदों को उपलब्ध किया जा सके।

भूमि की एक अनिश्चित आर्थिक काल है। कंपनी इसे वर्षों के पट्टा के रूप में उपयोग कर सकती है। अग्रिम के रूप में भुगतेय पट्टा का परिशोधन पट्टा अवधि तक किया जा सकता है।

चालू पूंजी कार्य को लागत पर मूल्यांकित किया जाता है एवं इसमें मार्गस्थ उपकरण और स्थायी परिसंपत्तियों की लागत शामिल हैं जो रिपोर्टिंग तिथि को उनके उपयोग के लिए तैयार नहीं है।

''गैर-चालू संपत्ति'' के अन्तर्गत ''बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ'' अपनी वहन राशि पर निरंतर प्रयोग की बजाय मुख्यतया बिक्री लेनदेन से वसूली जाएगी एवं बिक्री को उच्च सम्भाव्य माना गया है। परिसंपत्ति जैसे कि आस्थगित कर संपत्ति, कर्मचारी लाभ से उत्पन्न संपत्ति, वित्तीय संपत्ति को छोड़कर ये अपनी वहन राशि और बिक्री मूल्य को घटाकर उचित मूल्य के निचले हिस्से में मापे जाते हैं जो कि विशेष रूप से इस आवश्यकता से मुक्त है। इसके अलावा, जहाँ प्रबंधन को अपेक्षित है कि उक्त परिसंपत्तियों का कोई भी हिस्सा तुलन पत्र की तिथि को एक वर्ष के अंदर संभवतः निपटाया जाएगा, तो इन्हें चालू परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

''बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ'' अपने शुद्ध पुनरांकित मूल्य पर ''गैर-चालू परिसंपत्ति'' के अन्तर्गत वर्गीकृत की जाती है, क्योंकि ये परिसंपत्तियाँ आम सतत प्रचालनों से पहले ही अवकाश ले चुकी है एवं केवल बिक्री/नीलामी के लिए रखी गई है।

''बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ'' तुलन पत्र में अन्य परिसंपत्तियों से पृथक रूप में प्रस्तुत की गई हैं। बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत देयताएँ तुलन पत्र में अन्य देयताओं से पृथक रूप में प्रस्तुत की गई है।

1. ग.3 (ख) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का मूल्यह्रास

मूल्यह्रास को सीधी रेखा के आधार पर बट्टा खाता के रूप में संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरणों के अविष्ट मूल्य पर प्रावधान किया जाता है। यह प्रभार संपत्ति की तारीख से प्रारम्भ किये जाते हैं, जब से इच्छित उपयोग के लिए उपलब्ध होती है तथा उनके अनुमानित उपयोगी आर्थिक जीवन पर लिया जाता है। सम्पत्तियों का अनुमानित उपयोगी जीवन एवं अवशिष्ट मूल्य की नियमित रूप से समीक्षा की जाती है एवं जब आवश्यकता होती है, संशोधन किया जाता है। उन सम्पत्तियों के संबंध में आगे कोई प्रभार नहीं दिया जाता है जो पूर्णतया अवलेखित हो चुकी है, परन्तु अभी भी उपयोग में है।

निर्माणाधीन परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास संपत्ति के अभीष्ट उपयोग के लिए प्रस्तुत होने पर शुरू होता है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की लागत को उनके उपयोगी जीवनकाल पर आवंटित करने हेतु उनके अवशिष्ट मूल्यों को छोड़कर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

प्रमुख श्रेणी की संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण का अपेक्षित उपयोगी जीवन :

परिसंपत्ति का प्रकार	अनुमानित उपयोगी जीवन (वर्ष)
कार्यालय उपकरण	5
वाहन	8
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	10
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स	10

amount of the asset, and is recognised in the Statement of Profit and Loss.

Included in property, plant and equipment are loose plant and tools which are stated at cost less amounts written off related to their expected useful lives and estimated scrap value and also spares, against which impairment provisions are made where necessary to cover slow moving and obsolete items.

Land has an indefinite ecomomic life. The Company can enjoy the part of the life restricted to years of lease.The lease rent paid in advance is being amortised over the period of lease.

Capital work-in-progress is valued at cost and includes equipment in transit and the cost of fixed assets that are not ready for their intended use at the reporting date.

"Assets classified as held for sale" is under "Non-current Asset" at their carrying amount will be recovered principally through a sale transaction, rather than through continuing use and a sale is considered highly probable. They are measured at the lower of their carrying amount and fair value less cost to sell, except for asset such as Deferred Tax Asset, Assets arising from employee benefits, Financial Assets which are specifically exempt from this requirement. Further, where the management expects that any part of said assets is likely to be disposed off within one year on the Balance Sheet date, the sama are classified as current assets.

"Assets classified as held for sale" is classified under "Non-current Asset" at their net written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale/ auction.

"Assets classified as held for sale" are presented separately from the other assets in the balance sheet. The liabilities classified as held for sale are presented separately from the other liabilities in the belanca sheet.

1.C.3(b) Depreciation of property, plant and equipment

Depreciation is provided so as to write off, on a straight-lina basis, the cost of property, plant and equipment to their residual value. These charges are commencad from the date tha assets are available for their intended use and are spread over their estimated useful economic lives. The estimated useful lives of assets and residual values are reviewed regularly and, when necessary, revised. No further charge is provided in respect of assets that are fully written down but are still in use.

Depreciation on assets under construction commences only when tha assets are resdy for their intended use.

Depreciation is provided to allocate the costs of property, plant and equipment, nat of their residual values, over their useful life as specified in Schedule II of tha Compenies Act, 2013.

The estimated useful lives for the main categories of property, plant and equipment are :

Type of Asset	Estimated Useful life(Years)
Office Equipment	5
Vehicles	8
Furniture and Fixtures	10
Partition and Cubicles	10

बिल्डिंग	60
एयर कंडिशनर्स	10
कम्प्यूटर्स	3
सर्वर्स	6
हॉट स्लैग संचालन के लिए प्रयुक्त प्लांट एवं मशीनरी	5
डोजर	7
एक्सकैलेटर 1.2 से 5 घन मी.	7
क्रेन	15
मैग्नेटिक सेपरेटर	15
उपर्युक्त परिसंपत्तियों को छोड़कर 'प्लांट एवं मशीनरी' के अंतर्गत सभी परिसंपत्तियाँ	9.9
पाँच हजार रुपये से कम मूल्यवाली परिसंपत्तियाँ	100%
सौर संयंत्र	10

निर्माण के दौरान संपत्ति को प्रगति में पूंजीगत कार्य के तहत शामिल किया जाता है और किसी भी मान्यता प्राप्त हानि से कम लागत पर किया जाता है। इस तरह के पूंजीगत प्रगति पर कार्य पूरा होने पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की उपयुक्त श्रेणी में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

1.ग 3 (ग) अमूर्त परिसंपत्तियां

सीमित उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्तियां जो अलग-अलग अधिगृहित की गई हैं, उन्हें संचित परिशोधन एवं संचित न्यूनतम हानि को घटाकर लागत पर लिया जाता है। परिशोधन को अपने अनुमानित उपयोगी जीवन पर एक सीधी रेखा के आधार पर मान्यता प्राप्त है। अनुमानित उपयोगी जीवन और परिशोधन विधि को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समीक्षा की जाती है, जिसमें किसी भावी आधार पर, अनुमान में किसी परिवर्तन के प्रभाव को लिया जाता है।

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर सीधे तौर पर 6 वर्षों के अपने अनुमानित उपयोगी जीवन (किसी भी अवशिष्ट मूल्य के बिना) पर परिशोधित है।

अमूर्त परिसंपत्ति निपटान पर गैर-स्वीकृति दी जाती है, या जब उपयोग या निपटान पर कोई भावी आर्थिक लाभ अपेक्षित नहीं रहता है। इसके अलावा, प्रबंधन अनुमान लगाती है कि अमूर्त परिसंपत्ति का उसके उपयोगी जीवनकाल के अंत में शून्य वहन लागत है अर्थात् शून्य अवशिष्ट मूल्य है।

सॉफ्टवेयर अलग से लिये गये साफ्टवेयर के रूप में पंजीकृत है इन्हें लाइसेंस की अवधि तक परिशोधित किया जाता है। नियमित लाइसेंस के मामले में लागत 5 वर्षों की अवधि तक परिशोधित किया जाता है।

1.ग. 4 गैर-वित्तीय संपत्तियों की क्षीणता

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, ग्रुप सुनिश्चित करने के लिए संपत्तियों, संयंत्र एवं उपकरणों की तथा अमूर्त संपत्तियों की वहन कीमत की समीक्षा करती है, क्योंकि उन संपत्तियों की वहन कीमत निरंतर उपयोग के जरिए वसूली योग्य नहीं हो सकती है, का कोई संकेत तो नहीं है। यदि ऐसा कोई संकेत मिलता है, तो सम्पत्ति की वसूली योग्य कीमत की क्षीणता हानि (यदि कोई है) के निर्धारण हेतु समीक्षा की जाती है। जहाँ सम्पत्ति से नगद प्रभाव की सृष्टि नहीं होती है जो अन्य सम्पत्ति से स्वतंत्र है, कंपनी नगद सृष्टिकारी इकाई जिससे सम्पत्ति का संबंध है, की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। अनिर्दिष्ट उपयोगी जीवन के साथ अमूर्त संपत्ति की क्षीणता वार्षिक रूप से जांच की जाती है एवं जहां उसका कोई

संकेत मिलता है, संपत्ति क्षीणता को प्राप्ति कर सकती है।

वसूली योग्य राशि बिक्री मूल्य को घटाकर प्राप्त उचित मूल्य एवं उपयोग मूल्य में से अधिक वाली राशि होती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने के लिए अनुमानित भविष्य के नकदी प्रवाह को उनके वर्तमान मूल्य से पूर्व कर छूट दर का उपयोग करते हुए छूट दी जाती है, जो राशि के समय

Building	60
Air Conditioners	10
Computers	3
Servers	6
Plant and Machinery used for hot slang handling	5
Dozer	7
Excavators 1.2 to 5 Cum	7
Cranes	15
Magnetic Separators	15
All assets under "Plant and Machinery" except assets mentioned above	9.9
Assets with value less than Rupees Five Thousand	100 %
Solar Plant	10

Assets in the course of construction are included under capital work in progress and are carried at cost, less any recognized impairment loss. Such capital work-in-progress, on completion, is transferred to the appropriate category of property, plant and equipment.

1.C.3 (c) Intangible Assets

Intangible assets with finite useful lives that are acquired separately are carried at cost less accumulated amortization and accumulated impairment losses. Amortization is recognised on a straight-line basis over their estimated useful lives. The estimated useful life and amortization method are reviewed at the end of each reporting period, with the effect of any changes in estimate being accounted for on a prospective basis.

Computer software is amortised over its estimated useful life of 6 years (without any residual value) on a straight line basis.

An intangible asset is de-recognised on disposal, or when no future economic benefits are expected from use or disposal. Further, the management estimates that the intangible assets are having zero carrying cost at the end of its useful life i.e. zero residual value.

Softwares acquired separately are capitalised as software.These are amortized over a period of their license. In case of perpetual licences the cost is amortized over a period of five years.

1.C.4 Impairment of non-financial assets

At the end of each reporting period, the Group reviews the carrying amounts of its property, plant and equipment and intangible assets to determine whether there is any indication that the carrying amount of those assets may not be recoverable through continuing use. If any such indication exists, the recoverable amount of the asset is reviewed in order to determine the extent of impairment loss (if any). Where the asset does not generate cash flows that are independent from other assets, the Group estimates the recoverable amount of the cash generating unit to which the asset belongs. Intangible assets with an indefinite useful life are tested for impairment annually and whenever there is an indication, the asset may be impaired.

Recoverable amount is the higher of fair value less costs to sell and value in use. In assessing value in use, the estimated future

आधारित मान के चालू बाजार आकलन एवं संपत्ति के विशिष्ट जोखिमों को प्रतिबिंबित करती है जिसके लिए भावी नकद प्रवाह के अनुमान का समायोजन नहीं किया गया है। क्षीणता हानि को लाभ एवं हानि के विवरण में मान्यता दी जाती है जब संपत्ति की वहन कीमत वसूली योग्य राशि से अधिक हो।

जब कोई क्षीणता हानि तत्पश्चात व्युत्क्रमित होती है, तो परिसंपत्ति की वहन राशि (या नकद सृजन इकाई) अपनी वसूली योग्य राशि के संशोधित अनुमान में बढ़ती है, पर इतना कि वर्धित वहन राशि उस राशि से अधिक न हो, जो निर्धारित किया गया होता, अगर पूर्व के वर्षों में क्षीणता हानि परिसंपत्ति (या नकद सृजन इकाई) के लिए स्वीकृति नहीं दी गई होती। क्षीणता हानि की विपरीत स्थिति को तुरंत लाभ या हानि में स्वीकृति दी जाती है।

1.ग.5 सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश

सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश लागत पर किया जाता है। जहां नुकसान का संकेत दिखता है, निवेश की धारित राशि का आकलन किया जाता है एवं तुरंत उसे वसूलीयोग्य राशि में लिख लिया जाता है। सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यम में निवेश के निपटान पर शुद्ध निपटान प्रक्रिया एवं धारित राशि के बीच का अंतर लाभ एवं हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

1.ग.6 वित्तीय लेखपत्र

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को तब मान्यता दी जाती है जब ग्रुप वित्तीय लेखपत्र के संविदागत प्रावधानों के लिए एक पार्टी बन जाती है। वित्तीय संपत्तियां एवं दायित्व प्रारम्भ में उचित मूल्य में मापे जाते हैं। लेनदेन की लागतें जो वित्तीय संपत्तियों और वित्तीय देयताओं (वित्तीय संपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य के अलावा) के अधिग्रहण या निर्गम के लिए प्रत्यक्ष रूप से आरोपित है, उन्हें वित्तीय संपत्तियों या वित्तीय दायित्वों के प्रारम्भिक मान्यता पर मापे गए निष्पक्ष मूल्य से जोड़ा या घटाया जाता है। लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियों एवं वित्तीय देनदारियों के अधिग्रहण पर सीधे आरोप्य लेनदेन लागत को लाभ और हानि के विवरण में तुरंत मान्यता दी जाती है।

(क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ

I. परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को तदुपरांत परिशोधित लागत पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती है जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों के नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलतः बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

प्रारंभिक माप के पश्चात ऐसी वित्तीय संपत्तियाँ तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) विधि के प्रयोग द्वारा परिशोधित लागत पर मापी जाती है।

प्रभावी ब्याज दर विधि वित्तीय साधन की परिशोधित लागत के निर्धारित एवं संबंधित अवधि पर ब्याज आय या व्यय के आवंटन की विधि है। प्रभावी ब्याज वह दर है जो वित्तीय साधन के अपेक्षित जीवन या जहाँ उपयुक्त हो, कम अवधि के माध्यम से ठीक उतनी ही भावी नकद प्राप्ति या भुगतान की छूट देती है।

cash flows are discounted to their present value using a pre-tax discount rate that reflects current market assessments of the time value of money and the risks specific to the asset for which the estimates of future cash flows have not been adjusted. An impairment loss is recognised in the Statement of Profit and Loss as and when the carrying amount of an asset exceeds its recoverable amount.

Where an impairment loss subsequently reverses, the carrying amount of the asset (or cash generating unit) is increased to the revised estimate of its recoverable amount, but so that the increased carrying amount does not exceed the carrying amount that would have been determined had no impairment loss been recognised for the asset (or cash generating unit) in prior years. A reversal of an impairment loss is recognised in profit or loss immediately.

1.C.5 Investment in Subsidiaries and Joint venture

Investment in subsidiary and Joint venture are carried at cost. Where an indication of impairment exists, the carrying amount of the investment is assessed and written down immediately to its recoverable amount. On disposal of investments in subsidiary and joint venture, the difference between net disposal proceeds and carrying amounts are recognised in Statement of Profit and Loss.

1.C.6 Financial Instruments

Financial assets and financial liabilities are recognised when the Group becomes a party to the contractual provisions of the instrument. Financial assets and liabilities are initially measured at fair value. Transaction costs that are directly attributable to the acquisition or issue of financial assets and financial liabilities (other than financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss) are added to or deducted from the fair value measured on initial recognition of financial asset or financial liability. The transaction costs directly attributable to the acquisition of financial assets and financial liabilities at fair value through profit or loss are immediately recognised in the Statement of Profit and Loss.

a) Financial assets

I. Financial assets at amortised cost

Financial assets are subsequently measured at amortised cost if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows and the contractual terms of the financial asset give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

After initial measurement, such financial assets are subsequently measured at amortised cost using the effective interest rate (EIR) method.

The effective interest rate method is a method of calculating the amortised cost of a financial instrument and of allocating interest income or expense over the relevant period. The effective interest rate is the rate that exactly discounts future cash receipts or payments through the expected life of the financial instrument, or where appropriate, a shorter period.

II. अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

वित्तीय परिसंपत्तियों को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है, यदि ये वित्तीय परिसंपत्तियाँ एक व्यवसाय मॉडल के रूप में रखी जाती हैं जिनका उद्देश्य संविदागत नकद प्रवाह को एकत्रित करने या इन वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचने के लिए इन संपत्तियों को रखना है एवं वित्तीय परिसंपत्ति की संविदागत शर्तें निर्दिष्ट तिथियों को नकद प्रवाह को बढ़ाती है जो मूलतः बकाया मूलधन एवं इस मूलधन पर ब्याज के भुगतान हैं।

इन मानदंडों को पूरा करने वाली वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्रारंभ में उचित मूल्य और साथ में लेनदेन लागत पर मापी जाती है। ये तदुपरांत अन्य व्यापक आय में स्वीकृत पुनःमापन पर उत्पन्न किसी लाभ या हानि के साथ उचित मूल्य पर मापी जाती हैं। तथापि, ब्याज आय, हानियाँ एवं उत्क्रमण था विदेशी मुद्रा लाभ एवं हानि की स्वीकृति लाभ एवं हानि विवरण में दी जाती है।

III. लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य, पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियाँ

अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत या उचित मूल्य में नहीं मापी गई परिसंपत्ति लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर ली जाती है।

वित्तीय परिसंपत्ति की क्षीणता

अपेक्षित क्रेडिट हानियों के लिए हानि भत्ते को अन्य व्यापक आय के माध्यम से परिशोधित लागत एवं उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए स्वीकृति दी जाती है।

जीवनभर के लिए अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को तब स्वीकृति दी जाती है जब वित्तीय साधनों पर क्रेडिट जोखिम में प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से बढ़ोतरी हुई है। वित्तीय साधन जिनके क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक स्वीकृति से उल्लेखनीय रूप से नहीं बढ़े हैं, तो बारह महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानियों के बराबर हानि भत्ते को स्वीकृति दी जाती है।

वित्तीय परिसंपत्तियों का गैर-मान्यताकरण

ग्रुप किसी वित्तीय परिसंपत्ति को तब स्वीकृति नहीं देती है, जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह के अनुबंधित अधिकार खत्म हो जाते हैं या वित्तीय संपत्ति और साथ ही परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखमों और पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से किसी दूसरी संस्था को स्थानांतरित करती है। यदि कम्पनी पर्याप्त रूप से स्वामित्व के सभी जोखिम एवं पुरस्कार को न तो स्थानांतरित करती है और न ही बरकरार रखती है एवं हस्तांतरित परिसंपत्ति का नियंत्रण जारी रखती है, तब कम्पनी परिसंपत्तियों में बरकरार रखे अपने हित एवं उस राशि के लिए किसी संबंधित देनदारी जिसका भुगतान करना पड़ सकता है, को स्वीकृति देती है। यदि कंपनी किसी हस्तांतरित वित्तीय परिसंपत्ति के स्वामित्व के सभी जोखिमों एवं पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से बरकरार रखती है, तो कंपनी वित्तीय परिसंपत्ति की स्वीकृति जारी रखती है एवं प्राप्त कार्यवाहियों के सहवर्तित उधारी को भी स्वीकृति देती है।

ख) वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी लेखपत्र

वर्गीकरण

कंपनी द्वारा जारी वित्तीय देनदारियों एवं इक्विटी साधनों को निष्पादित अनुबंधित व्यवस्थाओ के सार एवं किसी वित्तीय देनदारी एवं इक्विटी लेखनपत्र की परिभाषाओं के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है।

इक्विटी लेखपत्र

इक्विटी लेखनपत्र एक संविदा है जो सभी देनदारियों को घटाने के बाद कंपनी की परिसम्पत्तियों में अवशिष्ट ब्याज का साक्ष्य प्रस्तुत करती है। इक्विटी लेखनपत्र को प्रत्यक्ष जारी मूल्य को छोड़कर प्राप्त अर्जनों पर दर्ज किया जाता है।

II. Financial assets measured at fair value through Other comprehensive income

Financial assets are measured at fair value through other comprehensive income if these financial assets are held within a business model whose objective is to hold these assets in order to collect contractual cash flows or to sell these financial assets and the contractual terms of the financial asset give rise on specified dates to cash flows that are solely payments of principal and interest on the principal amount outstanding.

Financial assets meeting thesa criteria are measured initially at fair value plus transaction costs. They are subsequently measured at fair value with any gains or losses arising on remeasurement recognised in other comprehensive income. However, the interest income, losses & reversals, and foreign exchange gains and losses are recognised in the Statement of Profit and Loss.

III. Financial assets measured at fair value through profit or loss

Financial asset not measured at amortised cost or at fair value through other comprehensive income is carried at fair value through profit or loss.

Impairment of financial assets

Loss allowance for expected credit losses is recognised for financial assets measured at amortised cost and fair value through other comprehensive income.

Loss allowance equal to the lifetime expected credit losses is recognised if the credit risk on the financial instruments has significantly increased since initial recognition. For financial instruments whose credit risk has not significantly increased since initial recognition, loss allowance equal to twelve months expected credit losses is recognised.

Derecognition of financial assets

The Group derecognises a financial asset only when the contractual rights to the cash flows from the asset expire, or it transfers the financial asset and substantially all risks and rewards of ownership of the asset to another entity. If the Group neither transfers nor retains substantially all the risks and rewards of ownership and continues to control the transferred asset, the Group recognizes its retained interest in the assets and an associated liability for amounts it may have to pay. If the Group retains substantially all the risks and rewards of ownership of a transferred financial asset, the Group continues to recognize the financial asset and also recognizes a collateralised borrowing of the proceeds received.

b) Financial liabilities and equity instruments

Classification

Financial liabilities and equity instruments issued by the Group are classified according to the substance of the contractual arrangements entered into and the definitions of a financial liability and an equity instrument.

Equity Instruments

An equity instrument is any contract that evidences a residual interest in the assets of the Group after deducting all of its liabilities. Transaction costs of an equity transaction are being accounted as a deduction from equity.

वित्तीय देनदारियाँ

ग्रुप की वित्तीय देनदारियों में व्यापार एवं अन्य देय तथा उधारी और साथ ही बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल हैं जिन्हें प्रारंभ में कुल लेनदेन मूल्यों, उचित मूल्य पर मापा जाता है एवं तदुपरांत प्रभावी ब्याज दर विधि का प्रयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है।

वित्तीय देनदारियों की गैर-मान्यता

ग्रुप वित्तीय देनदारियों को केवल तब गैर-मान्यता देती है, जब कंपनी के दायित्व पूरे हो जाते हैं, रद्द हो जाते हैं या वे समाप्त हो जाते हैं।

वित्तीय साधनों का ऑफसेटिंग

वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देनदारियाँ उस समय क्षतिपूरित हो उठती है एवं शुद्ध राशि तुलनपत्र में रिपोर्ट की जाती है, जब स्वीकृत राशियों की क्षतिपूर्ति के लिए कानूनी तौर पर लागू योग्य कोई अधिकार है एवं शुद्ध आधार पर निपटाने या परिसंपत्ति को प्राप्त करने एवं देनदारी निपटाने की कोई इच्छा है। कानूनी तौर पर लागू योग्य अधिकार भावी गतिविधियों पर आकस्मिक नहीं होना चाहिए एवं व्यवसाय के सामान्य प्रचालन और प्रतिपक्ष की चूक, दिवालियापन, दिवाला की स्थिति में निश्चित रूप से लागू योग्य हो।

1.ग.7 नकद एवं नकद समतुल्य

नकद प्रवाह के विवरण में प्रस्तुत करने के प्रयोजन से नकद और नकद समतुल्य हाथ में नकद, तीन महीने की मूल या उससे कम परिपक्वता वाले उच्च रूप से तरल निवेश जो ज्ञात नकद राशि में तुरंत परिवर्तन योग्य है, बैंक में नकद एवं बैंक ओवरड्राफ्ट शामिल है और जो मूल्य में गैर-उल्लेखनीय परिवर्तन जोखिम के अधीन है। बैंक ओवरड्राफ्ट को तुलनपत्र में चालू देनदारियों में उधारी के अंदर दिखाया गया है।

1.ग.8 सामान सूची

मार्गस्थ सामग्री समेत व्यापारित स्टॉक लागत पर या अनुमानित शुद्ध वसूली योग्य लागत, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित होती है ।

सहायक कम्पनी के मामले में :

(i) अचल मालसूचियों को छोड़कर अन्य मालसूची अनुमानित शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, की लागत पर मूल्यांकित होती है। इस लागत में क्रय लागत एवं अन्य प्रत्यक्ष व्यय शामिल है, मगर ऐसी वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क छोड़कर है, जिसके लिए सेनवैट ऋण नियम 2004 के नियम 3(1) के अनुसार कंपनी सेनवैट क्रेडिट प्राप्त करने के योग्य है।

(ii) मालसूची की वो मदें जो तीन से अधिक वर्षों के लिए हटायी नहीं गई है, को गैर-चल मालसूची माना जाता है। गैर-चल मालसूची को 2001-02 से प्रत्येक वर्ष लगातार दस प्रतशित घटाते हुए मूल्यांकित किया जाता है।

(iii) स्क्रैप युक्त/अनावश्यक स्टोर्स की मदें अनुमानित शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, की लागत पर मूल्यांकित होती है।

1.ग.9 राजस्व की मान्यता

निम्नलिखित मदों को छोड़ कर उपचय आधार पर राजस्व स्वीकार किया जाता है जो वास्तविक वसूली पर लेखाकृत किया जाता है, चूंकि ऐसी सामग्रियों की वसूली क्षमता लेखा मानकों के प्रावधानों के अनुसार अनिश्चित है :

i) निष्पादित/विवादास्पद बकाये एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, हेतु विचाराधीन निर्णय।

ii) अतिदेय वसूलीयोग्य पर ब्याज जहां वसूली क्षमता अनिश्चित है।

Financial Liabilities

The Group's financial liabilities include Trade and other payables and borrowings including Bank Overdrafts are initially measured at fair value, net of transaction costs, and are subsequently measured at amortised cost, using the effective interest rate method.

Derecognition of financial liabilities

The Group derecognizes financial liabilities when, and only when, the Group's obligations are discharged, cancelled or they expire.

Offsetting financial instruments

Financial assets and liabilities are offset and the net amount reported in the Balance Sheet when there is a legally enforceable right to offset the recognised amounts and there is an intention to settle on a net basis or realize the asset and settle the liability simultaneously. The legally enforceable right must not be contingent on future events and must be enforceable in the normal course of business and in the event of default, insolvency or bankruptcy of the counterparty.

1.C.7 Cash and cash equivalents

For the purpose of presentation in the statement of cash flows, cash and cash equivalent includes cash on hand, highly liquid investments with original maturities of three months or less that are readily convertible to known amounts of cash, cash at bank, and bank overdraft and which are subject to an insignificant risk of changes in value. Bank overdrafts are shown within borrowings in current liabilities in the Balance Sheet.

1.C.8 Inventories

Stock in trade including material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is lower.

In case of subsidiary :

(i) Inventories other than non-moving inventories are valued at cost or estimated net realizable value whichever is lower. The cost includes purchase cost and other direct expenses but exclude excise duty on such goods where the compay is eligible to take cenvat credit in accordance with rule 3(1) of the Cenvat Credit Rules 2004.

(ii) The inventory items, which have not moved for more than three years, are considered as non-moving inventories. Non-moving invantories are valued at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001-02.

(iii) The scrapped/redundant stores items are valued at cost or estimated net realizable value whichever is lower.

1.C.9 Revenue recognition

Revenue is recognised on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realisibility of such items is uncertain in accordence with the provisions of the accounting standards:

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

ii) Interest on overdue recoverables where realisability is uncertain.

iii) आपूर्तिकर्ताओं या ठेकेदारों पर परिसमापन हर्जाना।

iv) आयकर/बिक्री कर/वैट जीएसटी एवं इस पर ब्याज की वापसी।

v) लाभांश आय की स्वीकृति दी जाती है जब भुगतान प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होता है।

बिक्री

i) उच्च समुद्री बिक्री (हाई सी सेल्स) की बुकिंग हाई सी सेल पत्र जारी करने की तिथि के आधार पर की जाती है। मूल्य के संबंध में, बिक्री यदि बुक की गई हो, तो अनुबंधित फारवर्ड मुद्रा दरों पर या फिर प्रावधानित रूप से वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि को प्रचलित एफईडीएआई स्पॉट मुद्रा दरों के आधार पर की जाती है, जहाँ फारवर्ड कवर नहीं लिया गया था, जिसमें सी एवं एफ/सीआईएफ मूल्य, मियादी ब्याज, तदुपरांत वित्तीय वर्ष में भुगतान की नियत तिथि को अंतिम समायोजन शामिल है।

ii) स्वदेशी सामग्रियों के मामले में, परिवहन दस्तावेजों की तिथि के आधार पर एवं मूल्य के संबंध में चालान के मूल्य के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। दरवाजे पर डिलीवरी के आधार पर की गई बिक्री के मामले में बिक्री बिल की तिथि पर बुक की जाती है।

iii) निर्यात के मामले में, शिपमेंट की तारीख के आधार पर बिक्री को हिसाब में लिया जाता है। मूल्य के संबंध में, बिक्री अनुबंधित फॉरवर्ड विनिमय दरों पर बुक किए जाने पर या सीमा शुल्क अनुमत दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख को एफईडीएआई दर पर बुक की जाती है जिसके बाद निर्यात की प्राप्ति की वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन किया जाता है।

सेवा प्रभार

सरलीकरण (फेसिलेटेटर) पद्धति के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन हेतु एवं नीलामी, निविदाओं या किसी अन्य साधन द्वारा प्रिन्सिपल की ओर से विक्रय/क्रय के संचालन हेतु पारिश्रमिक को सेवा प्रभार के रूप में हिसाब लिया जाता है।

क) निम्नलिखित पर सेवा प्रभार को अनुबंधित दरों पर आय के रूप में लिया जाता है :

i. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से बिक्री आदेश/सुपुर्दगी आदेश के जारी करने पर निविदा/ऑक्शन बिक्री।

ii. ई-बिक्री को संतोषजनक पूरा करने पर।

(i) व (ii) के संबंध में, सेवा प्रभार प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक सुपुर्दगी के आधार पर समायोजन के साथ, यदि कोई है, ऑक्शन की बोली मूल्य पर लिया जाता है, यदि सेवा प्रभार प्रतिशत आधार पर भुगतानयोग्य है।

iii. गतिविधि के आधार पर सेवा ठेका के मामले में, गतिविधि के घटने पर।

iv. ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा प्रभार तब बुक किया जाता है, जहाँ सेवा प्रभार गतिविधि की समाप्ति पर प्रिंसिपल से संग्रह योग्य है।

(ख) बोलीदाताओं से एकत्रित ई-प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गतिविधि के सफलतापूर्वक संचालित होने पर हिसाब में लिया जाता है।

(ग) सुगमकर्ता (फेसिलिटेटर)के रूप में क्रय के संबंध में प्रोद्भूत सेवा प्रभार बिल ऑफ लैडिंग/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद जैसे भी मामले हो, की तारीख के आधार पर संविदागत दर पर खाते में लिया जाता है। आयातित सामग्रियों हेतु, वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को प्रचलित फॉरवर्ड कवर रेट पर या एफईडीएआई स्पॉट दर पर मूल्य सुनिश्चित किया

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT/GST and interest thereon.

v) Dividend income is recognised when right to receive payment is established.

SALES

i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usuance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.

ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of date of transport documents and as regards value, based on the value of invoices. In case of sale on door delivery basis sales are booked on sales invoice dates.

iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the FEDAI rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realisation of export proceeds.

SERVICE CHARGES

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode and for conducting sales/procurement on behalf of Principals, by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

(a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on:

i. Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.

ii. On satisfactory completion of e-sales.

In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals, in case service charges are payable on percentage basis.

iii. On occurrence of event, in case of service contract on event basis.

iv. In case of e-Procurement Service charges are booked, where service charges are collectable from the Principal, on completion of event.

(b) e-Procurement transaction fees collected from bidders are accounted on successful conduct of event.

(c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at FEDAI spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is

जाता है। वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन किया जाता है। स्वदेशी सामग्रियों में मूल्य ठेकागत दर में वास्तविक भुगतान के आधार पर सुनिश्चित किया जाता है।

(घ) सहायक कंपनी के मामले में, सेवा प्रभार स्क्रैप एवं अन्य मदों के प्रक्रियाकरण, गोदाम प्रबंधन के लिए अभिरक्षक सेवा एवं संबंधित इस्पात संयंत्रों एवं अन्य पक्षों के साथ रजामंद/प्रस्तावित दरों पर कंपनी द्वारा निष्पादित संपत्तियों के मूल्यांकन के संबंध में सेवा हेतु अर्जित आय को प्रस्तुत करता है।

ई-ऑक्शन पंजीकरण

विक्रेताओं से संग्रहित ई-ऑक्शन पंजीयन शुल्क चालू वर्ष के आय के रूप में विचार किया जाता है, यदि पंजीयन की वैधता एक वर्ष तक है। जीवन भर के पंजीयन के मामले में संग्रहित राशि पांच वर्षों में समान रूप से वितरित की जाती है।

अन्य आय

निम्नलिखित मदों को छोड़ कर उपचय आधार पर राजस्व स्वीकार किया जाता है जो वास्तविक वसूली पर लेखाकृत किया जाता है, चूंकि ऐसी सामग्रियों की वसूली क्षमता लेखा मानकों के प्रावधानों के अनुसार अनिश्चित है :

i) निष्पादित/विवादास्पद बकाये एवं उस पर ब्याज, यदि कोई है, हेतु विचाराधीन निर्णय।

ii) अतिदेय वसूली योग्य पर ब्याज जहां वसूली क्षमता अनिश्चित है।

iii) आपूर्तिकर्ताओं या ठेकेदारों पर परिसमापन हर्जाना।

iv) आयकर/बिक्री कर/वैट जीएसटी एवं इस पर ब्याज।

v) लाभांश आय की स्वीकृति दी जाती है जब भुगतान प्राप्ति का अधिकार प्राप्त होता है।

क्रय

i) आयातित सामग्रियां बिल की प्राप्ति की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखाकृत की जाती है। मूल्य के संबंध में, खरीद की वास्तविक प्रेषण के आधार पर बुक किया जाता है और जहाँ अनुबंधित फारवर्ड विनिमय दरों के आधार पर, यदि बुक किया जाता है या एफईडीएआई स्थल विनिमय दरें अंतिम तथि पर प्रचलित हैं, तो इस तरह प्रेषण वर्ष के करीब बकाया है, वित्तीय वर्ष के मामले में पहले आच्छादित नहीं किया गया था, खरीद मूल्य में सामग्री मूल्य भाड़ा, बीमा आदि शामिल है और अनुवर्ती वित्तीय वर्ष वास्तविक भुगतान पर अंतिम समायोजन द्वारा अनुसरित होता है।

II) स्वदेशी सामग्रियों के मामले में, चालान के मूल्य के आधार पर परिवहन दस्तावेजों के आधार पर और मूल्य के आधार पर खरीद की जाती है।

1.सी. 10 ऋण लागत

अर्हक संपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के लिए सीधे उधार लेने की लागत, ऐसी परिसंपत्तियां हैं जो आवश्यक रूप से अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए तैयार होने के लिए पर्याप्त समय लेती हैं, उन परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ दी जाती हैं, जब तक कि संपत्ति के रूप में अपने इच्छित उपयोग या बिक्री के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं। विशिष्ट आय के अस्थायी निवेश पर अर्जित अन्य आय अर्हकारी संपत्तियों पर उनके व्यय को लंबित कर देती है और पूंजीकरण के लिए योग्य उधार की लागत से कटौती की जाती है।

made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

(d) In case of subsidiary, service charges represent the income earned for processing of scrap and other items, custodian services for warehouse management and service related to valuation of assets done by the company at the rates agreed with/offered to the respective Steel Plants and other parties.

e-AUCTION REGISTRATION

e-Auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

OTHER INCOME

Revenue is recognised on accrual basis except in the following items which are accounted on actual realization since realisibility of such items is uncertain in accordance with the provisions of the eccounting standards:

i) Decrees pending for execution/contested dues and interest thereon, if any.

II) Interest on overdue recoverables where realisability is uncertain.

iii) Liquidated damages on suppliers or contractors.

iv) Refund of Income-Tax/Sales Tax/VAT/GST and interest thereon.

v) Dividend income is recognised when right to receive payment is established

PURCHASES

(i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or FEDAI spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover is not taken, as the case may be. Purchase value includes material value freight, insurance etc. and usuance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.

(ii) In case of indigenous matarials, purchases are booked on the basis of transport documents and as regards value, based on the value of invoices.

1.C.10 Borrowing cost

Borrowing costs directly attributable to the acquisition, construction or production of qualifying assets, which are assets that necessarily take a substantial period of time to get ready for their intended use or sale, are added to the cost of those assets, until such time as the assets are substantially ready for their intended use or sale.

Other income earned on the temporary investment of specific borrowings pending their expenditure on qualifying assets is deducted from the borrowing costs eligible for capitalisation.

अन्य सभी उधार लेने की लागत को उस अवधि में लाभ और हानि में मान्यता दी जाती है जिसमें वे खर्च किए जाते हैं।

1.ग.11 कर्मचारी लाभ

(क) संक्षिप्त अवधि लाभ

अल्पावधि कर्मचारियों के लाभों का लेखा-जोखा उस अवधि में उनकी अघोषित राशि के लिए किया जाता है जिसमें कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवा को उस अवधि के दौरान लाभ और हानि विवरणी में व्यय के रूप में मान्यता दी जाती है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रदान करता है।

(ख) अवकाश नकदीकरण

अर्जित छुट्टी और रूपान्तरित छुट्टी के लिए देनदारियों को पूरी तरह से 12 महीने के भीतर समाप्त हो जाने की उम्मीद नहीं है, जिस अवधि में कर्मचारियों से संबंधित सेवा प्रदान की गई थी। अतः उन्हें अनुमानित भविष्य के भुगतानों के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है, जो अनुमानित अवधि के लिए मूल्यांकन के आधार पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करते हुए किया जाएगा।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार उपज का उपयोग करके लाभ में छूट दिये गये हैं, जो संबंधित दायित्वों की शर्तों के अनुमान के अनुसार है। अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन के परिणामस्वरूप रिमेजरमेंट लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त है। यह सुविधा भारतीय जीवन बीमा के माध्यम से वित्तपोषित है।

(ग) रोजगार के उपरान्त दायित्व

परिभाषित योगदान योजना - I. भविष्य निधि

भविष्य निधि को आयकर अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त ट्रस्ट द्वारा प्रशासित किया जाता है और इस निधि में योगदान राजस्व के लिए लगाया जाता है। पेंशनरों के लाभ कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के माध्यम से सुरक्षित है।

परिभाषित योगदान योजना - ii. पेंशन

कम्पनी के पास एक स्वतंत्र ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित पेंशन योजना है और इस निधि में किया गया योगदान राजस्व के रूप में प्रभारित है। यह निधि भारतीय जीवन बीमा द्वारा नियोजित की जाती है। अंशदान की राशि इस्पात मंत्रालय द्वारा डीपीई मार्गनिर्देशों के अनुसार संचालित होती है।

परिभाषित लाभ योजना - I. सेवा ग्रैच्युटी

परिभाषिक ग्रेच्युटी योजना के संबंध में तुलन पत्र में दी जाने वाली देनदारी या परिसंपत्ति योजना की संपत्ति के उचित मूल्य से कम रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्वों का वर्तमान लाभ है। परिभाषित लाभ दायित्वों को प्रति वर्ष अनुमानित इकाई क्रेडिट विधि का उपयोग करके एक्चुअरीज द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित दायित्वों के वर्तमान मूल्य, सरकारी नियमों पर रिपोर्टिंग अवधि क अंत में बाजार की मांग के संदर्भ द्वारा अनुमानित भविष्य के नगदी बर्हिप्रवाह को छोड़ कर निर्धारित किया जाता है, जो संबंधित दायित्वों की शर्तों के अनुमान है।

शुद्ध ब्याज लागत की परिभाषित लाभ दायित्व और योजना संपत्तियों का उचित मूल्य के शुद्ध शेष के लिए छूट की दर को लागू करने हेतु गणना की जाती है। लाभ हानि के विवरण में कर्मचारी लागत व्यय में यह लागत शामिल है।

All other borrowing costs are recognised in profit or loss in the period in which they are incurred.

1.C.11 Employee benefits

(a) Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period in which the services are rendered by the employees are recognised as an expense in the Statement of Profit and Loss during the period in which the employee renders the related service.

(b) Leave encashment

The liabilities for earned leave and commuted leave are not expected to be settled wholly within 12 month after the end of the period in which the employees render related service. They are therefore measured as the present value of expected future payments to be made Inrespect of services provided by employees up to the end of the reporting period based on actuarial valuation using the projected unit credit method.

The benefits are discounted using the market yield at the and of the reporting period that have terms of approximating to the terms of related obligations. Remeasurement as a result of experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in profit or loss.The facility is funded through LIC of India.

(c) Post-employment obligation

Defined Contribution Plan - I. Provident Fund

Provident Fund is administered by a Trust recognised by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioner's Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

Defined Contribution Plan - ii. Pension

Pension plan is administered through an independent trust and contribution to this Fund is charged to revenue.The fund is being managed through Life Insurance Corporation of India The contribution amount is governed by Ministry of Steel directives in terms of DPE guidelines in this.

Defined Benefit Plan - I. Service Gratuity

The liabilities or assets recognised in the Balance Sheat in respect of defined gratuity plan is the present value of the defined benefits obligation at the end of the reporting period less the fair value of plan assets. The defined benefits obligations are calculated annually by actuaries using projected unit credit method. The present value of defined benefits obligations is determined by discounting the estimated future cash outflows by reference to market yields at the end of the reporting period on Government bonds that are approximating to the terms of the related obligations.

The net interest cost is calculated by applying the discounted rate to the net balance of defined benefit obligation and the fair value of plan assets. This cost is included in employee benefit expense in the statement of profit and loss.

अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से होने वाले पुनर्निर्धारित लाभ व हानि उन समायावधि में माने जाते हैं, जिनमें वे अन्य व्यापक आय में सीधे किये जाते हैं। इक्विटी में बदलाव और बैलेंस शीट में बची हुई आय में इन्हें रखा गया है।

संशोधित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य में संशोधित और कटौती से उत्पन्न होने वाले परिवर्तन, पिछली सेवा लागत के रूप में तुरंत लाभ या हानि में पहचाने जाते हैं। ग्रेच्युटी दायित्व को लाइफ इंश्योनरेंस कॉरपोरेशन ऑफ ग्रुप ग्रैच्युटी लाइफ आश्वासन योजना के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है और इस प्रयोजन के लिए ग्रुप द्वारा बनाई गई एक अलग अदम्य ट्रस्ट क माध्यम से प्रशासित किया जाता है।

परिभाषित लाभ योजना - II. सेवानिवृत्त उपरान्त चिकित्सा लाभ

ग्रुप अपने अवकाशप्राप्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्त के उपरान्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। इन लाभों का अधिकार आमतौर पर सेवानिवृत्ति की उम्र तक सेवा में शेष कर्मचारी और न्यूनतम सेवा अवधि की समाप्ति पर सशर्त है। परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए इस्तेमाल की गई उसी लेखा पद्धति का उपयोग कर इन लाभों की अपेक्षित लागत रोजगार की अवधि में अर्जित की गई है। अनुभव समायोजन एवं बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुनर्निर्धारित लाभ व हानि,वे उत्पन्न होने वाली अवधि में अन्य व्यापक आय में जमा किये जाते हैं। इस उद्देश्य के लिए बनाई गई एक अलग न्यास के माध्यम से निधि को प्रशासित किया जाता है।

1.ग.12 करधान

वर्ष हेतु कर व्यय में शामिल है चालू एवं विलम्बित कर।

(i) चालू कर

वर्तमान में भुगतानयोग्य कर वर्ष के करयोग्य लाभ पर आधारित है। करयोग्य लाभ शुद्ध लाभ से अलग है जैसा कि लाभ और हानि विवरण में दिया गया है क्योंकि इसमें आय या व्यय के सामग्रियों को छोड़ दिया जाता है जो अन्य वर्षों में करयोग्य या घटावयोग्य है एवं आगे उनके सामग्रियों को छोड़ा जाता है जो कभी करयोग्य या घाटवयोग्य नहीं है। वर्तमान कर के लिए कम्पनी का दायित्व व्यवहृत कर दरों या कर कानूनों का गणना करना हो जो देश में अधिनियमति या वास्तविक अधिनियमत किया जाता है जहाँ ग्रुप रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति तक संचालित है।

(ii) विलम्बित कर

विलम्बित कर वित्तीय विवरणों में परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों की मूल राशि के बीच अंतर पर भुगतानयोग्य या वसूली योग्य होने की उम्मीद है एवं संबंधित कर करयोग्य लाभ की गणना में व्यवहार पर आधारित है तथा इसका तुलनपत्र दायित्व विधि में व्यवहार करने के लिए किया जाता है। विलम्बित कर दायित्व सभी करयोग्य अस्थायी अंतरों हेतु सामान्यतया माना जाता है। इसके विपरित विलम्बित कर संपत्ति केवल उस हद तक मान्यता प्राप्त होता है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके लिए अस्थायी अंतरों का उपयोग किया जा सकता है।

न्यूनतम वैकल्पिक कर क्रेडिट को तब ही स्थगित कर परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है, जब यह स्पष्ट हों कि समूह निर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आयकर का भुगतान करेगा । प्रत्येक बैलेंस शीट की तारीख में इस तरह की परिसंपत्ति की समीक्षा की जाती है और मैटक्रेडिट परिसंपत्ति की वहन राशि समूह निर्दिष्ट अवधि के दौरान सामान्य आयकर का भुगतान करने के ठोस प्रमाण नहीं होने के दौरान लिखा जाता है ।

Remeasurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are recognised in the period in which they occur, directly in other comprehensive income. They are included in retained earnings in the statement of changes in equity and in the balance sheet.

Changes in the present value of defined benefit obligation resulting from amendments and curtailments are recognised immediately in profit or loss as past service cost. The Gratuity obligation is funded through Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Group for this purpose.

Defined Benefit Plan - II. Post Retirement medical benefit

The Group provides post retirement healthcare benefits to their retirees. The entitlement to these benefits is usually conditional on the employee remaining in service up to the retirement age and the completion of minimum service period. The expected cost of these benefits is accrued over the period of employment using the same accounting methodology as used for defined benefit plans. Re-measurement gains and losses arising from experience adjustments and changes in actuarial assumptions are charged or credited in other comprehensive income in the period in which they arise. The fund is administered through a separate trust created for this purpose.

1.C.12 Taxation

Tax expense for the year comprises current and deferred tax.

(i) Current tax

The tax currently payable is based on taxable profit for the year. Taxable profit differs from profit before tax for the year as reported in the Statement of Profit and Loss because it excludes items of income or expense that are taxable or deductible in other years and it further excludes items that are never taxable or deductible. The Group's liability for current tax is calculated using tax rates and tax laws that have been enacted or substantively enacted in the country where the Group operates by the end of the reporting period.

(ii) Deferred tax

Deferred tax is the tax expected to be payable or recoverable on differences between the carrying amounts of assets and liabilities in the financial statements and the corresponding tax bases used in the computation of taxable profit, and is accounted for using the balance sheet liability method. Deferred tax liabilities are generally recognised for all taxable temporary differences. In contrast, deferred tax assets are recognised to the extant that it is probable that future taxable profits will be available against which the deferred tax assets can be utilised.

Minimum Alternate Tax credit is racognised as deferred tax asset only when and to the extent there is convincing evidence that the Group will pay normal income tax during the specified period. Such asset is reviewed at each Balance Sheet date and the carrying amount of the MAT credit asset is written down to the extent there is no longer a convincing evidence to the effect that the Group will pay normal income tax during the specified period.

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की वहन राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है और इस हद तक कम कर दी जाती है कि आस्थगित कर परिसंपत्ति के सभी या भाग का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध सम्भावना नहीं रह जाती। आस्थगित कर परिसंपत्तियां और देयताएं उस सीमा तक ऑफसेट होती हैं जो वे एक ही कर प्राधिकरण द्वारा लगाए गए करों से संबंधित हों और उस क्षेत्राधिकार के भीतर वर्तमान कर परिसंपत्तियों और वर्तमान कर देनदारियों को निर्धारित करने के लिए कानूनी रूप से लागू करने योग्य अधिकृत हैं।

वर्तमान और आस्थगित कर को लाभ और हानि के विवरण में एक व्यय या आय के रूप में मान्यता प्राप्त है, सिवाय इसके कि जब वे संबंधित या अन्य व्यापक आय में या सीधे इक्विटी में डेबिट किए गए आइटम से संबंधित हों, जिस स्थिति में कर को अन्य व्यापक आय या सीधे इक्विटी के रूप में प्रतिचिह्नित किया गया है।

1.ग.13 प्रावधान, फुटकर देयताएं तथा फुटकर परिसम्पत्तियां

प्रावधानों को तुलनपत्र में मान्यता दी जाती है जब एक पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान दायित्व (कानूनी या रचनात्मक) होती है, जिसके परिणामस्वरूप अपेक्षित संसाधनों का बहिर्वाह करने से आर्थिक लाभ मिलते हैं जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता है। प्रत्येक प्रावधान तुलन पत्र की तारीख में मौजूदा दायित्व को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक व्यय का सबसे अच्छे अनुमान पर आधारित है। जब उपयुक्त प्रावधान छूट आधार पर मापा जाता है।

रचनात्मक जिम्मेदारी ऐसा दायित्व है जो एक इकाई के कार्यों से प्राप्त होता है, जिसमें पिछले अभ्यास, प्रकाशित नीतियां या एक पर्याप्त विशिष्ट चालू बयान की एक स्थापित पद्धति है, इंटीटी ने अन्य पार्टियों को संकेत दिया है कि वह कुछ जिम्मेदारियों को स्वीकार करेगा, परिणामस्वरूप इंटीटी उन पार्टियों पर वैध उम्मीद करेंगी, जो उनके जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे।

टिप्पणी के माध्यम से आकस्मिक देयता प्रकट की जाती है जिसका प्रत्येक तुलनपत्र की तारीख में समीक्षा की जाती है और प्रबंधन के वर्तमान अनुमान को प्रतिबिंबित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

आकस्मिक संपत्ति को मान्यता नहीं दी जाती है, लेकिन जब आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित है तो वित्तीय विवरणों में खुलासा किया जाता है।

1.ग.14 सेगमेंट रिपोर्टिंग

इंड एएस 108 सार्वजनिक व्यापार उद्यमों के संचालित क्षेत्रों और संबंधित प्रकटीकरण के बारे में जानकारी की रिपोर्ट के तरीके के लिए मानकों को स्थापित करता है। कम्पनी व्यापारिक गतिविधियों का काम करती है और ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करती है। 'प्रबंधन दृष्टिकोण' पर आधारित जैसा की इंड एएस 108 में परिभाषित है, मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के कम्पनी के कार्यकलाप का मूल्यांकन करती है और संचालित सेगमेंट्स द्वारा इंगित विभिन्न कार्यकलापों के विश्लेषण पर संसाधनों को आवंटित करता है। कम्पनी के ऊपर दिए गए नियमों के अनुसार दो प्राथमिक रिपोर्ट करने योग्य व्यापार सिगमेंट के संबंध में राजस्व और पहचाने जाने योग्य संचालन व्ययों को उन वस्तुओं के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है जो कि उन सेगमेंट के लिए व्यक्तिगत रूप से पहचाने जाते हैं। राजस्व व व्यय की वस्तुओं के शेष, जिसे विशिष्ट खंडों के तहत विशेष रूप से आवंटित नहीं किया जा सकता है, उन्हें पृथक रूप से अलग-अलग घोषित किया जाता है।

The carrying amount of deferred tax assets is reviewed at the end of each reporting period and reduced to the extent that it is no longer probable that sufficient taxable profits will be available to allow all or part of the deferred tax asset to be utilised. Deferred tax assets and liabilities are offset to the extent that they relate to taxes levied by the same tax authority and there are legally enforceable rights to set off current tax assets and current tax liabilities within that jurisdiction.

Current and deferred tax are recognised as an expense or income in the Statement of Profit and Loss, except when they relate to items credited or debited either in other comprehensive income or directly in equity, in which case the tax is also recognised in other comprehensive income or directly in equity.

1.C.13 Provisions, contingent liabilities and contingent assets

Provisions are recognised in the Balance Sheet when the Group has a present obligation (legal or constructive) as a result of a past event, which is expected to result in an outflow of resources embodying economic benefits which can be reliably estimated. Each provision is based on the best estimate of the expenditure required to settle the present obligation at the Balance Sheet date. When appropriate, provisions are measured on a discounted basis.

Constructive obligation is an obligation that derives from an entity's actions whereby an established pattern of past practice, published policies or a sufficiently specific current statement, the entity has indicated to other parties that it will accept certain responsibilities; and aa a result, the entity has created a valid expectation on the part of those other parties that it will discharga those responsibilities.

Contingent liabilities are disclosed by way of notes. These are reviewed at each Balance Sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

Contingent assets are not recognised but disclosed in the financial statements when an inflow of economic benefits is probable.

1.C.14 Segment reporting

Ind AS 108 establishes standards for the way that public business enterprises report information about operating segments and related disclosures. The Group undertakes trading activities, and also acts as e-commerce service provider. Based on the 'management approach' as defined in Ind AS 108, the Chief Operating Decision Maker (CODM) evaluates Group's performance and allocates resources on an analysis of various performance indicators by operating segments. In terms of above the Group has identified Marketing and e-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. Revenue and identifiable operating expenses in relation to segments are categorised based on items that are individually identifiable to that segmant. Rest of the items of revenue and expenses, which cannot be specifically allocated under specific segments are separately disclosed as unallocated.

1.ग. 15 महत्वपूर्ण लेखा अनुमान, धारणा और निर्णय

आईएनडी एएस के अनुरूप वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए प्रबंधन को वित्तीय विवरणी की तिथि का निर्णय लेने, लेखांकन नीतियों के आवेदन और संपत्ति, देनदारियों, आय, व्यय और आकस्मिक संपत्ति और देनदारियों की तारीखों के प्रकटीकरण की मात्रा को प्रभावित करने की आवश्यकता होती है। वित्तीय वक्तव्यों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान संचालन के परिणाम समाप्त होते हैं। हालांकि ये अनुमान प्रबंधन के वर्तमान घटनाओं और कार्यों के सर्वोत्तम ज्ञान पर आधारित हैं, लेकिन वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। लेखांकन अनुमानों में संशोधन उस अवधि में मान्यता प्राप्त है, जिसमें भविष्य में किसी भी प्रभावित अवधि में अनुमानों को संशोधित किया जाता है।

अगले वित्त वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों और देनदारियों की वहन राशि के लिए सामग्री समायोजन के एक महत्वपूर्ण जोखिम अनुमान और धारणाएं के बारे में निम्नलिखित कंडिकाओं में चर्चा की गयी है -

(i) उपयोगी आर्थिक जीवन और अन्य परिसंपत्तियों की हानि

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) और अमूर्त संपत्ति का अनुमानित उपयोगी जीवनकाल कई कारकों पर आधारित है, जिसमें अप्रचलन के प्रभाव, परिसंपत्ति का उपयोग और अन्य आर्थिक कारक (जैसे ज्ञात तकनीकी विकास) शामिल हैं।

ग्रुप प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि के अंत तक पीपीई और अमूर्त के व्यवहारिता तथा किसी बदलाव के कारण मूल्यह्रास को प्रभावित करने की समीक्षा करती है।

ग्रुप संभावित हानि के लिए अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की समीक्षा भी करती है यदि ऐसी परिस्थितियां जो इंगित करती हैं कि परिसंपत्तियों का वहन मूल्य पुनर्प्राप्त करने योग्य नहीं हो सकता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर होने वाली हानि के लिए आकलन के दौरान मुनाफे में उल्लेखनीय कमी लाने वाले कारक जैसे कम्पनी की व्यावसायिक योजनाएं और विनियामक वातावरण में परिवर्तन को ध्यान में रखा जाता है।

(ii) आकस्मिकताएं और प्रतिबद्धताएं

व्यवसाय के सामान्य प्रक्रिया में ग्रुप के खिलाफ मुकदमेबाजी, कराधान और अन्य दावों से आकस्मिक देनदारियां उत्पन्न हो सकती हैं। जहां धन के बहिर्प्रवाह को संभावित माना जाता है और विवाद के परिणाम का एक विश्वसनीय अनुमान प्रत्येक विवाद की विशिष्ट परिस्थितियों के प्रबंधन के आकलन के आधार पर बनाया जा सकता है और प्रासंगिक बाहरी सलाह प्रबंधन दायित्व के सर्वोत्तम अनुमान के लिए प्रदान करता है। इस तरह की देनदारियों का खुलासा टिप्पणियों में किया गया है लेकिन वित्तीय विवरणों के लिए प्रदान नहीं किया गया है।

यद्यपि कानूनी कार्यवाही के अंतिम परिणाम के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है, ग्रुप को उम्मीद नहीं है कि वे ग्रुप की वित्तीय स्थिति या लाभप्रदता पर भौतिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव डालेंगे।

(iii) बीमांकिक मूल्यांकन

कर्मचारियों को परिभाषित लाभ दायित्व के प्रति ग्रुप के दायित्व का निर्धारण स्वतंत्र बीमांकिक मूल्यांकन के माध्यम से किया जाता है, जिसमें लाभ और हानि के विवरण और अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त राशियों का निर्धारण भी शामिल है। इस तरह का मूल्यांकन मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और रोजगार बाजार में आपूर्ति और मांग कारकों जैसे अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखने के बाद निर्धारित मान्यताओं पर निर्भर करता है।

1.C.15 Critical accounting estimates, assumptions and judgments

The preparation of the financial statements in conformity with Ind AS requires management to make judgements, estimates and assumptions that affect the application of accounting policies and the reported amounts of assets, liabilities, income, expenses, and disclosures of contingent assets and liabilities at the date of the financial statements and the results of operations during the reporting period end. Although these estimates are based upon management's best knowledge of current events and actions, actual results could differ from these estimates.

Estimates and underlying assumptions are reviewed on an ongoing basis. Revisions to accounting estimates are recognised in the period in which the estimates are revised and in any future periods affected.

The estimates and assumptions that have a significant risk of causing a material adjustment to the carrying amounts of assets and liabilities within the next financial year are discussed in the paragraphs that follow.

(i) Useful economic lives and impairment of other assets

The estimated useful life of property, plant and equipment (PPE) and intangible asset is based on a number of factors including the effects of obsolescence, usage of the asset and other economic factors (such as known technological advances).

The Group reviews the useful life of PPE and intangibles at the end of each reporting date and any changes could affect the depreciation rates prospectively.

The Group also reviews its property, plant and equipment for possible impairment if there are events or changes in circumstances that indicate that the carrying value of the assets may not be recoverable. In assessing the property, plant and equipment for impairment, factors leading to significant reduction in profits, such as the Group's business plans and changes in regulatory environment are taken into consideration.

(ii) Contingencies and commitments

In the normal course of business, contingent liabilities may arise from litigation, taxation and other claims against the Group. Where an outflow of funds is believed to be probable and a reliable estimate of the outcome of the dispute can be made based on management's assessment of specific circumstances of each dispute and relevant external advice, management provides for its best estimate of the liability. Such liabilities are disclosed in the notes but are not provided for in the financial statements.

Although there can be no assurance regarding the final outcome of the legal proceedings, the Group does not expect them to have a materially adverse impact on the Group's financial position or profitability.

(iii) Actuarial Valuation

The determination of Group's liability towards defined benefit obligation to employees is made through independent actuarial valuation including determination of amounts to be recognised in the Statement of Profit and Loss and in other comprehensive income. Such valuation depend on assumptions determined after taking into account inflation, seniority, promotion and other relevant factors such as supply and demand factors in the employment market.

(iv) उचित मूल्य माप और मूल्यांकन प्रक्रिया

ग्रुप की कुछ संपत्ति और देनदारियों को वित्तीय रिपोर्टिंग उद्देश्यों के लिए उचित मूल्य पर मापा जाता है। किसी परिसंपत्ति या देयता के उचित मूल्य का अनुमान लगाने में, ग्रुप बाजार-अवलोकन डेटा का उपयोग उस सीमा तक करती है, जब तक यह उपलब्ध हो। जहां लेवल 1 इनपुट उपलब्ध नहीं है और जहां वैल्यूएशन करना आवश्यक है ग्रुप थर्ड पार्टी वैल्यूएटर्स लगाती है। विभिन्न संपत्तियों और देनदारियों के उचित मूल्य का निर्धारण करने में उपयोग की जाने वाली मूल्यांकन तकनीकों और इनपुट के बारे में जानकारी वित्तीय विवरणों की टिप्पणी में बताई गई है।

(v) अग्रेषित कर हानियों के लिए आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मान्यता तथा अव्यवहृत कर क्रेडिट

ग्रुप की भविष्य की कर योग्य आय की संभाव्यता के आधार पर आस्थगित कर परिसंपत्तियों की पहचान की जा सकती है। यह आकलन पर आधारित है, जिसके विरुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्तियों का उपयोग किया जा सकता है, इसके अलावा किसी महत्वपूर्ण कानूनी आर्थिक सीमा के प्रभाव का आकलन करना आवश्यक है।

(iv) Fair Value measurements and valuation processes

Some of the Group's assets and liabilities are measured at fair value for financial reporting purposes. In estimating the fair value of an asset or a liability, the Group uses market-observable data to the extent it is available. Where Level 1 inputs are not available, the Group engages third party valuers, where required, to perform the valuation. Information about the valuation techniques and inputs used in determining the fair value of various assets and liabilities are disclosed in the notes to the financial statements.

(v) Recognition of deferred tax assets for carried forward tax losses and unused tax credit

The extent to which deferred tax assets can be recognised is based on an assessment of the probability of the Group's future taxable income against which the deferred tax assets can be utilised. In addition significant judgement is required in assessing the impact of any legal or economic limits.

2 संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	पूर्वस्वामित्व के भवन	कार्यालय उपकरण	कार्यालय के एयर कंडीशनर	फर्नीचर एवं फिक्सचर	कार्यालय के पार्टिशन्स एवं क्युबिकल्स	ईडीपी उपकरण	वाहन	कुल मूत परिसंपत्तियां
31 मार्च 2017 को सकल ब्लॉक	39.40	11.30	4.10	17.10	11.30	20.70	743.30	24.60	871.80
संयोजन	1.80	3.10	0.50	1.60		4.00	140.40	4.60	156.00
निपटान	-	-	-	-	2.00	0.50	2.30	0.10	4.90
31 मार्च, 2018 को सकल ब्लॉक	41.20	14.40	4.60	18.70	9.30	24.20	881.40	29.10	1,022.90
संयोजन	5.79	5.25	0.19	1.19	-	24.49	182.35	1.99	221.26
निपटान	-	0.38	0.52	0.29	-	10.06	9.91	0.13	21.29
31 मार्च, 2019 को सकल ब्लॉक	46.99	19.27	4.27	19.60	9.30	38.63	1,053.85	30.97	1,222.87
31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास	4.90	4.90	2.10	8.60	6.80	9.60	188.60	4.40	229.90
वर्ष मे प्रभार	3.20	2.30	0.50	1.70	0.30	6.30	100.80	3.20	118.30
निपटान	-	-	-	-	1.50	0.40	0.50	-	2.40
31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास	8.10	7.20	2.60	10.30	5.60	15.50	288.90	7.60	345.80
वर्ष मे प्रभार	2.49	2.87	0.45	1.27	0.33	4.40	125.23	3.76	140.81
निपटान	-	0.37	0.48	0.29	-	9.39	3.78	-	14.31
31 मार्च 2019 को मूल्यह्रास	10.59	9.70	2.57	11.28	5.93	10.51	410.35	11.36	472.29
31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य	34.50	6.40	2.00	8.50	4.50	11.10	554.70	20.20	641.90
31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य	33.10	7.20	2.00	8.40	3.70	8.70	592.50	21.50	677.10
31 मार्च 2019 को निवल बही मूल्य	36.40	9.57	1.70	8.32	3.37	28.12	643.50	19.60	750.58

विवरण	पुंजीगत कार्य प्रगति में	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां	विकास के तहत अमूर्त सहित कुल अमूर्त परिसंपत्तियां
31 मार्च 2017 को सकल ब्लॉक	21.80	16.10	0.90	17.00
संयोजन	104.40	0.50	2.00	2.50
निपटान	21.80	-	-	-
31 मार्च 2018 को सकल ब्लॉक	104.40	16.60	2.90	19.50
संयोजन	166.69	1.49	2.80	4.29
निपटान	39.28	-	-	-
31 मार्च 2019 को सकल ब्लॉक	231.81	18.09	5.70	23.79
31 मार्च 2017 को मूल्यह्रास	-	0.60	-	0.60
वर्ष मे प्रभार	-	5.60	-	5.60
निपटान	-	-	-	-
31 मार्च 2018 को मूल्यह्रास	-	6.20	-	6.20
वर्ष मे प्रभार	-	6.05	-	6.05
निपटान	-	-	-	-
31 मार्च 2019 को मूल्यह्रास	-	12.25	-	12.25
31 मार्च 2017 को निवल बही मूल्य	21.80	15.50	0.90	16.40
31 मार्च 2018 को निवल बही मूल्य	104.40	10.40	2.90	13.30
31 मार्च 2019 को निवल बही मूल्य	231.81	5.83	5.70	11.53

होल्डिंग कंपनी के सभी फ्रि होल्ड बिल्डिंग डीआरटी, मुबंई के आदेश के तहत संलग्न है।

सब्सिडियरी के मामले में, हॉट स्लैग हैंडलिंग या अन्यथा में व्यवहार के आधार पर खुदाईकर्ताओं के उपयोगी अनुमानित जीवन की प्रबंधन द्वारा विचार कर समीक्षा की गई है। अनुमान में परिवर्तन के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 18-19 के दौरान ₹ 8.83 मिलियन का अतिरिक्त मूल्यह्रास हुआ है ।

2 . Property, Plant and Equipment

Amount in ₹ Million

Particulars	Freehold Buildings	Office Equipment	Office Air Conditioner	Furniture and fixtures	Office Partition & Cubicles	EDP Equipments	Plant and Equipments	Vehicles	Total Tangible Assets
Gross Block as at March 31, 2017	39.40	11.30	4.10	17.10	11.30	20.70	743.30	24.60	871.80
Additions	1.80	3.10	0.50	1.60	-	4.00	140.40	4.60	156.00
Disposals	-	-	-	-	2.00	0.50	2.30	0.10	4.90
Gross Block as at March 31, 2018	41.20	14.40	4.60	18.70	9.30	24.20	881.40	29.10	1,022.90
Additions	5.79	5.25	0.19	1.19	-	24.49	182.35	1.99	221.26
Disposals	-	0.38	0.52	0.29	-	10.06	9.91	0.13	21.29
Gross Block as at March 31, 2019	46.99	19.27	4.27	19.60	9.30	38.63	1,053.85	30.97	1,222.87
Depreciation as at March 31, 2017	4.90	4.90	2.10	8.60	6.80	9.60	188.60	4.40	229.90
Charge for the year	3.20	2.30	0.50	1.70	0.30	6.30	100.80	3.20	118.30
Disposals	-	-	-	-	1.50	0.40	0.50	-	2.40
Depreciation as at March 31, 2018	8.10	7.20	2.60	10.30	5.60	15.50	288.90	7.60	345.80
Charge for the year	2.49	2.87	0.45	1.27	0.33	4.40	125.23	3.76	140.81
Disposals	-	0.37	0.48	0.29	-	9.39	3.78	-	14.31
Depreciation as at March 31, 2019	10.59	9.70	2.57	11.28	5.93	10.51	410.35	11.36	472.29
Net book value as at March 31, 2017	34.50	6.40	2.00	8.50	4.50	11.10	554.70	20.20	641.90
Net book value as at March 31, 2018	33.10	7.20	2.00	8.40	3.70	8.70	592.50	21.50	677.10
Net book value as at March 31, 2019	36.40	9.57	1.70	8.32	3.37	28.12	643.50	19.60	750.58

Particulars	Capital Work In Progress	Computer Software	Intangible Assests under Development	Total Intangible Assets Including Intangible under development
Gross Block as at April 01, 2017	21.80	16.10	0.90	17.00
Additions	104.40	0.50	2.00	2.50
Disposals	21.80	-	-	-
Gross Block as at March 31, 2018	104.40	16.60	2.90	19.50
Additions	166.69	1.49	2.80	4.29
Disposals	39.28	-	-	-
Gross Block as at March 31, 2019	231.81	18.09	5.70	23.79
Depreciation as at April 01, 2017	-	0.60	-	0.60
Charge for the year	-	5.60	-	5.60
Disposals	-	-	-	-
Depreciation as at March 31, 2018	-	6.20	-	6.20
Charge for the year	-	6.05	-	6.05
Disposals	-	-	-	-
Depreciation as at March 31, 2019	-	12.25	-	12.25
Net book value as at March 31, 2017	21.80	15.50	0.90	16.40
Net book value as at March 31, 2018	104.40	10.40	2.90	13.30
Net book value as at March 31, 2019	231.81	5.83	5.70	11.53

All Freehold buildings of Holding Company are under attachment by the order of DRT , Mumbai.

In case of Subsidiary estimated useful life of Excavators has been reviewed by the management considering used in Hot Slag handling or otherwise. The change in estimate resulted additional depreciation of ₹ 8.83 Million has been accounted for during FY. 2018-19.

3. लागत पर लिए गए अनुदृधृत इक्विटी शेयर, पुर्ण प्रदत्त में निवेश

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	शेयरों की संख्या		राशि ₹ मिलियन में	
	31 मार्च 2019 के अनुसार	31 मार्च 2018 के अनुसार	31 मार्च 2019 के अनुसार	31 मार्च 2018 के अनुसार
क) 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी में निवेश महिन्द्रा एमएसटीसी रिसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड (अंकित मूल्य रु 10/- प्रत्येक)	1,86,00,000	1,06,00,000	186.00	106.00

विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
निवेश का प्रारम्भिक मूल्य	88.00	26.30
वर्ष के दौरान निवेश	80.00	75.00
पी/एल में दशाए गये जेवी में चालू अवधि हानि के कारण मूल्य में कमी	(29.07)	(13.10)
ओसीआई में दशाये गये जेवी में चालु अवधि हानि के कारण मूल्य में कमी	(0.12)	(0.20)
निवेश के समापन पर शेष राशि	**138.81**	**88.00**

4) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सुरक्षित जमा	10.56	10.90
ख) अन्य ऋण एवं अग्रि कर्मचारियों को ऋण	45.32	48.70
ग) कर्मचारियों के ऋण पर प्रोद्भूत ब्याज	0.51	0.60
घ) 12 महिने से अधिक की मूल परिपक्वता के साथ मियादी जमा	216.03	495.40
शुद्ध अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**272.42**	**555.60**

4.1 सहायक कंपनी के मामले में 4(घ) जमा में बैंक गारंटी एवं ओवरड्राफ्ट सुविधा के तहत इंडियन बैंक, आंध्रा बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बंधक रखी राशि ₹ 216.00 मिलियन (पिछले वर्ष 198.40 मिलियन) शामिल है।

5. गैर-चालु कर परिसंपत्तियां

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
करों का अग्रिम भूगतान	6,969.17	6,782.10
घटाएं: कराधान के लिए प्रावधान	6,386.75	6,210.56
शुद्ध	582.42	571.54
शुद्ध गैर-चालु कर परिसंपत्तियां	**582.42**	**571.54**

3. Investment in Unquoted Equity Shares, fully paid up-carried at cost

Amount in ₹ Million

Particulars	No. of Shares		Amount (₹ in Million)	
	31st March 2019	31st March 2018	31st March 2019	31st March 2018
(a) **Investment of in 50 : 50 Joint Venture Company**				
Mahindra MSTC Recycling Privata Limited (Face Value ₹10/- each)	1,86,00,000	1,06,00,000	186.00	106.00

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
Opening Value of Investment	88.00	26.30
Investment During the Year	80.00	75.00
Decrease in Value due to Current Period Loss in JV shown in P/L	(29.07)	(13.10)
Decrease in Value due to Current Period Loss in JV shown in OCI	(0.12)	(0.20)
Closing Balance of Investment	**138.81**	**88.00**

4 . Other financial assets (Non Current)

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Security deposits	10.56	10.90
(b)	Other loans and advances Loans to employees	45.32	48.70
(c)	Interest accrued on loans to employees	0.51	0.60
(d)	Term Deposits with original maturity of more than 12 months	216.03	495.40
	Net other financial assets	**272.42**	**555.60**

4.1 In case of subsidiary, the 4(d) deposit includes ₹ 216.00 Million (Previous Year ₹198.40 Million) pledged with Andhra Bank and Bank of Baroda against Bank Guarantee & Overdraft facility.

5. Non-Current Tax Assets

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Advance payment of Taxes	6,969.17	6,782.10
Less: Provision for Taxation	6,386.75	6,210.56
Net	582.42	571.54
Non-Current tax assets	**582.42**	**571.54**

6. अन्य परिसंपत्तियाँ (गैर-चालू)

राशि ₹ मिलियन में

विवरण (असुरक्षित, अच्छा माना जाता)	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
(क) सीमा शुल्क, उत्पमाद शुल्क, बिक्री कर, पोर्ट ट्रस्ट आदि	29.56	29.60
(ख) भवन निर्माण के लिए अग्रिम	27.88	1.50
(ग) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान लागत	71.59	72.30
(घ) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(क) पूर्व प्रदत्त व्यय	1.32	0.50
(ख) अन्य	0.47	0.10
(ङ) सेवानिवृत्ति उपरांत लाभ परिसंपत्तियाँ	-	-
कुल अन्य परिसंपत्तियाँ	**130.82**	**104.00**

6.1 * होल्डिंग कंपनी के मामले में डब्ल्यूबीएचआईडीसीओ से पट्टाधारण भूमि के अधिग्रहण के प्रति राशि का भुगतान किया गया

6.2 *राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापत्तनम, दुर्गापुर एवं दुबढ़ी में सहायक कंपनी के संयंत्र एवं भवन जिस भूमि पर स्थित हैं, न तो पूर्णस्वामित्व की और न ही पट्टायुक्त हैं। समूह ने सेवा अनुबंध के अंश के तौर पर जपीदारों से निःशुल्क उपयोग का अधिकार प्राप्त किया है। मसूह ने हालांकि एसएआईएल-बीएसपी से 29 दिसंबर 1988 से प्रभावी 33 वर्षों के स्थायी पट्टे पर पट्टायुक्त भूमि अर्जित किया है, जिस पर सहायक कंपनी का पंजीकृत कार्यालय भवन का निर्माण किया गया है।

7. अन्य परिसंपत्तियाँ (गैर-चालू)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
आस्थगित कर (देनदारियाँ) / परिसंपत्तियाँ		
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव		
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियों के बही मूल्य एवं कर शेष के बीच अंतर पर	(8.29)	(26.90)
ईएफबीएस स्कीम	(0.69)	(0.90)
आस्थगित कर देनदारियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव	**(8.98)**	**(27.80)**
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव		
क्षतिपूरित अनुपस्थितियों, उपदान (ग्रेचुइटी) एवं अन्य कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	88.28	82.20
संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए भते	1,858.80	1,858.80
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 40(क)(i), 43(ख) के अंतर्गत अस्वीकृति	137.92	164.40
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के बही शेष एवं कर शेष के बीच अंतर पर	1.22	0.70
एमएटी क्रेडिट अधिकार पत्र	337.82	-
वृद्धि दावे पर विक्रता को देय दावे के लिए प्रावधान	-	8.10
सेवा कर पर ब्याज के लिए प्रावधान	1.33	1.30
क्षतिपूरित पर मांग के लिए प्रावधान	179.12	704.96
अन्य व्यापक आय के माध्दम से	19.80	23.10
आस्थगित कर परिसंपत्तियों का गठन करने वाले मदों का कर प्रभाव	**2,624.29**	**2,843.56**
आस्थगित कर (देनदारियाँ)/परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)	**2,615.31**	**2,815.76**

6. Other assets (Non Current)

Amount in ₹ Million

	Particulars (Unsecured, considered good)	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Advance with public bodies		
	(a) Customs, Excise, Sales Tax ,Port Trusts etc.	29.56	29.60
(b)	Advance for Building Construction	27.88	1.50
(c)	Prepaid Lease Payment Cost *	71.59	72.30
(d)	Other loans and advances		
	a) Prepaid expenses	1.32	0.50
	(b) Others	0.47	0.10
(e)	Post Retirement benefit assets	-	-
	Total Other assets	**130.82**	**104.00**

6.1 * In case of Holding company amount paid towards acquisition of Leasehold Land from WBHIDCO.

6.2 * The land on which the plant and building of the subsidiary company are situated at Rourkela, Burnpur, Bhilai, Bokaro Vizag, Durgapur & Duburi are neither freehold nor leasehold. The group has acquired right of free use from landholders as a part of service agreement. The group has however, acquired leasehold land from SAIl - BSP on perpetual lease of 33 years w.e.f 29th December, 1988 on which the Registered Office Building of the subsidiary company has been constructed.

7. Deferred Tax Assests (Net)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Deferred tax (liabilities) / assets :		
Tax effect of items constituting deferred tax liabilities		
On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment & Intangible assets	(8.29)	(26.90)
EFBS Scheme	(0.69)	(0.90)
Tax effect of items constituting deferred tax liabilities	**(8.98)**	**(27.80)**
Tax effect of items constituting deferred tax assets		
Provision for compensated absences, gratuity and other employee benefits	88.28	82.20
Allowance for doubtful debts / advances	1,858.80	1,858.80
Disallowances under Section 40(a)(i), 43B of the Income Tax Act, 1961	137.92	164.40
On difference between book balance and tax balance of Property, Plant and Equipment	1.22	0.70
MAT credit Entitlement	337.82	-
Provision for claim payable to vendor against escalation claim	-	8.10
Provision for Interest on Service tax	1.33	1.30
Unabsorbed business losses	179.12	704.96
Through Other Comprehensive Income	19.80	23.10
Tax effect of items constituting deferred tax assets	**2,624.29**	**2,843.56**
Deferred tax (liabilities) / assets (net)	**2,615.31**	**2,815.76**

8. मालसूची

Amount in ₹ Million

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) लूज औजार समेत स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	43.42	32.40
(ख) गैर-चल मालसूची का स्टॉक	15.20	16.30
(ग) स्टोर्स एवं स्पेयर्स - प्रतीक्षारत निपटान	2.60	2.60
(घ) मालसूची में कमी - लम्बित समायोजन	0.01	-
(ङ) मार्गस्थ वस्तुएं	0.12	0.10
(च) मुद्रण एवंलेखन सामग्री का स्टॉक	0.98	1.00
(छ) मालसूची कपटिल प्रोजेक्ट	8.67	-
(ज) घटाएं : प्रावधान		
(1) गैर-चल के स्टॉक के लिए	9.24	9.40
(2) स्टोर्स एवं स्पेयर्स के लिए - प्रतीक्षारत निपटान	1.40	1.40
(3) मालसूची कमी के लिए	0.01	-
कुल मालसूची	**60.35**	**41.60**

9. व्यापार प्राप्य (चालू)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
व्यापार प्राप्य		
(क) सुरक्षित, अच्छा माना गया	16,492.58	34,973.92
(ख) असुरक्षित, अच्छा माना गया	2,204.68	4,841.40
(ग) असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	9,635.07	5,316.20
घटाएं : संदिग्ध व्यापार प्राप्यों के लिए भत्ते (अपेक्षित ऋण हानि भत्ते)	9,635.07	5,316.20
कुल	**18,697.26**	**39,815.32**

9.1 व्यापार प्राप्य

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से अधिक समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	3,572.73	8,590.02
असुरक्षित, अच्छा माना गया	502.34	3,244.60
क्रेडिट क्षीणता	9,635.07	5,316.20
घटाय : संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	9,635.07	5,316.20
	4,075.07	**11,834.62**
व्यापार प्राप्य जो भुगतान के लिए नियत तिथि से छह महीने से कम समय के लिए बकाया है		
सुरक्षित, अच्छा माना गया	12,919.85	26,383.90
असुरक्षित, अच्छा माना गया	1,702.34	1,596.80
	14,622.19	27,980.70
कुल	**18,697.26**	**39,815.32**

8. Inventories

Amount in ₹ Million

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Stores and Spares parts including loose tools	43.42	32.40
(b)	Stock of Non-Moving Inventory	15.20	16.30
(c)	Stores and Spares - Awaiting Disposal	2.60	2.60
(d)	Inventory Shortage-Pending Adjustment	0.01	-
(e)	Goods In Transit	0.12	0.10
(f)	Stock of Printing & Stationary	0.98	1.00
(g)	Inventory for Capital Project	8.67	-
(h)	Less: Provision		
	(1) for stock of non-moving	9.24	9.40
	(2) for stores & spares - awaiting disposal	1.40	1.40
	(3) for Inventory shortage	0.01	-
	Total Inventories	**60.35**	**41.60**

9. Trade receivables (Current)

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Trade receivables			
(a)	Secured, considered good	16,492.58	34,973.92
(b)	Unsecured, considered good	2,204.68	4,841.40
(c)	Credit Impaired	9,635.07	5,316.20
	Less: Allowance for Doubtful trade receivables (expected credit loss allowance)	9,635.07	5,316.20
	Total	**18,697.26**	**39,815.32**

9.1 Trade Receivables

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Trade Receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
Secured, Considered good	3,572.73	8,590.02
Unsecured, Considered good	502.34	3,244.60
Credit Impaired	9,635.07	5,316.20
Less: Provision for doubtful trade receivables	9,635.07	5,316.20
	4,075.07	**11,834.62**
Trade Receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
Secured, Considered good	12,919.85	26,383.90
Unsecured, Considered good	1,702.34	1,596.80
	14,622.19	27,980.70
Total	**18,697.26**	**39,815.32**

9.2 व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 के दौरान सोने के गहने के निर्यात पर रु 1478.20 मिलियन की राशि शामिल है। उक्त प्राप्य को एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अंतर्गत स्टेंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा क्रय किया गया था। उक्त अनुबंध के अनुसार, एससीबी विदेशी खरीदारों पर एमएसटीसी द्वारा जारी बिलों का क्रय करेंगे एवं 95% राशि एमएसटीसी को भुगतान करेंगे और विदेशी खरीदार बिल की संबंधित नियत तिथियों को बिल के विरुद्ध एससीबी को सीधे भुगतान करेंगे। उक्त निर्यात लेनदेन का आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एससीबी द्वारा बीमा भी किया गया था। विदेशी खरीदारों से कार्यवाहियों की गैर-प्राप्ति पर एससीबी ने बीमा कंपनी से राशि का दावा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को नकार किया। इसके बाद एससीबी ने प्राप्य को ऋण में परिवर्तित किया एवं डेब्ट् रिकवरी ट्रिब्युनल, मुंबई में एक मामला दर्ज किया। एससीबी के उक्त दावे के विरुद्ध डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरणों मे एमएसटीसी मामले को चुनौती दे रही है। एससीबी ने वसूली नहीं हुए बकाये की उक्त राशि के लिए बीमा कंपनी के विरुद्ध एक मुकदमा भी दायर किया है, जिसे निपटाया जाना अभी शेष है। मामलों के लम्बित निपटान को देखते हुए एसएमटीसी उक्त प्राप्य (निर्यात बिल) के क्रय के विरुद्ध एससीबी द्वारा एमएसटीसी को दी गई राशि के लिए बिना समायोजित किए प्राप्य के रूप में राशि को दर्शित रही है, जो कि टिप्पणी सं. 22 के माध्यम से उधार (चालु) के रुप में पृथक रूप मे बहियों में दर्शित है।

9.3 व्यापार प्राप्य के कंपनी के पास ग्राहकों द्वारा बंधक रखे स्टाकें द्वारा या बैंक गारंटी द्वारा आमतोर पर सुरक्षित रखा जाता है, जहाँ सहयोगी आपूर्तिकर्ताओं से एक के बाद एक व्यवस्था रहती है। अनुरुपी प्राप्यों के बही मूल्य की तुलना में ऐसे बंधक रखे स्टॉक की वसुली योग्य मूल्य में कोई महत्वपूर्ण क्षीणता रहने पर, अंतर आई राशि को 'असुरक्षित' के अंतर्गत दर्शाया गया है।

9.4 (क): व्यापार प्राप्य में ₹.1036.70 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹.1036.70 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स टॉपवर्थ स्टील्स एण्ड पावर प्रा. लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अतिदेय है। एमएसटीसी द्वारा दर्ज याचिका के समापन हेतु माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा अस्थायी लिक्विडेटर नियुक्त किया गया है। मामला अस्थायी आधिकारिक लिक्विडेटर के पास लम्बित है जिसने कंपनी का नियंत्रण ले रखा था। संपूर्ण बकाया राशि की वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान ₹.7451.00 मिलियन की राशि अशोध्य एवं संदिग्ध के रूप में पहले से ही बहियों में दिखाया गया है। वर्ष के दौरान, अंतिम स्टॉक के सत्यापन में गिरवी रखे स्टॉक के मूल्य में कमी अवलोकित हुई है। इसलिए एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार स्टॉक के मूल्य में आई ह्रास राशि के समकक्ष ₹.171.77 मिलियन की राशि खाता बहियों में पुनः प्रदान की गई है।

9.4(ख): ₹ 1100.81 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹ 1770.00 मिलियन) मेसर्स आधुनिक मेटलिक्स लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। कंपनी एनसीएलटी को संदर्भित की गई थी एवं रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति की गई थी। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास अपना दावा दर्ज किया है। जून 2018 से प्लांट के प्रचालन को नकद की कमी के कारण बंद कर दिया गया था एवं एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में व्यावसायिक कार्य रुका हुआ है। इसके फलस्वरूप, एमएसटीसी से भी क्रय रोक दिया गया था। एमएसटीसी ने सीआईआरपी लागत के रूप में अपने दावे पर विचार करने की मांग की, जो अन्य परिचालनीय लेनदारों की तुलना में प्राथमिक रूप से निपटाए जाएंगे। तथापि, एमएसटीसी को देय शून्य मूल्य के लिए रिजॉल्यूशन प्लान प्रदान किया गया। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्लान के विरुद्ध एनसीएलटी के समक्ष एक अपील दर्ज की है एवं सीआईआरपी लागत के रूप में अपनी बकाया राशि के प्रबंधन की मांग की। हालांकि एनसीएलटी द्वारा एमएसटीसी के अपील को अस्वीकार कर दिया एवं रिजॉल्यूशन प्लान को अनुमोदित किया गया। एनसीएलटी के आदेश को एमएसटीसी लि. द्वारा एनसीएलएटी में चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी द्वारा एमएसटीसी की अपील को नामंजूर कर दिया गया। इसके बाद एमएसटीसी द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई। परंतु सर्वोच्च अदालत ने हमारे मामले को बरखास्त कर दिया। उपरोक्त से यह प्रतीत होता है कि संपूर्ण बकाया राशि गैर-वसूली योग्य है। अतएव, पूरी बकाया राशि को खाता बहियों में बट्टे खाते में डाला गया है।

9.4 (ग): व्यापार प्राप्य में ₹ 1096.47 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹1148.43 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अतिदेय है। विवाचन निर्णय कंपनी के पक्ष में है। विवाचन निर्णय के अनुसार, एमएसटीसी पार्टी के लिए केवल अग्रिम भुगतान के आधार पर कच्चे सामानों को प्राप्त करेगी। वर्तमान वर्ष के दौरान अर्थात 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक, जेबीआईएल ने रु.496.98 मिलियन का भुगतान किया है। इस भुगतान में से, 10% की राशि पुराने प्राप्य के लिए समायोजित की गई एवं शेष 90% के लिए एमएसटीसी द्वारा नई खरीद की गई है। तथापि, पार्टी को 90% के कुल क्रय में से 45% तक पुरानी सामग्री एवं 45% नई सामग्री लेने की अनुमति दी गई है, इस प्रकार पुरानी सामग्रियों को बदला गया है। वर्ष के अंत में किए गए मल्युमेट्रिक एसेसमेंट के अनुसार, 31.03.2018 की तुलना में 31.03.2019 के स्टॉक के मूल्य में ₹315.70 मिलियन का ह्रास हुआ है। पूर्ववर्ती तथ्यों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतते हुए, स्टॉक मूल्य में आई ह्रास राशि के समतुल्य ₹315.70 मिलियन राशि को एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार खातों में दर्शाया गया है।

9.5: व्यापार प्राप्य में रु.9074.44 मिलियन (पिछले वर्ष ₹29397.90 मिलियन) शामिल है जो फेसिलिटेटर मोटके माध्यम में किए गए व्यवसाय से संबंधित है (प्रावधान छोड़कर)।

9.6: व्यापार प्राप्य में शामिल है (निवव प्रावधान) ₹613.09 मिलियन (पिछले वर्ष ₹461.75 मिलियन) जो ई-कॉमर्स व्यवसाय से संबंधित है (निवल प्रावधान)।

10. नकद एवं नकद समतुल्य

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) हाथ में नकद	0.06	0.30
ख) बैंक में शेष:		
(1) चालु खाता में	962.15	1,758.30
कुल	962.21	1,758.60

9.2: Trade Receivables include an amount of ₹1478.20 Million on account of export of gold jewellery during 2008-09. The said receivables were purchased by Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement . As per the said agreement, SCB would purchase the bills raised by MSTC on foreign buyers and pay 95% of the amount to MSTC and foreign buyers would be paying against the bills directly to SCB on respective due dates of the bills. The said export transactions were also insured by SCB with ICICI Lombard General Insurance Company. On non receipt of proceeds from the foreign buyers, SCB claimed the amount from the insurance company. The Insurance company repudiated the claim of SCB. Thereafter SCB converted the receivables into debt and filed a case in Debt Recovery Tribunal, Mumbai. MSTC has been contesting the case in DRT and other forums against the said claim of SCB. SCB has also filed a suit against the insurance company for the said amount of unrealized dues which is yet to be disposed off. Pending disposal of the cases, MSTC has been showing the amount as receivables without adjusting the same against the amount paid by SCB to MSTC against purchase of the said receivables (export bills) which is being shown in books separately as Borrowing (Current) vide Note No. 22.

9.3: Trade receivables are generally secured either by way of stocks pledged by the customers with the Company or Bank Gurantees or by liability where there is back to back arrangement with the associate suppliers. In case there is a significant depletion in realizable value of such pledged stock against the book value of the corresponding receivables, the differential amount has been shown under 'Unsecured'.

9.4(a): Trade Receivable includes ₹ 1036.70 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1036.70 Million) due from M/s Topworth Steels & Power Pvt. Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. Provisional Liquidator has been appointed by the Hon'ble Bombay High Court in the winding up petition filed by MSTC. The matter is pending with the Provisional Official Liquidator who had taken over the control of the Company. In view of the uncertainties involved in realization of entire outstanding, an amount of ₹ 7451.00 Million was already been provided in the books during the financial year 2017-18 as bad and doubtful. During the year end stock verification, depletion in the value of pledged stock has been observed. Therefore further a sum of ₹ 171.77 Million, equivalent to the value of depleted stock, has been provided in the books of account as per prudent accounting practice.

9.4(b): ₹ 1100.81 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1770.00 Million) was due from M/s Adhunik Metaliks Ltd. for procuring and supply of materials. The company was referred to NCLT and Resolution Professional was appointed. MSTC has filed its claim with Resolution Professional. The plant operation was stopped from June 2018 due to liquidity crunch and running of business as a going concern came to a standstill. Consequently procurement from MSTC was also stopped. MSTC demanded to consider its claim as a part of CIRP cost, which is to be settled in priority to the other operational creditors. However Resolution Plan provided for NIL value payable to MSTC. MSTC filed an appeal before NCLT against the Resolution Plan and demanded for treatment of its dues as CIRP cost. However NCLT rejected the appeal and approved the Resolution Plan. The order of NCLT was challenged in NCLAT by MSTC Ltd . MSTC's appeal was rejected by NCLAT. An appeal was then subsequently filed before Supreme Court of India against the said order by MSTC. However the apex court dismissed our case.. From the foregoing it appears that the entire dues are uncollectible Hence the entire dues has been written off in the books of account.

9.4(c): Trade Receivable includes ₹ 1096.47 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1148.43 Million) due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. The arbitration award is in the favour of the Company. As per the Arbitration award, MSTC will procure raw materials for the party against advance payment only. During the current year i.e. from 1st April 2018 to 31st March, 2019, JBIL has paid ₹ 496.98 Million. Out of the payment, 10% has been adjusted against old receivables and for balance 90% fresh procurement has been made by MSTC. However, the party is allowed to lift, out of total procurement of 90%, old materials to the tune of 45% and new materials to the tune of 45%, thereby replacing the old materials. As per volumetric assessment carried out during year end, value of stock as on 31.03.2019 is depleted for an amount of ₹ 315.70 Million as compared to 31.03.2018. In view of the foregoing as a metter of abundant precaution, an amount of ₹ 315.70 Million equivalent to the value of depletion in the stock value has been provided in the accounts as per prudent accounting practice.

9.5: Trade Receivables include ₹ 9074.44 Million, against business done in facilitator mode (net of provision) (Previous Year ₹ 29397.90 Million).

9.6: Trade Receivables include (net of provision) ₹ 613.09 Million (Previous Year ₹ 461.75 Million), against e-Commerce business (net of provision).

10 . Cash and Cash Equivalents

Amount in ₹ Million

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Cash in hand	0.06	0.30
(b)	Balances with banks		
	(1) In Current Account	962.15	1,758.30
Total		**962.21**	**1,758.60**

11. नकद एवं नकद समतुल्य के अलावा बैंक शेष

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
बैंक के पास निर्दिष्ट शेष:		
(i) दावारहित लाभांश खाता में	10.48	9.90
(ii) 3 महीने के अधिक मगर 12 महीने से कम से मूल परिपक्वता के साथ जमा	3,194.24	3,779.50
कुल	3,204.72	3,789.40

11.1 उपर्युक्त जमा राशियों में ओवरड्राफ्ट सुविधा के लिए बैंक के पास गिरवी रखी गई ₹2288.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹3182.60 मिलियन) शामिल है। गारंटी के लिए मार्जिन ₹105.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 95.50 मिलियन)।

11.2 सहायक के मामले में, बैंक गारंटी ओवरड्राफ्ट सुविधा के प्रति बैंक ऑफ बड़ौदा, आईडीबीआई इंडियन बैंक तथा आंध्रा बैंक के साथ गिरवी ए (ii) जमा में ₹ 367.77 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 384.41 मिलियन) में शामिल है

12 अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सुरक्षित जमा	354.43	352.60
ख) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(1) कर्मचारीयों को ऋण	5.92	6.90
(2) कर्मचारीयों को वसुली योग्य अग्रिम	5.46	5.40
(3) विक्रेताओं / ठेकेदारों / तीसरे पक्ष से प्राप्य	-	5.40
(4) अन्य अग्रिम	3.21	18.50
ग) निम्नोक्त पर प्रोद्भूत ब्याज		
(1) मियादी जमा	113.84	128.80
(2) कर्मचारीयों को ऋण	0.17	0.15
निवल ऋण एवं अग्रिम	483.03	517.75

13. अन्य परिसंपत्तियाँ (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सार्वजनिक निकायों के साथ अग्रिम		
(1) सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, बिक्री कर, पोर्ट ट्रस्ट आदि	64.04	106.10
ख) पूर्व प्रदत्त पट्टा भुगतान लागत	0.77	0.70
ग) अन्य ऋण एवं अग्रिम		
(1) कर्मचारियों को अग्रिम	17.58	14.40
(2) आपूर्तिकर्ता एवं सेवा प्रदाताओं को अग्रिम	2.40	5.20
(3) पूर्व प्रदत्त व्यय	20.19	13.90
(4) अन्य	0.06	3.30
कुल अन्य परिसंपत्तियाँ	105.04	143.60
अन्य परिसंपत्तियों का वर्गीकरण		
सुरक्षित अच्छा माना गया	29.50	8.40
असुरक्षित अच्छा माना गया	75.54	135.20
कुल ऋण एवं अग्रिम	105.04	143.60

11. Bank balances other than Cash & Cash equivalents

Amount in ₹ Million

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Earmarked Balances with banks		
(i) In Unclaimed dividend account	10.48	9.90
(ii) Deposits with original maturity of more than 3 months but less than 12 months	3,194.24	3,779.50
Total	**3,204.72**	**3,789.40**

11.1 The a(ii) deposits include ₹ 2288.93 Million (Previous Year ₹ 3,182.60 Million) pledged with banks against over draft facility. Margin against guarantee ₹ 105.93 Million (Previous Year ₹ 95.50 Million).

11.2 In case of subsidiary, the a(ii) deposits includes ₹ 367.77 Million (Previous Year ₹ 384.41 Million) pledged with Bank of Baroda, IDBI, Indian Bank and Andhra Bank against Bank Guarantee and Overdraft facility.

12. Other financial assets (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Security deposits	354.43	352.60
(b) Other loans and advances		
(1) Loans to employees	5.92	6.90
(2) Recoverable Advances to employees	5.46	5.40
(3) Receivable from vendors / contractors / third party	-	5.40
(4) Other Advances	3.21	18.50
(c) Interest accrued on		
(1) Term deposits	113.84	128.80
(2) Loans to employees	0.17	0.15
Net Loans and advances	**483.03**	**517.75**

13. Other assets (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Advance with public bodies		
(1) Customs, Excise, Sales Tax ,Port Trusts etc.	64.04	106.10
(b) Prepaid Lease Payments Cost	0.77	0.70
(c) Other loans and advances		
(1) Advances to employees	17.58	14.40
(2) Advances to suppliers and service providers	2.40	5.20
(3) Prepaid expenses	20.19	13.90
(4) Others	0.06	3.30
Total Other assets	**105.04**	**143.60**
Classification of other assets:		
Secured, considered good	29.50	8.40
Unsecured, considered good	75.54	135.20
Gross Loans and advances	**105.04**	**143.60**

14. शेयर पुंजी

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
अधिकृत:		
₹ 10 प्रत्येक के 15,00,00,000 सामान्य शेयर	1,500.00	500.00
कुल	**1,500.00**	**500.00**
निर्गत, अभदत्त एवं पूर्ण प्रदत्त:		
₹ 10 प्रत्येक के 7,04,00,000 सामान्य शेयर	704.00	352.00
	704.00	**352.00**

14.क.I बकाये शेयरों के पुनर्मिलन का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2019 के आनुसार			31 मार्च, 2018 के आनुसार		
	संख्या	अंकित मूल्य (₹)	राशि (₹ मिलियन)	संख्या	अंकित मूल्य (₹)	राशि (₹ मिलियन)
बकाया प्रारंभिक शेयर	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
जोड़े:						
बोनस शेयर जारी करना	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
अंतिम शेष	**7,04,00,000**	**10**	**704.00**	**3,52,00,000**	**10**	**352.00**

14.क.II. इक्विटी शेयरों से जुड़े अधिकार अधिमान्य एवं प्रतिबंध

कंपनी के पास केवल एक श्रेणी के सामान्य शेयर ("इक्विटी शेयर") है जिनका सममूल्य रु 10 प्रत्येक है। सामान्य शेयारों के प्रत्येक धारक ("इक्विटी शेयरधारक") एक वोट प्रति शेयर का अधिकारी है एवं लाभांश पाने एवं अधिशेष में भाग लेने के अधिकारी है, यदि समापन की स्थिति उत्पन्न होती है।

14.क.iii. वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान 1:1 के अनुपात में 88,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए है।

14.क.iv. वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान 1:1 के अनुपात में 1,76,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

14.क.v. वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान 1:1 के अनुपात में 3,52,00,000 बोनस शेयर जारी किए गए हैं।

14.क.vi. कंपनी का 5% से अधिक शेयरधारिता रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

शेयरधारक का नाम	31 मार्च, 2019 के आनुसार		31 मार्च, 2018 के आनुसार	
	धारित शेयरों की सं.	शेयराधारिता का %	धारित शेयरों की सं.	शेयराधारिता का %
भारत के राष्ट्रपति	4,55,80,800	64.75	3,16,25,600	89.85
भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसि)	70,26,976	9.98	-	-

भारत सरकार ने मार्च 2019 के दौरान आईपीओ के माध्यम से एमएसटीसी लि. में अपने 25.10% शेयर को विनिवेश किया है। एमएसटीसी लिमिटेड के इक्विटी शेयर 29 मार्च, 2019 से बीएसई लिमिटेड एवं नैशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड दोनों पर सूचीबद्ध एवं व्यापारित हैं। आईपीओ के उपरांत शेयरधारिता के स्वरूप में परिवर्तन निम्नानुसार है:

शेयरधारक	प्री आईपीओ %	पोस्ट आईपीओ %
भारत सरकार	89.85	64.75
अन्य	10.15	35.25
कुल	**100.00**	**100.00**

15. अन्य इक्विटी

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
पुंजी आरक्षण		
प्रारंभिक शेष	341.60	341.60
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	-	-
अंतिम शेष	**341.60**	**341.60**
सामान्य आरक्षित निधि		
प्रारंभिक शेष	6,482.50	6,052.60
जोड़ें : प्रतिधारित आय से अंतरण	-	429.90
अंतिम शेष	**6,482.50**	**6,482.50**

14. Share Capital

Amount in ₹ Million

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Authorised :		
15,00,00,000 Ordinary Shares of ₹10 each	1,500.00	500.00
	1,500.00	**500.00**
Issued, Subscribed and fully paid up :		
704,00,000 Ordinary Shares of ₹ 10 each	704.00	352.00
	704.00	**352.00**

14(a)(i) Statement of Reconciliation of Shares Outstanding

Particulars	As at 31st March 2019			As at 31st March 2018		
	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Million)	Number	Face Value (₹)	Amount (₹ Million)
Opening Shares Outstanding	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
Add:						
Issue of Bonus Shares	3,52,00,000	10	352.00	1,76,00,000	10	176.00
Closing Shares Outstanding	**7,04,00,000**	**10**	**704.00**	**3,52,00,000**	**10**	**352.00**

14(a)(ii) Rights, preferences and restrictions attached to equity shares.

The Compeny has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹10 each. Each holder of ordinary shares (Equity Shareholders) is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

14(a)(iii) : 88,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2016-17 in the ratio of 1:1

14(a)(iv) : 1,76,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2017-18 in the ratio of 1:1

14(a)(v) : 3,52,00,000 bonus shares have been issued during F.Y 2018-19 in the ratio of 1:1

14(a)(vi) : Details of shareholders holding more than 5% of share holding.

Name of the Shareholder	As at 31st March 2019		As at 31st March 2018	
	No. of shares held	% of holding	No. of shares held	% of holding
President of India	4,55,80,800	64.75	3,16,25,600	89.85
Life Insurance Corporation of India (LIC)	70,26,976	9.98	-	-

The Government of India has divested its 25.10 % stake in MSTC Ltd through IPO during March 2019. Equity shares of MSTC Limited are listed and traded on both BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited w.e.f. March 29, 2019. Change in shareholding pattern post IPO is as following:

Shareholders	Pre IPO%	Post IPO%
Government of India	89.85	64.75
Others	10.15	35.25
Total	**100.00**	**100.00**

15. Other Equity

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Capital Reserve		
Opening balance	341.60	341.60
Add: Transfer from Retained Earnings	-	-
Closing Balance	**341.60**	**341.60**
General Reserve		
Opening balance	6,482.50	6,052.60
Add: Transfer from Retained Earnings	-	429.90
Closing Balance	**6,482.50**	**6,482.50**

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
2) प्रतिधारित आय		
प्रारंभिक शेष	133.20	300.80
जोड़ें : वर्ष के लिए लाभ	(3,071.04)	772.20
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय	(44.55)	(33.10)
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 16-17	-	249.90
घटाएं : अंतिम लाभांश : वित्तीय वर्ष 17-18	260.48	-
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 16-17 (अंतिम पर)	-	38.50
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 17-18 (अंतरिम पर)	-	12.40
घटाएं : लाभांश वितरण कर : वित्तीय वर्ष 17-18 (अंतिम पर)	53.54	-
घटाएं : बोनस शेयर जारी किया जाना	(352.00)	(176.00)
घटाएं : सामान्य आरक्षित निधि में अंतरण	-	429.90
अंतिम शेष	(3,648.41)	133.20
कुल अन्य इक्विटी	**3,175.69**	**6,957.30**

16. व्यापार प्राप्य (गैर चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
व्यापार प्राप्य		
असुरक्षित, अच्छा माना गया	-	4.40
कुल व्यापार प्राप्य	**-**	**4.40**

17. व्यापार देय (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(1) आपूर्तियों एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	-	-
- अन्य	2.64	2.64
कुल व्यापार देय	**2.64**	**2.64**

31 मार्च, 2019 एवं 31 मार्च, 2018 के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को कोई भी बकाया नहीं है। इसके कारण कोई ब्याज या बकाया नहीं है।

18. अन्य वित्तीय देनदारियाँ (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
ईएफबीएस योजना के अधीन देनदारी	7.45	9.40
कुल अन्य वित्तीय देनदारी	**7.45**	**9.40**

Amount in ₹ Million

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Retained Earnings		
Opening balance	133.20	300.80
Add: Profit for the year	(3,071.04)	772.20
Other Comprehensive Income for the year	(44.55)	(33.10)
Less: Final Dividend: FY 16-17	-	249.90
Less: Final Dividend: FY 17-18	260.48	-
Less: Dividend Distribution Tax: FY 16-17 (on final)	-	38.50
Less: Dividend Distribution Tax: FY 17-18 (on interim)	-	12.40
Less: Dividend Distribution Tax: FY 17-18 (on final)	53.54	-
Less: Issue of Bonus Shares	352.00	176.00
Less: Transfer to General Reserve	-	429.90
Closing Balance	(3,648.41)	133.20
Total Other Equity	**3,175.69**	**6,957.30**

16. Trade Receivables (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Trade Receivables		
(1) Unsecured, considered good	-	4.40
Total Trade Receivables	**-**	**4.40**

17. Trade payables (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(1) Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	-	-
- Others	2.64	2.64
Total trade payables	**2.64**	**2.64**

As at March 31, 2019 and March 31, 2018, there are no outstanding dues to Micro, Small and Medium Enterprises. There is no interest due or outstanding on the same.

18. Other financial liabilities (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Liability under EFBS Scheme	7.45	9.40
Total other financial liabilities	**7.45**	**9.40**

19. प्रावधान (गैर-चालु)

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
(1) पारिभाषित लाभ दायित्व		
(i) कर्मचारी परिवार लाभ योजना	55.41	61.20
(ii) उपदान (ग्रेचुइटी)	74.62	285.60
(2) सेवानिवृत्ति लाभ दायित्व		
(i) सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	288.31	242.90
(ii) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ में अंशदान	17.49	16.70
(iii) कर्मचारी बंदोबस्ती लाभ योजना	4.14	3.60
(3) अन्य कर्मचारी लाभ		
(i) अवकाश नकदीकरण लाभ	265.71	255.10
(ii) लम्बी सेवा के पुरस्कार	0.55	0.24
(ख) अन्य प्रावधान		
एसबीआई से गृह निर्माण ऋण	-	28.00
कुल प्रावधान	706.23	893.34

20. अन्य देनदारियां (गैर चालू)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(i) ग्राहकों से अग्रिम	64.56	57.70
(ii) अन्य	15.99	15.99
कुल अन्य देनदारियां	80.55	73.69

21. उधार (गैर-चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
सुरक्षित उधार		
बैंकों से मांग पर देय योग्य	9.35	-
कुल	9.35	-

यह राशि न्यूटाउन, राजारहाट, कोलकाता में कार्यालय भवन के निर्माण के लिए भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त ऋण को दर्शाती है। ₹ 300.00 मिलियन की कुल अनुमोदित राशि में से, ₹ 60.76 मिलियन की राशि दिनांक 29 सितम्बर, 2018 को वितरित की गई जिसकी चुकौती 30 जून 2019 से शुरू करते हुए ₹ 12.50 मिलियन की तिमाही किस्तों में की जाएगी। प्रस्तावित कार्यालय भवन को गिरवी रखते हुए यह राशि प्राप्त की गई है। यह ऋण 8.75% प्रति वर्ष के ब्याज पर 24 तिमाही ईएमआई के माध्यम से चुकाई जाएगी जिसकी शुरुआत 30 जून 2019 से है एवं अंतिम किस्त देने की नियत तारीख 31 मार्च 2025 है। ब्याज की गणना रोजाना शेष राशि की विधि पर की जाएगी एवं वितरण की तारीख से मासिक अवशेष के आधार पर भुगतेय है। मियादी ऋण किस्तों के पूर्व-भुगतान के मामले में प्रयोज्य अनुसार पूर्व-भुगतान शुल्क देय होगा।

Amount in ₹ Million

19. Provisions (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Provision for employee benefits		
(1) Defined benefit Obligations		
(i) Employees Family Benefit Scheme	55.41	61.20
(ii) Gratuity	74.62	285.60
(2) Retirement Benefit Obligations		
(i) Post Retirement Medical Benefit	288.31	242.90
(ii) Contributory Post Retirement Medical Benefit	17.49	16.70
(iii) Employees Settlement Benefit Scheme	4.14	3.60
(3) Other employee benefits		
(i) Leave Encashment Benefit	265.71	255.10
(ii) Long Service Awards	0.55	0.24
(b) Other Provisions		
Claim Payable to vendor for escalation claim	-	28.00
Total Provisions	**706.23**	**893.34**

20. Other liabilities (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(i) Advance from customers	64.56	57.70
(ii) Others	15.99	15.99
Total Other liabilities	**80.55**	**73.69**

21. Borrowings (Non Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Secured Borrowings		
House Building Loan from SBI	9.35	-
Total	**9.35**	**-**

The amount represents the loan obtained from State Bank of India for the construction of Office Building at Newtown, Rajarhat, Kolkata. Out of the total sanctioned amount of ₹ 300.00 Million, ₹ 60.76 Million has been disbursed on 29th September, 2018 which shall be repaid in Quarterly Installments of ₹ 12.50 Million commencing from 30th June, 2019. The amount is secured by way of mortgage of the proposed office building. The loan is repayable is 24 Quarterly EMI bearing Interest @ 8.75% p.a., commencing from 30th June, 2019 and last installment falling due on 31st March, 2025. Interest is computed on daily balance method and is payable on monthly rest basis from the date of disbursement. Prepayment charges as applicable shall be payable in case of prepayment of Term loan installments.

22. उधार (चालु)

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
क) सुरक्षित उधार		
क) मांग पर देय योग्य		
(i) बैंकों से		
(ii) कार्यवाही पुंजी मांग ऋण#	2,851.21	4,186.00
(iii) एफडीआर पर ग्रहणाधिकार (लियन) के विरुद्ध ओवरड्राफ्ट*	1,799.74	2,039.60
ख) एसबीआइ बैंकों से बिल्डिंग लोन (उल्लेख नोट नं 21)	50.00	-
कुल सुरक्षित उधार	**4,700.95**	**6,225.60**
ख) असुरक्षित उधार		
क) मांग पर देय योग्य बैंकों से	1,436.20	1,436.20
कुल असुरक्षित उधार	**1,436.20**	**1,436.20**
कुल उधार	**6,137.15**	**7,661.80**

क) इंडियन ओवरसीज़ बैंक (आईओबी) से ऋण की राशि ₹ 13.8 मिलियन है :(वर्ष 19.9.2011 से पड़ा हुआ)

यह राशि उनके दावों की प्रतिरक्षा में बैंक द्वारा भुगतान किए गए कानूनी शुल्क को दर्शाती है जिसके लिए कंपनी ने बैंक के पास अपना प्रतिवाद दर्ज किया है। एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध ₹ 365.6 मिलियन की राशि (जिसमें एलसी मूल्य के ऋण के लिए ₹ 279.8 मिलियन एवं कानूनी व्यय बाबत ऋण के रूप में ₹ 85.8 मिलियन की राशि शामिल है) के लिए माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मामला दायर किया है।

ख) उपर्युक्त राशि वर्ष 2008-09 के दौरान सोने के गहनों के लिए निर्यात बिलों की खरीद हेतु रिसीवेबल परचेज एग्रीमेंट के अधीन स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) द्वारा एमएसटीसी को किए भुगतान की ₹ 1436.20 मिलियन राशि को दर्शाती है। उपरोक्त अनुबंध के अंतर्गत एससीबी निर्यात बिलों के 95% मूल्य का भुगतान एमएसटीसी को करेगा और विदेशी खरीदार बिल की संबंधित नियत तारीखों को बिल के लिए भुगतान सीधे एससीबी को करेंगे। वही लेनदेन आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ एक इंश्योरेंस पॉलिसी के माध्यम से एससीबी द्वारा संरक्षित की गई थी। विदेशी खरीदारों से राशि प्राप्ति न होने पर, एससीबी ने बीमा कंपनी के पास दावा किया। बीमा कंपनी ने एससीबी के दावे को खारिज कर दिया। इसके बाद, एससीबी ने प्राप्य राशि को ऋण में तबदील करते हुए एमएसटीसी से राशि के लिए दावा किया एवं वर्ष 2012 में डीआरटी, मुंबई में एक मामला दर्ज किया। इसके पश्चात एससीबी ने बीमा कंपनी के विरुद्ध बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया जिसका निपटान होना अभी बाकी है। एमएसटीसी डीआरटी एवं अन्य न्यायाधिकरण में एससीबी के दावे को चुनौती दे रही है। मामलों के लम्बित निपटान को देखते हुए, एमएसटीसी ने बेहतर प्रस्तुतीकरण के लिए नोट सं. 9.2 के अधीन उधार एवं प्राप्य के रूप में साथ-साथ राशि को दिखा रही है।

दावे की उपर्युक्त राशि पर एससीबी द्वारा दावा किए गए ब्याज के लिए आकस्मिक देयताओं के रूप में इंड एएस-37 के अनुसार उचित प्रकटीकरण किया गया है।

वर्तमान संपत्तियों के विरुद्ध प्रतिभूत राशि

*एफडीआर पर लियन द्वारा प्रतिभूत राशि वर्तमान वर्ष ₹ 2288.93 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 3182.80 मिलियन)

23 . व्यापार देय (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) आपूर्ति एवं सेवाओं के लिए लेनदार		
-सुक्ष्म एवं लघु उद्यमों को बकाया	0.48	-
-अन्य #	9,317.40	25,473.10
-मजदूरी एवं वेतन प्रोद्भूत*	205.59	565.10
कुल व्यापार देय	**9,523.47**	**26,038.20**

*इसमें शामिल है कर्मचारियों के पेंशन लाभ के लिए वित्त वर्ष 2018-19 में ₹25.36 मिलियन (पिछले वर्ष ₹158.2 मिलियन) एवं दिनांक 01.01.2017 से नियत कर्मचारियों के मजदूरी संशोधन के लिए वित्त वर्ष 2018-19 में ₹47.27 मिलियन (पिछले वर्ष रु.107.7 मिलियन) का प्रावधान।

#व्यापार देय में शामिल है साख पत्र के आधार पर ₹996.79 मिलियन (पिछले वर्ष ₹19921.20 मिलियन) की राशि।

31 मार्च, 2019 के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को कोई भी ब्याज बकाया नहीं है। 31 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को कोई भी राशि बकाया नहीं थी।

22. Borrowings (Current)

Amount in ₹ Million

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
A. Secured Borrowings		
(a) Repayable on Demand		
(1) From Banks		
(i) Working Capital Demand Loans#	2,851.21	4,186.00
(ii) Overdraft against lien on FDR*	1,799.74	2,039.60
(b) House Building Loan from Bank (Refer Note No.21)	50.00	-
Total Secured Borrowings	**4,700.95**	**6,225.60**
B. Unsecured Borrowings		
(a) Repayable on Demand		
From Banks	1,436.20	1,436.20
Total Unsecured Borrowings	**1,436.20**	**1,436.20**
Total Borrowings	**6,137.15**	**7,661.80**

a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹13.80 Million : (lying since 19.09.2011)

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. MSTC has filed a case in Hon'ble High Court of Calcutta against IOB for ₹ 365.60 Million (which includes ₹ 279.80 Million towards debit of LC value & ₹ 85.80 Million as debit towards legal expenses).

b) The above amount represents ₹ 1436.20 Million on account of payment by Standard Chartered Bank(SCB) to MSTC towards purchase of exports bills for gold jewllery during 2008-09, under a Receivable Purchase Agreement. Under the said agreement SCB would be paying 95% of the value of export bills to MSTC and foreign buyers would be paying for the bill directly to SCB on respective due dates of the bills. The same transactions were covered by SCB through an insurance policy with ICICI Lombard General Insurance Company. On non receipt of proceeds from foreign buyers, SCB submitted claims with the insurance company.The Insurance company repudiated the claim of SCB. There after, SCB converted the receivables into loan, claimed the amount from MSTC and filed a case in DRT, Mumbai in 2012. Subsequently SCB also filed a suit in Bombay High Court against the insurance company which is yet to be disposed off. MSTC has been contesting the claim of SCB in DRT and other forums. Pending disposal of the cases, MSTC has shown the amount simultaneously as Borrowing and Receivables under Note No 9.2 for better presentation.

Appropriate disclosure has been made as contingent liabilities for the interest claimed by SCB on the above mentioned amount of claim as per IndAS 37.

Secured against Current Assets .

* Secured by lien on FDR current year ₹ 2,288.93 Million (Previous Year ₹ 3,162.80 Million) .

23. Trade payables (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(1) Creditors for supplies and services		
- Dues to micro and small enterprises	0.48	-
- Others #	9,317.40	25,473.10
- Accrued wages and salaries*	205.59	565.10
Total trade payables	**9,523.47**	**26,038.20**

* Includes ₹25.36 Million in FY 2018-19 (Previous Year ₹158.20 Million) towards provision for pension benefit of employees,and ₹ 47.27 Million in FY 2018-19 (Previous Year ₹ 107.70 Million) towards wage revision of the employees due from 01.01.2017.

Trade Payable includes ₹ 996.79 Million (Previous Year ₹19921.20 Million) backed by Letter of credit.

As at March 31, 2019 there is no interest outstanding to Micro, Small and Medium Enterprises. As at March 31, 2018 there were no outstanding dues to Micro, Small and Medium Enterprises.

24. अन्य वित्तीय देनदारियाँ (चालु)

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) ब्याज देय		
(i) ब्याज प्रोदभूत किन्तु उधार पर देय नहीं	788.90	788.90
(ii) ब्याज प्रोदभूत एवं उधार पर देय	0.13	0.70
(ख) दावारहित लाभांश	10.48	9.90
(ग) अन्य देनदिरयों के लिए लेनदार		
(i) सुरक्षित जमा राशि/ईएमडी	3,718.01	3,888.10
(ii) ग्राहकों से प्राप्त राशि	2,788.70	3,846.30
(iii) ईएफबीएस के अंतर्गत जमा	12.76	13.20
(iv) ईएफबीएस जमा योजनाओं के अंतर्गत देय	2.67	3.10
(v) अन्य	7.97	6.70
अन्य वित्तीय देनदारियो	**7,329.62**	**8,556.90**

25. प्रावधान (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान		
(1) परिभाषित लाभ दायित्व		
(i) कर्मचारी परिवार लाभ योजना	14.33	15.50
(2) सेवानिवृत्ति लाभ दायित्व		
(i) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ	17.73	5.70
(ii) सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ में अंशदान	1.02	0.70
(iii) कर्मचारी बंदोबस्ती लाभ योजना	0.27	0.30
(3) अन्य कर्मचारी लाभ		
(i) अवकाश नकदीकरण लाभ	12.97	14.20
(ii) लम्बी सेवा पुरस्कार	0.16	0.10
(iii) मजदूरी संशोधन	166.49	94.30
(iv) गैर-कार्यपालकों को देय अतिरिक्त संसाधन अर्जन योजना	5.92	6.50
(v) कार्य-निष्पादन संबंधित भुगतान	-	14.20
2017-18 के लिए	1.70	-
2018-19 के लिए	17.50	-
(vi) ग्रेच्युटी देय	-	-
(vii) पेनशन योजना	59.40	44.30
(b) अन्य प्रावधान*	16.97	16.90
कुल प्रावधान	**314.46**	**212.70**

*सहायक कंपनी के मामले में, अन्य प्रावधान में एमबीआई द्वारा जारी किए गए दुर्घटना दावा, मांग आदि शामिल है।

Amount in ₹ Million

24. Other financial liabilities (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Interest payable		
(i) Interest accrued but not due on borrowings	788.90	788.90
(ii) Interest accrued and due on borrowings	0.13	0.70
(b) Unclaimed dividends	10.48	9.90
(c) Creditors for other liabilities		
(i) Security deposits/EMD	3,718.01	3,888.10
(ii) Deposits received from customers	2,788.70	3,846.30
(iii) Deposit under EFBS	12.76	13.20
(iv) Payable under EFBS Deposit schemes	2.87	3.10
(v) Others	7.97	6.70
Total other financial liabilities	**7,329.62**	**8,556.90**

25. Provisions (Current)

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a) Provision for employee benefits		
(1) Defined benefit Obligations		
(i) Employee Family Benefit Scheme	14.33	15.50
(2) Retirement Benefit Obligations		
(i) Post Retirement Medical Benefit	17.73	5.70
(ii) Contributory Post Retirement Medical Benefit	1.02	0.70
(iii) Employees Settlement Benefit Scheme	0.27	0.30
(3) Other employee benefits		
(i) Leave Encashment Benefit	12.97	14.20
(ii) Long Service Awards	0.16	0.10
(iii) Wage Revision	166.49	94.30
(iv) Additional Resource Generation Scheme payable to Non-executives	5.92	6.50
(v) Prerformance Related Pay	-	14.20
For 2017-18	1.70	-
For 2018-19	17.50	-
(vi) Gratuity Payable	-	-
(vii) Pension Scheme	59.40	44.30
(b) Other Provisions*	16.97	16.90
Total Provisions	**314.46**	**212.70**

* Other Provisions includes accident claim, demand raised by MVI, etc. in case of subsidiary company.

राशि ₹ मिलियन में

26. अन्य देनदारियाँ (चालु)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(i) वैधानिक देय		
(क) बिक्री कर एवं वैट देय	97.31	-
(ख) सेवा कर एवं जीएसटी देय	69.29	136.00
(ग)स्रोत पर कर कटोती एवं एकत्रित	62.94	77.00
(घ) भविष्य निधि एवं पेंशन	17.19	20.80
(ङ) अन्य	0.17	0.20
(ii) ग्राहकों से अग्रिम	37.58	31.80
कुल अन्य देयताए	**284.48**	**265.80**

27. बिक्री के लिए रखे जाने के रूप में वर्गीकृत परिसंपत्तियाँ

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	30.76	25.90
(ख) बिक्री के लिए धारित परिसंपत्ति के साथ संबंधित देनदारियाँ	1.98	2.50

(1) बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत संपत्ति को उनके कम होते हुए मूल्य पर 'वर्तमान संपत्ति' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, क्योंकि ये संपत्तियाँ पहले ही चल रहे नियमित परिचालनों से अवसर प्राप्त कर चुकी हैं एवं केवल बिक्री/नीलामी के लिए रखी गई हैं। इसके अलावा, जहाँ प्रबंधन को अपेक्षित हो कि उक्त संपत्तियों के किसी भी हिस्से को तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष के अंदर निपटाया जाएगा/बट्टे में डाला जाएगा, तो उन्हें वर्तमान संपत्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(2) एच 1 बोलीदाता द्वारा जमा की गई राशि परंतु रिपोर्टिंग की तारीख को संपत्ति/सब-असेम्बली को उठाया नहीं गया, तो उसे 'बिक्री के लिए धारित संपत्ति के साथ सीधे संबंधित देयता' के अधीन विचार किया जाता है।

28. व्यापार के स्टॉक में बदलाव

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
आरंभिक स्टॉक	-	707.40
बंदी स्टॉक	-	-
कुल	**-**	**707.40**

29. प्रचालनों से राजस्व

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) वस्तुओ की बिक्री	25,683.00	15,652.40
(ख) सेवा प्रभार	2,645.13	2,756.20
(ग) अन्य प्रचालन राजस्व	941.85	1,054.00
(घ) स्कैप एवं अन्य मदों का प्रक्रियाकरण	3,648.29	3,171.00
(ङ) वैयरहाउस प्रबंधन के लिए अभिरक्षण सेवाएँ	-	18.30
(छ) परिसंपत्तियों के मूल्यांकन से संबंधित सेवा	1.70	2.10
प्रचालन से कुल राजस्व	**32,919.97**	**22,654.00**

Amount in ₹ Million

26. Other liabilities (Current)

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(I)	Statutory Dues		
	(a) Sales tax and VAT payable	97.31	-
	(b) Service Tax & GST payable	69.29	136.00
	(c) Tax deducted and collected at source	62.94	77.00
	(d) Provident Fund and Pension	17.19	20.80
	(e) Others	0.17	0.20
(II)	Advance from customers	37.58	31.80
	Total Other liabilities	**284.48**	**265.80**

27. Assets classified as held for sale

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Property, Plant and Equipment	30.76	25.90
(b)	Liabilities associated with asset held for sale	1.98	2.50

(1) Asset classified as held for sale is classified under "Current Assets" at their written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale / auction. Further, where management expects that any part of the said assets is likely to be disposed off written off within one year on the Balance Sheet date, the same are classified as current assets.

(2) Amount deposited by H1 bidder but asset / sub-assemblies not lifted on reporting date is considered under "Liabilities directly associated with asset held for sale".

28. Change of Stock in Trade

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Opening Stock	-	707.40
Closing Stock	-	-
Total	**-**	**707.40**

29. Revenue from operations

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Sale of Goods	25,683.00	15,652.40
(b)	Service Charges	2,645.13	2,756.20
(c)	Other Operating Revenues	941.85	1,054.00
(d)	Processing of scrap & other items	3,648.29	3,171.00
(e)	Custodian Services for Warehouse Management	-	18.30
(f)	Service related to valuation of assets	1.70	2.10
	Total Revenue from Operations	**32,919.97**	**22,654.00**

क) वर्ष के दौरान, ई-ऑक्शन पंजीकरण के लिए रु.55.54 मिलियन (पिछले वर्ष रु.60.80 मिलियन) की राशि एकत्रित की गई थी।

वर्तमान वर्ष के कुल संग्रह में से, रु.44.42 मिलियन (पिछले वर्ष रु.48.70 मिलियन) की राशि देयता के रूप में रखी गई है जो संबंधित पंजीकरण जीवन काल तक वैध रहने के कारण अगले चार वर्षों में वितरित की जाएगी। दिनांक 31.03.2019 को संग्रहित अवितरित शेष राशि रु.102.14 मिलियन (पिछले वर्ष रु.89.50 मिलियन) है। शेष राशि जिसका पंजीकरण एक वर्ष तक के लिए वैध है, को वर्तमान अवधि के दौरान आय के रूप में लिया जाता है।

(ख) अन्य प्रचालन राजस्व में ग्राहकों से ब्याज के रूप में रु.851.17 मिलियन (पिछले वर्ष रु.967.30 मिलियन) की राशि शामिल है।
(ग) होल्डिंग कंपनी के सेवा प्रभार एवं ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती वर्तमान वर्ष में रु.175.11 मिलियन (पिछले वर्ष रु.180.60 मिलियन) है।

30. अन्य आय

राशि ₹ मिलियन में

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) ब्याज आय		
(1) एफडीआर पर ब्याज	424.50	267.30
(2) कर्मचारी अग्रिमों पर ब्याज	3.34	3.90
(ख) देनदारी पुनरांकित की गई	-	281.70
(ग) प्रावधान जो आवश्यक नहीं रहा, पनरांकित किया गया	29.58	4,718.20
(घ) सब-असेम्बली की बिक्री	-	1.11
(ङ) परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	0.46	0.50
(च) तरलीकृत क्षतियाँ एवे अन्य वसूली	1.75	2.00
(छ) विवध आय	22.51	3.90
कुल अन्य आय	**483.25**	**5,277.50**

30.1 बैंक जमा पर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती ₹ 34.57 मिलियन (पिछले वर्ष ₹18.90 मिलियन).

31. व्यपार में स्टॉक की खरीदारी

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) स्टॉक-इन-ट्रेड का क्रय	25,426.34	14,789.60
(ख) लैन्संग ट्युब्स	4.49	4.10
(ग) ऑक्सीजन एवे एसीटिलीन	26.84	36.20
(घ) लुब्रिकेंटस	14.74	14.90
(ङ) डीसल एवं गैसोलीन	302.91	233.40
(च) स्टोर्स एवं स्पेयर पार्ट्स	123.96	103.20
(छ) जल, विद्युत, ईंधन	15.00	11.40
कुल	**25,914.28**	**15,192.80**

(a) During the year, an amount of ₹ 55.54 Million (Previous Year ₹ 60.80 Million) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹ 44.42 Million (Previous Year ₹ 48.70 Million) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since related registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2019 is ₹ 102.14 Million (Previous Year ₹ 89.50 Million). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current period.

(b) Other Operating Revenues also include interest from customers ₹ 851.17 Million in current year (Previous Year ₹ 967.30 Million).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income of Holding Company amounts to ₹ 175.11 Million in current year (Previous Year ₹ 180.60 Million).

Amount in ₹ Million

30. Other Income

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Interest income		
	(1) Interest on FDR	424.50	267.30
	(2) Interest on Employee Advances	3.34	3.90
(b)	Liability written back	-	281.70
(c)	Provision no longer required written back	29.58	4,718.20
(d)	Sale of Sub-assemblies	1.11	-
(e)	Profit on Sale of Assets	0.46	0.50
(f)	Liquidated damages and other recoveries	1.75	2.00
(g)	Miscellaneous income	22.51	3.90
	Total Other Income	**483.25**	**5,277.50**

30.1 Tax deducted at source from interest on bank deposits of Holding company amounted to ₹ 34.57 Million (Previous Year ₹18.90 Million).

31. Purchases of Stock-in-Trade

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Purchases of Stock-in-Trade	25,426.34	14,789.60
(b)	Lancing Tubes	4.49	4.10
(c)	Oxygen & Acetylene	26.84	36.20
(d)	Lubricants	14.74	14.90
(e)	Diesel & Gasolene	302.91	233.40
(f)	Stores & Spare Parts	123.96	103.20
(g)	Water, Power, Fuel	15.00	11.40
	Total	**25,914.28**	**15,192.80**

राशि ₹ मिलियन में

32. कर्मचारी लाभ व्यय

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) वेतन एवं मजदूरी, बोनस समेत	1,393.47	1,534.60
(ख) भविष्य एवं अन्य निधियों में अंशदान		
(1) भविष्य निधि	151.94	400.50
(ग) कर्मचारी कल्याण व्यय	144.72	179.80
कुल कर्मचारी लाभ व्यय	**1,690.13**	**2,114.90**

(I) कोलकाता के माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुपालन में, इस्पात मंत्रालय के आदेशानुसार, कार्यपालक कर्मचारियों का वेतन संशोधन दिनांक 01.04.1999 से प्रभावी हुआ था। इसका प्रभाव ₹ 157.40 मिलियन है जो 2017-18 में शामिल है।

(II) दिनांक 29/03/2019 की राजपत्र अधिसूचना एस.ओ. 1420 (ङ) के अनुसार ग्रेच्युटी की उच्चतम सीमा को ₹ 1.00 मिलियन ₹ 2.00 मिलियन। इस परिवर्तन के बाबत ₹ 70.20 मिलियन की राशि को विगत सेवा लागत के रूप में स्वीकृति दी गई है। सहायक कंपनी के मामले में विगत सेवा लागत के रुप में ₹ 178.90 मिलियन के परिवर्तन के प्रभाव को लाभ एवं हानि खाता दी गई है।

33. वित्त लागत

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) ब्याज लागत		
(1) अल्पकालिक उधारों पर ब्याज	121.31	193.30
(2) ग्राहको को भुगतान किया गया ब्याज	456.03	480.30
(3) इएफबीएस जमा राशियों के खाते पर ब्याज	0.71	-
कुल वित्त लागत	**578.05**	**673.60**

Amount in ₹ Million

32. Employee Benefit Expense

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Salaries and wages, including bonus	1,393.47	1,534.60
(b)	Contribution to provident and other funds		
	(1) Provident Fund	151.94	400.50
(c)	Staff welfare expenses	144.72	179.80
	Total Employee Benefit Expense	**1,690.13**	**2,114.90**

(I) In pursuant to Ministry of Steel's Order, complying the directive of Honble High Court of Kolkata, pay correction of Executive employees was effected w.e.f. 01.04.1999. The impact of this is ₹ 157.40 Million included in 2017-18.

(II) As per Gazette Notification S.O 1420 (E) dated 29th March, 2018 the ceiling of Gratuity has been enhanced from ₹ 1.00 Million to ₹ 2.00 Million. ₹ 70.20 Million towards the impact of this charge has been recognised as Past Service Cost in 2017-18. In case of subsidiary, the impact of the change has been shown as Past Service Cost of ₹ 178.90 Million is being recognised in the Profit and Loss Account in 2017-18.

33. Finance costs

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Interest expense		
	(1) Interest on Short term borrowings	121.31	193.30
	(2) Interest Paid to Customers	456.03	480.30
	(3) Interest on account of EFBS Deposits	0.71	-
	Total finance costs	**578.05**	**673.60**

राशि ₹ मिलियन में

34. अन्य व्यय

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(क) मरम्मत एवं रखरखाव	108.65	98.50
(ख) ईडीपी व्यय	12.87	15.00
(ग) बीमा शुल्क	11.69	10.40
(घ) किराया	35.89	36.60
(ङ) दर एवं कर	11.54	22.50
(च) बैंक शुल्क	72.45	180.10
(छ) यात्रा व्यय	47.24	45.90
(ज) विदेशी यात्रा वव्य	4.53	0.80
(झ) गाड़ी भाड़ा शुल्क	12.41	12.30
(ञ) बैठक एवं सम्मेलन	12.52	11.00
(ट) प्रशिक्षण	2.38	4.80
(ठ) निर्देशकों का बैठक शुल्क	0.99	0.30
(ड) सांविधिक लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक		
(i) लेखा परीक्षा शुल्क	1.17	0.80
(ii) कर लेखा परीक्षा शुल्क	0.14	0.10
(iii) फटकर व्यय	0.53	0.80
(ढ) सांविधिक लेखा परीक्षक का पारिश्रमिक	5.20	4.80
(ण) टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	11.42	11.90
(त) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	7.40	6.40
(थ) मनोरंजन	2.70	2.20
(द) टेलीफोन शुल्क	4.94	5.50
(ध) विज्ञापन	26.18	10.20
(न) कानूनी व्यय	9.41	13.80
(प) परामर्श शुल्क	14.57	11.10
(फ) आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	0.20	0.20
(ब) फुटकर व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	0.48	0.40
(भ) विविध व्यय	37.86	23.90
(म) कर्मचारी नियुक्ति व्यय	3.76	2.80
(य) समाचारपत्र, पुस्तक एवं पत्रिकाएं	0.25	0.50
(कक) नियमित समाजिक दायित्व (टिप्पणी सं 43 देखें)	26.68	27.80
(कख) नीलामी निविदा व्यय	1.40	5.30
(कग) बाहारी एजेंसी/किराये पर् पकरण के जिरए सेवा लागत	1,376.45	1,267.00
(कघ) प्रचलन कार्यों के लिए जनशक्ति किराये पर लेना	76.65	54.00
(कङ) सुरक्षा सेवाए	35.96	35.30
(कच) अधिरक्षण सेवाओं के लिए व्यय	1.84	17.40
(कछ) देय दावा के लिए व्यय	-	1.10
(कज) स्वच्छ भारत उपकर	-	1.60
(कझ) मूल्यांकन सेवाओं के लिए व्यय	0.50	0.60
(कञ) खराब ऋण बट्टे में डाला गया	1,100.81	4,594.10
(कट) खराब एवं संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ते *	4,320.02	1,388.10
(कट) स्टॉक ईयार्ड व्यय	14.51	1.00
(कठ) भाड़ा	4.33	6.70
(कड) अचल आस्तियों क बट्टे खाते में लिखी गई हानि/बिक्री	0.03	-
(कढ) प्लॉट किराया	0.75	0.70
कुल अन्य व्यय	**7,419.30**	**7,934.30**

Amount in ₹ Million

34. Other expenses

	Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
(a)	Repairs and Maintenance	108.65	98.50
(b)	EDP Expenses	12.87	15.00
(c)	Insurance charges	11.69	10.40
(d)	Rent	35.89	36.60
(e)	Rates and taxes	11.54	22.50
(f)	Bank Charges	72.45	180.10
(g)	Travelling Expenses	47.24	45.90
(h)	Foreign Travelling Expenses	4.53	0.80
(i)	Car Hire Charges	12.41	12.30
(j)	Meeting and Conference	12.52	11.00
(k)	Training	2.38	4.80
(l)	Directors' Sitting Fees	0.99	0.30
(m)	Statutory Auditors' Remuneration		
	(i) Audit Fees	1.17	0.80
	(ii) Tax Audit Fees	0.14	0.10
	(iii) Out-of-Pocket Expenses	0.53	0.80
(n)	Telex, Postage and Telegram	5.20	4.80
(o)	Electricity	11.42	11.90
(p)	Printing and Stationery	7.40	6.40
(q)	Entertainment	2.70	2.20
(r)	Telephone Charges	4.94	5.50
(s)	Advertisement	26.18	10.20
(t)	Legal Expenses	9.41	13.80
(u)	Consultancy Charges	14.57	11.10
(v)	Internal Audit fees	0.20	0.20
(w)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	0.48	0.40
(x)	Miscellaneous Expenses	37.86	23.90
(y)	Staff Recruitment Expenses	3.76	2.80
(z)	Newspaper, Books and Periodicals	0.25	0.50
(aa)	Corporate Social Responsibility (Refer Note No - 43)	26.68	27.80
(ab)	Auction Tender Expenses	1.40	5.30
(ac)	Cost of services through outside agency/Equipment rent	1,376.45	1,267.00
(ad)	Hiring of manpower for operational activities	76.65	54.00
(ae)	Security Services	35.96	35.30
(af)	Expenses for Custodian Services	1.84	17.40
(ag)	Provision for claim payable	-	1.10
(ah)	Swachh Bharat Cess	-	1.60
(ai)	Expenses for Valuation Services	0.50	0.60
(aj)	Bad Debts Written off	1,100.81	4,594.10
(ak)	Allowance for Bad and Doubtful Advances/Debts *	4,320.02	1,388.10
(al)	Stock Yard Expenses	14.51	1.00
(am)	Freight	4.33	6.70
(an)	Loss of written off / Sale of Fixed Assets	0.03	-
(ao)	Plot Rent	0.75	0.70
	Total Other Expenses	**7,419.30**	**7,934.30**

*** अशोध्य एवं संदिग्ध अग्रिम/ऋण के लिए भत्ते पर नोट**

क) ₹ 1100.81 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹ 1770.00 मिलियन) मेसर्स आधुनिक मेटलिक्स लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। कंपनी एनसीएलटी को संदर्भित की गई थी एवं रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की नियुक्ति की गई थी। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास अपना दावा दर्ज किया है। जून 2018 से प्लांट के प्रचालन को नकद की कमी के कारण बंद कर दिया गया था एवं एक चालू प्रतिष्ठान के रूप में व्यावसायिक कार्य रुका हुआ है। इसके फलस्वरूप, एमएसटीसी से भी क्रय रोक दिया गया था। एमएसटीसी ने सीआईआरपी लागत के रूप में अपने दावे पर विचार करने की मांग की, जो अन्य परिचालनीय लेनदारों की तुलना में प्राथमिक रूप से निपटाए जाएंगे। तथापि, एमएसटीसी को देय शून्य मूल्य के लिए रिजॉल्यूशन प्लान प्रदान किया गया। एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्लान के विरुद्ध एनसीएलटी के समक्ष एक अपील दर्ज की है एवं सीआईआरपी लागत के रूप में अपनी बकाया राशि के प्रबंधन की मांग की। हालांकि एनसीएलटी द्वारा अपील को अस्वीकार कर दिया एवं रिजॉल्यूशन प्लान को अनुमोदित किया गया। एनसीएलटी के आदेश को एमएसटीसी लि. द्वारा एनसीएलएटी में चुनौती दी गई थी। एनसीएलएटी द्वारा एमएसटीसी की अपील को नामंजूर कर दिया गया। इसके बाद एमएसटीसी द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की गई। परंतु सर्वोच्च अदालत ने हमारे मामले को बरखास्त कर दिया। उपरोक्त से यह प्रतीत होता है कि संपूर्ण बकाया राशि गैर-वसूली योग्य है। अतएव, पूरी बकाया राशि को खाता बहियों में बट्टे खाते में डाला गया है।

(ख) व्यापार प्राप्य में मेसर्स कॉन्कास्ट स्टील एण्ड पावर लि. की राशि शामिल है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार बही में ग्राहक की शेष राशि ₹ 2208.41 मिलियन है जो ₹ 4.00 मिलियन की ईएमडी अवशिष्ट राशि को छोड़कर है। इसमें से वित्त वर्ष 2017-18 में ₹ 300.00 मिलियन का प्रावधान पहले ही खातों में कर दिया गया है।

मेसर्स कॉन्कास्ट स्टील एण्ड पावर लि. की अवस्थिति को कंपनी के विरुद्ध एक लेनदार द्वारा आईबी कोड के अधीन दर्ज याचिका पर एनसीएलटी, कोलकाता को संदर्भित किया गया। एमएसटीसी ने ब्याज सहित ₹ 3025.85 मिलियन का दावा दर्ज किया है। एमएसटीसी ने एनसीएलटी द्वारा नियुक्त किए गए रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के समक्ष अपना दावा दर्ज किया है। दिनांक 26.09.2018 के आदेशानुसार, एनसीएलटी ने कुछ दिशानिर्देशों के अधीन कंपनी के लिक्विडेशन (ऋणशोधन) का निर्देश दिया। एनसीएलटी द्वारा रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) को लिक्विडेटर के रूप में नियुक्त किया गया है जिन्हें इस ऋणशोधन प्रक्रिया में कंपनी के विरुद्ध लेनदारों से उनके दावे को आमंत्रित करने का निर्देश दिया गया है। एमएसटीसी ने ₹ 3258.70 मिलियन के अपने दावे के प्रमाण को पहले ही दिनांक 26.10.2018 को दर्ज कर दिया था। बांकुड़ा प्लांट के संबंध में सामग्री की भारी कमी पायी गई थी, स्टॉकयार्ड में अभी भी पड़ी हुई सामग्री की उपयोगिता एवं प्राप्यता अनिश्चित है एवं इसका मूल्य भी नगण्य है। प्लांट भी बहुत कम क्षमता के साथ परिचालित है। कंपनी का झारसुगुडा प्लांट बंद हो चुका है एवं अभिरक्षक और एमएसटीसी दोनों के लिए यह प्रवेश प्रतिबंधित है। चूंकि कंपनी के लिए लिक्विडेशन (ऋणशोधन) का प्रस्ताव दिया जा रहा है, इसलिए विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति केअनुसार ईएमडी छोड़कर ₹ 1908.41 मिलियन की संपूर्ण बकाया राशि के लिए प्रावधान खाता बहियों में किया गया है।

(ग) व्यापार प्राप्य में एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लि. की राशि शामिल है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार ग्राहक की बही में शेष राशि ₹ 1889.22 मिलियन है जो ₹ 1.00 मिलियन की ईएमडी अवशिष्ट राशि को छोड़कर है। इसमें से वित्त वर्ष 2017-18 में ₹ 150.00 मिलियन का प्रावधान पहले ही खातों में कर दिया गया है।

रिजॉल्यूशन एप्लिकेंट द्वारा जमा किया गया रिजॉल्यूशन प्लान लेनदार समिति द्वारा अभी अनुमोदित किया जाना बाकी है। कुछ परिचालनीय लेनदारों ने प्रस्तावित रिजॉल्यूशन प्लान के लिए अपील करने को तरजीह दिया था। हाल में निष्पादित अनुमापी आकलन के अनुसार सभी सामग्रियों यथा आयरन ओर, पिग आयरन एवं स्पंज आयरन इत्यादि की भारी कमी पायी गई थी। इसके अलावा, लम्बे समय तक रखे रहने के कारण स्टॉकयार्ड में अभी भी पड़ी हुई सामग्री की उपयोगिता एवं प्राप्यता अनिश्चित है।

अतएव उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार ईएमडी छोड़कर ₹ 1739.22 मिलियन की संपूर्ण बकाया राशि के लिए प्रावधान खाता बहियों में किया गया है।

(घ) व्यापार प्राप्य में ग्लोबल कोक लि. की राशि शामिल है। दिनांक 31.03.2019 के अनुसार ग्राहक की बही में शेष राशि ₹ 282.80 मिलियन है जो ₹ 1.00 मिलियन की ईएमडी अवशिष्ट राशि को छोड़कर है। इसमें से ₹ 103.00 मिलियन का प्रावधान खाता बहियों में पहले से ही दर्शित है।

पार्टी को एनसीएलटी के पास संदर्भित किया गया है एवं एमएसटीसी ने रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) के समक्ष अपना दावा दर्ज किया है। हालांकि कंपनी का सिंधुदुर्ग प्लांट सक्रिय अवस्था में है, जामनगर प्लांट अभी भी बंद है। हमारी गिरवी रखी सामग्री जामनगर प्लांट में पड़ी हुई है एवं इसके बंद रहने के कारण खपत भी मुमकिन नहीं है। हमने लेनदार समिति (सीओसी) की सलाह के साथ रिस्क सेल क्लॉज के अधीन गिरवी रखी सामग्री को बेचने की अनुमति देने के लिए आरपी को अनुरोध किया है। परंतु आरपी से जवाब आया कि सीओसी के अनुसार, गिरवी रखी गई सामग्री ऋणग्रस्त संपत्ति है, अतएव, आईबीसी के नियमों के अनुसार ऐसी संपत्तियों की बिक्री सीओसी के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

इसलिए वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए, विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार ईएमडी छोड़कर ₹ 179.80 मिलियन की संपूर्ण बकाया राशि के लिए प्रावधान खाता बहियों में किया गया है।

(ङ) व्यापार प्राप्य में ₹ 1096.40 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹ 1148.40 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रीज लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अतिदेय है। विवाचन निर्णय कंपनी के पक्ष में है। विवाचन निर्णय के अनुसार, एमएसटीसी पार्टी के लिए केवल अग्रिम भुगतान के आधार पर कच्चे सामानों को प्राप्त करेगी। वर्तमान वर्ष के दौरान अर्थात 1 अप्रैल 2018 से 31 मार्च 2019 तक, जेबीआईएल ने ₹ 496.90 मिलियन का भुगतान किया है। इस भुगतान में से, 10% की राशि पुराने प्राप्य के लिए समायोजित की गई एवं शेष 90% के लिए एमएसटीसी द्वारा नई खरीद की गई है। तथापि, पार्टी को 90% के कुल क्रय में से 45% तक पुरानी सामग्री एवं 45% नई सामग्री लेने की अनुमति दी गई है, इस प्रकार पुरानी सामग्रियों को बदला गया है। वर्ष के अंत में किए गए अनुमापी आकलन के अनुसार, 31.03.2018 की तुलना में 31.03.2019 के स्टॉक के मूल्य में ₹ 315.70 मिलियन का ह्रास हुआ है। पूर्ववर्ती तथ्यों के मद्देनजर पर्याप्त सावधानी बरतते हुए, स्टॉक मूल्य में आई ह्रास राशि के समतुल्य ₹ 315.70 मिलियन राशि को एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार खातों में दर्शाया गया है।

(च) व्यापार प्राप्य में ₹1036.70 मिलियन की राशि (31.03.2018 को समाप्त पिछले वर्ष: ₹ 1036.70 मिलियन) शामिल है जो मेसर्स टॉपवर्थ स्टील्स एण्ड पावर प्रा. लि. से सामग्रियों की प्राप्ति एवं आपूर्ति के लिए बकाया थी। मौजूदा संपूर्ण बकाया राशि तीन वर्षों से भी अधिक समय से अतिदेय है। एमएसटीसी द्वारा दर्ज समापन याचिका में माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय द्वारा अस्थायी लिक्विडेटर नियुक्त किया गया है। मामला अस्थायी आधिकारिक लिक्विडेटर के पास लम्बित है जिसने कंपनी का नियंत्रण ले रखा था। संपूर्ण बकाया राशि की वसूली की अनिश्चितता को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान ₹ 7451.00 मिलियन की राशि अशोध्य एवं संदिग्ध के रूप में पहले से ही बहियों में दिखाया गया है। वर्ष के दौरान, अंतिम स्टॉक के सत्यापन में गिरवी रखे स्टॉक के मूल्य में कमी अवलोकित हुई है। इसलिए एक विवेकपूर्ण लेखांकन पद्धति के अनुसार स्टॉक के मूल्य में आई ह्रास राशि के समकक्ष ₹ 171.77 मिलियन की राशि खाता बहियों में प्रदान की गई है।

*** Notes on Allowance for Bad and Doubtful Advances/Debts**

a) ₹ 1100.81 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1770.00 Million) was due from M/s Adhunik Metaliks Ltd. for procuring and supply of materials. The company was referred to NCLT and Resolution Professional was appointed. MSTC has filed its claim with Resolution Professional. The plant operation was stopped from June 2018 due to liquidity crunch and running of business as a going concern came to a standstill. Consequently procurement from MSTC was also stopped. MSTC demanded to consider its claim as a part of CIRP cost, which is to be settled in priority to the other operational creditors. However Resolution Plan provided for NIL value payable to MSTC. MSTC filed an appeal before NCLT against the Resolution Plan and demanded for treatment of its dues as CIRP cost. However NCLT rejected the appeal and approved the Resolution Plan. The order of NCLT was challenged in NCLAT by MSTC Ltd. MSTC's appeal was rejected by NCLAT. An appeal was then subsequently filed before Supreme Court of India against the said order by MSTC. However the apex court dismissed our case. From the foregoing it appears that the entire dues are uncollectible Hance the entire dues has been written off in the books of account.

b) Trade Receivables included, M/s Concast Steel and Power Ltd The book balance of the customer as on 31.03.2019 stood at ₹ 2208.41 Million, net of EMD balance of ₹ 4.00 Million. Out of which a token provision of ₹ 300.00 Million has already been made in accounts in the F.Y. 2017-18.

M/s Concast Steel & Power Ltd. stands referred to NCLT, Kolkata on a petition filed under the IB Code by a creditor against the Company. MSTC has filed its claim of ₹ 3025.85 Million Including Interest. MSTC filed its Claim before the Resolution Professional appointed by NCLT. By Order dated 26.09.2018, the NCLT directed for the liquidation of the Company subject to certain directions. The RP has been appointed as the Liquidator by the NCLT who has been directed to invite claims from the creditors against the Company in the liquidation process. MSTC had already filed its Proof of Claim amounting to ₹ 3258.70 Million on 26.10.2018.

Huge shortage of material was found in respect to Bankura Plant, the usability and realizability of the material which is still lying in stockyard is uncertain and value of which is also meagre. The plant is also running at a very low capacity. Jharsugudha plant of the company is shut down and entry is also restricted both for custodian and MSTC. Since the company is being recommended for liquidation, as per prudent accounting practice provision for the entire outstanding net of EMD, ₹ 1908.41 Million has been made in the books of accounts.

(c) Trade Receivables included, SPS Steel Rolling Mills Ltd. The book balance of the customer as on 31.03.2019 stood at ₹ 1869.22 Million, net of EMD balance of ₹ 1.00 Million. Out of which a token provision of ₹ 150.00 Million has already been made in accounts in F.Y. 2017-18.

The resolution plan submitted by the Resolution Applicant is yet to be approved by the Committee of Creditors. Some operational creditors had preferred appeal for the proposed resolution plan. As per recently concluded volumetric assessment shortage was found for all material viz. Iron Ore, Pig Iron & Sponge Iron etc. Besides the usability and realizability of the material which is still lying in stockyard is uncertain due to long holding time.

Thus, in view of the foregoing, as per prudent accounting practice provision for the entire outstanding net of EMD for ₹ 1739.22 Million has been made in the books of accounts.

(d) Trade Receivables included Global Coke Ltd.The book balance of the customer as on 31.03.2019 is ₹ 282.80 Million, net of EMD balance of ₹ 1.00 Million. Out of which a token provision of ₹ 103.00 Million is already existing in books of accounts.

The party has been referred to NCLT and MSTC has filed its claim before Resolution Professional (RP). Although the Sindhudurg Plant of the Company is operational, the Jamnagar Plant is still closed. Our Pledged material is lying in Jamnagar Plant and due to its closure the consumption is not possible. We have requested the RP to allow us to sale the pledged materials under Risk Sale Clause with the consent of Committee of Creditors (COC). However the RP replied that as per COC, the pledged materials are an encumbered asset, thus as per IBC code sell of such asset is falling beyond the power of COC.

Thus in view of the uncertainties involved for realisation, as per prudent accounting practice provision for the entire outstanding net of EMD for ₹ 179.80 Million has been made in the books of accounts.

(e) Trade Receivable includes ₹ 1096.40 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1148.40 Million) due from M/s Jai Balaji Industries Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. The arbitration award is in the favour of the Company. As per the Arbitration award, MSTC will procure raw materials for the party against advance payment only. During the current year i.e. from 1st April 2018 to 31st March 2019, JBIL has paid ₹ 496.90 Million. Out of the payment, 10 % has been adjusted against old receivables and for balance 90% fresh procurement has been made by MSTC. However, the party is allowed to lift, out of total procurement of 90%, old materials to the tune of 45% and new materials to the tune of 45%, thereby replacing the old materials. As per volumetric assessment carried out during year end, value of stock as on 31.03.2019 is depleted for an amount of ₹ 315.70 Million as compared to 31.03.2018. In view of the foregoing as a matter of abundant precaution, an amount of ₹ 315.70 Million equivalent to the value of depletion in the stock value has been provided in the accounts as per prudent accounting practice.

(f) Trade Receivable includes ₹ 1036.70 Million (Previous year ending 31.03.2018: ₹ 1036.70 Million) due from M/s Topworth Steels & Power Pvt. Ltd. for procuring and supply of materials. Entire amount of present outstanding is overdue for a period of more than three years. Provisional Liquidator has been appointed by the Hon'ble Bombay High Court in the winding up petition filed by MSTC. The matter is pending with the Provisional Official Liquidator who had taken over the control of the Company. In view of the uncertainties involved in realization of entire outstanding, an amount of ₹ 7451.00 Million was already been provided in the books during the financial year 2017-18 as bad and doubtful. During the year end stock verification, depletion in the value of pledged stock has been observed. Therefore further a sum of ₹ 171.77 Million, equivalent to the value of depleted stock, has been provided in the books of account as per prudent accounting practice.

टिप्पणी 35 (क). 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्रारंभिक स्टॉक, क्रय, विक्रय एंव अंतिम स्टॉक का विवरण

(मात्रा '000 एमटी) (₹ मिलियन में)

सामग्री का विवरण		शुरूआती स्टॉक		क्रय		विक्रय		अंतिम स्टॉक	
		Qty.	Value	Qty.	Value	Qty.	Value	Qty.	Value
कोक / कोल	2018-19	-	-	1,328.47	19,126.43	1,328.47	19,343.70	-	-
	2017-18	104.00	707.40	2,533.35	13,730.65	2,637.35	14,584.71	-	-
पाइपस एवं ट्युबस	2018-19	-	-	331.42 mtr	6,299.91	331.42 mtr	6,339.30	-	-
	2017-18	-	-	31.38 mtr	757.41	31.38 mtr	762.21	-	-
लौह अयस्क	2018-19	-	-	-	-	-	-	-	-
	2017-18	-	-	63.34	302.65	63.34	307.19	-	-
	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,790.72	-	15,654.11	-	-
जोड़	2018-19अंतिम बिल समायोजन	-	-	-	-	-	-	-	-
	2017-18		-	-	(1.07)	-	(1.72)	-	-
समापन	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,789.65	-	15,652.39	-	-

टिप्पणी 35 (ख). के अलावा, कंपनी ने सुगमकर्ता (फेसिलिटेटर) के रूप में नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सामग्री का भी क्रय किया है :

(मात्रा '000 एमटी) (₹ मिलियन में)

सामग्री के विवरण		मात्रा	खरीद मुल्य	अर्जित सेवा प्रभार
एच आर कॉयल	2018-19	-	-	-
	2017-18	10.00	476.60	4.50
कोक / कोल	2018-19	1,314.85	11,929.31	158.99
	2017-18	1,650.00	13,222.30	184.70
बिलेट्स	2018-19	-	-	-
	2017-18	25.00	779.70	7.70
नेप्था	2018-19	-	-	-
	2017-18	109.00	3,397.20	37.80
लौह अयस्क / पेलेट	2018-19	8,071.48	24,958.36	291.05
	2017-18	12,222.00	31,702.90	384.80
मंगनीज अयस्क	2018-19	-	-	-
	2017-18	55.00	863.30	6.60
डीआरआई	2018-19	-	-	-
	2017-18	318.00	1,253.10	16.80
विविध सामग्रिया	2018-19	901.95	1,712.02	17.60
	2017-18	1,625.00	2,154.30	29.50
टीएमटी बार	2018-19	257.69	5,845.65	63.03
	2017-18	290.00	12,725.80	119.40
क्रोम ओर	2018-19	88.43	789.24	7.92
	2017-18	23.00	255.00	2.50
चैनल	2018-19	56.83	2,067.87	16.66
	2017-18	-	-	-
विद्युत उपकरण/परियोजना सामग्री	2018-19	161.71	3,268.25	47.31
	2017-18	-	16,254.70	147.50
कुल	2018-19	10,852.94	50,570.70	602.56
	2017-18	16,327.00	82,884.90	941.80

Note 35 (a) . Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March 2019

(Qty '000 MT) (Amount ₹ in Million)

Description of material		Opening Stock		Purchases		Sales		Closing stock	
		Qty.	Value	Qty.	Value	Qty.	Value	Qty.	Value
Coke / Coal	2018-19	-	-	1,328.47	19,126.43	1,328.47	19,343.70	-	-
	2017-18	104.00	707.40	2,533.35	13,730.65	2,637.35	14,584.71	-	-
Pipes & Tubes	2018-19	-	-	331.42 mtr	6,299.91	331.42 mtr	6,339.30	-	-
	2017-18	-	-	31.38 mtr	757.41	31.38 mtr	762.21	-	-
Iron Ore	2018-19	-	-	-	-	-	-	-	-
	2017-18	-	-	63.34	302.65	63.34	307.19	-	-
	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,790.72	-	15,654.11	-	-
Add :	2018-19 Final Bill Adjustment-		-	-	-	-	-	-	-
	2017-18		-	-	(1.07)	-	(1.72)	-	-
Closing	2018-19	-	-	-	25,426.34	-	25,683.00	-	-
	2017-18	-	-	-	14,789.65	-	15,652.39	-	-

Note 35 (b). In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below :

(Qty '000 MT) (Amount ₹ in Million)

Description of material		Qty.	Purchases Value	Service Charges Earned
H R Coil	2018-19	-	-	-
	2017-18	10.00	476.60	4.50
Coke / Coal	2018-19	1,314.85	11,929.31	158.99
	2017-18	1,650.00	13,222.30	184.70
Billets	2018-19	-	-	-
	2017-18	25.00	779.70	7.70
Naptha	2018-19	-	-	-
	2017-18	109.00	3,397.20	37.80
Iron Ore / Pellete	2018-19	8,071.48	24,958.36	291.05
	2017-18	12,222.00	31,702.90	384.80
Manganese Ore	2018-19	-	-	-
	2017-18	55.00	663.30	6.60
DRI	2018-19	-	-	-
	2017-18	318.00	1,253.10	16.80
Misc Items	2018-19	901.95	1,712.02	17.60
	2017-18	1,625.00	2,154.30	29.50
TMT Bar	2018-19	257.69	5,845.65	63.03
	2017-18	290.00	12,725.60	119.40
Chrome Ore	2018-19	88.43	789.24	7.92
	2017-18	23.00	255.00	2.50
Channel	2018-19	56.83	2,067.87	16.66
	2017-18	-	-	-
Electrical Equipment/Project Materials	2018-19	161.71	3,268.25	47.31
	2017-18	-	16,254.70	147.50
Total	**2018-19**	**10,852.94**	**50,570.70**	**602.56**
	2017-18	**16,327.00**	**82,684.90**	**941.80**

Note 35(सी). इंड एएस 108 के अनुसार सेगमेंट– वार रिपोर्टिंग (राशि ₹ मिलियन में)

इंड एएस **108** के अनुसार, कंपनी ने मार्केटिंग एवं ई-कॉमर्स को अपने दो प्राथमिक रिपोर्ट योग्व व्ववसाय क्षेत्र के रुप में चिह्नत किया है।

विवरण	वित्त वर्ष	विपणन	ई-कॉमर्स	अन्य (अनावंटित)	स्क्रैप वसूली एवं संबद्ध कार्य	कुल
कुल राजस्व	2018-19	27,482.79	2,133.26	5.01	3,782.16	33,403.22
	2017-18	22,627.50	1,900.60	5.10	3,398.30	27,931.50
कुल व्यय	2018-19	31,486.97	16.24	901.30	3,373.18	35,777.69
	2017-18	22,332.00	25.60	1,129.90	3,272.50	26,760.00
परिणाम (लाभ/हानि(–) कर पर्व)	2018-19	(4,004.18)	2,117.02	(896.29)	408.98	(2,374.47)
	2017-18	295.50	1,875.00	(1,124.80)	125.80	1,171.50
कर व्यय	2018-19	-	-	-	-	696.57
	2017-18	-	-	-	-	399.30
अवधि के लिए लाभ/हानि (-)	2018-19	-	-	-	-	(3,071.04)
	2017-18	-	-	-	-	772.20

कंपनी के व्यवसाय में प्रयुक्त परिसंपत्तीयों एवं देनदारियों को किसी भी रिपोर्ट योग्य सेगमेंट या खंड में चिह्नित नहीं किया गया हैं, क्योंकि ये खंडों के मध्य अंतर-परिवर्तन के रुप में प्रयोग किए गए हैं। इसलिए प्रबंधन को विश्वास है कि परिसंपत्तियों एवं देनदारियों से संबंधित खंड का प्रकटन व्यवहारयोग्य नहीं है।

प्रमुख ग्राहकों बारे में सूचना

संखा के राजस्य 10 प्रतिशत या अधिक की राशि वाले एकल वाह्य ग्राहक के साथ लेनदेन से प्राप्त राजस्व नीचे दिए गए है।

प्रमुख ग्राहक (10% से अधिक राजस्व रखने वाले ग्राहक)	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
कुल राजस्व	25,683.00	15,435.60
ग्राहक की सं.	3	3
कुल राजस्व का %	76.00	68.00
उत्पाद खंड	विपणन एवं स्क्रैप वसूली एवं संबद्ध कार्य	विपणन एवं स्क्रैप वसूली एवं संबद्ध कार्य

36 : (क) (विदेशी मुद्रा में व्यय):

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसा
समानों का आयात	21,800.77	22,530.00
यात्रा खर्च एवं अन्य	1.36	0.30
कुल	21,802.13	22,530.30

36 : (ख) (विदेशी मुद्रा में आय)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
ई–नालीमी पंजीयन शुल्क	0.42	0.10
कुल	0.42	0.10

(Amount in ₹ Million)

Note 35(c). Segment Reporting as per Ind AS 108:

In terms of Ind AS 108 the Group has identified Marketing, E-Commerce and Scrap Recovery & Allied Jobs as its three Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment.

Particulars	Financial year	Marketing	E-Commerce	Others (unallocated)	Scrap Recovery & Allied Jobs	Total
Total Revenue	2018-19	27,482.79	2,133.26	5.01	3,782.16	33,403.22
	2017-18	22,627.50	1,900.60	5.10	3,398.30	27,931.50
Total Expenses	2018-19	31,486.97	16.24	901.30	3,373.18	35,777.69
	2017-18	22,332.00	25.60	1,129.90	3,272.50	26,760.00
Profit/(Loss) before Tax	2018-19	(4,004.18)	2,117.02	(896.29)	408.98	(2,374.47)
	2017-18	295.50	1,875.00	(1,124.80)	125.80	1,171.50
Tax expenses	2018-19	-	-	-	-	696.57
	2017-18	-	-	-	-	399.30
Profit/(Loss) for the year	2018-19	-	-	-	-	(3,071.04)
	2017-18	-	-	-	-	772.20

Assets and liabilities used in the Group's business are not identified to any of the reportable segments,as these are used interchangeably between the segments. Hence the Management believes, that it is currently not practicable to provide segment disclosure related to assets and liabilities.

Information about major customers

The revenues from tranactions with a single external customer amounting to 10 per cent or more of the entity's revenues are given below :-

Major Customer (Customer having more than 10% revenue)	31st March 2019	31st March 2018
Total Revenue	25,683.00	15,435.60
No. of Customers	3	3
% of Total Revenue	78.00	68.00
Product Segment	Marketing and Scrap Recovery & Allied Jobs	Marketing and Scrap Recovery & Allied Jobs

36 : (a) Expenditure incurred in Foreign Currency :

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
Import of Goods	21,800.77	22,530.00
Travelling Expenses & other	1.36	0.30
Total	**21,802.13**	**22,530.30**

36 : (b) Earnings In Foreign Currency :

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
e-Auction Registration fees	0.42	0.10
Total	0.42	0.10

37. आकस्मिक देनदारियाँ एवं प्रतिबद्धताएँ (राशि ₹ मिलियन में)

(क) आकस्मिक देनदारियाँ :

क्र सं	विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
1.	बिक्री कर एवं सेवा शुल्क	351.48	421.40
2.	मुद्रा मामले	1468.91	1,452.20
3.	पंचाद	3.02	3.00
4.	कानुनी व्यय	0.00	-
5.	आय कर	240.38	70.60
6.	सेवा कर	793.53	956.20
7.	कंपनी के विरुद्ध दावे ऋण के रुप में स्वीकृत नहीं	6.29	6.00
8.	बकाया बैंक गरंटी	137.23	137.56
	कुल	**3000.84**	**3,046.96**

(ख) प्रतिबद्धताएँ

क्र सं	विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
1.	न्यु टाउन कोलकाता में नये कार्यलय भवन का निर्माण	101.47	265.10
2.	ठेके की अनुमानित राशि पूँजी खाते पर निष्पादन किया जाना है एवं प्रदान नहीं किया गया (अग्रिम छोड़कर)	55.17	43.56
	कुल	**156.64**	**308.66**

38. कर व्यय

(I) लाभ या हानि में आय कर की मान्यता

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(1) चालु कर		
- वर्ष के लिए	498.41	53.26
- पूर्व के वर्षों के लिए	0.93	-
(2) अस्थागित कर	197.23	346.04
चालु वर्ष में कुल आयकर व्यय में मान्यता	**696.57**	**399.30**

(II) समय के लिए आय कर व्यय को लाभ (हानि) के लेखाकरण में निम्नानुसार सामंजस्य किया या सकता है :

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
(1) वर्ष के लिए कर पर्व लाभ	(2,374.47)	1,184.60
(2) आय कर व्यय की गणना 34.944 % पर (2017-18: 34.608 %)	-	410.00
(3) व्यय का प्रभाव जो करायोग्य लाभ के निर्धारण में घटाने योग्य नहीं हैं	295.90	(717.70)
(4) आय का प्रभाव यो कर से मुक्त है	(1.92)	2.70
(5) व्यय का प्रभाव जो करयोग्य लाभ के निर्धारण में घटाने योग्य है		(0.70)
(6) पिछले वर्ष के लिए कर	0.93	-
(7) व्यवसाय हानि का कैरी फरवार्ड	179.12	705.00
(8) एमएटी क्रेडिट के लिए परिवर्तन	222.54	-
	696.57	**399.30**

उपर्युक्त के पुनर्मिलान में वर्ष 2018-19 एवं 2017-18 के लिए प्रयुक्त कर दर भारतीय कर कानून के अंतर्गत कर योग्य लाभों पर भारत में कॉर्पोरेट संस्थाओं द्वारा देय क्रमशः 34.944% (30% साथ में सरचार्ज 12% की दर से एवं एडुकेशन सेस 4% की दर से) एवं 34.608% (30% साथ में सरचार्ज 12% की दर से एवं एडुकेशन सेस 3% की दर से) कॉर्पोरेट कर दर है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के आस्थगित कर की गणना के लिए, आयकर दर है 34.944% (30% साथ में सरचार्ज 12% की दर से एवं एडुकेशन सेस 4% की दर से)।

व्यावसायिक हानि एवं अवमूल्यन के रूप में कुल ₹ 512.60 मिलियन आगे लायी गई राशि है। तथापि, कंपनी के पास ₹ 337.82 मिलियन की एमएटी देयता है जिसके लिए कंपनी के पास अगले आकलन वर्षों में उन वर्षों के लिए आय पर देय कर के लिए क्रेडिट करने का अधिकार है। कंपनी को प्रतीत होता है कि इसे आने वाले वर्षों में पर्याप्त लाभ होगा जिससे वह न केवल आगे लायी गई हानि को निपटा पाएगी, बल्कि इसके पास कर योग्य लाभ भी रहेगा। इसी अनुसार, व्यावसायिक हानि, अवमूल्यन एवं एमएटी क्रेडिट अधिकार को आगे ले जाने हेतु आस्थगित कर संपत्तियों को मान्यता दी गई है। तथापि, होल्डिंग कंपनी के मामले में एक सजग लेखांकन सिद्धांत के अनुसार ₹ 4320.02 मिलियन के संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान पर आस्थगित कर संपत्ति का सृजन नहीं किया गया है।

Amount in ₹ Million

37. Contingent Liabilities & Commitments

(a) Contingent Liabilities

Sl No.	Particulars	31st March 2019	31st March 2018
1.	Sales Tax & Customs	351.48	421.40
2.	Money Suits	1468.91	1,452.20
3.	Arbitration	3.02	3.00
4.	Legal Expense	0.00	-
5.	Income Tax	240.38	70.60
6.	Service Tax	793.53	956.20
7.	Claims against the company not acknowledged as debt	6.29	6.00
8.	Outstanding Bank Guarantees	137.23	137.56
	Total	**3000.84**	**3,046.96**

(b) Commitments

Sl No.	Particulars	31st March 2019	31st March 2018
1.	Construction of New Office Building at New town Kolkata	101.47	265.10
2.	Estimated amounts of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances)	55.17	43.56
	Total	**156.64**	**308.66**

38. Tax Expenses

(I) Income Tax Recognised in the Statement of Profit and Loss

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
(1) Current Tax		
- For the period	498.41	53.26
- For earlier years	0.93	-
(2) Deferred Tax	197.23	346.04
Total income tax expense recognised in the current year	**696.57**	**399.30**

(II) The income tax expense for the period can be reconciled to the accounting profit (loss) as follows :

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
(1) Profit before tax for the year	(2,374.47)	1,184.60
(2) Income tax expense calculated at 34.944 % (2017-18: 34.608 %)	-	410.00
(3) Effect of expenses that are not deductible in determining taxable profit	295.90	(717.70)
(4) Effect of income that is exempt from tax	(1.92)	2.70
(5) Effect of expenses that are deductible in determining taxable profit		(0.70)
(6) Tax for earlier years	0.93	-
(7) Carry Forward of Business Loss	179.12	705.00
(8) Reversal of MAT credit	222.54	-
	696.57	**399.30**

The tax rate used for the year 2018-19 and 2017-18 in the reconciliations above is the corporate tax rate of 34.944% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 4 %) and 34.608% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 3 %) respectively payable by corporate entities in India on taxable profits under the Indian tax law.

For Deferred Tax calculation of financial year 2018-19, income tax rate of 34.944% (30% plus surcharge @ 12% and education cess @ 4 %).

There is carry forward of business loss and depreciation agregating to ₹ 512.60 Million. However the holding company has a MAT liability of ₹ 337.82 Million for which company is entitled to credit in next assessment years against tax payable on income for those years. The Company feels that it will earn sufficient profit in coming years,not only to offset the carry forward loss but also will have taxable profit. Accordingly deferred tax assets has been recognised for carry forward of business loss, depreciation and MAT credit entitlement.However no Deferred Tax Asset has been created on the provision for Doubtful Debts of ₹ 4320.02 Million in case of holding company as per Conservative Principle of accounting.

प्रकटीकरण में संदर्भ के आई एन डी ए एस -8 (राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार
पिछले बताई गई कंपनी के मालिकों को लिए कुल व्यापक आय	745.81
पूर्व अवधि आईटेम के लिए समायोजन	
एमएटी क्रेडिट कर व्ययों के विपरित	(222.54)
एमएटी क्रेडिट अस्थागित कर परिसम्पत्ति के विपरित	222.54
कंपनी के मालिकों के लिए कुल व्यापक आय की सूचना दी	**745.81**
अस्थागित कर परिसम्पत्ति	3,038.30
एमएटी क्रेडिट उत्क्रमण के लिए समायोजन	(222.54)
शुद्ध	**2,815.76**
गैर वर्तमान कर संपत्ति	349.00
एमएटी क्रेडिट उत्क्रमण के लिए समायोजन	222.54
शुद्ध	**571.54**

नोटः वित्तीय वर्ष 2017-18, आकलन वर्ष 2018-19 के लिए एमएटी की गणना में एक त्रुटि हुई थी। उस वर्ष के लिए एमएटी प्रयोज्य नहीं था। इसी अनुसार, इंड एएस-8 के प्रावधान के अनुसरण में उसी अवधि के दौरान इसका संशोधन किया गया है। इस समायोजन के कारण अवधि के लिए कुल व्यापक आय में कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

(III) अस्थागित कर में बदलाव

विवरण	31 मार्च, 2018 के अनुसार	शुल्क/(क्रेडिट) वर्ष के लिए	31 मार्च, 2019 के अनुसार
लाभ या हानि माध्यम से			
अस्थागित देनदारियाँ			
कर्मचारी परिवार लाभ योजना	-	-	-
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियाँ एवं अन्य	27.80	(18.82)	8.98
	27.80	**(18.82)**	**8.98**
अस्थागित कर परिसंपत्तियाँ			
संपत्ति, संयंत्र एवं अन्य उपकरण और अमूर्त परिसंपत्तियाँ	0.70	0.52	1.22
अन्य व्यय के बाबत प्रावधान	246.60	(20.40)	226.20
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए भत्ते*	1,858.80	-	1,858.80
संदिग्ध प्राप्य दावे के लिए भत्ते*	-	-	-
विकेर्ता वर्धन के लिए प्रावधान	8.10	(8.10)	-
अनाशोषित व्यवसाय हानि	704.96	(525.84)	179.12
अन्य	1.30	0.03	1.33
एमएटी क्रेडिट इन्टाटलमेंट	-	337.82	337.82
शुद्ध अस्थागित कर (देनदारियां)/ परिसंपत्तियां	**2,820.46**	**(215.97)**	**2,604.49**
कुल अस्थागित कर (देनदारियां)/ परिसंपत्तियां	**2,792.66**	**(197.15)**	**2,595.51**
अन्य व्यापक आय के माध्यम से			
अस्थागित कर परिसंपत्तियाँ			
परिभाषिक लाभ योजना का पुनःमापन	23.10	(3.30)	19.80
सकल आस्थगित कर (देनदारियां)/ परिसंपत्तियां	**2,815.76**	**(200.45)**	**2,615.31**

नोटः * आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन संदिग्ध ऋण एवं अग्रिम के लिए वर्तमान वर्ष के भत्ते के संबंध में वर्तमान वर्ष के लिए कोई आस्थगित कर संपत्ति की सृष्टि नहीं की गई है, जो इस विवेकपूर्ण सिद्धांत पर विचारित है कि ऐसी संभावना नहीं है कि इसके लिए भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसकी वसूली की जा सकती है।

Disclosure in terms of Ind AS-8

(Amount in ₹ Million)

Particulars	As at 31st March 2018
Total Comprehensive Income attributable to owners of the company reported earlier	745.81
Adjustments for Prior period items :	
MAT credit reversed in Tax Expenses	(222.54)
MAT credit reversed In Deffered Tax Assets	222.54
Total Comprehensive Income attributable to owners of the company reported	**745.81**
Deferred Tax Assets	3,038.30
Adjustment for MAT credit reversal	(222.54)
Net	**2,815.76**
Non Current Tax Assets	349.00
Adjustment for MAT credit reversal	222.54
Net	**571.54**

Note: There was an error in the calculation of MAT for F.Y 2017-18 (A.Y 2018-19) in case of holding company. The MAT was not applicable for that year. Accordingly the same has been rectified during the same period in terms of provisions of Ind AS-8. There is no effect in total comprehensive income for the period due to this adjustment.

(III) Movement In Deferred Tax

Particulars	As at 31st March 2018	Charge /(credit) for the year	As at 31st March 2019
Through Profit or Loss			
Deferred Tax Liabilities			
Employee Family Benefit Scheme	-	-	-
Property Plant & Equipment and Intangible Assests and Others	27.80	(18.82)	8.98
	27.80	**(18.82)**	**8.98**
Deferred Tax Assets			
Property Plant & Equipment Others	0.70	0.52	1.22
Provison against other expenses	246.60	(20.40)	226.20
Allowances for Doubtful Debts & Advances *	1,858.80	-	1,858.80
Allowances for Doubtful Claims Receivable	-	-	-
Provision for Vendor Escalation	8.10	(8.10)	-
Unabsorbed business losses	704.96	(525.84)	179.12
Others	1.30	0.03	1.33
MAT credit entitlement	-	337.82	337.82
Net Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**2,820.46**	**(215.97)**	**2,604.49**
Total Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**2,792.66**	**(197.15)**	**2,595.51**
Through Other Comprehensive Income			
Deferred Tax Assets			
Remeasurement of Defined Benefit Plan	23.10	(3.30)	19.80
Gross Deferred Tax (Liabilities)/ Assets	**2,815.76**	**(200.45)**	**2,615.31**

Note:- * No deferred tax asset is created for the current year in respect of current year's allowance for doubtful debts and advances under Income Tax Act, 1961 considering the principle of prudence as it is not considered probeble that there will be future taxable profit available against which the same can be realised.

39. प्रति शेयर आय (राशि ₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार	31 मार्च, 2018 के अनुसार
अवधि हेतु लाभ	(3,071.04)	772.20
शेयरधारकों को आरोप्य लाभ	(3,071.04)	772.20
मूल ईपीएस के लिए शेयरों की भारित औसत सं.	7,04,00,000	7,04,00,000
समान्य शेयरों के आय मूल्य (₹)	10.00	10.00
प्रति शेयर मूल/मिश्रित आय (₹ प्रति शेयर)	(43.62)	10.97

40. वित्तीय प्रपत्रों पर प्रकटीकरण

इस खंड से ग्रुप के लिए वित्तीय प्रपत्रों के महत्व की समीक्षा प्राप्त होती है एवं यह वित्तीय प्रपत्रों से संलग्न तुलन पत्र के मदों पर अतिरिक्त जानकारी प्रदान करता है।

वित्तीय संपत्ति, वित्तीय देयता एवं इक्विटी प्रपत्र की प्रत्येक श्रेणी के संबंध में स्वीकृति के लिए मानदंड, मापन के आधार एवं आय और व्यय को जिस आधार पर स्वीकृति दी गई है, समेत महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का विवरण समेकित वित्तीय विवरण के नोट में प्रकट किए गए हैं।

(1) वित्तीय प्रपत्रों की श्रेणियाँ

निम्नलिखित तालिका समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय संपत्तियों एवं देयताओं की प्रत्येक श्रेणी की आगे लायी गई राशि एवं सही मूल्य प्रस्तुत करती है। आगे लायी गई राशि का मूल्य सही मूल्य के समकक्ष है।

वित्तीय विवरण	31 मार्च, 2019 के अनुसार ₹ मिलियन में	31 मार्च, 2018 के अनुसार ₹ मिलियन में	जिस पर मापे गए
व्यापार प्राप्य	18,697.26	39,819.72	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	755.45	1,073.35	परिशोधित लागत
नकद एवं नकद समकक्ष	962.21	1,758.60	परिशोधित लागत
अन्य बैंक शेष	3,204.72	3,789.40	परिशोधित लागत
निवेश	138.81	88.00	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय परिसंपत्तियाँ	**23,758.46**	**46,529.07**	
वित्तीय देनदारियाँ	**31 मार्च, 2019 के अनुसार ₹ मिलियन में**	**31 मार्च, 2018 के अनुसार ₹ मिलियन में**	**जिस पर मापे गए**
उधार	6,146.50	7,661.80	परिशोधित लागत
व्यापार देय	9,525.63	26,040.84	परिशोधित लागत
अन्य वित्तीय देनदारियाँ	7,337.07	8,566.30	परिशोधित लागत
कुल वित्तीय देनदारियाँ	**23,009.20**	**42,268.94**	

(2) पूंजी प्रबंधन

ग्रुप यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूंजी का प्रबंधन करती है कि ग्रुप ऋण और इक्विटी शेष के अनुकूलन के माध्यम से शेयरधारकों को रिटर्न का अधिकतम करते हुए कंपनी जारी रहती है। समूह किसी भी बाहरी रूप से नियोजित पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है।

(3) वित्तीय जोखिम प्रबंधन के उद्देश्य

ग्रुप के कॉरपोरेट ट्रेजरी कार्य व्यापार के लिए सेवाएं प्रदान करता हैं, घरेलू और अतर्राष्ट्रीय वित्तीय बाजारों तक पहुंच का समन्वय, ग्रुप के संचालन से जुड़े वित्तीय जोखिमों का प्रबंधन और निगरानी करता है। इनम जोखिमों में बाजार जोखिम (जैसे-मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और अन्य मूल्य जोखिम क्रेडिट जोखिम और तरलता जोखिम शामिल है। नीतियों और उपस्थिति सीमाओं के अनुपालन की निरंतर आधार पर आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा समीक्षा की जाती है। ग्रुप अव्यवहार्य के प्रयोजनों के लिए व्युत्पन्न वित्तीय साधानों में शामिल नहीं होती है और न ही व्यापार करती है।

(क) बाजार जोखिम

ग्रुप की गतिविधियां, मुख्य रूप में विदेशी मुद्रा विनिमय दरों में होने वाले परिवर्तनों के वित्तीय जोखिमों को प्रदर्शित करती है। मामले के आधार पर, विनिमय दर जोखिम का बचाव करने के लिए ग्रुप फॉरवर्ड मुद्रा अनुबंधों को अपनाती है।

(Amount in ₹ Million)

39. Earnings per Share

Particulars	As at 31st March 2019	As at 31st March 2018
Profit for the period	(3,071.04)	772.20
Profit attributable to Shareholders	(3,071.04)	772.20
Weighted average No. of Shares for Basic EPS	7,04,00,000	7,04,00,000
Nominal value of Ordinary Shares (₹)	10.00	10.00
Basic/Diluted Earnings per Share (₹ Per Share)	(43.62)	10.97

40. Disclosures on financial instruments

This section gives an overview of the significance of financial instruments for the Group and provides additional information on balance sheet items that contain financial instruments.

The details of significant accounting policies, including the criteria for recognition, the basis of measurement and the basis on which income and expenses are recognized, in respect of each class of financial asset, financial liability and equity instrument are disclosed in note to the consolidated financial statements.

(1) Categories of Financial Instruments

The following table presents carrying amount and fair value of each category of financial assets and liabilities as at the year end.Carrying value is equivalent to the fair value.

Financial Assets	As at 31st March 2019 ₹ in Million	As At 31st March 2018 ₹ in Million	Measured at
Trade Receivables	18,697.26	39,819.72	Amortised cost
Other Financial Assets	755.45	10,73.35	Amortised cost
Cash and Cash Equivalents	962.21	17,58.60	Amortised cost
Other Bank Balances	3,204.72	37,89.40	Amortised cost
Investments	138.81	88.00	Amortised cost
Total Financial Assets	**23,758.46**	**46,529.07**	

Financial Liabilities	As at 31st March 2019 ₹ in Million	As At 31st March 2018 ₹ in Million	Measured at
Borrowings	6,146.50	7,661.80	Amortised cost
Trade Payables	9,525.63	26,040.84	Amortised cost
Other Financial Liabilities	7,337.07	8,566.30	Amortised cost
Total Financial Liabilities	**23,009.20**	**42,268.94**	

(2) Capital Management

The Group manages its capital to ensure that tha Group is able to continue as going concern while maximising tha return to shareholders through the optimisation of the debt and equity balance.The Group is not subject to any externally imposed capital requirements.

(3) Financial risk management objectives

The Group's Corporate Treasury function provides services to the business, co-ordinates access to domestic and international financial markets , monitors and manages the flanancial risks relating to the operations of the Group . These risks include market risk (like- currency risk, interest rate risk and other price risk), credit risk and liquidity risk. Compliance with policies and exposure limits is reviewed by the internal auditors on a continuous basis. The Group does not enter into or trade of financial instruments, including derivative financial instruments, for speculative purposes.

(a) Market Risk

The Group's activities expose it, primarily to the financial risks of changes in foreign currency exchange rates. On a case to case basis, the Group enters into Forward foreign exchange contracts to hedge the exchange rate risk.

(I) ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

वर्तमान में ग्रुप ने अपने अधिकतम ऋण को एमसीएलआर के आधार पर परिवर्तित किया है, इसलिए दर अनुबंध अवधि के लिए आम तौर पर के वर्ष के लिए स्थिर है। ओवरड्राफ्ट सुविधा पर और ब्याज सावधि जमा के ब्याज के साथ जुड़ा हुआ है, जो आम तौर पर एक वर्ष के लिए निर्दिष्ट है।

(ii) विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन

ग्रुप का विदेशी मुद्रा एक्सपोजर आयात देयताओं के कारण होता है। लेनदेन ग्राहकों के साथ एक के बाद एक के आधार पर है। लाभ और हानि अगर हो तो ग्राहक को उपलब्ध कराया जाता है। ग्राहकों के साथ चर्चा कर विदेशी मुद्राए क्सपोजर को बचाने के लिए कभी-कभी फॉरवार्ड कवर लिया जाता है। जहां भी विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव हो, ग्राहकों द्वारा उनके साथ समझोता के अनुसार वहन किया जाता है, विदेशी मुद्रा लाभ/हानि ग्रुप के बहियों में मान्यता प्राप्त नहीं है।

(ख) क्रेडिट जोखिम प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम उस जोखिम को दर्शाता है कि एक काउंटरपार्टी अपने अनुबंध संबंधी दायित्वों पर चूक जाएगी जिसके परिणामस्वरूप ग्रुप के नुकसान होता है। ग्रुप ने जहां उपयुक्त हो, चुक से वित्तीय नुकसान के जोखिम को कम करने के एक साधन के रूप में केवल ऋणयोग्य काउंटर पार्टी के साथ काम करने की नीति अपनाई है, ग्रुप केवल ऐसी संस्थाओं से लेनदेन करती है, जो उपलब्ध एजेंसियों द्वारा रेट किए गए है और अगर उपलब्ध नहीं है तो कपंनी अपने प्रमुख ग्राहकों को रेट करने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध वित्तीय जानकारी और अपने पिछले रिकॉर्ड का उपयोग करती है। ग्रुप के जोखिम ओर उसके प्रतिपक्षों की क्रेडिट रेटिंग पर नजर रखी जाती है और निष्कर्ष निकाले गए लेनदेन का एकत्रित मूल्य अनुमोदित काउंटरपार्टी में प्रसारित किया जाता है। क्रेडिट एक्सपोजर को काउंटरपार्टी की सीमाओं द्वारा नियंत्रित किया जाता है जो वरिष्ट प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा की जाती है और उन्हें अनुमोदित किया जाता है।

(ग) तरलता जोखिम प्रबंधन

ग्रुप लगातार भविष्य की और वास्तविक नकदी प्रवाह की निगरानी करके और वित्तीय परिसंपत्तियों और दायित्वों की परिपक्वता प्रोफाइल का मिलान करके पर्याप्त भंडार, बैंकिंग सुविधाएं और आरक्षित उधार सुविधा बनाने की तरलता जोखिम का प्रबंध करती है।

नीचे दी गई तालिका 31 मार्च, 2019 व 31 मार्च, 2018, के अनुसार अनुमानित ब्याज भुगतान सहित वित्तीय देनदारियों की संविदागत छूट रहित नकद दायित्व के बारे में जानकारी प्रदान करती है।

वित्तीय देनदारियां	31 मार्च, 2019 के अनुसार				
	आगे लायी गई राशि (₹ मिलियन में)	ठेकागत नगद् प्रवाह (₹ मिलियन में)	1 वर्ष से कम (₹ मिलियन में)	1-5 वर्ष के बीच (₹ मिलियन में)	5 वर्ष से अधिक (₹ मिलियन में)
उधार	6,146.50	6,147.91	6,137.15	10.76	-
व्यापर देय	9,525.63	9,525.63	9,525.63	2.64	-
अन्य वित्तीय देयदारियां	7,337.07	7,337.07	7,334.77	7.90	2.30
	23,009.20	**23,010.61**	**22,997.55**	**21.30**	**2.30**

वित्तीय देयदारियां	31 मार्च, 2018 के अनुसार				
	आगे लायी गई राशि (₹ मिलियन में)	ठेकागत नगद् प्रवाह (₹ मिलियन में)	1 वर्ष से कम (₹ मिलियन में)	1-5 वर्ष के बीच (₹ मिलियन में)	5 वर्ष से अधिक (₹ मिलियन में)
उधार	7,661.80	7,661.80	7,661.80	-	-
व्यापार देय	26,040.84	26,040.84	26,038.24	2.60	-
अन्य वित्तीय देनदारियां	8,566.30	8,569.00	8,557.00	8.30	3.70
	42,268.94	**42,271.64**	**42,257.04**	**10.90**	**3.70**

41. संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण

(i) संबंधित पक्ष का नाम और संबंध का विवरण

1) संयुक्त उद्यम

महिन्द्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड

(I) Interest rate risk management

At present Group has converted maximum of its loans to MCLR based, hence the rate is firm for a contract period usually for a year. Further interest on Overdraft facility is linked with interest of Fixed deposits, which are usually firm for one year.

(II) Foreign Currency risk management

The foreign currency exposure of the Group is due to Import liabilities. Transactions are on back to back basis with customers. The gain and loss if any is passed on to the customers. Some times forward cover is taken to hedge the related foreign currency exposure in terms of discussion with the customers.Wherever foreign exchange fluctuations are to be borne by the customers as per agreement with them, foreign exchange gain/ loss are not recognized in the books of the Group.

(b) Credit risk management

Credit risk refers to the risk that a counterparty will default on its contractual obligations resulting in financial loss to the Group. The Group has adopted a policy of only dealing with creditworthy counterparties , where appropriate, as a means of mitigating the risk of financial loss from defaults. The Group only transact with entities that are rated by agencies where available and if not available , the Group uses other publicly available financial information and its own past records to rate its major customers. The Group's exposure and the credit ratings of its counterparties are monitored and the aggregated value of transactions concluded is spread amongst approved counterparties . Credit exposure is controlled by counterparty limits that are reviewed and approved by the Senior management committee.

(c) Liquidity risk management

The Group manages liquidity risk by maintaining adequate reserves, banking facilities and reserve borrowing facilities, by continuously monitoring forecast and actual cash flows,and by matching the maturity profiles of financial assets and liabilities.

The teble below provides details regarding the contractual undiscounted cash obligations of financial liabilities including estimated interest payments as at March 31, 2019 , as at March 31, 2018 .

Financial Liabilities	As at 31st March 2019				
	Carrying Amount ₹ in Million	Contractual Cash flows ₹ in Million	less than 1 year ₹ in Million	between 1 - 5 years ₹ in Million	More than 5 years ₹ in Million
Borrowings	6,146.50	6,147.91	6,137.15	10.76	-
Trade payables	9,525.63	9,525.63	9,525.63	2.64	-
Other financial liabilities	7,337.07	7,337.07	7,334.77	7.90	2.30
	23,009.20	**23,010.61**	**22,997.55**	**21.30**	**2.30**

Financial Liabilities	As at 31st March 2018				
	Carrying Amount ₹ in Million	Contractual Cash flows ₹ in Million	less than 1 year ₹ in Million	between 1 - 5 years ₹ in Million	More than 5 years ₹ in Million
Borrowings	7,661.80	7,661.80	7,661.80	-	-
Trade payables	26,040.84	26,040.84	26,038.24	2.60	-
Other financial liabilities	8,566.30	8,569.00	8,557.00	8.30	3.70
	42,268.94	**42,271.64**	**42,257.04**	**10.90**	**3.70**

41. Related Party Disclosures

(I) Name of the related parties and description of relationship :

1) Joint Venture

Mahindra MSTC Recycling Private Limited

2) मुख्य प्रबंधकीय कार्मिक

श्री बम बहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से)	निदेशक (वित्त)
श्री ए.के बासु (01.04.2018 से 30.11.2018 तक)	निदेशक (वित्त)
श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)
श्री एस.के.राय (27.07.2018 तक)	कंपनी सचिव
श्री ए.के राय (27.07.2018 से)	कंपनी सचिव
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक
डॉ. रुद्रामौनी शिवयोगेपा येली	स्वतंत्र निदेशक
श्रीमती प्रभाती परिदा	स्वतंत्र निदेशक
डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन	स्वतंत्र निदेशक
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी	स्वतंत्र निदेशक
श्री राजीव भट्टाचार्य	प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल
श्री शतदल मित्र	मुख्य वित्तीय अधिकारी, एफएसएनएल
श्री अशोक मिश्रा	कंपनी सचिव, एफएसएनएल

(II) संबंधित पार्टी के साथ लेनदेन

(क) प्रमुख सबंधकीय कार्मिक को पारिश्रमिक

विवरण	संबंधित पार्टी का स्वरूप/संबंध	पारिश्रमिक (₹ मिलियन में) अल्पकालिक लाभ	नियुक्ति उपरान्त लाभ	अन्य दीर्घावधि लाभ	कुल
31 मार्च, 2019 के अनुसार					
श्री बम बहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	7.36	0.22	-	7.58
श्री सुब्रत सरकार (01.12.2018 से)	निदेशक (वित्त)	1.85	0.15	0.22	2.22
श्री ए.के बासु (01.04.2018 से 30.11.2018 तक)	निदेशक (वित्त)	5.17	-	-	5.17
श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)	5.88	0.11	0.09	6.08
श्री एस.के.राय (27.07.2018 तक)	कंपनी सचिव	0.48	-	-	0.48
श्री ए.के.राय (27.07.2018 से)	कंपनी सचिव	2.01	0.09	-	2.10
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	0.27*	-	-	0.27
डॉ. रुद्रामौनी शिवयोगेप्पा येली	स्वतंत्र निदेशक	0.21*	-	-	0.21
श्रीमती प्रभाती परिदा	स्वतंत्र निदेशक	0.09*	-	-	0.09
डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	0.34*	-	-	0.34
श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी	स्वतंत्र निर्देशक	0.08*	-	-	0.08
श्री राजीव भट्टाचार्य	प्रबंध निदेर्शक	4.33	0.21	0.32	4.86
श्री शतदल मित्र	मुख्य वित्तीय अधिकारी	3.19	0.19	0.33	3.71
श्री अशोक मिश्रा	कंपनी सचिव	1.41	0.05	0.11	1.57

2) Key Managerial Personnel

Sri Bam Bahadur Singh	Chairman cum Managing Director
Sri Subrata Sarkar (From 01.12.2018)	Director (Finance)
Sri A.K Basu (From 01.04.2018 To 30.11.2018)	Director (Finance)
Smt Bhanu Kumar	Director (Commercial)
Sri S.K Ray (upto 27.07.2018)	Company Secretary
Sri A.K.Rai (From 27.07.2018)	Company Secretary
Sri Gangaram Aloria	Independent Director
Dr. Rudramauni Shivayogeppa Yeli	Independent Director
Smt. Pravati Parida	Independent Director
Dr. T V Muralivallabhan	Independent Director
Smt. Aparna Chaturvedi	Independent Director
Sri Rajib Bhattacharya	Managing Director, FSNL
Sri Satadal Mitra	Chief Financial Officer, FSNL
Sri Ashok Mishra	Company Secretary, FSNL

(II) Transaction with Related Parties

(a) Compensastion to Key Managerial Personnel

Particulars	Nature of related party / relationship	Remuneration (₹ In Million) Short Term Benefit	Post Employment Benefits	Other Long Term Benefits	Total
As at March 31st, 2019					
Sri Bam Bahadur Singh	Chairman cum Managing Director	7.36	0.22	-	7.58
Sri Subrata Sarkar (From 01.12.2018)	Director (Finance)	1.85	0.15	0.22	2.22
Sri A.K Basu (From 01.04.2018 To 30.11.2018)	Director (Finance)	5.17	-	-	5.17
Smt Bhanu Kumar	Director (Commercial)	5.88	0.11	0.09	6.08
Sri S.K Ray (upto 27.07.2018)	Company Secretary	0.48	-	-	0.48
Sri A.K.Rai (From 27.07.2018)	Company Secretary	2.01	0.09	-	2.10
Sri Gangaram Aloria	Independent Director	0.27*	-	-	0.27
Dr. Rudramauni Shivayogeppa Yeli	Independent Director	0.21*	-	-	0.21
Smt. Pravati Parida	Independent Director	0.09*	-	-	0.09
Dr. T V Muralivallabhan	Independent Director	0.34*	-	-	0.34
Smt. Aparna Chaturvedi	Independent Director	0.08*	-	-	0.08
Sri Rajib Bhattacharya	Managing Director	4.33	0.21	0.32	4.86
Sri Satadal Mitra	Chief Financial Officer	3.19	0.19	0.33	3.71
Sri Ashok Mishra	Company Secretary	1.41	0.05	0.11	1.57

विवरण	संबंधित पार्टी का स्वरूप/संबंध	पारिश्रमिक (₹ मिलियन में) अल्पकालिक लाभ	नियुक्ति उपरान्त लाभ	अन्य दीर्घावधि लाभ	कुल
31 मार्च, 2018 के अनुसार					
श्री बम बहादुर सिंह	अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	4.22	0.95	0.92	6.10
श्री ए.के बासु (01.04.2018 से 30.11.2018 तक)	निदेशक(वित्त)	4.03	0.96	0.38	5.37
श्रीमती भानु कुमार	निदेशक (वाणिज्यिक)	1.19	0.90	0.70	2.79
श्री एस.के.राय	कंपनी सचिव	3.00	0.09	-	3.09
श्री गंगाराम अलोरिया	स्वतंत्र निदेशक	0.10*	-	-	0.10
डॉ. टी.वी. मुरलीवल्लभन	स्वतंत्र निदेशक	0.17*	-	-	0.17
श्री राजीव भट्टाचार्य	प्रबंध निदेशक	4.00	0.80	0.10	4.90
श्री शतदल मित्र	मुख्य वित्तीय अधिकारी	3.10	0.20	-	3.30
श्री अशोक मिश्रा	कंपनी सचिव	1.30	-	0.10	1.40

टिप्पणी : * यह निदेशक के बैठक शुल्क का सूचक है:

(i) चुंकि कपंनी द्वारा निदेशकों को सीमित दूरी के लिए निजी इस्तेमाल हेतु कार की सुविधा दी जाती है इसलिए ऐसी सुविधा को लाभ/परिलाभ विवेचित नहीं किया गया है।

(ii) उपरोक्त में वास्तविक भुगतान आधार पर निष्पादन संबंधी भुगतान शामिल है।

(ख) महिंद्रा एमएसटीसी रीसाइक्लिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ लेनदेन (50:50 संयुक्त उद्यम)

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च, 2019	31 मार्च, 2018
संयुक्त उद्यम में निवेश	80.00	75.00
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए प्राप्त राशि	0.73	0.80
व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए देय राशि	0.22	-
ई-नीलामी सेवा प्रदान करने के क्रम में प्राप्त राशि	0.13	-
निदेशक की नियुक्ति के जमा राशि का भुगतान	-	0.10
निदेशक की नियुक्ति के लिए जमा राशि वापस ली गई	-	0.10

42. कर्मचारी लाभ

परिभाषित अंशदान योजनाएँ

1. भविष्य निधि

मूल वेतन एवं महंगाई भत्ते का 12% ग्रुप के द्वारा भविष्य निधि ट्रस्ट में अंशदान किया गया।

2. पेंशन

इस्पात मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसरण में परिभाषित अंशदान योजना के अंतर्गत एमएसटीसी के कर्मचारियों के लिए पेंशन स्कीम तैयार की गई है। कंपनी एक ट्रस्ट के माध्यम से एलआईसी को वार्षिक अंशदान करती है। एमएसटीसी (नियोक्ता) के अंशदान के माध्यम से एलआईसी द्वारा कर्मचारियों के खाते में सृजित संग्रह से कर्मचारियों को पेंशन प्रदान किया जाएगा।

3. छुट्टी नकदीकरण लाभ

सहायक कंपनी के मामले में, योग्य कर्मचारियों को यह पृथककरण पर देय है, जो 300 दिनों (संयुक्त रूप से अर्जित छुट्टी एवं अर्ध-भुगतान छुट्टी) के लिए सीमित होगा एवं 300 दिनों की सीमा की गणना के लिए डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार एचपीएल में को शामिल नहीं किया जाएगा। संग्रहित अर्जित छुट्टी के नकदीकरण की भी अनुमति एक कैलेंडर वर्ष में एक बार में 30 दिनों तक के लिए दी जाएगी।

4. सेवानिवृत्ति उपरांत बंदोबस्ती लाभ

सहायक कंपनी के मामले में, सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को उनके घोषित होम टाउन में बंदोबस्त करने के लिए देय है।

5. कर्मचारी परिवार लाभ योजना

सहायक कंपनी के मामले में, पृथक हो चुके अपंग कर्मचारियों/मृत कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति की अनुमानित तिथि तक निर्धारित जमा राशि के ऐवज में मृत कर्मचारियों के कानूनी उत्तराधिकारी को मासिक भुगतान देय है।

6 लम्बी सेवा का पुरस्कार

सहायक कंपनी के मामले में, न्यूनतम 25 वर्ष की सेवा देने और साथ ही सेवानिवृत्ति पर पुरस्कार स्वरूप देय है।

Particulars	Nature of related party / relationship	Remuneration (₹ In Million) Short Term Benefit	Post Employment Benefits	Other Long Term Benefits	Total
As at March 31st, 2018					
Sri Bam Bahadur Singh	Chairman cum Managing Director	4.22	0.95	0.92	6.10
Sri A.K Basu	Director (Finance)	4.03	0.96	0.38	5.37
Smt Bhanu Kumar (from 12.10.2017)	Director (Commercial)	1.19	0.90	0.70	2.79
Sri S.K Ray	Company Secretary	3.00	0.09	-	3.09
Sri Gangaram Aloria	Independent Director	0.10*	-	-	0.10
Dr. T V Muralivallabhan	Independent Director	0.17*	-	-	0.17
Sri Rajib Bhattacharya	Managing Director	4.00	0.80	0.10	4.90
Sri Saladel Mitra	Chief Financial Officer	3.10	0.20	-	3.30
Sri Ashok Mishra	Company Secretary	1.30	-	0.10	1.40

Note :* It indicate Director's Sitting Fees.

(i) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the company to the Directors, such facility has not been considered as benefit/perquisite.

(ii) The above includes Performance related pay on actual payment basis.

(b) Transaction with Mahindra MSTC Recycling Private Limited (50:50 Joint Venture)

(₹ In Million)

Particulars	31st March 2019	31st March 2018
Investment in Joint Venture	80.00	75.00
Amount received towards reimbursement of expenditure	0.73	0.80
Amount paid towards reimbursement of expenditure	0.22	-
Amount Received for providing E-Auction Service	0.13	-
Deposit for Appointment of Director paid	-	0.10
Deposit for Appointment of Director received back	-	0.10

42. Employee Benefits

Defined Contribution Plans

1. Providend Fund

12% of Basic pay and dearness allowance contributed to the providend fund trust by the Group.

2. Pension

In terms of Ministry of Steel Directives Pension scheme for the employees of MSTC has been formulated , under Defined Contribution Plan. The company contributes annually to LIC of India through a trust. LIC will provide the pension to the employees from the corpus created on account of employees, by way of contribution from MSTC (The Employer).

3. Leave Encashment Benefit

In case of subsidiary, it is payable on separation to eligibile employees, shall be limited to 300 days (Earned Leave and Half-Pay Leave combined), and HPL shall not be commuted as per DPE Guidelines for calculation of 300 days limit. Encashment of accumulated earned leave is also allowed upto 30 days once in a calender year.

4. Post Retirement Settlement Benefit

In case of subsidiary, it is payable to retiring employees for settlement at their declared home town.

5. Employee Family Benefit Scheme

In case of subsidiary, monthly payment to disabled separated employees / legal heirs of deceased employees in lieu of prescribed deposit till the notional date of superannuation of deceased employees.

6. Long Term Service Award

In case of subsidiary, it is payable in kind for rendering minimum 25 years of service and also on superannuation.

परिभाषित लाभ योजनाएँ

1. ग्रैच्युटी (उपदान):

योग्य कर्मचारियों जो न्यूनतम 5 वर्षों के लिए एवं जो 30 वर्ष तक सतत सेवा देते हैं, को प्रत्येक पूरा किए हुए सेवा वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन की दर पर पृथक होने पर यह देय है। 30 वर्ष से अधिक के प्रत्येक पूरा किए हुए सेवा वर्ष के लिए कर्मचारी द्वारा अंतिम आहरित एक माह की मजदूरी दर पर ग्रैच्युटी की गणना की जाती है। कर्मचारी को देय ग्रैच्युटी की अधिकतम राशि ₹ 2.00 मिलियन है।

ग्रैच्युटी के लिए निधि प्रबंध एलआईसी के साथ किया जाता है। मार्च 18 तक, कंपनी ने एलआईसी द्वारा की गई मांग के आधार पर प्रत्येक वर्ष प्रीमियम के रूप में निर्दिष्ट फंड में अंशदान किया है जिसे प्रीमियम के भुगतान के आधार पर ग्रैच्युटी के रूप में खाते में लिया गया। इसके अलावा, कंपनी ने इंड एएस-19 के अनुसार ग्रैच्युटी फंड का बीमांकिक मूल्यांकन किया है।

2. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ:

यह एक चिकित्सा लाभ है जो सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं उनके पति/पत्नी को उपलब्ध है। बीमा कंपनी के स्वीकृत मेडिक्लेम इंश्योरेंस के माध्यम से सदस्यों को संरक्षित किया जाएगा। मेडिक्लेम इंश्योरेंस पॉलिसी के अंतर्गत किसी भी अस्पताल में सेवानिवृत्त कर्मचारी को यह उपलब्ध है। इसके अलावा, गृह उपचार में खर्च किए गए व्यय की भी क्षतिपूर्ति निर्धारित उच्चतम सीमा के अनुसार की जाती है। इस उद्देश्य के लिए गठित एक पृथक ट्रस्ट के जरिए लाभ प्रदान के लिए निधि प्रबंध किया जाता है। इसके लिए कंपनी (कॉर्प्स) प्रदान करती है। कोई कमी होने पर, इसकी पूर्ति कंपनी द्वारा की जाती है। वित्त वर्ष 2015-16 तक, कंपनी अपने निजी आकलन के आधार पर फंड में अंशदान करती थी। वित्त वर्ष 2016-17 से पहली बार बीमांकिक मूल्यांकन किया गया है एवं इसी अनुसार खाता बहियों में देयता प्रदान की गई है।

3. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं के लिए अंशदायी योजना (आवासीय):

सहायक कंपनी के मामले में, कार्यपालकों के लिए सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं (आवासीय) के लिए अंशदायी योजना के अधीन पृथक हो चुके संरक्षित कार्यपालकों को चिकित्सा सुविधाओं (आवासीय) का भुगतान देय है।

निवेश जोखिम परिभाषित लाभ योजना देयता के वर्तमान मूल्य की गणना छूट दर के इस्तेमाल से की जाती है, जिसका निर्धारण सरकारी बॉण्ड (ऋणपत्रों) पर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार परिणामों के संदर्भ से किया जाता है। अन्य परिभाषित लाभ योजनाओं के लिए, छूट दर का निर्धारण उच्च गुणवत्ता के कॉरपोरेट बॉण्ड, जब ऐसे बॉण्ड के लिए डीप मार्केट रहता है, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार परिणामों के संदर्भ से किया जाता है। यदि योजना संपत्ति पर वापसी इस दर से कम है, तो इससे प्लान डेफिसिट (योजना में कमी) उत्पन्न होगी। वर्तमान में, भारत में योजना के लिए सरकारी प्रतिभूतियों एवं अन्य ऋण प्रपत्रों में अपेक्षाकृत निवेशों का संतुलित मिश्रण है। इसके अलावा, वैदेशिक योजना का इक्विटी प्रतिभूतियों, ऋण प्रपत्रों एवं भूसंपदा में अपेक्षाकृत संतुलित निवेश है। योजना देयताओं की दीर्घमियादी प्रकृति के कारण वैदेशिक फंड बोर्ड यह उपयुक्त मानता है कि योजना संपत्तियों का एक यथा संगत हिस्सा इक्विटी प्रतिभूतियों एवं भूसंपदाओं (रियल एस्टेट) में निवेश किया जाना चाहिए ताकि फंड द्वारा उत्पन्न रिटर्न को प्रभावी बनाया जा सके।

ब्याज जोखिम बॉण्ड (ऋणपत्र) ब्याज दर में कमी से योजना देयता में वृद्धि आएगी, हालांकि योजना के ऋण निवेशों पर रिटर्न बढ़ने से इसे आंशिक रूप से समायोजित किया जा सकता है।

दीर्घायु जोखिम परिभाषित लाभ योजना देयता के मौजूदा मूल्य का निर्धारण, सेवा के दौरान एवं पश्चात योजना भागीदारों की मृत्यु दर के श्रेष्ठ आकलन के संदर्भ में किया जाता है। योजना भागीदारों के अपेक्षित जीवन काल में बढ़ोतरी से योजना की देयता बढ़ेगी।

वेतन जोखिम परिभाषित लाभ योजना देयता के मौजूदा मूल्य का निर्धारण, योजना भागीदारों के भावी वेतन के संदर्भ में किया जाता है। ऐसे में योजना भागीदारों के वेतन में वृद्धि से योजना की देयता बढ़ेगी।

(क) कंपनी ने परिभाषिक योगदान योजनाओं के तहत वर्ष के लिए ₹ 119.52 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 172.57 मिलियन) व्यय के लिए लाभ और हानि के विवरण में मान्यता दी है।

लाभ (योगदान)	31 मार्च, 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च, 2018 (₹ मिलियन में)
भविष्य निधि व अन्य	94.21	149.20
पेंशन	25.31	23.37
कुल	119.52	172.57

(ख) कंपनी सेवानिवृत्ति उपरांत परिभाषित लाभ योजनाओं को निम्नानुसार संचालन करती है:

वित्त पोषित

क) उपादन (ग्रैच्युटी)

ख) सेवा निवृत्ति उपरांत चिकत्सा लाभ योजना

ii. गैर-वित्त पोषित

क) सहायक कंपनी के मामले में, सेवानिवृत्ति चिकत्सा लाभ गैर-वित्त पोषित है।

Defined Benefits Plans

1. Gratuity :

The Gratuity is payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continuous service for a minimum period of 5 years and upto 30 years. The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years. The maximum amount of Gratuity payable to amployee is ₹ 2.00 Million.

The Gratuity is funded with LIC of India. Till March '18 the Company contributed in the fund every year as premium on the basis of demand raised by LIC of India which was accounted as Gratuity on the basis of payment of premium. In addition, the company has done actuarial valuation of Gratuity Fund in accordance with Ind AS-19.

2. Post Retirement Medical Benefit :

The Post Retirement Medical Benefit is a medical benefit to the superannuated employees and their spouse. The members will be covered through Mediclaim Insurance admitted of the Insurance Company. This is available to superannuated employees at any hospital under the Mediclaim Insurance Policy.In addition to this expenses incurred in domicilliary treatment is also reimbusrsed as per prescribed ceiling.The benefits are funded through a separate trust formed for this purpose.The Company provides the corpus for this. Deficit if any is being compensated by the company.Till F.Y 2015-16, the company used to contribute to the fund based on own estimates. From F.Y 2016-17, first time actuarial valuation has been done and accordingly liability has been provided in the books of accounts.

3. Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary) :

In case of subsidiary, the payment of medical facilities (Domiciliary) to the separated executives as covered under contributary scheme for post retirement medical facilities (domiciliary) for executives..

Investment risk	The present value of the defined benefit plan liability is calculated using a discount rate which is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on government bonds. For other defined benefit plans, the discount rate is determined by reference to market yields at the end of the reporting period on high quality corporate bonds when there is a deep market for such bonds; if the return on plan asset is below this rate, it will create a plan deficit. Currently, for the plan in India, it has a relatively balanced mix of investments in government securities, and other debt instruments. Further, the overseas plan has a relatively balanced investment in equity securities, debt instruments and real estates. Due to the long-term nature of the plan liabilities, the board of the overseas Fund considers it appropriate that a reasonable portion of the plan assets should be invested in equity securities and in real estate to leverage the return generated by the fund.
Interest risk	A decrease in the bond interest rate will increase the plan liability; however, this will be partially offset by an increase in the return on the plan's debt investments.
Longevity risk	The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the best estimate of the mortality of plan participants both during and after their employment. An increase in the life expectancy of the plan participants will increase the plan's liability.
Salary risk	The present value of the defined benefit plan liability is calculated by reference to the future salarias of plan participants. As such, an increase in the salary of the plan participants will increase the plan's liability.

(a) The company has recognised an amount of ₹ 119.52 Millions (Previous Year ₹ 172.57 Millions) in Statement of Profit and Loss for the current year as expenses under defined contribution plans.

Benefit (Contribution to)	31st March 2019 (₹ in Million)	31st March 2018 (₹ in Million)
Provident Fund & others	94.21	149.20
Pension	25.31	23.37
Total	**119.52**	**172.57**

(b) The company operates post retirement defined benefit plans as follows :

I. Funded:
   a. Gratuity.
   b. Post Retirement Medical Benefit Scheme.

II. Unfunded :
   a. In case of subsidiary, Post Retirement Medical Benefit Scheme is unfunded.

(ग) उपादन (ग्रैच्युटी) योजना का विवरण निम्नानुसार

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018
1. धाराएँ :		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.25%	7.40%
ख. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न की अनुमानित दर (प्रति वर्ष)	7.25%	7.40%
ग. वेतन में वृद्धि की दर (प्रति वर्ष)	8.00%	8.00%
सहायक कंपनी के मामले में, वेतन में वृद्धि की दर (प्रति वर्ष)	गैर कार्यपालक-10% पहले वर्ष के अंत के लिए 6% उसके बाद कार्यकारी-10% पहले वर्ष के अंत के लिए 5% उसके बाद	गैर कार्यपालक-10% पहले वर्ष के अंत के लिए 6% उसके बाद कार्यकारी-10% पहले वर्ष के लिए 5% उसके बाद

2. ग्रैच्युटी के अंतर्गत परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में स्वीकृत राशि निम्नानुसार हैं :

		समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क.	वर्तमान सेवा लागत	32.77	258.60
ख.	सेवा लागत	32.77	258.60
ग.	शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	10.69	0.90
घ.	लाभ व हानि में स्वीकृति लागत	43.46	259.50
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति पर पुनर्मापन			
क.	डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	14.46	38.60
ख.	डीबीओ धारण परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	13.49	(2.40)
ग.	अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	27.95	36.20
घ.	छुट की दर से योजना परिसंपत्तियों पर (अधिक से अधिक)/कम वापसी	(1.23)	(2.20)
ङ.	ओसीआई में स्वीकृत बीमांकिक (लाभ)/हानि	26.72	34.00
च.	ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	26.72	34.00

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय इंड एएस 19 के अंतर्गत बीमांकित मूल्यांकन के आधार पर वित्तीय वर्ष 2017-18 से प्रभावी लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' वाले मदों में सम्मिलित है।

4. शुद्ध परिभाषित लाभ देनदारी का पुनर्माप अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है।

5(क). परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य मे बदलाव निम्नानुसार है:-

	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्ष के प्रारंभ में दायित्व	871.20	593.10
ख. वर्तमान सेवा लागत	32.78	9.40
ग. डीबीओ कर ब्याज लागत	59.80	39.00
घ. पिछली सेवा लागत-योजना संशोधन	-	249.10
ङ. अधिग्रहण (क्रेडिट)/लागत	1.07	-
च. वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उन्नत बीमांकिक लाभ एवं हानि	11.08	(2.40)
छ. अनुभव समायोजना से उन्नत बीमांकिक लाभ एवं हानि	14.46	38.60
ज. वास्तविक लाभ एवं हानि से उत्पन्न जनसांख्यिकीय धारणा	2.42	-
झ. योजना परिसंपत्ति से लाभ का भुगतान	(125.93)	(55.60)
ञ. अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	866.87	871.20

(c) Details of the Gratuity Plan are as follows :

Description	For the year ended 31st March 2019	For the year ended 31st March 2018
1. Assumptions		
a. Discount rate (per annum)	7.25%	7.40%
b. Estimated rate of return on plan assets (per annum)	7.25%	7.40%
c. Rate of escalation in salary (per annum)	8.00%	8.00%
In case of subsidiary, rate of escalation in salary (per annum)	Non-Executive-10% for the first year and 6% thereafter Executive-10% for first year and 5% thereafter	Non-Executive-10% for the first year and 6% thereafter Executive-10% for first year and 5% thereafter

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit pains under Gratuity are as follows:

	For the year ended 31st March 2019 ₹ in Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ in Million
a. Current service cost	32.77	258.60
b. Service Cost	32.77	258.60
c. Net interest on net defined benefit liability / (asset)	10.69	0.90
d. Cost recognized in P&L	**43.46**	**259.50**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset :		
a. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	14.46	38.60
b. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	13.49	(2.40)
c. Actuarial (gain)/loss arising during period	27.95	36.20
d. Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(1.23)	(2.20)
e. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	26.72	34.00
f. (Income)/Cost recognized in OCI	**26.72**	**34.00**

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss w.e.f F.Y 2017-18 on the basis of actuarial valuation under Ind AS-19.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5(a). Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows:-

	For the year ended 31st March 2019 ₹ in Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ in Million
a. Obligation as at the beginning of the year	871.20	593.10
b. Current Service Cost	32.78	9.40
c. Interest Cost on DBO	59.80	39.00
d. Past Service Cost- Plan Ammendment	-	249.10
e. Acquisitions (credit)/cost	1.07	-
f. Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	11.08	(2.40)
g. Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	14.46	38.60
h. Actuarial gains and loss arising demographic assumption	2.42	-
I. Benefits paid from plan asset	(125.93)	(55.60)
J. Closing defined benefit Obligation	**866.87**	**871.20**

5. (ख) योजना परिसंपत्तिओं के उचित मूल्य बदलाव निम्नानुसार है

	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. पूर्वावधि की समाप्ति पर परिसंपत्ति का उचित मूल्य	585.52	559.50
ख. योजना परिसंपत्तिओं पर ब्याज आय	49.11	38.10
ग. नियोक्ता अंशदान	282.30	41.30
घ. छुट दर से अधिक (कम) पर योजना परिसंपत्तिओं पर रिटर्न	1.24	2.20
ङ. लाभ का भुगतान	(125.93)	(55.60)
च. चालु आवधि के अंत में परिसंपत्तिओं का उचित मूल्य	**792.24**	**585.50**

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमाकिक धारणाएं छुट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छुट दर में 1% परिवर्तन का प्रवाह	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(41.18)	(43.00)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	825.69	828.20
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	45.45	47.30
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	912.32	918.60

वेतन वृद्धि दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	30.99	32.70
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	897.86	903.90
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(31.92)	(34.30)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	834.95	836.90

7. प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषिक लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक-दुसरे से अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएं सह-संबंधित हो सकती है।

8. पूर्व वर्षो से संवेदनशीलता विश्लेषण तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले मान्यताओं एवं पद्धतियों में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना का विवरण :

विवरण	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2019	समाप्त वर्ष हेत 31 मार्च 2018
1. धारणाएं :		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.25%	7.40%
ख. चिकित्सा स्फीति (प्रति वर्ष)	5.00%	5.00%

5(b). Movements in the fair value of the plan assets are as follows

		For the year ended 31st March 2019 ₹ In Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ In Million
a.	Fair value of the assets at the end of prior period	585.52	559.50
b.	Interest Income on plan assets	49.11	38.10
c.	Employer Contributions	282.30	41.30
d.	Return on plan assets greater/(lesser) than discount rate	1.24	2.20
e.	Benefits paid	(125.93)	(55.60)
f.	**Fair Value of assets at the end of current period**	**792.24**	**585.50**

6. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

	Effect of a 1% change in discount rate	**31st March 2019 ₹ In Million**	**31st March 2018 ₹ In Million**
	Increase		
(i)	Aggregate current service and interest cost	(41.16)	(43.00)
(ii)	Closing balance of obligation	825.69	828.20
	Decrease		
(i)	Aggregate current service and interest cost	45.45	47.30
(ii)	Closing balance of obligation	912.32	918.60

	Effect of a 1% change in salary escalation rate	**31st March 2019 ₹ in Million**	**31st March 2018 ₹ in Million**
	Increase		
(i)	Aggregate current service and interest cost	30.99	32.70
(ii)	Closing balance of obligation	897.86	903.90
	Decrease		
(i)	Aggregate current service and interest cost	(31.92)	(34.30)
(ii)	Closing balance of obligation	834.95	836.90

7. The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.

8. There was no change in the methods and assumptions used in preparing the sensitivity analysis from prior years

Details of the Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows :

Description		**For the year ended 31st March 2019**	**For the year ended 31st March 2018**
1.	**Assumptions**		
a.	Discount rate (per annum)	7.25%	7.40%
b.	Medical Inflation (per annum)	5.00%	5.00%

2. सेवा निवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना के अधीन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और वृद्धि के स्टैंडअलोन विवरण में स्वीकृत राशियाँ निम्नानुसार हैं :

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्तमान सेवा लागत	9.43	8.80
ख. सेवा लागत	-	-
ग. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	18.11	17.30
घ. लाभ व हानि में स्वीकृति लागत	27.54	26.10
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति पर पुनर्मापन :		
ङ. डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	28.16	34.30
च. डीबीओ धारण परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	11.27	(24.60)
छ. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	39.43	9.70
ज. योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/कम की तुलना मे	(1.75)	(5.70)
झ. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/हानि लागत	37.68	4.00
ञ.. शुद्ध परिसंपत्तियों पर सीमा के लिए समायोजन	-	-
ट. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	37.68	4.00

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय लाभ एवं हानि के स्टैंडअलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय अनुरूपी मदों में सम्मिलित है।
4. शुद्ध परिभावित लाभ देयता का पुनर्मापन अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है
5. परिभाषित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्षो के प्रारंभ में दायित्व	357.38	330.90
ख. वर्तमान सेवा लागत	9.43	8.80
ग. ब्याज लागत	25.78	22.30
घ. वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उन्नत बीमांकिक लाभ एवं हानि	(0.96)	(24.60)
ङ. अनुभव समयोजना से उन्नत बीमांकिक (लाभ) एवं हानि	41.94	34.40
च. वास्तविक लाभ एवं हानि उत्पन्न जनसांख्यिकीय धारणा	(1.55)	-
छ. कंपनी द्वारा प्रत्यक्ष रूप में प्रदत्त लाभ	(18.07)	(14.40)
ज. अंतिम परिभावित लाभ दायित्व	413.94	357.40

2. Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Post Retirement Medical Benefit Scheme are as follows:

Description	For the year ended 31st March 2019 ₹ in Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ in Million
a. Current service cost	9.43	8.80
b. Service Cost	-	-
c. Net interest on net defined benefit liability / (asset)	18.11	17.30
d. Cost recognized in P&L	27.54	26.10
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:		
e. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	28.16	34.30
f. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	11.27	(24.60)
g. Actuarial (gain)/loss arising during period	39.43	9.70
h. Return on plan assets (greater)/less than discount rate	(1.75)	(5.70)
i. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	37.68	4.00
j. Adjustments for limit on net assets	-	-
k. (Income)/Cost recognized in OCI	37.68	4.00

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income

5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows :

	For the year ended 31st March 2019 ₹ in Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ in Million
a. Obligation as at the beginning of the year	357.38	330.90
b. Current Service Cost	9.43	8.80
c. Interest Cost	25.78	22.30
d. Actuarial gains and losses arising from changes in financial assumptions	(0.96)	(24.60)
e. Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	41.94	34.40
f. Actuarial gains and loss arising from demographic assumption	(1.55)	-
g. Benefits paid directly by the Company	(18.07)	(14.40)
h. Closing defined benefit Obligation	**413.94**	**357.40**

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमांकिक धारणाएं छूट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छूट दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(49.03)	(42.20)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	364.91	315.20
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	57.45	51.90
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	471.39	409.30

चिकित्सा स्फीति दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	53.49	45.10
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	467.43	402.50
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(43.79)	(36.90)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	370.15	320.50

7. प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषिक लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक-दूसरे से अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएं सह-संबंधित हो सकती है।

8. पूर्व वर्षों से संवेदनशीलता विश्लेषण तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले मान्यताओं एवं पद्धतियों में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

सहायक के मामले में सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं (घरेलू) के लिए अंशदायी योजना के विवरण निम्नानुसार है:

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018
1. धारणाएं :		
क. छूट दर (प्रति वर्ष)	7.10%	7.40%
ख. चिकित्सा स्फीति (प्रति वर्ष)	लागू नहीं	लागू नहीं

2. सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा सुविधाओं (घरेलू) के लिए अंशदायी योजना के अधीन परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में लाभ और हानि के स्टैंडअलोन विवरण में स्वीकृत राशियाँ निम्नानुसार हैं :

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्तमान सेवा लागत	0.56	0.81
ख. सेवा लागत	0.56	0.81
ग. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/(परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	1.27	1.55
घ. (लाभ)/हानि को तुरंत स्वीकार किया जाता -अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजना	-	-
ङ. लाभ व हानि में स्वीकृति लागत	1.83	2.36
शुद्ध परिभाषित लाभ देयता/परिसंपत्ति पर पुनर्मापन :		
क. डीबीओ व्यय कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(1.00)	(6.09)
ख. डीबीओ धारण परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	0.88	(1.06)
ग. अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	(0.12)	(7.16)
घ. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	(0.12)	(7.16)
ङ. ओसीआई में स्वीकृत (आय)/लागत	(0.12)	(7.16)

6. **Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.**

Effect of a 1% change in discount rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(49.03)	(42.20)
(ii) closing balance of obligation	364.91	315.20
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	57.45	51.90
(ii) closing balance of obligation	471.39	409.30

Effect of a 1% change in medical inflation rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	53.49	45.10
(ii) closing balance of obligation	467.43	402.50
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	(43.79)	(36.90)
(ii) closing balance of obligation	370.15	320.50

7. **The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.**

8. **There was no change in the methods and assumptions used in preparing the sensitivity analysis from prior years.**

In case of subsidiary, details of the Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary) are as follows :

Description	For the year ended 31st March 2019	For the year ended 31st March 2018
1. Assumptions		
a. Discount rate (per annum)	7.10%	7.40%
b. Medical Inflation (per annum)	Not Applicable	Not Applicable

2. **Amounts recognised in standalone statement of profit and loss in respect of defined benefit plans under Contributory Scheme for Post Retirement Medical Facilities (Domiciliary) are as follows:**

Description	For the year ended 31st March 2019 ₹ in Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ in Million
a. Current service cost	0.56	0.81
b. Service Cost	0.56	0.81
c. Net interest on net defined benefit liability / (asset)	1.27	1.55
d. Immediate recognition of (gains)/losses-other long term employee benefit plans	-	-
e. Cost recognized in P&L	**1.83**	**2.36**
Remeasurement on the net defined benefit liability/asset:		
a. Actuarial (gain)/loss due to DBO Experience	(1.00)	(6.09)
b. Actuarial (gain)/loss due to DBO assumption changes	0.88	(1.06)
c. Actuarial (gain)/loss arising during period	(0.12)	(7.18)
d. Actuarial (gains)/losses recognised in OCI	(0.12)	(7.18)
e. (Income)/Cost recognized in OCI	**(0.12)**	**(7.18)**

3. वर्ष के लिए वर्तमान सेवा लागत एवं शुद्ध ब्याज व्यय लाभ एवं हानि के स्टैंडअलोन विवरण में 'कर्मचारी लाभ व्यय' अनुरूपी मदों में सम्मिलित है।
4. शुद्ध परिभाषित लाभ देयता का पुनर्मापन अन्य व्यापक आय में सम्मिलित है
5. परिभाषित लाभ देयता के वर्तमान मूल्य में बदलाव निम्नानुसार है

विवरण	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	समाप्त वर्ष हेतु 31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
क. वर्षो के प्रारंभ में दायित्व	(17.45)	(22.72)
ख. वर्तमान सेवा लागत	(0.56)	(0.81)
ग. ब्याज लागत	(1.27)	(1.55)
घ. वित्तीय धारणाओं में परिवर्तन से उन्नत बीमांकिक लाभ एवं हानि	-	-
ङ. कपंनी द्वारा प्रत्यक्ष रूप में प्रदत्त लाभ	0.65	0.46
च. ओआईसी में मान्यता प्राप्त राशि	0.12	7.16
छ. अंतिम परिभाषित लाभ दायित्व	(18.51)	(17.45)

6. परिभाषित दायित्व के निर्धारण हेतु महत्वपूर्ण बीमाकिक धारणाएं छुट दर एवं अपेक्षित चिकित्सा लागत स्फीति है। सभी अन्य धारणाओं को स्थायी रखते हुए रिपोर्टिंग अवधि के अंत में घटनेवाले संबंधित घटनाओं के यथासंगत संभावी परिवर्तन के आधार पर नीचे वर्णित सुग्राही विश्लेषण का निर्धारण किया गया है।

छुट दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	(1.98)	(1.89)
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	(20.49)	(19.34)
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	2.39	2.27
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	(16.12)	(15.18)

चिकित्सा स्फीति दर में 1% परिवर्तन का प्रभाव	31 मार्च 2019 (₹ मिलियन में)	31 मार्च 2018 (₹ मिलियन में)
वृद्धि		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	-	-
कमी		
(i) एकीकृत वर्तमान सेवा एवं ब्याज लागत	लागू नहीं	लागू नहीं
(ii) दायित्व का अंतिम शेष	-	-

7. प्रस्तुत सुग्राही विश्लेषण परिभाषिक लाभ दायित्व में वास्तविक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व नहीं भी कर सकता है क्योंकि संभावना कम है कि धारणाओं में परिवर्तन एक-दुसरे से अलगाव में घटेगा, क्योंकि कुछ धारणाएं सह-संबंधित हो सकती है।
8. पूर्व वर्षो से संवेदनशीलता विश्लेषण तैयार करने में उपयोग किए जाने वाले मान्यताओं एवं पद्धतियों में कोई बदलाव नहीं हुआ था।

3. The current service cost and the net interest expenses for the year are included in the 'Employee benefits expense' line item in the standalone statement of profit and loss.

4. The remeasurement of the net defined benefit liability is included in other comprehensive income.

5. Movements in the present value of the defined benefit obligation are as follows :

		For the year ended 31st March 2019 ₹ in Million	For the year ended 31st March 2018 ₹ in Million
a.	Obligation as at the beginning of the year	(17.45)	(22.72)
b.	Current Service Cost	(0.56)	(0.81)
c.	Interest Cost	(1.27)	(1.55)
d.	Actuarial gains and losses arising from experience adjustments	-	-
e.	Benefits paid directly by the Company	0.65	0.46
f.	Amounts recognized in OCI	0.12	7.18
g.	**Closing defined benefit Obligation**	**(18.51)**	**(17.45)**

6. Significant actuarial assumptions for the determination of the defined obligation are discount rate and expected medical cost inflation. The sensitivity analysis below have been determined based on reasonably possible changes of the respective assumptions occurring at the end of the reporting period, while holding all other assumptions constant.

Effect of a 1% change in discount rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	(1.98)	(1.89)
(ii) closing balance of obligation	(20.49)	(19.34)
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	2.39	2.27
(ii) closing balance of obligation	(16.12)	(15.18)

Effect of a 1% change in medical inflation rate	31st March 2019 ₹ in Million	31st March 2018 ₹ in Million
Increase		
(i) aggregate current service and interest cost	Not Applicable	Not Applicable
(ii) closing balance of obligation	-	-
Decrease		
(i) aggregate current service and interest cost	Not Applicable	Not Applicable
(ii) closing balance of obligation	-	-

7. The sensitivity analysis presented above may not be representative of the actual change in the defined benefit obligation as it is unlikely that the change in assumptions would occur in isolation of one another as some of the assumptions may be correlated.

8. There was no change in the methods and assumptions used in preparing the sensitivity analysis from prior years

43. निगमित सामाजिक दायित्व गतिविधियों पर किए गए व्यय

क. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के अनुसार वर्ष के दौरान ग्रुप द्वारा व्यय किए जाने के लिए आवश्यक सकल राशि ₹ 27.00 मिलियन

ख. ग्रुप ने सीएसआर व्यय पर ₹ 21.00 मिलियन (पिछले वर्ष ₹ 27.80 मिलियन) खर्च किया है।

(₹ मिलियन में)

विवरण	31 मार्च 2019	31 मार्च 2018
(1) परिसंपत्तियों का निर्माण/नवीकरण	16.16	12.90
(2) शौचालय ब्लॉकों का निर्माण	0.50	4.00
(3) ट्युब वेल	-	6.90
(4) अन्य	4.34	4.00
	21.00	27.80

उपर्युक्त आंकड़े टिप्पणी सं 34 (कक) में पृथक रूप से प्रकट किए गए है।

44. व्यापार प्राप्तियों, व्यापार देय एवं अग्रिम की शेष राशि में पुष्टि/पुनर्मिलान एवं परिणामी समायोजन यदि कोई है, के अधीन शेष राशि शामिल है। पुनर्मिलान निरंतर आधार पर किया गया है। प्रावधान जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, किए गये है।

45. कंपनी की मजुदा संपत्तियां कन्सोटियम बैंक के पास कंपनी को क्रेडिट स्वीकृति के विरुद्ध कार्यरत हैं।

46. अनुरूपी पिछले वर्षो के लिए आँकड़ों को तुलना योग्य बनाने के लिए जहाँ भी आवश्यक हुए है, पुनर्व्यवस्थित/पुनवर्गीकृत किए गए है।

सम दिनांक के हमारे रिपोर्टिंग के संबंध में
कृते डी.के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138ई

कृते एमएसटीसी लिमिटेड

सीए नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

दिनांक : 29/05/2019
स्थान : कोलकाता

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
वित्त एवं लेखा

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

43. Expenditure incurred on Corporate Social Responsibility Activities

a. In accordance to Section 135 of the Companies Act, 2013, gross amount required to be spent by the group during the year ₹ 27.00 Million.

b. The group has incurred ₹ 21.00 Million in current year (Previous Year ₹ 27.80 Million) as CSR expenditure.

(₹ In Million)

	Particulars	31st March 2019	31st March 2018
(1)	Construction/ Rennovation of any asset	16.16	12.90
(2)	Construction of Toilet Blocks	0.50	4.00
(3)	Tube Wells	-	6.90
(4)	Other	4.34	4.00
		21.00	27.80

Above figures are disclosed separetly in note no 34(aa).

44. Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances includes balances subject to confirmation/reconciliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations are carried out on on-going basis. Provisions,wherever considered necessary, have been made.

45 . The current assets of the holding company are under charge with consortium bank against sanction of credit facilities to the Comany.

46 . The figures for the corresponding previous years have been regrouped/reclassified wherever necessary to make them comparable.

In terms of our report of even date
For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants
FRN : 304138E

For MSTC LIMITED

(CA Niraj K Jhunjhunwala)
Partner
M.No : 057170

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-
MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
(DIN-08290021)

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

प्रपत्र एओसी-1

[कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 129 के उप धारा (3) के प्रथम प्रावधान के तहत]

सहायक कंपनी या सहयोगी कंपनियों अथवा संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं का ब्यौरा

भाग क सहायक कंपनी

(प्रत्येक सहायक कंपनियों के संबंध में सूचना ₹ मिलियन में प्रस्तुत को जानी चाहिए)

1.	क्रं. सं.	1
2.	सहायक कंपनी का नाम	फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड
3.	तारीख जब से सहायक कंपनी अधिगृहीत की गई थी	1979-80
4.	सम्बद्ध सहायक कंपनी हेतु रिपोर्टिंग अवधि, यदि होल्डिंग कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग है।	2018-19
5.	विदेशी सहायक कंपनी के मामले में वित्तीय वर्ष को अंतिम तारीख को रिपोर्टिंग मुद्रा एवं विनिमय दर	लागू नहीं
6.	शेयर पूंजी	₹ 320.00 मिलियन
7.	आरक्षित एवं अधिशेष	₹ 1,684.18 मिलियन
8.	कुल परिसम्पत्तियां	₹ 3,733.19मिलियन
9.	कुल दायित्व	₹ 3,733.19 मिलियन
10.	निवेश	शून्य
11.	टर्नओवर	₹ 3,784.13 मिलियन
12.	कराधान पूर्व लाभ	₹ 410.90 मिलियन
13.	कराधान का प्रावधान	₹ 144.01 मिलियन
14.	कराधान उपरान्त लाभ	₹ 266.88 मिलियन
15.	प्रस्तावित लाभांश	लागू नहीं
16.	शेयरधारिता की सीमा (प्रतिशत में)	100%

Form AOC -1

[Pursuant to first proviso to sub-section (3) of section 129 read with rule 5 of Companies (Accounts) Rules, 2014]

Statement containing salient features of the financial statement of subsidiaries or associate companies or joint ventures

Part A Subsidiaries

(Information in respect of each subsidiary to be presented with amounts in ₹ Millions)

1.	Sl. No.	1
2.	Name of subsidiary	Ferro Scrap Nigam Limited
3.	The date since when subsidiary was acquired	1979-80
4.	Reporting period for the subsidiary concerned, if different from the holding company's reporting period.	2018-19
5.	Reporting currency and Exchange rate as on the last date of the relevant Financial year in the case of foreign subsidiaries.	Not Applicable
6.	Share Capital	₹ 320.00 Million
7.	Reserves and surplus	₹ 1,684.18 Million
8.	Total assets	₹ 3,733.19 Million
9.	Total Liabilities	₹ 3,733.19 Million
10.	Investment	Nil
11.	Turnover	₹ 3,784.13 Million
12.	Profit before taxation	₹ 410.90 Million
13.	Provision for taxation	₹ 144.01 Million
14.	Profit after taxation	₹ 266.88 Million
15.	Proposed Dividend	Not Applicable
16.	Extent of shareholding (In percentage)	100%

भाग ख-सहयोगी एवं संयुक्त उद्यम

सहयोगी कंपनी एवं सयुक्त उद्यम से संबंद्ध कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 129 (3) के तहत विवरण

सहयोगी या संयुक्त उद्यम का नाम	महिन्द्रा एसएसटीसी रीसाइक्लिंग प्रा. लि.
1. अद्यतन लेखा परीक्षित तुलनपत्र की तारीख	31.03.2019
2. सहयोगी या संयुक्त उद्यम जिस तारीख को जुड़े या अधिग्रहित हुए थे	16.12.2016
3. वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित सहयोगी एवं संयुक्त उद्यम के शेयर	प्रत्येक का ₹ 10 अंकित मुल्य
शेयरों की संख्या	₹ 18.60 मिलियन
सहयोगी एवं संयुक्त उद्यम में निवेश की गई राशि	₹ 186.00 मिलियन
होल्डिंग की सीमा (प्रतिशत में)	50%
4. वहां के महत्वपूर्ण प्रभाव का वर्णन	शेयरधारिता के कारण महत्वपूर्ण प्रभाव
5. सहयोगी/ संयुक्त उद्यम के समेकित न होने का कारण	अप्रयोज्य
6. नवीनतम लेखा परीक्षित तुलनपत्र के अनुसार शेयरधारिता के कारण शुद्ध मूल्य	₹ 138.71 मिलियन
7. वर्ष के लिए लाभ या (हानि)	₹ 58.14 मिलियन
i. समेकन पर विचार किया गया	50% शेयर ₹ 29.07 मिलियन
ii. समेकत पर विचार नहीं किया गया	50% शेयर ₹ 29.07 मिलियन

Part B-Associates and Joint Ventures.

Statement pursuant to Section 129 (3) of the Companies Act, 2013 related to Associated Companies and Joint Venture.

Name of Associates or Joint Ventures	Mahindra MSTC Recycling Private Limited
1. Latest audited Balance Sheet Date	31.03.2019
2. Date on which the Associate or Joint Venture was associated or acquired	16.12.2016
3. Shares of Associate or Joint Ventures held by the company on the year end	Face Value of ₹ 10/- each
No. of shares	₹ 18.60 Million
Amount of Investment in Associates or Joint Venture	₹ 186.00 Million
Extent of Holding (In percentaga)	50%
4. Description of how there is significant influence	Significance influence due to share holding
5. Reason why the associate / joint venture is not consolidated	Not Applicable
6. Net worth attributable to shareholding as per latest audited Balance Sheet	₹ 138.71 Million
7. Profit or (Loss) for the year	₹ 58.14 Million
i. Considered in Consolidation	50% share ₹ 29.07 Million
ii. Not Considered in Consolidation	50% share ₹ 29.07 Million

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते डी.के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल
एफआरएन : 304138ई

For D.K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants,
FRN: 304138E

नीरज के झुनझुनवाला
पार्टनर
एम सं. 057170

Niraj K Jhunjhunwala
Partner
M.No : 057170

(बी. बी. सिंह)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
(डीआईएन-03212787)

(B.B Singh)
CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR
(DIN- 03212787)

(सुब्रत सरकार)
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन-08290021)

(Subrata Sarkar)
DIRECTOR (FINANCE)
DIN- 08290021)

दिनांक : 29/05/2019
स्थान : कोलकाता

Dated : 29/05/2019
Place: Kolkata

(आर. के. चौधुरी)
मुख्य महाप्रबंधक,
वित्त एवं लेखा

(R.K. Chaudhuri)
CHIEF GENERAL MANAGER
FINANCE & ACCOUNTS

(अजय कुमार राय)
कंपनी सचिव

(Ajay Kumar Rai)
COMPANY SECRETARY

फील्ड कार्यालय :

भोपाल
पहला मंजिल, तिलहान संघ भवन, 1 अरेरा हिल्स म्पोलाईफड बिल्डिंग भोपाल -462004 (मध्य प्रदेश)
दूरभाष : (0755) 2552241 / (0755) 2570664
फैक्स : (0755) 4075720
ई-मेल : mstcbhopal@mstcindia.co.in
GSTIN : 23AACCM0021E1ZF

तिरूपति
एमएसटीसी लिमिटेड, 14-279ए, द्वितीय तल, राघवेन्द्र नगर, तिरूपति- 517501
दूरभाष : (+91)08143143879
ई-मेल : osdtirupati@mstcindia.co.in

लखनऊ
द्वितीय तल, सेंटर कोर्ट भवन, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ - 226001, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522- 2236396, 4244702, 4240445
ई-मेल : mstclko@mstcindia.co.in
GSTIN : 09AACCM0021E1Z5

भुवनेश्वर
एमएसटीसी लिमिटेड, 8वीं मंजिल, आईडीसीओ टॉवर, जनपथ रोड, यूनिट-9
भुवनेश्वर - 751022, ओडिशा
दूरभाष : (0674)- 2544199/2950091
ई-मेल : mstcbbr@mstcindia.co.in
GSTIN : 21AACCM0021E1ZJ

त्रिवेंद्रम
प्रथम तल, वन केन्द्रीय पुस्तकालय भवन, केरल वन मुख्यालय, वज्रहुथाकॉड, त्रिवेंद्रम 695014
दूरभाष : 0471-2529137
ई-मेल : mstctvm@mstcindia.co.in
GSTIN : 32AACCM0021E1ZG

विजयवाड़ा
सेल ऑफिस, प्रथम तल, नोवोटेल के विपरीत, भारती नगर, विजयवाड़ा - 520008
दूरभाष : 0866-2581331
ई-मेल : gnjayakumar@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6

रायपुर
एमएसटीसी लिमिटेड, हॉल सं. 6 और 7, तीसरी मंजिल, उद्योग भवन, तेलीबंधा, रिंग रोड 1, रायपुर, 492006
दूरभाष : 0771-2432481
ई-मेल : mstcrpr@mstcindia.co.in
GSTIN : 22AACCM0021E1ZH

जयपुर
सीएफ/02, प्रथम तल, नेहरू प्लेस परिसर, टोंक रोड, जयपुर-302015
दूरभाष : 0141-2742208
ई-मेल : mstcjaipur@mstcindia.co.in
GSTIN : 08AACCM0021E1Z7

रांची
एमएसटीसी लिमिटेड, बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज, धारा -2, धुर्वा, रांची-834004, झारखंड
दूरभाष : 0651-2443396
ई-मेल : mstcrnc@mstcindia.co.in
GSTIN : 20AACCM0021E1ZL

चंडीगढ़
एमएसटीसी लिमिटेड, टेलीफोन एक्सचेंज बिल्डिंग, द्वितीय तल, सेक्टर 5, पंचकुला-134109
दूरभाष : 0172-2584921
ई-मेल : sbanduni@mstcindia.co.in
GSTIN : 06AACCM0021E1ZB

गुवाहाटी
एमएसटीसी लिमिटेड, बीएसएनएल एक्सचेंज बिल्डिंग, बेलटोला वशिष्ठ रोड, वायरलेस गुवाहाटी, असम-781038
दूरभाष : 0361-2221199
ई-मेल : mstcghy@mstcindia.co.in
GSTIN : 18AACCM0021E1Z6

Field Offices :

Bhopal
1st Floor, Tilhan Sangh Bhawan,1 Arera Hills MPOILFED Building Bhopal-462004 (Madhya Pradesh)
Tel : (0755) 2552241 / (0755) 2570664
Fax : (0755) 4075720
E-mail : mstcbhopal@mstcindia.co.in
GSTIN : 23AACCM0021E1ZF

Tirupati
MSTC Limited, 14-279A, 2nd Floor, Raghavendra Nagar, Tirupati - 517501
Tel : (+91)08143143879
E-mail : osdtirupati@mstcindia.co.in

Lucknow
2nd Floor, Centre Court Building, Park Road, Hazratganj, Lucknow - 226001, Uttar Pradesh
Tel : 0522- 2236396, 4244702, 4240445
E-mail : mstclko@mstcindia.co.in
GSTIN : 09AACCM0021E1Z5

Bhubaneswar
MSTC Limited, 8th Floor, IDCO Tower, Janapath Road, Unit-9
Bhubaneswar-751022, Odisha
Tel : (0674)- 2544199/2950091
E-mail : mstcbbr@mstcindia.co.in
GSTIN : 21AACCM0021E1ZJ

Trivandrum
First Floor, Forest Central Library Building, Kerala Forest Head Quarters, Vazhuthacaud, Trivandrum 695014
Tel : 0471-2529137
E-mail : mstctvm@mstcindia.co.in
GSTIN : 32AACCM0021E1ZG

Vijayawada
SAIL Office, 1st Floor, Opposite of Novotel, Bharathi Nagar, Vijayawada - 520008
Tel : 0866-2581331
E-mail : gnjayakumar@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6

Raipur
MSTC LIMITED, Hall No 6 & 7, 3rd floor, Udyog Bhawan, Telibandha, Ring Road 1 , Raipur, 492006
Tel : 0771-2432481
E-mail : mstcrpr@mstcindia.co.in
GSTIN : 22AACCM0021E1ZH

Jaipur
CF/02, First Floor, Nehru Place Complex, Tonk Road, Jaipur-302015
Tel : 0141-2742208
E-mail : mstcjaipur@mstcindia.co.in
GSTIN : 08AACCM0021E1Z7

Ranchi
MSTC LIMITED, BSNL TELEPHONE EXCHANGE, Sec-2, DHURWA, RANCHI-834004, JHARKHAND
Tel : 0651-2443396
E-mail : mstcrnc@mstcindia.co.in
GSTIN : 20AACCM0021E1ZL

Chandigarh
MSTC Limited, Telephone Exchange Building, 2nd Floor, Sector-5, Panchkula-134109
Tel : 0172-2584921
E-mail : sbanduni@mstcindia.co.in
GSTIN : 06AACCM0021E1ZB

Guwahati
MSTC LIMITED, BSNL Exchange Building, Beltola Basistha Road, Wireless Guwahati, ASSAM-781038
Tel : 0361-2221199
E-mail : mstcghy@mstcindia.co.in
GSTIN : 18AACCM0021E1Z6

एम एस टी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

CIN : L27320WB1964GOI026211

पंजीकृत एवं मुख्य कार्यालय :
225-सी, आचार्ज जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (033) 2290-0964,2287-7557 / 0568 / 9627
फैक्स : (+91-33) 2287 8547, 22874178
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E1Z4

उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय (उ.क्षे.का.)
30/31ए जीवन विकास भवन, प्रथम तल,
आसफ अली रोड (हमदर्द के विपरित), नई दिल्ली - 110 002
दूरभाष : 011-23214201, 011-23213945
फैक्स : (011) 23216713
ई-मेल : mstcnro@mstcindia.co.in
GSTIN : 07AACCM0021E1Z9

दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय (द.क्षे.का.)
इस्पात भवन, तीसरी मंजिल, नं. 5,
कोडांबक्कम हाई रोड, चेन्नई - 600 034
दूरभाष : 044 28285000, फैक्स : (044) 2522 0091
ई-मेल : mstcsro@mstcindia.co.in
GSTIN : 33AACCM0021E1ZE

पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय (पू.क्षे.का.)
225-एफ, एजेसी बोस रोड, कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290-0964,2287-7557/0568/7716/9627/7568
फैक्स : (+91-33) 2287-4915
ई-मेल : mstcero@mstcindia.co.in
GSTIN :19AACCM0021E2Z3

पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय (प.क्षे.का.)
607-608 रहेजा सेंटर, नरीमन प्वाइंट, मुंबई - 400 021
दूरभाष : (022) 2288 6261 / 2288 5924
ई-ऑक्शन रजिस्ट्रेशन पूछताछ के लिए मिस अर्चना (एएम),
दूरभाष: 022-22886268, फैक्स : (022) 2284 5130
ई-मेल : mstcwro@mstcindia.co.in
GSTIN : 27AACCM0021E1Z7

शाखा कार्यालय :

बेंगलुरु
एमएसटीसी लिमिटेड, 19/5 और 19/6, तृतीय तल,
करीम टावर, कनिंघम रोड, बेंगलुरु -560052
दूरभाष : (080) 2225 6367, 2226 0054, 22266417
फैक्स : (080) 2225 6367
ई-मेल : mstcblr@mstcindia.co.in
GSTIN : 29AACCM0021E1Z3

पटना
डीसीएम सह एमआरटी बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, पीईएसयु सर्कल,
एसबीपीडीसीएल, दरोगा प्रसाद राय पथ के पास, पटना -800001

विशाखापत्तनम
6 वीं मंजिल, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग,
जीविथा बीमा रोड, विशाखापत्तनम - 530004
दूरभाष : (0891) 274 6948, 270 1066, फैक्स : (0891) 274 7053
ई-मेल : mstcvzg@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6

देहरादून
यूसीएफ सदन, दीप नगर रोड, विष्णु विहार, देहरादून -248001

बड़ोदरा
21, कमलांजली अपार्टमेंट, द्वितीय तल,
ट्यूब कंपनी के विपरीत, पुराने पादरा रोड,
अकोटा, बड़ोदरा-390 020
दूरभाष : (0265) 2339 672, 2310 629, फैक्स : (0265) 235 1636
ई-मेल : mstcvda@mstcindia.co.in
GSTIN : 24AACCM0021E1ZD

नागपुर
पहली मंजिल, ईस्ट विंग, नया सचिवालय भवन, विपरीत वीसीए.
ग्राउंड, सिविल लाइंस, नागपुर, महाराष्ट्र-440 001

हैदराबाद
एमएसटीसी लिमिटेड, 5-9-13, 7 वें तल,
तारामंडल कॉम्प्लेक्स, सैफाबाद, सहारा मंजिल
और सम्राट कॉम्प्लेक्स के बीच, हैदराबाद, तेलंगाना 500004
दूरभाष : (040) 23301039, फैक्स : (040) 23301049
ई-मेल : hyd@mstcindia.co.in
GSTIN : 36AACCM0021E1Z8

Registered & Head Office :
225-C, A.J.C Bose Road, Kolkata - 700020
Tel : (033) 2290-0964,2287-7557 / 0568 / 9627
Fax : (+91-33) 2287 8547, 22874178
E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E1Z4

Northern Regional Office (NRO)
30/31A Jeevan Vikas Building, 1st Floor, Asaf Ali Road
(Opp. Hamdard), New Delhi - 110002
Tel : 011-23214201, 011-23213945
Fax : (011) 23216713
E-mail : mstcnro@mstcindia.co.in
GSTIN : 07AACCM0021E1Z9

Southern Regional Office (SRO)
ISPAT Bhavan, 3rd Floor, No.5,
Kodambakkam High Road, Chennai - 600 034
Tel : 044 28285000
Fax : (044) 2522 0091
E-mail : mstcsro@mstcindia.co.in
GSTIN : 33AACCM0021E1ZE

Eastern Regional Office (ERO)
225-F, A.J.C Bose Road, Kolkata - 700 020
Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568
Fax : (+91-33) 2287-4915
E-mail : mstcero@mstcindia.co.in
GSTIN : 19AACCM0021E2Z3

Western Regional Office (WRO)
607-608 Raheja Centre, Nariman Point,
Mumbai - 400 021
Tel : (022) 2288 6261 / 2288 5924
For e-Auction Registration Enquiry - Ms. Archana (AM),
Tel : 022-22886268
Fax : (022) 2284 5130
E-mail : mstcwro@mstcindia.co.in
GSTIN : 27AACCM0021E1Z7

Branch Offices :

Bengaluru
MSTC Limited,19/5 & 19/6, 3rd Floor, Kareem Tower,
Cunningham Road, Bengaluru - 560052
Tel : (080) 2225 6367, 2226 0054, 22266417
Fax : (080) 2225 6367
E-mail : mstcblr@mstcindia.co.in
GSTIN : 29AACCM0021E1Z3

Patna
DCM Cum MRT Building, 3rd Floor, PESU Circle,
SBPDCL, Near Daroga Prasad Rai Path, Patna-800001

Visakhapatnam
6th Floor "Jeevan Prakash" LIC Building,
Jeevitha Bima Road, Visakhapatnam - 530004
Tel : (0891) 274 6948, 270 1066, Fax : (0891) 274 7053
E-mail : mstcvzg@mstcindia.co.in
GSTIN : 37AACCM0021E1Z6

Dehradun
UCF Sadan, Deep Nagar Road, Vishnu Vihar, Dehradun-248001

Vadodara
21,Kamalanjali Apartment, 2nd Floor,
Opp.Tube Company, Old Padra Road,
Akota, Vadodara-390 020
Tel : (0265) 2339 672, 2310 629, Fax : (0265) 235 1636
E-mail : mstcvda@mstcindia.co.in
GSTIN : 24AACCM0021E1ZD

Nagpur
1st Floor, East Wing, New Secretariat Building, Opp. V.C.A. Ground,
Civil Lines, Nagpur, Maharashtra-440 001

Hyderabad
MSTC Ltd., No 5-9-13, 7th Floor,
Taramandal Complex, Saifabad,
Between Sahara Manzil And Samrat Complex,
Hyderabad, Telangana 500004.
Tel : (040) 23301039, Fax : (040) 23301049
E-mail : hyd@mstcindia.co.in
GSTIN : 36AACCM0021E1Z8

MSTC's Offices

- New Delhi
- Mumbai
- Kolkata
- Chennai
- Bangalore
- Visakhapatnam
- Vadodara
- Hyderabad
- Bhopal
- Trivandrum
- Lucknow
- Jaipur
- Bhubaneswar
- Raipur
- Guwahati
- Ranchi
- Chandigarh
- Tirupati
- Vijayawada
- Patna
- Nagpur
- Dehradun

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC
LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

225C, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA - 700 020. INDIA
PHONE : 91-33-2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 7716 / 9627 / 7568
website : www.mstcindia.co.in • www.mstcecommerce.com
CIN : L27320WB1964GOI026211

adunique

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC
MSTC LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)
CIN: L27320WB1964GOI026211; GSTIN: 19AACCM0021E1Z4
225C, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA – 700 020, INDIA
Website: www.mstcindia.co.in Phone: 2281-9627/3088
Email: cosec@mstcindia.co.in

NOTICE OF 54th ANNUAL GENERAL MEETING

NOTICE is hereby given that the fifty fourth Annual General Meeting (AGM) of the Members of MSTC Limited will be held on **Wednesday, September 25, 2019, at 11:00 A.M. at Hall no.6, (Auditorium at level 1), Biswa Bangla Convention Centre, Biswa Bangla Sarani, DG Block, New Town, Action Area-1, Kolkata-700 0156,** West Bengal to transact, the following businesses;

ORDINARY BUSINESS:

1. To receive, consider and adopt the audited Standalone as well as Consolidated Financial Statement of the Company for the financial year ended March 31, 2019, together with the Reports of the Board and the Auditors thereon and comments of Comptroller and Auditor General of India.

2. To appoint a Director in place of Shri B.B.Singh (Din - 03212787), who retires by rotation and being eligible, offer himself for re-appointment.

3. To authorize Board of Directors of the Company to fix the remuneration of the Auditors of the Company appointed by the Comptroller & Auditor General of India for the Financial Year 2019-20 and to consider and if thought fit to pass with or without modification(s), the following resolution as an **Ordinary Resolution**:

   "RESOLVED THAT pursuant to Section 142 and other applicable provisions of the Companies Act, 2013 and rules made there under the Board of Directors of the company be and is hereby authorized to determine the amount of remuneration payable to the Statutory Auditors under Section 139(5) of the Companies Act, 2013 as appointed by the Comptroller and Auditor General of India, including reimbursement of out of pocket expenses if any incurred by the said Auditors in connection with the Audit of Accounts of the Company for the Financial year 2019-20".

SPECIAL BUSINESS :

Item No.4: To appoint Shri Subrata Sarkar (DIN: 08290021), as Whole Time Director (Finance).

To consider and if thought fit to pass with or without modification(s), the following resolution as an **Ordinary Resolution**:

" **RESOVED THAT** Pursuant to the provisions of Section 152 and 161(1) of the Companies Act, 2013 (including any statutory modification or re-enactment thereof for the time being in force) and the Articles of Association of the Company, Shri Subrata Sarkar (DIN: 08290021) who was appointed as an Additional Director and designated as Director (Finance) by the Board of Directors and who holds office upto 54th Annual General Meeting and in respect of whom the Company has received a notice in writing, from a member under section 160 of the Companies Act, 2013, be and is hereby appointed as a Whole Time Director having designation Director(Finance), liable to retire by rotation, for a period of five years with effect from the date of his assumption of charge of the post or till the date of his superannuation, or until further orders from the Ministry of Steel , whichever is the earliest and other terms and conditions as contained in letter no. F. No. 8/2/2017-BLA dated 20th August, 2018 received from Ministry of Steel, Government of India."

Item No.5: To appoint Smt. Aparna Chaturvedi (DIN: 00028647) , as an Independent Director.

To consider and if thought fit to pass with or without modification(s), the following resolution as an **Ordinary Resolution**:

" **RESOLVED THAT** pursuant to the provisions of Section 149, 150, 152 and 161(1) read with Schedule IV & other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 and the rules notified thereunder (including any statutory modification or re-enactment thereof for the time being in force), the Articles of Association of the Company Smt. Aparna Chaturvedi (Din no. 00028647) , who was appointed as an Additional Independent Director as per the provisions of the Companies Act, 2013, and who holds office upto 54th Annual General Meeting and in respect of whom, the Company has received a notice in writing, from a member under section 160 proposing her candidature for the office of Independent Director, be and is hereby appointed as an Independent Director, not liable to retire by rotation for a period of three years with effect from 14th December, 2018 or until further orders from the Ministry of Steel, whichever is earlier and other terms and conditions as contained in letter no. 1/10/2015-BLA (Vol-III)(Pt.) dated 14th December, 2018."

"**RESOLVED FURTHER THAT** any director of the Company be and is hereby authorised to issue the appointment letter to Smt. Aparna Chaturvedi and to do all such acts, deeds, matters and things and give such directions as it may in its absolute discretion deem necessary, proper or desirable and to settle any question, difficulty or doubt that may arise in this regard and also to the extent permitted by law, all or any of the powers herein conferred to any committee of Directors or the Managing Director or any Director(s) or any other Key Managerial Personnel or any other officer(s) of the Company."

Item No.6: To maintain Company's Register of Members etc. at the office of Registrar and Share Transfer Agent at New Delhi in addition to the same being maintained at the Registered Office of the Company

To consider and if thought fit to pass with or without modification(s), the following resolutions as a **Special Resolution**:

"RESOLVED THAT pursuant to the provisions of section 94 of the Companies Act, 2013 (the Act) and the Rules made thereunder, the consent of the Members be and is hereby accorded to the Board of Directors of the Company, for keeping the Register of Members together with the Index of Members and other security holders, if any, Register of Debenture Holders together with the Index of Debenture Holders and other security holders, if any, under section 88 of the Act, and copies of the Annual Returns under section 92 of the Act at the office premises of the Company's Registrar & Share Transfer Agents (R&T Agent) viz. Alankit Assingments Ltd. at 205 – 208, Anarkali Complex, Jhandewalan Extension, New Delhi-110055 and/or at such places within New Delhi where the R&T Agents may have their office from time to time and/or at the Registered Office of the Company at 225-C, A.J.C. Bose Road, Kolkata-700 020.

RESOLVED FURTHER THAT the approval of the Company be accorded to the Board of Directors of the Company (including any Committee thereof) to do all such acts, deeds, matters and things and to take all such steps as may be required in this connection including seeking all necessary approvals to give effect to this Resolution and to settle any questions, difficulties or doubts that may arise in thisregard."

Registered Office:
225-C, A.J.C. Bose Road,
Kolkata – 700020
Place: Kolkata
Date :17th July, 2019

By Order of the Board of Directors

Sd/-
(Ajay Kumar Rai)
Company Secretary
(FCS - 5627)

Notes:

1. **A MEMBER ENTITLED TO ATTEND AND VOTE AT THE AGM IS ALSO ENTITLED TO APPOINT A PROXY TO ATTEND AND VOTE INSTEAD OF HIMSELF/ HERSELF AND THE PROXY NEED NOT BE A MEMBER OF THE COMPANY.**

   In terms of Section 105 of the Companies Act, 2013 read with Rule 19 of the Companies (Management and Administration) Rules 2014, a person can act as a proxy on behalf of members not exceeding fifty and holding in the aggregate not more than ten percent of the total share capital of the company carrying voting rights. A member holding more than ten percent of the total share capital of the company carrying voting rights may appoint a single person as proxy and such person shall not act as proxy for any other person or shareholder.

   The proxy form MGT–11, has been attached to this notice.

2. The instrument appointing the proxy, in order to be valid and effective must be deposited at the Registered Office of the Company duly filled, stamped and signed, not less than 48 (Forty-Eight) hours before the scheduled time of commencement of the AGM.

3. Corporate Members intending to send their authorized representative(s) pursuant to section 113 of the Companies Act 2013 to attend the Meeting are requested to send a certified copy of the Board Resolution authorizing their representative to attend and vote on their behalf at the Meeting. A person authorised by resolution under Section 113(1) of the Companies Act, 2013, shall be entitled to exercise the same rights and powers, including the right to vote by proxy, on behalf of the body corporate which he/she represents.

4. Where there are members registered jointly in respect of any share, any one of such persons may vote at the AGM either personally or by proxy in respect of such share as if he was solely entitled thereto; and if more than one of such members be present at any meeting either personally or by proxy, that one of the said members so present whose name stands first in the Register of Members in respect of such share shall alone be entitled to vote in respect thereof. Several executors or administrators of a deceased member in whose name any share is registered shall for the purposes of Articles of Association of the Company, be deemed to be members registered jointly in respectthereof.

5. Members/Proxies are advised to bring the enclosed Attendance Slip duly filled in for attending the meeting along with the Annual Report already circulated to them. Duplicate admission slips and or copies of the report and accounts will not be provided at the AGMvenue.

6. Explanatory Statement pursuant to Section 102 of the Companies Act, 2013, relating to the special business to be transacted at the meeting is attached herewith.

7. The business set out in the Notice will be transacted through remote electronic voting system and the Company is providing facility for voting by remote electronic means. Instruction and other information relating to E-voting are given in the notice under Note no. 31.

8. The Register of Directors and Key Managerial Personnel and their shareholding maintained under Section 170 of the Companies Act, 2013 & the Register of Contracts or arrangements in which the Directors are interested maintained under Section 189 of the Companies Act, 2013 will be made available for inspection by the members at the AGM venue during the continuance ofthemeeting.

9. **Unpaid/unclaimed dividend**: Pursuant to the provisions of the Companies Act, 2013 read with Rules made thereunder (as amended), any money transferred to the Unpaid Dividend Account of a Company which remains unpaid/ unclaimed for a period of seven years from the date of such transfer shall be transferred by the Company along with interest accrued (if any) thereon to 'Investors Education & Protection Fund'

(IEPF) constituted by the Central Government. Accordingly, the Company has transferred the unclaimed divided to IEPF which were belonging to the shareholders whose dividend were unpaid/unclaimed from the Financial Year 2010-11.

Members are also requested to note that the shares in respect of which dividend was not claimed for seven consecutive years along with the unclaimed dividend amount for the financial year ended 31st March, 2012 (declared and paid in 2012) will be due for transfer to IEPF on 11th October, 2019.

Further, pursuant to the Investor Education and Protection Authority (Accounting, Audit, Transfer and Refund) Rules, 2016 (as amended), the Company has uploaded details of unpaid and unclaimed amounts lying with the Company as on 26th September, 2018 (date of last Annual General Meeting) on its website at www.mstcindia.co.in and also on the website of the Ministry of Corporate Affairs.

10. **Compulsory transfer of Equity Shares to Investors Education & Protection Fund (IEPF**) : Pursuant to the provisions of the Companies Act, 2013 read with the Investor Education and Protection Fund Authority (Accounting, Audit, Transfer and Refund) Rules, 2016 (as amended), all shares on which dividend has not been paid or claimed for seven consecutive years has been transferred to IEPF.

11. Further, members are requested to note that in respect of dividend and shares transferred to IEPF, members are entitled to claim the same from IEPF authority by submitting an online application in the prescribed Form IEPF- 5 available on the website www.iepf.gov.in and sending a physical copy of the same duly signed to the Nodal Officer of the Company at the registered office of the Company, along with the requisite documents enumerated in Form IEPF-5. Mr. Ajay Kumar Rai, Company Secretary & Compliance Officer is the Nodal Officer of the company for the purpose of verification of such claims.

12. In terms of IEPF Rules, Member can file only one consolidated claim in respect of the company in a financial year.

13. The Register of Members and Share Transfer Books of the Company will remain closed from **Wednesday, the 18th September, 2019 to Wednesday, the 25th September, 2019 (both days inclusive)** for the purpose of Annual General Meeting.

14. Members may avail the facility of nomination in terms of Section 72 of the Companies Act, 2013 by nominating any person to whom their shares in the Company shall vest on occurrence of events stated in Form-SH.13. Form- SH.13 is to be submitted in duplicate to M/s. Alankit Assignments Private Limited, RTA of the Company. In case of shares held in dematerialized form, the nomination has to be lodged with the respective Depository Participant.

15. The Securities and Exchange Board of India (SEBI) has mandated the submission of Permanent Account Number (PAN) and Bank Account details by every participant in securities market. Members holding shares in electronic form are therefore, requested to submit PAN and Bank details to their depository participants with whom they are maintaining their demat accounts. Member holding shares in physical forms are also required to submit their PAN and Bank Account details to the Registrar and Share Transfer Agent/Secretarial Department of the Company. SEBI has also mandated that for registration of transfer of securities, the transferee(s) as well as transferor(s) shall furnish a copy of their PAN Card to the Company

16. In terms of the SEBI Listing Regulations, securities of listed companies can only be transferred in dematerialized form with effect from 1st April, 2019. In view of the above, Members are advised to dematerialize shares held by them in physical form. With regard to the same, the Company's Registrar and Share Transfer Agent has already sent reminder letters to the shareholders during the financial year 2018- 19, for updating their KYC details and for dematerializing their physical holdings of securities.

17. All documents referred to in the accompanying notice are open for inspection at the AGM and such documents will also be available for inspection in physical or in electronic form at the registered office of the Company and copies thereof shall also be available for inspection at the Registered office of the Company during normal business hours on working days from 11.00 AM to 1.00 PM.

18. Brief profile of the Directors Seeking appointment/reappointment in terms of Clause 1.2.5 of Secretarial Standard on General Meetings (SS-2) is annexed hereto and forms part of the Notice.

19. Members may also note that notice of 54th AGM and Annual Report 2018-19 will be available on the Company's website i.e, www.mstcindia.co.in .The physical copies of the aforesaid documents will also be available at the Company's registered office for inspection during the normal business hours on working days from 11.00A.M to 1.00 P.M . Members who require communication in physical form in addition to e-communication, or have any other queries, may write to:cosec@mstcindia.co.in.

20. The Company has opted for dematerialization of shares. MSTC shares have been dematerialized with NSDL and CDSL bearing ISIN INE255X01014. Members holding shares in physical form are requested to dematerialize the same immediately.

21. Members holding shares in the same name or in the same order of names but in several folios are requested to consolidate them into one folio.

22. Members who have not received or not encashed their dividend warrants may approach M/s. Alankit Assignments Private Limited, Registrar & Share Transfer Agent of the Company, or Secretarial Department of the Company for obtaining the same.

23. The Company sends to the Members notices, annual report and accounts and other communication through electronic mode. Members are, therefore, requested to update their e-mail address with the Depository Participant if the holding is in electronic mode, or, intimate to the Company by sending an e- mail at cosec@mstcindia.co.in. Copies of all such communication can also be obtained in physical form from the Company free of cost, upon request. All such documents shall also be available at the Company's website www.mstcindia.com.

24. Bonus shares have been issued by the company on 11th January, 2019 to those Shareholders holding shares in demat mode only and shares belonging to those shareholders who hold shares in physical mode were kept in a separate account known as **"MSTC Limited Unclaimed Suspense account"**. All Shareholders holding shares in physical mode only are requested to convert their shares immediately from physical to demat mode and claim the bonus shares from the company.

25. Non-resident Indian Members are requested to inform Company's Registrar and Share Transfer Agent, M/s. Alankit Assignments Private Limited, Immediately of:

(a) Change in their residential status on return to India for permanent settlement.

(b) Particulars of their bank account maintained in India with complete name, branch, account type, account number and address of the bank with pin code number, if not furnished earlier.

26. To Support the 'Green Initiative', the members who have not registered their e-mail addresses are requested to register the same with the company's Registrar and Share Transfer Agent/ Depositories for receiving all communication including Annual reports, Notices, Circulars etc. from the Company electronically.

27. The Route map showing directions to reach the venue of the fifty fourth (54th) AGM is annexed hereto.

28. For convenience of the members and proper conduct of the meeting, entry to the Meeting venue will be regulated by the Attendance Slip, which is enclosed with this Notice. Members are requested to sign at the place provided on the Attendance slip and hand it over to the Registration Counter at the Venue.

29. Members desiring any information relating to the accounts are requested to write to the Company well in advance so as to enable the management to keep the information ready.

30. It is hereby informed that the members of the Company shall be allowed to enter the venue of the AGM only on or after 10.30 a.m.

31. **Voting through electronic means**

I. (A) The Company will provide to its members the facility to vote on the resolutions proposed to be considered at the 54th AGM by electronic means and the business may be transacted through such voting with services provided by National Securities Depository Limited (NSDL).

(B) The facility for voting, either through electronic voting system or ballot or polling paper shall also be made available at the AGM and the members attending the Meeting who have not already cast their vote from a place other than the venue of the AGM by using the said electronic voting system (such voting hereinafter referred to as "remote e-voting") shall be able to exercise their voting right at the Meeting.

(C) The members who would have cast their vote by remote e-voting prior to the Meeting may also attend the Meeting but shall not be entitled to cast their vote again.

II. The process and manner for remote e-voting are asunder:

The way to vote electronically on NSDL e-Voting system consists of "Two Steps" which are mentioned below:

Step 1 : Log-in to NSDL e-Voting system at https://www.evoting.nsdl.com/

Step 2 : Cast your vote electronically on NSDL e-Voting system.

Details on Step 1 are mentioned below:

How to Log-in to NSDL e-Voting website?

1. Visit the e-Voting website of NSDL. Open web browser by typing the following URL: https://www.evoting.nsdl.com/ either on a Personal Computer or on amobile.
2. Once the home page of e-Voting system is launched, click on the icon "Login" which is available under 'Shareholders' section.
3. A new screen will open. You will have to enter your User ID, your Password and a Verification Code as shown on the screen.
   Alternatively, if you are registered for NSDL eservices i.e. IDEAS, you can log-in at https://eservices.nsdl.com/ with your existing IDEAS login. Once you log-in to NSDL eservices after using your log-in credentials, click on e-Voting and you can proceed to Step 2 i.e. Cast your vote electronically.
4. Your User ID details are given below:

Manner of holding shares i.e. Demat (NSDL or CDSL) or Physical	**Your User ID is:**
a) For Members who hold shares in demat account with NSDL.	8 Character DP ID followed by 8 Digit Client ID For example if your DP ID is IN300*** and Client ID is 12****** then your user ID is IN300***12******.
b) For Members who hold shares in demat account with CDSL.	16 Digit Beneficiary ID For example if your Beneficiary ID is 12********** then your user ID is 12**********
c) For Members holding shares in Physical Form.	EVEN Number followed by Folio Number registered with the company For example if folio number is 001*** and EVEN is 101456 then user ID is 101456001***

5. Your password details are given below:
   a) If you are already registered for e-Voting, then you can use your existing password to login and cast your vote.
   b) If you are using NSDL e-Voting system for the first time, you will need to retrieve the 'initial password' which was communicated to you. Once you retrieve your 'initial password', you need to enter the 'initial password' and the system will force you to change your password.
   c) How to retrieve your 'initial password'?
      (i) If your email ID is registered in your demat account or with the company, your 'initial password' is communicated to you on your email ID. Trace the email sent to you from NSDL in your mailbox. Open the email and open the attachment i.e. a .pdf file namely MSTC e-Voting.pdf. Open the .pdf file. The password to open the .pdf file is your 8 digit client ID for NSDL account, last 8 digits of client ID for CDSL account or folio number for shares held in physical form. The .pdf file contains your 'User ID' and your 'initial password'.
      (ii) If your email ID is not registered, your 'initial password' is communicated to you on your postal address.
6. If you are unable to retrieve or have not received the " Initial password" or have forgotten your password:
   a. Click on "**Forgot User Details/Password**?"(If you are holding shares in your demat account with NSDL or CDSL) option available onwww.evoting.nsdl.com.
   b. **Physical User Reset Password**?" (If you are holding shares in physical mode) option available on www.evoting.nsdl.com.
   c. If you are still unable to get the password by aforesaid two options, you can send a request at evoting@nsdl.co.in mentioning your demat account number/folio number, your PAN, your name and your registered address.
   d. Members can also use the OTP (One Time Password) based login for casting the votes on the e-voting system of NSDL.
7. After entering your password, tick on Agree to "Terms and Conditions" by selecting on the check box.
8. Now, you will have to click on "Login" button.
9. After you click on the "Login" button, Home page of e-Voting will open.

Details on Step 2 are given below:

How to cast your vote electronically on NSDL e-Voting system?

1. After successful login at Step 1, you will be able to see the Home page of e-Voting. Click on e-Voting. Then, click on Active Voting Cycles.
2. After click on Active Voting Cycles, you will be able to see all the companies "EVEN" in which you are holding shares and whose voting cycle is in activestatus.
3. Select "EVEN" of company for which you wish to cast yourvote.
4. Now you are ready for e-Voting as the Voting pageopens.
5. Cast your vote by selecting appropriate options i.e. assent or dissent, verify/modify the number of shares for which you wish to cast your vote and click on "Submit" and also "Confirm" when prompted.
6. Upon confirmation, the message "Vote cast successfully" will be displayed.
7. You can also take the printout of the votes cast by you by clicking on the print option on the confirmation page.
8. Once you confirm your vote on the resolution, you will not be allowed to modify your vote.

III. In case of any queries, you may refer to the Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders and e-voting user manual for Shareholders available at the Downloads section of www.evoting.nsdl.com.
In case of any grievance related to voting by electronic means, you may please contact Mr. Amit Vishal, Senior Manager, NSDL / Ms. Pallavi Mhatre, Asst. Manager, NSDL at 022 – 2499 4360 / 022 – 2499 4545 and send an email to evoting@nsdl.co.in

IV. You can also update your mobile number and e-mail id in the user profile details of the folio which may be used for sending the future communication(s).

V. The voting rights of shareholders shall be in proportion to their shares on the paid up equity share capital of the Company as on the **cut-off date i.e.18th September,2019.**

VI. Institutional shareholders (i.e. other than individuals, HUF, NRI etc.) are required to send scanned coy (PDF/JPG Format) of the relevant Board Resolution / Authority letter etc. together with attested specimen signature of the duly authorized signatory(ies) who are authorized to vote, to the Scrutinizer through e-mail to Saumayo Jyoti Seal at seal.saumayo@gmail.com with a copy marked to evoting@nsdl.co.in.

VII. It is strongly recommended not to share your password with any other person and take utmost care to keep your password confidential. Login to the e-voting website will be disabled upon five unsuccessful attempts to key in the correct password. In such an event, you will need to go through the "Forgot User Details/ Password?" or "Physical User Reset Password?" option available on www.evoting.nsdl.com to reset the password.

VIII. Any person, who acquires shares of the Company and becomes a Member of the Company after dispatch of the Notice and is holding shares as on the cut-off date may obtain the log in ID and password by sending a request at evoting@nsdl.co.in and cosec@mstcindia.co.in. However if you are already registered with NSDL for remote e-voting then you can use your existing user ID and password for casting your vote. If you forget your password, you can reset your password by using "**Forgot User Details/Password?**" or "**Physical User Reset Password?**" option available on www.evoting.nsdl.com.

IX. The remote e-voting period commences on 21st September 2019 (at 9.00 AM IST) and ends on 24th September 2019 (at 5.00 PM IST). During this period, shareholders of the Company, holding shares either in physical form or in dematerialized form, as on the cut-off date of 18th September, 2019, may cast their vote electronically. The remote e-voting module shall be disabled by NSDL for voting thereafter. Once the vote on a resolution is cast by the Shareholder, the shareholder shall not be allowed to change it subsequently or cast his voteagain.

X. Pursuant to the provisions of Section 108 of the Act read with rules made thereof Mr. Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary (Membership no. FCS9766) has been appointed as the Scrutinizer to scrutinize the remote e-voting process and voting at the AGM in a fair and transparentmanner.

XI. The Scrutinizer shall, immediately after conclusion of voting at the AGM, first count the votes cast at the Meeting, thereafter unblock the votes cast through remote e-voting in the presence of at least two witnesses not in employment of the Company and submit, not later than forty eight hours of conclusion of the Meeting, a consolidated Scrutinizer's Report of the total votes cast in favour or against, if any, to the Chairman or a person authorized by him in writing who shall countersign the same.

XII. The Results shall be declared forthwith upon receipt of the Scrutinizer's Report. The Results declared along with the Scrutinizer's Report shall be displayed at the Registered Office of the Company at 225-C A.J.C. Bose Road, Kolkata-700 020 and posted on the Company's website www.mstcindia.com and on the website of NSDL immediately after their declaration by the Chairman and communicated to the Stock Exchanges where the shares of the Company are listed.

EXPLANATORY STATEMENT PURSUANT TO SECTION 101(1) & 102(2) OF THE COMPANIES ACT, 2013

Item No.4: To appoint Shri Subrata Sarkar (DIN: 08290021), as Director (Finance)

Pursuant to section 161 of the Companies Act, 2013, the Board of Directors has appointed Shri Subrata Sarkar [DIN: 08290021] as an Additional Director, designated as Director (Finance) and CFO of the company with effect from 1st December, 2018. The Company has received a notice in writing under the provisions of Section 160 of the Companies Act, 2013, from a member proposing the candidature of Shri Subrata Sarkar for the office of Director (Finance).The Company has received from Subrata Sarkar:(i) consent in writing to act as director in Form DIR-2 pursuant to Rule 8 of Companies (Appointment & Qualification of Directors) Rules 2014,(ii) intimation in Form DIR- 8 in terms of Companies (Appointment & Qualification of Directors) Rules, 2014, to the effect that he is not disqualified under subsection (2) of Section 164 of the Companies Act, 2013.

The resolution seeks the approval of members for the appointment of Shri Subrata Sarkar as Director(Finance) of the Company from 1st December, 2018 upto a period of five years with effect from the date of his assumption of charge of the post or till the date of his superannuation, or until further orders from the Ministry of Steel, whichever is the earliest and his period of office shall be subject to retire by rotation and other terms and conditions as contained in letter no. F. No. 8/2/2017-BLA dated 20th August, 2018 received from Ministry of Steel, Government of India.

No Director, Key Managerial Personnel or their relatives, except Shri Subrata Sarkar to whom the resolution relates, is interested or concerned financially or otherwise in the resolution.

The Board recommends the ordinary resolution as set forth in Item no.4 for the approval of the members.

Item No.5: To appoint Smt. Aparna Chaturvedi (DIN: 00028647), as an Independent Director

Administrative Ministry has vide its letter no. 10/2015- BLA (Vol-III) (Pt.) dated 14th December, 2018 appointed Smt. Aparna Chaturvedi (DIN: 00028647) as Non–Official Independent Director of the Company for a period of three years from the date of her appointment or until further orders whichever is earlier.The Board of directors in its 285th meeting held on 11th January, 2019 appointed her as an Additional Non official Independent Director, not liable to retire by rotation for a period of three years with effect from the date of her appointment or until further orders whichever is earlier.

Appointment of Smt. Aparna Chaturvedi has also been recommended by the Nomination and Remuneration Committee of the Company. The Company has received from her (i) consent in writing to act as director in Form DIR-2 pursuant to Rule 8 of Companies (Appointment & Qualification of Directors) Rules 2014, (ii) intimation in Form DIR-8 in terms of Companies (Appointment & Qualification of Directors) Rules, 2014, to the effect that she is not disqualified under subsection (2) of Section 164 of the Companies Act, 2013 as well as declaration under section 149 of the Companies Act, 2013.

The resolution seeks the approval of members for the appointment of Smt. Aparna Chaturvedi as an Independent Director of the Company in terms of the letter no. 10/2015- BLA (Vol-III) (Pt.) dated 14th December, 2018 received from the administrative ministry.

No Director, Key Managerial Personnel or their relatives, except Smt. Aparna Chaturvedi to whom the resolution relates, is interested or concerned financially or otherwise in the resolution.

The Board of Directors considered that in view of the background and experience of Smt. Aparna Chaturvedi, it would be in the interest of the company to appoint her as an Independent Director of the Company.

The Board recommends the ordinary resolution set forth in Item no.5 for the approval of the members.

Item No.6: To maintain Company's Register of Members etc at the office of Registrar and Share Transfer Agent at New Delhi in addition to the same being maintained at the Registered Office of the Company

The Board of Directors in its meeting held on 3rd May, 2019 appointed Alankit Assignments Limited, New Delhi as Registrar and Share Transfer Agent of the Company for one year.

Accordingly, it was proposed to keep the Register of Members together with the Index of Members, and other security holders, if any, together with the Index of Debenture Holders and other security holders, if any, under section 88 of the Companies Act, 2013 (the Act) and copies of the Annual Return under section 92 of the Act at the office premises of the Company's Registrar and Share Transfer Agents viz. Alankit Assignments Limited at 205 – 208, Anarkali Complex, Jhandewalan Extension, New Delhi-110055 and at such places within New Delhi where M/s Alankit Assignments Limited may have their office from time to time and/or at the Registered Office of the Company at 225-C, A.J.C. Bose Road, Kolkata-700020.

Pursuant to the provisions of Section 94 of the Act the approval of the Members by way of Special Resolution was required, for keeping the Register of Members together with Index of Members, Register of Debenture Holders and other security holders, if any, together with Index of Debenture Holders and other security holders, if any and copies of the Annual Return at a place in India other than the Registered Office of the Company in which more than one-tenth of the total number of Members entered in the Register of Members reside.
None of the Directors or KMP or their relatives are interested in resolution.

The Board therefore, recommends the Special Resolution set forth in Item no.6 for the approval of the members.

Registered Office:
225-C, A.J.C. Bose Road,
Kolkata – 700020
Place: Kolkata
Date :17th July, 2019

By Order of the Board of Directors
Sd/-
(Ajay Kumar Rai)
Company Secretary
(FCS-5627)

Brief Profile of Directors seeking appointment in the 54th AGM

Particulars	Name of Directors		
	Shri Bam Bahadur Singh	Shri Subrata Sarkar	Smt. Aparna Chaturvedi
DIN	03212787	08290021	00028647
Date of Birth	11/11/1959	04/04/1970	25/08/1958
Nationality	Indian	Indian	Indian
Date of Appointment on the Board	28/04/2010	01/12/2018	14/12/2018
Qualification	B.Sc (Engineering), MBA	B.Sc, ACA	B.Sc, MBA
List of Directorships held in other companies	1. Mahindra MSTC Recycling Private Limited 2. Ferro Scrap Nigam Limited	1.Mahindra MSTC Recycling Private Limited	1. IFCI Financial Services Ltd. 2. Ferro Scrap Nigam Limited
Chairman or membership of other committees in MSTC Ltd.	NA	1.Stakeholder's Relationship Committee - Member 2.Corporate Social Responsibility Committee - Member	Audit Committee – Member

एम एस टी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)
CIN: L27320WB1964GOI026211; GSTIN: 19AACCM0021E1Z4
225C, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA – 700 020, INDIA
Website: www.mstcindia.co.in Phone: 2281-9627/3088
Email: cosec@mstcindia.co.in

PROXY FORM (MGT-11)

[Pursuant to Section 105(6) of the Companies Act, 2013 and Rule 19(3) of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014]

CIN:	L27320WB1964GOI026211
Name of the Company:	MSTC Limited
Registered Office:	225C, A.J.C Bose Road, Kolkata- 700020
Name of the Member(s):	
Registered address:	
E-mail Id:	
Folio No./Client Id & DP. Id:	

I/We, being the Member(s) of_____shares of the above named Company, hereby appoint

1	Name:	Address:	
	E-mail Id:	Signature	Or failing him
2	Name:	Address:	
	E-mail Id:	Signature	Or failing him
3	Name:	Address:	
	E-mail Id:	Signature	Or failing him

and whose signature are appended above as my/our proxy to attend and vote (on a poll) for me/us and on my/our behalf at the 5 4th Annual General Meeting to be held on **Wednesday, September 25, 2019, at 11:00 A.M. at Hall no.6, (Auditorium at level 1), Biswa Bangla Convention Centre, Biswa Bangla Sarani, DG Block, New Town, Action Area-1, Kolkata-700 0156** and at any adjournment thereof in respect of such resolutions as are indicated below:

Resolution no.	Particulars	In Favour	Against
1	To consider and adopt the Audited Financial Statements of the Company, both Standalone and Consolidated along with the comments of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the Company for the Financial year ended 31st March, 2019 and the reports of the Auditors and the Board of Directors thereon.		
2	To re-appoint Shri B. B. Singh (DIN: 03212787), as Director liable to retire by rotation.		
3.	To authorize Board of Directors of the Company to fix the remuneration of the Auditors.		
4.	To appoint Shri. Subrata Sarkar (DIN: 08290021), as a Whole Time Director (Finance).		
5.	To appoint Smt. Aparna Chaturvedi(DIN: 00028647), as an Independent Director.		
6.	To maintain Company's Register of Members etc. at the office of Registrar and Share Transfer Agent at New Delhi in addition to the same being maintained at the registered office of the Company.		

Signed this _____ day of_____2019.
Signature of shareholder._____
Signature of Proxy holder(s)_____

Affix Revenue Stamp.

Note: This form of proxy in order to be effective should be duly filled, stamped and deposited at the Registered Office of the Company, not less than 48 hours before the commencement of the Meeting.

Malati construction
Tyres
JATRAGACHHI CAR PARKING
Rishi Tech Pa
Street No 378
Adarshapally Rd
jatragacchi bridge
Store Centre
Jatragachi Flyover
Karmyog Greens
Canal Bank Rd
Jatragachi Flyover
KarmYog Ashram 2
Street Number 121
Canal Bank Rd
Kestopur Khal
earninglink.
searchaqua.com
Canal Bank Rd
Canal Bank Rd
Biswa Bangla
Convention Centre
59 min drive - home
Pedl Cycle Stand
Gitanjali Enterprises
(Bellanzo Guest House)
Delhi Public
School Newtown
Street Number 174
Arvi Cteations
BSNL Rajarhat
New Town
Street Number 327
Tennis Court ,DPS
Google
PWD Garden
HIDCO Bhaban
Map data ©2019
India
Terms
Send feedback
100 m

एम एस टी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
MSTC LIMITED
(A Govt. of India Enterprise)
CIN: L27320WB1964GOI026211; GSTIN: 19AACCM0021E1Z4
225C, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA – 700 020, INDIA
Website: www.mstcindia.co.in Phone: 2281-9627/3088
Email: cosec@mstcindia.co.in

Attendance Slip

54th Annual General Meeting held on Wednesday, September 25, 2019, at 11:00 A.M. at Hall no.6, (Auditorium at level 1), Biswa Bangla Convention Centre, Biswa Bangla Sarani, DG Block, New Town, Action Area-1, Kolkata-700 0156.

Regd. Folio/DP-ID & Client ID Name and Address of the Member Joint Holder(s) No. of Share held	

I/We certify that I/we am/are member(s)/proxy/authorised representative for the member of the Company.

I/We record my/our presence at **54th Annual General Meeting held on Wednesday, September 25, 2019, at 11:00 A.M. at Hall no.6, (Auditorium at level 1), Biswa Bangla Convention Centre, Biswa Bangla Sarani, DG Block, New Town, Action Area-1, Kolkata-700 0156.**

Name of the Member:_____Signature:_____

Name of the Proxy:_____Signature:_____

Notes:

1. Kindly sign and handover the attendance slip at the entrance of the meeting hall.
2. Members/Proxy holders are requested to bring their copy of the Annual Report for reference at the meeting.
3. The remote e-voting period starts from September, 21st, 2019 at 9.00 A.M. and ends on Tuesday 24th September, 2019 at 5.00 P.M. Thereafter, the remote e-voting module shall be disabled by NSDL. Kindly refer to the remote e-voting instructions in the Notice.
4.

EVEN (Remove e-Voting Event Number)	USER ID	Password/PIN